

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 50] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 14, 1985 (अग्रहायण 23, 1907)
No. 50] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 14, 1985 (AGRAHAYANA 23, 1907)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग खण्ड I [PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, निम्नलिखित और न्यायपालिका, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं
(Notifications issued by the High Courts, the Controller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 17 अक्तूबर 1985

सं० ए० 12025(II)/1/84-प्रशा० III—संघ लोक सेवा आयोग के के० सं० से० संवर्ग; अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थापनापन रूप से कार्यरत श्री देवदत्त (अ० जा०) के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के का० जा० सं० 5/11/85-सी० एस-I दिनांक 9-9-1985 द्वारा शिक्षा मंत्रालय के के० सं० से० संवर्ग में वर्ष 1984 के लिए अनुभाग अधिकारी ग्रेड (वरिष्ठता कोटा) की चयन सूची में सम्मिलित करने हेतु मनोनित होने के परिणामस्वरूप उन्हें 18 अक्तूबर, 1985 के पूर्वार्द्ध में इस कार्यालय के कार्यभार में मुक्त किया जाता है।

दिनांक 31 अक्तूबर 11985

सं० ए० 32014/1/85-प्रशा०-III—संघ लोक सेवा आयोग के के० सं० से० संवर्ग के निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को राष्ट्रपति द्वारा उनमें से प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में डैस्क

अधिकारी के पद पर कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त करते हैं :—

क्र० सं० नाम	तदर्थ नियुक्ति की अवधि
श्री	
1. राम अवतार	1-11-85 से 31-12-85 तक
2. मुदेश कुमार	1-11-85 से 31-12-85 तक
3. एन०पी०एम गुजराल०	1-11-85 से 31-12-85 तक
4. कृष्ण लाल-II	1-11-85 से 31-12-85 तक
5. यशपाल डबाम	1-11-85 से 1-12-85 तक
6. अनिल कुमार	1-11-85 से 1-12-85 तक
7. राजिन्द्र मिह	1-11-85 से 1-12-85 तक

2. उपर्युक्त अधिकारी कार्मिक और प्रशानिक सुधार विभाग के का० जा० सं० 12/1/74-सी० एस 1 दिनांक 11-12-1975 की शर्तों के अनुसार 75/- रु० प्र० मा० की दर से विशेष संतन प्राप्त करेंगे।

दिनांक 1 नवम्बर 1985

सं० क्र० 38013/3/85-प्रशा०-III-कामिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग के का० जा० सं० 33/12/73-स्था० (क) दिनांक 25 नवम्बर, 1973 की शर्तों के अनुसार संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में के० म० से० संवर्ग के स्थायी सहायक तथा तदर्थ आधार पर स्थानापन्न अनुभाग अधिकारी श्री जी० टी० रामनानी को राष्ट्रपति द्वारा 31 अक्टूबर, 1985 अपराह्न में निवर्तन आयु होने के पश्चात सरकारी सेवा से निवृत्त होने की समर्थ अनुमति प्रदान की जाती है।

दिनांक 4 नवम्बर 1985

सं० ए० 12025(II)/1/84-प्रशा०-III-मम्मिलित सीमित विभागीय प्रतियोगी परीक्षा, 1984 (देखें—कामिक एवं प्रशिक्षण विभाग का० जा० सं० 5/2/85-सि० से० (I) दिनांक 18 अक्टूबर 1985) के आधार पर संघ लोक सेवा आयोग में अनुभाग अधिकारी के रूप में मनोनीत किए जाने के परिणाम स्वरूप राष्ट्रपति द्वारा कार्यालय के के० म० स्टे० से० वर्ग के निम्नलिखित अधिकारियों को प्रत्येक के मामले में अध्यानिर्दिष्ट तिथि से आगामी आदेशों तक संघ लोक सेवा आयोग के केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग में अनुभाग अधिकारी के पद पर कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है :—

क्र० सं० नाम	रैंक नियुक्ति की तिथि
सर्व श्री—	
1. टी० वी० दिनेश	06 30-10-85
2. श्रीमती टी० बी० महालक्ष्मी	39 30-10-85

2. ये नियुक्तियाँ दिल्ली उच्च न्यायालय में संबित मि० रि० या० सं० 1194/78 के परिणाम और अंतिम निर्णय के अध्वधीन हैं।

दिनांक 5 नवम्बर 1985

सं० ए० 32014/1/85-प्रशा०—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 4-10-85 का अधिक्रमण करते हुए संघ लोक सेवा आयोग के के० म० से० वर्ग के सहायक श्री बी० बी० माहनी को राष्ट्रपति द्वारा 3 अक्टूबर 1985 से 29 अक्टूबर 1985 तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में तदर्थ आधार पर अनुभाग अधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

श्री बी० बी० माहनी को 30-10-85 से सहायक के पद पर प्रत्यावर्तित कर दिया है।

दिनांक 6 नवम्बर 1985

सं० ए० 32014/1/85-प्रशा० III—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 25-9-85 का अधिक्रमण

करते हुए राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय के निम्नलिखित नियमित सहायकों को प्रत्येक के मामले में निर्दिष्ट अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त करते हैं।

क्र० सं० नाम (सर्वश्री)	तदर्थ नियुक्ति की अवधि
1. बसंत मिह (अ० जा०)	27-9-85 से 29-10-85 तक
2. एम० एल० वर्मा-I	27-9-85 से 29-10-85 तक

2. उपर्युक्त व्यक्ति को 30-10-85 (पूर्वा०) से सहायक के पद पर प्रत्यावर्तित कर दिया है।

सं० ए० 32014/1/85-प्रशा० III—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 11 दिसम्बर, 1985 का आदेशिक संशोधन करते हुए डैस्क अधिकारी के पद पर श्री अनिल कुमार की तदर्थ नियुक्ति की अवधि 3-10-85 से 31-10-85 तक होगी।

2. संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के० म० से० के नियमित अनुभाग अधिकारी श्री ओ० पी० कोटिया को राष्ट्रपति द्वारा 1-11-85 से 25-11-85 तक की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में डैस्क अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

3. श्री ओ० पी० कोटिया कामिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के का० जा० सं० 12/1/74-सी० एस० (1) दिनांक 11 दिसम्बर, 1975 की शर्तों के अनुसार रु० 75/- प्र० मा० की दर से विशेष वेतन प्राप्त करेंगे।

एम० पी० जैन
अवर सचिव (प्रशा०)
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

महानिदेशालय के० रि० पु० बल

नई दिल्ली, दिनांक 20 नवम्बर 1985

सं० ओ० दो० 2010/85-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने का० डब्ल्यू यावन राव को दिनांक 18 अक्टूबर 1985 पूर्वाह्न से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में केवल तीन माह के लिए अथवा उस पर नियमित रूप से नियुक्ति होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, उस तारीख तक तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

अणोक राज महीपथी
सहायक निदेशक
(स्थापना)

श्रम एवं पुनर्वासि मंत्रालय

श्रम विभाग

(श्रम ब्यूरो)

शिमला-171004, दिनांक 6 दिसम्बर 1985

सं. 23/3/85-सी.पी.आई.—अक्टूबर, 1985 में औद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) सितम्बर, 1985 के स्तर 619 से छः अंक बढ़ कर 625 (छः सौ पच्चीस) रहा। अक्टूबर, 1985 माह का सूचकांक (आधार वर्ष 1949=100) पर परिवर्तित किए जाने पर 760 (सात सौ साठ) आता है।

अतिरिक्त कृष्ण महालेखा

उप-निदेशक

श्रम मंत्रालय

श्रम ब्यूरो, शिमला-171004

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

प्रतिभूति कागज कारखाना

होशंगाबाद, दिनांक 19 नवम्बर 1985

क्रम सं० पी० डी०-3/6611-आ एम के० आनन्द, फ़ोर्मेन (उत्पादन) को रु० 840-40-1000-द० अ०-40-1200 के वेतनमान में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक कार्य प्रतन्त्र के पद पर दिनांक 27-6-1985 से 31-12-85 या जब तक यह पद नियमित रूप से नहीं भरा जाता जो भी पहले हो, नियुक्त किया जाता है।

श० रा० पाठक

महाप्रबन्धक

भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग

भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षा का कार्यालय,

नई दिल्ली, दिनांक 1 नवम्बर 1985

सं० 26-आ० ले० प० 1/34-73-अपर उप नियंत्रक-महालेखापरीक्षा (वाणिज्यिक) ने आ० ए० पी० गुम्बर लेखा परीक्षा अधिकारी (वा०) जो कार्यालय सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा नई दिल्ली-110002 में कार्यरत थे, को के० सि० से० (पेंशन) नियमावली 1972 के नियम 48 (13) (क) के उपबन्ध के अधीन तारीख 1-10-85 पूर्वार्द्ध से सरकारी सेवा से स्वच्छापूर्वक सेवा निवृत्त होने को अनुमति दे दी है।

के० पी० लक्ष्मण राव

सहायक नियंत्रक-महालेखापरीक्षा (वा०)

कार्यालय : निदेशक, लेखा परीक्षा

केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली-110002, दिनांक 21 नवम्बर 1985

सं० प्रशासन 1/वा० आ० संख्या 296-निदेशक लेखा परीक्षा केन्द्रीय राजस्व-I इस कार्यालय के स्थानापन्न लेखा

परीक्षा अधिकारी/आ० पी० एस० गुम्बर को 840-1200 रूप के सम्यमान में दिनांक 1-11-1985 से स्थाई रूप से नियुक्त करते हैं।

अपठनीय

उप निदेशक, लेखा परीक्षा (प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय, आंध्र प्रदेश

हैदराबाद, दिनांक 15 नवम्बर 1985

सं० प्रशा० I/8-132/85-86/121-श्री जि० भेल्लारंगम, आ० के० विश्वनाथन-1, लेखापरीक्षा अधिकारी महालेखाकार का कार्यालय (लेखापरीक्षा) आ० प्र० हैदराबाद से दिनांक 31-10-85 अग्रार्द्ध को सेवा निवृत्त हुए।

दिनांक 19 नवम्बर 1985

सं० प्रशा० I/8-132/85-86/124-महालेखाकार महोदय (लेखापरीक्षा-1) आ० प्र० हैदराबाद ने सहर्ष निम्न-लिखित सहायक लेखापरीक्षा अधिकारियों को स्थानापन्न लेखापरीक्षा अधिकारियों के रूप में 840-40-1000-द० अ०-40-1200 रु० वेतनमान में उनके कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से प्रभावित अगले आदेशों तक पदोन्नति दी जाती है। पदोन्नति के लिए दिए गए आदेश उनके वारंटों के दावों पर बिना कोई प्रभाव डाले, यदि कोई हो, और आन्ध्र प्रदेश उच्च न्यायालय/उच्चतम न्यायालय में लंबित रिट याचिकाओं के परिणामों के अधीन माने जाएंगे।

उन्हे चाहिए कि वे अपना विकल्प भारत सरकार का० जा० सं० एफ/7/1/80-स्थापना पी० टी० 1 दिनांक 26-9-81 का शर्तों के अनुसार पदोन्नति की तारीख से एक महीने के अन्दर दें :—

क्र० सं०	नाम	पद ग्रहण की तारीख
सर्वश्री—		
1.	सं० एच० गोपालकृष्ण	29-10-85 (अप०)
2.	यस कृष्णन-II	
3.	बी० के० एल० एन० आचार्य	29-10-85 (अप०)
4.	के० जगन्नाथराव	30-10-85 (अप०)
5.	के० एस० पटेल	29-10-85 (अप०)

अपठनीय

वरिष्ठ उप महालेखाकार
(प्रशासन)

कार्यालय, महालेखाकार (लेखा वाहक) राजस्थान

जयपुर, दिनांक 18 नवम्बर 1985

सं० प्रशा० 2/र० प० अधिसूचना/85-86/289-महालेखाकार (लेखा व हकदारी), राजस्थान, जयपुर ने निम्नलिखित

प्रवर अनुभाग अधिकारियों को पदोन्नत करने के आदेश दिए गए दिनांक से अग्रतर आदेशों के जारी होने तक इन्हें कार्यालय में स्थानापन्न लेखाधिकारियों के पद पर नियुक्त किया है :-

सर्वश्री:-

- | | |
|-------------------|---------------------|
| 1. प्रेम चन्द शाह | 25-10-85 (अग्रगण्य) |
| 2. फिरत चन्द जैन | 25-10-85 (अग्रगण्य) |

ग० के० मन्ना

वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार-प्रथम, पश्चिम बंगाल

कलकत्ता, दिनांक 20 नवम्बर 1985

सं० रा० 1/947-II/2370 - महालेखाकार-प्रथम, पश्चिम बंगाल ने इस कार्यालय/कार्यालय महालेखाकार द्वितीय, पश्चिम बंगाल/कार्यालय महालेखाकार-तृतीय, पश्चिम बंगाल/कार्यालय निदेशक, लेखा परीक्षा, केन्द्रीय कलकत्ता के निम्नलिखित स्थानापन्न लेखाधिकारियों को, उनके प्रत्येक के पासने दिनांक 1 अक्टूबर 1985 को जारी आदेशों के ग्रेड पर मौलिक रूप से नियुक्त किया है :-

क्र० सं० नाम	पुष्टि का तारीख
सर्वश्री:-	
1. शक्ति कुमार दत्त	1-8-82
2. सत्य शक्त बनर्जी	1-1-83
3. रवी राज बनर्जी	1-2-83
4. विमलेन्दु मुखर्जी	1-2-83
5. ज्योतिर्मय भट्टाचार्य-I	1-2-83
6. शंकर चन्द्र तिवारी (अनु० जाति)	1-3-83
7. सुधीर चन्द्र हालदार (अनु० जाति)	1-3-83
8. शैलेन्द्र नाथ हालदार (अनु० जाति)	1-4-83
9. विजय रंजन मंडल (अनु० जाति)	1-4-83
10. बंसरी मोहन मंडल (अनु० जाति)	1-4-83
11. दिलीप कुमार मुखर्जी-I	1-4-83
12. निर्मलेन्दु चक्रवर्ती	1-4-83
13. शिशिर कुमार राय	1-4-83
14. कन्दर्प विजय भट्टाचार्य	1-4-83
15. शिव पद मंडल (अनु० जाति)	1-4-83
16. चम्पाई मुखर्जी (अनु० जनजाति)	1-7-83
17. असीमा नन्द हालदार	1-7-83
18. प्रभास चन्द्र घोष	1-8-83
19. यशोधर चन्द्र चौधरी	1-9-83
20. प्रदीप कुमार दामगुप्त	1-9-83
21. रंजीत कुमार बनर्जी	1-9-83
22. विभूति भूषण आइच	1-10-83
23. गोर दाम साहा	1-10-83
24. समीर मेनगुप्त	1-11-83

क्र० सं० नाम पुष्टि का तारीख

सर्वश्री:-

25. विष्णु नाथ	1-1-84
26. ब्रज गोपाल राय	1-1-84
27. शिवेन्द्र नाथ चौधरी	1-1-84
28. अमल कृष्ण राय	1-1-84
29. रंजीत कुमार बोस	1-2-84
30. ब्रज गोपाल रंजन शर्मा	1-2-84
31. निर्मल चन्द्र हालदार (अनु० जाति)	1-3-84
32. नलिनी रंजन राय (अनु० जाति)	1-3-84
33. नरेन्द्र चक्रवर्ती	1-4-84
34. अनिल कुमार मंडल (अनु० जाति)	1-4-84
35. रूपेन्द्र कुमार बनर्जी	1-4-84
36. प्रमोद बन्धु भौमिक	1-4-84
37. विनय कुमार दे	1-4-84
38. गोपाल कुमार मजुमदार	1-4-84
39. अमलेन्दु मोहन मान्याल	1-5-84
40. कमल कुमार सेन शर्मा	1-7-84
41. अनिलेन्द्र कुमार नाम	19-8-84
42. विनयेन्द्र राय	1-9-84
43. सुधीर रंजन घोष	19-9-84
44. विमान बिहारी बसु	1-11-84
45. ज्योतिष चन्द्र भट्टाचार्य	1-12-84
46. अजय रंजन घोष दम्तिदार	1-12-84
47. गोकुल कुमार घोष चौधरी	1-12-84
48. रामेन्द्र साहा (अनु० जाति)	1-2-85
49. हरेन्द्र नाथ हालदार (अनु० जाति)	1-2-85
50. पुष्पिण बिहारी मंडल (अनु० जाति)	1-2-85
51. मन्मथ मण्डल (अनु० जाति)	1-3-85
52. विष्णु प्रसाद दाम (अनु० जाति)	1-4-85
53. पार्थ मारथि सेन	1-4-85
54. सुब्रमल पुरकायस्थ	1-4-85
55. सुनील कान्त चक्रवर्ती	1-4-85
56. रवीन्द्र नाथ मित्र	1-4-85
57. नन्देन्द्र नाथ बनर्जी-I	1-4-85
58. परितोष कुमार मुखर्जी	24-5-85
59. अनिल कुमार मुखर्जी	1-8-85
60. नन्देन्द्र कुमार माजी	1-8-85
61. सुधीर कुमार चट्टोपाध्याय	1-10-85
62. आशीष कुमार मित्र-I	1-10-85

डी० मिश्र

वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशासन)

पश्चिम बंगाल

कार्यालय, निदेशक लेखा परीक्षा
रक्षा सेवाएं

नई दिल्ली-110001 दिनांक 30 अक्टूबर 1985

सं० 3415/ए-प्रशा०/130/82-85----निम्नलिखित
लेखा परीक्षा अधिकारी उनके नामों के सामने दर्शाई गई तिथियों को सेवा निवृत्त हो गए हैं :—

नाम व पदनाम	तिथि जब से सेवा निवृत्त हुए हैं	टिप्पणी
-------------	---------------------------------	---------

सर्वश्री

1. पी० आर० सेशाद्री 9-7-85 (अप०) स्वैच्छिक पेंशन आरंभ
(स्थाई लेखापरीक्षा अधिकारी)
2. आर० सी० भैरमा, 31-8-85 (अप०) वार्धक्य निवृत्ति
(अस्थाई लेखापरीक्षा अधिकारी) आयु प्राप्त होने पर।
3. के० पी० रामाकृष्णन, 30-9-85 (अप०) यशोमरि
(स्थाई लेखापरीक्षा अधिकारी)

दिनांक 20 नवम्बर 1985

सं० 4757/ए-एडमिन०/130/82-85- -वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त करने पर श्री एन० वी० दानी, सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी दिनांक 31-8-1985 (अपराह्न) को सेवा निवृत्त हुए।

भगवान शरण लायल
संयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा
रक्षा सेवाएं, नई दिल्ली।

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-110066, दिनांक 20 नवम्बर 1985

सं० प्रशा० 1/1892/5/1--आ एस० के० चारु आर्डी० डी० ए० एन० (जिनकी जन्म तिथि 25-10-1927 है) ने 24-10-85 को 58 वर्ष की आयु प्राप्त कर ली है तथा तदनुसार उन्हें 31-10-85 (अपराह्न) से रक्षा लेखा विभाग के संख्या बल से हटा दिया गया है। अतएव, अधिकारी को 01-11-85 (पूर्वाह्न) से पेंशन स्थापना को अन्तर्हित कर दिया गया है।

ए० के० घोष
रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक (प्रशा०)

रक्षा मंत्रालय

आयुध निर्माण बोर्ड

डी० जी० ओ० एफ० मुख्यालय सिविल सेवा

कलकत्ता, दिनांक 31 अक्टूबर 1985

सं० 12/85/ए/ई-1/(एन० जी०)---डी० जी० ओ० एफ० महोदय निम्नलिखित व्यक्तियों को वर्तमान रिक्तियों में वरिष्ठता पर बिना प्रभाव के प्रत्येक नामों के सामने दर्शाई गई तारीख से, पदों पर पदोन्नति करते हैं :

क्र० सं०	नाम	पद	दिनांक
1.	श्री सूर्य देव नारायण मिह्ला	स्थानापन्न सहायक स्टाफ अधिकारी (तदर्थ)	1-9-85 (पूर्वा०) से आगामी आदेश होने तक
2.	श्रीमती अनिता दाम, स्थानापन्न सहायक	सहायक स्टाफ अधिकारी (तदर्थ)	4-10-85 से आगामी आदेश होने तक
3.	श्री कल्पना मोहन मजुमदार, स्थानापन्न सहायक	सहायक स्टाफ अधिकारी (तदर्थ)	वही

2. उक्त पदोन्नतियों में माननीय कलकत्ता उच्च न्यायालय में दाखिल की गई अपील के परिणामानुसार पालन किया जाएगा।

3. क्रम संख्या 1 के अधिकारी अपनी सेवा निवृत्ति तिथि दिनांक 31-1-1986 (अप०) पर्यन्त परिवीक्षाधीन रहेंगे।

4. क्रम संख्या 2 व 3 के उपरोक्त अधिकारियों ने दिनांक 4-10-85 (पूर्वा०) से ए० एस० ओ० के रूप से उच्च पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

दिनांक 14 नवम्बर 1985

सं० 13/25/ए/ई-1/(एनजी)--महानिदेशक आर्डनेंस फैक्टरियां, नेशनल, कौंसिल को० आपरेटिव ट्रेनिंग, 3 श्री इन्स-ट्रिचुशानल एरिया, हृश्रवास पोस्टबैग सं० 2, नई दिल्ली-110016 के श्री हेमचन्द्र पन्त, सहायक निदेशक को सहायक स्टाफ अफसर (ग्रुप "बी" राजपत्रित) के पद पर दिनांक 25-9-85 (पूर्वाह्न) से नियुक्त तथा आर्डनेंस उपस्कर फैक्टरी ग्रुप मुख्यालय दानपुर में तैनात करते हैं।

सी० एम० माथुर
सदस्य/कार्मिक
कृते महानिदेशक, आर्डनेंस
फैक्टरियां

कलकत्ता, दिनांक 8 नवम्बर 1985

सं० 46/जी/85—वार्षिक निवृत्ति आयु प्राप्त कर (58 वर्ष) श्री बि० एम० इरागडे, मराठा उ० महाप्रबन्धक (मौलिक एवं स्थाई उ० निदेशक/कार्य प्रबन्धक) दिनांक 28 फरवरी 1985 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 47/जी/85—दिनांक 26 नवम्बर, 1984 (पूर्वाह्न) से आई० टी० आई०, बंगलौर में स्थाई तौर पर समाहृत होने के फलस्वरूप श्री वी० राजगोपालन संयुक्त महाप्रबन्धक (मौलिक व स्थाई करिण्ड डी० ए० डी० जी० ओ० एफ०/प्रबन्धक पुन. पदनामीकृत संयुक्त निदेशक महाप्रबन्धक ग्रेड-II/उ० महाप्रबन्धक) दिनांक 25 नवम्बर 1984 (अपराह्न) से भा० आ० ति० से सेवा निवृत्त हुए।

दिनांक 20 नवम्बर 1985

सं० 48/जी०/85—राष्ट्रपति महादय, श्री पी० बी० रघुनाथु, स्थापना उ० निदेशक का त्यागपत्र तारीख 31 मई, 1985 (अपराह्न) से स्वीकार करते हैं।

बी० के० महता
उ० महानिदेशक, आयुध निर्माण

वाणिज्य मंत्रालय

(वस्त्र विभाग)

हथकरघा विकास आयुक्त का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 18 नवम्बर 1985

सं० ए-19011/9/79-स्थापना-I—राष्ट्रपति वाणिज्य मंत्रालय, वस्त्र विभाग, हथकरघा विकास आयुक्त के कार्यालय के अन्तर्गत बुनकर सेवा केन्द्र इंदौर में कार्यरत श्री डी० एन० भार्गव, उ० निदेशक (डिजाइन) को सेवानिवृत्त होने पर 31 अक्टूबर 1985 से अपराह्न से महतारी सेवा से निवृत्ति की अनुमति देते हैं।

विवेक कुमार अग्निहोत्री
अवर विकास आयुक्त (हथकरघा)

वाणिज्यिक जानकारी तथा अहमंकलन महानिदेशालय,

कलकत्ता-700001, दिनांक 15 नवम्बर 1985

सं० एस्ट-1/1(1)/85—इ० निदेशालय की अधिसूचना सं० एस्ट-1/1(1)/85/2810 दिनांक 24-5-1985 के क्रम से, श्री कुमुद रंजन विद्याम अधीक्षक, वाणिज्यिक जानकारी एवं अहमंकलन महानिदेशालय, कलकत्ता को 15-11-85 से प्रभावी आदेश 6 महीनों के लिए तदर्थ आधार पर मशीन सारणीयन अधिकारी के पद पर बने रहने की अनुमति दी जाती है।

नियुक्ति की अन्य सभी शर्तें पूर्वन रहेंगी।

एम० आर० सेतगुप्ता
वरिष्ठ उपमहानिदेशक

उद्योग एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (सधु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 14 नवम्बर 1985

सं० 12(399)/63-प्रशा० (राज०)—खण्ड-III—राष्ट्रपति, लघु उद्योग सेवा संस्थान, कलकत्ता के उ० निदेशक (स्थापना) श्री डी० सी० मजुमदार को सेवा-निवृत्ति की आयु प्राप्त करने पर 30-9-85 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त (रिटायर) होने की अनुमति देते हैं।

सं० 12(609)/69-प्रशा० (राज०)—सेवा निवृत्ति का आयु प्राप्त होने पर श्री आर० डी० शर्मा ने लघु उद्योग सेवा संस्थान, कानपुर में उ० निदेशक (आर्थिक अन्वेषण) के अपने पद का कार्यभार 31-7-1985 के अपराह्न से छोड़ दिया।

सी० सी० राय
उ० निदेशक (प्रशा०)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-8)

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर 1985

सं० ए-17011/25/71/ए-6—राष्ट्रपति ने सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) श्री पी० एस० प्रकाशम को दिनांक 10-10-85 से सहायक निदेशक निरीक्षण/निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) (भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए" का ग्रेड-II) (इंजीनियरी शाखा) के पद पर तदर्थ आधार पर 6 मास के लिए अथवा नियमित आधार पर प्रबन्ध किए जाने तक, इसमें जो भी पहले हो, 700-40-900-२० रो०-40-1100-50-1300 रु० के वेतनमान में स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

2. श्री पी० एस० प्रकाशम ने दिनांक 8 अक्टूबर 1985 के अपराह्न से निरीक्षण निदेशक महामा कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) के तत्काल कार्यभार छोड़ दिया और 10 अक्टूबर 1985 के पूर्वाह्न से बंगलौर निरीक्षण मण्डल के अन्तर्गत उ० निदेशक निरीक्षण ग्रेड-II शाखा के कार्यालय में निरीक्षण अधिकारी (इंजीनियरी) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 8 नवम्बर 1985

सं० प्र०-60247/(31)/77—राष्ट्रपति भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए" (इंजी० शाखा) के ग्रेड-III के अधिकारी तथा निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) श्री टी० के० बनर्जी को दिनांक 8 अक्टूबर 1985 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक 1100 (छठावर्ष अथवा कम) -50-1600 रुपए के वेतनमान से नियमित आधार पर भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए" (इंजीनियरी शाखा) के ग्रेड-II में उ० निदेशक निरीक्षण (इंजी०) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

2. श्री टी० के० बनर्जी ने दिनांक 8-10-85 के पूर्वाह्न से निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है और दिनांक 8 अक्टूबर 1985 के पूर्वाह्न में उसी कार्यालय में उप निदेशक निरीक्षण (इंजी०) के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

3. उप निदेशक, निरीक्षण (इंजी०) के पद पर श्री टी० के० बनर्जी की नियुक्ति भारत संघ द्वारा दिल्ली उच्च न्यायालय में दायर तीन एल० पी० ए० सं० 67/83, 68/83 और 69/83 तथा उप निदेशक, निरीक्षण (इंजी०) श्री एस सी० आनन्द द्वारा बम्बई उच्च न्यायालय में दायर डब्ल्यू पी० सं० 3001/83 और 35/83 जो अब दिल्ली उच्च न्यायालय को हस्तांतरित कर दी गई है और अभी दिल्ली उच्च न्यायालय में लम्बित है और श्री ओ० डी० मागर द्वारा दिल्ली उच्च न्यायालय में दायर डब्ल्यू पी० सं० 1277/78 के निर्णय के अधीन होगी।

आर० पी० शाही
उप निदेशक (प्रशा०)

कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर 1985

सं० प्र-6/247(596)--राष्ट्रपति उप निदेशक निरीक्षण (अभियांत्रिकी) भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए" की अभियांत्रिकी शाखा का ग्रेड-II (श्री डी० बी० जैन को 15 जुलाई, 1985 के पूर्वाह्न से अगले आदेश दिए जाने तक 1500-60-1800-100-2000 रुपये के वेतनमान में निदेशक निरीक्षण भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए" का ग्रेड-1) के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

2. श्री डी० बी० जैन की निदेशक निरीक्षण (भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए" का ग्रेड-I) के रूप में नियुक्ति भारत संघ द्वारा दिल्ली उच्च न्यायालय में दायर की गयी तीन एल० पी० ए० सं० 67/83, 68/83 तथा 69/83 उप निदेशक निरीक्षण श्री ए० सी० आनन्द द्वारा बम्बई उच्च न्यायालय में दायर की गयी और दिल्ली उच्च न्यायालय में स्थानान्तरित तथा दिल्ली उच्च न्यायालय में अभी भी लम्बित रिट याचिका सं० 30001/83 और 35/83 के निर्णय की शर्तों के अधीन की गयी है।

3. श्री डी० बी० जैन ने दिनांक 1 जुलाई 1985 के पूर्वाह्न से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में उप निदेशक निरीक्षण (अभियांत्रिकी) के पद का कार्यभार छोड़ दिया तथा दिनांक 15 जुलाई 1985 के पूर्वाह्न में निदेशक निरीक्षण के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 18 नवम्बर 1985

सं० ए-6/247(390) खण्ड-6--राष्ट्रपति ने स्थायी निदेशक (निरीक्षण) भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए" का ग्रेड-1 (श्री एम० सी० कपूर को दिनांक 7 अक्टूबर, 1985

के अग्रगण्य से आगामी आदेशों तक 2000-125/2-2250 रुपये के वेतनमान में स्थानापन्न रूप में उप महानिदेशक (निरीक्षण) (भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए" के ग्रेड-1) में सुपर टाइम रकम) नियुक्त किया है।

2. श्री कपूर ने निरीक्षण निदेशक, उत्तर निरीक्षण मण्डल, नई दिल्ली के कार्यालय में दिनांक 3-10-1985 को अग्रगण्य में निरीक्षण निदेशक के पद का कार्यभार छोड़ दिया और दिनांक 7 अक्टूबर 1985 के अग्रगण्य में उप-महानिदेशक (निरीक्षण) (पूर्वी क्षेत्र) कलकत्ता के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

आर० पी० शाही
उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पान, खान और कोयला मन्त्रालय
(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 4 अक्टूबर 1985

सं० 4734डी/ए-32013/1-भूवि० (वरिष्ठ)/84-19ए(सी)--राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) को भूवैज्ञानिक (वरिष्ठ) के रूप में उसी विभाग में नियमानुसार 1100-50-1800/-र० के वेतनमान के वेतन पर, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक प्रत्येक क सामने दर्शाये गयी विधि से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

क्र० सं० नाम

नियुक्ति तिथि

सर्वश्री--

1 एस० बी० गत्यजागयण	12-8-85 (पूर्वाह्न)
2 देवी प्रसाद दास	6-8-85 (पूर्वाह्न)
3 जयन्त राय चौधुरी	6-8-85 (पूर्वाह्न)
4 बुद्धदेव चौधुरी	6-8-85 (पूर्वाह्न)
5 अमरेन नटर्जी	7-8-85 (पूर्वाह्न)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में भूवैज्ञानिक (वरिष्ठ) के पद पर उपर्युक्त पदोन्नति कलकत्ता उच्च न्यायालय द्वारा 1985 के एफ० एम० ए० टी०, सं० 507 के आदेश दिनांक 28-2-1985 को पास किए अन्तरिम आदेश के अनुसार सर्व आचार पर है। यह आदेश श्री त्रिदिन लहर एवं अन्य द्वारा भारत संघ एवं अन्य के विरुद्ध दाखिल रिट याचिका के परिणाम के अधीन दिनांक 1-2-1985 एवं 18-2-1985 को एकल विद्वान न्यायाधीश द्वारा दिए गए अन्तरिम स्थगन आदेश को निरस्त करने हुए पास किया गया।

दिनांक 9 अक्तूबर 1985

मं० 4876डी/ए-32013/4--डि० अभि० (वरिष्ठ)/
83-19वीं--राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के
ड्रिलिंग अभियन्ता (कनिष्ठ) श्री पी० ए० अन्तुनिम को ड्रिलिंग
अभियन्ता (वरिष्ठ) के रूप में उसी विभाग में नियमानुसार
1100-50-1600/र० के वेतनमान के वेतन पर, स्थानापन्न
क्षमता में आगामी आवेश होने तक 30 जनवरी, 1985 के
पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

दिनांक 11 अक्टूबर 1985

सं० 4965डी/ए-32013(1-भूवि० (वरिष्ठ))/84-19त
(6)--राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक पर्वक्षण के निम्न-
लिखित भूवैज्ञानिकों (कनिष्ठ) के भूवैज्ञानिक (वरिष्ठ)
के रूप में उसी विभाग में नियमानुसार 1100-50-1600
रु० के वेतनमान के वेतन पर, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी
आवेश होने तक प्रत्येक के मामले दर्शायी गयी तिथि से पदोन्नति
पर नियन्त्रित कर रहे हैं।

क्र०	सं०	नाम	नियुक्ति-तिथि
1.	श्री ए०	एस० अमेता	8-8-85 (पूर्वाह्न)
2.	श्री सी० बी०	नंदीकेश्वर राव	20-8-85 (पूर्वाह्न)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में भूवैज्ञानिक (वरिष्ठ) के पद पर उपर्युक्त पदोन्नति कलकत्ता उच्च न्यायालय द्वारा 1985 के एफ० एम० ए० टी०, सं० 507 के अन्तर्गत दिनांक 28-2-1985 को पास किए अन्तरिम आदेश के अनुसार तदर्थ आधार पर है। यह आदेश श्री विविध लस्कर एवं अन्य द्वारा भारत संघ एवं अन्य के विरुद्ध दाखिल रिट याचिका के परिणाम के अधीन दिनांक 1-2-1985 एवं 18-2-1985 को एकल विद्वान न्यायाधीश द्वारा दिए गए अन्तरिम स्थगन आदेश को निरस्त करते हुए पास किया गया।

दिनांक 17 अक्टूबर 1985

सं० १७७६बी/ए-१९०११(१-जी० एम० एम०)/८५-
१९८५—श्री जी० एम० श्रीवास्तव ने सूत्र मंचेदन अनुप्रयोग
केन्द्र, लखनऊ, उत्तर प्रदेश से परावर्तन पर भारतीय भूवैज्ञानिक
सर्वेक्षण भूवैज्ञानिक (वरिष्ठ) में के पद का कार्यभार उम्मी क्षमता में
१९ जलाई १९८५ के पूर्वान्त से संभाल लिया ।

सं० 9786बी/ए-19011(1-पी०के०) /19ए-79--
श्री पी० कल्याणसुन्दरम ने भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) के पद का कार्य-
भार 18-9-84 (अपराह्न) से छोड़ दिया है, ताकि वे केन्द्रांय
सचिवालय सेवा, पर्यटन एवं भिविल विमानतन्त्रमंत्रालय, भिविल
विमानतन्त्र विभाग, नई दिल्ली में अनुभाग अधिकारी के पद को
ग्रहण कर सकें ।

दिनांक 18 नवम्बर 1985

मं० 10401बी/ए-19012 (5-एम० से० बी)/85-
-19बी-भारतीय भवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक

मानवीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के फोर्समैन (बगिच्छ) श्री एस०
के० राजू का दृष्टिकोण प्रकटित अभियन्ता ह पद पर, भारतीय
भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में नियमानुसार 650-30-740-35-
810- ३० रो०-35-880-40-1000-३० रो०-40-
1200 ०० हकेनसमान कक्षा पर, अध्यायी अवकाश में आगामी
प्रादेश होने पर, 4 अक्टूबर, 1985 के पूर्वाह्न में पदोन्नति पर
नियन्त्रण कर रहे हैं।

दिनांक 20 नवम्बर 1985

सं० 1054बी/ए-190011(1-पी० के० सी०)/71/19ए-
भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) श्री सी० वी० नन्दीकेशव राव ने अलग
रिया सरकार में अपनी विदेश प्रतिनिधित्व के पूर्ण होने के
पश्चात् अलगजोरिया में देश प्रत्यागमन पर भारतीय भूवैज्ञानिक
पर्वक्षण में भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) के पद का कार्यभार 20-8-
1985 (पूर्वाह्न) से संभाल लिया है।

सं० 10502बी/ए-12018/79/ए० सी० ए० ओ०/19
ए-भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भू-
वैज्ञानिक सर्वेक्षण के लागत लेखाकार श्री दीलिप कुमार सेन
को महायुक्त लागत लेखा अधिकारी के रूप में उसी विभाग में
नियमानुसार 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-
-1300 रु० के वेतनमान के वेतन पर, स्थानापन्न क्षमता में
आगामी आदेश होने तक 22-10-85 के पूर्वाह्न से पदोन्नति
पर नियुक्त कर रहे हैं।

शुद्धि पत्र

मं० 10496बी/ए-19011(2-ए० सी०)/84/19बी--
 कृपया इस कार्यालय के दिनांक 6-8-85 की अधिसूचना
 मं० 8131बी/ए-19011(2-ए० सी०)/84/19बी में भारतीय
 भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के भूमौनिकीविद (कनिष्ठ), डा० अमरेश
 चक्रवर्ती के मुक्त किए जाने की दर्शायी गयी तिथि 10-3-84
 (पूर्वाह्न) के स्थान पर 1-3-84 (पूर्वाह्न) पढ़ी जाए।

सं० 10523बी/ए-32013(2-एन० ओ०)84/19बी-
राष्ट्रपति जी भारतीय प्रौद्योगिकी परीक्षण के निम्नलिखित
अधिकांसी परीक्षकों को परीक्षण अधिकारी के पद पर उम्मी विभाग
में नियमानुसार 700-40-900-द० रो०-40-1100-
50-1300 रु० के वेतनमान के वेतन पर स्थानांतरण क्षमता में,
आगामी आदेश होने तक, प्रत्येक के मामले दर्शायी गयी विधि में
पदोन्नति पर नियन्त्रण कर रहे हैं ।

1. श्री गोपाल बिहारी 30-7-85 (पूर्वाह्न) से
2. श्री एस० सी० मंडल, 29-7-85 (पूर्वाह्न) से

नं० 5530डी/ए-19012(5-एप० पी० एम०)/85-
1931--भारतीय सूत्रज्ञानिक सर्वेक्षण के पत्राचार के आगोश
सूत्रज्ञानिक सर्वेक्षण के फॉरमैट (नियम) आ आ. पी०
मुखर्जी को तहयक यंत्रित प्रविष्टता के आ. ए. आ. भारतीय
सूत्रज्ञानिक सर्वेक्षण में नियमानुसार 650-30-740-35-
810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-

1200 रु० के वेतनमान के वेतन पर, अस्थायी क्षमता में आगामी आदेश होने तक, 4 अक्टूबर 1985 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

अमित कुशारी
निदेशक (कार्मिक)
भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-16, दिनांक 8 अक्टूबर 1985

सं० 9392बी/ए-32013/निदेश (भूवि०)/84-19ए—
राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित भू-
वैज्ञानिकों (वरिष्ठ) को निदेशक (भूविज्ञान) के रूप में
उसी विभाग में नियमानुसार 1500-60-1800-100-
2000 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में आगामी आदेश
होने तक प्रत्येक के सामने दर्शायी गयी तिथि से पदोन्नति पर नियुक्त
कर रहे हैं :—

क्र० सं० नाम	नियुक्ति तिथि
सर्वेक्षी- ¹	
1. एन० सुब्बा राव	31-7-85 (पूर्वाह्न)
2. बी० गोपाल राव	31-7-85 (पूर्वाह्न)
3. डब्ल्यू० के० नटराजन	31-7-85 (पूर्वाह्न)
4. डा० एस० गंगोपाध्याय	31-7-85 (पूर्वाह्न)
5. एन० देसिकन	5-8-85 (पूर्वाह्न)
6. डा० एस० पी० सान्याल	31-7-85 (पूर्वाह्न)
7. एस० एन० भट्टाचार्यी	5-8-85 (पूर्वाह्न)
8. सी० आर० सेन	31-7-85 (पूर्वाह्न)
9. पी० आर० सेनगुप्ता	30-7-85 (अपराह्न)

दिनांक 11 अक्टूबर 1985

सं० 4952डी/ए 35018/4/85-19ए—राष्ट्रपति जी
भारतीय आर्थिक सेवा के वरिष्ठ समय-मान अधिकारी श्री पी० डी०
पाठक को प्रबंध बोर्ड के अपर सचिव के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक
सर्वेक्षण, नई दिल्ली में, 1500-60-1800-100-2000 रु० के
वेतनमान में दो वर्ष की अवधि के लिए 2-9-1985 (पूर्वाह्न)
से नियुक्त कर रहे हैं।

दिनांक 15 अक्टूबर, 1985

सं० 9706बी/ए 32013/1निदेश (भूवि०)/
84-19ए—राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के
निम्नलिखित भूवैज्ञानिकों (वरिष्ठ) को निदेशक (भूविज्ञान)
के रूप में उसी विभाग में नियमानुसार 1500-60-1800-100-
2000 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न अस्थायी क्षमता में, आगामी
2-366 GI/85

आदेश होने तक प्रत्येक के सामने दर्शाई गई तिथि से पदोन्नति पर
नियुक्त कर रहे हैं।

क्रम सं०	नाम	नियुक्ति-तिथि
1. श्री ए० चौधुरी		6-8-85 (पूर्वाह्न)
2. श्री सी० आर० वीरराघवन		31-7-85 (पूर्वाह्न)
3. श्री बी०के० सेठ		7-8-85 (पूर्वाह्न)
4. श्री एम० एस० कंवर		1-8-85 (पूर्वाह्न)
5. श्री एम० डी० श्रीनिवासन		16-8-85 (पूर्वाह्न)
6. श्री वी० रामाराव		1-8-85 (पूर्वाह्न)
7. श्री जे० नागेश्वर राव		31-7-85 (पूर्वाह्न)
8. श्री एस० पी० जलोटे		2-8-85 (पूर्वाह्न)
9. श्री पी० एल० नरुजा		31-7-85 (पूर्वाह्न)
10. श्री एम० एन० दास		31-7-85 (पूर्वाह्न)

दिनांक 16 अक्टूबर 1985

सं० 5052डी०/ए० 32013/1-निदेश (भूवि०)/
84-19ए(2)—राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के
निम्नलिखित भूवैज्ञानिक (वरिष्ठ) को निदेशक (भूविज्ञान) के
रूप में उसी विभाग में नियमानुसार 1500-60-1800-100-
2000 रु० के वेतनमान के वेतन पर स्थानापन्न अस्थायी क्षमता में
आगामी आदेश होने तक प्रत्येक के सामने दर्शाई गई तिथि से
पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

क्र० सं०	नाम	नियुक्ति तिथि
1. श्री एम० एल० पारिमू		1-8-85 (पूर्वाह्न)
2. डा० अजय कुमार दे		29-8-85 (पूर्वाह्न)
3. श्री रमेश कुमार घांष		6-8-85 (पूर्वाह्न)
4. श्री ए० के० टिकू		31-7-85 (पूर्वाह्न)
5. श्री सेसिल लाहा		23-8-85 (पूर्वाह्न)
6. श्री सुनील भट्टाचार्यी		23-8-85 (पूर्वाह्न)
7. श्री पी०एन० मेहता		12-8-85 (पूर्वाह्न)
8. एस० के० सिंह गौड़		12-8-85 (पूर्वाह्न)
9. श्री एम० एन० कुमार		28-8-85 (पूर्वाह्न)
10. डा० एन० सेन गुप्ता		28-8-85 (पूर्वाह्न)
11. श्री प्रतीक बोस		30-7-85 (पूर्वाह्न)
12. श्री आर० एन० प्रनाद		28-8-85 (पूर्वाह्न)
13. डा० यू०बी० माथुर		31-7-85 (पूर्वाह्न)

एन० के० मुखर्जी
वरिष्ठ उपमहानिदेशक (प्रचालन)

कलकत्ता, दिनांक 17 सितम्बर, 1985

सं० 9390बी ए -32013(2-डी०जी०)/82/
19बी—राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित

भूमीतिकीविदों (वरिष्ठ) को निदेशक (भूमीतिकी) के पद पर उसी विभाग में नियमानुसार, 1500-60-1800-100-2000 रु० के वेतनमान के वेतन पर स्थानापन्न क्षमता में आगामी आदेश होने तक प्रत्येक के सामने दर्शाई गई तिथि से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

क्रम सं०	नाम	नियुक्ति तिथि
1. श्री ए० पी० राय		29-5-85 (पूर्वाह्न)
2. श्री बी० जी० के० मूर्ति		29-5-85 (पूर्वाह्न)
3. श्री बी० सुब्रह्मण्यम		29-5-85 (पूर्वाह्न)
4. बी० आर० दाम		14-6-85 (पूर्वाह्न)

दिनांक 16 अक्टूबर 1985

सं० 5039 डी/ए 320 13 (2-बी०जी०) /82-19वीं-राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के भूमीतिकी-विद (वरिष्ठ) श्री बी० के० शर्मा को निदेशक (भूमीतिकी) के पद पर उसी विभाग में नियमानुसार 1500-60-1800-100-2000/रु० के वेतनमान के वेतन पर स्थानापन्न क्षमता में आगामी आदेश होने तक 17-6-85 (पूर्वाह्न) से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

दिनांक 22 नवम्बर 1985

सं० 10561बी /ए -32013 /1-निदेश (भूवि०)/84-19ए- राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्न-लिखित भूवैज्ञानिकों (वरिष्ठ) को निदेशक (भूविज्ञान) के रूप में उसी विभाग में नियमानुसार 1500-60-1800-100-2000 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न अस्थायी क्षमता में आगामी आदेश होने तक प्रत्येक के सामने दर्शाई गई तिथि से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

क्रम सं०	नाम	नियुक्ति तिथि
1. श्री ए० सुब्रह्मनियम		11-9-85 (पूर्वाह्न)
2. श्री बी० एन० झा		28-8-85 (पूर्वाह्न)

डी० पी० कौडियाल
वरिष्ठ उपमहानिदेशक (प्रचालन)

दूरदर्शन महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1985

सं० 6/83/85-एस-2- आकाशवाणी महानिदेशालय
के दिनांक 18-6-85 के आदेश सं० 1/18/84-एस-2 (भाग-2)

के अनुसरण में दूरदर्शन महानिदेशक श्री रामकिशन, प्रधा निष्पत्ति को दिनांक 26-6-85 (पूर्०) से दूरदर्शन केन्द्र, जालंधर में 650-960/-रु० के वेतनमान में तदर्थ आधार पर प्रशासनिक अधिकारी के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

नि० मु० सुन्दरेश्वरन
प्रशासन उपनिदेशक
दूरदर्शन महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय
फिल्म प्रभाग

बम्बई-400926, दिनांक 1 नवम्बर 1985

सं० ए-32014/4/83-प्रार० सी०- विभागीय पदोन्नति समिति की संसुति पर, मुख्य निर्माता, फिल्म प्रभाग ने श्री ए० जी० रानडे, स्थायी सहायक केमरा मैन, फिल्म प्रभाग, बम्बई को 24-10-1985 के पूर्वाह्न से लेकर अगला आदेश होने तक रुपये 650-30-740-35-880-रु०-40-960 के वेतनमान में रुपये 650/- प्रतिमाह के वेतन पर फिल्म प्रभाग, बम्बई में केमरा मैन नियुक्त किया है।

एन० एन० शर्मा
प्रशासनिक अधिकारी
दूरदर्शन मुख्य निर्माता

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 नवम्बर 1985

सं० ए० 38012/4/85-प्रशासन-1- सेवा निवृत्ति की प्राप्ति के हो जाने पर, श्री नारायण सिंह, उप-निदेशक प्रशासन 31 अक्टूबर, 1985 के अपराह्न में सरकारी सेवा से रिटायर हो गए हैं।

पी० के० घई
उप निदेशक प्रशासन (सी एण्ड बी०)

कृषि मंत्रालय

ग्रामीण विकास विभाग

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 2 नवम्बर 1985

सं० ए० 19023/14/79-प्र०-III-इस निदेशालय के अधीन नागपुर में तैनात श्री ए० एन० राय, विपणन अधिकारी का दिनांक 30-8-1985 को निधन हो गया है।

जे० कृष्णा
निदेशक प्रशासन
दूरदर्शन विपणन मन्त्रालय

परमाणु ऊर्जा विभाग

मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना

कलपाक्कम-503102, दिनांक 19 नवम्बर 1985

सं० एम० ए० पी० पी०/18(154)/85-भर्ती—परियोजना निदेश 5, मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना इस परियोजना के श्री आर० गुणसेकरन ट्रेड्समन डी को इसी परियोजना में अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता एम० बी० के पद पर दिनांक 1 अगस्त, 1985 (पूर्वाह्न) से आगे के आदेशों तक सहर्ष नियुक्त करते हैं।

बी० के० सन्तानम्
प्रशासनिक अधिकारी

महानिदेश 5 नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 30 अक्तूबर 1985

निदेश सं० 32013/5/83-ई०सी०—राष्ट्रपति, नागर विमानन विभाग के निम्नलिखित सहायक संचार अधिकारियों को दिनांक 16 जुलाई, 1985 से और अगले आदेश होने तक, संचार अधिकारी के पद पर नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं :-

क्रम नाम
स०

सर्वश्री

1. के० राजगोपालन
2. जी० मुथूलिंगम
3. एम० सी० अंटानी
4. रामचन्द्र
5. एम० एल० चोपड़ा
6. के० एल० करमाकर
7. एस० बी० चक्रवर्ती
8. एस० एन० भगवत
9. बी० बी० पाटकर

मुकुल भट्टाचार्य
उपनिदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 14 नवम्बर 1985

सं० ए० 32013/1/85-ई०डब्ल्यू०—राष्ट्रपति, श्री संदीप बालरा, सहायक परियोजना अधिकारी, नागर विमानन को पदोन्नति पर 11 अक्तूबर, 1985 से विद्युत एवं यांत्रिक अधिकारी, नागर विमानन विभाग के ग्रेड में नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं।

वेद प्रकाश,
उपनिदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 15 नवम्बर 1985

सं० ए० 12025/2/84-ई०एस०—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिशों के आधार पर राष्ट्रपति ने श्री पी० पी० कदमबालियया को दिनांक 10-10-1985 (पूर्वाह्न) से अन्य आदेश होने तक रुपये 1100-1600 के वेतनमान में, वरिष्ठ उद्योग्यता अधिकारी के पद पर स्थानापन्न आधार पर नियुक्त किया है।

श्री पी० पी० कदमबालियया को निदेश 5, उद्योग्यता, बम्बई एयरपोर्ट, बम्बई के कार्यालय में तैनात किया जाता है।

वेद प्रकाश,
उपनिदेशक, (प्रशासन)
कृते महानिदेशक, नागर विमानन

केन्द्रीय उत्पादन और सीमा शुल्क

बड़ोदरा, दिनांक 11 नवम्बर 1985

सं० 11/1985—श्री बी० बी० भट्ट, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन और सीमा शुल्क (वर्ग "ख") मण्डल-III, बड़ोदरा दिनांक 1-11-1985 के पूर्वाह्न में सरकारी सेवा से स्वीच्छित रूप से निवृत्त हो गए हैं।

अरविन्द सिन्हा,
समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन और सीमा शुल्क,

ऊर्जा मंत्रालय

कोयला विभाग

कोयला खान अमि 5 कल्याण संस्था

धनबाद, दिनांक 20 नवम्बर 1985

सं० प्रशासन 12, (5) 85—श्री एस० पी० मुखर्जी आशुलिपिक (वेतनमान 550-25-द०रो०-30-900) को 550-25-द०रो०-30-900 रुपये के वेतनमान में दिनांक 7-11-85 (अपराह्न) से कोयला खान अमि 5 कल्याण संस्था में कोयला खान कल्याण आयुक्त के सहायक सचिव (वर्ग "ख" राजपत्रित) के पद पर नियुक्त किया गया है।

(ह०) अपठनीय
कोयला खान कल्याण आयुक्त

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-110066, दिनांक 15 नवम्बर 1985

सं० ए-19012/1105/85-स्थापना-पांच—इस आयोग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 13 जून, 1985 का अधि-क्रमण करते हुए, अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री अर्जुन सिंह, अभिकल्प सहायक को अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरिंग) के ग्रेड में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में 20-5-1985 की पूर्वाह्न

से एक वर्ष की अवधि के लिये अवकाश पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्ण अस्थायी तथा तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

मीनाक्षी अरोड़ा
अवर सचिव
केन्द्रीय जल आयोग

केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधानशाला

पुणे-24, दिनांक 20 नवम्बर 1985

सं० 608/89/85-प्रशासन—निवर्तन की आयु हो जाने के कारण श्री चं० भुजंगराव, सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजी०), केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान शाला, दिनांक 31-10-1985 के अपराह्न से केन्द्र सरकार की सेवा से निवृत्त हो गये।

ति० प० यजन
सहायक अनुसंधान अधिकारी
प्रभारी प्रशासन

शहरी विकास मंत्रालय
सम्पदा निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1985

सं० ए-19011/4/85-प्रशा०—विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय (विधि कार्य विभाग) में सहायक विधि सलाहकार श्री चन्द्र कान्त सीलंकी जो सम्पदा निदेशालय में सम्पदा उप-निदेशक (मुकद्दमा) के पद पर कार्यरत थे, से कथित पद रिक्त कर दिया है।

2. श्री नेम चन्द जैन, सहायक विधि सलाहकार को श्री सी० के० सोलंकी के स्थान पर 14 नवम्बर, 1985 के पूर्वाह्न से शहरी विकास मंत्रालय, सम्पदा निदेशालय में सम्पदा उप-निदेशक के रूप में नियुक्त किया जाता है।

लक्ष्मण दास
सम्पदा उप-निदेशक (स्थापना)

उद्योग और कम्पनी कार्य मंत्रालय
(कम्पनी कार्य विभाग)
कम्पनी बिजि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय
“कम्पनी अधिनियम 1956 और गोवा
टेक्सटाईल लिमिटेड (समापन अन्तर्गत)
के विषय में

पनजी, दिनांक 14 नवम्बर, 1985

सं० 13/सिक्वडेशन/2840—कम्पनी अधिनियम,
1956 की धारा 445 की उपधारा 2 के अनुसरण

में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि आदरणीय उच्च न्यायालय, बम्बई, पनजी बेंच ने दिनांक 31-8-85 के आदेशानुसार उक्त कम्पनी के समापन का आदेश दिया है और राजगोय, समापन उच्च न्यायालय, बम्बई का उक्त राजकीय समापक नियुक्त किया है।

बी० एन० हरीष
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
गोवा, धमन और दीव
पनजी-गोवा

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मयूरा

फिलमण प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बंगलूर, दिनांक 20 नवम्बर 1985

सं० 2481/580/85—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन मास के अवसान पर मयूरा फिलमण प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दक्षित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विरुद्ध कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और हैडबह
प्रकसन एण्ड पेन्डररा प्राइवेट लिमिटेड
के विषय में

बंगलूर, दिनांक 20 नवम्बर 1985

सं० 5496/660/85—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन मास के अवसान पर हैडबह प्रकसन एण्ड पेन्डररा प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दक्षित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विरुद्ध कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और दी देवांग
समाज के विषय में

बंगलूर, दिनांक 20 नवम्बर, 1985

सं० 920/560/85—कम्पनी अधिनियम,
1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में
एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन
मास के अवधान पर दी देवांग समाज का नाम इसके प्रति-
कूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया
जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और प्रेम प्रदकसनरा
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बंगलूर, दिनांक 20 नवम्बर 1985

सं० 4410/560/85—कम्पनी अधिनियम,
1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में
एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन
मास के अवधान पर प्रेम प्रदकसनरा प्राइवेट लिमिटेड का
नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर
से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी
जाएगी।

आर० एम० नेगी
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

प्रकृष बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचिन-16, दिनांक 30 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० एल० सी० 775/85-86—यत. मुझे बी०
रविबालन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार, है, जा
एरणाकुलम में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
एरणाकुलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या भन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या वा कि वा वा वा वा वा, जिनके से
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सी० के० वेंकटराम नायडु, और
(1) श्री सी० के० राजाराम नायडु द्वारा,
मुखता श्री वेंकटराम नायडु कोचिन
टिन फैक्टरी, पल्लुन्ती, कोचिन-
5।

(अन्तरक)

2. श्रीमति मैरा जल पति श्री सी० सी० जान, द्वारा
मैमर्स सी० यू० चैको एंड मन्स रविपूरम कांचिन्-16'
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एरणाकुलम उपरजिस्ट्री कार्यालय के तारीख 16-3-
1985 के दस्तावेज सं० 981/85 के अनुसार एरणाकुलम
विलेज में सर्वेक्षण सं० 1200, 1096, 1075/1 और
1075/4 में 40.071 सेंट भूमि।

बी० रविबालन

सक्षम प्राधिकारी -

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 30-10-1985

माहिर :

प्रकरण भाई, टी एन ९५. . .

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, एरणाकुलम, कोचिन-16

कोचिन-16, दिनांक 30 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० एल० सी० 776/85-86—अन० सुभे बी०

रविवासन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो एरणाकुलम में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16 मार्च 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्हित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में सिद्धि वास्तविक रूप में प्रतिष्ठित नहीं किया गया है :—

(क) कन्वर्षन से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अन्तरण में कमी करने या उनसे बचने में सुविधा के लिए कोर/वा

किसी भाग की किसी भी भाग का अन्य वास्तविक अन्तर्गत भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, भायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधीन अन्तर्गत (अन्तर्गत) के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में सिद्धि वास्तविक रूप में प्रतिष्ठित नहीं किया गया है :—

अतः अब, उक्त अधिनियम का धारा 269-ग के अनुसार है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री सी० के० वेंकटराम नायडु और
(2) श्री सी० के० राजाराम नायडु द्वारा
मुख्तार श्री सी० के० वेंकटराम नायडु,
काचिन टिन फैक्ट्री, पल्लूरुन्ती, काचिन-5।
(अन्तरिती)

2. श्रीमती मेरी तंपी, ग० सी० ए० तंपी, चक्कावलकन
रोड, नेवरा, एरणाकुलम की पत्नी।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई बाधक —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बत में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से छूटकर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के बाह्य लिखित में किए जा सकेंगे।

संज्ञाकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सदस्य

एरणाकुलम उप रजिस्ट्री कार्यालय के तारीख 16-3-1985 के दस्तावेज सं० 982/85 के अनुसार, एरणाकुलम जिले में सर्वेक्षण सं० 1075/1 में 15.148 सेन्ट भूमि।

बी० रविवासन
उक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, एरणाकुलम

तारीख 30-10-1985
सोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचिन-16, दिनांक 30 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० एल० सी० 777/85-86—यतः सुबे बी०
रविबालन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो एरणाकुलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की अवमान प्रतिफल के लिए बन्तारण की गई है और अभी यह विश्वास करने का कारण है कि वहापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अवमान प्रतिफल से, ऐसे अवमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरण (बन्तरणों) और बन्तरणी (बन्तरिणियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए एक या दो प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) बन्तरण से हुई किसी भाष की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरण की वास्तव में कमी करने या उसके करने में विघा के लिए; और/वा

(ब) ऐसी किसी भाष या किसी धन या अन्य वास्तवों का, बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोषणार्थ बन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ज्ञान के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री सी० के० वेंकटराम नायिडु और
(2) श्री सी० के० राजाराम नायिडु द्वारा
मुखतार श्री वेंकटराम नायिडु कोचिन टिन
फैक्टरी, परलूस्ती, कोचिन-5

(अन्तरक)

2. कुमारी मुलु जोण चकालककल रोड, पेचमाभूर,
तेवरा रोड, एरणाकुलम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाकीतः—

(क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्द और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एरणाकुलम उपरजिस्ट्री कार्यालय के तारीख 16-3-1985 के दस्तावेज सं० 983/85 के अनुसार एरणाकुलम विलेज में सर्वेक्षण सं० 1075/1 में 15.150 मेट्रिक भूमि।

बी० रविबालन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 30-10-1985

मोहर :

प्रकृष जाई.टी.एन.एस.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

एरणाकुलम, दिनांक 30 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० एल० सी० 778/85-86—यतः मुझे बी०
रविबालन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
[सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है]), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो
एरणाकुलम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
एरणाकुलम में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 मार्च 1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
में बताने के लिए अधिनियम, अधिनियम
3-366 GI/85

1. श्री सी० के० वेंकटराम नायिडू और श्री सी० के०
राजाराम नायिडू द्वारा मुखबतार सी० के०
पेट्टराम नायिडू कोचिन टिन फ़ैक्टरी, पल्लुहणी,
कोचिन-5।

(अन्तरक)

2. कुमारी जून जोन सुपुत्री श्री सी० सी० डोन
2. कुमारी अनु जोण मर्सर्स सी० यु०चाको एण्ड मलाश,
रविपुरम, कोचिन-16।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एरणाकुलम उप रजिस्ट्री कार्यालय के तारीख 16-3
1985 के दस्तावेज सं० 984/85 अनुसार एरणाकुलम विलेज
में अक्षेत्रण सं० 1075/1 में 15.150 सेन्ट भूमि।

बी० रविबालन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 30-10-1985
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 30 अक्तूबर 1985

निर्देश एल० सी० सं० ०/779—अतः मुझे, बी० रविबालन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो एरणाकुलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 मार्च 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री सी० के० वेंकटराम नायडु और
(2) श्री सी० के० राजाराम नायडु द्वारा
मुख्यतः श्री सी० के० वेंकटराम नायडु कोचिन
टिन फैक्टरी, पल्लूरुली, कोचिन-5।

2. कुमारो मंजु जोण, अवयक्त प्रतिनिधि श्री सी०
जोण चक्कालक्कल रोड, तेवरा, एरणाकुलम।
(अन्तरित।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एरणाकुलम उपरजिस्ट्री कार्यालय के तारीख 16-3-1985 के दस्तावेज सं० 985/85 के अनुसार एरणाकुलम विलेज में सर्वेक्षण सं० 1075/1 में 15.150 सेंट भूमि।

बी० रविबालन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 30-10-1985
मोहर :

प्रमुख भाग, डॉ. एन. एल. एम्. एम्.

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भाषाकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 30 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० एल० सी० 774/85-86—अतः मुझे, बी०
रविबालन,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो
एरणाकुलम में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय
एरणाकुलम में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम 1908,
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 मार्च, 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्तावेज
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उक्त दस्तावेज प्रतिफल के द्वारा दस्तावेज प्रतिफल का
एक प्रमाणित अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब
बाधा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से करियर नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी भी भाग की बाधा, उक्त
अधिनियम के अधीन कटु होने के अन्तरक के
कारण से कभी करने या उक्त करने में बाधा
के लिए अर्जेंट/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी एक या अन्य व्यक्तियों
को चित्त आसानी भाषाकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भाषा-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाता चाहिए था, जिसमें से बाधा
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित है—

1. (1) श्री वेंकटराम नायडु सी० के० और
(2) श्री सी० के० वेंटरामनायडु द्वारा मुख-
सार श्री वेंटराम नायडु कोचिन टिन
फैक्टरी, पल्लुखली, कोचिन-5।

(अन्तरक)

2. श्री सी० सी० जोण कोस्टल फाउंडेशनस लि०
लि०, एम० जी० रोड, रविपुरम, कोचिन-682016

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति की वर्णन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाधा है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में किया
गया है।

अनुसूची

एरणाकुलम उपरस्ट्री कार्यालय के तारीख 16-3-1985
के दस्तावेज सं० 980/85 के अनुसार एरणाकुलम जिले में
सर्वेक्षण सं० 1075/1, में 42.638 सेन्ट भूमि।

बी० रविबालन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेंट रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 30-10-1985
मोहर

राष्ट्रपति बाई.टी.एन.एल.-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
क. धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंजन, कलकत्ता

कलकत्ता-19, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निर्देश सं० ए०सी० /ल० 85-86—यतः

मुझे, शेख नईमूद्दीन,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, 1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 38 है तथा जो ब्लाक-बी नियु अलिपुर, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ताअधिकारों के कार्यालय आर० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अर्जिन, तारीख 30 मार्च 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों के उक्त अन्तरण निश्चित में प्रास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरक से हुई किसी भाषा की भाषा, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अन्तरक से कभी करने या उसके अन्तरक से सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाषा या किसी भाषा या अन्य भाषाओं को बिना भारतीय भाषा-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भाषा-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किसी भाषा चाहिए था, जिसने में सुविधा के लिए;

1. मेसर्स जे० आर० कन्स्ट्रक्शन।

(अन्तरक)

2. श्री महाबाल प्रसाद अग्रवाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति की अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त संपत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किस्म का लब्ध है।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रकृत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्ध 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अन्ध में दिये गए हैं।

अनुसूची

चार तल्ला पर 1180 वर्ग फु० प्लॉट नं० 38, ब्लाक-बी, निउ अलिपुर कलकत्ता में उपस्थित है।

दलित संख्या:—आर० ए० कलकत्ता का 1985 का अई-4929।

शेख नईमूद्दीन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंजन / कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 6-11-1985
मोहर

प्रकृ. आई.डी.एन.एस.-----

क. आ. विश्वजित राय।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

2. श्री प्रा० राईलुहास्का।

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, कलकता

कलकता, दिनांक

निर्देश सं० ए० सी० 20/बल० 1985-86—अतः मुझे
शंकर के० बनर्जी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिर्जका सं० 78 है तथा जो नूरुद्दीन रोड़ में स्थित
है (और इससे उपावृत्त अनुसूचों में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रार अर्धकारी के कार्यालय आसान सोल में रजिस्ट्रार-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधिनियम, तारीख
20 मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वभाव
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहुत प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल नियमितित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

यदि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अचानक ले लिए
कार्यवाही करा जाता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
ग्रहण किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जहाँ का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
वास्त से कमी करने या उचित करने में अविधि
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रमाणार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

0.029 एकड़ जमान का साथ मकान का 1/2 भाग
पता -78 नूरुद्दीन रोड़, आसानसोल।

बलिल सं० 1985 का 1910

एस० के० बनर्जी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अन रेंज-4/कलकता

तारीख: 6-11-1985
मोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री विश्वजीत राय।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती गोमती देवी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 4, कलकता

निर्देश सं० ए० सी०-21/कल०/1985-856---अंतः
मुझे शंकर के बनर्जी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायी संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 78 है तथा जो नूरुद्दीन रोड़ स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)

रजिस्ट्रार अखिलार के कार्यालय आसनसोल में रजिस्ट्रार-
करण अधिनियम 908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
20 मार्च 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरिक्तियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के सायत्व
में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए:
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थायी संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-
षित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

0029 एकड़ जमीन का साथ भूकान का 1/2भाग
पता-78 नूरुद्दीन रोड़, आसनसोल:
दलिल सं० 1985 का 1911

एस० के० बनर्जी
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज -4, कलकता

तारीख: 6-11-1985

मोहर

प्रकरण बाई, टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० 4670/84-95—यतः, मुझे, आर० भारद्वाज
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 518/1, टी० एस० नं०
137/1 है, तथा जो कस्बा बाजार विलेज मंगलूर में स्थित
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रार/कर्ता अधिकारी के कार्यालय मंगलूर में धारा
69 ए० बी० के अंतर्गत सक्षम प्राधिकारी के सम्मुख/के पास
है), रजिस्ट्रार/करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
कारण से कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

क. श्रीमता मोरा भास्कर निरोदि, डी०-6, दीपलक्ष्मी
को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०, प्रभादेवी
मार्ग बीच, प्रभादेवी, बम्बई-25।

(अन्तरक)

2. मेसर्स होटेल ओम महल प्रै० लि०, भवन्तल स्ट्रीट,
मंगलूर।

(अन्तरिती)

3. श्री के० विश्वनाथा शेनाय प्रोप्राइटर : होटल न्यु
ओम महल, मंगलूर।

(वह व्यक्ति जिसके अधीन में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

(धस्तावेज सं० 1977 ता० 3/85)

संपत्ति है जिसका सं० आर० एस० 518/2 टी० एस०
137/1, जो कस्बा बाजार विलेज, मंगलूर तालूक में स्थित
है।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 13-11-1985

मोहर :

प्रख्य आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० 46721/84-85—यत्.सू.आर० भारद्वाज आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन संपत्ति प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० बी०-4 है, तथा जो कसबा बजार विलेज में, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूचना में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16 मार्च 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कभी नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स श्री परिज्ञाना को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, मुडबिर्ला।

(अन्तरक)

2. श्री बी० रामानन्दा पै०, ददि० परिज्ञाना को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०, मंगलूर।

(अन्तरितों)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1978 ता० 16-3-85)

प्लॉट नं० बी-4, जो कसबा बजार विलेज, मंगलूर, में स्थित है।

आर० भारद्वाज
सहायक प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 13-11-85

मोहर :

प्रथम भाग, टी. एन. ए. ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

बंगलूर, दिनांक 4 दिसम्बर 1985

निदेश सं० नोटिस नं० 47033/85-88-अतः मुझे

भार० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और दिनांक सं० 00/0 है, तथा जो 7 फ़ास, बिलसन गार्डन
बंगलूर में स्थित है (और इसे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), निम्नलिखित अधिनियम 1908 (1908 का
10) के अधीन तारीख 1-4-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहु प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अंतरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का वास्तविक, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
वास्तविक से कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
4-366 GI/85

(1) श्री वी० सी० बाधमि
और 3 कुछ लोग,
नं० 00/9, 7 फ़ास, बिलसन गार्डन,
बंगलूर

(अन्तरक)

(2) श्री शांतिलाल शास्त्र
15, 12 फ़ास, बिलसन गार्डन,
बंगलूर

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त व्यक्तियों के बर्तन के विषय
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्तन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ज़ाहिरातकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बंगलूर

(वस्तावेज सं० 15/85-8 तारीख 1-4-85)

सब सम्पत्ति है जिसे सं० 00/0, जो 7 फ़ास, बिलसन
गार्डन, बंगलूर, में स्थित है।

भार० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेड्डी, बंगलूर

तारीख : 4-11-85

मोहर :

प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 46967/85-86-अतः मुझे

आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके बराबर 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवरण करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 11 (3ए) है, तथा जो वसि राम क्रिस्टेड,
बंगलूर में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 9 अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
इसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का बन्ध
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब तक बचा
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
आवश्यक रूप से अधिनियम द्वारा किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बात, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
दायित्व से कमी करने या उसमें कमी में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या अन्य अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
है या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री एडवर्ड फेंनटा मोर,
केयर आफ मैसर्स रिंग और पाट्टीज,
26/1, लावेले रोड,
बंगलूर

(अन्तरक)

(2) डाक्टर एच० आर० हेगडे
नं० 5, रेसिडेन्सी रोड,
बंगलूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 35/05 तारीख 4/05)

सम्पत्ति है जिसका सं० 11 (3ए) जो वान्निगंहाम
क्रिस्ट, बंगलूर, में स्थित है।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर।

तारीख : 7-11-1985

मोहर :

प्रमुख आई.टी.एन.एस. : -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निर्देश सं० नोटिफ. नं० 47046/85-86-प्रतः मुझे

भार० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) 'जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है', की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 143/38 है, तथा जो 6 फ़ास, विलसन गार्डन, बंगलूर में स्थित है (और इससे उनाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 10) के अधीन तारीख अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात् :—

(1) श्री टी० गंगाधरेय

145/40, 6 फ़ास,
विलसन, गार्डन,
बंगलूर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती के० एस० विजया श्रीनिवास,

433/1, 14 फ़ास,
माधुगोडि रोड, बंगलूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 123/85 तारीख 4/85)

सम्पत्ति है जिसका सं० 143/38, जो 6 फ़ास, विलसन गार्डन, बंगलूर, में स्थित है।

(भार० भारद्वाज)

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

तारीख : 4-11-85

मोहर :

प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 प (1) से अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 1 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 46758/84-85-प्रतः मुझे

प्रार० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके बजाय 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 139/4 है, तथा जो होमलर आउट बंगलूर में स्थित है (और इस से उदात्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अथवा प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अथवा प्रतिफल से, ऐसे अथवा प्रतिफल का उचित प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक निश्चित में वास्तविक रूप से अतिरिक्त नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

(1) श्री सत्यनारायण रेड्डी
नं० 132, ब्रिगेड रोड,
बंगलूर-560025

(अन्तरक)

(2) डाक्टर (श्रीमती) गीता रत्नाकर शेट्टी
उनकी प्रति धि श्रीमती धरणा भोजराजा
शेट्टी, देनर आफ श्री एस० बी० शेट्टी
पी० 51, रेनवे फ्लाट्स, अप्पार पार्क,
कोटाबा, बम्बई-560005

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम निश्चित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(प्रस्ताव सं० 3783/84-85 तारीख 15-3-85)
सम्पत्ति सं० 139/4 में भाग जो दोमलूर सेम्राऊट, बंगलूर में स्थित है।

प्रार० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, बंगलूर

तारीख : 1-11-85
मोहर :

प्रथम भाग, टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 47203/84-85-अतः मुझे,
भार० भारद्वाज,
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
आर० नि० सं० 244 है, तथा जो बोबेल रोड, बेंगलूर
के० आर० पुल होंगी, बेंगलूर सी० तालु० में स्थित है (और
इस उद्देश्य अनुसूची में ओ० पूर्ण रूप से वर्गीकृत है), निम्नी-
करण अधिनियम 1903 (1903 का 16) के अर्जी तारीख
25-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्तेमाल
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
मूल्य, उसके इस्तेमाल प्रतिफल से, ऐसे इस्तेमाल प्रतिफल का
प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
(अन्तर्निर्देशों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय बाधा नया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के सापेक्ष में
कमी करने या उससे बचने के सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने के सुविधा
के लिए; और/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
नं०, नं०, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री जे० डी० निरंज-
नूयं० 244, बोबेल रोड
बेंगलूर, बेंगलूर-560006

(अग्रज)

(2) श्री डी० पी० श्रीराम,
एच० के० होंगे रेडिओ रोड
बेंगलूर में स्थित है।

(अग्रज)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए प्रमाणित की जाती है।

(क) इस सूचना के प्रकाशन के तारीख से 45 दिनों की अवधि या अन्यथा व्यक्ति को 45 दिनों की अवधि में 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समान होंगी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन के तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध व्यक्ति को 45 दिनों की अवधि या 45 दिनों की अवधि के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अनुच्छेद 2(1) में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(संज्ञा सं० 1115/85-86 जा० 25-3-85)

संज्ञा सं० 244 के भाग जो बोबेल रोड, बेंगलूर, के० आर० पुल होंगी, बेंगलूर सी० तालु० में स्थित है।

भार० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रॉज, बंगलूर

तारीख : 1-11-85
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 40751/84-85-प्र3: मुझे,
भार० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और निम्नी सं० 116 है, तथा जो आर्ली आउटर रेंज बंगलूर
में स्थित है (और इसी उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), अधिनियम अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 7-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अहमद दलील शिराजु
नं० 16, आर्ली आउटर रेंज,
बंगलूर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती महीम दलील
घाफ़ि आफ नूर अहमद
साई मंजिल, अलैमना रोड,
अम्बाला हिल, बन्दर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निम्न
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(संज्ञा सं० 3074/84-85 ता० 7-3-85)

संज्ञा सं० 10 में भान जो आर्ली आउटर रेंज, बंगलूर
में स्थित है।

भार० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 1-11-85

मोहर :

प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रॉय, हैदराबाद

हैदराबाद, दि. 11 नवम्बर 1935

निर्देश सं० आ० ये० सी० 447/35-88-अप्रैल: मुझे,

एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसमें से शुद्धि है, जो माफावरम दिलेज, जामी आफ
कैथाना कौडा में मिली है (और इसी उपायद्वारा अनुवृत्ति में अंतिम पूर्ण-
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री.ती अधिकारी दि. 14/11/35 को
मे भारतिया रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अर्धीन मार्च 1935

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से 25% के दरमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरमान
प्रतिफल से, ऐसे दरमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) मै.सै. चंदाल हानुमन्त
और आ० आ० लि०
बाह मैनेजिंग डायरेक्टर श्री सी.एच. रामन्ना,
एटम्बाला गुरुकुल, गुंटूर

(अन्तरक)

(2) श्री ह० वें.टेक्टर राध पिता बूचम्मा,
चन्द्रमौलीनगर, गुंटूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बंगल भूमि विहीन 2.70 एकर, मंचावरम दिलेज,
जामी आफ कैथाना कौडा, जिहा दण्णा रजिस्ट्री.ती दिलेज
नं० 1301/35, रजिस्ट्री.ती अधिकारी दि. 14/11/35

एम० जगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉय, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख: 11-11-35

मोहर:

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉय, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक: 11 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आर० ये० सं० 443/85-86-अतः मुझे,
एम० जगन् मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

आ. नि. नि. सं० शुद्धि है, जो गांधीपुरी निवेश निदेशिका में
मिली है (आ. नि. नि. सं० 100/85-86-अतः पूर्ण रूप से वर्णित
है), निम्नलिखित प्राधिकारी के द्वारा गृह मंत्रालय के आदेशों
अनुसार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उक्त अधिनियम के प्राधिकारी के द्वारा प्राप्ति का
संदर्भ करने के लिए उक्त अधिनियम (अन्तर्गत) और अन्तर्गती
(अन्तर्गती) के बीच एम्बे अन्तरण के लिए नए प्राप्ति प्राप्ति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक
धन के अन्तर्गत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से पहले किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन उक्त धन के अन्तरण के
द्वारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का प्राप्ति, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता
को, जिसे सम्पत्ति अधिनियम, 1922
(1922 का 10) के अधिनियम, या
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अधिनियम अधिनियम द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिये था जिसमें में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, व्यक्तियों :-

(1) मैरिस इस्ट कोस्ट फूड प्राइवेट लि०,
डाइ डायरेक्टर,
श्री एम० रंगनाथ साई कोथापेट,
गुंटूर।

(अन्तरक)

(2) मैरिस विनोद सोलवैफ्टरस प्रा० लि०,
डाइ डी मैनेजिंग डायरेक्टर श्री ए० आर० मनोहर
चिन्मयाबा।

(अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निम्न
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

(अनुसूची)

भूमि विस्तार 3.73 एकर, सर्वे सं० 347 पाटामाटा
नं० 157 ताडेपल्ली विलेज, गुंटूर जिला, रजिस्ट्रीड तालुका
नं० 3754/85, रजिस्ट्रीड अघिदारी गुंटूर

एम० जगन् मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉय, हैदराबाद

तारीख : 11-11-85

मोहर :

प्ररूप आई. पी. एन. एस. - - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1985

सं० आर० ए० सी० नं० 449/86-85:—यन: मुझे,
एम० जगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है, जो बानू बिल्डर्स, मोगलराजपुरम में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे, यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी बाय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने में अंतरक के
बावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य गतिस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत-आय अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती दायरा एकत्र नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
है, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित शक्तियों, अर्थात् —

5—366 GI 85

(1) 1. श्री कोमा रेड्डी बुधप्रसाद पिता पट्टाभोरामय्या,
2. श्री के० रमेश कुमार पिता श्री धरमाराव,
मोगलराजपुरम, विजयवाड़ा।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० मुरलीधर पिता गोपाल राव,
फ्लैट नं० बी-23,
बानू बिल्डर्स, मोगलराजपुरम,
विजयवाड़ा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० बी-23, बानू बिल्डर्स, मोगलराजपुरम, विजयवाड़ा
विस्तीर्ण 1170 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विनैख नं० 1540/85,
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाड़ा।

एम० जगन मोहन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 7-11-1985.

माहुर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं. आर.० ए० सी० न० 450/85-86—यन
मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि है, जो पाटामाटा, ओल्ड पोस्टल कालोनी,
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अत्यल्प
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अंतरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक को
राशि में कमी करने या उससे बचने में सविधा
जे लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1 श्री एम० व. न. राममूला रिंग पुनर्या,
2 श्री एम० कनका श्रीनिवास,
गर्वनरपेट,
विजयवाड़ा-2

(अन्तरक)

- (2) डा० ड० विष्णु वर्धन राव पिता रामय्या,
मनीकोडा,
कृष्णा जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षण।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्युद्देशकारी के
नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और इमारत न० 18-268, पाटामाटा, ओल्ड पोस्ट
कालोनी, विजयवाड़ा, विस्तीर्ण 597 चौ० गज—रजिस्ट्रीकृत
विलेख न० 1665/85 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाड़ा।

एम० जगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, हैदराबाद

तारीख 7-11-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

अध्यायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश म० आर० ए० सी० न० 480/85-86—यनः

मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी स० घर है, जो पाटामाटा, विजयवाडा में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ए०से दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ए०से अन्तरण के लिए सब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

1) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्री एम० वेकटा राधा कृष्णा मूर्ति पिता पुल्लय्या
गवर्नरपेट,
विजयवाडा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती वाई० मत्तवती पति,
श्री विष्णु वर्धन राव,
गवर्नरपेट,
विजयवाडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और इमारत न० 18-269 पाटामाटा ओल्ड पोस्ट
कालोनी, विजयवाडा, विस्तीर्ण 296.1/2, सेंटम्, रजिस्ट्रीकृत
विलेख न० 2667/85, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाडा।

एम० जगन मोहन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7-11-1985.
मोहर :

प्रथम भाग टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 451/85-86—यतः

शुभे, एम० जगन मोहन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट है, जो बानू बिल्डर्स, मोगलराजपुरम में
स्थित है (और इससे उपान्वित अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, [तारीख
मार्च, 1985

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
अन्वित प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
वास्तव में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्रियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) मैसर्स बानू बिल्डर्स, आई

1. श्री कोमारैडू दुर्गा प्रसाद और अन्य,
मोगलराजपुरम,
विजयवाड़ा।

(अन्तरक)

(2) श्री आई० श्रीकृष्णा देवरायुलू,

पिता श्री वेंकट कृष्णा मूर्ति,
फ्लैट नं० ए-3,
मैसर्स बानू बिल्डर्स,
मोगलराजपुरा, विजयवाड़ा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

फ्लैट नं० ए-3, मैसर्स बानू बिल्डर्स, मोगलराजपुरम, विजय-
वाड़ा, विस्तीर्ण 920 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1257/85,
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, विजयवाड़ा।

एम० जगन मोहन,
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7-11-1985.

मोहर :

इसका बार्ड: दी. ए. ए. ए.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

नगर पंचायत

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1985

(1) मैसर्स अरुना बिल्डर्स,
बाई मैनेजिंग पार्टनर श्री वी० ए० पांडुरंगाराजू,
रूम नं० 4 और 5,
यूनिटी हाउस, अविटम्,
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० लक्ष्मणराव पिता शेवागिरी राव,
कांचन काम्प्लेक्स,
नियर करंट भाषि,
विजयवाड़ा ।

(अन्तरिती)

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 452/85-86:-अतः मुझे,
एम० जगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट है, जो मोगलराजपुरम, विजयवाड़ा में
स्थित है (और इनमें उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 3/85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है कि भूके यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पुनरुत्पत्ति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरर्षी) और
अन्तरिती (अन्तरितीयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के निष्पत्ति
बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में इतिहास
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
नायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना था, छिपाने में सक्षम
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ;

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट 1957 का 900 वा० फुट, कांचन काम्प्लेक्स, मोगलराज-
पुरम, विजयवाड़ा, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1441/85, रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी विजयवाड़ा ।

एम० जगन मोहन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक नायकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रोज, हैदराबाद ।

तारीख : 7-11-1985

मोहर :

प्रमुख आई. टी. एन. एड.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1985

सं० आर० ए० सी० नं० 453/85-86-अतः मुझे,
एम० जगत मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके परधान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने
का कारण है कि आधार सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ़ैट है, जो अतिअपार्टमेंट, पाटामाटा में
स्थित है (और इस उपाखण्ड प्रसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीपरी अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 26) के अधीन
तारीख 3/85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अधिकतम वाजार
मूल्य, उसके प्रदान प्रतिकर में, एम० जगत मोहन को
वस्तु प्रतिकर से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए यह
बाधा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निहित में ग्राह्यक रूप से अधिक नहीं होना चाहिए -

(क) अन्तरक से हुई किसी लाभ की कारण उक्त सम्पत्ति
क्रय के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से
कमी करने या उसके बचने से सूचना के लिए;
और/या

(ख) एकी किसी लाभ या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवचन-
नियम अन्तर्गत प्राप्त होने वाले आय का
या किन्हीं अन्य कारणों से अधिमान में सविधा के
लिए;

अतः उक्त उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगत, अर्जुन रेंज -

(1) श्री वी० प्रभुशंकर पिता,
श्री केशवराव चौधरी,
शांति अपार्टमेंट्स,
पाटामाटा, विजयवाड़ा।

(अन्तरक)

(2) श्री रावन्म नविन पिता,
श्री रामचन्द्रा राव,
शांति अपार्टमेंट्स,
फ्लैट तीसरा मजला,
विजयवाड़ा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप -

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त आधार सम्पत्ति में हितवश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाठेस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और वाक्यों का, जो उक्त
विधिविषय के अन्धकार 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होना, जो उस अन्धकार में दिया
गया है।

अनुसूची

फ़ैट शांति अपार्टमेंट्स, नियार साईबाबा टेम्पल पाटामाटा,
विजयवाड़ा, विस्तीर्ण 1050 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०
1355/85, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, विजयवाड़ा।

एम० जगत मोहन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7-11-1985
मोहर :

६६० आइ ई एन एस

**वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेजि, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1985

सं. आर. एं. सी. नं. 454/85-86 - अतः सूचे
एम० जगन मोहन

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लेट है जो बानू विल्डर्स मंगलराजपुरम में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ओर पूर्ण रूप से वर्णित है) - रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3/85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यहाँ यह विज्ञापन करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरात) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है -

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक वास्तविक से कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों द्वारा प्रकट नहीं किया गया है कि या किया जाना चाहिए या विधानों में संशोधन के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् -

(1) श्री ए. ए. सी. नं. 454/85-86 - अतः सूचे
एम० जगन मोहन
विजयवाड़ा - 2

(अन्तरक)

(1) श्री ए. ए. सी. नं. 454/85-86 - अतः सूचे
विजयवाड़ा - 2
डिप्टी-मैनेजर ऑफ़ कोट वे
सूर्या रायपेट,
विजयवाड़ा - 2

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थों के लिए कार्यवाही करने हेतु

उक्त सम्पत्ति के अर्थों के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या मन्तव्यवन्धी व्यक्तियों पर सूचना का प्रतीक से 30 दिनों की अवधि, जो भी अधिक हो, के भीतर किसी व्यक्ति द्वारा, उक्त सम्पत्ति के अर्थों के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण - इसमें पयान अन्तर और पदां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसूची

प्लेट नं. 1-1, विस्तीर्ण 1170 चो. फुट, बानू विल्डर्स
मंगलराजपुरम, विजयवाड़ा, जिन्हीन विलेख नं. 1268/
85 दिनांक 7-11-1985 विजयवाड़ा।

एम० जगन मोहन,
सक्षम प्राधिकारी
वायकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जुन रेजि, हैदराबाद

तारीख 7-11-1985
मोहर

प्रथम भाग. बी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 7 नवम्बर 1985

सं० आर० ए० सी० नं० 455/85-86:-अतः मुझे,
एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट है, जो प्रकाश अपार्टमेंट्स, नल्लाकूटा में
स्थित है (और इसने उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चिक्कड़पल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 3/85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
बहुत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
बाधा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्रकाश लदरे,
पिता श्री सोमनाथ राव,
2-1-494,
नल्लाकूटा,
हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति ए० चलयम्मा,
पति श्री हानुमंत राव,
2-1-513/5,
नल्लाकूटा,
हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
रहित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बंधोइस्ताधरी के
बाद लिखित में किए जा सकेंगे।

जाबदीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 7 और पार्ट आफ फ्लैट नं० 6, प्रथम तल, प्रकाश
अपार्टमेंट्स, नल्लाकूटा, हैदराबाद, विस्तीर्ण 700 चौ० फुट,
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 339/85, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी,
चिक्कड़पल्ली।

एम० जगन मोहन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7-11-1985.
मोहर :

प्रकृष माई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 456/85-86:-अतः मुझे,
एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
, 00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट है, जो वेस्टमारेडवेल्ली मिन्दराबाद में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिगारी के कार्यालय, मारेडवेल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
अन्तर्गत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कायम नहीं किया गया है 3--

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचना
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
मे, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित

6-366 GI/85

(1) मेसर्स फैशन बिल्डर्स,
10-2-267/1 और 2,
वेस्ट मारेडवेल्ली
मिन्दराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती टी० आईरामजी,
फ्लैट नं० 1,
घर नं० 10-2-267/1 और 2,
वेस्ट मारेडवेल्ली,
मिन्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप--

(क) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखाधिकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1, घर नं० 10-2-267/1 और 2 वेस्ट मारेडवेल्ली
मिन्दराबाद विन्नीण 909 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकर्ता विन्नेख नं०
762/85, रजिस्ट्रीकर्ता अधिगारी मारेडवेल्ली।

एम० जगन मोहन,
सक्षम अधिगारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7-11-1985

मोहर :

वक्तव्य आर. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

अर्जुन रेजि, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 457/85-86-अत. मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसका पक्षपात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो गोतापुड़ी विन्नेर, विजयवाड़ा में स्थित है (आर० डी० उपायुक्त अनुसूची में अधिगुण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिगुण के तहत, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख, मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्ष प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के स्वरूप पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाध, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को प्रत्यक्ष भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सी० एच० मधुसूदन राव,
गिना रामा कोटय्या,
गोतापुड़ी,
विजयवाड़ा।

(अन्तरक)

(2) विजयवाड़ा होनमेल एमरिशियल नाम्पलैकम मेम्बर
वेनफेयर मोनायटी,
वाई प्रेसीडेंट श्री जे० रामस्वामी गुप्ता,
जनरल सेक्रेटरी : श्री ए० आर० गोपाल राव,
11-50-37, शिवानियम लेन,
विजयवाड़ा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाध :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विन्नेर 0.88 ए. डी. गोतापुड़ी, विजयवाड़ा, रजिस्ट्री नं० 1712/85, रजिस्ट्रीकर्ता अधिगुण विजयवाड़ा।

एम० जगन मोहन,
सक्षम अधिगुण,
महाय : आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेजि, हैदराबाद।

तारीख : 8-11-1985
मोहर :

प्रकरण बाह्य.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

आदेश सूचना

आयसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 नवम्बर, 1985

निर्देश नं० आर० ए० सी० नं० 458/85-86-अन्त. मुझे, एम०
जगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसने
उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी नं० भूमि है, गां गोलापुडी विलेज, विजयवाड़ा में
स्थित है (और उन्हीं उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
कम, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अनुरूप को
हासिल में कमी करने या उच्च वृद्धि के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वस्तुओं
को बिना भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
भायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री सी० एच० रविन्द्रराव
पिता श्री गोपालराव और अन्य,
गोलापुडी
विजयवाड़ा।

(अन्तरक)

(2) विजयवाड़ा होलसेल कमर्शियल ब्याम्पलेक्स
मेम्बर्स, वेल्फेयर सोसायटी,
बाई प्रेसिडेंट श्री जे० रामन्धामी गुप्ता,
जनरल सेक्रेटरी : श्री ए० आर० गोपाल राव,
11-50-37, शिवालयम लेन,
विजयवाड़ा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाकोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमय
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

विस्तीर्ण भूमि 1.47 3/4 एकड़, आर० एम० नं० 518/1वीं,
गोलापुडी, विजयवाड़ा, रजिस्ट्रीकरण विलेज नं० 1741/85,
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाड़ा।

एम० जगन मोहन,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 8-11-1985

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 459/85-86-अंतर् मुझे,

एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो गोलापुड़ी विलेज, विजयवाड़ा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का ग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सी० एच० ऊमा मेहेश्वर राव,
पिता श्री रामकोटय्या और अन्य,
गोलापुड़ी,
विजयवाड़ा।

(अन्तरक)

(2) विजयवाड़ा होलसेल कर्मागियल चाम्पनैक्स,
मेम्बरस वेनफेयर सोसायटी,
बाई प्रेसीडेंट . श्री जे० रामस्वामी गुप्ता,
जनरल सेक्रेटरी . श्री ए० आर० गोपालराव,
11-50-37, शिवायलम लेन,
विजयवाड़ा-1.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेष्टाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विस्तीर्ण 0.88 एकड़, आर० एम० नं० 518/1 बी०,
गोलापुड़ी विलेज, विजयवाड़ा, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1713/85,
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाड़ा।

एम० जगन मोहन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रॉज हैदराबाद

तारीख : 8-11-1985
माहद्वय :

प्रकरण भाग टा. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेजिस्ट्रार

हैदराबाद दिनांक 8 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी० न० 460/85-86--अत मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सख्ता भूमि है, जो गोलापुडी विलेज, विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में ओ० पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतः (अतः) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी का उद्देश्य या उसके बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसूचन में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री सी० एच० सुब्बा राव पिता, श्री विरय्या और अन्य 5, गोलापुडी, विजयवाड़ा

(अन्तरक)

(2) विजयवाड़ा होलसेम कर्माशियल काम्प्रलेक्स, मेम्बर्स वेलकर सोसायटी, बाइ प्रेसीडेंट श्री जे० रामस्वामी गुप्ता, जनरल मैनेजरी श्री ए० आर० गोपालराव, 11-50-37, शिवालयम लेन, विजयवाड़ा-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में एकए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विस्तीर्ण 1 67 3/4 एकड़, आर० एस० न० 518/1 बी, गोलापुडी, विजयवाड़ा, रजिस्ट्रीकर्ता विलेख न० 1739/85, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाड़ा

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेजि, हैदराबाद

तारीख 8-11-1985
मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. 1-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर, 1985

आर० ए० सी० नं० 461/85-86---प्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट है, जो महेंद्रा हील्स ईस्ट मारेड-पल्ली में स्थित है (ओरइएसे उतावद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मारेडपल्ली से रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(ग) अन्तरण से हुई किसी शय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स सी० एस० वायस प्रा० ल०,
10-2-27/8, महलनगर,
सिकंदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्री ए० शरतरेड्डी
4-3-471, बैंक स्ट्रीट,
हैदराबाद,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्मवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सच्चा की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 192, महेंद्र हाऊस, मारेडपल्ली, मिकन्द्रा-बाद, विस्तीर्ण 45० चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 793/85 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मारेडपल्ली।

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7-11-1985

माह्वर :

प्रकृष आर्. टी. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

सहायक सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी० न० 462/85-86--अन. मुंजे, एम०
जगन मोहन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट है, जो अणोकनगर हैदराबाद में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
अंगीकृत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से पूर्व किसी नाब को प्राप्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
व्यक्ति में कमी करने या उससे बचने में सूचना
के बिना; बाँट/बा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) का
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना
के बिना;

(1) मैसर्स मेहता टावर्न ब्राह्म
श्री महेन्द्रा मेहता,
49, एम० जी० राड,
बिकराराबाद

(अन्तरक)

(2) श्री बी० रवि कारग पिता,
नेट श्री गंगा राम,
363, एम० आर० टो० क्वार्टर्स आणोकनगर,
हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाधोप ६—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्य-
मान है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 203, घर नं० 1-1-293/4, आणोकनगर,
हैदराबाद, विस्मार्ग 1385 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकन विवेक
नं० 1929/85, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

नोट: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 7-11-1985

माहूर :

इच्छा बाह, टी. एन. एल.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 473/85-86—अन: मुझे, एम०
जगन मोहन,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि है, जो गोलागुडी विलेज विजयवाड़ा में
स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन मार्च 1285

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवहार
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके व्यवहार प्रतिफल से, ऐसे व्यवहार प्रतिफल का
इन्हें प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पता चला कि प्रतिफल विनिर्दिष्ट अनुपात से उचित अन्तरण
अधिक है वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की जांच, उक्त
अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव से कमी करने या उचित करने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी बात या अन्य वास्तविकताओं
को, जिन्हें भारतीय वास्तविक अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए या कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री सी० एच० राजमोहन राव पिता,
श्री वेंकटेश्वर राव और अन्य,
2, गोलागुडी, विजयवाड़ा

(अन्तरक)

(2) विजयवाड़ा होलमेल कमर्शियल कॉम्प्लेक्स,
मेम्बरस वेलफेयर सोसायटी,
बाइ प्रेसीडेंट श्री जे० रामस्वामी गुप्ता,
जनरल मैकेटरी श्री ए० आर० गोपालराव,
11-50-37, शिवायलम लेन,
विजयवाड़ा-1,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करवा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधाएं—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
रक्षक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, यथाहस्ताक्षरों के
बिना निश्चित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या संबंधित
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

विस्तीर्ण 0.90 एकड़, आर० एम० नं० 518/1 बी,
गोलागुडी विजयवाड़ा, रजिस्ट्रीकरण विनियम नं० 1738/85,
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाड़ा।

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-11-1985

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

हैदराबाद, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 464/84-85—अतः मुझे, एम०
जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
[सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है], की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि है, जो गोलापुडी विलेज विजयवाड़ा
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
हो किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
'—366 GI/85

(1) श्री सी० एच० वेंकटेश्वर राव पिता,
श्री नागय्या और अन्य,
2, गोलापुडी, विजयवाड़ा

(अन्तरक)

(2) विजयवाड़ा होलसेल कर्माशियल काम्प्लेक्स,
मेम्बरर्स वेलफेयर सोसायटी,
बाई प्रेसीडेंट श्री जे० रामस्वामी गुप्ता
जनरल सेक्रेटरी श्री ए० आर० गोपाल राव,
11-50-37, शिवालयम लेन,
विजयवाड़ा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

विस्तीर्ण 1.26 एकड़ आर० एत० नं० 518/1 बी,
गोलापुड़ा, विजयवाड़ा रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1742/85,
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाड़ा।

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-11-1985
मोहर :

प्रारूप बाण्डा. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 46/85-86—अतः मुझे, एम०
जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि है, जो गोलापुडी विलेज विजयवाड़ा
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन मार्च 1985

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी जाब की सबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अर्थानुसार अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः आप, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सी० एच० गोपाल राव पिता,
श्री विरय्या,
गोलापुडी, विजयवाड़ा

(अन्तरक)

(2) विजयवाड़ा होलसेल कमांडियल काम्प्लेक्स,
मेम्बरस वेलफेयर सोसायटी,
बाई प्रेसीडेंट श्री जे० रामस्वामी गुप्ता,
11-मड-37, शिवालम लेन,
विजयवाड़ा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

विस्तीर्ण 0.80 एकड़, आर० एस्० नं० 518/1 बी,
गोलापुडी विजयवाड़ा रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1743/85,
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाड़ा।

एम० जगन मोहन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-11-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 नवम्बर 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 468/85-86-अतः मुझे, एम०
जगन मोहन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायी संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लेट है, जो मेरीडीयन अपार्टमेंट्स
अबिड्स स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल को ले अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसा अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बाधित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स मेरीडीयन कन्स्ट्रक्शन्स को०,
5-8-812, अबिड्स, हैदराबाद
(अन्तरक)

(2) श्री अब्दुल खादर झीरापुरी
प्लेट नं० 502, मेरीडीयन अपार्टमेंट्स,
अबिड्स, हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
आव्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि श्राव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 502, मेरीडीयन अपार्टमेंट्स, अबिड्स हैदराबाद
विस्तीर्ण 384 चौ० फुट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1620/85
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7-11-1985
मोहर :

प्रथम भाग.डी.एन.एन.-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० एम०आर० ए० सी० न० 467/85-86—अतः
मुझे एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कार्यालय का परीमर है, जो चन्द्रलोक
काम्प्लेक्स, सिकंदराबाद में स्थित है (और इसने उपावृद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय रंगारेड्डी जिला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3185
को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाबत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स स्वस्तीक कन्स्ट्रक्शन्स को०
111, एम० डी० रोड, सिकंदराबाद
(अन्तरक)

(2) मैसर्स उगरसेन रामचद इस्टेट्स और,
इजोनियरिंग इण्डस्ट्रिज प्रा० लि०,
आइ डाइरेक्टर पुण्या जैन,
17 एफ०, काती थिकारा अपार्टमेंट्स,
पजामुट्टा हैदराबाद-4
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन को लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कार्यालय का परीमर नं० 510 से 513, पांचवा
मन्जला, चन्द्रलोक काम्प्लेक्स घर नं० 1-7-234/241,
एम० डी० रोड, सिकंदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2006
85, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी रंगारेड्डी जिला।

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7-11-1985
मोहर :

प्रकृत बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 468/85-86—अत. मुझे,
एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय का परिसर है, जो चन्द्रलोक कम्प-
न लिमिटेड, सिन्दराबाद, में स्थित है (और इसमें उपाय अनुसूची में
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, रंगारेड्डी जिला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 3/85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित
के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी बाय की वापस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के
रायत्व से कमी करने या उससे बचने में भ्रमिषा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन का अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में भ्रमिषा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स स्वस्तीक, कन्स्ट्रक्शन क०,
111, एस० डी० रोड, सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री अतुल खाना पिता हरीणचन्द खाना,
5-9-22/1/7, आदर्शनगर, हैदराबाद

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वावत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

नोट :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कार्यालय का नं० 534, चन्द्रलोक कम्पलैक्स घर नं०
1-7-234/241, एस० डी० रोड, सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण
782 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकरण विज्ञेय नं० 2005/85 रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी, रंगारेड्डी जिला।

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक 7-11-1985

मोहर

प्रत्यक्ष बाई-टी. एच. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० 469/85-86—अतः मुझे,
एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पदधातु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय का परिसर है, जो चन्द्रलोक
कम्प्लेक्स, एस० डी० रोड, में स्थित है (और इससे उपाय
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, रंगारेड्डी जिला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 3/85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कीमत नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरक से हुई किसी बात की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्यतिरिक्त कोई भी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स स्वस्तीक कन्स्ट्रक्शन्स, कं०
111, सरोजिनी देवी रोड,
सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

2. मैसर्स नरेन्द्रा एसोशिएट्स,
पर पार्टनर श्री आ० नरेन्द्रा,
6-1-279/4, पदमारावनगर,
सिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

अब यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बातें—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितग्रह
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यक्तिगतः—इसमें प्रयोज्य कानून और पत्रों का, या उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, नहीं बर्च होगा या उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कार्यालय का परिसर नं० 610, से 613 छोटवा मंजिल,
चन्द्रलोक, कम्प्लेक्स, एस० डी० रोड, सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण
1470 चौ० फु०, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2007/85,
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी रंगारेड्डी जिला।

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 7-11-1985
मोहर :

प्ररूप आर्क्ष. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० 470/85-86—अतः मुझे,
एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय का पारीसर है, जो चन्द्रलोक कम्प-
लेक्स, एस० डी० रोड, में स्थित है (और इससे उपाधुत अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, रंगारेड्डी जिला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 3/85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
अधिक प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों
(अन्तरितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब बात
भवा साफल्य, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निमित्त में
साक्षात् रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित
में कमी करने या उक्त करने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या छिपान में
सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. मैसर्स स्वस्तीक कन्स्ट्रक्शन्स, को०,
111, सरोजिनी देवी रोड,
सिकन्दराबाद ।

(अन्तरक)

2. कुमारी के० मधु पिता श्री के० सीताराम राजू,
1-10-225, अणोक नगर, हैदराबाद ।

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में उक्त-
वर्णित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पाद लिखित में किछ या उक्त

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कार्यालय, का पारीसर नं० 431 और 432 (50 प्रतिशत)
चौथी मंजिल पर चन्द्रलोक कम्पलेक्स, घर नं० 1-7-234/
241, एम० डी० रोड, सिकन्दराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०
2008/85 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी रंगारेड्डी जिला ।

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 7-11-85

माहूर

प्रमुख आई. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 471/85-86—अतः मुझे

एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय का परीसर है, जो चन्द्रलोक कॉम्प्लेक्स
एस० डी० रोड, में स्थित है (और इससे उपाध्व अनुपूची में
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, रंगारेड्डी जिला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 3/85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावना, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के पञ्चांशार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित :-

1. मैसर्स स्वस्तीक कन्स्ट्रक्शन्स को०,
111, सरोजिनी देवी रोड,
सिकन्दराबाद ।

(अन्तरक)

2. श्री के० सीतारामा राजू पिता के० सूर्यनारायण राजू,
1-10-225, आशोक नगर, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होगी, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में किया
गया है।

अनुसूची

कार्यालय का परीसर नं० 431 और 432 (50 प्रतिशत)
चौथी मंजिल पर चन्द्रलोक कॉम्प्लेक्स, घर नं० 1-7-234/
241 एस० डी० रोड, सिकन्दराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख
2011/85 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी रंगारेड्डी जिला ।

एम० जगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 7-11-1985

कोडर ६

राजपत्र की एन.एच.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

कार्य सार

समाविष्ट, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं आर० ए० सी० नं० 472/85-86—अतः मुझे,
एम जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269
ग के अधीन सहाय प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० फ्लैट है जो मेरीडीयन, अपार्टमेंट्स, अविट्स
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 3/85

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
परिणाम के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
रखने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
उक्त प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रावि-
ष्ट, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्त, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
आय का

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
1—366 GI/85

1. मैमर्स मेरीडीयन, कन्स्ट्रक्शंस को०,
5-8-612, अविट्स, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री अब्दुल खादर झीरापुरी,
फ्लैट नं० 502, मेरीडीयन अपार्टमेंट्स,
अविट्स, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

समाप्त

फ्लैट नं० 502, मेरीडीयन, अपार्टमेंट्स हैदराबाद
विस्तीर्ण 384 चौ० फुट रजिस्ट्री नं० विलेख नं० 1602/85
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन

अध्याय प्राध्वारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, हैदराबाद

दिनांक : 7-11-1985

मोहर :

सूचना नं० 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं आर० ए० सी० नं० 473/85-86—अतः मुझे,
एम० जगन मोहन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) चिह्न
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० प्लेट है, जो चीराग आला लेन, नामपल्ली,
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 3/85को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवधान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके व्यवधान प्रतिफल से, से व्यवधान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितीयो) के बीच एस अन्तः के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
आस्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है :—अन्तरण से हुए किसी अन्य को अन्तरण के
अधिकार के अधीन करने के अन्तरण के
अधिकार में कमी करने या उससे अन्तरण में सुविधा
के लिए; और/वा(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या अन्तः अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
आवधान के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—1. मैसर्स यूनिटी कन्स्ट्रक्शन,
बाइ पार्टनर श्री महाबीर प्रसाद,
21-2-722, चारमीनार,
हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती विमलादेवी, पतिमदन मोहन गुप्ता,
(2) श्री सुरेश गुप्ता, पिता जी० गुप्ता,
घर नं० 3-6-313, हैदरागुडा,
हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या इस सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोहेस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।स्पष्टीकरण:—इसमें (क) शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० प्रेमीसस नं० 5-8-49/6, नामपल्ली, चीराग
आली लेन, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1200 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत
विलेख नं० 1846/85, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।एम० जगन मोहन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाददिनांक 7-11-1985
मोहर :

प्रकाशक: टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 474/85-86-अतः मुझे,
एम० जगत मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट है, जो माहावीर, अपार्टमेन्ट्स, किंगकोठी
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 3/85

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एन्ड्रू प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिद्धि में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वापस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शक्ति से कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी बच या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री राधा कृष्ण गुलाबानी,
311, माहावीर अपार्टमेन्ट्स,
किंग कोठी रोड, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. (1) श्री छेगलाल कोनाडीया और

(2) श्री कमलेश गुप्ता,

घर नं० 22-5-253/ए, कालीकमान,
हैदराबाद।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी बाधक:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखाधिकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 203, माहावीर अपार्टमेन्ट्स, किंग, कोठी
हैदराबाद, विस्तीर्ण, 947, चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख
नं० 1902/85, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

एम० जगत मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, हैदराबाद

दिनांक 7-11-1985

मोहर :

प्ररूप आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 475/85-86--अतः मुझे,

एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० फ्लैट है, जो गगन महल रोड, दोमलगूडा में स्थित है और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चीफ़ डिवल्लि में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 3/85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ए०से दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ए०से अन्तरण के लिए सत्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. मैमर्स एस० के० एसोशिएट्स, ,
बाइ श्री व्ही० व्ही० कामत पार्टनर
1-2-24, गगन महल, रोड, हैदराबाद।
(अन्तरक)

7. श्री के० जयरामन पिता आर० कृष्णा मूर्ती,
टाइप चार-47, लॉब क्वार्टर्स,
कांचन बाग, हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 506, घर नं० 1-2-24, दोमलगूडा, हैदराबाद
विस्तीर्ण, 600 चौ० फुट० रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 280/85,
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चीफ़ डिवल्लि।

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 7-11-1985
मोहर :

प्ररूप आर्क्ष. टी. एन. ए. -----

1. ममर्स मेरीडीय कन्स्ट्रक्शन को० 5-8-612

अबिड्स हैदराबाद।

(अन्तरक)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

राष्ट्र सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी० 476/85-86---यतः,

मुझे एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञापन करने का कारण है कि उक्त स्थान सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं० प्लट है, जो मेरीडीयन अपार्टमेंट्स, अबिड्स स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्राप्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बन्धन के बावजूद में कमी करने या उसके बचने में सूचना के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकताओं को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रत्येकानार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात् :—

2. श्री अब्दुल खादर झीरापुरी प्लट नं० 502 मेरीडीयन अपार्टमेंट्स अबिड्स, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति पर अर्जन के निम्न कार्यवाहियों शुरू करा है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षण

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि कम में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभिलेखाधिकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों की प्रतीति की, जो उक्त अधिनियम के अनुच्छेद 20 के अन्तर्गत है, वही अधिदेश, जो उक्त अधिनियम के अन्तर्गत दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 502 मेरीडीयन अपार्टमेंट्स, अबिड्स, विस्तीर्ण 384 चौ० फुट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1554/85 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, हैदराबाद

तारीख : 7-11-1985

मोहर :

इसका भाई. टी. ए. ए. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 (ब) (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महाश्वक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 477/85-86—अतः

मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके अन्तर्गत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट है, जो कांग कोठी रोड़ हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख मार्च 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को व्यवमान
विक्रय के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि वहापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का
व्यवमान प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरांतरित्य) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित अनुसूची से उक्त अंतरण निश्चित
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी बात की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
व्ययिता में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. मेसर्स ए० जे० बिल्डर्स, बाइ श्री आजीज अहमद
पार्टनर 5-9-31, बसीबाग हैदराबाद।
(अन्तरक)

2. श्री अहमद अब्दुला सलीम सावन, 18-10-63,
बारकस, हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए
कार्यवाही करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में आक्षेप की प्रकट।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 132 घर नं० 3-5-121/इ/जी० कांग कोठी
हैदराबाद, विस्तीर्ण 1100 चौ० फुट रजिस्ट्रीकृत विलेख
नं० 1671/85 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, हैदराबाद

तारीख : 7-11-1985
मोहर :

प्रथम भाग, टी. एन. एस. -----

1. मैसर्स प्रोग्रेसिव्ह बिल्डर्स, 3-6-309, बसीरबाग
हैदराबाद।

(अन्तरक)

नाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 478/85-86—अतः

मुझे, एम० जगन मोहन,

नाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सहायक अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० फ्लैट है, तथा जो बसीरबाग हैदराबाद
में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चिक्कडपल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख मार्च 1985को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अथवा
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि वहापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अथवा प्रतिफल से, ऐसे अथवा प्रतिफल का
वही प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से करित नहीं किया गया है—(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्तव उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावजूद
में करी करने या उक्त अर्थ में सूचना के लिए;(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तवों
का, जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य
का अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, विधान में सूचना
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकट—2. श्री के० एस० श्रीनिवास मुर्ती और अन्य दो
131, सनप्लावर अपार्टमेंट्स, बाम्ब।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति में अन्तरण की निम्न
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्थ के सम्बन्ध में के० भी जांचें—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 54, ब्लॉक-बी० घर नं० 3-6-309, बसीर
बाग, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 384/85 रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी चिक्कडपल्ली।एम० जगन मोहन
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7-11-1985

मोहर :

प्रश्न नम्बर टी एन एम -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सरकारी कार्यालय

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर, 1985

निर्देश न० आर० ए० सी० न० 479/85-86—अतः,
मुझे एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके अन्तर्गत उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि आपकी सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी स० प्लेट है, जो जे० बी० एअरकुल्लु,
अपार्टमेंट्स दोमलगूड में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 10) के अधीन, तारीख
मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरिक्तियों) के बीच गम्भीर अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
मास्तीकरण के लिए किया गया है —

(क) अंतरक से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
अभाव में कभी कभी या उससे बचने में अविद्या
के लिए कर/र

और/

म) ऐसा किसी आध या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के अधिनियम अंतर्गत्त द्वारा प्रकट नहीं किया
गया है, या जो अन्य कारणों से प्रकट नहीं
किया गया है

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्री जे० प्रभाकर और (2) यशज, मत्तनारायणा
राव, पिता जे० नरसींग राव, घर न० 10-
3-317/28 विजयनगर कानौनी, हैदराबाद।
(अन्तरक)

2. श्रीमती श्री० अरुणा पति अशोक राज 1-1-774,
न्यू बाकाराम, हैदराबाद।
(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट न० 2 घर न० 1-2-337 हैदराबाद
रजिस्ट्रीकरण विलेख न० 1515/85 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
हैदराबाद।

एम० जगन मोहन
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, हैदराबाद

तारीख : 7-11-1985
मोहर :

प्रारूप जारी. टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजमेर रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 481 85-86—अतः

मुझे, एम० ज० मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
[सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है], की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

अर्थात् जिसकी सं० घर है जो हीमायतनगर हैदराबाद में
स्थित है (अर्थात् इहोते उपखण्ड अनुसूची में अर्थात् पूर्ण रूप से
दर्जित है), राजस्वीय अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद
चीनटोल्ली में भारतीय राजस्वीय अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
एकद्वितीय भाग से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
सापेक्ष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) एस किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वय
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की धारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
9-366 GI/85

1. श्रीमती ई० सुलोचना देवी पति रंगा रेड्डी घर नं० 3-6-
145/5, हीमायतनगर, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. (1) श्री एस० सुरली कृष्णा।

(2) श्री ए० मु० कृष्णा घर नं० 4-4-36,
सुलतान बाजार, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 3-6-1455, हीमायतनगर, हैदराबाद विस्तीर्ण
भूमि 244.84 चौ० गज राजस्वीय निवेष्ट नं० 360
85 राजस्वीय अधिकारी चीनटोल्ली।

एम० ज० मोहन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अजमेर रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-11-1985
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी० 482 85-86—अन: मुझे
एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्री जगदी सं० घर है, जो वरिष्ठ मोरडेपल्ली सि. हैदराबाद
में स्थित है (श्री इसे उभावद्ध अनुपुत्री में श्री पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
मारेडपल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसको दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का गृह्य
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण त है कि किसी आय का बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए
श्री/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सविधा के लिए:

अतः अध उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अन्तरण
में, मैं भारत अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री एस० ए० गफार रिज लेट सयद इब्राहीम
और अन्य एक, घर नं० 10-25-415 416,
वेस्ट मारेडपल्ली, सिकंदराबाद ।
(अन्तरक)

2. श्री मोहम्मद मोहज्जुद्दीन पिता मोहम्मद हामीदुद्दीन
और अन्य एक घर नं० 10-2-415 416, वेस्ट
मारेडपल्ली सिकंदराबाद ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन में नियम
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्समवधी व्यक्तियों पर
सूचना का प्रकाशन में 30 दिन की अवधि, जे भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुपुत्री

घर नं० 10-2-415 416, वेस्ट मारेडपल्ली, सि. हैदरा
बाद, विस्तीर्ण भूमी 745.28 चौ० गज रजिस्ट्रीकर्ता विवेक
नं० 1228 85 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मारेडपल्ली।

एम। जगन मोहन

सज्जन निरीक्षक

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-11-1985
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. --- -

आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉय, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 483/85-86—अतः
मुझे, एम० जगन मोहन,

आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० इमारत है, जो रामाराव पेठ काकीनाडा
में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काकीनाडा
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्राप्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसकी दृश्यमान प्रोत्तन में कम दृश्यमान प्रतिफल का
अनुप्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच एम अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित
में वास्तविक रूप से कार्य नहीं किया गया है—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, कक्षा में—

1. श्री पी० रामकृष्णा राजू और अन्य पिता पी० व्ही०
लक्ष्मी नरसीम्हा राजू, गांधीनगरम, काकीनाडा।
(अन्तरक)

2. श्री जी० सत्यनारायणा राजू और अन्य पिता श्री
राजू डी० नं० 7-5-आफ 4/1, रामारावपेठ,
काकीनाडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करने के लिए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्ति या में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

घर नं० 7-5, आफ 4/1, रामारावपेठ, काकीनाडा
विस्तीर्ण 1305 चौ० गज, रजिस्ट्रीकरण नं० 3450
85, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी काकीनाडा।

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रॉय, हैदराबाद

तारीख : 7-11-1985
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉय, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 484/85-86—अतः

मुझे एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० घट है, जो 7-न.डू राजमंडी में स्थित है

(और इसे उचित अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)

रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजमंडी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती विजयो इन्दिरा पति मोर इन्दिरा श्री,
अडबोटेड प्रजापति, राजमंडी।

(अपारक)

2. श्रीमती देवदार बेगम पति लेट मोर इन्दिरा अली,
मेन रोड, युनुक, वेस्ट गोदावरी जिला।

(अपारक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खर नं० 11-1-1, शास्त्रेडा गिर गोदावरी रिवर, राज-
मंडी विजोगै 617 को गत, राजमंडी विजोगै
नं० 2105/85 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी राजमंडी

एम० जगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉय, हैदराबाद

तारीख : 7-11-1985

घोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 7, नवम्बर 1985

निदेश सं० आर० ए० सं० नं० 433/85-86—अ०: मुझे,
एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है
श्री: जगन मोहन, जिनको मोहम्मद रफीक, विजयवाड़ा
में निवास है (श्री: जगन मोहन अर्जुन में श्री: जगन मोहन से वर्णित
है), श्री: जगन मोहन अर्जुन के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय
राजस्व अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अन्तर्गत,
तारीख 3-1/85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वावक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
आवधिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

नोट: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री: जगन मोहन अर्जुन अर्जुन अर्जुन अर्जुन अर्जुन अर्जुन
राज और जगन पुत्र,
आन्ध्र प्रदेश, विजयवाड़ा टाउन,
विजयवाड़ा।

(अन्तर्गत)

(2) श्रीमति के० सुमति देवि पति रामा मोहन राज
बेलागोटा वारा: स्ट्रीट, कोयपेट,
विजयवाड़ा-1, टाउन
विजयवाड़ा।

(अन्तर्गत)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

घर नं० 11-51-29, पोस्टा नं० स्ट्रीट, विजयवाड़ा, विस्तारण
227 ची० जगन, रजिस्ट्रार दिनांक नं० 1340/85, रजिस्ट्रार-
दत्ता अर्जुन, विजयवाड़ा।

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रैंज, हैदराबाद

तारीख: 7-11-1985
मोहर:

प्रकृ. आई.टी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निवेद सं० आ० ए० सी० नं० 486/85-86-- अतः

मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्री. जिनका सं० घर है, गया जो कोमनूडा बस्ती बाजार, हैदराबाद में स्थित है (श्री. इसकी उपाय अन्तर्गत में श्री. पूर्ण रूप से वर्णित है), की मूल्य अतिरिक्त के आयकर, निवेद सं० 333/85, के अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अन्तर्गत, तारीख 3/85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के बन्धु शीलधत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव्य में कमी करने या उससे बचने में श्रद्धा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्य को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में श्रद्धा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) 1. श्री जे० जेगदीश्वरया,
117, वेस्ट मारेडाल्ली,
सिन्दराबाद।
2. जे० पार्थसारथी,
1-8-50/जो, कृष्णानगर,
सिन्दराबाद।

(अन्तरक)

- (2) डॉ० प्रभाकर कृमाला,
2. श्री मति शिलासिनि कृमाला, औराला,
पलोरीडा, यू० एस० ए०।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रोफ़ेसो विलिङ्ग नं० 3-6-364, बस्ती बाजार, हैदराबाद,
विभाग 333 जो नन, रजिस्ट्री नं० 338/85,
रजिस्ट्री अति अधिकारी, सिन्दराबाद।

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-11-1985
मोहर :

प्रमुख भाई, टी. एन. एच. नं०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निदेश सं० आ.नं० ए० सी० नं० 4B7/85-06—आ.नं०

मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्री: निदेश सं० आ.नं० ए० सी० नं० 4B7/85-06—आ.नं०
लिखित है (प्रो:इसे उक्त अधिनियम में श्री: पूर्ण रूप से वर्णित
है), निदेशार्थी अधिकारी के कार्यालय, चिकित्सक, में भारत में,
रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिनियम
तारीख 8/85

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्तेमाल
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके इस्तेमाल प्रतिफल से, ऐसे इस्तेमाल प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के कार्यालय
में कमी करने या उसने करने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के
प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, जिन्होंने में सुविधा
में लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री व्ही० एन० एन० मधुसूदन,
401, सह्यायमान चेम्बर्स,
पेंडरघाट रोड, चिकित्सक, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) ट्रांजपोर्ट कारपोरेशन आफ इण्डिया लि०
1-7-293, एम० ज० रोड,
चिकित्सक, हैदराबाद-3।

(अन्तरिक्त)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 34ए, कम्पाउण्ड, सर्वे नं० 117, 118, 130,
131 और 138, विस्तार 450 चौ० गज, बाकाराम लि०,
हैदराबाद, रजिस्ट्रार ऑफ विलेज नं० 306/85, रजिस्ट्रार
अधिकारी, चिकित्सक, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-11-1985

मोहर:

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 8 नवम्बर, 1955

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 403/55-86—आतः
मुझे, एम० एन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्री० जित० सं० घा० है, एम० जो क्व डी० डी०, निम्नलिखित में
स्थित है (प्रो० डी० जगन्नाथ आचार्य और पूर्ण ह० से वर्णित है),
रजि० प्रो० अधिनियम के प्रावधान, वि० उत्तरा० में भारतीय
रजि० अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
धारा 3/85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बांध एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित स्थितियों, अर्थात् :—

(1) श्री० बी० वही० आचार्य
निता सं० बा० ज० आचार्य,
बे० प्रो० 20, जयानगर,
बंगलूर।

(अन्तरण)

(2) श्री० ए० रवर्णपता
पति० डॉ० बा० नरयण रेड्डी
तुमलपुर, जिला निजामाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या हस्तम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

शत्रुघुषी

घर नं० 1-3-103/40/2, क्व डी० डी०, निम्नलिखित में
203 बी० ग०, रजि० प्रो० वि० नं० 319/85, रजि० प्रो०
अधिनियम, वि० उत्तरा०।

एम० एन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-11-1955

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निदेश सं० आर० ए० सं० नं० 489/85-86—अतः

शुभे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० घर है, तथा जो लोअर टैन्ड बंड, दोमलगूडा में स्थित है (और इसमें उत्तराध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3/85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूमे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
10—346G1/85

(1) श्री. कृष्ण चन्द शर्मा
पिता अमरचन्द शर्मा
10-3-3/11, ईस्ट मारेडपल्ल, सि. इन्दराबाद ।

(अन्तरक)

(2) डा० मयद ईस्माइल आहमद पिता मयद इब्राहीम
11-1-629, आगापुरा, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए रीवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बेस्टर्न साईड पोरशन ऑफ घर नं० 1-2-597/20,
लोअर टैन्ड बंड, दोमलगूडा, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं०
1467/85, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-11-1985
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० आ० ए० सं० न० 490/85-86—अन
मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थान पर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका म० फ्लैट है तथा जो कोमलगूडा हैदराबाद में स्थित
है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में आने वाले पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रार की अधिपति के कार्यालय हैदराबाद में भारत सरकार की अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अन्तर्गत तारीख
3/85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कमी के सम्बन्ध में
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि उपायुक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके सम्बन्धित प्रतिफल में उसे सम्बन्धित प्रतिफल का गुरुत्व
प्रतिफल से अधिक है और अन्तर्गत (अन्तर्गत) और अन्तर्गत
(अन्तर्गत) के बीच उसे अन्तर्गत में निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तर्गत लिखित या लिखित
रूप से वर्णित नहीं किया गया है।

(क) अन्तर्गत से हुई किसी बात की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तर्गत के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मूखिया
के लिए; और/या

को उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1922
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तर्गत दवाय प्रयुक्त नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था छिपाने में मूखिया के लिए;

अन क०, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1922
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तर्गत दवाय प्रयुक्त नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था छिपाने में मूखिया के लिए;

(1) मैं, राजी, एम० ए०,
अर्जन रेज, हैदराबाद
1-2-593/52, कोमलगूडा,
हैदराबाद।

(अन्तर्गत)

(2) श्री म० ए० ए०,
अर्जन रेज, हैदराबाद
1-2-593/52, कोमलगूडा,
हैदराबाद।

(अन्तर्गत)

यदि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिपति के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
उही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

फ्लैट नं० 1, घर नं० 1-2-593/52, कोमलगूडा, हैदराबाद,
विस्तीर्ण 64-95 चौ० मीटर, रजिस्ट्रार की अधिनियम नं० 1836/85,
रजिस्ट्रार की अधिनियम हैदराबाद।

एम० जगन मोहन
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक 7-11-1985
मोहर.

सहयक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, रोहतक

रोहता, दिनांक 1 नवम्बर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सं०/एक्यू०/अम्बाला/155/84-

85-अन. सू०, वी० एल० खत्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० मान न० 14 कैलाश नगर माडल टाउन अम्बाला शहर में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूच. में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय अम्बाला भारतीय अधिनियम 1961 के अधिनियम तारीख 6-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्राप्ति के लिए अनुसूच. का अनु. है और, मैं यह निश्चित करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, समझे अभाव में संकलन से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकार का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिकी (अन्तरिकीयों) के बीच ऐसे अन्तर के लिए सब भाषा बसा प्रतिकार निर्माणाखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) जहाँ किसी बाब या किसी भू या अन्य सम्पत्ति का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभावार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं होता था या कि या कि या बाधित्व था, कि या के बाधित्व के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसूच. में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री निर्मल जेत सिंह गान्धी (एन० एल० गान्धी पुत्र श्री तरतार सिंह 14 कैलाश नगर माडल टाउन अम्बाला शहर

(अन्तरक)

(2) श्री एण्ण कुमार पुत्र कुन्दन लाल बतारा नि० 225 माडल टाउन, अम्बाला शहर।

(अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों के लिए :

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधित्व :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्पश्चात् भी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृत्ति किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्तिः--इसमें प्रकृत सब्जे और सब्जे का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्ण होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मान न० 14 कैलाश नगर, माडल टाउन; अम्बाला शहर में स्थित है जिसका विवरण रजिस्ट्रकर्ता कार्यालय अम्बाला रजिस्ट्र. संख्या 8323 दिनांक 6-3-85 पर दिया है।

वी० एल० खत्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, रोहतक

दिनांक: 1-11-1985

मोहर:

शुद्ध भाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्यु०/पानोपत/134/84-85---

अतः मुझे- बी० एल० खत्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), का धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 14 कनाल 8 मरला गांव सिवाह तह० पानोपत में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार की अधिकारी के कार्यालय, पानोपत में भारतीय जस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक 18-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अपावृत्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बाव की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में कमी करने या उससे बचने में सहायता दी जाए;

(ख) ऐसी किसी बाव या किसी धन या अन्य वास्तव्य को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्ता अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता दी जाए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) सर्वश्री रामकिशन, लाभ सिंह, राम चन्दर पुत्र श्री चन्दर, राम (4) रघुवीर (5) श्री भरता श्री अर्जुन पुत्र लोजा (7) श्री राम दयाल पुत्र मीना आर/श्री० निवासि गांव सिवाह, तह० पानोपत।

(अन्तरक)

(2) उत्तम स्पीनर्म प्रा० लि० 77 सी/10ए महेश नगर सुकुल रोड, शाहदगा, दिल्ली-32 द्वारा डाइरेक्टर श्री रघुनन्दन सम्पत्ति दत्तक पुत्र लाल राम सम्पत्ति निवासि 785 बार्ड नं० 11, पानोपत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुरावत सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अधीन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ध्यायीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

पानोपत

सम्पत्ति भूमि 14 कनाल 8 मरले जो ... तह० पानोपत में स्थित है। जिसका विवरण रजिस्ट्रार की कार्यालय पानोपत में रजिस्ट्री सं० 6173 दिनांक 18-3-85 पर दिया है।

बी० एल० खत्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, रोहतक

दिनांक: 1-11-1985

मोहर:

प्रमाण, भाग, टी. एन. एड. - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

बाजार सहायक

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, रोहतास

रोहतास, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/फरीदाबाद/38/84-85—
प्रतः मुखे, बी० एल० खत्री

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 1000 वर्ग गज सैक्टर 10 फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम के कार्यालय, फरीदाबाद में आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 20-3-85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन, कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन के सम्पत्ति के अन्तर्गत नहीं आया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्रदीप सिंह पुत्र सरदार त्रिलोक सिंह नि० 110 मुन्दर नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स राजस्थान एग्रीकल्चर (रजिस्टर्ड) 1-ई०-20वीं न्यू टाउन शिप, फरीदाबाद।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति के हितमय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के साथ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 1000 वर्ग गज जो सैक्टर 10 फरीदाबाद में स्थित है जिसका विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय फरीदाबाद में रजिस्ट्री सं० 5245 दिनांक 20-3-85 पर दिया है।

बी० एल० खत्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, रोहतास

दिनांक: 1-11-1985

मोहर:

प्रमुख भाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहता दिनांक 1 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई. एं. ए. सं०/एक्यू०/करनाल/180/84-85--

अतः मुझे, बी० एल० खत्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० 13/1493 अरबन इस्टेट, करनाल में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार/अर्जुन अधिकाारी के कार्यालय, करनाल में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधिनियम दिनांक 14-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अंतोरती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण विधिक में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण के द्वारा किसी बात की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री हरनैक सिंह पुत्र श्री महा सिंह नि० 13/1493 अरबन इस्टेट, करनाल।

(अन्तरक)

(2) श्री/ सा.म. सुन्दर (2) सर्ताश कुमार (3) कृष्ण कुमार पुत्र श्री राम लाल निवासी सं० नं० 622 झुन्डला गेट, करनाल।

(अन्तरितता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्तन के किम कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्तन के दृश्यमान में कोई भी बाधक:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 13/1493 अरबन इस्टेट, करनाल में स्थित है। जिसका विवरण रजिस्ट्रार/अर्जुन के कार्यालय करनाल में रजिस्ट्री सं० 8293 दिनांक 14-3-85 पर दिया है।

बी० एल० खत्री
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, रोहतक

दिनांक: 1-11-1985
मोहर

प्रकृष आर्. ट. एन. ए. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 24 अक्टूबर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/हिमाचल/107/84-85-

अतः मुझे, बी० एल० खत्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 11 कनाल 18 मरला गांव मात रोड कला नह० हिमाचल में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुपूर्वी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हिमाचल में आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 8-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, न्यूनतम अवयमान प्रतिफल से, ऐसे अवयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य है उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें घटने में परिणाम दिनांक और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बज या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रत्येकअर्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित उद्देश्य के अन्तर्गत :-

(1) श्रीमती गन्ताण देवी पत्नि श्री अरजुन दास श्रीमती कौशल्या देवी पत्नि श्री राम निवासी निवासी गांव आदम पुर तह० हिमाचल।

(अन्तरक)

(2) मेमर्स नीरज जिन्दल इन्सपट उद्योग प्रा० लि० 13 के० एम० दिल्ली रोड, हिसार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशय :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सम्पन्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करनी होंगी।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के परम लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण - इस सूचना के अन्तर्गत पक्षों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

गुनमन्त्री

सम्पत्ति भूमि 11 कनाल 18 मरला गांव मात रोड कला नह० हिमाचल में स्थित है। जिसका विवरण रजिस्ट्री-कर्ता कार्यालय हिमाचल में रजिस्ट्री सं० 5805 दिनांक 8-3-85 पर दिया है।

बी० एल० खत्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, रोहतक

दिनांक 24-10-1985

मोहर

प्रकाशक: टी. एन. एच.-----

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

राजपत्र

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 25 अक्टूबर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/हिसार/109/84-85-

प्रतः मुझे, बी० एल० खत्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 8 कनाल 16 मरला, गांव सात
रोड कलां तह० हिसार में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, हिसार में भारतीय आयकर अधिनियम
1961 के अधीन, दिनांक 8-3-85

का वर्णित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धारणा
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और इसे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वगत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके धारणा प्रतिफल से, ऐसे धारणा प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी
(अन्तरिणीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया इति-
वृत्त निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधि से वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी बाजार की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
धारणा से कमी करने या उसके वर्णन में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य भास्तिकों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया
जा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण
की, और, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) 1. श्रीमती कौशल्या देवी पति श्री राम निवास
2. श्रीमती मन्तोप देवी पति श्री अर्जुन दास
नि० आदम पुर तह० और जिला हिसार।
(अन्तरक)

(2) मैमर्स नीरज जिन्दल इन्सपट उद्योग प्रा० लि०
13वीं के० एम० दिल्ली, रोड, हिसार।
(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्तमवर्षी व्यक्तियों के सूत्र
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरणः--इसमें प्रमुख सूची की प्रतीति का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 8 कनाल 16 मरला, गांव सात रोड
कलां तह० जिला हिसार में स्थित है। जिसका विवरण
रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, हिसार रजिस्ट्री संख्या 5807
दिनांक 8-3-85 पर दिया है।

बी० एल० खत्री
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, रोहतक

दिनांक: 25-10-1985

सोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/सोनीपत/124/84-

85—अतः मुझे, श्री० एल० खत्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० इण्डस्ट्रियल प्लॉट 1761-3 वर्ग गज इण्डस्ट्रियल एरिया, सोनीपत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सोनीपत भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 6-3-85

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वर्तमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और इसके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वर्तमान प्रतिफल से, जो वर्तमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तर्गामी (अन्तर्गामी) के बीच ऐसे अन्तरक से कि वह एक बाधा का प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है—

(क) अन्तरक से हुई किसी बाधा की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाधा या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गामी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किन्हीं नामों पर, किन्हीं नामों के अधीन के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
11—366 GI/85

(1) 1. मैसर्स ओरनंजी कैमिकल इण्डस्ट्रीज सोनीपत द्वारा श्रीमती सान्ता कपूर पति श्री भीम सैन नि० मकान नं० 2/6 माडल टाउन
2. श्री अरुण कुमार कपूर पुत्र श्री भीम सैन कपूर नि० म० नं० एज० 5/1 माडल टाउन दिल्ली (अन्तरक)

(2) 1. रमेश चावला (2) सुरेश कुमार (3) श्री अशोक कुमार पुत्र श्री देव राज नि० ए०/ इन्द्रपुरी, सोनीपत।
(अन्तरिती)

को यह सूचना बाध करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाही शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

पष्ठीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति इण्डस्ट्रीज प्लॉट 1761-3 वर्ग गज जो इण्डस्ट्रियल एरिया, सोनीपत में स्थित है जिसका विवरण रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय, सोनीपत रजिस्ट्री सं० 5092 दिनांक 6-3-85 पर दिया है।

श्री० एल० खत्री
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक।

दिनांक : 1-11-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक; दिनांक 24 अक्टूबर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/हिसार/114/84-85—

अतः मुझे, बी० एल० खत्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमी 51 कनाल 15 मरला गांव भयड़ तह० हिसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिसार भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 20-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से ऐसे द्यमान प्रतिफल का यह प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री टेका पुत्र श्री जोग राज पुत्र माया चन्द
नि० भायड़ तह० हिसार।

(अन्तरक)

(2) श्री शिव राम जिन्दल और पुत्रान (एच० यू० एफ०) नि० जिन्दल निवास दिल्ली रोड हिसार
द्वारा श्री रति राम शर्मा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमी 51 कनाल 15 मरला जो गांव मायड़ तह० हिसार में स्थित है। जिसका विवरण रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय, हिसार रजिस्ट्री संख्या 6124 दिनांक 20-3-85 पर दिया है।

बी० एल० खत्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 24-10-1985

मोहर :

प्रकट भाग-डी एच एच

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 25 अक्तूबर 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एचयू हिंसार 106/84-85—अतः
मुझे, बी० एल० खत्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 13 कनाला गांव सात रोड़
कला तह० जि० हिंसार में स्थित है (और इससे उपा-
वद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, हिंसार भारतीय आयकर अधिनियम
1961 के अधीन, तारीख 8-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरक की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्यमान
प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त
अधिनियम के कक्षा 27 के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) इसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसूची
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के संबंध में—

(1) सर्वश्री नोनी रामे (2) अर्जुन दास (3) सजन
कुमार, (4) राम निवास पुत्र श्री लखी राम,
निवासी मण्डी आदमपुर,
तह० ब जिला हिंसार।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स निरज जिन्दल इन्सेप्ट उद्योग प्रा० लि०,
13वीं के० एम०,
दिल्ली रोड़,
हिंसार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति की अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक—

(क) इस सूचना के स्वपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के स्वपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृत्त
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखांकन के बाद
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 13 कनाला गांव सात रोड़ कलान तह० ब जि०
हिंसार में स्थित है जिसका विवरण रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय हिंसार
में रजिस्ट्री संख्या 5804 दिनांक 8-3-85 पर दिया है।

बी० एल० खत्री,
सक्षम प्राधिकारी;
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, रोहतक

दिनांक : 25-10-1985.

मोहर

वक्ता श्री. टी. एन. एच.

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

आयकर विभाग

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 30 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्यू०/करनाल/182/84-

85:—अतः मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि सत्तावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 2 बीघा 7 बिसवा, करनाल में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय करनाल में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 18-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ॥—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्वयेणार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा ॥—

(1) श्री सुखेन्दर सिंह पुत्र श्री रघबीर सिंह,
निवासी संपटर-4,
अरबन ईस्टेट,
करनाल।

(अन्तरक)

(2) सर्व श्री मूल सिंह, 2. सुल्तान सिंह पुत्र श्री किशन दयाल,
(3) राजन देवी विजो लेट करन सिंह,
निवासी कलन्धरी गेट,
करनाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कराया है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ॥—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या उत्तमवर्ती व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त सत्तावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 2 बीघा 7 बिसवा करनाल में स्थित है जिसका विवरण रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय करनाल में रजिस्ट्री संख्या 8352 दिनांक 18-3-85 पर दिया है।

बी० एल० खत्री,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रंज, रोहतक

दिनांक : 30-10-1985
मोहर :

प्रथम आर्द्र. टी. एन. एल.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 4 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ०/सिरसा/5/84-85:—

अतः मुझे, बी० एल० खत्री,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब की अधीन सूचना प्राधिकारी को यह निश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० इन्डस्ट्रियल प्लॉट (नं० 4, नई मण्डी, में
स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिरसा में भारतीय
आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 28-3-1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की वर्तमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यह निश्वास
करने का कारण है कि तथापि पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके वर्तमान प्रतिफल से, ऐसे वर्तमान प्रतिफल का
फिर भी प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी
(अन्तरिणीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
निश्चित रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) वर्तमान से हुई किसी बात की वजह से उक्त अधि-
नियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत के बाधित में
कमी करने या उक्त वजह से सूचना के बिना
किए/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रावधानों अन्तर्गत्त द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सूचना के बिना;

(1) श्रीमति विमला देवी पत्नी श्री केदार नाथ,
सुपुत्र लाला कुन्दन लाल,
निवासी सिरसा ।

(अन्तरक)

(2) श्री राम निवासी पुत्र श्री कुन्दन लाल,
पुत्र लाला हरनारायण दास,
2. श्रीमती लीला देवी पत्नी श्री वेद प्रभाश, पुत्र
लाला कुन्दन लाल,
निवासी सिरसा ।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
आवश्यकताएं कराई हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के उद्देश्य से कोई भी बातें :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिव-
वृत्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा यथाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्ति-कारण:—इससे प्रकट नहीं और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम, के अन्तर्गत 20-क में परिभाषित
है, नहीं धर्म होगा, जो उक्त अधिनियम में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 5000 वर्ग गज इन्डस्ट्रियल एरिया 4, नई
मण्डी में स्थित है जिसका विवरण रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय
सिरसा में रजिस्ट्री संख्या 5512 दिनांक 28-3-85 पर दिया
है।

बी० एल० खत्री,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, रोहतक

कृपया नोट, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा :—

दिनांक : 4-11-1985.

मोहर :

प्रकृष बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 30 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू०/गुड़गावा/702/84-

85:—अतः मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 7 बीघा 10 बिसवा पुक्ता गांवनाथपुर जिला गुड़गावा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिवारी के कार्यालय, गुड़गावा में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 21-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता बिलेब के अनुसार अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव का किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिष्टः—

(1) श्री खचेडू पुत्र श्री चेत राम, 2. धर्मो पुत्री श्री नथे राम, 3. श्री जगता पुत्र श्री नथे राम, 4. श्री हरी सिंह पुत्र श्री नथे राम, 5. श्री अमर सिंह पुत्र श्री नथे राम, 6. उमानता पुत्री श्री नथे राम, 7. सुमन पुत्री नथे राम, 8. श्री अनन्त राम पुत्र श्री राम लाल, 9. श्रीमति शान बती पुत्री श्री राम जी लाल, 10. श्री फते सिंह पुत्र श्री मोती, 11. श्री मति तिजी लेट श्री सवे सिंह, 12. श्री अंगूरी पत्नी समे सिंह, 13. श्रीमती प्रेम बती पुत्री समे सिंह, 14. रिकान सिंह पुत्र श्री भूला, 15. श्री शिव चरण पुत्र श्री भूला, 16. श्री अतर पुत्र श्री भूला, निवासी गांव नाथपुर, तहसील गुड़गावा ।

(अन्तरेक)

(2) मेसर्स डी० एल० एफ० यूनिवर्सल लिमिटेड, 21-22, नरेन्द्रा पलेस, पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकते हैं।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त कवों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 7 बीघा 10 बिसवा पुक्ता गांव नाथपुर जिला गुड़गावा में स्थित है जिसका विवरण रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय गुड़गावा रजिस्ट्री संख्या 8130 दिनांक 21-3-85 पर दिया है ।

बी० एल० खत्री,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 30-10-1985

मोहर :

प्रथम भाग. टी. एन. ए. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

राजपत्र

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 25 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू०/हिसार/112/84-85:—

अंतः मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 64 कनाल गांव सात रोड़ कलां तह० ज०
जि० हिसार में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हिसार में
भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 13-3-85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
अनुपात प्रतिपादित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
व्यस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उक्त करने में सुविधा के लिए,
और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिओं, अर्थात्:—

- (1) श्रीमति भूला विडो श्री अमी लाल,
पुत्र खुबी 2. श्री जय सिंह पुत्र श्री अमी लाल नेत्र श्री
खुबी 3. श्रीमति परबाता विडो श्री हरी लाल नेत्र श्री
खुबी 4. श्रीमति प्रकाशी विडो श्री देवी राम, श्री हर
लाल 5. श्री राम फल पुत्र श्री देवी राम पुत्र हर लाल
6. श्री राम सती पुत्र श्री देवी राम पुत्र हर लाल
नि० गांव सात रोड़ खुर्द तह० जि० हिसार।

(अन्तरक)

- (2) श्री शिव राम जिन्दल और पुत्र जिन्दल हाउस,
(जिन्दल निवास),
माडल टाउन,
हिसार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

संपत्ति भूमि 64 कनाल गांव सात रोड़ कलां तह० जि०
हिसार में स्थित है जिसका विवरण रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय हिसार
रजिस्ट्री संख्या 5919 दिनांक 13-3-85 पर दिया है।

बी० एल० खत्री,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण,
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 25-10-1985.

मोहर:

इसका आर्.डी.ए.ए.

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 24 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० आर्.डी.ए. सं०/एक्यू०/हिसार/108/84-85:—

अतः मुझे, बी० एल० खत्री,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० भूमि 12 कनाल गांव सातरोड़ कला तह०
हिसार में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हिसार में
भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 8-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अमान्य
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
वर्द्ध प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर्गुण निहित में वास्त-
विक रूप से अधिगत नहीं किया गया है:—

(क) अंतरक से हुई किसी बाव की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने की अंतरक की
वावत में कमी करने या उसके वर्धन में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अंतरित कराया प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) श्रीमति भगवन्ती पत्नी श्री नोनों रामे,
श्रीमति वान्ता देवी पत्नी श्री सज्जन कुमार,
निवासी मण्डी आदम पुर,
तह० जि० हिसार।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स निरज जिन्दल इन्सपट्ट उद्योग प्रा० लि०,
13वां के० एम०,
दिल्ली रोड़,
हिसार।

(अन्तरितियों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्धन के लिए
कार्यवाहियां कराया हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्धन की संबंध में कोई भी बावत :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दि-
या है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 12 कनाल गांव सात रोड़ कलां तह० व जि०
हिसार में स्थित है जिसका विवरण रजिस्ट्री कर्ता कार्यालय हिसार
रजिस्ट्री संख्या 5806, दिनांक 8-3-85 पर दिया है।

बी० एल० खत्री,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 24-10-85.
मोहर :

प्रमुख आर्क्ष.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रजि, रोहितक

रोहितक, दिनांक 25 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/हिमा/110/84-85:—

अतः मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि आठ कन्नाल गांव सात रोड बला तह० ज़ि० हिमा में स्थित है (और इनमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि० गरी के कार्यालय हिमा में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक 8-3-85

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसकी दृश्यमान प्रतिफल के दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मन्त्रिध के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मन्त्रिध के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

12-366 GI/85

(1) श्रीमति गान्धा देवी पत्नी श्री भज्जन कुमार, श्रीमति भगवन्ती देवी पत्नी श्री नानों रामे, मण्डी आदम पुर, तह० हिमा।

(अन्तरक)

(2) मैरिस निरज चिन्दल इन्सेपल उद्योग प्रा० लि०, 13वां के० एम०, दिल्ली रोड, हिमा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित गया है।

अभ्युक्त

सम्पत्ति भूमि 8 कन्नाल गांव सात रोड बला तह० ज़ि० हिमा में स्थित है जिसका विवरण रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय हिमा रजिस्ट्री संख्या 5808 दिनांक 8-3-1985 पर दिया है।

बी० एल० खत्री,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आय० आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रजि, रोहितक

दिनांक : 25-10-1985.

महिरः

प्रारूप बाई. टो. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहता

रोहता, दिनांक 30 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० आर्डी० ए० सी०/एचयू०/करनाल/175/84-85.—

अतः मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसका पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,60,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 37 अनाल 7 मरला गांव कलवा हरी तह० करनाल में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में औ० पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारियों के कार्यालय, करनाल में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 2-3-85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ए० दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ए० अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) जहाँ किसी आय या किमी भू या अन्य वास्तव्य के, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आदिष्ट था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार इसमें, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन उक्त अधिनियम के अन्तर्गत, तथात्तः—

(1) श्री प्रभा दयाल सिंह पुत्र श्री प्रद्युम्न सिंह,
नि० बाड़ी न० 530 एल०,
माडल टाउन, करनाल (मुख्तार एम०),
श्रीमति प्रीत पाल कौर 2. अमरीति कौर, 3. राजेन्द्र
काँ 4. सुरेन्द्र कौर, नि० 530-एल,
माडल टाउन, करनाल।

(अन्तरक)

(2) श्री आन प्रकाश 2. श्री सुमेर चन्द, 3. श्री शमशेर
सिंह पुत्रान श्री सिंह राम 4. श्रीमति मुनहरी देवी,
बिडा श्री मेवा सिंह,
नि० अशोक तरवारी,
कुन्ज पुरा रोड, करनाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी काक्ष्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बत में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसाबबंद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अद्योहस्ताक्षरों के साथ लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 37 अनाल 7 मरला गांव कलवा हरी तह० व
नि० करनाल में स्थित है जिसका विवरण रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय
करनाल रजिस्ट्री संख्या 8099 दिनांक 2-3-85 पर दिया है

बी० एल० खत्री,

अस प्राप्त गरी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, रोहता

दिनांक : 30-10-1985.

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एन. :-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 4 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी० एन्यू० फरीदाबाद 40 84-85:—अतः मुझे, बी० एल० खत्री, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 34 कनाल 4 मरला खेड़ी जमालपुर तह० फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फरीदाबाद में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक 28-3-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का निम्न प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरता (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए संचयित गया प्रतिफल, निम्नलिखित उपबोध से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वजह से, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी कल्प या उक्त के बचने से सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी भव या अन्य भास्तिता का निम्न भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहे था, छिपाने से सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री वनवीर पुत्र श्री यामुफ,
नि० खेड़ी जमालपुर,
तह० व जिला फरीदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री खोरी फार्म लैन्डर प्रा० लि० द्वारा,
जुलूबा करनीक पत्नी श्री उमेश करनीक
नि० 5-सी०, फ्रेंड्स कालोनी,
दिल्ली।

(अन्तरितियों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बचन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वशुप किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रतिसूची

सम्पत्ति भूमि 34 कनाल 4 मरला खेड़ी जमालपुर तह० व जिला फरीदाबाद में स्थित है जिसका विवरण रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय रजिस्ट्री संख्या 5377 दिनांक 28-3-85 पर दिया है।

बी० एल० खत्री,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रॉज, रोहतक

दिनांक : 4-11-1985.

मोहर :

प्रकट बाई. डी. एन. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

वारस वसूल्दार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/फरीदाबाद/41/84-

85:—अतः मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस हममें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 34 कनाल 4 मरला खेड़ी गमलपुर, तहसील
ब जिला फरीदाबाद में स्थित है (और इसमें उपाधुद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
फरीदाबाद में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन
दिनांक 28-3-85

को प्रोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, हमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच हमें धर्तरे के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
अवधि से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से करियत
नहीं किया गया है —

(क) अन्तरक से हुई किसी बाय की वापस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
व्ययित्व में कमी करने या उससे बचने में व्यक्ति
का लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तविक
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या य. किया गया बाह्य या छिपाने में
व्ययित्व के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
के. सी. उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती मुलेखा पुत्र श्री योमफ,
निवासी, खेड़ी जमालपुर।

(अन्तरक)

(2) खेड़ी फार्म लन्डर प्रा० लि० द्वारा,
जुलेखा करनीक पत्नी उमेश करनीक,
5-सी, फ्रैंड्स कालोनी,
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाही करा रहा है।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आपाव —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना का तामोल में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है। के भीतर प्रोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा सम्पत्तिधारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनसूची

सम्पत्ति भूमि 34 कनाल 4 मरला खेड़ी जमालपुर तह०
ब जिला फरीदाबाद में स्थित है। जिसका विवरण रजिस्ट्रीकर्ता
कार्यालय फरीदाबाद रजिस्ट्री संख्या 5376 दिनांक 28-3-85
पर दिया है।

बी० एल० खत्री
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, रोहतक

दिनांक : 4-11-1985

मोहर

प्रमुख कार्य, टी. एम्. एस्. - - -

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 7 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/अम्बाला/165/84-85:—

अतः मुझे, बी० एल० खत्री,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० ए० एम० सी० 1326 ब्लाक IV
मादी मोहल्ला, अम्बाला में स्थित है (और इसमें उपाध्व अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अम्बाला में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक
29-3-85

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एस दृश्यमान प्रतिफल का
बहु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वजह से उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में
कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
का, जिन्हें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या एस्-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या वा किया जाता या/और या, जिनके में सुविधा
के लिए,

यह: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नारा चन्द पुत्र श्री निधन सिंह,
श्री तरपत जीत मायूर,
विडो श्री सरदार सिंह,
नि० हाउस नं० 4559/3,
अम्बाला शहर।

(अन्तरक)

(2) श्री हरनन्स लाल, 2. श्रीमति लक्ष्मी देवी,
विडो श्री राम किशन,
नि० माहृषाद मारकण्डा,
नजदीक मिरकारी भवन,
जिला कुरुक्षेत्र।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बचने के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बचने के सम्बन्ध में कोई भी बाधाएँ:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में स्थापित होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपाहस्ताशरी के साथ
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनसूची

संपत्ति मकान नं० ए० एम० सी० 1326 ब्लाक 4, मादी
मोहल्ला अम्बाला शहर में स्थित जिसका विवरण रजिस्ट्रीकर्ता
कार्यालय अम्बाला रजिस्ट्री संख्या 8893 दिनांक 29-3-85
पर दिया है।

बी० एल० खत्री
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रॉज, रोहतक

दिनांक : 7-11-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 6 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आई० ए०/सी० एम्यू०/पानीपत/132/84-85:—

अतः मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० टी०, 7-884-1/3 वर्ग गज में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पानीपत में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को, बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वस्तुओं को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री जय कंवर सिंह पुत्र श्री रघबीर सिंह,
निवासी 106/5, पानीपत
2. श्रीमति ऊषा गनी बिड़ो श्री राज कुमार,
नि० 83-बी० बजीर चन्द कालोनी
करनाल।

(अन्तरक)

- (2) मैसजं अहूजा टक्सट्राईज और कमीकल प्रा० लि०,
रजिस्टर्ड आफिस प्लॉट नं० 104,
सेक्टर 15, फरीदाबाद,
द्वारा श्री सुरेन्द्र मोहन पुत्र श्री कुन्दन लाल आहुजा,
प्लॉट नं० टी-7।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके प्वाबत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपाेण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि नं० टी-7, 884/3 वर्ग गज पानीपत में स्थित है जिसका विवरण रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय पानीपत रजिस्ट्री संख्या 6072 दिनांक महीना मार्च, 1985 पर दिया है।

बी० एल० खत्री
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, रोहतक

दिनांक : 6-11-1985

मोहर :

प्रमुख आई. टी. एन. एड. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 6 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्चू०/पानीपत/135/84-
85:—यतः मुझे, बी० एल० खत्री,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 17 कनाल 19 सरला गाँव तिराह, तह०
पानीपत में स्थित है (और इसके उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पानीपत
में आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 19-3-
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
उन्मुख प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
(अन्तरिती) (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
या गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दान के अन्तरक के वास्तव में
कमी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 21)
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्रकाश पुत्र आ बक्शा,
निवासी तिराह,
तहसील : पानीपत।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स भागमल और पुत्रान द्वारा,
द्वारका दास महाजन,
नि० आनन्द प्रभा भवन,
मकबूल रोड़,
अमृतसर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 17 कनाल 19 सरला गाँव तिराह तह०
पानीपत में स्थित है जिसका विवरण रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय पानीपत
रजिस्ट्री संख्या 6220 दिनांक 19-3-85 पर दिया है।

बी० एल० खत्री,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 6-11-1985.

मोहर :

प्रकृष आर्.टी.एन.एस.-----

भाषांतर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज रोहतक

रोहतक, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आर्.टी.एन.एस. 130/84-85-

अतः मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-अ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000 रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 5 बीघा 4 बिगवा, तरफ इन्सार, पानीपत
में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पानीपत में भारतीय
आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 1-3-1985
का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण को लिए तय
राया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने पर उससे बचने में सुविधा
के लिए; और

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसार
जै, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित सूचनाओं, अर्थात् :—

(1) श्री जगजीन सिंह पुत्र श्री केहर सिंह,
नि० डेरा कला सिंह,
तरफ इन्सार,
पानीपत।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स एम० के० टैक्मटाईलज जी० टी० रोड़, पानीपत
द्वारा 1. श्री ओम प्रकाश पुत्र श्री मुनी लाल, 2.
राजेन्द्र गर्ग पुत्र श्री अहस मल,
3. श्री रामरिछपाल पुत्र श्री शाम लाल,
4. श्री सुरेश गर्ग पुत्र श्री ओम प्रकाश,
5. श्री राम करन पुत्र श्री शाम लाल।

(अन्तरिती)

ये सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निम्न
कार्यवाही करा गया है :

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि में तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए, सकाये।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दि-
या गया है।

नमूने

सम्पत्ति भूमि 5 बीघा 3 बिगवा तरफ इन्सार, पानीपत
में स्थित है जिसका त्रिवर्ण रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय पानीपत
रजिस्ट्री संख्या 5952 दिनांक 1-3-85 पर दिया है।

बी० एल० खत्री,
उक्त प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 5-11-1985.

मोहर :

परूप आइ. टी. एन. एस. -----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूच्य।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त अन्वयित (निरीक्षण)

अर्जन-रेंज, रोहतक

रोहतास, दिनांक 13 नवम्बर 1985

निर्देश सं० घाई० ए० सी०/एक्यू०/पानीपत/136/84-85:—

अतः मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह वैधता देने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीरजिंदकी से ० भूमि 17 कनाल 1 सरला गांव मोहाली में स्थित है (श्रीरजिंद ने उपायग्रह अनुसूची और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार की अधिकारी के कार्यालय पानीपत भारतीय से आयकर अधिनियम, 1961 के अधिनियम, दिनांक 20-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का अर्ध भाग मूल 10 करोड़ रुपये का प्रतिफल के लिए अन्तरगत की गयी है। 17 रुपये प्रति शेयर देने का कारण है कि स्थापना के समय का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में अपने दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरगत (अन्तरकों) और अन्तराली (अन्तरालियों) के बीच में अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित हो वास्तविक रूप में कर्मित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की गारंटी, उच्च अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
 ६. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री कृष्ण कुमार श्री पुत्र श्री दुषम चन्द्र,
नि० सुभाष सपीयर पार्टी,
मेता जी सुभाष चन्द्र मार्ग,
हरियागंज,
दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति सविता नागर पत्नी श्री धनशोक कुमार,
निवासी 87-एल,
माडल टाउन,
पानीपत।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्तन के निम्न कार्यवाहियां करू करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में स्पष्ट भी बताया :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या अत्यल्पगती व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्मर्यर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बजोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त कवियों और पद्यों में, जो उस अधिनियम, के भाग 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय के टिप्पणियाँ हैं।

संस्कृत

सम्पत्ति भूमि 17 कनाल 1 मरला गाँव मोहाली में स्थित है
जितका विवरण रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय पानीपत रजिस्ट्री संख्या
6233 दिनांक 20-3-85 पर दिया है।

बी० एल० खत्री,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक माधकर माधुक्त (निरीक्षण),
मर्जेन रेंज, रोहतक ।

दिनांक : 13-11-1985

मोहर :

प्रकाशक: डॉ. एन. ए. ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग की अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉय, रोहतक

रोहतक, दिनांक 8 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ० बहादुरगढ़/8/84-

85:—प्रति: भू०, बी० ए० ख०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थानीय बाजार में, जिसका उचित बाजार
मूल्य 1,00,000/- रु से कम है

और जितनी सं० भूमि 12 कनाल 3 मरला गांव सराय औरंगाबाद
तह० बहादुरगढ़ में स्थित है (और इन्हे उपायुक्त अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री वर्ती अधिकारी के कार्यालय बहादुर
गढ़, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक
2-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे उचित प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतर (अंतरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतर, के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी बाजार की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन धारा 269-ग के अन्तरण के
साथ ही कोई कारण या उक्त अर्थ से संबंधित
बात नहीं; और/वा

(ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य मास्ति का
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या सा किया जाया चाहिये, के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यह है:—

(1) श्री जिले सिंह पुत्र श्री चिरन्जी लाल,
नि० बहादुरगढ़।

(अन्तरक)

(2) मैं सर्ज पटेल अकेअर इण्डिया प्रा० लिमिटेड,
ई० डी०/19,
टैगोर गार्डन,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त अन्तरण के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थान सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 12 कनाल 23 मरला सराय औरंगाबाद तह०
बहादुरगढ़ में स्थित है जिसका विवरण रजिस्ट्री वर्ती अधिकारी
बहादुरगढ़ रजिस्ट्री संख्या 3457 दिनांक 2-3-1985 पर दिया
है।

बी० एल० खत्री,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रॉय, रोहतक

दिनांक : 8-11-1985.

मोहर:

प्रकाश बाई, टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 8 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सं०/एक्यू०/गुड़गावा/706/84-

85.—आ० मुझे, बा० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० म.प्र.प्लोर नं० 580/14, गुड़गावा में स्थित है (और इससे उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), निम्नलिखित अधिनियम के कार्यालय गुड़गावा में भारत, आयकर अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत, दिनांक 27-3-85

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास करने का कारण हूँ कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख के, अनुसूची 1, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1), में वर्णित निम्नलिखित व्यक्तियों, बधाई है—

(1) श्री मति बीना जैन पत्नी, श्री प्रमोद कुमार जैन,
नि० 106, हाँज खास इन्सालेय,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री कंवल राज सधाना,
पुत्र श्री हेम राज,
निवासी : 23, मोती नगर,
दिल्ली ।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचने के लिए कार्यवाही करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के बचने के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बुद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए गए सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

म.प्र.प्लोर नं० 580/14 गुड़गावा में स्थित है
निम्नलिखित निम्नलिखित कार्यालय गुड़गावा निम्नलिखित संख्या
8229 दिनांक 27-3-85 पर दिया है ।

बा० एल० खत्री,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेज, रोहतक

दिनांक : 8-11-1985.

मोहर :

प्रकाश बाई.टी.एन.एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 6 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/अम्बाला/162/84-

85:—प्रतः मुझे, बी० एल० खत्री,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० भूमि 2 कनाल 8 सरसला गांव धौलकोट तह० व जि० अम्बाला में स्थित है (और इससे उनावद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार/कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अम्बाला भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधिन, दिन क 26-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अथवा प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य इसके अथवा प्रतिफल से ऐसे अथवा प्रतिफल का पक्का प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से पूर्व किसी भी नाम की वास्तु, उक्त अधिनियम के अधीन उक्त होने के अन्तर्गत के अन्तर्गत से कभी कहने या उक्तसे बचने के सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी वास्तु या किसी भूत या अन्य वास्तुवा को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भूतकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री. वरनैल सिंह पुत्र
श्री. बलराज सिंह पुत्र श्री. राम सिंह,
नि० नारायण रोड़,
बलदेव नगर,
अम्बाला शहर।

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री. राज कुमार जैन, 2. मनोज कुमार जैन पुत्र
3. शशी जैन पुत्र; श्री. नैक चन्द जैन पुत्र श्री. तेलु राम
नि० जैन बाजार,
नावल्टा जनरल स्टोर,
अम्बाला शहर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निम्न कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-युद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 2 कनाल 8 सरसला गांव धौलकोट तह० व जि० अम्बाला में स्थित है जिसका विवरण रजिस्ट्रार/कर्ता कार्यालय अम्बाला रजिस्ट्रार संख्या 0799 दिनांक 26-3-1985 पर दिया है।

बी० एल० खत्री,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशक)
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 6-11-1985.

मोहर :

प्रकृष्ट भाई. श्री एन. एच. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, रोहतास

रोहतास, दिनांक 7 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एकए०/फतेहाबाद/1C/D4-
85:—श्री० मुझे, श्री० एल० खन्ना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे प्रथम
इसके ग्यारहवें 'उक्त अध्याय' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करो का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० भूमि 7 अनास 4 मल्ला बस्ती भावा ए०
फतेहाबाद में स्थित है (और इसने अनास 4 मल्ला बस्ती भावा ए०
कम से वर्गीकृत है), राजस्वपत्र अधिनियम के तहत फतेहाबाद
में भारत सरकार अधिनियम 1961 के अधिनियम, दिनांक 25-3-85
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मैं यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निश्चित
नहीं वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के साथ
को कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सम्पत्ति
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मनोहर दास पुत्र
श्री रामानन्द पुत्र श्री हिमांग राम,
नि० बस्ती भावाह,
तह० फतेहाबाद।

(अन्तरक)

(2) दि फतेहाबाद आर्य नगर कापरेटिव हाउस बिल्डिंग
सोसाइटी,
लि० फतेहाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 7 अनास 4 मल्ला बस्ती भावाह ए० फतेहाबाद
में स्थित है जिसका विवरण राजस्वपत्र अधिनियम फतेहाबाद
में राजस्व संख्या 3705 दिनांक 25-3-85 पर दिया है।

श्री० एल० खन्ना,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रॉज, रोहतास

दिनांक : 7-11-1985.

मोहर :

प्रमुख आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉय, रोहतक

रोहतक, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सं०/एकतु०/हिजरा/105/84-85:—

अतः मुझे, बी० एल० खत्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० अमि 18 बल 15 मरला, हिजरा में स्थित है (और उक्त उदात्त अनुपत्र में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार रजिस्ट्रार कार्यालय हिजरा में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत दिनांक 7-3-1985

को प्राप्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, न्यूनतम दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का एक तिहाई से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से बांधत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री माझू राम पुत्र श्री जोधा राम पुत्र कुकला कुम्हार, द्वारा गैस्ट नि० गांव गंगवा, तह० व जिला हिजरा ।

(अन्तरक)

(2) दि लार्मो कोऑपरेटिव हाउस बििल्डिंग सोसायटी लि०, हिजरा द्वारा डा० आर० के० चौधरी, प्रधान आरू दि सोसायटी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी धारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त पदों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 18 बल 15 मरला, हिजरा में स्थित है जिसका विवरण रजिस्ट्रार कार्यालय हिजरा में रजिस्ट्रार संख्या 5688 दिनांक 1-3-85 पर दिया है।

बी० एल० खत्री,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रॉय, रोहतक

दिनांक : 5-11-1985.

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 7 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आइटू० ए० सी०/एक्यू०/फतेहाबाद/20/84-

85:—अतः मुझे, बी० एल० खत्री,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 15 कनाल 4 मरला बस्ती भीवाह तह०

फतेहाबाद में स्थित है (और इसमें उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फतेहाबाद
में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक

25-3-85

को पर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और आंगक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती न रावण देवी विडो लैट श्री कर्म चन्द,
पुत्र श्री हरी चन्द,
निवासी बस्ती भीवाह,
तह० और जिला फतेहाबाद।

(अन्तरक)

(2) दी फतेहाबाद आदर्श नगर कोआपरेटिव हाउस
बिल्डिंग सोसायटी लि०,
फतेहाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होना हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 15 कनाल 4 मरला बस्ती भीवाह तह०
फतेहाबाद में स्थित है जिसका विवरण रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय
फतेहाबाद रजिस्ट्री सख्या 3709 दिनांक 25-3-1985 पर
दिया है।

बी० एल० खत्री,
सहम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक
रोहतक

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सो०/एक्यू०/फतेहाबाद/18/84-85:

85--प्रतः मुझे, बी० एल० खत्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, गह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीः जिनगी सं० भनि 8 कनाल बस्ती भिवाह तह० फतेहाबाद में स्थित है (श्रीर इनने उन बख्त अनपूर्वी में श्रीर पूर्ण रूप में वर्गित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फतेहाबाद में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक 25-3-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मन्त्र यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वगत संगीन का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंगे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंगे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से व्यक्त नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आब की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आब या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री गोविन्द राय पुत्र श्री रामा नन्द पुत्र
श्री हिमता राम,
निवासी फतेहाबाद,
तह० फतेहाबाद।

(अन्तरक)

(2) दि फतेहाबादशादश नगर कोम्परेटिव हाउस
बिल्डिंग सोसायटी लि०,
फतेहाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में दशा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनपत्री

सम्पत्ति भूमि 8 कनाल बस्ती भिवाह तह० फतेहाबाद में स्थित है जिसका विवरण रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय फतेहाबाद में रजिस्ट्री संख्या 3707 दिनांक 25-3-85 पर दिया है।

बी० एल० खत्री,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 7-11-1985
मोहर :

प्रथम आई.टी.एन.एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 11 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/गुड़गावां/710/84-
85:—अतः मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
₹ 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 32 कनाल 14 मरला गांव सिही तह०
गुड़गावा में स्थित है (और इससे उपायव्य अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुड़गावा में
भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 29-3-
1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
राज्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

14—366 GI/85

(1) श्री निर्मल दास पुत्र श्री दौलत राम,
पुत्र श्री विलोक चन्द,
निवासी 2 एच० बी० पी०-79,
एन० आई० टी० फरीदाबाद।

(अन्तरक)

(2) डा० आर० एल० सांघी पुत्र श्री उदे चन्द सांघी,
डा० श्रीमति आर० सांघी पत्नी डा० आर० एल० सांघी,
श्री संदीप सांघी पुत्र श्री आर० एल० सांघी,
निवासी सी-26,
ग्रीन पार्क एकस्टेन्शन,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्णन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 4
43 दिन की अवधि या तत्पश्चात् अधिनियम पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि; जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निहित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

संपत्ति भूमि 32 कनाल 14 मरला गांव सिही तह० व जि०
गुड़गावा में स्थित है जिसका विवरण रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय गुड़गांव
में रजिस्ट्री संख्या 45 दिनांक 29-3-85 पर दिया है।

बी० एल० खत्री,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, रोहतक

दिनांक : 11-11-1985.

मोहर :

प्ररूप आर्दः टी. एन. एस.-----

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 7 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० अर्ई ए० सी०/एक्यू/फतेहाबाद/17/84-85:-

अतः मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह बिस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 8 कनाल बस्ती भीवाव तह० फतेहाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फतेहाबाद में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक 25-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और अज्ञे यह बिस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का यह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री कंवल नैन पुत्र श्री रामा नन्द पुत्र
श्री हिम्मता राम,
निवासी फतेहाबाद,
जिला हिसार।

(अन्तरक)

(2) दि फतेहाबाद आदर्श नगर कोआपरेटिव हाउस बिल्डिंग
सोसायटी लि०,
फतेहाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करवा हें।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिहस्ताक्षरों के साथ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अध्यापक

सम्पत्ति भूमि 8 कनाल बस्ती भीवाव तह० फतेहाबाद में स्थित है जिसका विवरण रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय फतेहाबाद रजिस्ट्री संख्या 3706 दिनांक 25-3-85 पर दिया है।

बी० एल० खत्री
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक . 7-11-1985
मोहर :

अन्तर्गत, टी. ए. ए. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सो०/एक्यू०/फतेहाबाद/19/84-

85:—अतः मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 14 कनाल 32 मरला बस्ती भीवाह तह० फतेहाबाद में स्थित है (और इससे उपात्रक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फतेहाबाद में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक 25-3-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक में वास्तविक से कमी करने या उसके करने में सुविधा को दिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कुमारी नीना पुत्री श्री दीवान चन्द पुत्र श्री कर्म चन्द, निवासी बस्ती भीवाह, तह० फतेहाबाद।

(अन्तरक)

(2) वी फतेहाबाद आदर्श नगर कोऑपरेटिव हाउस बिल्डिंग, सोसायटी लिमिटेड, फतेहाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित रखने वाली किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवांछितकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति भूमि 14 कनाल 2 मरला बस्ती भीवाह तह० फतेहाबाद में स्थित है जिसका विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय फतेहाबाद रजिस्ट्री संख्या 3708 दिनांक 25-3-1985 पर दिया है।

बी० एल० खत्री,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 7-11-1985

मोहर :

प्रथम भाग. बी. एल. एल. एल. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/हिसार/111/84-85:—

अतः मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 15 कनाल 18 मरला हिसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हिंसा में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 13-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) डा० पी० डी० गिरधर,
पुत्र श्री उत्तम चन्द प्रधान
आरेफेने एसोसिएशन और बाल सेवा आश्रम,
भिवानी।

(अन्तरक)

(2) श्री हरी सिंह यादव,
वकील पुत्र श्री रूम राम यादव,
निवासी-पड़ाव गुजरान,
हिसार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितद्वेष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 15 कनाल 18 मरला हिसार में स्थित है जिसका विवरण रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय हिंसा रजिस्ट्री संख्या 5912 दिनांक 13-3-85 पर दिया है।

बी० एल० खत्री
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 8-11-1985.

मोहर :

प्रकृष जाई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भाउत बरुखर

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/रिवाड़ी/16/84-85:---

अतः मुझे, बी० एल० खत्री,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि माल नं० ई० पी० 710, रेलवे रोड़,
रिवाड़ी में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रिवाड़ी में
भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 1 मार्च,
1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतर्गत से खिचने के
अधीन करने या उक्त सूचना में खिचने के लिए;
बीड/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिसे भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भाय-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
लोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किसी बाबा चाहिए या, जिसे से खिचने
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. श्री प्रभु दयाल, 2. श्री ओम प्रकाश पुत्र श्री होषन
दास, पुत्र लाला उदेय भान,
नि० मोहल्ला नई बस्ती,
रिवाड़ी ।

(2) श्री मोहिन्दर कुमार पुत्र श्री हरी चन्द पुत्र
श्री लाला भाना राम नागपाल,
डा० डेन्टीस्ट),
रेलवे रोड़, रिवाड़ी ।

(अन्तरिती)

(3) श्री सुरजीत सिंह इत्यादि आई/एच०,
स्वर्गीय श्री सरदारा सिंह पुत्र श्री ज्वाला सिंह,
नि० म० न० ई० पी० 710,
रेलवे रोड़, रिवाड़ी ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिये
गये हैं ।

अनुसूची

सम्पत्ति माल नं० ई० पी० 710, रेलवे रोड़, रिवाड़ी में
स्थित है जिसका चिक्कण रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय रिवाड़ी रजिस्ट्री
संख्या 3377 दिनांक 19-3-85 पर दिया है ।

बी० एल० खत्री,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 14-11-85

मोहर :

प्रथम भाग: टी. एन. ए. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/गुडगावाँ/636/84-85:—

अतः मुझे, बी० एल० खत्री,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 223, सेक्टर 4 अर्जन ईस्टेट, गुडगावाँ
में स्थित है (और इससे उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुडगावाँ में भारतीय
आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 14-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पक्ष प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी भाव की वारदात, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी भू या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या
भायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अनुबन्धित अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
के अंतर्गत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित हैं—

(1) श्री किशोरी लाल पुत्र श्री मनी राम शर्मा,
223/4,
अरबन ईस्टेट,
गुडगावाँ।

(अन्तरक)

(2) वारन्ट आफिपर विरेन्द्र सिंह यादव,
व कुमारी बीना यादव,
द्वारा विरेन्द्र सिंह यादव,
समें नं० 223/4,
अरबन ईस्टेट, गुडगावाँ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप .

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 223 सेक्टर 4 अरबन ईस्टेट, गुडगावाँ
में स्थित है जिसका विवरण रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय गुडगावाँ में
रजिस्ट्री संख्या 8622 दिनांक 14-3-85 पर दिया है।

बी० एल० खत्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 8-11-1985.

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 11 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/करनाल/181/84-
85:—अतः मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० मान नं० XVIII/557 वजीर चन्द बालोनी,
करनाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री र्ता कार्यालय, करनाल में
भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, तारीख 18 मार्च,
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टान्त
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
इसे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अंतरक (अंतरकी) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीवत
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन का अन्य जास्तिबों
के, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जशवन्त सिंह, श्री गुरनाम सिंह पुत्रान
श्रीमति अमर कौर विडो व श्रीमति हर भगवान
कौर पुत्री स्वर्गीय श्री दलीप सिंह,
निवासी भुरईया,
तहसील बिचहा,
जिला नैनीताल (यू० पी०) ।

(अन्तरः)

(2) सर्वश्री धिनोद कुमार, अशोक, प्रमोद कपूर पुत्रान,
श्री विजय नरूप, धर्म पाल गुप्ता,
पुत्र भाग मन और श्री कैलाश चन्द पुत्र श्री रती राम,
निवासी म० नं० XVIII/557,
वजीर चन्द बालोनी,
करनाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधा :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

लक्ष्यकरण:—इसने प्रकृत बाधों और क्यों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्वय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अन्वय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि मकान नं० XVIII/557 वजीर चन्द बालोनी,
करनाल में स्थित है । जिला अधिरण रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय
करनाल रजिस्ट्री सख्या 8351 दिनांक 18-3-85 पर दिया
है ।

बी० एल० खत्री
सूक्ष्म प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 11-11-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/शाहबाद/30/84-85:—

अतः मुझे, बी० एल० खत्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 6 प्रताप मण्डी, शाहबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शाहबाद में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक 14-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय बाधा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाबत में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तिवों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सोहन सिंह पुत्र श्री राम किशन,
निवासी शाहबाद,
तहसील थानेसर।

(अन्तरक)

(2) श्री सुशील कुमार और राजकुमार पुत्र
श्री राम किशन,
निवासी शाहबाद,
तहसील थानेसर।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बचन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उसके बाद की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बोध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास सिद्धित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति दुकान नं० 6 प्रताप मण्डी, शाहबाद में स्थित है जिसका विवरण रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय शाहबाद रजिस्ट्री संख्या 1274 दिनांक 14-3-85 पर दिया है।

बी० एल० खत्री
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज रोहतक

दिनांक : 5-11-1985.
मोहर :

माहिर :

प्रमाण माह, टी. एम. एम. ४ - ४ - १९८८

सावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-अ (1) से अधीन सूचना

भारत का इतिहास

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (प्रशासन)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आर्दि० ए० सी०/एक्यु०/३/एस० आर०-३/
85/2547-प्रतः भूमे सुनील चौपड़ा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मख्या 3/239, है तथा जो सुभाष नगर, नई दिल्ली 1 में स्थित है (श्रीर इसमें उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली 1 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्हु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धारित में वास्तविक रूप से कीमत भुँई किया गया है।—

(ख) अगर एक ही तरह की चीजों का बिक्री हो रहा है, तो उसे अधिकतर बेचने के लिए कम कीमत पर बेचना चाहिए।

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या वस्तु वास्तविकता को, जिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्लिखित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण
नहीं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों का धारा 2—

1. श्री माया देवी पत्ति स्वर्गीय श्री रामसिंह 3/239,
सुभाष नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2 श्रीमति दालेर कौर पत्नि स्वर्गीय राम सिंह चावला
निवासी डब्ल्यू 24, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उपपर सम्पत्ति के वर्धन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाढ़ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निहित में किए जा सकेंगे।

सम्पादिकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होना, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सिंगल स्टोरी नं० 3/239, रेजिडेंस हाउस, सुभाष नगर,
नई दिल्ली 1 सादादी 100 वर्ग गज।

सुनील घोषडा

सक्षम प्राधिकारी

महायन्त्र आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 5-11-1985

मोहर :

सूचना नं० टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए०/सी०/एक्यू०/3/एस० आर०-2/
3-85/2548—अतः मुझे सुनील चौपड़ा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सख्त प्राधिकारी को, यह निश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डी-1, भगवान दास नगर, है तथा जो नई
दिल्ली-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई
दिल्ली-1 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक मार्च 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं
हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिकी (अंतरिकियों) के बीच कुछ
अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित अनुक्रम
से उक्त अंतरण निम्नलिखित में मासिक रूप से अधिक नहीं किया
गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी भाग की वापस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तित्व के
हायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; जोड़/बा

(ख) ऐसा किसी भाग या किसी भन या अन्य व्यक्तियों
के चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कृत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रकारवाक्य अन्तर्गता द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किसी भाग या व्यक्ति, जिसे वे सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकट :-

1 श्री सत्या चौधरी पत्नि अज्ञा प्रकाश सी-7, निजामुद्दीन,
वेस्ट दिल्ली ।

(अन्तरक)

2 श्री सुभाष चन्द सुपुत्र बंसी लाल, 1889, गली बेहरम
बेग, लाल कुम्रा, दिल्ली ।

(अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति की वर्धन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्धन के सम्बन्ध में कोई भी कार्य :-

(क) इस सूचना के सम्बन्ध में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
कम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के सम्बन्ध में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
रहित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के
बिना लिखित में किए जा सकेंगे ।

प्रमाणित :- मुझे प्रकृत सूचनाओं और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होना या उस अध्याय में प्रकट
गया है।

अनुसूची

हाउस नं० डी-1, तादादी 200 वर्ग गज भगवान दास नगर,
नई दिल्ली ।

सुनील चौपड़ा
सख्त प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 8-11-1985
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एडव०/१/ए० आर०-2/

3-85/2549—अतः मुझे, सुनील चौपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बी-53, है तथा जो इन्दरपुरी नई दिल्ली
में स्थित है (और इस सम्बन्ध में अधिसूची में उल्लेखित
वर्णित है), निम्नलिखित अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन मार्च 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरको) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण को लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है। ---

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सावधानी के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सावधानी के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

1 श्री नारायण दत्त शर्मा सुपुत्र जगयोगी राज पंडित,
निवासी ए-179, इन्दरपुरी नई दिल्ली 12।

(अन्तरक)

2 1 सोमनाथ कक्कर सुपुत्र कालू राम कक्कर और
शाम सुन्दर कक्कर सुपुत्र राम नाथ कक्कर, निवासी
मकान न० 8-39, इन्दरपुरी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट न० बी 53 तलादी 300 वर्ग गज इन्दरपुरी, नई
दिल्ली गांव नारायणा, दिल्ली एस्टेट दिल्ली।

सुनील चौपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

दिनांक 6-11-1985
मोहर.

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/3/एस० आर०-2/
3/85/2550—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एच-24, शिवाजी पार्क है तथा जो मादीपुर
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंत-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
में प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सुखबिन्दर सिंह मपुल दीदार सिंह 27/26 पंजाबी
बाग, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्रीमति रामा गुप्ता पति महेश चन्द, 1-53 बरम पुरा
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आलोच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वीकृति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

1/2 पोरशन प्लॉट नं० एच-24 तथादी, 168) वर्ग गज
शिवाजी पार्क गांव मादीपुर किल्ली ।

सुनील चोपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 5-11-1985

मोहर :

इसका कार्य. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आर्ई० ए० सी०/एम्पु०/3/एस० आर०-2/

3-85/2551-अत मुझे सुनील चोपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) कि धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या खसरा न० 49, गांव मदनपुर दावास
है तथा जो दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है) अधिकारी के कार्यालय अर्जनरेंज-3,
दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक
मार्च 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल
से, ऐसे दायमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अभिन्न नहीं किया
गया है :-

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तिबों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के बिना

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1 श्रीलाल सुपुत्र उधमी, गांव मदनपुर गांव दावास, दिल्ली
(अन्तरक)

2 श्री अद्वैत स्टील एंड मेटल (प्रा०) लिमिटेड आफिस
नं० 1, आदर्श मार्केट, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

तावादी 402 वर्ग गज बना 1 खसरा नं० 49, गांव
मदनपुर, दावास, दिल्ली ।

सुनील चोपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 8-11-1985

मोहुर

प्रश्न बाई, टी, एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० आर०-2/

3-85/2552—अतः, मुझे सुनील चोपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब की अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या खसरा नं० 49, गांव लालडोरा है तथा जो
मदनपुर, दावास, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक मार्च 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वास्तविक अन्तर अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा नहीं मिले;
और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य जातिधर्मों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
नहीं मिले;

अथ धन उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
धन, या, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री करन सिंह, गांव मदनपुर दावास, दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. अद्वैत एड मेटल (प्रा०) लिमिटेड कार्यालय नं० 1,
आदर्श मार्ग, द्वारा डा. बी० एन० गुप्ता ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन में किए
कार्यवाहियां करता है ।

उक्त संघर्ष के अर्जन के संबंध में कोई भी जांच :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
सह निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
यही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तादादी 402 वर्ग गज बना खसरा नं० 49, गांव मदनपुर
दावास, दिल्ली ।

सुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 8-11-1985

मोहर :

संक्षेप नाम: डी.एन.ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर 1988

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-3/एम० आर०-2/

3-85/2553—अन मुझे, मुनील चोपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

और जिन्की संख्या न० 49 है तथा जो गांव मदनपुर दावाम, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), आय र अधिनियम के कार्यालय अर्जुन रेज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1962 के अधीन मार्च 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के इस्तेमाल प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्तेमाल प्रतिफल से ऐसे इस्तेमाल प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में उचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वजह, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके वर्णन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तुओं को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या दिखा जाना चाहिए था छिपाने के उद्देश्य के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. अन्तरित विह मुपुत्र माने गांव और पोस्ट आफिस—मदनपुर दावाम, दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. अद्वैत स्टील ऐंड मेटल (प्रा०) निमिटेड, कार्यालय न० 1; आदर्श मार्केट, होजवाजी, दिल्ली । श्री बी० एस० गुप्ता ।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ताम्रदी 402 वर्ग गज, खामरा न० 49, मदनपुर दावाम, दिल्ली ।

मुनील चोपड़ा,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज-3, नई दिल्ली

दिनांक: 8-11-1988

मोहर:

प्रकाश बाई.टी.एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० आर०-2/3--

85/2554--अतः मुझे, सुनील चोपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 71/8, खसरा नं० 479, है तथा जो फतेह नगर, गांव तेहड़ा दिल्ली में स्थित है (और इसे उपखण्ड अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5 मार्च 1985

को पुरोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उससे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6—366 GI/85

1. श्री त्रिलोचन सिंह सुपुत्र एस० बरतार सिंह 71-72, फतेह नगर, नई दिल्ली।

(अन्तर 5)

2. श्री जी० ए० वोहरा, सुपुत्र एम० एस० वोहरा, डी-1/89 जनकपुरी नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के बर्चन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी वाद :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 71, ब्लॉक बी, एरिया 266 2/3 वर्ग गज।
खसरा नं० 479, फतेह नगर, गांव तेहड़ा, नई दिल्ली
पर निर्मित भवन।

सुनील चोपड़ा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 8-11-1985

मोहर :

प्रकृष जाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर 1985

(1) श्री वेद प्रकाश गुप्ता, सुपुत्र स्वर्गीय भगत राम,
3792, चुड़ी बालान, दिल्ली- , इस समय
18 सी/2, रामपुर रोड, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रेम काश सहगल, सुपुत्र और प्रकाश सहगल,
17/34, शक्ति नगर, दिल्ली।

(अन्तरिस्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि में तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
बाविले में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तिवा
को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिस्ती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

अनुसूच

तादायी 4 बीघा 16 बिस्वा 1 बाहर खसरा नं० 20/9,
रेवेन्यू एस्टेट, गाँव नांगली, पूना, दिल्ली।

सुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 5-11-1985

मोहर :

प्रकृष बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-3/एस० आर०-2/3-

85/2556—अतः मुझे, मुनील चोपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी-107, है तथा जो इन्द्रपुरी, नई दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उगावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक मार्च 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निर्माणांकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिससे में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कहे जाने के अन्तर्गत के
राशिगत में कमी करने या उक्त अधिनियम के अधिनियम
के लिए; को/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ
अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, जिसने में सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निर्माणांकित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) श्री कृष्ण कुमार ग्रावर सुपुत्र परमानन्द
निवासी 137, न्यू राजेन्द्र नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) सुमन कुमारी सुपुत्री चिन्तामनी,
17, निजामुद्दीन ईस्ट,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूचा

फ्री होल्ड प्लॉट सी-107, तादादो 500 वर्ग गज। गाँव—
नारायना, अबादी इन्द्रपुरी, एप्रूवड कालोनी, नई दिल्ली-12।

मुनील चोपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 6-11-1985
मोहर :

प्रत्येक भाग .टी.एन.ए.-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आस्थापना, सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एम्पू०-3/एस० आर०-2/3-
85/2557--अतः, मुझे, सुनील चोपड़ा

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खसरा नं० 49 है तथा जो गाँव—मदनपुर,
दावात, दिल्ली-1 में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), आधुनिक अधिकारी के कार्यालय
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली-1 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1962 के अधीन तारीख, मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के कारण
में कमी करने या उचित करने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी भू-भाग या अन्य अस्तित्वों
को, चिन्ह भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भू-भाग अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, स्थानों में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, इस अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री लाल चंद सुपुत्र जीवन,
गाँव और पोस्ट आफिस—मदनपुरा दावात,
दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) अद्वैत स्टील एंड मेटल (प्रा०) लिमि०
कार्यालय नं० 1, आदर्श मार्केट, होजकाजी,
दिल्ली; द्वारा श्री बी० एस० गुप्ता।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

लगभग 402 वर्ग गज बना। खसरा का भाग नं० 49,
गाँव—मदनपुर दावात, दिल्ली।

सुनील चोपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक: 8-11-1985
मोहर:

अध्यक्ष महोदय, टी. एन. एम्. - - - - -

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-3/एस० आर०-2/3-
485/2558—अतः, मुझे, मुनील चोपड़ा

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० जे० 9/17-आई, तादादी 320 वर्ग गज
है तथा जो गाँव-तातरपुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च
1985

को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वकतः संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से बरीकत
नहीं दिया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय भाषा-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभाव-
वर्धनकारी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या
या किया जाना चाहिए या विचार में सुविधा के
लिए;

(1) श्रीमती सतवत कौर पत्नी ज्ञान सिंह,
महिन्द्र सिंह सुपुत्र ज्ञान सिंह,
जे-9/17-1, राजौरी गार्डन,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री विजय कुमार
2. श्री राजेश कुमार
3. श्री अरुण कुमार
4. श्री राजिन्द्र कुमार सुपुत्र श्रीम प्रकाश,
जे-9/17-1, राजौरी गार्डन,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्णतः संपत्ति के बचने के लिए
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बचने के संबंध में कोई भी वाद :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णतः
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बोध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बहालकारी के
पास लिखित में कि या बचने।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट न० जे-9/17-1, तादादी 328 वर्ग गज। गाँव-
तातरपुर, दिल्ली।

मुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
अतः, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

दिनांक 4-11-1985

मोहर

प्रकृष बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-3/एम० आर०-2/3-
85/2559--प्रतः, मुझे, सुनील चोपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एल०-6, है तथा जो ब्लाक-एल, खसरा
नं० 880-881, तेहार हरि नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और
इसमें उपाचूड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीनर्ता
अधिारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च
1985

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
बनाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य जास्तिवों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
पनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीं सरूप सिंह सुपुत्र शाम सिंह,
गुरुचिन्द्र सिंह सुपुत्र साहन सिंह,
ई-5, रघुबीर नगर,
दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री इन्द्रजीत सिंह
कुलवत सिंह हरजीत सिंह सुपुत्र उमंग सिंह
ए० टी० रोड, गोहाटी ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन संबंध में कोई भी बाधोपे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपभोक्ताक्षरी के पाठ
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और त्वां का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

प्लॉट नं० सी० एल०-6, तादादी 641.66 वर्ग गज ।
ब्लाक एल, खसरा नं० 888-881, तेहार हरि नगर, नई
दिल्ली ।

सुनील चोपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 8-11-1985

मोहर :

प्रकाश बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०3/एस० आर०-2/3-

85/2560--अन: मुझे, सुनील चोपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
संक्षेप 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायी सम्पत्ति जि का उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० जे-8 है तथा जो राजौरी गार्डन, गांव
तातर पुर, दिल्ली एस्टेट, दिल्ली में स्थित है (और इसमें
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अन्वयान
प्रतिकूल के लिए अन्तरित की गई है और वृद्धे यह विश्वास
करने का कारण है कि कथामुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसको उपयुक्त प्रति से ऐसे इस्तेमाल प्रतिकूल के
पन्थ प्रतिफल से अधिक और अन्तरक (अर्जनों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
प्रमाण गया प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बाध की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
बाधित्व में कमी करने से उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य वास्तुओं
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1937 (1937 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरित, ए/ए प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्ति के अर्जों पर :-

(1) श्री जगन राम और गोविन्द राम अरोड़ा
सुपुत्र सुखराज मल निवासी जे-8/124,
राजौरी गार्डन,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुरिन्दर कौर पत्नी रघुवीर सिंह
बी ए-225/2, टैगोर गार्डन,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके उनके सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाध :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की जारी से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थान सम्पत्ति में हस्तबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वीकारण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगे, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

हाउस नं० 124 तादादी 168 वर्ग गज प्लॉक जे-8,
राजौरी गार्डन, गांव-तातरपुर, दिल्ली एस्टेट, दिल्ली।

सुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक: 8-11-1985

मोहर:

प्रकृष वाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिकारी

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निर्देश सं. आई.ए. सी. 0/एफ्यू. 3/एम. आर. 0-2, 2561/

3-85—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अन्तर्गत
इसके पश्चात् 'उक्त का व्यवसाय' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सूचना अधिकारी को यह विस्तार करने का
कारण है कि उक्त सूचना संघीय का उचित बाजार
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. प्रापटी नं. 18, रोड़ नं. 61, है तथा जो
पंजाबी बाग, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर अफसर के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1985

को सूचना संघीय के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय
प्रतिफल के लिए बन्दारिद की गई है और मुझे यह विस्तार
करने का कारण है कि उक्त सूचना संघीय का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्तेमाल प्रारम्भ से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल के पक्ष
प्रतिफल से अधिक है और उक्त (अन्तरगत) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए व्यवसाय गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से वर्णित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अन्तर्गत करने के अन्तरक के
वास्तव में कम करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 22), या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रस्तुत किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सुनील बालरा पत्नी मल्खा राम बालरा
एम. सी. बालरा सुपुत्र मिलखा राम बालरा,
एच. सी. बालरा सुपुत्र मिलखा राम बालरा
निवासी सी-61, पंजाबी बाग,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रेमिला गुलाटी पत्नी एस. के. गुलाटी
डी-26, नारायणा विहार,
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संघीय के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता है।

उक्त संघीय के अर्जन के संबंध में कोई भी वास्तव :—

(क) इस सूचना के उद्देश्य में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या इतनी अवधि जो व्यक्ति को
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में लम्बा होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त सूचना संघीय के उचित बाजार
मूल्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, उचित बाजार की
गति लिखित में किए जायेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त सूचना और कर्तव्य का, जो उक्त
अधिनियम, के अन्तर्गत 20-क में परिभाषित
है, नहीं बर्त होगा जो उक्त अधिनियम में दिया
गया है।

अनुसूची

तादादी 552.78 वर्ग गज।

प्रापटी नं. 10, रोड़ नं. 61, पंजाबी बाग,
दिल्ली।

सुनील चोपड़ा

सहायक आयकर आयुक्त

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 6-11-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एम० आर०-2/3-

85/2562—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जे-5, है तथा जो राजौरी गार्डन, गांव-तारपुर, दिल्ली इस्टेट, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारियों के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

17-366 GI/85

(1) श्री मोहन सिंह सुपुत्र जस्मा सिंह
निवासी इक्यू० जेड०-393, चांद नगर,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री ब्रह्मकी नंदन सुपुत्र केदार नाथ कौग
सी-15, वृष्णा पार्क, नजफगढ़ रोड,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन में लिए कार्यानाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वासपे :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सिंगल स्टोरी हाऊस नं० 16, ब्लॉक जे-5, तादाही 160 वर्ग गज । राजौरी गार्डन, गांव-तारपुर, दिल्ली इस्टेट, दिल्ली ।

सुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 6-11-1985

मोहर :

प्रकाशित, टी. एन. ए. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० आर०-2/3-

85/2563—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बी-132, खसरा नं० 476, है तथा जो
फतेह नगर, गांव-तेहार, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के एक के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूके यह विश्वास
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तस्क (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन हर वर्ष के अन्तरक के कालख
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
करीब/वा

(ख) एंडी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1921
(1921 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जगजीत सिंह सराव सुपुत्र हर बचन सिंह
निवासी 9/3, लाल बहादुर सदन,
गोल मार्केट सदन,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री सत्यपाल मल्होत्रा सुपुत्र लोधा राम मल्होत्रा
निवासी-बी-97 फतेह नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा कर्धाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्री होल्ड प्लॉट बी-132, 150 वर्ग गज खसरा नं० 476,
फतेह नगर। गांव-तेहार, नई दिल्ली।
(मोहल्ला नानकपुरा)

सुनील चोपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 5-11-1985
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० आर०-2/3-
85/2564-अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पी० न० 45, ब्लाक के०, खसरा न० 598
है तथा जो फतेह नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अद्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अद्यमान प्रतिफल से ऐसे अद्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतर्गती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण स्थिति में
स्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री वासुदेव छाबड़ा
सुपुत्र जयकिशन,
निवासी 47/5, तिहार-2, अशोक नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चरनजीत कौर पत्नी चरनजीत सिंह
निवासी डब्ल्यू० जेड-9, मुखर्जी पार्क,
तिलक नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आप्रोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

हाऊस आन फ्री होल्ड प्लॉट न० 45, ब्लाक-के, 150
वर्ग गज पार्स खसरा न० 598, फतेह नगर, गांव तिहार
दिल्ली राज्य, दिल्ली।

सुनील चोपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 5-11-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० आर०-3/3-
85/2585—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डब्ल्यू० जेड-2082, है तथा जो प्लॉट नं०
बी-46, रानी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बृज भूषन वासी, पुत्र प्यारे लाल,
वासी निवासी—डब्ल्यू० जेड-2082,
प्लॉट बी-46, रानी बाग,
शकुरबस्ती, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शांति देवी गोयल पत्नी मुरारी लाल गोयल,
निवासी 2104, रानी बाग, शकुरबस्ती,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रापटी नं० डब्ल्यू० जेड-2882, प्लॉट नं० बी-46,
रानी बाग, दिल्ली ।

सुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 5-11-1985

मोहर :

(अन्तरक)

(2) श्री असराज लाल अरोड़ा
श्रीमती विमल अरोड़ा,
15/42, पंजाबी बाग,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

कार्यालय, बहादुर बाबकर बाबूराव (निर्देशक)

अर्जुन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० / 3/ए एस-आर- / 3-
85/2566--अतः मझे, संनील चौपडा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-अ के अधीन सख्त प्राधिकारी को यह विनियम करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसको स० 2, रोड़ नं० 85, कलाम-सी, है तथा जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1985

जैसे पूर्वोक्त समर्पित के उचित बाजार मूल्य त कल के व्यवधान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि व्यापारपूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके व्यवधान प्रतिफल से, ऐसे व्यवधान प्रतिफल का पक्का प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उसके अन्तरण विशिष्ट में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्रवाईवां करता हूँ।

उक्त समिति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होना, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) वनस्पतय से हुए किसी बाढ़ की वापस, जलसन्निधिवश ही कभीन कभी वे भी वनस्पतय की वापस में लगी लहने या उलटने वगैरे में लुपित हो जायें।
बाढ़/बा

અમ સત્તી

पी० नं० 2, रोड़ नं० 85, प्लॉट नं० सी, पंजाबी बाग,
निवासी एप्रवड कालोनी, मादीपर, दिल्ली।

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक को, बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसके अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाता जा रहा था, जिसे अंश दृष्टि के लिए 1।

सुनील चोपडा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

जहाँ जय, जहाँ जयध्वज का धारा 269-न का अनुसरण
है, मैं, जहाँ जयध्वज का धारा 269-न का उद्घाटन [1]
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्ष 1954—

दिनांक : 8-11-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० आर०-3/3-
85/1010—अतः मुझे सुनील चोपड़ा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जी-7/6, है तथा जो मालविया नगर, नई
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की गारंटी, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
दायित्व के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्रीमती भगवान देवी पत्नी स्वर्गीय दौलत राम शर्मा,
निवासी डी० डी० ए० जनता फ्लैट नं० 13/बी,
गोख सराय, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती संगीता कक्कर पत्नी राजेन्द्र कुमार और
राजेन्द्र कुमार कक्कर सुपुत्र श्री के० के० कक्कर,
निवासी जी-7/6, मालविया नगर,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में सम्पन्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रापटी नं० जी-7/6, तादादी 126 वर्ग गज, मालविया
नगर, नई दिल्ली।

सुनील चोपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 6-11-1985

मोहर

प्रमुख आई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० आर०-3/3-85/1012—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 37, खमरा नं० 881, 761/1, है तथा जो खातुनी नं० 360, पुसा रोड़, करोल बाग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दखलाने प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दखलाने प्रतिफल से ऐसे दखलाने प्रतिफल के मन्दत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तब लिया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण अन्तर्गत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाध, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम के धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिति :—

(1) 1. श्री राजीव चोपड़ा सुपुत्र कृष्ण कुमार चोपड़ा,
2. श्री अमन चोपड़ा सुपुत्र कृष्ण कुमार
3. श्रीमती रमनी चोपड़ा पत्नी अमन चोपड़ा
4. श्रीमती अल्का चोपड़ा पत्नी राजीव चोपड़ा
निवासी 37, पूसा रोड़, करोल बाग,
नई दिल्ली। (अन्तरक)

(2) श्री छोटे लाल खन्डेवाल सुपुत्र जुगल सिंघोर
2. द्वारका देवी पत्नी छोटे लाल खन्डेवाल
निवासी 12-11, डब्ल्यू० इ० ए०, करोल बाग,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों के सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिष्ठासकरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रोवर्टी नं० 37, खमरा नं० 881/761/1, खातुनी नं० 360, लादादी 784 वर्ग गज पुसा रोड़, करोल बाग, नई दिल्ली।

सुनील चोपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक: 8-11-1985

मोहर:

प्रकट आई.टी.एन.एन.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्मलिन, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० आर०-3/3-

85/1014—अतः मुझे मुनील चोपड़ा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 18/20, खसरा नं० 793/767, है तथा जो
वेस्टर्न एक्स्प्रेसन, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि उपापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों और अंत-
स्ती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से हुई किसी भाव की वापस, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के व्ययत्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों
को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अवधारणार्थ अंतरित की जाया प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ब के अनुसार
नं०, 1, उक्त अधिनियम की भारा 269-ब की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री जीतिन्द्र कुमार और अजीत कुमार सुपुत्र हर प्रकाश,
निवासी-18/20, डब्ल्यू० इ० ए०, करोल बाग,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) सिकन्दर लाल पाहवा फ्रैमली ट्रस्ट,
ए-8, ग्रेटर कैलाश एन्क्लेव-2,
नई दिल्ली द्वारा ट्रस्टी एस० एल० पाहवा
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्योक्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आई स्टोरी हाऊस नं० 18/20, सादादी 240 वर्ग गज ।
खसरा नं० 793/767, वेस्टर्न एक्स्प्रेसन एरिया, करोल बाग,
नई दिल्ली ।

मुनील चोपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) --
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक: 6-11-1985
मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-3/3-

85/1016-अतः मुझे, सुनील घोषड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसे सं० 16/268/269 है तथा जो 16/287-289, ब्लॉक बीडी, जोशी रोड, एरोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इसे उभावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री की अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

18-366 GI/85

(1) श्री रतजीत सिंह सुपुत्र लैट श्री भगत सिंह,
श्रीमती सार्वभौमा पत्नी रतजीत सिंह,
अगो 5 कुमार और विनोद कुमार सुपुत्र रतजीत सिंह,
निवासी बी-7/1, कृष्ण नगर,
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री अविनाश चन्दर सुपुत्र राम किशन बजाज,
निवासी-6967, मुलतानी डांडा, पहाड़गंज,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० 16/268/269, 16/287-289 (पुराना नं०)
16/328/329 (पार्टी) 16/352-355 (पार्टी न्यू) खसरा
नं० 220/35, 36, 39, 221/35, 36, 39, 222/35, 36,
39 एरिया 404 वर्ग वर्ग 1 ब्लॉक बी० डी० जोशी रोड, एरोल
बाग, नई दिल्ली।

सुनील घोषड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 5-11-1985

मोहर :

प्राकृत आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०, एक्यू००/3/एस०आर०-3/3-
85/1017—अतः मुझे, मुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी सं० एम० पी० एल० नं० 7113, पी० नं० 30
है तथा जो प्लॉट नं० 16, खसरा नं० 1563/151, करोल बाग
नई दिल्ली में स्थित है (श्री० इसमें उपाध्व अनुभूति में पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1985।

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के उद्यमान
प्रतिकूल के लिए अस्तित्व की गद्दी है और मुझे, यह धियत
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिकूल में, ऐसे उद्यमान प्रतिकूल का
बहु प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

(क) अंतरण से पहले किसी बात की वृत्ति उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने की अंतरक की
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/वा

(ख) इसी किसी बात या किसी बात का अन्य जाँचकों
को, बिना भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) के अधिनियम या
आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा एकत्र नहीं किया
गया या या किया जाना बाधित था, जिससे के
अधिनियम के अधिनियम

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
नहीं, नही, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के सम्पत्ति
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

(1) श्रीमती पुष्पा देवी पत्नी स्वर्गीय गोपाल सहाय भारतीय
निवासी 557, लाहौरी गेट,
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बलबीर कौर पत्नी निर्मल सिंह वर्मा,
2120, गुरुद्वारा रोड, करोल बाग,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के उद्यम में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों के
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभावाकारों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रापटी एम० पी० एल० नं० 7113, प्लॉट नं० 30, प्लॉट नं०
16-बी, खसरा नं० 1563/152, नादादी 247, वर्ग गज,
दो मंजिला मकान, देव नगर, करोल बाग, नई दिल्ली।

मुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 5-11-1985

माहुर :

(अन्तर ४)

(अन्नरिती)

वस्तु सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोड भी वक्ष्ये :—

दिनांक : 5-11-1985
मोहर :

प्राकृतिक आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी० एम० 3 एम० आर०-3 3-
85/1020—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 10/3, है तथा जो ओल्ड राजेन्द्र नगर
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1985।

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अंतरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मोहन लाल दुपर,
सुपुत्र 3/10, ओल्ड राजेन्द्र नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रेम कौर,
41/1955, नाइबाला, करोल बाग,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिए
गए हैं।

अनुसूची

मकान नं० 10/3, ओल्ड राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली।

सुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 4-11-1985

मोहर :

प्रकरण बाई. टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एम० आर०-3/3
85/1021—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर-1, है तथा जो होज खाम एन्कलेव
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
लिखित रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में
रजिस्ट्रार की व्यक्ति के नाम में प्राप्त किया गया
है या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री करनजीत सिंह
70, गीगन बिल्डिंग,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री तारा चन्द वर्मा और श्रीमती निशा मलिक,
फ्लैट नं० 301, आर-1, होजखाम एन्कलेव,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बायोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 301, प्रथम फ्लोर 1005 वर्ग फीट आर-1
होजखाम-नई दिल्ली 1/11 अनाडिवाडिड भूमि एप्रोक्स 46.88
वर्ग गज।

सुनील चोपड़ा
प्रथम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3 नई दिल्ली

दिनांक 4-11-1985
मोहर:

प्राक्य भाई.टी.एच.एस.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० आर-3/3-
85/1022-अत. मुझे, सुनील चोपड़ा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह निष्पत्ति करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जि की सं० फ्लैट नं० 203, है तथा जो अप्पर ग्राउंड फ्लोर
आर-1, हौज खास एन्क्लेव, नई दिल्ली में स्थित है (और
इसमें उदाहरण अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), निम्नलिखित
प्रतिपत्ति के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रेजिस्ट्रार
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च
1985

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से सक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय का वास्तविक, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कारण से कम करने या उक्त अन्तरक के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तिताओं
को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अरुणजीत सिंह
70, रींगल विलिंग्डन,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० रामामूर्ति,
1/203, हौजखास इन्क्लेव,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मूल्य को निम्न
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के मूल्य के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 203, अप्पर ग्राउंड फ्लोर आर-1 हौज खास
इन्क्लेव, नई दिल्ली। अवर्द्ध एरिया 1319.35 वर्ग फीट और
1/11 प्रतिभाजित भूमि लगभग 46.88 वर्ग गज।

सुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक: 4-11-1985

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

- (1) श्री राजश्री सिंह
70 गीतन बिल्डिंग,
नई दिल्ली।

(अन्तरगत)

- (2) श्री के. एन. मुन्दरेगन और श्रीमती स्नेह देवा
मुन्दरेगन।

(अन्तरगति)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एम० आर०-3/3-

1023-आर. सुजे, मुनीन चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सभ्य अधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि उक्त सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और निम्नी म० फ्लैट न० 303, प्रथम प्लोर, है तथा जो
आर-1, होज खा. एन्ड लेव, नई दिल्ली में स्थित है (और
इसके उक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार
अभिप्रेत के अधीन, नई दिल्ली में शास्त्रीय नमूने की
अभिप्रेत, 1908 (1908 AT 16) के अधीन, दिनांक मार्च
1985

और उक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निर्धारित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
अन्तरक रूप में दर्शित नहीं किया गया है :-

- (1) उक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य की शक्ति उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
नहीं करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

एक किमी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के अन्तर्गत अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

और यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन की सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्समन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त उक्त सम्पत्ति या इसके
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
आदेश लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 2(1)-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट न० 303, प्रथम खंड 1102 वर्ग फीट। आर-1,
होज खा. एन्ड लेव, नई दिल्ली एन्ड विदे 1/11, अनडिवाइड
प्लॉट नं० 46.88 वर्ग गज।

मुनीन चोपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 5-11-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एम० आर०-3/3-

85/1824--अतः मुझे, सुनील चोपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिम्मे सं० 302 पहला फ्लैट है तथा जो आर-1, होज
खास एन्क्लेव, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि इसमें
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हासिल में कमी करने या उससे बचने में अविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या किया जाना चाहिए था। डिपार में भविष्य
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री जयजीव सिंह,
70, रींगल बिल्डिंग,
नई दिल्ली-51।

(अन्तरण)

(2) श्रीमती हेमलता मंहता,
फ्लैट नं० 302, आर-1, होज खास एन्क्लेव,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अनुभाग 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अनुभाग में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 302, प्रथम फ्लोर 1000 वर्ग फीट, आर-1,
होज खास एन्क्लेव, नई दिल्ली एलाग विद् अनडिवाइड्ड भूमि
लगभग 46.88 वर्ग गज।

सुनील चोपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 4-11-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रैंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 दिसम्बर 1985

विदेश सं० आई० ए० सी०/एसू०/13/एत० धार०-2/3-
05/1025-अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और निजी सं० फ्लैट नं० 103, लोअर ग्राउन्ड है तथा जो
धार-1, हाँज खात एन्कलेव, नई दिल्ली में स्थित है (और
इसने उपरोक्त अधिनियम में पूर्ण रूप से घणित है), अधिपरी की
आधीन के तारीख नई दिल्ली में भारतीय अधिपरी
अधिनियम, 1903 (1903 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च
1935

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि दधपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
सन्दर्भ प्रतिलक्ष्य से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और
(अन्तरिक्षयो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
है कि लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या दायित्व को ज्ञात नहीं था, लिखित में साबित
के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निर्दिष्ट व्यक्तियों, अर्थात् :-

19-366 GI/85

(1) श्री बरनजीत सिंह,
70, रीयल बिल्डिंग,
नई दिल्ली-1।

(अन्तरक)

(2) कुमारी अनुराधा तरफदार,
फ्लैट नं० 103, धार-1, हाँज खात एन्कलेव,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
वर्ण होना, जो उक्त अधिनियम में दिया गया है।

सुनील चोपड़ा

फ्लैट नं० 103, लोअर ग्राउन्ड एरिया 1100 वर्ग फीट
धार-1, हाँज खात एन्कलेव, नई दिल्ली एलांग वि० 1/10,
मनडिराईडिड भूमि लगभग 40.00 वर्ग गज।

सुनील चोपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
भर्जन रैंज-3, नई दिल्ली

दिनांक: 4-11-1985
मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एनयू०/3/एस० आर०-3/
3-85/1026—अतः मुझे, सुनील चौपड़ा,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
पर्याप्त 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायी संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. में अधिक है
और जिसकी सं० ग्रीन पार्क नई दिल्ली में स्थित है (और
इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है);
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी है; कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख मार्च 1985
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निर्धारित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की शक्ति, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के क्षयित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित स्थितियों, अर्थात् :—

1. मै० एफ़्फ़ेस प्रोपर्टीज प्रा० लि०
बी-177 जो
नई दिल्ली ग्रेटर कैलाश-1
द्वारा डायरेक्टर जे० बी० गीगल।
(अन्तरक)

2. मै० मेहरा एंड कम्पनी
2120 बहादुर गढ़ रोड, दिल्ली
द्वारा श्री अजय कुमार मेहरा।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिता करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

पोरशम नं० 1 तादादी 468 वर्ग गज फिट पार्स आक
प्रोपर्टी एस-1 ग्रीन पार्क एफ़्फ़ेस नई दिल्ली।

सुनील चौपड़ा
सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 4-11-1985
माहुर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एनयू०/3/एस० आर०

3-85/1027—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एन-19 ग्रीन पार्क एक्जटेंशन है तथा जो
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम-
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रातिफल से, जो दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त
प्रतिफल है और अन्तरण (अन्तरणों) और अन्तरितों
(अन्तरितियों) के बीच एक अन्तरण के लिए तय पाया गया
है, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कांचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्रीमती ईश्वर जोर और इन्दरजीत सिंह
द्वारा पाल एंड एसोसियट्स
70 रीगल बिल्डिंग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. डा० रमेश शर्मा सुपुत्र जे० एन० शर्मा
सी-538 बजीर नगर नई दिल्ली-3

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किया जा सकता है।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 101 ग्राउण्ड फ्लोर 1150 वर्ग फिट
एन-19 ग्रीन पार्क एक्जटेंशन, नई दिल्ली।

सुनील चोपड़ा
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 4-11-1985

मोहर:

प्रत्यक्ष निर्वाचन अधिनियम, 1961

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सहायक आयकर आयुक्त

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एफ०/3/एस० आ०-3/
3-85/1028—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० 80/58-बी है तथा जो मालविद्या नगर
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपबाद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के
कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कट देने के अन्तरक के
साक्षित्व से कभी कटने या उद्धृत करने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित स्थितियों, बर्थात :-

1. श्री स्वराज कुमार कपूर
सुपुत्र श्री बृट्टा राम
निवासी एस-13/5 मालविद्या नगर
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री कुलदीप सिंह
सुपुत्र श्री सुमेर सिंह
80/58-बी मालविद्या नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उ
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

प्रपत्ति सं० 80/58-बी० हावादी 100 वर्ग गज
मालविद्या नगर, नई दिल्ली।

सुनील चोपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-3, दिल्ली नई दिल्ली-110002

तारीख: 4-11-1985

[मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रोज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एनयू०/3/ए० आर०-1/

3-85/1029—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन रक्षक प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सं० 36 ए० है तथा जो मेन ग्रीन पार्क,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाखण्ड
अनुसूची में अंतर्पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार की अधिभार के
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रार का अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधिनियम
तारीख 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान
प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए रय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने की सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बेनी प्रताप सुनु रिजाया राम
निवासी 36-ए, ब्लाक सी, ग्रीन पार्क (मेन),
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री श्याम सुन्दर सुनु नन्मल,
अशोक कुमार सुनु नन्मल,
सुभाष शम्भु सुनु नन्मल,
श्रीर राजेश कुमार सुनु नन्मल,
निवासी डी-17, ग्रीन पार्क (मेन),
नई दिल्ली-1।

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सी-36-ए, तादादी 321 वर्ग गज, ग्रीन पार्क मेन,
नई दिल्ली।

सुनील चोपड़ा

संजन प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रोज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 4-11-1985

मोहर :

रूप में टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आर्. ई० सं०/एन्यू०/3/एन० आर०-3/
3-85/1030--अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
आश्वासन है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और निम्न सं० प्रथम पल्ले, प्रान्ती नं० 8/35 है तथा
जो डब्ल्यू. ई० ए० करोल बाग नई दिल्ली में स्थित है
(और इसमें उदात्त अनुवाद से आर पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रार की अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसका दृश्यमान प्रतिफल से, एक दृश्यमान प्रतिफल का
यह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में दास्ताविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के बीच :—

1. श्रीमती शोला सचदेवा पत्नी स्वर्गीय राजदेव सचदेवा,
निवासी 12-1, बाजार रोड, नई दिल्ली,
श्रीमती माताविहा कनूर और श्रीमती विनीता
कालिया और पुत्र विजय कुमार।

(अन्तरक)

2. श्री जे० पी० गुप्ता पुत्र निधान लाल,
निवासी 45/63, माल रोड,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में जोरों भी आशय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के द्वारा
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

प्रथम पल्ले नं० 8/35, डब्ल्यू. ई० ए० करोल बाग
नई दिल्ली। एरिया 2000 वर्ग फिट।

सुनील चोपड़ा

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 5-11-1985

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कमलाल, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस०/3/एन० आर०-3/

3-85/1031—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० 10618/20, प्लॉट नं० 39, है तथा जो ब्लॉक-13, खारा नं० 1517/1147, आर्य समाज रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इसे उगावड़ आनुवंशिक और पूर्ण रूप से वर्गीकृत है), रजिस्ट्रार अविहारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और इसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चम प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में दस्तावेजिक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः आगे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

1. श्रीमती सुनीता लक्ष्मी विजया स्वर्णिम सुनील कुमार और कुमारी रमाणी सुनील स्वर्णिम सुनील कुमार निवासी बी-97, ग्रेडर काला-1, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री कंचन लज्जा आनन्द सुनील सदानन्द आनन्द, निवासी 17/5, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिख जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रोर्टे रजिस्ट्रार नं० 10118/20, प्लॉट नं० 39, ब्लॉक नं० 13, खारा नं० 1517/1147, तारादी 284 वर्ग मज। आर्य समाज रोड, करोल बाग, नई दिल्ली।

सुनील चोपड़ा

सज्जन अविहारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 8-11-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एन० प्रार०-3/

3-85/1034—अतः मुझे, सुनील चौराड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 6447, प्लॉट नं० 81 है तथा जो,
खसरा नं० 546/152, प्लॉट 8-बी, वार्ड नं० 16,
बस्ती: रेगपुरा, देव नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और
इसमें उल्लेख अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रार अविनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निर्माणागत व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ए० उज्जगर सिंह गुप्ता ए० दिवाय सिंह,
बी-8/6447, देव नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सविता गुप्ता पत्नी के० लाल गुप्ता
निवासी बी-7, 6349, देव नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां कराई हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

हाउस नं० 6447, प्लॉट नं० 61, खसरा नं० 546/
152, ताबाड़ी 109 वर्ग गज, प्लॉट नं० 8-बी०, वार्ड-
16, बस्ती रेगपुरा, बंग राजगो, देव नगर, करोल बाग,
नई दिल्ली।

सुनील चौराड़ा

सहायक प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 8-11-1985

माहुर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस -----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सञ्चालन**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० आर०-3/

3-851032—सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2665, खमरा नं० 467, है तथा जो ब्लॉक जी, वार्ड नं० 16, नाई वाला, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इसके उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण के तहत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन अन्य वास्तविकों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभावनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

तब : जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

20—366 GI/85

1. श्रीमती प्रकाश कुमारी पत्नी रघुवीर दाम,
एम-126, गेटर कैलाश-1, नई दिल्ली-1
(अन्तरक)

2. श्री गननाम सुपुत्र अर्जन दाम
निवासी 4/45-ए, पंजाबी बाग, नई दिल्ली
(1/2 भाग); गोवर्धन लाल चड्ढा सुपुत्र मोहन लाल
चड्ढा निवासी 22/53, पंजाबी बाग, नई दिल्ली
(1/4 भाग), श्रीमती चड्ढा पत्नी मोहन चड्ढा
निवासी 22/53, पंजाबी बाग, नई दिल्ली
(1/4 भाग)।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पालन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एम० सी० डी० नं० 2065, नादादी 175 वर्ग गज
खमरा नं० 467, ब्लॉक जी, वार्ड नं० 16, नाई वाला,
करोल बाग, नई दिल्ली।

सुनील चोपड़ा

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 4-11-1985

मोहर:

प्रमाण आई. टी. एन. एन. :-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू०/3/एम० आर०-3/
3-85/1036--अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर-491 है तथा न्यू राजेन्द्र नगर,
नई दिल्ली में स्थित (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के लघित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बात, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कत्री करने या उसके बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
पर्याप्तार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मोहन लाल सुपुत्र स्वर्गीय नवनीत राय,
आर-491, न्यू राजेन्द्र नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

7. श्री वीर खन्ना (2) ओम प्रकाश खन्ना,
5531, शोरा कोठ, पहाड़ गंज,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

3. श्री एच० जी० चोपड़ा,
शक्ति चावला।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितनष्ट
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पाह
लिखित में किए जा सकते हैं।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

धनसूची

प्रोपर्टी नं० आर-491, न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली

सुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 4-11-1985

मोहर:

प्रकृष आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू०/3/एस० आर०-3/

3-85/1427-अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० प्रो० नं० 1580-ए०, 1-सी०, प्लॉट नं०
10, है तथा जो ब्याज जी०, नवीन शाहदरा, दि ओल्ड
उन्धन पुर, दिल्ली-32 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भावतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 ई 16) के अधीन, तारीख
मार्च 1985

यदि पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से क्रियत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एम० वरियम सिंह सुपुत्र हरनाम सिंह
निवासी-सी-14, कालीन्द कालोनी,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री गुरबचन सिंह सुपुत्र हरनाम सिंह
सी-14, कालिन्दी कालोनी,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

प्रोपर्टी नं० 1580 ए०, 1-सी०, प्लॉट नं० 10, एरिया
184 वर्ग मीटर खसरा नं० 1155/410, 616/404, ब्लाक
बी, नवीन शाहदरा, गांव उन्धनपुर, दिल्ली-32।

सुनील चोपड़ा

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 8-11-1985

मोहर :

प्रकाशक: श्री. एम. एस.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० आर०-4,
3-85/1428-अतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० 9/2958/ है तथा जो धरमपुरा, गली नं०
1 और 2 गांधी नगर, गांव सीलमपुरा दिल्ली में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख मार्च 1985

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
कारण है यह पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) सम्पत्ति के लिए किसी बाय की वस्तु, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के
वास्तव में कभी करने या उन्हें करने में सूचना
के अन्तर्गत; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बाय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6 श्रीमती शीला देवी पत्नी बृज लाल,
निवासी 9/2958, धरमपुरा, गली नं० 1,
गांधी नगर, दिल्ली-31।

(अन्तरक)

2 श्री नरथामल सुपुत्र श्री कन्हैया लाल,
2 अगूरी देवी पत्नी नरथामल, (3) शांति
देवी पत्नी एस० पी० अग्रवाल, (4) अनिल
कुमार सुपुत्र नरथामल, निवासी मकान 2110,
कैलाश नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त भायकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अर्थ
20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा।
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रारटी नं० 917/24-एफ/12 (पुराना) नया नं०
9/2958, तादादी 200 वर्ग गज, धरमपुरा में स्थित गली
नं० 1 और 2, गांधी नगर, गांव सीलमपुरा, दिल्ली-31।

सुनील चौपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 8-11-1985

मोहर

प्रकाशित, डी. एच. एच. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० आर्ई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० आर०-4/

3-85/1033--अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 89/7 है तथा जो ओल्ड राजेन्द्र नगर,
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्या-
लय में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1985

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का
बहुत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण
निमित्त से वास्तविक रूप से कार्यान्वित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वापस, उक्त
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बे बिना; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य मास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 2269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री जे० एम० सुंद सुपुत्र डा० पृथ्वी सिंह,
मैनेजिंग डायरेक्टर ग्रेट आर्ट्स (प्रा०) लि०,
भागीरथ पैलेस, चान्दनी चौक, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2 श्री बलराज गार्हनी सुपुत्र श्री फकीर चन्द,
निवासी 7829, नई बस्ती, बारा हिन्दू राष्,
दिल्ली-11।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा या नाक्षरी के द्वारा
निमित्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अर्थ 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

नादादी 150 वर्ग गज। प्लॉट नं० 63/7, ओल्ड
राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली।

सुनील चोपड़ा
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 4-11-1985
मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 नवम्बर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू०/3/एस०आर०-3/
3-85/1011-— अतः मुझे, सुनील चौपड़ा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवनास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० 5058 पी० नं० 14, खसरा नं० 3267/715
है तथा जो ब्लॉक-एस, गली नं० 1 और संत नगर, बस्ती रेहगर,
करोल बाग, दिल्ली में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रेशन
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च,
1985.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दखलाने
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दखलाने प्रतिफल से, ऐसे दखलाने प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिय
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरनाम सिंह सूपुत्र सतसिंह,
निवासी—5058 गली नं० 1 और 2, संत नगर,
करोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री संजय कुमार जैन सूपुत्र महिन्द्र चन्द जैन
निवासी—3341/3, क्रिश्चियन कालोनी;
करोलबाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दि-
गया है।

अनुसूची

हाउस नं० 5958 प्लॉट नं० 14, 120 वर्ग गज में बना।
खसरा नं० 3267/719, ब्लॉक एस, गली नं० 1 और 2, संतनगर
बस्ती रेहगर, करोल बाग, नई दिल्ली।

सुनील चौपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 6-11-1985
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू०/3एस आर-3/3-85/
1037--अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 17-ए/17 है तथा जो डब्ल्यू ई० ए-करोलबाग,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण-
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का वर्तमान बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
अच्छा प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की भावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सहायता
के लिए; और या/

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
के, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कृष्णन तनेजा

सुपुत्र श्री राम लुभाया तनेजा,
निवासी--94, बेस्ट ब्रुक रोड, हेस्टन, यू० के०, ए-22
चित्ररंजन पार्क, नई दिल्ली-49

(अन्तरण)

(2) श्री मदन सिंह सूरि और सन्म (एच०यू०के०),

धुरकर्ता मदन सिंह सूरि,
निवासी--17-ए/17, डब्ल्यू ई० ए०, करोल बाग,
नई दिल्ली-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना बाड़ी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बचन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रामाण्यकारी के पास
लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्धारा 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उक्त अन्धारा में दिया
गया है।

समस्त

प्राप्टी नं० 17-ए/17, डब्ल्यू ई० ए०, करोल बाग, नई दिल्ली,
234.22 वर्ग गज ।

सुनील चोपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 8-11-1985
मोहर :

प्रथम भाग, टी. एन. ए. ए. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर, 1985

निदेश सं० आर० ए० सी०/एक्यू० II/एन० आर-II
3-85/2554-अन मुझे, मुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 72-ब खसरा नं० 479 है तथा जो फतेह नगर
ग्राम-तेहाड़, नई दिल्ली में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्णतः से वर्जित है), निम्नीकृत अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय निम्नीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के दायित्व
में कमी करने या उच्च बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री वरनावन सिंह पुत्र श्री करतार सिंह,
71-72, फतेह नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री एच० एन० बोहरा पुत्र श्री जी० एम० बोहरा,
क्वार्टर 1/89, गीतपुरी, नई दिल्ली।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 72, ब्लाक बी, एरिया 133.3 वर्ग गज।

खसरा नं० 479, स्थित फतेह नगर, गांव तिहाड़, नई दिल्ली।

मुनील चोपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 8-11-1985

मोहर :

प्रकृष जगत् की एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/3-85/

821ए—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन स्थगित प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और निम्नलिखित सं० फ्लेट नं० 211, दूसरा खण्ड, है तथा जो स मोबा,
कम्पलेक्स, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची
में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्री तथा अधिपतरी के कार्यालय,
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1962 के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि अधिपूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
उत्पन्न प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
पन्नागिरी (अन्तर्निर्गम) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब
जका गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य है उक्त अन्तरण
अन्तरण में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है। —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाबत में कर्षी करने या इससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आब या किसी धन या अन्य वास्तवों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रकाशनार्थ अन्तर्गत दत्तारा प्रकट नहीं किया गया
या जो 'अज्ञात' या 'अज्ञात' या, अधिनियम में सूचना
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
यह, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिनियमों अधीन है—

21—366 GI/85

(1) श्री कपिल मोहन कटारिया
मिसेज शीला कटारिया
मिसेज रजनी कटारिया,
निवासी—गम-61, साकेत, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री वपिल मोहन कटारिया
निवासी—अपार्टमेंट, 501, 72, विलेज केडम एवेन्यू
हिमन, एन० जेड०ए०—1208,
कनाडा।

(अन्तरिती)

यही वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में निवेश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अन्तर्गत अधिनियम के अधिनियम
मिचित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 211, दूसरा खण्ड, 9, भोलाजी कम्पलेक्स,
नई दिल्ली।

सुनील चोपड़ा
महाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 4-11-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

निदेश सं० आर० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/3-85/

923—अतः मूझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 354 एजीसी आर० कोप एच बी
एस लि० है, तथा जो दिल्ली-1 में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर
अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख मार्च, 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आम की वारस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती या अन्तरक नहीं दिया गया
या या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री डी० एम० जेरना
80/41, बी. मालवीय नगर, नई दिल्ली ।
- (2) श्रीमती कविता श्याम
सी-6/5 कृष्णानगर देहली-5 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

खाली प्लॉट नं० 354, एजीसीआर कोप एच बी एस लिमि०
दिल्ली

सुनील चोपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, 3 नई दिल्ली

दिनांक : 5-11-85

मोहर :

प्रकाशक: डॉ. एन. ए. ए. —————

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/3-85/

825--अतः मूर्ख सुनील चोपड़ा

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विज्ञापन करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
100,000/- रु. से अधिक है

श्री जिनकी सं० प्लॉट नं० 40, है तथा जो डिफेंस एक्स्लेव, नई
दिल्ली है तथा जो केसर गंज रोड लुधियाना से स्थित है दिल्ली-1
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पुन रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जुन रेंज, 3, नई दिल्ली
नं० 1111, प्र. अ. अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख
मार्च, 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के लिये
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और
मझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्च प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी काम की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरण से
सम्पत्ति से कमी करने या उक्त करने में विघ्ना
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों
के, जिन्हें भारतीय भाषा-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भाषा-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रकोष्ठार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, डिमान में
प्रतिभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जहाँ 2-

(1) श्री मनोहर लाल भसीन,
डी०ए-68वी, हरी नगर,
नई दिल्ली-1

(अन्तरक)

(2) श्रीमति उर्मिला अग्रवाल,
2788, पीपल महावेव, होजकाजी
दिल्ली-6

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन को किए
कार्यवाही करा है।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी बाधा :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपवादवादी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं
वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

निवासीय प्लॉट नं० 40, डिम एक्स्लेव, दिल्ली-92।

सुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 5-11-1985

मोहर :

प्रकरण आई.टी.एन.एस. -----

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बाबकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 नवम्बर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एफ्यु०/3/37ईई/3-85/
826--अतः मूझे, सुनील चोपड़ा,

बाबकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्त बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. में अधिक है

और जनकी म०एफ ई० न० 308, है तथा जो 5, भी।जी।मा।
पेलेस, नई दिल्ली, में स्थित है (और इस उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ववर्ती प्राणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन
रेज, नई दिल्ली में भारतीय बाबकर अधिनियम, 1961 (1908
का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि उक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्का
प्रतिपात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक-रूप से अधिगत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधि-
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/वा

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय बाब-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधि।

(1) श्रीमति बीना आदल पत्नि सुनील कुमार
सी-6, कैलाश लालोनी,
नई दिल्ली-1

(अन्तरक)

(2) श्रीमति मुमिता सापरा पत्नि एस० एन० सापरा और
सुमन सापरा पत्नि फ्लाईट लेफ्टिनेंट अजय सापरा
94, टैगोर पार्क, (माडल टाउन) दिल्ली-9

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तरण के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आप्रोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के अंदर या तत्पश्चात् अधिनियम के
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो कि
अवधि बाद में समाप्त होगी, के अन्दर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में लिखा जा सकेगा ।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट न० 308, तीसरी मंजिल, 5, भीकाजी कामा
पेलेस, नई दिल्ली, एरिया, 275 वन गज ।

सुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहाय आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

तारीख 6-11-1985

मोहर —

प्रारूप आई टी.एन.एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भाग्य प्रकाश

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 नवम्बर, 1985

निदेश सं. आई. ए. सी. 0/एक्यू/3/37ईई/3-85/

827—अत. मुझे, मुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं. 13/9, ओल्ड राजिन्द्र नगर, है, तथा जो नई-दिल्ली-1 में स्थित है (आयकर अधिनियम, 1961 के अधिनियम में अधिनियमित है), निम्नलिखित अधिनियम, अर्जन-रेज-3, नई दिल्ली से भारतीय आय. अधिनियम, 1961 के अधिनियम मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में दायित्व के रूप से कांथत नहीं किया गया है

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) हरनाम सिंह

13/9, ओल्ड राजिन्द्र नगर,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री अजीत कुमार थूरिया

राजीव कुमार थूरिया और

मिसेज. रानी थूरिया

मी-118, वि नगर, गाजियाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पञ्चदश दिनों के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में उक्त श्री भाग्य .—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होगी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिभूतधारी के पास निहित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

13/9, ओल्ड राजिन्द्र नगर, नई दिल्ली, एरिया 88.1
वर्ग गज ।

मुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आय. आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

तारीख : 6-11-1985

मोहर .

प्रमाण आदि ११ ज्ञान एक

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) की अधीन सूचना

कार्यक व्यवहार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 नवम्बर, 1985

निदेश सं० आर्डी० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/3-85/828

अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ('जिस' इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग की अधीन उक्त प्राधिकारी को यह विज्ञापन करने का
आदेश है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 20/11, ओल्ड राजिन्द्र नगर है तथा जो नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्णरूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-3
नई दिल्ली से भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन,
तारीख, मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और
मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का
पक्का प्रतिपाद से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नम
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वापस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वापस में कमी करने या उक्त अन्तरण से सूचना
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जातिबों
के बिना भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री पी० एल० मोंगिया ।

20/11, ओल्ड राजिन्द्र नगर,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री तरुन कुमार खानोजोव,

20/11, ओल्ड राजिन्द्र नगर,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तरण के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अन्तरण के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

पष्ठीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

20/11, ओल्ड राजिन्द्र नगर, नई दिल्ली, तादादी 85 9
बगं गज ।

सुनील चोपड़ा

सहायक प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

तारीख : 8-11-1985

मोहर .

प्रकाशक काई टी एम् एम् ...

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 नवम्बर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/3-85/829--

अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जितकी सं० 23, है तथा जो कौशल्या पार्क, होजखाम,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण-
रूप से वर्णित है), भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन,
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली
में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख मार्च, 85
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गढ़ा और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के द्वारा किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमति कौशल्या एज्यूकेशनल ट्रस्ट,
धरू विवेक कपूर, 11/48, पूना रोड,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) अजयजुनैन, सुपुत्र श्री आर० एम० जैन,
फ्लैट नं० 101, ग्राउन्ड खण्ड, 5, कौशल्या पार्क,
होजखाम, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

अन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में काई टी एम् एम् का।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

वेसमेंट पलोर 5, कौशल्या पार्क, होजखाम, नई दिल्ली

सुनील चोपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 6-11-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 नवम्बर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/3-85/830

अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इससे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० वि.ओ.ज.क.नं० यू०जी० के०-10 है तथा जो 5, भीखाजी कामा पेलेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुपूर्वी में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली; भारतीय आयकर अधिनियम, 1961, के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम की दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पञ्चमपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पञ्चम प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरक) और अंतरिती लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में बाधित के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमाणार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिसका जमा संग्रहित था, छिपाने में सक्षम के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सौमदन बिल्डर्स प्रा० लि०

58, इन्फान्ट्री क्वार्टर, ईस्ट ब्रॉक कैनाल,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) जैनी अनेक्जेंडर आर० जैनी और

पंडित और जैनी पाल अनेक्जेंडर,
205 जोर बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

क्रिओस्क नं० यू०जी०के०-10, अपार ग्राउन्ड फ्लोर, 5 भीखाजी कामा नगर पेलेस, नई दिल्ली-1, एगिया लगभग 44 वर्गफीट।

सुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 6-11-1985

मोहर :

प्रकृष बाबू. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

निदेश सं० आर० ए० सी०/एक्यू० 3/37ईई/3-85/831

अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यू०जी०के०-3, अप्पर ग्राउन्ड फ्लोर है तथा जो
5, भीखाजी कामा पेलेस, नई दिल्ली-1, में स्थित है (और इसमें
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधि-
कारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर
अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हाबित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा
नहीं लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था किन्तु
सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

22—366 GI/85

(1) मोम दत्त बिन्दर्स प्रा० लि०

56, कम्युनिटी सेंटर, ईस्ट ग्राफ कैसाण,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) रमन मेहता और अनिल कुमार,

जे-7/143, राजौरी गार्डन,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निम्न
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कोओम्क यू०जी०के०-3, आन अप्पर ग्राउन्ड फ्लोर, 5,
भीखाजी कामा पेलेस, नई दिल्ली।

सुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 5-11-1985

मोहर :

प्रकरण 414 टी एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 5 नवम्बर, 1985

निदेश सं० आई०ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/3-85/832-

अतः मुझे, मुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सत्य प्रोधाकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डी०-782, है तथा जो सरस्वती बिहार, नई
दिल्ली-1 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3
नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन,
तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अनुमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य, उसके सम्यमान प्रतिफल में, एक वर्ष तक प्रतिफल का
एक-द्वितीयांश से अधिक है और अंतः (अंतरों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण अधिकृत में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कुमारी सी० प्रोवर
12-बी, मधुग रोड, नई दिल्ली-1

(अन्तरक)

(2) श्रीमति दर्शना देवी, एण्ड इन्द्रा देवी
निवासी—13, रामनगर, पहाड़गंज,
नई दिल्ली-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जा 1 करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आप्रोप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में 7 अप्रैल 1985 तक, के भोतग पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से निर्धारित की जा सकती है।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अनुच्छेद 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

निवासी प्लॉट न० डी-782, सरदादी 39, सरस्वती बिहार,
दिल्ली।

मुनील चोपड़ा
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 5-11-1985

महंजर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जनरेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

निदेश सं० आर० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/3-85/833

अतः मुझे, मुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एम० टी-12, (बैसमेंट) है तथा जो
प्लॉट नं० 2 एम०एम०टी०सी०/एस०एम०सी० मार्केट, मालवीय
नगर, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाख्य अनसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन-
रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के
अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्य-
मान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
अवयव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
यह, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) राजिन्द्रा

एम-52, कनाट प्लेस, नई दिल्ली-1

(अन्तरक)

(2) वीरेन्द्र कुमार भूटानी

13/178, मालवीय नगर,

नई दिल्ली-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के दृश्यमान में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पाह
के लिए आ सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

नमूने

आर०एम०टी०-12, (बैसमेंट) प्लॉट नं० बी-2, एल०
एस० सी०/एम०एम०टी०सी०/एस०एम०सी० मार्केट, नई दिल्ली,
नजदीक मालवीय नगर, सुपर एरिया 52 वर्ग फीट ।

मुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जनरेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 5-11-1985

मोहर :

प्रकाशक: टी.एन.ए.ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

आयकर अधिनियम, सहायक आयकर अधिनियम (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

निदेश सं० आर० ए० सी०/एस०/3/337ईई-85/834—

अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
अवसर है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० टी०-15(बेसमेंट) है तथा
बी-2, एल० एस० सी०, एम० एम० टी० सी०/एस० टी० सी०
मार्केट, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपर्युक्त अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ती अधिकारी के कार्यालय,
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961
के अधीन, तारीख मार्च, 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, बिना भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रमाणनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था. विषय में सूचना
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) राजिन्दरास,
एन-52, कनार प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) रोहतास चन्द अरोड़ा,
एच/13/7, मालवीय नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मूल्य में कोई भी बाधा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के बाल
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आर०एस०टी०-15(बेसमेंट), बी-2, एल० एस० सी०,
एम०एस०टी०सी०/एस०टी०सी० मार्केट, नई दिल्ली, मालवीय-
नगर, नई दिल्ली।

सुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 5-11-1985

मोहर :

प्रश्न नम्बर. टी. एन. एस.-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भाषा सूचना

अध्यापक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

निवेश सं० आर० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/3-85/855—

अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकी प्रस्ताव 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवक्षा करने का कारण है कि इसका संपत्ति, जिसका मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० ए० सी० टी०-19 (बेसमेंट), है तथा जो बी-2, एल०एस०सी०, एम०एम०टी०सी०/एस०टी०सी० मार्केट, नई दिल्ली-1, में स्थित है (और इस इसमें उपाखंड अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जुन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के संबंधित बाजार मूल्य न कम के इसका प्रतिफल के लिए बन्धित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि बाधापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इसका प्रतिफल में, ऐसे इसका प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया अति-कम, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण में हुई किसी बाय की बाय, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के अंतरक में किया गया या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एंटी किसी बाय या विक्री भव या अन्य कार्यों को, जिन्हें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) राजिन्द्रास
एम०-52ए, कमाट प्लेस,
नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री सतिन्द्र कुमार त्यागी,
बी-91, सर्वोदय एन्क्लेव,
नई दिल्ली-2

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्चन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होगी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त आधार सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बाधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया गया हो।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आर०एम०टी०-15 (बेसमेंट) बी-2, एल० एस० सी०,
एम०एम०टी०सी०/एस०टी०सी०, मार्केट, नई दिल्ली
मालवीय नगर, नई दिल्ली।

सुनील चोपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 5-11-1985
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ब (1) के अधीन मचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निदेश नं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/3-85/

839—अतः मुझे, सुनील चौपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी नं० आर० एम० टी०-112, ग्राउन्ड फ्लॉर, है तथा जो बी-2, एम० एम० सी० एम० एम० टी० सी०/एम० टी० सी० मार्केट, नई दिल्ली-1 में स्थित है (अंर ड से उभावद्ध अनुसूची में अंर. पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीवर्ती अधिवारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ५—

(1) श्री राजेन्द्राम, नं० 52ए, कानाट प्लेस,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मिसेस इविता शर्मा,
57, नवजीवन विहार,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

आर० एम० टी० 112, बी-2, एम० एम० टी०/सी०/एम० टी० सी० मार्केट, नई दिल्ली नजदीक मॉलविधा नगर नई दिल्ली ।

सुनील चौपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 5-11-1985

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्यु०/3/37ईई/3-85/

841—अतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 104 है तथा जो प्रथम खण्ड नं०
नं० 1, कौशलया पार्क, होश खात, नई दिल्ली में स्थित है (और
इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
राजिस्ट्री की अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली
में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख मार्च
1985

इसे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के व्यवधान
प्रतिफल के लिए राजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्त-
रिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उक्त व्यवधान प्रतिफल से ऐसे व्यवधान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
दाखिल में करी करने या उसके बचन में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 11) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सूर्य दत्त प्रोडर्स (प्रा.) लि.,
सी०-34, गीर्वाण नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) एम० एल० जयरथ, पुत्र अमरनाथ जयरथ,
मिसे न विमला जयरथ, पत्नी एम एल० जयरथ,
केप्टन रमन के० जयरथ,
विनेश के० जयरथ,
पुत्र श्री एम० एल० जयरथ,
700, मेक्टर नं० 8-बी, चन्डीगढ़ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

इस सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 104, प्रथम खण्ड नं० 1, कौशलया पार्क, होश खात,
नई दिल्ली ।

सुनील चौपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक 4-11-1985

सहिल

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

- (1) सूर्य हन्टर प्राइवेट प्रा० लि०
एल०-34, कीर्ती नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

- (2) टी ट्रेड टेक प्रा० लि०
गुहाटी ग्रामाम थ्रू मैनेजिंग डायरेक्टर
पी० सी० बपूर

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर 1985

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू०/3/37ईई/3-85/

842—अतः मुझे सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० एम०-2 है तथा जो मैदानिन फ्लोर,
1, कौशलया पार्क, होज खास, नई दिल्ली में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्री-ती प्रमिती के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली
में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख मार्च
1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
न, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लोर एम०-2, मैदानिन फ्लोर, 1, कौशलया पार्क,
होज खास, नई दिल्ली।

सुनील चोपड़ा

धन प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 5-11-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन एस - - - -

आय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 5 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/3/37ईई/3-85,ईई 843--अंत मुझे मुनील चौपडा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सूचना पाधिकारी को यह विश्वास करने का अधिकार प्राप्त है कि यह निश्चित करने का कारण है कि

1,00,000/- का आय कर है

और जिसकी रा० ए० सी०-5 है तथा जो 5, भीमजी थामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) निम्नलिखित अधिनियम के अधीन अर्जन रेज-3, नई दिल्ली में भारतीय आय कर अधिनियम 1961 के अधीन जारी मार्च 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरक की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, समस्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कोई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्निहित व्यवस्था में नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था किन्तु जो संपत्ति के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

23—366 GI/85

(1) प्यारेलाल वणेश्वर नाथ,
शिरकी बाबा, लाल कुशा, दिल्ली-6
(अन्तरक)

(2) एम्पीटेट विल्डर्स
101, एम्पीटेट हाउस,
एफ-14, ग्लोबल प्लेस,
नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करती हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० ए० सी०-5 भीमजी थामा प्लेस, नई दिल्ली।

मुनील चौपडा

श्रम प्राधिकारी

महायुक्त आय कर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

दिनांक 5-11-1985

मोहर

अनुसूची आइ.टी.एन एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/3/37ईई/3-85/844

अतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० हाउस नं० 8, रोड नं० 46 है तथा जो गांव
माडीपुर, पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (अंग्रेज़ी से उपादक
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीवर्ती अधिकारी
के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर
अधिनियम 1961 के अधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरगत कौ गइ है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुआ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या दिया जाना चाहिए था, छिपाने में सक्ति
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मियस उमा जैन,
पत्नी श्री एस० के० जैन
8/46, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री मत्त लाल दुआ और सुनीता दुआ
457, रिषी नगरी सफुररस्ती,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

हाउस नं० 8, रोड नं० 46, तादादी 279 55 वर्गज
गांव माडीपुर, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

सुनील चौपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली।

दिनांक : 6-11-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू./3/37ईई/3-85/

845—अतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

अर्जन रेंज की सं० 308, प्लॉट नं० बी 1/2 है तथा जो अजमेरपुर
कमिशनर ऑफ़ लेन्ड्स, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर
अधिनियम 1961 के अधीन तारीख मर्च, 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित कां गढ़ है और मुझे यह विश्वास करने
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) भनोट प्रोपर्टीस एन्ड इन्डस्ट्रीज लि०,
102,103, राजा हाउस,
30-31, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

- (2) मोनिया नय्यर एन्ड सतीश नय्यर,
बी-1/1037 सिविल लाईन्स,
सुधियाना।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, की अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 308, सुपर एरिया 225 वर्गफीट तीसरी
मंजिल, निर्माणाधीन प्लॉट नं० बी-1/2, अजमेरपुर कमिशनर
ऑफ़ लेन्ड्स, नई कला, नई दिल्ली।

सुनील चौपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक - 5-11-1985

मोहर :

प्रथम भाग, सी.एच.एस.

भाषाकरण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक, सहायक भाषाकरण अधिकृत (निरीक्षण)

सहायक आयुक्त आयुक्त

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/पक्यू/3/37ईई/3-85/

847--अतः सुनि नीली चौपड़ा

भाषाकरण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 309, है तथा जो निम्न खण्ड
बी-1/2, अजादपुर कॉम्प्लेक्स नई दिल्ली में स्थित है (और
इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) निम्नलिखित
कर्ता अधिपति के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में
भारतीय आयुक्त अधिनियम 1961 के अधीन तारीख मार्च
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इशमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इशमान प्रतिफल से ऐसे इशमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाषा की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक का
स्थायित्व में कमी करने या उससे बचन में सक्षम
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी भाषा या किसी धन या अन्य भाषाओं
को, जिन्हें भारतीय भाषा-करण अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-करण अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सक्षम के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्ष 1985—

(1) भनो: प्रोटीस एन्ड इन्सुज,
102-103, राधा हाउस,
30-31, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) कुमारी मोनिषा नथ्यर और
मिनेस संतोष नथ्यर,
बी-1/1037, सिविल लार्ड्स
लुधियाना।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति पर हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में दिनांक 31 मई 1985।

स्थानीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और तर्कों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 309, लगभग सुपर एरिया 385 वर्गफीट तीसरा
खण्ड, निर्माणाधीन प्लॉट नं० बी-1/2, अजादपुर कॉम्प्लेक्स
नन्दावाला बाग, दिल्ली।

सुनील चौपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक 5-11-1985

मोहर :

प्रकाश बाबू, बी. एन. एन.

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषकर आभूक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एकए०/3/373ई/3-85/
849—अतः मू० सुनील चौपड़ा

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3 (बेसमेंट), है तथा जो भीकाजी
कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (अ० 3 से उपर्युक्त
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) एन्टि-ट्रीट्मेंट अधिकारी
के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर
अधिनियम 1961 के अधीन तारीख मार्च 1988

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के निम्नलिखित उद्देश्य के लिए विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एक दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिनी
(अन्तरिनी) के बीच ऐसे अन्तरण का अन्तरण पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के अन्तर्गत निम्नलिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) जहाँ/एन 3 है कि ही भाष की बात, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने के उद्देश्य के लिए अर्जन के लिए
की/बा

(ख) इसी किसी भाष या किसी धन या अन्य आस्तियों
को निम्नलिखित आयकर अधिनियम, 1922
(1912 का 11) या उक्त अधिनियम या
भाषकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के अन्तर्गत अन्तरिनी द्वारा पकड़ नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था। निम्नलिखित
सूचना के लिए;

(1) राजधानी बिल्डर्स,
13 फ्लोर, आत्मा राम हाउस,
1, टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) वन्दना जपिट प्रा० लि०,
ए-48, कीर्त नगर, दिल्ली।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

सहय

विराग नं० 3, बेसमेंट नं० 4, भीकाजी कामा प्लेस,
नई दिल्ली।

सुनील चौपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आभूक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 4-11-1985

माहूर :

प्रकृष जाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/क्यू०/3/37ईई/3-85/
852—अट: मुझे मुनील चौपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कमर्शियल कार्यालय है तथा जो फ्लैट
नं० 205, प्रगति टावर, 26, राजेन्द्र प्लेस, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रज-3,
नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन
तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निर्दिष्ट में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या तससे बचने में सुविधा
के लिए; जाह/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) हरी ट्रस्ट एन्ड शील गुप्ता,
के-115, होजबाग एन्क्लेव,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) नीत्रा (इण्डिया) लिमि०,
23, वेस्ट एवेन्यु रोड, पञ्जाबी बाग,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
आय तिथि

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
सम्पत्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निहित या प्रकट जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कमर्शियल (आफिस) फ्लैट नं० 205, प्रगति टावर, है
26, राजेन्द्र प्लेस, नई दिल्ली।

मुनील चौपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 5-11-1985
मोहर .

मोहर :

रूप बाई टी ए. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

अर्थ: अर्थ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी० ए०/3/37ईई/3-85/

856—अतः मुझे सुनील चौपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मेज/लीफ्ट फ्लोर आफ बिल्डिंग है तथा जो नं०
6, कौशल्या पार्क, हाजिब्रा, नई दिल्ली युनिट एक में स्थित है
(और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिपति के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली
में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख मार्च
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
सम्बन्ध प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तर्गत में हुई किसी आग की वजह से, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
अन्तरक में कमी करने या उक्त करने में बाधना
नहीं कर/ग

(ख) ऐसी जमीन या किसी धन या अन्य आस्तियां
जो कि उक्त भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
अथवा अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट करने के लिए
या या किसी अन्य बाधना या, विधान में बाधना
के लिए:

इस प्रकार उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
के, यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कौशल्या एंजिनीयर्स इन्स्ट
विक्टर भूष, इन्स्टी, 11/4 पूना रोड,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) जी. डी. मिना, 5-ए, सिविल लाइन्स, भटिन्डा (पंजाब)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
अर्थ: अर्थ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि पहले से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अर्थ: अर्थ किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी व्यक्ति द्वारा अधिपति के पास
प्रतिफल के लिए तय मकानों।

स्पष्टीकरण:— उक्त उक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मेजनील/लीफ्ट फ्लोर आफ बिल्डिंग नं० 6, कौशल्या
पार्क, हाजिब्रा, नई दिल्ली, युनिट एक।

सुनील चौपड़ा

पक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली।

दिनांक : 4-11-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एस्यु०/3/37ईई/3-85/

857—अतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ग्राउंड पनोर युनिट एक एण्ड बी है तथा जो प्लॉट नं० G, कौशल्या पार्क, होजआन, नई दिल्ली में स्थित है (और इसे उदाहरण आनुकों में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रारि अविनारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख मार्च, 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दशमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दशमान प्रतिफल से, ऐसे दशमान प्रतिफल के बंध प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बात, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा प्रदान के लिए.

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
24—366GI/85

(1) कौशल्या एज्युकेशनल ट्रस्ट,
हारा विजेन नमूर (ट्रस्टी),
11/48, पूजा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) सुनील कुछल,
108, चन्द्रा एनलवे, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन की लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—हममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राउंड पनोर, युनिट ए और बी, प्लॉट नं० G, कौशल्या पार्क, होजआन, नई दिल्ली।

सुनील चौपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 4-11-1985

माहिर :

प्रारम्भ आई.टी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/3/37ईई/3-85/860

प्रतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायी संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 16, डब्ल्यू इ० ए० है तथा जो करोल बाग,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन
रेंज-3 नई दिल्ली में आयकर अधिनियम 1961 के अधीन
तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावजूद
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) म्यू जे० बी० बिल्लर्स प्रा० लि०,
3-सी/4, म्यू रोडवर्क रोड,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) विरेन्द्र मोटरस प्रपर्टीज, इन्फो,
16, डब्ल्यू इ० ए० करोल बाग,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-
षित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

16, डब्ल्यू इ० ए० करोल बाग, (यूनिट नं० 1, बेसमेंट,
1260 वर्गफीट)

सुनील चौपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 8-11-1985
मोहर :

प्रकृष आर्. टी. एन. एस्.-----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आर्. टी. एन. एस्./एक्यू/3/37ईई/3—85

914—अतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बी-4 है तथा जो प्रीत विहार, नई दिल्ली में स्थित है (और इसके उपान्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को व्यवसाय प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके समयमान प्रतिफल से, ऐसे समयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिणी (अंतरिणियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए सब सावा बरा ब्रह्म-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुए किसी जाय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तविकता को, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसूची में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्थात् :—

(1) बी० विरमानी, सुपुत्र के० सी० विरमानी,
10ए, निजामुद्दीन बेस्ट,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) शंकर लाल सिधानिया,
सुपुत्र श्री उदय चन्द सिधानिया,
2218, जमना बाजार, दिल्ली।

(अन्तरिणी)

और यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति को अर्जन में विशुद्ध कार्रवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सरकार द्वारा व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी अवधि बच में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में किसी व्यक्ति द्वारा, जन्मोद्भूतता की बात लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आली निवासीय प्लॉट 370 वर्गज प्रीत विहार, नई दिल्ली
(को० घोष० हाउस) सोसायटी लिमि० नई दिल्ली-92
(बी-4, प्रीत विहार, दिल्ली)

सुनील चौपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 8-11-1985
बोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

आगत धारका

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सं०/एनयू/3/37ईई/3-85/927—

प्रति: मुझे, सुनील चौधरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विधायक करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3/107 है तथा जो पंजा रोड, रेजि० स्कीम, जनकपुरी
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय अर्जन रेंज-3
नई दिल्ली में आयकर अधिनियम 1961 के अग्रान तारीख मार्च,
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिष्ठित
के वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है कि किसी आय की भावत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) से उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रक. र्हा किया गया
था या किया जाना चाहिए था, उपाने में सूचना
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) ए० ए० महाजन,
ए-2/-बी/172, सी भाग फ्लैट, 3,
पश्चिमी बिहार, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) बी० के० मेहता,
सी-2/397, जनकपुरी,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० बी-3/107, पंजा रोड, रेजिडेंशियल स्कीम,
जनकपुरी, नई दिल्ली। 357 वर्ग मीटर।

सुनील चौधरी

संजन प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 5-11-1985

मोहर :

प्रकरण भाग. टी. एन. एस. ---

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एफ़्यू०/3/37ईई/3-85/

928—प्रतः मुझे, सुनील चौधरी

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 203 है तथा जो गैंगल कोम्प्राप्रेटिव बिल्डिंग,
सोसायटी लिमिटेड, राम विहार, नई दिल्ली में स्थित है (और
है इससे उपावद्ध अनुसूची से और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में
भाषाकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से ऐसे दायमान प्रतिफल का
एक प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
दायित्व में कमी करने या उसके बचत में सुविधा
के लिए और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अन्य वास्तियां
को, जिन्हें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

(1) श्री राम आसरे शर्मा,
सुपुत्र श्री अमर चन्द,
बो-5/60 पोस्ट आर्किट के नजदीक,
गौरया (पंजाब)।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति सुमित्रा देवी परनी किशोर चन्द, मोना
एच-5/2, कृष्ण नगर,
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के साथ
लिखित में किए जा सकेंगे।

अन्तरिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और गणों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खाली निवासीज प्लॉट प० 203, गैंगल कोम्प्राप्रेटिव बिल्डिंग
सोसायटी लिमि० राम विहार, दिल्ली-92

सुनील चौधरी
सक्षम प्राधिकारी

हायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली नई दिल्ली-110002

दिनांक : 5-11-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 6 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37-ईई/8-85/

1039--प्रतः मुझे, सुनील चौधरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एल-1/18 हीजखास एम्प्लेव है तथा जो नई
 दिल्ली में स्थित है (और इससे उपर्युक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से
 वर्णित है) भायकर अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली
 में भायकर अधिनियम 1908 (1908 का 18) के अधीन
 दिनांक मार्च 1985.

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हदमान
 प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके हदमान प्रतिफल से, ऐसे हदमान प्रतिफल का
 बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्त-
 रिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
 प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
 वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
 में कमी करने या बचत करने में सुविधा के लिए;
 और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
 था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
 के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री द्वारका प्रसाद और श्रीमती सुश्री बेबी
 1/2 राम दिशोर लेन, सिविल लाइन्स दिल्ली।
 (अन्तरक)
- (2) श्री योगिन्दर कुमार गुप्ता
 1/2 राम दिशोर लेन, सिविल लाइन्स दिल्ली।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

एल-1/18 हीजखास एम्प्लेव नई दिल्ली।

सुनील चौधरी

सक्षम प्राधिकारी।

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 6-11-85

सोहर 8

प्रकृष भाई, सी. एच. एस.-----

भाषाकृत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निवेद सं० आई० ए० सी०/एचयू०/3/37ईई/3-85/1084—

प्रति: मुझे सुनील चौधरी,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
संकेत पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० एक-28 है तथा जो प्रीत नगर,
सी० एच० बी० एस० निमि० प्रीत विहार दिल्ली में स्थित
है (और इसे उदाहरण प्रयुक्तों में पूर्ण रूप से वर्णित है) दिनांक
अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहुधा प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उदाहरण में उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने की अन्तरक के शायित्य में
कमी करने या उसके बचने में सहभाग से लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सूचिषा
के लिए;

(1) श्रीमती सतधर कौर प्र.नम्ब ।

पत्नी बलदेव सिंह प्रामन्य

ई-5/2, धरोड़ा, भासोनी, चोपाल ।

(अन्तरक)

(2) श्री महेन्द्र प्रसाद जैन, सतीशचन्द्र जैन, वमलेश
कुमार जैन, सुतुष श्री पद्म सिंह जैन ।

निज.सी—5221, अटलानन्द मार्ग, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

निरीक्षा खाती एन.ट सं० एक-28, प्रीत नगरी, सी०
एच० बी० एस० निमि०, प्रीत विहार, दिल्ली-92 ।

सुनील चौधरी

सक्षम प्राविशारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः जा, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की अन्तरक
में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 8-11-85

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 नवम्बर 1985

विशेष सं० आई० ए० सी०/एफ०/1/37ईई/3-85/
1544---अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु से अधिक है
आर० पी० राजेश सं० पत्र सं० 7, है तथा जो बरत नं० 143,
14, जी० मार्ग, एन० जी०, 5342 वर्ग मीटर में स्थित
है (आर० पी० राजेश अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), आर० पी०
राजेश अधिपति के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में
रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक नई 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए उत्तरित की गई है और मैं यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित ध्येयतयों, अर्थात् :—

(1) बी० ए० ए०,
2060 कतरा, तन्वाकू
नई दिल्ली-110003 ।

(अन्तरक)

(2) अक्षय प्रोपर्टीज एण्ड इन्व्हेस्टीज (प्रा०) लिमिटेड
115, अक्षय भवन, 10, के० जी० मार्ग,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त दृष्टों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

पनुबुधी

पत्र नं० 57, बरत सं० 143, 14, कस्तूरबा, गांधी
मार्ग, नई दिल्ली, 5342 वर्ग मीटर ।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002 ।

दिनांक : 7-11-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/3-85/

1545—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० तादादी 3000 वर्ग फीट, है तथा जो सी-
555, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री तर्ज अधिवारी के
कार्यालय, अर्जेन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री रण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती
(अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी बाब की वापस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वास्तव
में करी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(घ) ऐसी किसी बाब या किसी भव या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भवन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरित होना प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
5—366 GI/85

(1) श्रीमती सोहागवन्ती, श्रीमती स्वर्ण पाल, संतोष सिंह
हरबन्स सिंह, इन्दर जीत बालिया, श्रीमती नीलम
बघन, कुमारा हृषा बालिया, मैजर बलवन्त सिंह
निवासी—एम-219, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्री लवलीन सिंगल
1, अचारघाना बाग, सब्जी मण्डी, दिल्ली-7
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्तन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्तन के सम्बन्ध में कोई भी बाधने :-

(क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों को वे किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्तिकरणः—इसके अन्तर्गत उक्तों द्वारा नहीं कर, को उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही वर्ष होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रोपर्टी सी-535, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली-24,
तादादी 3000 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 4-11-85

मोहर :

प्रश्न बाह्य. टी. एन. एच. -----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० आर्डी० ए० सी०/एफ०/1/37ईई/3-85/1546---

अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी सं० फ्लैट सं० ए-1502, है तथा जो 98, नेहरू
प्लेन, एम० जी० 500 वर्ग फीट, में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप से अणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 5 मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित कर गइ है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि संपादक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का
गुण्य प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब बाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य है उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायत्व से
कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए
बाय/वा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तव्य
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सीकिपर टावरम प्रा० लि० ।
22, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक कुमार (एच० यू० एफ०)
सुरिन्द्र कुमार (एच० यू० एफ०) ओम प्रकाश
(एच० यू० एफ०)

बी-432, न्यू फेंडम कालोनी, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाय में समाप्त होती हो, के अन्तर्गत उक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा या उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० ए-150/2, 98, नेहरू प्लेन, नई दिल्ली तादादी-
400 वर्ग फीट ।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली नई दिल्ली-110002

दिनांक : 4-11-85

मोहर :

प्रकाशित: डी. एच. एच. 11-11-1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एफ०/1/37ईई/3-85/
1547--प्रतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 310 है तथा जो एफ०-14,
कनाट प्लेस, एम० जी० 786 वर्ग फीट, नई दिल्ली में स्थित
है (और इनमें उपर्युक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यहाँ यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का पूरा
प्रतिपात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिठियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए यह पाया गया
प्रतिफल, विध्वनिधित उद्योग से उक्त अन्तरण निश्चित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से 'हट' किसी अन्य की वास्तव उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के सम्बन्ध में
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य जास्तिबो
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था जिनमें से सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित हैं—

(1) श्री राकेश कुमार अग्रवाल (एच० यू० एफ०)
उमेश कुमार अग्रवाल (एच० यू० एफ०)
निवासी—10/4763 डिपटीगंज
सदर बाजार, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) ओसीनियर ट्रांसपोर्ट एण्ड इन्वेस्टमेंट कम्पनी,
289, शहीद भगत सिंह रोड, बम्बई ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहीयाँ शुरू करवा दीं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :—

(क) इस सूचना के उपरान्त में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि का तत्कालीन व्यक्तियों पर
सूचना की अवधि से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उपरान्त में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दुरुव्यव
स्थिति अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 310, कम्पीटेंट हाउस, एफ०-14, कनाट-
प्लेस, नई दिल्ली 78608 । वर्ग फीट ।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

नि रेंज-1 दिल्ली नई दिल्ली-110002

दिनांक 4-11-1985

मोहर :

प्रकर आई. टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 4 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू०/1/37ईई/3-85,

1548---अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० स्पेस नं० 19, 7वां खण्ड, है तथा जो ब्लाक ई, होटल कम कर्मस्थल कॉम्प्लेक्स, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, 638 वर्ग फीट। में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पावा नवा प्रति-अन्तर विनिर्दिष्ट उद्देश्य से उक्त अन्तरण निहित में वास्तविक रूप से अहित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन:-

- (1) नेहरू प्लेस होटलम लिमि०
इरोस सिनेमा, जंगपुरा एम्पटेशन नई दिल्ली-14
(अन्तरक)
- (2) श्री एच० के० मोजी पनी एच० एल० मेजी
पत्नी मेजी
हाउस नं० 55, सैफ्टर नं० 2-ए, चण्डीगढ़।
(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षे ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अनधिकृत रूप से प्राप्त लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्पेस नं० 19, 7वां खण्ड, ब्लाक ई, होटल कम कर्मस्थल कॉम्प्लेक्स, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली एरिया 638 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 4-11-85

मोहर :

प्रकाश बाई. टी. एच. एच.---

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ई/3-85/
1549—अतः मुझे, अर० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विषय करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० स्पेन सं० 54, डा० गोपाल दाम है तथा जो
28, बारा खम्बा रोड, नई दिल्ली-1, 200-28 वर्ग फीट में
स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1,
नई दिल्ली-1 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 वा 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के समयमान
प्रतिफल के लिए अंतरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके समयमान प्रतिफल से, ऐसे समयमान प्रतिफल का
पञ्च प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) व्यवस्था से हुई किसी बाय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायत्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए.

(1) गोपाल दास इस्टेट और हाउसिंग प्रा० लिमि०
28, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली-1

(अन्तरक)

(2) श्री देविन्द्र नाथ दासिया सुपुत्र योगराज दासिया
सी-5, आन जी० जी० कालोनी, भिखसागर,
(असाम), 785640।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश्व
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त सबों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

स्पेन 54, लोअर ग्राउण्ड डा० गोपाल दाम भवन, 28, बारा-
खम्बा रोड, नई दिल्ली-1, एम० जी-200-28 वर्ग फीट।

अर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नोट: जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की व्यवस्था
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

दिनांक : 4-11-85

मोहर :

प्रकाशित: टी, एन, एल.-----

सावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सार्वजनिक सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस आर-3/

3-85/1550-अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

सावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० 17, 79-80 है तथा जो
नेहरू प्लेस, एमजी 303 वर्ग फीट में स्थित है (और इसमें
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली
1 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख मार्च 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए एवं पावा नवा
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की वापस, उक्त
अधिनियम के अधीन करने की अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
की जाए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय सावकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
अनुसूचित अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा की जाए।

इस बाब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) ले० कर्नल रिटायर्ड आई० जी० माथुर,
96 बी, पाकिट ए-14, काकलजी एक्सटेंशन,
नई दिल्ली-1।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० जी० जार्ज,
ई-20, ग्रेटर कैलाश-1,
नई दिल्ली-1।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के उपरान्त में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उपरान्त में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

शाप नं० 17, 79-80, सतकार बिल्डिंग, नेहरू प्लेस
नई दिल्ली, एमजी 303 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 4-11-1985

मोहर :

प्रकाश बाई. टी. एन. एल.-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भाषाकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/1/37ईई/3-85

1551—अन: मुझे, आर० पी० राजेश,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 118 है तथा जो 38, नेहरू
प्लेस, 361 वर्ग फीट में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, नई दिल्ली-1 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
मार्च, 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके ध्यमान प्रतिफल से, ऐसे ध्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिस्ती (अन्तरिस्तीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कभीत नही किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाबत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रदाकर्त अन्तरिस्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्गीकृत :-

(1) श्रीमती नलिनी अग्रवाल,
पत्नी श्री राजीव अग्रवाल
49/1, राजपुर रोड,
दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री किशोर गिडवानी सुपुत्र,
लेट श्री जी० टी० गिडवानी,
डी-79, डिफेंस कालोनी,
नई दिल्ली-1,

(अन्तरिस्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

व्यष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 118, प्रथम खण्ड मल्टी स्टोरी बिल्डिंग,
38, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली-110019, 361 वर्ग ।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 4-11-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू०/1/37-ईई/3-85/
1525—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 203, फ्लैट नं० डब्ल्यू०
है तथा जो 111, 1610 वर्ग फीट नई दिल्ली-1 में स्थित
है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली-1
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख मान 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
वन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
मिथित में वास्तविक रूप से कीयत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी अन्य की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, आईई 8—

(1) मै० कमल इण्ड प्राइसेस,
जी-48, ग्रीन पार्क,
नई दिल्ली-16

(अन्तरक)

(2) श्री एन० ए० अक्षवार (एयूफ),
14, पूर्वी मार्ग,
नई दिल्ली-57,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 203, प्रथम खण्ड कमल अपार्टमेंट का,
फ्लैट नं० डब्ल्यू०-111, ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, ग्रेटर कैलाश-
2, नई दिल्ली, एरिया 1610 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 4-11-1985

मोहर :

प्रकृष आइ.टी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आइ० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/3-
85/1535—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी संख्या एम-2, एम-167 है तथा जो ग्रेटर
कलाश-2, नई दिल्ली-1 में स्थित है (और इसमें उपाखण्ड
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय (रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
मार्च 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच गैर अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में सामाजिक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किरा ज्ञाना आदि था. छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
हैं और उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

26—366GI/85

(1) मै० एकेम कंस्ट्रक्शन (प्रा०) निमिटेड,
ए-7/2, न्यू फ्रेडम हाबोनी,
नई दिल्ली-1, 1

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मंतीष कुमारी पत्नी,
श्री प्रताप सिंह,
निवासी एम-273 ग्रेटर कलाश-2,
नई दिल्ली-1 1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

एम-2, दूसरा खण्ड, निर्माणाधीन एम-167, ग्रेटर कलाश
2, नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 4-11-1985

मोहर:

प्रकृष बाई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निवेश सं० आई० ए० सी०/एम्पू०-1/37-ईई/3-85/
1554—अतः मुझे, आर० पी० राजेश

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थान सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 1600 वर्ग फीट है तथा जो निवासीय
फ्लैट इन रियर ब्लॉक 3 खण्ड मल्टी स्टोरी हाउसिंग स्कीम
9 बी० के० रोड नई दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
गणित्व में कमी करने या उनसे अपन में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों
का, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अर्थात् किसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों को सूचित :—

(1) मै० कैलाश भाथ एण्ड एसोसिएट
1006 कनचनबर्ग 18 बाराखम्बा रोड,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) प्रेम कुमारी खाबडा और
अंजूबीर, श्री
32, रीगल बिल्डिंग, पानियामेट स्ट्रीट,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थात् अक्षरों के
पास लिखित में दिये जा सकेंगे।

समाप्तिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिखा गया है।

अनुसूची

ए, रेजिडेंस फ्लैट रियर ब्लॉक, 1600 वर्ग फीट
तीसरा खण्ड, मल्टी स्टोरी ग्रुप हाउसिंग स्कीम, नीलगिरी
अपार्टमेंट, 9, बाराखम्बा रोड नई दिल्ली 1 एक कार पार्किंग
स्पेस ।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक: 4-11-1985
मोहर:

प्रकृष बाई.टी.एन.एच. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एम्पू०-1/37ईई/3-85/
1555-अनः मुझे, आर० पी० राजेश,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी संख्या 750 वर्ग फीट है तथा जो फ्लैट नं०
1011, 22, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है
(और इसमें उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1,
नई दिल्ली-1, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विस्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) वास्तव में यह किसी भाष की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
से कभी करने या उससे बचने में इच्छा के लिए;
और/वा

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूचना
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) म० स्कीपर सेल्स प्रा० लि०,
22, बाराखम्बा रोड,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री संजय बंसल,
बी-15, ग्रेटर कैलाश-1,
नई दिल्ली-1।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाही करा रहा है।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों ने न किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1011, 22, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली
तादादी 750 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक: 4-11-1985,
मोहरः

प्रश्न बाढ़. टी. एन. मुह. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू०-1/37ईई/3-85/
1556—अतः, मुझे, आर० पी० राजेश,
नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 1502 ए, 89, नेहरू प्लेस
एमजी 372 वर्ग फीट, है तथा जो नई दिल्ली-1 में स्थित
है (और इसमें उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जुन रेंज-1,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्तावेज
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और भूकें यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और
अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
सिद्धि में वास्तविक रूप से अभिवृद्ध नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाढ़ की वजह से, उक्त
अधिनियम के अधीन कट रहे हैं अन्तरक के
स्वत्व में कमी करने या उसके बचने में सूविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, नायकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थना :-

(1) मै० स्कीपर नेल्स प्रा० लि०,
22, बाराखम्बा रोड,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मिस रीतिका नारंग,
ए-43, न्यू फ्रीड्स कालोनी,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के साथ
लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुमोदी

फ्लैट नं० 1502-ए, 89, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली;
372.40 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक: 5-11-1985

मोहर:

प्रकट आई. टी एन एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निदेश सं० आ० ए० सी०/एक्यू-1/37ईई/3-85/
1557-अतः, सूक्ष्म, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या तादादी 300 वर्ग फीट फ्लैट न०
जी-9, 98, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित
है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जुन रेंज-1,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1985

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्राप्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्राप्तिफल से, उसे इस प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरवर्ग) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के दावों पर अन्तरण के लिए प्रयत्न किया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बाध की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उक्त बचने में सुविधा
के लिए और/वा

(ख) ऐसी किसी बाध या किसी धन या अन्य वास्तविक
का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
भारत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
अ, बी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथावत् :-

(1) मै० स्कीपर टावर्स प्रा० लि०,
22, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री सतीश धवन,
नं०-109, कोर्नो नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सूचना के अन्तर्गत
कार्यवाही करा रहा है।

उक्त सम्पत्ति के अर्थों के संबंध में कोई भी बाधक ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्समवन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी एक की द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वादी, तत्समवन्धी या तत्समवन्धी व्यक्तियों के
पास लिखित में किया जा सकता है

लक्ष्यीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 में परिभाषित
हैं, उक्त अधिनियम के अध्याय में दिया
गया है

अनुसूची

फ्लैट न० जी-9, 98, नेहरू प्लेस नई दिल्ली, तादादी
300 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश
सहायक प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक 5-11-1985
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एम्पू०/1/37ईई/3-83/
1558--अतः, मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या बैसमेंट नं० 4 है तथा जो 60 नेट्स
प्लेस, नई दिल्ली 644 वर्ग फीट में स्थित है (और इसमें
उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1 दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख मार्च 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरक की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
वर्ष प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) व बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से व्यक्त नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसे कि किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-ब की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सिंह एंड स्माईल

5 ए/185 इन्डियन, करोल बाग,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री कर्नवीर खुराना

डी-99, कमला नगर,
दिल्ली-7 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिताब्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

धनुसूची

बैसमेंट नं० 4, स्काईलाक, 60 नेट्स प्लेस, नई दिल्ली
तापसी 644 वर्ग फीट ।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली

तारीख : 5-11-1985
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/3-85/

1559—अतः, मुझे, आर० पी० राजेश,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य,
1,00,000/- रु में अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० बी-52 है तथा जो डिफेंस
कालोनी, एमजी, 1662 वर्ग फीट, नई दिल्ली में स्थित है
(और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 85

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के नियम पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक निम्नलिखित में
गोपनीयता के अन्तर्गत नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरक से हुई किसी भाव की भावना, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
अन्तरण में कमी करने या उक्त अन्तरण के अन्तरण
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भाषाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रवर्धनार्थ अन्तरिणी द्वारा उक्त नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, निम्नलिखित में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) मेजर मुल्क राज मलिक एंड मंस (एचयूएफ)
सी-94, डिफेंस कालोनी
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री कंवलीजीत सिंह मुपुत्र
श्री सज्जन सिंह
निवासी एच-34, ग्रीन पार्क एक्सटेंशन
नई दिल्ली ।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करना है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाधा :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जथाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वीकृति :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० बी-52 डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली एमजी-
1462 वर्ग फीट एंड मैजनिम-200 वर्ग फीट ।

आर० पी० राजेश
सहायक प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 5-11-1985

माह 5

प्रारूप आई टी एन.एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/3-85/

1560—अतः सूचे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सूचना प्रधिकारों को, यह विश्वास करने का करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार 1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी संख्या एमजी-570 वर्ग फीट है तथा जो फ्लैट नं० 102, बी एम सी हाउस, एम-ब्लाक, कनाट पलेस नई दिल्ली में स्थित है (और इसका उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख माच 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, उसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच अन्य अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है।

(क) अंतरण से है किसी धन की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक की दायित्व में करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० रात्रल अपार्टमेंट (प्रा०) लि०

119, कम्प्यूटेड हाउस-एफ-14, कनाट पलेस नई दिल्ली-1।

(अन्तरक)

(2) श्री कमल कुमार बेदी एंड

विमल बेदी

डी-13, बागरी मार्केट, 71 कैनिंग स्ट्रीट,

कलकत्ता-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उसके समानांतर व्यक्तिगत रूप से सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवाचक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 102 बीएमसी हाउस, कनाटपलेस, नई दिल्ली
570 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 5-11-1985

गोहर 8

प्रूप. आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एन्यू०/1/37ईई/3-85/

1561—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 635 वर्ग फीट है तथा जो बैलमेंट
नं० 2, 60 नेरुक पलेज नई दिल्ली में स्थित है (और
इससे उपरि उल्लेख में और पूर्ण रूप से वर्णित है)-
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख मार्च 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
आया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-
—366 GI/85

(1) म० जिजू एंड समीर
5 ए/185 डब्ल्यू० इ० ए० करोजवाग
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री बी० एम० बहल सुपुत्र
श्री बी० एन० बहल
ग्रोर मिनेज के० बहल पत्नी
बी० एम बहल
सी-7/200 सकररजंग डिवेलपमेंट एरिया
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के संबंध में निम्न
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बैलमेंट नं० 2 सजाईनाक, 60 नेरुक पलेज नई दिल्ली
सादादी 635 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश
सजन प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

तारीख : 5-11-1985
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/3-85/

1562—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 1110 वर्ग फीट है तथा जो प्लॉट
नं० 3 ए, डी-2, कालिंदी रींग रोड, नई दिल्ली में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिाधरी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
वन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, आयकर
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
बायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अपसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैं नं० मेहा बोध एस्टेट्स,
डी-2, कालिंदी, रींग रोड,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री जगदीश तलवार और,
श्रीमती कुसुम तलवार,
11, पार्क रोड, बन पुर,
वेस्ट बंगाल,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 6 ए, नाहादीप, डी-2, कालिंदी रींग रोड,
नई दिल्ली, एरिया 1110 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 7-11-1985

मोहर :

प्रत्यक्ष आई.टी.एन.एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/3-85/
1563—आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसे संपत्ति एमजी-832 वर्ग फीट है तथा जो
प्लॉट नं० 101, बीएमसी हाउस, सीओएन नई दिल्ली में
स्थित है (और इसने उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन
रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन सार्वजनिक मार्च 85

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नरेन्द्र आनन्द (एचयूएफ)
सी-202, डिफेंस जालोनी,
नई दिल्ली-110024।

(अन्तरक)

(2) मित्र सारिका गुलाठी,
बाबू पूजा गुलाठी,
बेबी गुलाठी,
एस-166, ग्रेटर कैलाश-1,
नई दिल्ली-48
मास्टर आशिष वधवा,
बेबी शक्ती वधवा और
बेबी स्वेठा वधवा,
एस-510, ग्रेटर कैलाश-1,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई जांच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 101 बी एक सी, हाऊस, कनाट सर्कस,
नई दिल्ली-1, ताबादी 832 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 7-11-1985
मोहर :

प्रथम भाग टी.एन.एस.-----

भाषक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन

भारत सरकार

कार्यालय. सहायक भाषक भाषक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस०/1/37ईई/3-85/
1564—अतः मुझे, अतः पी० राजेश,

भाषक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या बी-13 है तथा जो 38, नेहरू प्लेस
नई दिल्ली एमजी 375 वर्ग फीट में स्थित है, (और इससे
उपवास अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
करी अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख मार्च 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक है कि किसी भाष की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या अन्य वास्तविक
को जिन्हें भारतीय भाषक अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरक
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जन :

(1) श्री० अरुण प्रोपर्टीस एंड इंडस्ट्रियल (प्र०)
लिमिटेड,
115 अरुण भवन, 10, रो० जी० मार्ग,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मास्टर पंकज श्रीर सुपुत्र,
श्री रविन्द्र कुमार,
3/215, सुभाष नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बी-13, 38, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली। ए.ए.बी 357
वर्ग फीट।

अतः पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भाषक अध्यापक (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 7-11-1985
मोहर :

इसमें धारा 21, एच. एच. एच. एच.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रैंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आ.ई० ए० सी०/एचयू०/1/37ईई/3-85/

1565—आ० मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि वधापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
100,000/- रु. से अधिक है।

और निम्नी सूचना एमजी 476 वर्ग फीट है तथा जो प्लॉट
नं० 1401, 3B, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और
इसके उपरान्त अनुपूर्व में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्री की अधिकारी के कार्यालय, अर्जुन रैंज-1, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन जारी मार्च 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि वधापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एक प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्यय से कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैं अंसल प्रोपर्टीज, एंड इंडस्ट्रियल (प्रा०)

लिमिटेड,

115 अंजल भवन, 10, के जी मार्ग,

नई दिल्ली-1

(प्रसारक)

(2) श्री आर० एम० धीर सुपुत्र,

श्री एम० एम० धीर,

केजर अफ श्री जी० एल० सूबा,

निवासी के-53, जंगपुरा एस्टेट,

नई दिल्ली।

(प्रारंभिक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 1401, 3B, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, 476
वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रैंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 7-11-1985

मोहर :

प्रारूप भाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/3-85

1507—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 466 वर्ग फीट है तथा जो प्लॉट नं० 706 प्रकाशदीप, 7 टालस्टाय मार्ग नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या कसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री आर० एल० संवातो एंड
आ० निसेज आर० संवातो
विवासी सी-20 ग्रीन पार्क
नई दिल्ली-16

(अंतरक)

(2) सूरि इन्टरप्राइसिस 93, माऊंट रोड भारत इन्वोर्सेस
ब्रिडिंग भद्रास-1

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कामवाह्या करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 706 (7वां खण्ड) प्रकाशदीप 7 टालस्टाय
मार्ग, नई दिल्ली, सादादी 466 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 7-11-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/3-85/
1568—प्रतः मुझे, आर० पी० राजेग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सशम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या एमजी 221 बर्ग फीट है तथा जो स्पेस नं० III, 17 बाराहम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इसे उपाग्रह अनुपूर्वों से और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार कार्यालयों के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16) के आधीन तारीख मार्च 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए भुगतान किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगतों, अर्थात् :—

(1) श्री ध्रुव गुप्ता
सुपुत्र श्री जे० पी० गुप्ता
निवासी 207, सुखदेव बिहार,
नई दिल्ली।

(धरतरक)

(2) श्री रतनवीर सिंह जोशी सुपुत्र,
श्री एन० एन० जोशी
निवासी 70 ए, न्यू कनाट पलेड
देहरादून यू० पी०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्पेस नं० III (वैसमेंट) 17, बाराहम्बा रोड, नई दिल्ली
221 बर्ग फीट।

आर० पी० राजेग
सजन प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 7-11-1985

मोहर :

प्रथम भाग, टी. एन. एन. -----

(1) मीत रेल.इ. प्रार्थना (ग) लि०
ए-1/149 हयपुरी ।आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

कारण प्रकाश

(अन्तरक)

(2) श्री भुवनेश कुमार चावला और
श्रीमती बीना चावला
द्वारा 29/10, ईस्ट पटेल नगर
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (भिरिकाण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ०/1/37ईई/3-85/

1500—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इससे पहले 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1 00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी संख्या 670 वर्ग फीट है तथा जो प्लॉट नं०
बी/27 कैलाश कालोनी नई दिल्ली में स्थित है (और इसे
उपानुसंधान में और पूर्ण रूप से बॉगा है), रजिस्ट्रार-
पर्स अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख मार्च 85को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और
मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-
रितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिद्धि में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;अतः आ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगेस्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुप्राची

पत्र नं० 2, बी/27 कैलाश कालोनी, नई दिल्ली
670 वर्ग फीट।आर० पी० राजेश
सज्जन प्राविण्यी

सहायक आयकर आयुक्त (भिरिकाण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 7-11-1985

मोहर:

अध्याय 20 एन एन -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 नवम्बर 1985

(1) सै० अंसल प्रोपर्टीज/एंड इंडस्ट्रिज (प्रा०) लि०
115, अंसल भवन, 16 के जी मार्ग,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री गविन्द कुमार अग्रवाल,
श्री राधेश्याम,
निवासी 50/18, न्यू रोहनक रोड,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

निर्देश स० ग्राई० ए० सी०/एक्यू/1/37ईई/3-85/
1570—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सहायक आयुक्त को दृढ़ विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/ रु है अधिक है
और जिसकी सख्या एमजी 450 वर्ग फीट है तथा जो प्लॉट
नं० 1511, 38 नेहरू प्लेस नई दिल्ली में स्थित है (और
इसमें उपावृद्ध अनुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख मार्च 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित करी गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
आयत्व में कमी करने या उसमें बचने में गतिविधि
के लिए और/या

(ख) किसी आय या कमी धन या अन्य आयियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्य
अधिनियम 1957 (1957 का 2) के
अधीन, भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
का या किसी अन्य अधिनियम के अधीन में मारिधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

28—366GI/85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा आक्षेप उठाने का पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के दूरे परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 1511, 38, नेहरू प्लेस नई दिल्ली तादादी
450 वर्ग फीट ।

आर० पी० राजेश
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख 7-11-1985
मोहर :

परुष भाइ, टी. एन. एस. का कहना है कि यह सच है

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिन 7 नवम्बर, 1985

निर्देश म० आई० ए० पी०/एक्य०/1/367ईई/3-85/
1571—अतः मझे, आई० पी० अजेग,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिज्ञप्ती सं० 600 वर्ग फुट है तथा जो नैम्बेट नं० 1
मी०, बक्शी हाउस, नई दिल्ली में स्थित है (श्री० इससे
उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिभागी के कार्यालय अर्जन गेज-1 नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्री रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच उसे, अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के लिए—
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

किसी भाय का बाबत उसके भा-
विष्य के बर्णन कर देने के अन्तरक के दावित्व में
कमी करन या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(क) ऐसी किसी जाय या किसी धन अन्य प्राप्तियों को, बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में मदिष्ट है तब;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
जहाँ, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्रीमती पदार्थों को तब तक नहीं ग्राह्य कोल निपासी
वर्गों में, भागों में।

(ग्रन्थः)

2 श्री रा. : गुप र गुल गव मप ई-32, ईस्ट आफ
कैलाज, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह भुजना जारी करके प्रवांक्त सम्पत्ति के अर्ज के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रॉपर्ट न० 1 सी बक्की हाउस, 40-41, नेहरू
प्लेस, नई दिल्ली तादादी 600 वर्ग फुट।

प्र. ० पी. राजेश

नक्षम प्रावि-तरी

सहायक आयुक्त, आयुक्त (निरीक्षण)
अर्थ न रेंज, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 7-11-1985

मोहर :

(अन्तरक)

(अन्तरितः)

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एकप्र०/1/37-ईई/3-85/
1573--अन मुझे, आर० पी० राजेश,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सड़वा सम० जी० 600 वर्ग फीट है जो जा बैसमेट न० 1 बी०, 40-41, नेहरू प्लेस नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपर्युक्त अनुसूची में वर्णित है), रजिस्ट्री तथा अधि मी के कार्यालय अर्जन रेज-I नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) इसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तव्य का, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1 श्री नमन्द्र नाथ काला मुधुल आ गतीन्दर नाथ काला
नवासी, बरबर बाह, श्रीनगर।

(अन्तरण)

2 श्री रमेश कुमार एण्ड सं० ई-37, ईस्ट आफ
बैलाश, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्तन के लिए कार्यवाहियां करवा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्तन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपाहस्ताधारी के पास लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिये गये हैं।

अनुसूची

बैसमेट न० 1, बरशी हाउस, 40-41 नेहरू प्लेस नई दिल्ली ताददी 600 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 7-11-1985

मोहर :

प्रमुख माह. टी. एम. एच. -----

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराकरण)
अर्जन रेंज-I नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिना 8 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/प्र०/1/37-ईई/3-85/
1874-अन मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

आर० सी० सी० 600 वर्ग फीट है तथा जो प्रॉपर्टी नं० 1/40-
41 नेहरू प्लॉट, नई दिल्ली में स्थित है (आर० सी० से उपबद्ध
अनुसूची में आर० पूर्ण रूप से वर्णित है), प्राप्ति अधि-
कारी के कार्यालय अर्जन रेंज-I नई दिल्ली में भारतीय
राजस्व अधिनियम, (1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत का रहे है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्ववर्तित सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एम० दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ए० अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुए किसी नाम की दावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दावत में कमी करने या उससे बचने से सुविधा
के लिए; बाहु/बा

(ख) ए० किसी नाम या किसी धन या अन्य वास्तवों
का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 1) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहते थे, अन्तरण में सूचना
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्न लिखित व्यक्तियों, वर्णित :-

1. श्री निन्दर राय कोल गुप्त तौन्दर कोल निवासी
बन्धुप घाट, श्रीनगर।

(अन्तरक)

2. जे० एन० सहगल एन्ड संसाई-321 ईस्ट आफ
कैलन, नई दिल्ली।

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी दावा :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में या किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोदस्ताक्षरी के माध्यम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बैंगमेट नं० 1ए०, बक्शी भवन, 40-41 नेहरू प्लॉट,
नई दिल्ली तादादी 600 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश

अध्य प्राधि त्र

सहायक आयकर आयुक्त (निराकरण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 8-11-1985

मोहर.

प्रकाशित: टी. एम्. ए. ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू०/1/37-ईई/3-85/
1575—अतः, मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके धराया 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एमजी० 135 वर्ग फीट है तथा जो स्पेस
नं० 111, 22, के० जी मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (और
इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक है कि किसी अन्य की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अधिनियम
के कमी करने या उक्त अन्य के अधिनियम के लिए;
बाह्य/मा.

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भूत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में जीवित
के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
अ, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के अधीन :—

1. मेसर्स मनी राज कुमार, ई-452, ग्रेटर कैलाश-2
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मेसर्स सुनीता लाकरा जे-6/119, राजौरी गार्डन,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ:

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्तम्यन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बोधन:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रथम खण्ड, वातानुकूलित स्पेस नं० 111, प्लॉट नं०
22 में, कस्तूरबा गाँधी मार्ग, नई दिल्ली। 135 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 8-11-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू./I/37-ईई/3-85/

1576—यतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एम० जी० 323 वर्ग फीट है, तथा जो जी-3, 44, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और हमने उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि

यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बहुत प्रतिशत से अधिक है, और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने से अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें अपने में परिवर्धन के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना माना था, जिससे अन्तरण के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अंतरितियों, संपत्ति :—

(1) श्री एन० सी० गि० श्री श्रीमती विरेन्द्र कौर, नि०-39, एम० ई० एम० ई०-2, नई दिल्ली। (अन्तरक)

(2) श्री सी० गौरव आहूजा और विवेक आनन्द आहूजा निवासी आहूजा भांसियन (फाजिल्का) पंजाब। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक अवधि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्योक्ताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का या उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शाप नं० जी-3, लगभग 323 वर्ग फीट ग्राउन्ड फ्लोर और 83 वर्ग फीट मैजान्तिन फ्लोर, दिनार भवन, 44, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 8-11-1985

मोहर :

प्रारूप आई टी.एन.ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिकारी

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/73-ईई/3-85/

1577—यतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एमजी० 409 वर्ग फीट है तथा जो फ्लैट न० 202, 89, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पट्टा प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की अवधि, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सम्पत्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम के धारा 269-ब के अन्तर्गत, मैं उक्त अधिनियम के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती सुष्मा खन्ना सी०-68, ईस्ट आफ कैलाश, नई दिल्ली। (अन्तरक)

(2) श्रीमती उषा कृपना श्री गोपाल कृपना मास्टर कृपना और सजीव कृपना और सौरभ कृपना, एच-22, लाजपत नगर-3, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में उक्त भी संक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि को भी अवधि बाद में समाप्त होती है के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों को किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, बहाइस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट न० 202, 89, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली। 409 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख 8.11.1985

प्रश्न बाई.टी.एच.एच.-----

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/3-85/
1578--प्रतः मुझे, भार० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 550 वर्ग फीट है तथा जो प्लेट नं० 1002,
20, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, अर्जन-1, रेंज, नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अन्तर्गत
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाना नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी भाग की, वास्तव, उक्त
अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के
बाजार में कमी करने या उतरे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जा
या या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा
कोलए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिनियम, अधिनियम 4--
29—366 GI/85

(1) स्कीपर सैलस (प्रा०) लिमि०, स्कीपर भवन,
22, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री अमिन बमल बी-15, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली-
48।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के लिखित
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त कणों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है :

अनुसूची

प्लेट नं० 1002, 22, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली
तादादी 550 वर्ग फीट।

भार० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 8-11-1985

मोहर :

प्रकाश भाई. टी. एन. एड.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आयकर, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निदेश य ई० ० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/3-85/

1579—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवक्षित करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका संचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एम० जी० 460 वर्ग फीट है तथा जो एम-
167, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रोज-1 नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन;
तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अद्यतन
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवक्षित
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके अद्यतन प्रतिफल से, ऐसे अद्यतन प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिणी
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
द्वारा से कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिष्ठाता :—

1. एपेक्स कंस्ट्रक्शन (प्रा०) लिमि० ए० 7/2, न्यू फ्रेंड्स
मालोनी, नई दिल्ली-65।

(अन्तरक)

2. श्री सुन्दराल प्रकाश अस्थाना एम०-307, ग्रेटर
कैलाश-2: नई दिल्ली।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों कराया है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी अन्तरण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की जारीत से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
ग्राह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में विव-
वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृतिकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिये
गये हैं।

अनुसूची

यूनिट अपार्टमेंट नं० 1, सामने का पोरशन द्वारा
खण्ड (विस्डिंग का) यू०/सी०/एम०-167, ग्रेटर कैलाश-
2, नई दिल्ली 1 सादादी 460 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश

मुख्य प्राधिकारी

सहायक आय० अ० आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख 8-11-1985

मोहर

प्रमाण कार्य, टी. एन. ए. ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सादा दरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/3-85/
1586—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० 684 वर्ग फीट है तथा जो जी०-7, ईस्ट
कैलाश नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), निम्नीकृत अधिकारी के कार्यालय
अर्जन रज-1 नई दिल्ली में भारतीय राजस्त्री रण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उक्त ह्यमान प्रतिफल से, एक ह्यमान प्रतिफल का
अन्य प्रतिफल से अधिक है और अतः (अन्तर्गत) और अन्तर्गती
(अन्तर्गती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
द्वारा में कभी करने या जससे बचने में सुविधा
की लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षों में—

क श्रीमती सरला सुन्दर सिंह, सिमवर्मा सुन्दर सिंह न०
17, मकंटर 5, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2 श्रीमती स्वर्नलता गुप्ता मास्टर सुनाल गुप्ता
निवासी-24-डी, कमला नगर, दिल्ली।

(अन्तर्गती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाही कराए गए हैं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन की सम्पत्ति में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्युत्पादकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्ति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रेजिडेंसल हाउस 684 वर्ग गज जी-47, ईस्ट अफ
कैलाश, नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख 8-11-1985

मोहर :

प्रासूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/3-85---

1581—अतः मुझे, आर० पी० राजेश:

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन बंधन प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 206 है, तथा जो 19, बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली 500 वर्ग फीट में स्थित है (और उससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण का से वर्णित है), रजिस्ट्री इत्यादि अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवहार प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके व्यवहार प्रतिफल से, ऐसे व्यवहार प्रतिफल का बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त व्यवहार लिखित में प्रास्तविक रूप से अधिस्त नहीं किया गया है :-

(क) व्यवहार से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कहा जाने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उचित करने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1 श्री कैलाश नाथ और एसोसिएट 10

चंगा, 18 बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली-1।

(अन्तरक)

2 श्री डी० आर० शर्मा (एच० यु० एफ०) डब्ल्यू-

129, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के पश्चात् में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात्, व्यक्तिगत पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो की अवधि कम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अपवादकारी के पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और बातों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अवसुची

प्लॉट नं० 206, दूसरा खण्ड, मल्टी स्टोरी कोमर्सियल बिल्डिंग, 19 बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली 500 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश

मध्यम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख 6-11-1985

मोहर :

प्रत्यक्ष, टी.एन.ए.-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/3-85/
1583—अन० मुझे: आर० पी० राजेश,
भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० प्लेट नं० 5, 19, बाराखम्बा रोड है तथा
जो 500 वर्ग फीट नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उत्पन्न
अनुसूची में पूर्ण मूल्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिपति के
कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
प्रत्यक्ष रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय के बावत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तिबों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिपति :—

1. मैसर्स कैलाश नाथ और एसोसिएट 100
कंचनजंगा, 18, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।
(अन्तरक)
2. श्रीमती अचला शर्मा, और आर० डी० शर्मा निवासी
इक्यू-129, ग्रेटर कैलाश-I और मैसर्स पुष्पावन्ती
शर्मा और एस० आर० शर्मा दोनों ए-128,
इन्दरपुर, नई दिल्ली।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 5, दूसरा खण्ड 500 वर्ग फीट। 19,
बाराखम्बा, रोड, नई दिल्ली। (अनुसूची)।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 6-11-1985

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यान्वय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/3-85/

1583—अतः मुझे, आर० पी० राजेश:

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 502, 16, नेहरू प्लेस है तथा जो 502 वर्ग फीट में स्थित है (और हमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उत्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री विजय चर्च सुपुल पी० एम० चर्च एम०-183,
ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. बेबी पूजा मेहता, मास्टर मनोज जेहता, यू० जी० मिसर्स सरोज मेहता, मास्टर निरज नय्यर और बेबी मंजू नय्यर यू० जी० मिसर्स उषा नय्यर निवासी सी-115, लाजपत नगर-I, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सम्पन्न होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 502, कुन्दन हाउस, 16, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली 945, वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 6-11-1985

मोहर :

अध्याय 1 टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

प्रारम्भ प्रकाश

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/3-85/1584—प्रतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके बराबर 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विचार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० स्पेस 80 सी०, है तथा जो डा० गोपाल दास भवन, 28, बाराखम्बा रोड 191 वर्ग फीट में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल से लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अधिपर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए अब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निहित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों के जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के एक-दूसरे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सहायता के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स गोपाल दास एस्टेट एण्ड हाउसिंग प्रा० लिमि० 28, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली ।
(अन्तरक)

2. श्री भवनीश खोसला (एच० यू० एफ०) सुपुत्र डा० पी० एल० खोसला निवासी एन०-115, कनाट प्लेस, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए आवश्यकताएं करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी साक्ष्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों 45 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्पेस 80 सी० आन लोअर ग्राउंड फ्लोर, डा० गोपाल दास भवन, 22, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली । 191 वर्ग फीट ।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 6-11-1985

मोहर :

प्रारूप आर्द्र टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/4/37-ईई/3-85
1587—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० 422, प्लेट नं० 38, नेहरू प्लेस है तथा
जो 491 वर्ग फीट में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय में नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैमर्स ग्रंथाल प्रापर्टी एण्ड इन्डस्ट्रीसज (प्रा०)
लिमिटेड 1115, ग्रंथाल भवन, 16, के० जी०
मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मैमर्स गुलमोहर होटल (प्रा०) लिमि० 2एफ०/16,
ग्रंमारी रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 422, 38, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली। 491
वर्ग फीट :

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 6-11-1985
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/3-85/

1587—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 414, है तथा जो 38, नेहरू
प्लेस 580 वर्ग फीट में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत
से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्त-
रितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में बंधी करने या उसमें संचयन में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
के जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

30—366 GI/85

1. मैसर्स ग्रंथल प्रापर्टीज एण्ड इन्डस्ट्रीज (प्रो०) लिमि-
टेड 115, ग्रंथल भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई
दिल्ली। (अन्तरक)

2. मैसर्स गुलमोहर होटल (प्रो०) लिमि० 2ई०/16,
ग्रंथारी रोड, दरिया गंज, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
प्रयोजन किया गया है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 414, 38, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली ताबादी
580 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली 110002

तारीख : 6-11-1985

मोहर :

प्रकृष आई. टी. एन. एन.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/3-85/

1588—अतः मुझे, आर० पी० राजेश

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह पताचान करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 417 है, तथा जो 38 नेहरू
प्लेस, नई दिल्ली 1363 वर्ग फीट में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
मार्च 1985

का पंजीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
रकड़ प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरजा) और अन्तरिती
(अन्तरिगतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
के कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तविकता
को, बिना भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम के भायकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स अंसल प्रोपर्टीस एण्ड इन्डस्ट्रीस (प्रा)
लिमिटेड 115, अंसल भवन, 16, के० जी०
मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मेसर्स गुलमोहर होटल (प्रा०) लिमिटेड 2ई०-16,
अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, नहीं अर्थ होगा या उस आकाश में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 417, 38, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली। तादावी
363 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 5-11-1985

मोहर :

प्रथम भाग, टी. एच. एफ. एफ.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/3-85/

1589—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विचार करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 1321 है, तथा जो 38, नेहरू
प्लेस, 406 वर्ग फीट में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनु-
सूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च
1985

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के लगभग
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विचार
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके वर्तमान प्रतिफल से, एक व्यवधान प्रतिफल का
बहुत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एवं अन्तरण के लिए प्रयोज्य
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की भावतः, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी वन या अन्य वास्तियां
को, जिन्हें भारतीय कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित/द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना बाधित था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मेसर्स अंसल प्रोपर्टीज एण्ड इन्डस्ट्रीज (प्रा०) लिमि०
115 अंसल भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई
दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री विरेन्द्र कुम मिकंद सुपुत्र चौधरी प्रितम सिंह
रविन्द्र सिंह, एम० सिकंद सुपुत्र प्रितम सिंह,
डी०-4, लाजपत नगर-2, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सर्पल के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में आदि भी आशय

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 1321, 38, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली तादादी
406 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश
सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 5-11-1985

मोहर :

प्रकृष आर्. टी. एर. एर. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/3-85/
1580—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 412 है, तथा जो 38, नेहरू
प्लेस 610 वर्ग फीट में स्थित है (और इसमें उपलब्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16 के अधीन, तारीख 1 नवंबर 1935),

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतक के बावित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वस्तुओं
को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या प्रकृत अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्षित :—

1. मेसर्स ग्रंथल प्रोपर्टी एण्ड इन्डस्ट्रीस (प्रा०) लिमि०
115, ग्रंथल भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मेसर्स गुनमोहर होटल (प्रा०) लिमि० 2ई/16,
ग्रंथारी रोड, दरिया गंज, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
आवश्यकता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें पर्यक्त भवनों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 412, 38 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली। तावादी
610 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 5-11-85

मोहर :

अध्याय 21 के अन्तर्गत

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/3-85/
1591—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
संकेत पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
₹ 06,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० फ्लैट नं० 414-ए है तथा जो 38, नेहरू
प्लेस, 450 वर्ग फीट में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय में नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1985
में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
सबसे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
तिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच गणना अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निर्मूलनिष्ठ उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
अस्तित्व के रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की धारा (1)
के अन्तर्गत निर्मूलनिष्ठ शक्तियों, अधिस्तः :—

1 मैमर्स असल प्रोपर्टी एण्ड इन्डस्ट्रीज प्रा० लिमि०
115, असल भवन, 16, कस्तुरबा गांधी मार्ग,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2 मैमर्स गुलमोहर होटल (प्रा०) लिमि० 2ई/16,
अमारी रोड, दरियागज, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

अतः, उक्त सूचना के अन्तर्गत न केवल के लिए
जाहिरात का प्रकाशित है।

अतः, उक्त सूचना के अन्तर्गत न केवल के लिए

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
व्यक्ति अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ;

स्पष्टीकरण :—इस सूचना के अन्तर्गत न केवल के लिए
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 141-ए, 38, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली
तादादी 450 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश
सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख 5-11-1985

माहुर :

प्रथम भाग. टी. ए. ए.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

साहायक आयकर अधिकारी

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक: नवम्बर 1985

निर्देश सं० 1/37ईई/3-85/1592--अतः मुझे, आर० पी०
राजेश,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 415, है तथा जो नेहरू प्लैस
नई दिल्ली-1 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीयार्ता अधिपति के कार्यालय नई दिल्ली
में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16)

के अधीन तारीख मार्च, 1895

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की दायत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिपति :--

(1) श्री प्रोपर्टीज एंड इन्डस्ट्रीज प्रा० लिमि०

115 अंसल भवन,

16, के० जी० मार्ग,

नई दिल्ली।

(अन्तरित)

(2) गुलमोहर होटल प्रा० लिमि०

25/16, अंसारी रोड,

दरियागंज, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के दृश्यमान
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 413, 38, नेहरू प्लैस, नई दिल्ली 110 वर्ग
फीट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002।

तारीख : 5-11-85

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निर्देश नं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37इ/3-85/

1593—अतः मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

औरिंगकी नं० 415, फ्लैट 1 है तथा जो 38, नेहरू
पलेस, नई दिल्ली 1560 वर्ग फीट में स्थित है (और इसमें उप बद्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री तथा अधिकारी के
आधीन नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरण (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या इनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) अरुण प्रापटीत्र एंड प्रा० लिमि०

115, अमल भवन,

16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) गुल मोहर होटल (प्रा०) लिमि०

2इ/16, अमल रोड,

दरिया गंज, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवहियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नम्रपत्र

फ्लैट नं० 415, 3इ, नेहरू पलेस, नई दिल्ली तादादी
560 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002।

तारीख : 5-11-85

मोहर :

प्ररूप भाइ' टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आर० पी० राजेश/एक्यू/ईई/3-85/1594

अतः मुझे आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि रबावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या नेहरू प्लैट नं० 416 है तथा जो 16
केजी मार्ग, नई दिल्ली 598, वर्ग फीट में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली भारतीय रजिस्ट्रीकरण मार्च
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीष मार्च
198

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से ऐसे द्यमान प्रतिफल का
सम्बन्ध प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव का वास्तव, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शक्ति में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
आर० पी०

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय भावकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) का
प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, किया जाने सुविधा
के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
के, जै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिनियम :-

(1) अंसल प्रोपर्टी एंड इन्डस्ट्रियल प्रा० लि०,
115, अंसल भवन,
16 केजी मार्ग, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) गुप्त मोहुर हॉटल प्रा० लिमि०
11, अंसल भवन, 16 के० जी० मार्ग,
नई दिल्ली

(अन्तरित)

जा यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए
आवश्यकता करता है।

उक्त सम्पत्ति के बचन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
भाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
प्राप्त लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 416, नेहरू प्लैस, नई दिल्ली। 598 वर्ग
फीट

आर० पी० राजेश
सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, दिल्ली नई दिल्ली-110002

तारीख: 5-11-85
मोहुर:

प्रकृष बाई. टी. एन. इत. - - -

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/3-85/
1595—अतः, मुझे प्रार० पी० राजेश

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी क० सं० प्लॉट नं० 421, 58, नेहरू प्लेस,
406 बर्ग फीट नई दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 1908क: (16) के अधीन, दिनांक, मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवहार
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवहार प्रतिफल से ऐसे व्यवहार प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
नमूनेलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाबत
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाव में सूचित
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
के, के, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

31—366GI/85

(1) अंसल प्रोपर्टी एण्ड इन्डस्ट्रीज प्रा० लिमिटेड
115, अंसल भवन, 16 के० जी मार्ग,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) गुल मोहर होटल (प्रा०) लिमिटेड
2एल/16, अंसारी रोड,
दरिया गंज, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अध्यात्मस्थानों के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 421, 38, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली तादादी
406 बर्ग फीट ।

प्रार० पी० राजेश
उपम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 5-11-1985

मोहर :

पञ्चम भाग, पी. एन. एन. -----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/ 37ईई/3-85/

1596--अन: मुझे आर० पी० राजेज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० 101, प्रथम खण्ड, है तथा जो
97, बजाज हाऊस, 354 वर्ग फीट, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि उक्त पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(2) उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारा से कमी करने या उसमें वर्धन में सुविधा
से लिए; और/वा

(3) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
आशय से लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्वयण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री श्रीमवती शर्मा
पत्नी आर० ए० शर्मा
निवासी डी-3, सोमी नगर,
नई दिल्ली

(अन्वयक)

(2) श्री लखपत राय भूटानी
पुत्र जयाराम दाम भूटानी
नलीत भूटानी,
सुपुत्र लखपत राय भूटानी,
1020, फाटक मुफ्तीवाला,
दरियागंज, नई दिल्ली-2

(अन्वयिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को वर्धन में लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्धन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षण :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या यह
अवधि बाद में समाप्त होती है।
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहार शर्तों के पास
लिखित में किए या बढेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शाप नं० 101, प्रथम खण्ड, 97, बजाज हाऊस, नेहरू
प्लेस, नई दिल्ली 1 तादादी 354 वर्ग फीट

आर० पी० राजेज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, दिल्ली, नई दिल्ली 11000

तारीख : 5-11-85

मोहूर :

प्रमुख बाई. टी. एन. एल. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, 5 दिनांक नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई/3185/

1597—अतः मुझे आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
आग्रह है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,10,000/-रु. से अधिक है

आयकर अधिनियम सं० फ्लैट नं० जी एफ-1 है तथा जो एलाइट
हाऊस, फ्लैट नं० 36, कम्युनिटी सेन्टर, कैलाश कालोनी,
नई दिल्ली 397 वर्ग फीट में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनु-
सूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री अथवा अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का (16) के अधिनियम तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,
एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच
अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बाधित
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अनुसूची अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन है—

(1) एलाइट डेवेलपर्स प्रा० लिमि०
115-अंसल भवन,
16, के० जी० गांधी मार्ग,
नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री सोहन लाल मेहरा
सुपुत्र बी० डी० मेहरा,
ए 14, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली
सुमित्रा देव भटना
पत्नी जे० एन० भटना
सी-98, लाजपत नगर-1,
नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाढ़ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

सूचीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्वय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० जी० एफ० 1, एलाइट हाउस फ्लैट नं० 36,
कम्युनिटी सेन्टर, कैलाश एक्सटेंशन (जमरुदपुर) नई दिल्ली
397 वर्ग फीट

आर० पी० राजेश

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 7-11-85

मोहर :

प्रकट आई.डी.एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सं०/एक्यू०/1/37इइ-3-85/1598-

---अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट न० जी० एस०-4, है तथा जो प्लॉट न० 36, कम्युनिटी सेंटर, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली 427 वर्ग फीट में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में पूर्ण, रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ती अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायित्व प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायित्व प्रतिफल से, ऐसे दायित्व प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तिक को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्थितियों, अर्थात् :—

(1) एलाइट डेवेलपमेंट (प्रा०) लिमिटेड,
115, अंसल भवन,
16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री के० के० मेहता (एच० यू० एफ०) धुर
कर्ता के० के० मेहता
सपुत्र सोहन लाल मेहता
निवासी ए-14, डिफेंस कालोनी,
नई दिल्ली-24

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट न० ए-4, एलाइट हाऊस प्लॉट न० 36,
कम्युनिटी सेंटर, कालोनी एवं कन्स्ट्रक्शन, ज मरुपुर, नई दिल्ली
ए 427 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश

सक्षम अधिकारी।

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 5-11-85

मोहर :

सकल बातें. डॉ. एन. एन. क.-----

वाचक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वाचक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेंट रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई 3-85/
1599—अन: मुझे, आर० पी० राजेश

वाचक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० जी० एफ०-3, है तथा जो प्लॉट
नं० 36, कम्युनिटी कैलाश कालोनी, नई दिल्ली 4, 35 वर्ग
फीट में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीयती अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1985

को पञ्चोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि वधापञ्चोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके व्यवमान प्रतिफल से ऐसे व्यवमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वास्तव उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत की
व्यवस्था में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वस्तुओं
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
वाचक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रावधानों अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या विधान में सुविधा
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वधाई—

(1) एलाइट डेवेलपमेंट (प्रा०) लिमिटेड,
115, अंसल भवन, 16 के० जी० मार्ग,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती उषा रानी नय्यर
पत्नी जी० आर० नय्यर
सी-115, लाजपत नगर-1, नई दिल्ली-24

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पञ्चोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप—

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पञ्चोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसम्बद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

फ्लैट नं० जी० एफ०-3, एलाइट प्लॉट नं० 36, कम्युनिटी
सैंटर, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली। 435 वर्ग मी।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेंट रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-10002।

तारीख : 5-11-85
मोहर

प्रकरण भाग टी.एन.एच.-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, तारीख 5 नवम्बर, 1985

निर्देश सं. आर्डी० ए० सी०/एक्यू०/1/37इड/3-25/-
1500—यत मुद्दे आर्० पी० राजेश

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या जी० एफ०-2, प्लॉट न० 3, है तथा जो
कैलाश कालोनी एम० जी० 424 वर्ग फीट नई दिल्ली में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), जिसकी-
वर्गीकृत अधिनियम के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निर्दिष्ट में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उतरे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगत, अर्थात् :—

(1) एलाइट डेवलपमेंट (प्रा) लिमिटेड,
115, अग्रल भवन, 6-एस्तुरबा गान्धी मार्ग,
नई दिल्ली

(अन्तरिती)

2) श्री क० क० सहता

मुमुता सोहन लाल मेहता

निवासी ए-14, डिफेंस कालोनी,

नई दिल्ली-24

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जांच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट न० जी० एफ० 2, एलाइट हाऊस प्लॉट न० 36
अनिटी सेक्टर, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली-424, वर्ग फीट 1

आर्० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002।

तारीख 5-11-85

मोहर :

प्रारम्भ बाई. टी एन एह -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, तारीख 5 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आर० पी० सी०/एफ०/1/3733/3-85/-

1601—अनू. सू० आर० पी० राजेश

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सहायक प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीरत्निलाली पंथा जी० एफ० 3, प्लॉट नं० 36, कैलाश मालीनी
एकमटेसन, 417 वर्ग फीट में स्थित है (और
इसमें आठवें अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री नं०
अधिपरी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख माघ
1985

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एतद् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निश्चित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाबत में कमी करने या उसमें बचन में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या अन्य अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाए गए स्रोतों
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
मे, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति को, सूचित हूँ—

(1) एलाइट डेवलपमेंट प्रा० लिमिटेड,
115, अमल गान, 16, के० जी० मार्ग,
नई दिल्ली

(अन्तरक)

2) श्री जी० ए० आर० तथार (एच० यू० एफ०)

यम ग्लोबल गैस तथार,
सी-98, लाइपल नगर-1
नई दिल्ली-24

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० जी० एफ० 5, प्लॉट नं० 36, कैलाश मालीनी
एकमटेसन, नई दिल्ली 417 वर्ग फीट

आर० पी० राजेश

सहायक प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख 5-11-85

मोहर

प्रकृष बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अग्रज रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, तारीख 5 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आर० पी० सी०/एक्यू०/1/37इ-3-85/-

1692—अतः मुझे आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसे मकान फ्लैट नं० बी-1, प्लॉट नं० 36, है तथा
जो कैलाश कालोनी एक्सटेंशन 432 वर्ग फीट 1 में स्थित है
(और इससे आसपास अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की इष्टमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इष्टमान प्रतिफल से, ऐसे इष्टमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के शायिल
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) एलाइट डेवेलपमेंट प्रा० लिमिटेड
115, ग्रंथाल भवन, 16, के० जी० मार्ग,
नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) ए० के० इन्टरनेशनल,
डी-4/1, अफदरजंग एनक्लेव,
नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० बी-1, एलाइट हाउस, 36, कम्प्यूनिटी सेन्टर,
कैलाश कालोनी, एक्सटेंशन, जमखपुर, नई दिल्ली

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अग्रज रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 5-11-85

मोहर :

प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/3743/3-85/-

1603—अतः मुझे आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या रियर प्रोशन जी० एफ० 18, है तथा जो टोडर मल, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपरोक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 18) के अधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वधा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
32—366 GI/85

- (1) श्री बृज एंटरप्राइजेस (प्रा०) लिमिटेड,
ई514, झंडेवाला एक्स्टेंशन,
नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्री भारत कुमार गुप्ता,
99, आनन्द लोक, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिद्ध कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रियर प्रोशन आउटफ्लोर 18, टोडर मल रोड,
नई दिल्ली

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 5-11-85
मोहर:

रूप. आई. टी. एन. एस्. - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

नई दिल्ली, तारीख 5 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/3-85/

1604—अतः मुझे आर० पी० राजेश

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लेट नं० 1402, 38, नेहरू प्लेस
485 वर्ग फीट, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाय
अनुसूची में पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहुत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

[क] अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारित्व से कमी करने या उससे बर्जनों में सूचना
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) असल प्रोपर्टीज एण्ड इन्व्हेस्टीस प्रा० लिमिटेड,
115, असल भवन, 16 के० जी० मार्ग,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती त्रिपता शर्मा
पत्नी एच० आइ० शर्मा
श्रीमती सुरेन्द्र शर्मा
पत्नी एच० डी० शर्मा,
ई-77, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जनों के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जनों के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट 1402, 38, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली तावादी
485 वर्ग फीट

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 5-11-85
मोहर :

(अन्तरक)

(अमृतरिती)

तारीख : 5-11-85
मोहर :

संख्या 269-ग (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी०/एक्यू/37/ईई/3-85/

1606--प्रतः मुझे आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थान सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 423, है तथा जो 38, नेहरू
प्लेस, 477 वर्ग फीट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), आयकर अधिकारी के कार्यालय
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर रिजिस्ट्रारण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को व्ययमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
कम का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का
बहु प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिद्धि में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उक्त उद्देश्य से सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के अर्थ है :-

(1) असल प्रोपर्टीस एंड इन्वेंस्ट्रीज (प्रा) लिमि०
115, असल भवन, 16 के० जी० मार्ग,
नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) गुलमोहर होटल (प्रा०) लिमि०

2ई/16, अंसारी रोड, वरीयागंज, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धारा :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोदृष्टाक्षणी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 423, 38, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली तावारी
477 वर्ग फीट।

आर० पी राजेश

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 6-11-85

मोहर :

प्रमुख न्यायाधीश, एन.ए.ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, तारीख 6 नवम्बर, 1985

निर्देश सं. आई. ए. सी. 0/एम्.ए. 1/37ईई/3-85/
1807--अतः मुझे, आर. पी. राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 611-ए, है तथा जो 22, बारा
खम्बा रोड, 500 वर्ग फीट में स्थित है (श्रीर इससे उपाय
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, अर्जुन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर
अधिनियम 1961 के अधीन मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं, प्रार्थित हूँ—

(1) स्कीयर सेल्स (प्र०) लि०
22, बाराखम्बा, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अंजू घई
पत्नी विजय घई
निवासी एम-183, ग्रेटर कैलाश-2,
नई दिल्ली-48

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 611-ए, 22 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली
तादादी 500 वर्ग फीट।

आर. पी. राजेश
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 6-11-85
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू/1/1/37इ/3-85/
1600—अतः मुझे, आर० पी० राजेश

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

ऑरिजिन की संख्या फ्लैट नं० 1108 है तथा जो 38 मेहक
प्लैट एमजी 580 वर्ग फीट में स्थित है (और इसे उपाखंड
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री की अधिारी के
वायान्त अर्जन रेंज, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधि-
नियम 1961 के अधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण की गई किसी भी धारा की धारा उक्त
अधिनियम के अधीन उक्त धारा की धारा के
वायान्त में कमी करने या उक्त धारा में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धारा या किसी धारा या धारा का स्थिति
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण
की, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :-

(1) अंजल प्रोपर्टी एंड इन्डस्ट्रीज (प्रा०)

115, इन्दौर भवन

16, के० जी० मार्ग नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मेहक होजरी मिल्स

5509 अरुणा हरफून सिंह

सदर बाजार दिल्ली-0

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1108, 38, मेहक प्लैट, नई दिल्ली, लावादा
580 वर्ग फीट

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110008

तारीख: 6-11-85

मोहर:

प्रकरण आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, तारीख 6 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3756/3-85/
1609--प्रतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 1215 है तथा जो 30, नेहरू
प्लेस, तादादी 560 वर्ग फीट में स्थित है (और इसमें उपाखण्ड
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), आरक्षण अधिनियम के अन्तर्गत,
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961
के अधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) अंजल प्रोपर्टी एन्ड इन्फ्रस्ट्रक्चर (प्रा०) लि०,
115, अंजल भवन, 10, के० जी० मार्ग,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० सी० जैन (एज० यू० एफ०)
मास्टर एदीन जैन
सुपुत्र राजीव जैन,
ईडी-136, टैगोर गार्डन,
नई दिल्ली-27

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1215, 30 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली
560 वर्ग फीट ।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 6-11-85
मोहर:

प्रकट नम्बर: टी.एन.एच.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37इए/3-85/
1610—प्रतः मुझे, धार० पी० राजेश,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 415 है तथा जो 38, मेहरू
प्लेस, एमजी 361 वर्ग फीट नई दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) धार० प्राधिकारी के
वार्डन अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय भायकर अधिनियम,
1961 के अधीन, तारीख मार्च 85

के पञ्चस्र सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उचित बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तव्य
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, य
सन्-१९५७ अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनाय पन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था; कियाने में
सुविधा के लिए।

अतः धर, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

(1) अंसल प्रोपर्टीज एन्ड इन्व्स्टीज (प्रा०) लिमिटेड
115, अंसल भवन, 10, के० जी० मार्ग,
नई दिल्ली ।

(प्रत्यारक)

(2) गुलमोहर होटल (प्रा०) लिमि०
7ई/16, अंसारी रोड,
वरियागंज, नई दिल्ली ।

(प्रत्यारिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा यथाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 410, मेहरू प्लेस, नई दिल्ली तादादी 361
वर्ग फीट ।

धार० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 6-11-85
मोहर :

बकर बाई दी. एच. एल.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू०/1/37इड/3-85/

1611-प्रतः मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 419 है तथा जो 38 नेहरू
प्लेस नादादी 584 वर्ग फीट में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय अर्जुन रज-1 नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 85

को पंजीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहुत प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिली
(अंतरिलियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पादा गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उक्त बचत में सविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

33—366 GI/85

(1) अना गोपटीम एड्ड डस्ट्रीम (प्रा) लिमि०

115, अना भवन,

16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) गुलमोह्य होटल (प्रा) लिमि०

2ई-16 अंसारी रोड, दरियागंज

नई दिल्ली

(अन्तरिली)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में निहित
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सत्यापनः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 419, 38 नेहरू प्लेस नई दिल्ली, नादादी
584 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 6-11-85

मोहर

प्रकरण आई. टी. एन. एच. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, तारीख 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37,इड/3-85/-

1612—अन: मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जो कि धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 420 है तथा जो 38, नेहरू
पलैस, नई दिल्ली 399 वर्ग फीट में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधि-
नियम, 1961 के अधीन तारीख मार्च 85

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के बीच तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अंतरण में हुई किसी आय की वार्षिक, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
अधिकतम से कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के, जिन्हें भारतीय आय का अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए या छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
मेरे द्वारा अधिनियम की धारा 269-ब का उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) अंपल प्रोपर्टीस एंड इन्डस्ट्रीस (प्रा०) लिमि०

115, असल भवन,

16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) गुलमोहर होटल (प्रा) लिमि०

2ई/16, अमारी रोड,

दरिद, गज, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में किया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 420, 38, नेहरू पलैस, नई दिल्ली 399 वर्ग
फीट

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 7-11-85

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एच.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, तारीख 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37इड/3-85/-
1613—अतः सूचित, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिमकी संख्या प्लेट नं० 24, है तथा जो 3 और 4, साउथ इंड लेन, नई दिल्ली 1810 वर्ग फीट में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय अर्जुन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख मार्च 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और नतीजे यह दिखाने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के इन्द्रज प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निर्मालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कांथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय को बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाबिल में कमी करने या उससे बचने में भूमिका के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार हमें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कैलाश नाथ और एसोसिएट्स
1006, कंचनजंगा, 18, बाराखम्बा रोड,
नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) मिरा अरुना सुलतान
डी-278, डिफेंस कालोनी,
नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा आह्वयकारी के पास लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वाक्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

निवायि प्लेट नं० 24, एरिया 1510 वर्ग फीट तीसरा खण्ड, सर्वेक्ट क्वार्टर नं० 25, एरिया 130 वर्ग फीट दूसरा खण्ड और खुला ग्रेस एरिया 170 वर्ग फीट मल्टी स्टोरी ग्रुप हाउसिंग स्कीम गोरी अपार्टमेन्ट 3 और 4 साउथ इंड लेन, नई दिल्ली और कारपाकिंग सेपेस।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 7-11-85

मोहर :

प्रकृष जाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, तारीख 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37इइ/3-85/
1004—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या रियर फ्लैट सं० एल 10, है तथा जो कैलाश
कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), आयकर अधिकारी के कार्यालय अर्जन
रेंज 1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961
के अधीन मार्च 85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए दाय
रामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उपबोध से उक्त अन्तरक
विहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन यह कि अन्तरक के
वाचित्व में कभी करने या उक्त दाय में दायित्व
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकी
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या वा किया जाना चाहिए था, जिन्होंने वे दायित्व
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अनिल कुमार,
एकम-17, होजबास, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री अजय कली
ए 1/271, सफदरजंग, एनकलेस, नई दिल्ली

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पक्ष
सिद्धित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रोपोज्ड रियर फ्लैट आउटड फ्लोर एल 10, कैलाश
कालोनी, नई दिल्ली

आर० पी० राजेश

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)।
अर्जन रेंज 3, दिल्ली, नई दिल्ली 110002

तारीख : 7-11-85

मोहर :

प्रकृष भार्. टी. एन. एस.

- (1) रिलाईम अपार्टमेंट (प्रा०) लिमि०
प्लॉ 1/149, इन्दरपुरी, नई दिल्ली

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, नई दिल्ली

- (2) श्रीमती धनवन्ती गोपलानी
पत्नी सन्तोष गोपलानी
निवास डब्ल्यू 167, ग्रेटर कैलाश-2,
नई दिल्ली

(अन्तरिती)

नई दिल्ली, तारीख 7 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/3788/3-85/
1615—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसकोषवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मूल्या यूनिट न० 3, है तथा जो बी 27, कैलाश कालोनी एमजी 670 वर्ग फीट में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), आयकर अधिकारी के कार्यालय अर्जन रज 1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख याच 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पुनर्गठन प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पभा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की गवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बन के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, बधाति :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्चन के संबंध में कोई बाधोप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट न 3, बी-27, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली
670 वर्ग गज

आर० पी० राजेश

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, दिल्ली, नई दिल्ली 110002

तारीख : 7-11-85

मोहर :

प्रथम भाग-डी.एन.ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० आर्डी० ए० सी०/एक्यू/1/37ईई/3-85/1616

अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

श्री. जितकी सं० एन. आर. पार्किंग, है तथा जो एन-वेन्समेंट,
19, बी०के० रोड, नई दिल्ली में स्थित है (श्री. डी. वि. उपाध्याय
अधुनी में श्री. पूर्णचंद ने वर्णित है), एजिस्ट्री तथा आयकर अधि-
कारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर
अधिनियम, 1961 के अधीन, सारीख मार्च, 1985

को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्तेमाल
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वतः सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्तेमाल प्रतिफल से ऐसे इस्तेमाल प्रतिफल का पंख
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए ठग पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक अधिकृत
में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) क्योंकि यह किसी व्यक्ति या व्यक्ति के द्वारा, उक्त
अधिनियम के अधीन कट्टे के अन्तरक के
कारण से कमी करने या कट्टे करने के लिए
के लिए; और/या

(ख) किसी व्यक्ति या किसी वय या अन्य व्यक्ति
को, किन्हीं भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रभावनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिये था. छिपान में
सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के द्वारा :-

(1) कैलाश नाथ और एसोसिएट्स,
1006, संजयजंग, 18, बाराखम्बा रोड,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) बाबा भिन्न चरन सिंह
29, बर्बर लेन नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए
कार्यवाहियों करता है ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एन. खुला पार्किंग, 1लोअर बैकमेंट मल्टी स्टोरी बिल्डिंग,
(समिथिल), अर्जन रेंज, 19, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली ।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 7-11-1985
मोहर :

प्रकृष बाई टी एन ए - - - -

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक नवम्बर 1985

निदेश सं. आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/3 85/1617-

अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिनकी सं० ए-350, ग्रेट कैलाश-2, है तथा जो एम० जी०
300 वर्गफुट 1 नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनु
सूची में आर वर्ग का भूखण्ड है), निम्नलिखित आधिकारी
के कार्यालय, अर्जन रेज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयुक्त अधि-
नियम, 1961 के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में एस दृश्यमान प्रतिफल का
प्रत्यक्ष प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित
में कमी करने या उससे बचन में सम्पत्ति के लिए
और/वा

अनुसूची

आउन्ड फ्लोर फ्लेट ए-350, ग्रेट कैलाश-2, नई दिल्ली
तादादी-300 वर्ग फीट।

को ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सम्पत्ति
का जिनमें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रावधानों अन्तर्गत द्वारा पकड़ नहीं किया जा
या नहीं किया जाना चाहिए या छिपाव में नहीं
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्री लखन सिंह,
ई-28, मोहम्मद पुर, नजदीक आर० के० पुरम,
नई दिल्ली।

(अन्तरण)

(2) निशा सिंह
ए-238 डिफेंस कॉलोनी,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना के तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी
अवधि बाद में संपादित होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

तारीख 7-11-1985
मोहर

प्रश्न बाह्य. टी. एन. ए.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं. आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/3-85/
1618--अतः. मुझे, आर० पी० राजेश,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सभ्य प्राधिकारी को यह विस्मय करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एर-462, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, नई-दिल्ली, एम०जी० 208 वर्ग गज 1 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), आर० पी० अधिकारी के कार्यालय अर्जुन रेज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयुक्त अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मैंने यह विस्वास करने का कारण है कि उपावृद्ध संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण के द्वारा किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के बाबत के कभी करने या उक्त दाय्ये में सूचना के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी भाग या किसी भू-भाग या किसी वास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाषकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भू-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किन्ना बाधा बाह्य या, जिन्में से सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) चन्दर कास्ता

ए-6, गिंग रोड, एन०डी०एस०ई०-1,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) राजपाल सिंह मन्धु,

निवास-7330, गोवर्धन एवेन्यु नं० 21,
रोसिडो-91335 सी०ए०, यु० एस०
ए० श्रीर शिवपाल सिंह
निवासी-059, बुडफिल्ड रोड, फ्रेनफोर्ड, [होउसलो,
मिडलेक्म द्वारा एटोर्नी ले० कर्नल टी० एम० गिल,
रिटायर्ड,
निवासी-बी-52, प्रथम खण्ड, एन० डी० ए० ई०-
पार्ट-2, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवर्धक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकारण:-इसके प्रयुक्त धर्मों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

सहस्र

विंगिय युनिट द्वारा खण्ड एस-462 ग्रेटर कैलाश-1
नई दिल्ली, 208 वर्ग गज।

आर० पी० राजेश

क्षेत्र प्रधिति

सहायक आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज-1, नई दिल्ली

तारीख 7-11-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एकयु०/1/37ईई०/3-85/
649--अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० फ्लेट नं० 707, है तथा जो 89, नेहरू प्लेस,
एम्०जी० 551 वर्गफीट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961
के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
सन्तुष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन काट देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब क अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

34-366 GI/85

(1) मिस्टर कंवलजीत कौर,
पति सूरत सिंह,
सी०-169, डिफेंस टालोनी, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) रोहित गुप्ता
मुपुत्र श्री रविन्द्र गुप्ता,
निवास-87, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 707, 89, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली ।
तादादी 551 वर्ग फीट ।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली ।

तारीख : 7-11-1985
मोहर :

प्रत्यक्ष बाजार, टी. एच. एच. : -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक नवम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/3-85/

1620—अतः सुनो, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिस) इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 301, है तथा जो 13, टालसटाय मार्ग,
नई दिल्ली 696 वर्ग फीट में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), आयकर अधिकारी के कार्यालय,
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961,
के अधीन तारीख मार्च, 1985 .

प्रस्तावित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
मतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि अध्याप्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
मूल्य प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिणी
(अन्तरिणी) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए उस पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित अनुसूची में उक्त अन्तरक अधिनियम के प्रावधानों
के अधीन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से कुछ भी नहीं था कि बाद में उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे उक्त में सुविधा के लिए
की गई।

(ख) इसी किसी बात या किसी रूप या अन्य वास्तु-
को, किन्तु राष्ट्रीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रबोधनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया गया बाह्य था, किन्तु के सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरक
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) बक्षी विक्रम विकास कन्स्ट्रक्शन्स कं० प्रा० लि०
13 टालसटाय मार्ग, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) अशोका राज नाथ (एच०एफ०)
डी०-834, न्यू कालोनी, नई दिल्ली ।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता है ।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 301, तावादी 696 वर्ग फीट, मल्टी स्टोरी बिल्डिंग,
13, टालसटाय मार्ग, नई दिल्ली ।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 7-11-1985

मोहर :

प्ररूप भाई.टी.एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/3-85/

1621—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० 350 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, एम०जी०-300 वर्ग गज, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), आयकर अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) एच० एल० कैथ

ई-128, मोहम्मदपुर, नजदीक आर० के० पुरम, सेक्टर-1, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

(2) मिसेज संगीत बोस

187ए, डी०डी०ए० फ्लैट, राजौरी गार्डन,

नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रथम खण्ड एस-350, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली
तादादी 300 वर्ग गज।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 7-11-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/3-85/

1622--प्रतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डम यू-1, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, एम० जी०-8070 वर्ग फीट, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), आयकर अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में दायित्वक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या वस्तु आदिवासे को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) पेशुदुरा सिंह सुपुत्र नाहर सिंह थीठ
स्थायी द्वारा हाइडल कन्स्ट्रक्शन (प्रा०) लि०
पोस्ट आफिस-मायाबंगलो, मेघालय
वर्तमान-डब्ल्यू-1, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली-48
(अन्तरक)

(2) बेनी प्रसाद, श्रीमति लज्जा गुनानी, श्री विनोद गुनानी
बीना गुनानी,
निवासी-सी-36, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली
स्थानान्तरण डब्ल्यू-1, ग्रेटर कैलाश-2,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बेसमेंट 1870 वर्ग फीट (इंक्लूसिव गार्ड)
ग्राउन्ड फ्लोर-36000 वर्ग फीट इंक्लूसिव क्वार्टर्स)
प्रथम फ्लोर 3600 वर्ग फीट (उपरलिखित)
ग्रेड जोड़-8070 वर्ग फीट ।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 7-11-1985

माहुर :

प्रकृष बाई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/3-85/
1623—अतः सुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० स्पेस नं० 16 (एल० जी० एफ०) है तथा जो
17, बी०के० रोड, एम० जी० 178 वर्ग फीट में स्थित है (और
(इस उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), आयकर
अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय
आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक
रूप से अधिष्ठ नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वर्गीकरण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) होती किसी आय या किसी भव या अन्य वास्तवों
को, बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, ज्ञान में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अवधारणा
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) गुजराल इस्टेट (प्रा०) लि०
17, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(3) विमला गुप्ता पत्नि श्री आर० के० गुप्ता
निवासी-10-1-127/1, मासब टैंक,
हैदराबाद-28

(अन्तरिती)

हैं यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की मारग्रीस से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्त व्यक्त द्वारा, अधोद्विग्राहरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपः—इससे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

स्पेस नं० 16, लोअर ग्राउन्ड विजया बिल्डिंग, नई दिल्ली
तादादी-178.5 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 7-11-1985
सोहर

प्रकाशित. टी. ए. ए. ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आर्ई० ए० सी०/एफ्यू०/3/37ईई/3-85/
1624--अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 12, है तथा जो 22 कस्तूरबा गांधी
मार्ग, नई दिल्ली, एम०जी० 687 वर्गफीट में स्थित है (और इससे
उदात्त अनुभूति में और पूर्णरूप में वर्णित है), आयकर अधिकारी
के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में आयकर अधिनियम,
1961 के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है

कि यह यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक
है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच
ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वजह, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक में
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकताओं
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) बलचिन्द्र कोर मिस कंवल प्रीत कोर
सी०-116, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली

(अन्तरण)

(2) डी० पी० सन्स,

512-ए, अंसल भवन, 16 कस्तूरबा गांधी, मार्ग,
नई दिल्ली -1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
रक्षक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के
पाठ लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यतीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एलामेंट इस्टेट फ्लेट नं० 12 7वां खण्ड।

22, के०जी० मार्ग, नई दिल्ली।

ताबादी 687 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी।

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 7-11-1985

मोहर :

प्रकाश आर्. डी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/3कईई/3-85/
1625-अत० मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी गं० प्लेट नं० 1114 है तथा जो 38, नेहरू प्लेस,
एम० जी० 580 वर्ग फीट 1, में स्थित है (और इससे उदात्त
अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख मार्च, 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपोस्त का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहुत प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में
से आम्बविक रूप से करित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) अंनल प्रोपर्टीज और इन्डस्ट्रीज,
प्रा० लि,
115 अंनल भवन, 16 के० जी० मार्ग,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) इन्टरनेशनल वसेटर लि०
382, आकाशदीप बिल्डिंग, बाराखम्बा रोड,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही कराई गई है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 1114, 38, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली
ताबादी 580 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 7-11-1985
मोहर :

प्रकृष्य आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/L-37ईई/3-85,

1626—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० एल०-48 है तथा जो कनाट प्लेस,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), अधिकारी रजिस्ट्रीवर्ती के कार्यालय, अर्जन रेंज-1
नई दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायिब्य में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सुदर्शन सेठ मिस्रंज उमा सेठ,
मिस्रंज सूरेश सेठ, मिस्रंज प्रेमिला सेठ मिस्रंज
मिस्रंज आशा सेठ, श्री नरेश सेठ
निवासी—सादा रयन हाउस,
डा० डी० एन० रोड, बम्बई ।

(अन्तरक)

(2) प्रगति कन्स्ट्रक्शन्स क०
(वेधिका चेम्बर्स), डब्ल्यू-49, ग्रेटर कैलाश-I
नई दिल्ली-48 ।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बन्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
है।

अनुसूची

प्लॉट नं० एल-48, कनाट प्लेस नई दिल्ली
तादादी—

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 7-11-1985

मोहुर :

प्रकृष माई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू०/1/31ईई/3-85/

1626 ए-आर० मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

अर्जुन रेंज-I सं० फ्लैट नं० 308, टिप्टा जं० 15, एल्यूमीनियम रोड
मार्ग, नई दिल्ली 394.37 वर्ग फीट में स्थित है (अर्थात् इससे
उपरोक्त अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), अतिरिक्त
अधिारी के कार्यालय, अर्जुन रेंज-I, नई दिल्ली में भारतीय रिजर्व
स्ट्रीकट अधिनियम, 1908 (1908 का 16) 1961
के अधीन जारी राखे, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी अन्य या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

35—366 GI/85

(1) तरकोट इन्डिया प्रा० लि०
एफ-43, भात सि० मार्केट, नई दिल्ली।

(अग्रजक)

(2) कोटि इन्डिया प्रा० लि०
सई कुट्टी 33, ईश्वर नगर, मयुरा रोड,
नई दिल्ली।

(अर्जुन रेंज-I)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि के बाद में समाप्त होगी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 308, तीपरी खण्ड अंडर एल्यूमीनियम मल्ली स्टोरी
15, फो० जं० मार्ग, नई दिल्ली। 394.37 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 5-11-1985

माहुर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 अक्टूबर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एकमु०/1/एस०आर-3/3-85/

709—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस 15 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली
में स्थित है (और इसका बट्टा श्री पूर्णेश से अधि-
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख मार्च 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है

और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्त-
रण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भव या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भवन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

तथा जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कृष्ण लाल सबली
सुपुत्र कृपा राम सबली
निवासी एम-15, ग्रेटर कैलाश-1,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. अशोक कुमार दूपूर
सुपुत्र जय दमस्त दूपूर
श्रीमति बेला दूपूर
पति अशोक कुमार दूपूर,
निवासी श्री-365, नु फेडर, गोलोनी,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

धनसूची

सामने का हिस्सा फ्लैट द्वारा खण्ड
प्रापटी नं० एम० 15, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीख : 30-10-1985
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 20 अक्टूबर 1985

निर्देश नं० आई० ए० सी०/एफ०/1/एन आर०-3/3-85/
710-प्र० मु०, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

आर० पी० राजेश नं० प्लॉट 11 डब्ल्यू, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली 500 वर्ग गज में स्थित है (प्रॉपर्टी उपवर्द्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री की अधिकारी
के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
8 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 85

को प्रस्तावित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरक की गई है और मुझे यह विश्वास
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा :-

- (1) उक्त परा पत्ति वी०पी० पुरी
निवासी-मकान नं० 22, निवासूदीन ईस्ट,
नई दिल्ली-13
(अन्तरक)
- (2) डी० वी० बत्तारा, श्री देवेन्द्र कुमार बत्तारा,
श्री नरेन्द्र कुमार बत्तारा और श्री हेमन्त कुमार बत्तारा
निवासी-डब्ल्यू-11, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट लैण्ड नं० 11, ब्लाक नं० डब्ल्यू, ग्रेटर कैलाश-2,
नई दिल्ली, ता.दा.दी 500 वर्ग गज ।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 29-10-1985
मोहर :

प्रारूप भाग टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० अई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०आर०-3/3-85/
711-मः मुक्त, आर० पी० राजेश;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और निम्नी सं० बिल्डिंग नं० 19, ई एच जी जगत नं० एम०
ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली 105 वर्ग गज में स्थित है (जो इसमें
उदाहरण के तौर पर आर० पी० राजेश के अधीन है), निम्नी सं० अधि-
कारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय निम्नी सं० अधिनियम,
1908 (1908 का 18) के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(ग) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) राज किशन प्रो० लि० ।
ए-5, एम्पोज एम्पोज,
नई दिल्ली ।

(अन्तरित)

(2) ईस्ट और वेस्ट इन्स्ट्रुमेंट्स एण्ड बिल्डर्स प्रो० लि०
'ग्रेटर कैलाश-2, ग्रेटर कैलाश सेक्टर,
नई दिल्ली ।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बोध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एग्जाबर वेप्रमेंट (अतिरिक्त)

बिल्डिंग नं० 19, ब्लॉक नं० एम, ग्रेटर कैलाश-2, 105 वर्ग गज,
में बना ।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज दिल्ली-1, नई दिल्ली

तारीख : 30-10-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेंट रैंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस आर० 3/
3-35/712 आर० सू०, आर० पी० सं० 10/1/2,
'आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

आर० सी० सं० 10(1/2) प्रेडर कैलाश-2
नई दिल्ली नं० 10(1/2) प्रेडर कैलाश-2, नई दिल्ली
में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अधीन, संपत्ति, 1985 (1985 का 16)
के अधीन, संपत्ति, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निहित से वास्तु-
विक रूप से अभिन्न नहीं किया गया है:—

(1) अन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावत
में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए;
आई/या

(2) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकी
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
जाया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
को, न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अन्तर्गत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिार 2--

(1) वि०: कुमार सुपुत्र आई० ए० सी० सं० 10/1/2,
बी-2/153, राजपत्र, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) एम० के० बहा, सुपुत्र टी० डी० बहा
4/12, सप्रिया बिहार, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाय 2--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिारकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

श्री नं० 10(1/2) प्रेडर कैलाश-2, नई दिल्ली

आर० पी० सं० 10/1/2

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रैंज दिल्ली, नई दिल्ली-110092

तारीख : 30-10-1985

बोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रैंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 अक्टूबर 1985

विधि सं० आई० ए० सी०/एन०/1/एन० धार०-3/3-85,
713० प्र० मुझे, धार० पी० राजेश,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसे सं० प्राप्ति नं० सी-147 है तथा जो ग्रेटर
कै (ए-2), एम० जी० बर्न गज, नई दिल्ली में स्थित है (और
इसका उद्देश्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) एंटी-
कॉपी आवेगारी के कारण, नई दिल्ली में एंटी-कॉपी-
अधिनियम, 1903 (1903 का 16) के अधीन तारीख
मार्च, 1935

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित का यह है और मुझे यह विश्वास
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्त-
रितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से बाधित नहीं किया गया है :-

(अ) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (i)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिसूच :-

(1) सुनील भाटिया और की० दे० भाटिया,
सर्वश्री जी० धार० भाटिया,
निवासी इन्सु-41, ग्रेटर कैलाश ई-1,
द्वारा एटारनी श्रीमती राज कुमारी भाटिया।
(अन्तरक)

(2) मे० सै० अमर्त्य ट्रेडर्स (प्रा०) लि०,
ई-1, स्वामी राम तीर्थ चमर, नई दिल्ली
द्वारा मेनेजिंग डायरेक्टर धार० दे० साहनी।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सेक्टर फ्लोर, प्राप्ति नं० 7, सी-47, तादावी 150,
ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

धार० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेंट रैंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 29-10-1985
मोहर

प्रथम भाग, टी.एच.एच.-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक: 29 अक्टूबर 1985

विदेश सं० आई० ए० सा०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/

3-05/714-आ० मुझे, आर० पी० राजेश

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसके इतने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

आ० पी० की सं० प्लॉट नं० 43, डब्ल्यू. स्टेशन है तथा जो
प्लॉट कैलाश-2, एम० पी० 400 वर्गगज नई दिल्ली में स्थित
है (आ० पी० उक्त अनुसूची में आर० पूर्ण रूप से परिचित
है) अधिनियम अधिारी के कार्यालय-नई दिल्ली में अधिनियम-
वर्ण अधिनियम, 1903 (1903 का 16) के अधीन तारीख
मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां
को, जिन्हें भारतीय भाषा-कर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

(1) श्री हरीचन्द्र सिंह श्री हंसने सिंह
निवासी ए०-313, ग्रेटर कैलाश-2,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री चन्द्र सैन जैन,
एस०-150, ग्रेटर कैलाश-2,
नई दिल्ली-40

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त हुआ है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्त-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाकृताक्षरों के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 143, ब्लाक नं० डब्ल्यू, ग्रेटर कैलाश-2, नई
दिल्ली । ताकदी 400 वर्गगज ।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-1, नई दिल्ली

अथवा यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, जो उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

दिनांक : 29-10-1985

मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रैंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 अक्टूबर 1935

विधि सं० आई० ए० सी०/एफ०/1/एस० आर०/1-3/
3-35/715-अ० मुझे, आर० पी० राजेश,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

आई.टी.सी. सं० प्लेट नं० 95 आर० एम० डि० तथा जो
रेजिस्ट्रार के पास है, नई दिल्ली में 324 धर्मराज में स्थित
है (जो इसे उक्त अधिनियम में और पूर्ण रूप से परिभाषित है)
आई.टी.सी. अधिनियम के अधिनियम, नई दिल्ली में 324 धर्मराज
अधिनियम, 1903 (1903 का 16) के अधीन तारीख मार्च
1935

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के निम्न अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कोशित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, धारा 269-घ की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्रेम प्रसाद शर्मा पुत्र काकुराया,
दिनांकी 034, बिरान दिहरी,
नई दिल्ली।

(अग्रज)

(2) श्रीमि सुनाय सहन सुनु एम० आर० सहन,
श्रीमि सुनाय सहन श्री एम० आर० सहन,
दोनों दिनांकी 200, डिफेंस हावेली,
नई दिल्ली।

(अग्रजिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताभरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

रेजिस्ट्रार प्लेट नं० 95, आर० एम० डि०, रेजि० कैलाश-2,
नई दिल्ली, तारीख 324 धर्मराज।

आर० पी० राजेश,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रैंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 29-10-1935

माहूर :

प्रकरण बाई.टी.एन.एस.-----

अध्यायक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 अक्तूबर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एफ्यु/1/एस० आर०-3,3-85,
716—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

अध्यायक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 4/16ए, 103 वर्ग गज है तथा जो जंगपुरा
बी, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निर्दिष्ट में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यालय में कमी करने या उससे बचने में सहायता
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गण
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 3—

36—366 GI/85

(1) श्री चमन लाल सुपुत्र तीर्थ राम,
निवासी 4/15 ए, जी०पुरा बी, नई दिल्ली,
वरुण प्रदर्शनी या मिह्राफ आफ हजारी लाल,
रण लाल और अर्दम ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती दर्शना देवी पत्नी चमन लाल,
निवासी 4/16ए, जंगपुरा बी, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसाबदुब
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और बर्णों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है :

अनुसूची

प्रापटी नं० 4/16ए, तादादी 103 वर्ग गज, जंगपुरा बी,
नई दिल्ली ।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 30-10-1985
मोहर :

प्रमुख आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस० आर०-3/3-85/

717—अतः मुझे आर० पी० राजश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ई-32, जंगपुरा एक्सटेंशन है तथा जो एम० जी० 288 वर्गज, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाय अन्तर्दूरी में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था छिपाने में सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) प्रकाश पी० सिंह, महिन्द्र सिंह,
श्रीमती गुरदीप कोमटकर और जोगिन्द्र कौर,
एम०-59, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री राम प्रकाश सेठी,
ई-32, जंगपुरा एक्सटेंशन,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० ई-32, जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली, एम० जी०, 288 वर्गज ।

आर० पी० राजश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 30-10-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 अक्तूबर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० आर०—
3-85/719—अतः मुझ, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निषेध करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जी० पी० नो० सिंगल स्टोरी है तथा जो
मकान नं० ए-80 निजामुद्दीन ईस्ट, नई दिल्ली में स्थित है
(और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च,
1985,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बांतिस्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) परमजीत सिंह, सुपुत्र स्वर्गीय रामदेव सिंह,
निवासी 45, मैत्री सोसायटी,
हरी नगर के पीछे, मजो रोड, बड़ोदा और
श्री यागवेश सिंह, निवासी एफ-20,
ईस्ट आफ कैलाश, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स जाफरी इन्टर नेशनल,
द्वारा पार्टनर रहमान सिंहकी और
मिसर्स सारवरी बेगम,
निवासी ए-80, निजामुद्दीन ईस्ट,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में बचा परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जी० पी० नो० सिंगल स्टोरी, मकान नं० ए-80, तादावी
200 वर्ग गज, स्थित निजामुद्दीन ईस्ट, नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 29-10-1985

मोहर :

प्रमुख बाधा (1) टी. एन. ए.-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/
720—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० एफ० सी० ब्लॉक है तथा जो
बी-1, (एक्सटेंशन) मोहन को० ओप० इन्डस्ट्रियल इस्टेट
लिमिटेड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि उपापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चदश प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कृत करने के अन्तरक के
वास्तविक से कमी कटने या उच्च से उच्च से सुविधा
के लिए; कोई/या

(ख) इसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तविकों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिये था, विधानों में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित कार्रवायों, अधिनियम है—

(1) रे कारपोरेशन,
ए-118, बजीरपुर, इन्डस्ट्रियल एरिया,
दिल्ली-52 ।

(अन्तरक)

(2) सुमन उद्योग प्रा० लिमिटेड,
ए-118, बजीरपुर इन्डस्ट्रियल एरिया,
दिल्ली-52 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निम्न
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधाएं ।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के बन्धन 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस बन्धन में दिया
गया है।

समस्त

प्लॉट नं० एफ० सी० ब्लॉक नं० बी-1, (एक्सटेंशन);
मोहन को० ओप० इन्डस्ट्रियल इस्टेट लिमिटेड, नई दिल्ली ।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 30-10-1985

मोहर :

सक्षम जाई, टी. एन. एच.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-ई, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 अक्तूबर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/
3-85/721—अतः मुझे आर० पी० रा. के

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1-2/23, लाजपत नगर है तथा जो एम
जी० 400 वर्गफीट, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारी माघ, 1985

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल की
वन्धु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं जा गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावजूद उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के राष्ट्र में
कमी करने या उसके बचने में सूचना के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी घन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री चमन लाल,
ई-3/8, वसन्त विहार, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) उमा,
1-2/19बी, लाजपत नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधाएं :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोद्यताभारी के
पास निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रापटी नं०, 1-2223, लाजपत नगर, नई दिल्ली।
ता.वादी 200 वर्गगज।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-ई, नई दिल्ली

दिनांक : 30-10-1985
मोहर :

प्रमुख नोट: डी. एम. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 अक्टूबर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/
3-85/722—अतः मुझे, आर० पी० राजेश
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० प्रापर्टी नं० 201 ब्लाक आर० है तथा जो ग्रेट
कैलाश-1 नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित
से वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अनुबन्धनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगत, अर्थात् 2—

(1) सोरिन्द्र कुमार बोस सुपुत्र स्व० कगरेन्द्र कुमार बोस
निवासी आर-801 ग्रेट कैलाश-1
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) युनाईटेड इंडिया एंसेलेस कम्पनी
रजिस्टर्ड आफिस 24 वाइड रोड मद्रास ग्रीर
501-504, कैलाश बिल्डिंग
कस्तूरबा गांधी मार्ग नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कर्मवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के
पास ज्ञात में किए जा सकेंगे।

सम्बोधन 3—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दि-
या है।

अनुसूची

प्रापर्टी नं० 201 ब्लाक नं० आर० तादादी 259 वर्गगज
रेसिडेन्सल एरिया ग्रेट कैलाश-1 नई दिल्ली।
दिल्ली म्युनिसिपल कमिटी के एरिया में।

आर० पी० राजे
सक्षम प्राधिक

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 30-10-1985
मोहर 3

प्रकरण बाह्य, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

प्राप्त बरखा

कर्मचारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 अक्टूबर, 1985

निदेश सं० आई० ए० ली०, एक्यु/1संआर-3/3-85/724—अतः मन्त्र आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पी-11ए है तथा जो जंगपुरा एक्सटेंशन नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) बन्तरक से हुई किसी बाब की बाब, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाबिल में कभी करने या करने के इच्छा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में साधना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती तेज कौर पत्नी लेहना सिंह द्वारा श्रीमती मोहिन्द्र कौर पत्नी एम सम्पूर्ण सिंह (जी पी ए) निवासी पी-11ए जंगपुरा एक्सटेंशन नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) सम्पूर्ण सिंह सुपुत्र एस सरदार सिंह निवासी पी-11ए जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

और यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बंधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पी-11ए, जंगपुरा एक्सटेंशन नई दिल्ली ।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1 नई दिल्ली

दिनांक : 30-10-1985

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एन.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 अक्टूबर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/3-85/
728—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि एम० जी० 9 बीघा है तथा जो
और 11 बिस्वा तथा जो गांव सतबारी दिल्ली में स्थित है (और
इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि अध्याप्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से ऐसे व्यवमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और ऐसे अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण निश्चित
में वास्तविक रूप में कायम नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य जास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्सरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) धरम प्रकाश एन्ड पदम प्रकाश
सी-1/65 सफदरजंग डबलपमेंट एरिया,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) वर्मा कन्सल्टेशन प्रा० लिमिटेड,
5वां खण्ड भण्डारी हाउस, 91 नेहरू प्लेस,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

र.ट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 9 बीघा 11 बिस्वा कम्पराईड खसरा
नं० 778, और 770 गांव सतबारी, दिल्ली।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 31-10-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/3-85/
729—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि 8 बीघा और 3 बिस्व है तथा जो गांव राजोकरा, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
37—366 GI/85(1) हरशद कुमारी शर्मा सुपुत्री राहुल शर्मा,
फिनासी सी-3/13, बसन्त विहार,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) रुमन बरजत्या सुपुत्र सुभाष बरजत्या और
मंजू बरजत्या पत्नी सुभाष बरजत्या,
जी-51, लाजपत नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरितियों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 8 बीघा 3 बिस्वा खसरा नं० 228/1 (1-9)
230 (4-16) 231 मीन (1-18) गांव राजोकारी तहसील
महरोली नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीख : 31-10-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 अक्टूबर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/नार० एस०-3/
3-85/730—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 7, ए-30 से है तथा जो ए-33 नं० कमाट
प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उणावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एम्मे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से पहले किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या सत्त आधिनियमों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जित :—

(1) एम.आ. रत्नद्वारा कम्पनी,
24/24, अंशारी रोड, दलिया गंज,
नई दिल्ली।
प्रो० महावीर प्रसाद गुप्ता।

(अन्तरक)

(2) मेघना अग्रवाल एन्ड मित्र मुलक्षणा अग्रवाल,
मार्डिनर सुपुत्री भारत भूषण,
मास्टर राहुल अग्रवाल माइया,
सुपुत्र पवन कुमार अग्रवाल,
शुक्र देवर माडियम रत्न कुमार अग्रवाल,
निवासी पी० बी० नं० 38, गिरिधी-915301,
(बिहार)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

प्लेट नं० 7, आऊट आफ प्रोपर्टी ए-30 से ए-33 नं०
कमाट प्लेस, नई दिल्ली, तादादी 431-61 बगफोट।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक : 31-10-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रैंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 अक्टूबर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एफ्यु/1/एस० आर०-3/
3-85/731—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सश्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लेट नं० 8, आउट आफ प्रोपर्टी है तथा नं०
ए-30 से ए-33 को कनाट प्लेस, एम० जी० 412 बर्गफीट
नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवधान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके व्यवधान प्रतिफल से, एक
व्यवधान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिणी (अन्तरिणी) के
लिए ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
विवरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
गोचर किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, समस्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उचित वर्णन में सुविधा
के बिना; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भूकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, लिखित में सुविधा
के बिना;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :—

(1) एम का रजिस्ट्रेशन कम्पनी,
24/24, ग्रामारी रोड, दरिया गंज,
नई दिल्ली-2,
प्रो० महावीर प्रसाद गुप्ता ।

(अन्तरक)

(2) मिस मंजला शर्मा, मिस प्रेमिला शर्मा,
सुपुत्री आर० एस० शर्मा, श्रीर
मास्टर रजत शर्मा, मास्टर गौरव शर्मा,
दोनों बन्धु सुपुत्र के० के० शर्मा,
पी-29 सउथ एम्पटेशन पार्क-2,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां कइया हूं।

उक्त संघर्ष के वर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, नभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाधीनत्वः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अध्यायी

प्लेट नं० 8, आउट आफ प्रोपर्टी नं० ए-30 से ए-33 तक
कनाट प्लेस, नई दिल्ली, नादादी 412 बर्गफीट ।

आर० पी० राजेश
सश्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रैंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 31-10-1985

मोहर

प्रकृष जाई.टी.एन.एव. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 अक्टूबर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एमयू/1/एस० आर०-3/3-85/
732—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि एम० जी० 28 बिघा है तथा जो
और 13 बिस्वा गांव बारी, दिल्ली में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च,
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
विषय के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उच्च दर देने में सुविधा के लिए
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) धरम प्रकाश और पदम प्रकाश,
सी-1/65, सफदरजंग इवलपमेंट एरिया,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) लाइफ टाइम कन्सट्रक्शन (प्रा०) लि०,
5 फ्लोर, भन्डारी हाउस, 91 नेहरू प्लेस,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की वर्जन की लिए
कार्यवाही करना है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 28 बीघा 15 बिस्वा कम्पराईड
खसरा नं० 788, 763, 762, 761, 764 और 787 निवासी
सतवारी ।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 31-10-1985

मोहर :

प्रकरण बाई. टी. एन. एस. 1

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 अक्टूबर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी० /एफ्यु०/1/एस० आर०-3/
3-85/733--अतः मुझे आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि एम० जी० 30 बीघा है तथा जो
14 बिस्वा गांव सनबारी, दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एकद्विगुण प्रविष्ट से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक), और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्यय से कमी करने या उससे बचने में व्यक्ति
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
व्यय के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) धरम प्रकाश और पदम प्रकाश,
सी-1/65, सफदरजंग डेवेलपमेंट एरिया,
नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) आर० कन्सल्टेशन एन्ड बिल्डिंग प्रा० लि०,
5 फ्लोर, भण्डारी हाउस,
नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाजिब :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
15 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 30 बीघा 14 बिस्वा खसरा नं० 780, 766,
765, 760, 759, 767, 769 और 779 गांव सनबारी,
दिल्ली।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 31-10-1985

मोहर

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 अक्टूबर 1985

सं० आई० ए० सी० /एक्यू/1/एस आर-3/3-85/

734:—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या जी० एफ० प्रापर्टी नं० डब्ल्यू० 165,
है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली 1 में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसकी द्यमान प्रतिफल से ऐसे द्यमान प्रतिफल का
पञ्चदश प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स डी० एस० बिल्डिंग्स,
ए-2/140 सफदरजंग इन्कलेब, नई दिल्ली।
पार्टनर श्री धरम सिंह।

(अन्तरक)

2. श्री जी० आर० तलवार, और
श्रीमती दीपा तलवार,
निवासी डब्ल्यू० 165, ग्रेटर कैलाश-2,
नई दिल्ली-48।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्रतिसूची

प्रथम खण्ड का सामने का हिस्सा, ग्राउण्ड फ्लोर,
प्रापर्टी नं० डब्ल्यू०-165, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।
तादादी 1000 वर्ग गज।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली

तारीख : 29-10-1985
मोहर :

प्रकरण बाईं.टी एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजम रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस आर-3/3-85/735:-

अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को, यह सूचना करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जमकी संख्या डब्ल्यू० 165 है तथा जो ग्रेटर कैलाश
2 एम० जी० 1000 वर्ग फीट में स्थित है (श्रीर इसमें
उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
मार्च, 1985।

को पूर्वावक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वावक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और
अन्तरिणी (अन्तरिणियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निहित के वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है ---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
किसी कारण या उपाय से बचने में तबियत के लिए,
कोई/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वस्तुओं
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम; या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. डी० एस० बिल्डिंग्स.

ए-2/140, सफदरजंग एक्सचेंज,
नई दिल्ली।
पार्टनर श्री धरम सिंह।

(अन्तरक)

2. श्रीमती पुष्पा रानी एण्ड

बसुन्दरा वजीर,
निवासी-165, ग्रेटर कैलाश-2,
नई दिल्ली।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वावक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में उपाय होती हो, के भीतर पूर्वावक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बोध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभीहस्ताक्षरी के
पक्ष निहित होने के लिए या मकानों।

व्यष्टीकरण:--इस सूचना के अन्तर्गत शब्दों और पक्षों को, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दूसरा खण्ड, सामने का हिस्सा, प्रापटी नं० डब्ल्यू०-
165, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली 1 तादावी 1000 वर्ग
गज।

आर० पी० राजेश
प्रथम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अजम रेंज-1, दिल्ली।

तारीख : 31-11-1985

मोहर :

प्रमाण आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 अक्टूबर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस आर-3/3-85/
736:-अन: मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या डक्यूं-765 है तथा जो ग्रेटर कलाश-2
नई दिल्ली, एम० जी० 800 वर्ग गज 1 में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख मार्च, 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि वधायुक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
शक्ति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य वास्तवों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, लिखित में सुविधा
के लिए।

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मेरे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री डी० एस० बिल्डिंग्स,
ए-2/140, सफदरजंग नई दिल्ली।
पार्टनर धरम सिंह।

(अन्तरक)

2. श्रीमती उषा रानी एण्ड
मुरली धर अग्रवाल,
मिवासी-कुकेक डक्यूं-165, ग्रेटर कलाश-2,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्युत्पादकरी के पाठ
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

रियल प्रोपर्टी डूमरा प्लोर प्रापर्टी नं० डक्यूं-165,
ग्रेटर कलाश-2, नई दिल्ली तादादी 800 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश
पञ्चम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली।

तारीख : 31-10-85

मोहर :

प्रारूप क्र. टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रोज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 अक्टूबर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एच/1/एस० सं० 8 आर-3/

3-85/737—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थान में, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या बेल मोड प्लोर प्रापटी नं० 29, है तथा
जो ग्रैंडर कोलास-2, नई दिल्ली तादादी 250 वर्ग गज में
में स्थित है (ग्रैंडर कोलास अनुसूची में पूर्ण रूप से
बर्गीत है), रजिस्ट्री-ऑफ अधिनियम के कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्री-ऑफ अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरण की गई है और इसे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरण (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
य से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से है कि किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या अन्य अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा एकत्र नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिगत, अर्थात् —
38—366 GI/85

1. श्री रमन आनन्द,
पत्नी श्री अशोक आनन्द,
निवासी-डी-289, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली
शुरू एटाली एम० आर० सहगल।

(अन्तरक)

2. श्री रावेन रामकर,
पत्नी श्री द्वारका नाथ,
निवासी डी-649, चित्तरंज पाक,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जनों के लिए
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जनों के संबंध में कोई भी बाधक है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी शक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बेसमेंट फ्लोर प्रापटी नं० एम-29, तादादी 250 वर्ग
गज। ग्रैंडर कोलास-2, नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रोज-1, दिल्ली।

तारीख: 31-10-1985

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 अक्टूबर 1985

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एनआर-3/3-85/738:-

अतः मू० आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या डब्ल्यू० 24, ग्रेटर कैलाश-1, है तथा जो सादादी 500 वर्ग गज 1 नई दिल्ली 1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री तथा अधिपति के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती प्रोमिला कपूर,
पत्नी श्री प्रोम प्रसाद कपूर
(फ़ो० पी० कपूर)
निवासी-डब्ल्यू० 24, ग्रेटर कैलाश, पलोर,
ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मै० एटैक्ल प्रोवसीय प्राईवेट लिमिटेड,
सी.-237, डिफेंड वालोनी, नई दिल्ली मूक
मैनेजिंग डायरेक्टर श्री प्रतुल गुलाटी।

(प्रतिनिधि)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आरोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आई स्टोरी मकान नं० डब्ल्यू० 24, सादादी 500 वर्ग गज ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली।

तारीख : 29-10-1985

मोहर :

रूप प्राप्त टी. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

आगत सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी० एम्/1/आर० एस-3ई/3-85/
739:—आ० मुझे, आर० पी० राजेश,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि एम० जी० 15 बीघा
और 4 बिस्वा है तथा जो गांव सतमारी, तहसील महरीली,
नई दिल्ली में स्थित है (और इसके उपरान्त अनुपूर्वी में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीरार्त अधिपति के
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई

है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से
उसके दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-
(अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंत-
के लिए दृश्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी भाग की वापस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) इसी किसी भाग या कितनी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती कुमुम अंजल,
पत्नी सुशील अंजल ।
निवासी-एम्-148, पंचशील पार्क,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. ले० सुरेन्द्र कुमार तपूर,
सुपुत्र श्री मनोहर लाल तपूर,
निवासी-3 ए/63 सी,
जनकपुरी, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्य —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताधारी के नाम
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वीकृति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि कम्पराईस्ट खसरा नं० 671 (4-03) 702 (1-02),
702/1 (0-02), 702/2 (0-18), 702/3 (1-05),
673 (2-18), 703/1 (2-08), 703/2 (2-08),
15 बीघा और 4 बिस्वा गांव सतमारी, महरीली, नई दिल्ली ।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, दिल्ली/नई दिल्ली ।

तारीख: 1-11-1985

मोहर:

प्रमुख भाई, टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भाउत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एक आर-3/3-85/740:-

धन: मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब में अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्रो० नं० जी०-2/45 है तथा जो लाजपत
नगर भी० 100 वर्ग गज, नई दिल्ली में स्थित है (और
इससे उदात्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्वी-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय राजस्वी
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख मार्च, 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत बढ़ी किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्रीमती राज रानी,
पत्नी विलमित्र तुल्ली,
निवासी-जी०-2/4, लाजपतनगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मल्ल पत्नी आनाखान,
निवासी-एच 2/4, लाजपतनगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो ल.
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रावर्ती नं० जी 45, तादादी 100 वर्ग गज लाजपतनगर
नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली/नई दिल्ली।

तारीख: 1-11-1985
मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 नवम्बर 1985

सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस आर-3/3-85/741—

आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या एम-11 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1,
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री तथा अधिपतरी के दायरे में,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
आस्त्यिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा एकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ए० एम० सबलो,
सुपुत्र के० एल० सबलो,
द्वारा पालन एटर्नी श्री के० एल० सबलो
सुपुत्र स्वर्गीय छान राम सबलो,
एम-11, ग्रेटर कैलाश-1,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कुलदीन कौर
पत्नी सरदार विपीनर सिंह,
निवासी एम-15, दूसरा खण्ड,
रियर प्लॉट, ग्रेटर कैलाश-1,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बनसूची

पत्रांक दूसरा खण्ड रियर प्लॉट एम-15, ग्रेटर कैलाश-1,
नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश
उपम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली

तारीख : 1-11-1985
मोहर :

प्रथम भाग, टी. एन. ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 भाग 269-ब (1) के अधीन सूचना

राज्य सरकार

कार्यक्रम, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 नवम्बर 1985

सं० आई० ए० सी०/एफ्यू०/1/एस० आर०-3/3-65/

742-—आ० मुझे, आ० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग
 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि एम० जी० 1 बीया है तथा
 जो खानपुर नई दिल्ली में स्थित है (और इनमें उदात्त
 अनुपूर्व में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकारी
 के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम,
 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य उक्त दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
 समूह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिणी
 (अन्तरिणी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
 अन्तरण निम्नलिखित सूचना से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में
 वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 अधिनियम में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य भावियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाव में
 सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भाग 269-ब के अन्तरण
 से, उक्त अधिनियम की भाग 269-ब की उपभाग (1)
 अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

1. श्रीमति उषा सिंह
 परती श्री राम श्री सिंह
 निवासी ई-14, साकेत, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मित्र नरेश अग्रवाल
 परती राबिन्द्र कुमार अग्रवाल
 निवासी 5 सी/10, गुरु रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकता—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि को भी
 अवधि बाध में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितमय
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, जहाँ-जहाँ के बाध
 निम्नलिखित में किए जा सकते हैं।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

1 बीया कम्पराईस भूमि खसरा नं० 277/3, बीजा
 खसरा नं० 270/3(0-2) बिल्वा गांव खानपुर, वृहत्त
 मद्रासी, नई दिल्ली।

आ० पी० राजेश
 सक्षम अधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-1 दिल्ली

तारीख 1-11-1985
 मोहर :

प्रकरण आई.टी.एन.एन.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-I, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 नवम्बर, 1985

सं० आई० ए० सी०/एन०/1/ए० सं० आर०-3/3-05/743---

प्रतः मुझे, आर० पी० राजेश,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि एम० जी० 1 बीवा और
2 बिन्दा है तथा जो गेज खानपुर, नई दिल्ली में स्थित
है (और इसे उपरोक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
सम्पत्ति की अधिारी के धारक, नई दिल्ली में भारतीय
सम्पत्ति अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहुत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
नियमित रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वारत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वस्तुओं
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाधीन अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, स्थान में
परिभाषित किया।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण
को, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बताने :—

1. श्रीमती उषा सिंह
पत्नी एम० बी० सिंह,
निवासी बी-14, सावेत,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

7. मित्र गिरन सिंह
सुमुखी एम० बी० सिंह,
मित्र एम० सिंह पत्नी एम० बी० सिंह,
दोनों निवासी एल-1, तारा अपार्टमेंट, बालवाजी,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाही कराता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, बंधोहस्ताभरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो जहाँ अध्याय में दिया
गया है।

धनुषी

1 बीवा और 2 बिन्दा कृषि भूमि खसता नं० 270/3,
गेज खानपुर, तहसील सदरोली, नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश,
सक्षम अधिारी
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजन रेंज-I दिल्ली

तारीख 1-11-1985

द्वारा:

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 अक्टूबर 1985

सं० आई०ए० सी०/एफ०/1/एन० आर०/3/3-85/744--

अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और निम्नी संख्या अर्जी० लैड, खानपुर है तथा जो नई
दिल्ली 1 बीघा और 17 1/2 बिस्वा में स्थित
है (और इसी उपाखण्ड अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रार अतिारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थापित पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कांक्षित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्रीमती उषा सिंह,
ई-14, सचिज, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

7. श्री दोनड जोरु, राजेन्द्र सिंह,
निवासी बी-102, गेटरकैलाश-1, नई दिल्ली
और मिलेश अनिता सिंह श्री देवेन्द्र पाल सिंह,
1670, दक्षिणी राय एट्रीड,
परिचा गंज, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

3 बीघा और 17 1/2 बिस्वा कृषि लैड खसरा नं०
280/2 गांव खानपुर, तहसील सदूरीली, नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-1, दिल्ली

तारीख: 29-10-1985
मोहर:

सकल प्राधिकारी एवं अधिकारी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रोज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू/1/एस/आर-3/3-65/746:—

प्रति: श्री. आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को... यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य :

1,00,000/- रु. से अधिक है

और निम्नी संख्या प्राप्ति नं० 2-1/40 बी है तथा जो लाहौर नगर, नई दिल्ली 100 वर्ग मी में स्थित है (और इसी उपाय अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), अतिरिक्त-वर्ती अधिारी के कार्यालय, नई दिल्ली में अतिरिक्त-वर्ती अधिारित, 1988 (1988 का 10) के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को प्रयुक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के समान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है, और यहाँ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके समान प्रतिफल से ऐसे समान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल से कमी करने या उक्त बचने में अधिार के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अन्तरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

39-366 GI/85

1. श्रीमती ठाकुरी बाई० परती सेठ दाया लाल निवासी 2-1/40, लाहौर नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री दाया लाल ए मदानी सुपुत्र श्री आनन्द राम एच गेहानी बुर एधानी मिसेस रबी गेहानी परती सरूप ए गेहानी निवासी 10/101, लोदी चारोली, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वादों :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्राप्ति की तारीख 2-1/40 बी, लाहौर नगर, नई दिल्ली 100 वर्ग मी।

आर० पी० राजेश
सकल प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
भर्जन रोज-1, नई दिल्ली

तारीख: 1-11-1985
मोहर:

नकल जारी की पर पर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-ब (1) में मपीन शब्दों का

महाराष्ट्र सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायक (निरक्षर)

प्रजनन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 नवम्बर 1985

निर्देश सं० भारी० ए० सी०/एक्यू/1/एस भार०-3/3-85/
747:—प्रतः मुझे, भार० पी० राजेश,

मावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) पिछे इसमें इसके पश्चात् 'उच्च अधिनियम' कहा गया है, को धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है।

और जिन्की सख्या 2-1/48 ए, है तथा जो लाजपत नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अन्तर्गत, तारीख मार्च, 1985

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वर्तमान प्रतिफल से, ऐसे वर्तमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (बन्तरफॉ) और अन्तरिरी (बन्तरिरिमाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि के अस्तित्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

1 श्रीमती ठाकुरी याई

निवासी 2-1/48 बी, साजपतनगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2 श्रीमती सावित्री देवी

पत्नी ग्यान ज्ञान,

निवासी 27-28, कृष्णा माविट,

साजपसनगर, मई दिल्ली।

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निम्न कार्रवाहियां करवा हूँ।

वस्तु संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाधेप :-

(क) इस भूचला में राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचला की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पत्रों के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त म्याद में स्थिति या हितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्योद्धारणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

संस्कृत

(क) अन्तरण से हुई किसी वाय की वापस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/वा

(ख) इसी किसी नाम या किसी धन या अन्य वास्तवों को, बिना भारतीय नाम-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के आयोजनार्थ अन्तरीति द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए अ. छिपाने से संबंधित है क्या।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षोंतः—

प्रापटी नं० २-१/४८ ए, लाजपतनगर, नई दिल्ली
साक्षी १०० वर्ग गज।

भार० पी० राजेश
सक्षम प्राधिका,री
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-1, दिल्ली

तारीख : 1-11-1985
मोहर :

प्रत्यक्ष धारः, डी० एच० एच०

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निर्देश सं० अ.ई० ए० सी०/एच०/1/एच० आर-3/3-85/748:-

आर: मुझे, आर० पी० राजेश,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या डी-1/147, है तथा जो लाजपतनगर,
नई दिल्ली 100 वर्ग गज में स्थित है (और इससे उपावृद्ध
आधुनी में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री तथा अधिपरी
के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अन्तर्गत, तारीख मार्च, 1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि संपादक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल
में कमी करने या उक्त बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन्-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, अर्जित :-

1 श्री आशुतोष सुपुत्र सुन्दर दास
केयर आफ एच० सी० मेहता,
सी-2/20, लाजपतनगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2 श्री जगदीश भाटिया सुपुत्र लेट कान्हा लाल
निवासी डी-1/147, लाजपतनगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

समस्त

आपटी नं० डी-1/147, लाजपतनगर, नई दिल्ली
तारीख 100 वर्ग गज।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली

तारीख: 1-11-1985
मोहर:

प्रमुख आई.टी.एन.एड.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रोड-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 अक्टूबर, 1985

सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस आर-3/3-85/749:—

आर० मुने, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
₹ 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या छवि भूमि 11 बीवा और 11 बिस्वा
है तथा जो बिस्वा, ज़िमातखान, नई दिल्ली में स्थित है
(और इसे उदाहरण आधुनिक में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्री तथा अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्री और अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख मार्च, 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए रय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यालय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित धारणाओं, धारणा :—

1. श्री रती राम

सुपुत्र जैन साह

निवासी गांव और पोस्ट अ.फिड

विजयवादन, उदुपील महरोली,

नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मैडम फाइन नेट प्रा० लिमिटेड,

8/3, मारुत अली रोड,

नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

यदि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बन्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

छवि भूमि खसरा नं० 48/20, (4-16), 48/21
(4-16), 49/25(0-9), 73/5 और 6(0-16),
74/10 और 11(0-10), 74/26(0-4), गांव विज-
वादन, महरोली, नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश,

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रोड-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 30-10-1985

माहुर :

राज्य कार्य, टी. एन. एस. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 नवम्बर, 1984

निर्देश सं० अ ई० ए० सी०/एम/1/एस० अ०-3/38/750

प्र० मुझे, अ० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
सर्के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

अ० पी० राजेश संख्या एच-1/133, है तथा जो राजस्थान,
नई दिल्ली 100 वर्ग फीट में स्थित है (अ० राजेश उपाय
अनुष्ठान में पूर्ण रूप से वर्णित है), एंस्ट्रियाली अधिकारी
के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय एंस्ट्रियाली अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
इस प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अंतरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
दे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधि:—

1. श्री आर. वि. सुब्रह्मण्यम्,
4, मोंटम बिहार, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री नरेश प्रबलका और दिनेश प्रबलका,
एच-1/133 राजस्थान,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितग्रहण
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के बाव
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एच-1/133, राजस्थान, नई दिल्ली, तारीख 100
वर्ग फीट।

अ० पी० राजेश
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-1, दिल्ली

तारीख: 1-11-1985

मोहर।

प्रकृ. भा. टी. एन. ए. २२२२२२

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रार्जन रैंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 नवम्बर, 1985

सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस प्रार० 83/85/751:—

प्रत मुझे, प्रार० पी० राजेश,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या डब्ल्यू० 165, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2
नई दिल्ली 1000 वर्ग फीट में स्थित है (और इससे उपावृद्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 18) के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है—

इसके अन्तर्गत के हुए किसी भाग की वापस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वापस में करी कटने या उससे बचने के इच्छा
के लिए, की/वा

(क) ऐसी किसी भाग या किसी भाग या अन्य जातियों
के, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, कियान में
इच्छा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अन्तरण
में, नई, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बचत—

1. मैसर्स डी० एस० बिल्डर्स,
ए-2/140, सऊदरजंग इन्स्टेब,
नई दिल्ली
पार्टनर घरम सिंह

(अन्तरक)

2. मिसेस सविता भण्डार
पत्नी सतीश बहुगुण
निवासी डब्ल्यू० 165,
ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाही कराया है।

प्रत्येक सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाद—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों या
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों ने से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी
व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिये
गये हैं।

अनुसूची

समय का प्रमाण प्रथम खण्ड 165 डब्ल्यू० ग्रेटर कैलाश
2, नई दिल्ली 1000 वर्ग फीट।

प्रार० पी० राजेश,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रैंज 1, नई दिल्ली

तारीख : 4-11-1985

सोहर :

इसका नाम: टी. एन. एन. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 नवम्बर, 1985

सं. आई. एं. सी. 0/एनयू/1/एस आर-3/3-85/752:-

प्रति: मुझे, आर. पी. राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके बख्शात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या डी. एस. 0 बिल्डिंग, है तथा जो ए-2
140, सफदरजंग, इनक्लेव, नई दिल्ली में स्थित है (और
इससे उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण भिन्नित
है वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वजह, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उक्त बचने से सुविधा के लिए;
बाह्य/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तविक
के बिना भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या वा किया जाना चाहिए या, डिपॉजिट में सूचना
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बख्शात :-

1. श्री डी. एस. 0 बिल्डिंग,
ए 2/140, सफदरजंग इनक्लेव,
नई दिल्ली, पार्टनर धरम सिंह

(अन्तरक)

2. श्री अनिल कपूर
सुपुत्र सेट आर. डी. कपूर
निवासी डब्ल्यू. 165,
पेटर कैलाश-1, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बोधन :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

रियर पोरशन प्रथम खण्ड नं. डब्ल्यू. 165, पेटर
कैलाश-2, नई दिल्ली तादादी 800 वर्ग फीट।

आर. पी. राजेश,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रैंज 1, नई दिल्ली

तारीख : 4-11-1985
मोहर :

इसका नाम: टी. एन. एल. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, उद्घाटक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 नवम्बर 1985

सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस आर-2/3-85/753:-

अतः मुझे, आर० पी० राजेश,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या डब्ल्यू० 165, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-
2 नई दिल्ली 800 वर्ग फीट में स्थित है (और इसमें उक्त
बंद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता
अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रिकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यदि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
बहुत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
क्षयित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित की द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरक
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. मैसर्स डी० एस० बिल्डर्स,
ए-2/140, सफरजंग अस्पताल,
नई दिल्ली।
पार्टनर श्री धरम सिंह,

(अन्तरक)

2. श्री सुरेश छाबड़ा,
परमो आर० डी० छाबड़ा,
निवासी डब्ल्यू० 164,
ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्विबन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पाठ
लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपः:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय के अर्थों
में है।

अनुसूची

रियर पोरशन प्राउण्ड पत्तोर प्रायर्टी सं० डब्ल्यू० 165,
ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली 1 ताबादी 800 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज 1, नई दिल्ली

तारीख: 4-11-1985

मोहर:

प्ररूप बाई.डी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 अक्टूबर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/3-85/
754:—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्रापटी नं० एम० 169 है तथा जो
ग्रेटर कैलाश-2, तादादी 400 वर्ग गज नई दिल्ली में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के व्यवहार
प्रतिफल के लिए अस्वीकृत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि व्यापारिक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवहार प्रतिफल से, इससे व्यवहार प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिणी
(अंतरिणीयों) के बीच ऐसे अंतरक के लिए तब तब
नया प्रतिफल, निम्नलिखित अनुसूची से उक्त संदर्भ अधिनियम में
वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरक से हुई किसी बात की बावजूद, उक्त
अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक की
हाथिल में कमी करने या उससे बचने में सहायता
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या बिना जाना जाहिए था, छिपाने में सहायता
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिनियम 2—

40—366 GI/85

1. मैसर्स भाटिया एपार्टमेंट्स,
ए-11, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती किरन राजपाल,
एम-169, ग्रेटर कैलाश-2,
नई दिल्ली।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति से अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जांच :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् अतिरिक्त पर
सूचना की तारीख से 30 दिनों का अवधि, जो भी
अवधि बाद में मसाला होती है। अन्तिम अवधि
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
रक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोक्ष्यक्षरी के
पास लिखित में लिए जा सकें।

स्वीकृति :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 23 में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो 23 अध्याय में दिया
गया है।

अवधि

कम्पलीट प्रथम खण्ड जिसमें 3 बंड, 3 बाथरूम,
डाइनिंग एम/मकान के साथ कार पार्किंग, 1 1/3,
अनडिवाइडिड शेयर इन लैंड, 400 वर्ग गज, 1 एम-165,
ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश,

मध्यम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 29-10-1985

मोहर

अरुण जट्ट, टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 अक्टूबर 1985

सं० आई० ए सी/एक्यू/1/एस आर-3/3-85/755---

अतः मुझे, आर० पी० राजेश,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1 00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० ई-503, 200 वर्ग गज है
तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्स
अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसकी दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
बना गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
विधित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या फिजो भू या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्वयण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1 श्री राजेन्द्र प्रहारा
पत्नी आर० के० आहूजा,
निवासी जी० 36 ए, कीर्ति नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2 मैमर्स रजनी प्रापर्टीज प्राइवेट लिमिटेड
30/3, कम्यूनिटी सेंटर, ईस्ट आफ कैलाश,
नई दिल्ली थरु
डायरेक्टर श्री रूप चन्द।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधिन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० ई-583, तादादी 258 वर्ग गज ग्रेटर कैलाश
नई दिल्ली।

अ ० पी० राजेश,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2 नई दिल्ली

तारीख 29-10-1985

मोहर.

प्ररूप भाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्मिकाई, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 नवम्बर, 1985

सं० आई० ए० सी०/एसयू/1/एस आर-3/3-85/756—

अतः मुझे, आर० पी० राजेण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या नं० ए०-160, है तथा जो ग्रेटर कैलाश
2, नई दिल्ली 300 वर्ग फीट में स्थित है (और इसमें
उत्पादक अनुसूची में पूर्ण या न परिणित है), एजिस्ट्रीकर्ता
अधिनियम के अन्तर्गत, नई दिल्ली में भारतीय एजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
मार्च, 1985

की पूर्वक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
संगत प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सुदर्शन अग्रवाल
सुपुत्र नानाक चन्द,
निवासी ई-467, ग्रेटर कैलाश-2,
नई दिल्ली।

(अन्तरः)

2. मिस सुशील मेहरा
पत्नी के० सी० मेहरा
ए-1/31, सफ़ेदरजंग इनक्लेव, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रथम खण्ड नं० एस० 168, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली
तादाती 400 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेण,
मक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज 1, नई दिल्ली

तारीख : 4-11-1985
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

दिल्ली, दिनांक 29 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस आर०-3/3-85/

757—अतः मुझ, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी नक्का म 5 नं० 493 ब्लाक एस है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली तादादी 550 वर्ग गज में स्थित है (और इसे नक्का अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि.री के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों के प्रति भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री हरविन्द्र पाल सिंह
सुपुत्र एस० अवतार सिंह
केयर आफ सफ्रेस्टिकेटिड होल्डिंग (प्रा०)
लिमिटेड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2 श्री अनेजा राइट राय

पत्नी हकूमत राय

निवासी एस 251, पंचशील, पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म 5 नं० 493, ब्लाक एस, तादादी 550 वर्ग गज
ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली

तारीख : 29-10-1985

मोहर :

तारीख : 4-11-1985
मोहर :

प्राकृत आई.टी.एन.एस.-----

1. श्रीमती सावित्री ताराचंद भारवानी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/5764/84-85--अन: मुझे,
पी० एन० दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय नं० 154, जो, 15वीं मंजिल,
मिस्त्रल कोर्ट, बी-विंग, नरीमन प्वाइंट, बम्बई-21 है तथा
जो बम्बई-21 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब के अधीन,
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,
तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्री चंद्रा सिंग लांधा और श्रीमती कुसुम लोधा।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
प्राप्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाम निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रदत्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 154, जो, 15वीं मंजिल, मिस्त्रल कोर्ट
बी-विंग, नरीमन प्वाइंट, बम्बई-21 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/5532/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दूबे
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 1-11-1985

मोहर :

प्रत्यक्ष आई.टी.एच.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/5767/84-85—अतः मुझे
पी० एन० दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० ई-302, जो, 3री मंजिल,
"कैलाश" इमारत, निर्माणाधीन इमारत, 293, बेलसिस
रोड, बम्बई-8 है तथा जो बम्बई-8 में स्थित है (और
इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की
धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल से ऐसे ह्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण निश्चित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री फकृनिमा अमाल

(अन्तरक)

2 अलीमोहम्मद हाजी बाराक नाथानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाम निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० ई-302, जो, 3री मंजिल, "कैलाश" इमारत,
निर्माणाधीन इमारत, 293, बेलसिस रोड, बम्बई-8 में
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/5534/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दूबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख 4-11-1985
माहूर

प्रारूप आर्क.टी.एस.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/5769/84-85—अतः मुझे,
पी० एन० दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. यूनिट/माला नं० 35, जो, तल माला, ए-1
इमारत, शह एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट, लोअर परेल, बम्बई-
400 013 है, तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-क ब के
अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,
तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के शायत्व
में कमी करने या उससे बढ़ने में सविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० धनराज भिखम प्रायवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

2 श्रीमती पुष्पा मुरलीधर छात्रीया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

यूनिट माला नं० 35, जो, तल माला, ए-1 इमारत,
शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट, लोअर परेल, बम्बई-13
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/5535/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दूबे

सक्षम प्राधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 1-11-1985

मोहर :

1. मेसर्स यूनाइटेड कामधियल सिडीकेट (अन्तरक)
2. मेसर्स सनटेक्स प्रायवेट लिमिटेड । (अन्तरिणी)

जायकट अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

वार्शलिन, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज- 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निदेश सं० अई-१/३७-ईई/५७७८/८४-८५-अतः मु

पी० एन० दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० औद्योगिक यूनिट नं० 219, जो, 27 मंजिल, शहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट (ए-1), राज मिल बम्पाउंड, लोअर परेल, बम्बई-13 है तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-3-1985

क्यों पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 / (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
41—366 GI/85

को यह सूचना जारी करके पृथ्वी तथा सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ। [1]

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाधाएँ —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उसके समान्य व्यक्तिगतों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
द्विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे-

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

औद्योगिक यूनिट नं० 2क9, जो, 2री मंजिल, शाहा
एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट (ए-1), धनराज मिल कम्पा-
लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० स अई-1/37-ईई/55
84-85 और जो राक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दूमे
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज- 1, बम्बई

तारीख : 1-11-19

माहर :

प्रथम भाग टी.एन.एस.-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/5779/84-85—अतः मुझे,
पी० एन० हूवे,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिगकी सं० फ्लैट नं० 5, जो, 1ली मंजिल, "मेहेर
आबाद" इमारत, भुलाभाई देवाई रोड, बम्बई-26 है तथा
जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका काराखाना आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख
1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि गन्धपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरि-
तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भाषा-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
की, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :-

1. श्रीमती लक्ष्मी किशनचंद अडवानी ।

(अन्तरक)

2. मै० विक्टर इन्वेस्टमेंट्स एण्ड ट्रेडिंग कं० प्रा० लि० ।

(अन्तरिती)

3. अन्तर्गतियों

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेय :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 5, जो, 1ली मंजिल, "मेहेर आबाद" इमारत,
भुलाभाई देवाई रोड, बम्बई-400 026 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/5540/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० हूवे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख : 4-11-1985

मोहर :

प्राख्य आई.टी.एन.एस.-----

1. श्रीमती प्रविणा ए० जोशी और
श्री अंबाशंकर एन० जोशी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

7. श्रीमती नसीम सैद मुफता

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/5781/84-85---अतः मुझे,
पी० एन० दूवे,आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० फ्लैट नं० 306, जो, 3री मंजिल, एच०
इमारत, बिना बिना अपार्टमेंट्स, आचार्य दोंडे मार्ग, लिबरी
(प०), बम्बई-15 है तथा जो बम्बई-15 में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269-घ, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसका दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-(क) अन्तरण के द्वारा किसी वाद की वास्तविक, उक्त
अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उक्त बचने में सुविधा
के लिए; बाइ/वा(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा :-को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 306, जो, 3री मंजिल, एच-इमारत, बिना
बिना अपार्टमेंट्स, आचार्य दोंडे मार्ग, लिबरी (प०),
बम्बई-15 में स्थित है।अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/5542/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।पी० एन० दूवे
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख: 1-11-1985

मोहर:

प्रकरण आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निवेश सं० अई-1/37-ईई/5782/84-85--अत० मुझे,
पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 315, जो, 3री मंजिल, ए-1,
शहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट, एम० जे० मार्ग, लोअर
परेल, बम्बई-13 है तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269-ब, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्यतिरिक्त से कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. मै० शहा एण्ड नहार एसोसियेट्स

(अन्तरक)

2 श्री आर० वाई० शर्मा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 315, जो, 3री मंजिल, ए-1, शहा एण्ड
नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट, एम० जे० मार्ग, लोअर परेल,
बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/5543/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख: 1-11-1985

मोहर:

प्रकरण नम्बर डी.एन.एच. - - - - -

1 मैक्स राधा बिल्डर्स

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2 श्री जॉन फ्रान्सीस परेरा और
श्रीमती नलिनी जॉन परेरा।

(अन्तरिनी)

3. अन्तरितियों

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

भाउत बरुआ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/5783/84-85-अत० मुद्रा,
पी० एन० दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसकी बख्शात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 7, जो, 3री मंजिल, राधा
कह्न, प्लॉट नं० 66, सायन (पूर्व), बम्बई-22 है तथा
जो बम्बई-22 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन,
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है
तारीख 2-3-1985

को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिनी की गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
फरक प्रविष्टि से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिक) और
अन्तरिनी (अन्तरिनीयों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए एक
पापन पत्र प्रतिफल निम्नीकृत अन्तरक से उक्त अन्तरक
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(ख) अन्तरक से हुई किसी बात की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने की अन्तरक की
कार्यवाही में कमी करने या उसके करने में सुविधा
के लिए; और/वा

(घ) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वस्तुओं
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रबोध-
नार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नीकृत अधिनियमों के अधीन :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन को 14
कार्यवाही करवा दूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में अनुमति होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितरक्षक
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के साथ
लिखित में किष्ट या सकेंगे।

समाप्ति :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होना, जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 7, जो, 3री मंजिल, राधा कह्न, प्लॉट नं०
66, सायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/5544/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दूबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 1-11-1985

मोहर:

(अन्तरक)

२ श्री जितेन्द्र चुनीलाल शहा,
श्रीमती नलिनी जितेन्द्र शहा,
और श्रीमती शाताबेन चुनीलाल शहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपरोक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाधाएँ :-

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्हित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतर्-रिती (अंतर्रितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से की गई नहीं किया गया है।—

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोद्वेसाकारी में पास लिखित में किष्ट या सूक्त हो।

समाप्तिकरण:—इसमें प्रयुक्त हथ्यों और वस्त्रों का, जो उस अधिनियम की मध्याह्न 20-क में परिभाषित हैं, वही वर्ष होगा जो उस मध्याह्न में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण के द्वारा किसी भाव की भावधरा, स्वयं अधिनियम को अधीन कर देने की अन्तरण को बाधित न हो कभी करके या उसके करने में सुविधा की लिए।
कार/भा

(क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या जनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ आस्तिसी ह्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाला जाहिण था, छियाने में सविधा के लिए;

जतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, सँ उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

फ्लैट न० 1, जो, 3री मजिल, पटेल अपार्टमेंट्स, इमारत न० 7 बी, बी० जी० खेर रोड, बम्बई-18 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० स० अई-1/37-ईई/5550/84-85 और जो मक्षम प्राधितारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन०

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज-1, बम्बई

तारीख : 1-11-1985

माहद्वय ५

प्रत्यक्ष भाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/5790/84-85—अतः मुझे,
पी० एन० दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, जो, इमारत नं० सी-1,
6ठी मंजिल, हुडा अपार्टमेंट्स, 95, मोरलैण्ड रोड, बम्बई-
-8 है तथा जो बम्बई-8 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क,
ख के अन्तर्गत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
देरती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स थेराप्युटीक इन्वेस्टमेंट प्राइवेट लि०
(अन्तरक)
2. श्रीमती फातिमा अब्दुल रहीम
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाँच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1, जो, इमारत नं० सी-1, 6ठी मंजिल,
हुडा अपार्टमेंट्स, 95, मोरलैण्ड रोड, बम्बई-8 में स्थित
है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/5551/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दूबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख: 1-11-1985

मोहर:

प्रमुख आई.टी.एन.ए.स.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/5791/84-85--अतः मुझे, पी० एन० दूबे, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, जो, 2री मंजिल, इमारत नं० "ए", हुडा अपार्टमेंट्स, 95, मोरलैण्ड रोड, बम्बई-8 है तथा जो बम्बई-8 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, शर्तों :-

1. मैक्स थेराप्युटिक्स इन्वेस्टमेंट प्रायवेट लि० (अन्तरक)
2. श्री सुरतश्री नवी जान टेलर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितरक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 4, जो, 2री मंजिल, इमारत नं० "ए", हुडा अपार्टमेंट्स, 95, मोरलैण्ड रोड, बम्बई-8 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/5552/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दूबे,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 1-11-1985
मोहर:

प्रमुख भाग-1, पृष्ठ 1

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/5799/84-85—अतः मुझे,
पी० एन० दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० फ्लैट नं० 26 और 27 है जो 2 री मंजिल
मिना सदन, मायन रोड (प०), बम्बई-22 है तथा जो
बम्बई-22 में स्थित है (और इससे उपावह अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारगनामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के
अधीन बम्बईस्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि अध्याप्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निहित है
वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने की अन्तरक की
वास्तव में कमी करने या उतरे बचने में सुविधा
के लिए, कोट/बा

(ख) ऐसी किसी आय या भन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा की प्राप्ति;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
42—366 GI/85

1. श्रीमती आर० लक्ष्मी आर० कानन
(अन्तरक)

2. श्रीमती कमला अमरलाल दोशी,
श्री अमरलाल उजमशी दोशी,
फादर एण्ड नेचुरल गार्डियन—मायनर—
कमार धरमेश अमरलाल दोशी और
श्रीमती मुशीला नानीलाल दोशी।
(अन्तरिती)

3. अन्तरितियों
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
गणति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बचन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तविक—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि कम हो समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशुन
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संकोचकः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 26 और 27, जो, 2री मंजिल, मिना सदन,
सायन (प०), बम्बई-22 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/5556/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दूबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख : 1-11-1985

मोहर :

प्रथम बाई. टी. एन. एन. एन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/5800/84-85—अतः मुझे,
पी० एन० दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि त्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 6 और गैरेज नं० 1, जो,
"राज निलम", डा० राजाबली पटेल रोड, बम्बई-26
है तथा जो बम्बई-26 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क,
ख के अन्तर्गत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

1 श्री एम० जे० अग्रवेल्स

(अन्तरक)

2 दालेल मिश्र, बी० जैन और अनिल कुमार जैन
(अन्तरिती)

3 अन्तरितियों

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यारम्भ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

फ्लैट नं० 6 और गैरेज नं० 1, जो, "राज निलम",
डा० राजाबली पटेल रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/5557/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दूबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 1-11-1985

मोहर :

सूचना जारी की गई है।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/5804/84-85—अतः मुझे, पी० एन० दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसे सं० फ्लैट नं० 4 बी, जो, 4थी मंजिल, अल्ट-व्यू, 7, अल्ट म ऊंट रोड, बम्बई-26 है तथा जो बम्बई-26 में स्थित है (और इससे उपावह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ग के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 4-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 डा० यशवन्त गजानन बेनकर

(अन्तरक)

2 श्री शैलेश रसिकलाल खरीडिया,
श्रीमती मीना शैलेश खरीडिया,
और श्रीमती निर्मलाबेन रसिकलाल खरीडिया।
(अन्तरिती)

3 अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4 बैंक आफ बरोदा

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 4 बी, जो 4थी मंजिल, अल्टव्यू, 7, अल्ट म ऊंट रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/5598/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दूबे
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 4-11-1985
मोहर

इस्य भाग की एन.एच. नमूना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-अ (i) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निवेदन सं० अई-1/37-ईई/5822/84-85—अतः मुझे,

पी० एन० द्वे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 18, जो, 5वीं मंजिल, विनस को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, प्लॉट नं० 45-डी०, वरली हिल इस्टेट, बम्बई-18 है तथा जो बम्बई-18 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-अ, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 4-3-85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के द्वारा किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री जी० डी० किशनचंदानी

(अन्तरक)

2 श्रीमती शोभा वि० गूर्त और
श्री नरेन्द्र वि० गूर्त

(अन्तरिती)

3 श्री और श्रीमती जी० डी० किशनचंदानी

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप०—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पत्र सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में कृतबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 18, जो, 5वीं मंजिल, विनस को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, प्लॉट नं० 45-डी०, वरली हिल इस्टेट, बम्बई-18 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/5602/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० द्वे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 1-11-1985

मोहर ०

प्रकट जाई.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/5829/84-85—अतः मुझे,

पी० एन० दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को बहु विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, जो, 11वीं मंजिल, विनस को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, प्लॉट नं० 48, मिल्क डेयरी के पास, वरली, बम्बई-18 है तथा जो बम्बई-18 में स्थित है (और हमसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 4-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित संक्षेप से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तविक, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिना; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी भू या अन्य जास्तिवाँ को, चिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भूकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्रीमती रमाबेन बी० मेहता।

(अन्तरक)

2 हिराबेन चूनीलाल सोनी,
श्री नरेन्द्र सी० सोनी,
श्रीमती सरोज एन० सोनी,
श्री प्रफुल सी० सोनी और
मास्टर सुकेतु प्रफुल सोनी।

(अन्तरिती)

3 अन्तरितियों

वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1, जो, 11वीं मंजिल, विनस को-आप हाउसिंग सोसायटी लि०, प्लॉट नं० 48, मिल्क डेयरी के पास, वरली, बम्बई-18 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37ईई-/5605/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दूबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 1-11-1985

मोहर :

प्रकाशित की गई है।

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/5831/84-85—अतः मुझे

पी० एन० दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसके अन्तर्गत इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विचारणा करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 25, जो, 6ठी मंजिल, फायनल प्लॉट नं० 1035, टी० पी० एस० प्रभादेवी, 1, खेड गल्ली, ग्राफ सयानी रोड, प्रभादेवी, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जितना काररनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 4-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अत्यन्त प्रतिफल के लिए व्यस्त होने की है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वर्तमान प्रतिफल से ऐसे वर्तमान प्रतिफल का बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उचित मूल्य का प्रतिफल, निम्नलिखित अनुक्रम से उक्त अन्तरण निरीक्षण में वास्तविक रूप से वर्धित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दी जाए;

(ब) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तविकता को जिसके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किता जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; और/या

अतः मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धित है—

1. श्री जी० एच० लोटलीकर।

(अन्तरक)

2. श्री वेंकटमल्लू चन्द्रैया चिलवेरी और श्रीमती लमीक्षबाई वेंकटमल्लू चिलवेरी।

(अन्तरिती)

4. अन्तरितीयों

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाही करना है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी अन्तरक :—

(क) इस सूचना के उद्घरण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि का अन्तरक व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में स्थापित होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के उद्घरण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति के हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही बर्ण होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तर्गत

प्लेट नं० 25, जो, 6ठी मंजिल, फायनल प्लॉट नं० 1035, टी० पी० एस० प्रभादेवी, 1, खेड गल्ली, ग्राफ सयानी रोड, प्रभादेवी, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/5608/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दूबे,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख 1-11-1985

मोहर

सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/5834/84-85—अंतः मुझे,
पी० एन० दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 339, जो, 3री मंजिल, 'शाहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट, ए-2, एस० जे० मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 है तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (और इसे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 4-3-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी बात का अन्य मामलों को जिनके भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० शाहा एण्ड नहार आसोसियेट्स

(अन्तरक)

2. श्री विष्णू पी० नाईक

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए कार्यवाहियां कइता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बचन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि का उत्पन्न होने वाला अवधि के लिए सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों ने कोई भी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताक्षरी या वाच लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 339, जो, 3री मंजिल, शाहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट, ए-2, एम० जे० मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-I/37-ईई/5610/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दूबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, बम्बई

तारीख 1-11-1985

मोहर

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

1. मैसर्स सिल्वर स्टार्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/5836/84-85--अतः मुझे,

पी० एन० दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय नं० 428, जो, 4थी मंजिल, पंचरत्न अपैरा हाउस, बम्बई-4 है तथा जो बम्बई-4 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 4-3-85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. मैसर्स आनाईड जैम कॉर्पोरेशन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 428, जो, 4थी मंजिल, पंचरत्न, अपैरा हाउस, बम्बई-4 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-II/37-ईई/5617/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दूबे,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख: 4-11-1985
मोहर

प्रकृष बाई. टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
भाउप सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/5837/84-85—अतः मुझे,
पी० एन० दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह निष्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 8, जो, 15वीं मंजिल, अश्वती निकेतन कॉ-ऑप० हाउसिंग सोसायटी लि०, फलन्क रोड,
मायन, बम्बई-22 है तथा जो बम्बई-22 में स्थित है
(और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), और जिसका तदनुसार आयकर अधिनियम, 1961
की धारा 269-ब के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 4-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह निष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिल्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा

(ख) किसी ऐसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिसमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
43—366 GI/85

1. श्री हरेण कुमार पी० कोराडिया,
श्री जवाहरलाल पी० कोराडिया,
और श्री राजेश पी० कोराडिया।

(अन्तरक)

2. श्री मनहरलाल आर० शेट,
श्रीमती अनुपमा एम शेट
और श्री किरन एम० शेट।

(अन्तरिती)

8. अन्तरकों

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्भ
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 8, जो, 15वीं मंजिल, अश्वती निकेतन कॉ-
ऑप० हाउसिंग सोसायटी लि०, फलन्क रोड, मायन, बम्बई-
22 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/5612/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
4-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दूबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 1-11-1985

मोहर:

प्रकाशक: टी. एन. एल. ए. ए. ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निवेश सं० आई-1/37-ईई/5840/84-85—अतः सुमे,
पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० गाला नं० 11, जो 2री मंजिल, टांटीया
इंडस्ट्रियल इस्टेट, इमारत ए, जीवराज रामजी बोरिचा
मार्ग, सिताराम मिल कम्पाउंड, लोअर परेल, बम्बई-11 है
तथा जो बम्बई-11 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269, ख के अधीन,
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,
तारीख 4-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवमान
प्रतिफल के लिए अन्तरक की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पंचह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए इस बात का
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी लाभ की वास्तव, उक्त
आयकर अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
लिए न किया करने या उससे बचने में प्रविष्टि
के लिए; और/वा

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में प्रविष्टि
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स रोज इंटरनेशनल

(अन्तरक)

2. श्री जी० बी० शर्मा एण्ड सन्स

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आरोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताभरी के पक्ष

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

गाला नं० 11, जो, 2री मंजिल, टांटीया इंडस्ट्रियल
इस्टेट, इमारत ए, जीवराज रामजी बोरिचा मार्ग, सिताराम
मिल कम्पाउंड, लोअर परेल, बम्बई-11 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/5613/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
4-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 1-11-1985

मोहर :

मूल्य बाई० टी० एन० एस०—

1. श्री निहालचंद एच० चावला ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. सुरेश नन्दलाल मूरपाना
और जगदीश नन्दलाल मूरपाना ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निदेश सं० अई-1/37-ईई/5842/84-85—अतः मुझे
पी० एन० दूवे

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 15, जो, 2री मंजिल, प्लॉट
नं० 45, दि राम शरण को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०,
सायन (प०), बम्बई-22 में है तथा जो बम्बई-22 में
स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,
1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 4-3-1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के कारण के कारण
के किसी करने या उससे बचने में सविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का अन्तरण आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के अधीन अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, लिखित में
सविधा के लिए;

फ्लैट नं० 15, जो, 2री मंजिल, प्लॉट नं० 45, दि
राम शरण को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, सायन (प०),
बम्बई-22 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-I/37-ईई/5619/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
4-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दूवे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्थाह

तारीख: 1-11-1985

मोहर :

प्राकृतिक आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/5843/84-85--अतः मुझे,

पी० एन० हुवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय प्रिमायसेस नं० 121 और कार पार्किंग जगह, 121ए, और जो "बजाज भवन" इमारत, नरीमन प्वाइंट, बम्बई-21 है तथा जो बम्बई-21 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 4-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि तथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अग, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की प्रधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्नाल :—

1. मै० इलेक्ट्रो इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन

(अन्तरक)

2. मै० अपारेल एक्सपोर्ट, प्रमोशन कौन्सिल

(अन्तरिती)

3. अन्तरितियों (लाइसेंसी इलेक्ट्रो मेटल इंडस्ट्रीज के पास।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

स्वीकृति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है :

अनुसूची

कार्यालय प्रिमायसेस नं० त्राश और गाडी पार्किंग जगह 121 ए और बी, "बजाज भवन" इमारत, नरीमन प्वाइंट, बम्बई-21 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० 1 अई-1/37-ईई/5620/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० हुवे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 बम्बई

तारीख : 4-11-1985

मोहर :

प्रकृत बाई. टी. पूत एव

1. शहा एण्ड नहार आसोसिएट्स

(अन्तरक)

2. मैसर्स पूदिया

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/5844/84-85-अतः मुझे
पी० एन० दुबे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 445 जो ए-1 शाह
एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट लोअर परेल, बम्बई-13 है
तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारनामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन;
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है;
तारीख 1-3-1985

हो यथावत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से ऊपर के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

अन्तरण में हुई किसी आय का वावत, उक्त
अन्तरण के अन्तर्गत कर करने के अन्तरक के
लिए; और/वा

(क) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किंग जाल बाहिए था छिपाने में
यावेधा के लिए;

यह सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण
के लिए उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करने के अन्तर्गत सम्पत्ति के अन्तर्गत के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निर्दिष्ट रूप में लिखित जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 445, जो, ए-1 शाह एण्ड नहार इंडस्ट्रियल
इस्टेट, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/5621/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 बम्बई

तारीख: 1-11-1985
मोहर:

प्ररूप आई. टी एन एल.

(1) दी ग्रेट पिरामिड इन्वेस्टमेंट कम्पनी लिमिटेड

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री चन्द्रांन बालकृष्ण देसाई

(अन्तरिती)

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/5846/84-85--अतः सूत्रे, पी० एन० दुबे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें अभाव इससे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 1, जो, 2री मंजिल, तांटीया इंडस्ट्रियल इस्टेट इमारत, प्लॉट नं० 7, जीवराज भरुचा मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-11 है तथा जो बम्बई-11 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और निम्नलिखित कारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ग के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्र है तारीख 1-3-85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से बहुत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाधाएं :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त संपत्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रयोजन के लिए, या उससे अंतरण के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, अंतरण के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित :—

यूनिट नं० 1, जो, 2री मंजिल, तांटीया इंडस्ट्रियल इस्टेट इमारत प्लॉट नं० 7, जीवराज भरुचा मार्ग, लोअर परेल बम्बई-11 में स्थित है।

अनुसूची में बाध सं० अई-1/37-ईई/5623/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेंट रेंज-1, बम्बईतारीख : 1-11-1985
मोहर :

प्रारूप भाग-टी.एन.एस.

(1) मैसर्स सुमेर एसोसिएट्स

(अन्तरका)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री क्रीतू परमार (मायनर)

द्वारा उनके फादर और नेचुरल गार्डियन

श्री चन्दन मगराज परमार

बिल्डर।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम

आयसिमा, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/5851/84-85—अतः मुझे
प्रॉ०एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1204, जो, 12वीं मंजिल,
इमारत नं० 1, सुमेर टावर्स, लव लेन, गेट मोतीशारो,
मासगांव, बम्बई 10 है तथा जो बम्बई-10 में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और
जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है तारीख 1-3-1985

यह पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि अपापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके वर्तमान प्रतिफल से, ऐसे वर्तमान प्रतिफल के
प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आयत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दृष्टिकोण से काफी कम है और अन्तरण के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकताओं
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में अन्तरण
किया गया है।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए
आवश्यक करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
15 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशुध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पक्ष
में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिये
गये हैं।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1204, जो, 12वीं मंजिल, इमारत नं० 1,
सुमेर टावर्स, लव लेन, गेट मोतीशारो, मासगांव, बम्बई 10 में
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई/37-ईई/5558/84-85
आय-कर सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-85
को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 1-11-1985

मोहर :

सकल बाई. टी. एम. एड. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निर्देश सं० अई-1/37 ईई/5855/84-85--अतः मुझे,
पी०एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 40, जॉ, ग्रंज, अपार्टमेंट्स
आगस्ट क्रांति मार्ग, 4थी मंजिल, गवालिया टेन्क, बम्बई
400 036 है तथा जो बम्बई-36 में स्थित है (और इसमें
उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण का वर्णन है), और जिसका
कारारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ए
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य का अनुमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-
रितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत या
दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, व्यक्ति —

(1) श्री मोहनलाल मोतीलाल कोठारी,
नेचुरल और फादर आफ मास्टर ग्रंज एम०
कोठारी
और माहन लाल मोती लाल कोठारी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पारूल नितीन मोधी
और नितीन चन्दा लाल मोधी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करना है।

उक्त अधिनियम के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 401, जॉ, ग्रंज अपार्टमेंट्स, आगस्ट क्रांति मार्ग
4थी मंजिल, गवालिया टेन्क, बम्बई-36 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-1/37-ईई/5562/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-85 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन०

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 1-11-1985

मोहर :

प्रकृष बाई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आई-1/37 ईई/5860/84-85—अतः मुझे
पी० एन० बुवे;

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 22, जो, भावेश्वर सदन, 3री
मंजिल, प्लॉट नं० 207, सायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है
(और इससे उपाधय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
और जिसका करारनामा भायकर अधिनियम, 1961 की धारा
269-ग के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है। तारीख 12-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एक प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कांभित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
कि, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

4—366 OL/85

(1) श्रीमती कुममती बाई कलाचन्द जी० के०

(अन्तरक)

(2) श्री विठ्ठल दास गोवर्धनदास शहा
और श्रीमती कुसुम विठ्ठलदास शहा।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितियों

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 22, जो, भावेश्वर सदन, 3री मंजिल, प्लॉट नं०
207, सायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई1/37ईई/5567184-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-3-85
को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बुवे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 1-11-1985

मोहर

प्रारूप आई. टी. एन. एम. ॥ ॥ ॥ ॥

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/5867/84-85—प्रत० मुझे,
पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 8, जो, 1 ली मंजिल, धरली
भावेस्वर-को-आप० सोसाईटी, डा० अम्नी वेस्ट रोड, धरली,
बम्बई-18 है तथा जो बम्बई-18 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका दायरनामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के दायरनामा में रजिस्टर्ड है तारीख
1-3-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से पहले किसी आय की भारत में उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में लगी धारों या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा पकड़ नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरक
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के लिए है—

(1) श्रीमती गुणवन्ती विशिनदास पटानी ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुलेखा इब्राहीम द्रांगधान ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक ।

(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के दर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के दर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धो व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

सत्यापन — इसमें प्रयुक्त शब्दों और गदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 8, जो, 1 ली मंजिल, धरली भावेस्वर-को-आप०
सोसाईटी, डा० अम्नी वेस्ट रोड, धरली, बम्बई-18 में स्थित
जई ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/5574/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-85 को
रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी० एन० दुबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 1-11-1985

मोहर :

रूप बाई. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

मातृ संस्था

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/5079/84-85—प्रतः मुझे,
पी० एन० दुवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और निजी सं० फ्लैट नं० 16, जो, 4थी मंजिल, महाराष्ट्र
को-आप० हाऊसिंग सोसाइटी, लि०, आंबेडकर नगर, परेल,
बम्बई-12 है तथा जो बम्बई-12 में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका बराबरनामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रार है तारीख
1-3-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त
अधिनियम के अधीन कटौत करने के अंतरक के
द्वारित में कमी करने या उससे राजने में बचत
के लिए; और/या

(ख) इसी किसी आय या किसी भ्रष्ट या अन्य वास्तविक
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों को सूचित है—

(1) श्री मुरलीधर श्रीधर जोशी।

(अन्तरक)

(2) श्री विनायक दत्तात्रय गोविलकर
और राजशेखर विनायक गोविलकर।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक और उनका परिवार।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशंका—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 16, जो, 4थी मंजिल, महाराष्ट्र को-आप०
हाऊसिंग सोसाइटी लि०, आंबेडकर नगर, परेल, बम्बई-12 में
स्थित है।

अनुसूची जिस नि० सं० अई-1/37-ईई/5579/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-85 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुवे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख 1-11-1985

ओड

प्राकृत आर्.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई-1-37-ईई55892/84-85—प्रतः मुझे,
पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 419ए, जो, 4थी मंजिल, ए-1,
गहा एण्ड गहार इंडस्ट्रियल इस्टेट, एस० जे० मार्ग सोमर,
परेल, बम्बई-13 में स्थित है

(और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को खयमान
प्रतिफल को लिए बन्ती हुई की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके खयमान प्रतिफल से, ऐसे खयमान प्रतिफल का
कम प्रतिफल से अधिक है और बन्तारक (अंतरक) और बन्तारती
(अन्तर्गतियों) के बीच ऐसे बन्तारक को लिए एवं पाया गया प्रति-
फल विनिर्दिष्ट उद्देश्य से उक्त बन्तारक निधि में बाँट-
कर अन्य उक्त अधिनियम द्वारा किया गया है—

(क) बन्तारक से हुई किसी आय की वापस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्क को
हासिल में कमी करने या उक्त बन्तारक से अधिप्रा
को लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी भूत या अन्य वास्तव्यो
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रावधानों बन्तारती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या जिसमें कोई
अधिप्रा को किया

अन्य धरा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को, बन्तारक
की नीति, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन विनिर्दिष्ट व्यक्तियों अधिप्रा है—

(1) गहा एण्ड गहार आसोसिएट्स

(अन्तरक)

(2) मैसर्स कविताशा एक्सपोर्ट प्रायवेट लि०

(अन्तरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को बर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति को बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक है—

(6) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अपवादस्थायी के पाठ
सिद्धि में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 419ए, जो, 4थी मंजिल, ए-1, गहा एण्ड
गहार इंडस्ट्रियल इस्टेट, एस० जे० मार्ग, सोमर परेल, बम्बई-
13 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-1/37-ईई55892/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-85 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-8, बम्बई

तारीख: 1-11-1985

मोहर:

प्रमुख कार्य-टी.एन.एस.

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/5589/84-85—अतः मुझे
पी० एन० बुवे

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय नं० 819, जो, 8वीं मंजिल, एम्बसी
सेक्टर, नरीमन पॉइंट, बम्बई-21 है तथा जो बम्बई-21 में
स्थित है (और उसे उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), और जिसका कार्यालय भाषाकर अधिनियम, 1961 की
धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे
दायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती (अंतरितीयों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
प्रकरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में स्वीकृत
किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भाषाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
की, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित—

(1) ए० बी० सी० कन्स्टेन्टस प्रायवेट (लि०)
(अन्तरक)

(2) मैसर्स ए० आर० कारपोरेशन
(अन्तरिती)

(3) अन्तरितीयों
(वह व्यक्ति, जिसके अधिनियम में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधा—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 811; जो, 8वीं मंजिल, एम्बसी सेक्टर,
नरीमन पॉइंट, बम्बई-21 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-1/37-ईई/5589/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-85 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बुवे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख 1-11-85

साक्षर :

प्रकृष आर्डी. एन. एन. एन. -----

(1) डा० भारत सी० देसाई

(अन्तरक)

(2) डा० नरेन्द्र नेमाइट

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक

(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत: सार्वजनिक

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आर्डी-1/37-ईई/5898/84-85—अतः सुते,
पी० एन० हुवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० गिलगिट मोदी चेंबर्स में जो फ्रेज ब्रीज
आपरा हाउस बम्बई-4 है तथा जो बम्बई-4 में स्थित है (और
इससे उत्पन्न आय में और पूर्ण रूप से वर्गीकृत है) और जिसका
कारणनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क
ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पक्ष
प्रतिपात से अधिक है

और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
अनुसूची से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
गई किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसूची
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

गिलगिट मोदी चेंबर्स में जो फ्रेज ब्रीज आपरा हाउस
बम्बई-4 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आर्डी-1/37-ईई/5594/84-85
और जिसका प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-85 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० हुवे
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 3-11-1985
मोहर :

प्रमुख भाग, टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक 1 नवम्बर 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/5904/84-85—अतः मुझे, पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट नं० 201 जो वेव कृपा इमारत 140-145 नायगाम स्कीम गोविन्दजी वेणी रोड बम्बई-14 है तथा जो बम्बई-14 में स्थित है और इसे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से (जो है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-क के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 4-3-1985

तो पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरक से हुई किसी बाव की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाव या किसी धन या अन्य वास्तव्य को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) घोषी इन्टरप्राइसिस।

(अन्तरक)

(2) श्री मुकेश रामजी साधल।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्तिकारी के पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वाक्यों का, जहाँ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 201 जो वेव कृपा इमारत 140-145 नायगाम स्कीम, गोविन्दजी वेणी रोड, बम्बई-14 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/5631/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-क के अनुसार, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-क को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 1-11-1985

मोहर :

प्रत्येक भाग में दो या दो से अधिक

(1) बोली इत्यादिसे।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) में अधीन सूचना

(2) भीमती सता मुखेरा साबला।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति में प्रवेश के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आर्जन है—

अर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई दिनांक 1 नवम्बर 1985

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उसके भी व्यक्तिगत रूप से
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/5909/84-85—अतः मुझे,
पी० एन० हुवे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रॉरजिस्कीस० फ्लैट न० 202 जो देव कुपा इमारत 140-
145 नायगाम स्किम गोविन्दजी केणी रोड बम्बई-14 है
तथा जो बम्बई-14 में स्थित है (प्रॉर इससे उपायधन अनुसूची में
प्रॉर पूर्ण रूप से वर्णित है) प्रॉर जिज्ञा करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख
4-3-1985

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहुत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है।—

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

फ्लैट न० 202 जो देव कुपा इमारत 140-145
नायगाम स्किम गोविन्दजी केणी रोड बम्बई-14 में स्थित है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के

अनुसूची जिस कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/5632/84-
85 प्रॉर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-85
को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० हुवे
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 1-11-1985

मोहर :

प्रकाशित की गई है। एन. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक 1 नवम्बर 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/5907/84-85—अतः मुझे,
पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौजिमकीम० फ्लैट नं० 601 जो प्लॉट हार्बर तुलसीवाडी
माझगांव बम्बई-10 है तथा जो बम्बई-10 में स्थित है (ग्रौजिमकीम
इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रौजिमकीम रूप से वर्णित है) ग्रौजिमकीम
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है तारीख 4-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहुधा अतिरिक्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरक लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के दायित्व के दायित्व में
कमी करने या उक्त वर्णन में सूचना के बिना;
और या/

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना
दी जाए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति को, वर्णित है—

45—366 GI/85

(1) मैसर्स बाजी इंटरप्रायसेस

(अन्तरक)

(2) श्री मुल्कीकारअली टी० रातलमवाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्णन में दिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 601 जो प्लॉट हार्बर तुलसीवाडी, माझगांव
बम्बई-10 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/5934/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-85
को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 1-11-1985

मोहर

प्रश्न बाई; टी. एम. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/5909/84-85—अतः सूत्र,
पी० एन० दुबे,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 16, जो, तल माला, रेक्स चेंबर्स,
डब्ल्यू० एच० मार्ग, बम्बई-38 है तथा जो बम्बई-38 में स्थित है
(और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269-क के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है तारीख 4-3-1985

को पूर्णतः संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की श्रमण
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि बाजारपूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके श्रमण प्रतिफल से ऐसे श्रमण प्रतिफल का बन्ध
श्रमण से अधिक है और वह कि बन्धक (बन्धकों) और बन्धरिती
पिटी (बन्धरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण सिद्धित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरक से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर होने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सूचना
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाता चाहिए या छिपाने में सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स बामबोट स्टेशनरी मार्ट।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स क्रेसेंट ट्रेडर्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्तन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्तन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक है—

(क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 16, जो तल माला रेक्स चेंबर्स डब्ल्यू
एच० मार्ग, बम्बई-38 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/5636/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-85
को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 1-11-1985

मोहर :

इस अधिनियम के अन्तर्गत—

(1) मैसर्स गोकुल प्रिंटर्स।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स केटी इटरप्रायजेस।

(अन्तरिती)

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

सूचना

कार्यालय, सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/5910/84-85-अनः मुझे

पी० एन० बुवे

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवेक करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० तुकान नं० 14, जो, जमासजी अपार्टमेंट नं०
32, एन० भरुजा मार्ग, बम्बई-7 है तथा जो बम्बई-7 में स्थित है
(और इससे उपाखंड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269
क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है। तारीख 4-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मूल्य बहुत निम्न रखने
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
पक्ष प्रविष्ट से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्त-
रिती (अन्तरिती) के बीच हुए अन्तरण के लिए तब पास
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने की अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
की लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय भाषाकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भाषाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, व्यक्तः—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक 2--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में छिप-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बन्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तुकान नं० 14, जो, जमासजी अपार्टमेंट नं० 32, एन०
भरुजा मार्ग, बम्बई-7 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/6359/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-85 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बुवे
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-1, बम्बई

तारीख : 1-11-1985
मोहर :

प्रश्न बाई-टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निर्देश सं० अई-1/371ईई/5913/84-85---अतः मुझे,
पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट नं० 64, जो, 6वीं मंजिल, मन्त्री कानेर
गोखले रोड और डा. सयानी रोड का जंक्शन, टीपीएस 4
एल्फीन्स्टन, बम्बई-25 है तथा जो बम्बई-25 में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
कारणमात्र आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-क के
अधीन बम्बई स्थित, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है तारीख 4-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अश्वेत अश्वानि पिटे
और श्रीमती एफ० पिटे।

(अन्तरक)

(2) श्री अश्वर वामण हाटले
और श्री वामण भास्कर हाटले

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में छुट-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 64, जो, 6वीं मंजिल, मन्त्री कानेर,
गोखले रोड और डा० सयानी रोड का जंक्शन, बम्बई-25 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि प्र० सं० अई-1/37-ईई/5639/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-85
को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे

सक्षम प्राधिकारी.

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 1-11-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक 1 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/5916/84-85—अतः मुझे,

पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० युनिट नं० 153, जो, 1ली मंजिल ए-2
शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट एम० जे० मार्ग, लोअर परेल,
बम्बई-13 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका बारातनामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 ब ख के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारी
4-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
लक्ष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कौचित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) शहा एण्ड नहार एमोर्गिएट ।

(अन्तरक)

(2) प्रसान प्रविणकुमार सघवो (मायनर),
प्रविणकुमार दिठलदास सघवो के पुत्र ।

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

युनिट नं० 153, जो, 1ली मंजिल, ए-2, शहा एण्ड नहार
इंडस्ट्रियल इस्टेट, एम० जे० मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 में
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/5641/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-85 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 1-11-1985

मोहर :

प्रथम भाग. बी. एन. एल. -----

सावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/5920/84-85—अतः, मुझे
पी० एन० दुबे

सावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके फलस्वरूप 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
लक्षण है कि स्थावर संपत्ति चितका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और त्रिपली सं० आउट हाउस का दक्षिण विभाग का फ्लैट, 3री
मंजिल पर, जो, 619, बाबू मेंशन, पारसी कालोनी, दादर,
बम्बई-14 है तथा जो बम्बई-14 में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका दायरनामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 ग के अधीन
बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख
4-3-1985

ये पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय
प्रतिफल के लिए अन्तरित को नहीं है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि उक्त पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल के बंधु
प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिकी
(अन्तरिकी) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब बाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
कार्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) दुभाष अहर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री रशीद जे० तांबुवाला

और श्रीमती जरीब आर० तांबुवाला

(अन्तरिती)

ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आउटहाऊस का दक्षिण विभाग कालेंट 3री मंजिल पर,
जो, 619, बाबू मेंशन, पारसी कालोनी, दादर, बम्बई-14 में
स्थित है। अनुसूची में जैसा कि क्र० सं अई-1/37-ईई/5645
/84-85 और मक्षम प्राधिकारी द्वारा दिनांक 4-3-85
को रजिस्टर किया गया है।

पी० एन० दुबे

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 1-11-85

माहूर :

इसका नाम टी. एन. एस. -----

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/5923/84-85 --अन: मुझे,
पी० एन० दुवे,

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 341, जो, 3री मंजिल, केवल
इंडस्ट्रियल इस्टेट, सेनापती बापट मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13
है तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (और इसमें उपावृत्त अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारनामा आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख
4-3-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सम्मान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके सम्मान प्रतिफल से, ऐसे सम्मान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और जंझक (अंशकों) और अंतरिती
(अंतिमिती) के बीच दूजे अंतरण के लिए तब पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अनुरोध को
शायित्वा में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तियों को
चिन्ह भावपूर्ण आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
बन्दीद्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, जिसे में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 1.

(1) माकसा कारपोरेशन ।

(अन्तरक)

(2) प्रिन्ट सर्विस ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के निम्न
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वास्तव :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
वर्ण होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 341, जो 3री मंजिल, केवल इंडस्ट्रियल
इस्टेट, सेनापती बापट मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित
है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/5648/84-85 और
जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-1985 को रजिस्टर्ड
किया गया है ।

पी० एन० दुवे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक क्र० सं० क्र० सं० ()

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 1-11-1985

मोहर :

प्रकट बाई.डी.एन.ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/5930/84-85 --अतः, मुद्रा
पी० एन० डब्ल्यू,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुरान नं० 38, जो, हिंदू राजस्थान इमारत
तल माला, दादा साहेब फालके मार्ग, दादर, बम्बई-14 है तथा
जो बम्बई-14 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 4-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का
बहुत प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंत-
रती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तव्यो
को, जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरितियों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित :-

(1) नेनसी ट्युडोरियल कन्सलटेन्सी सर्विसेस प्रायवेट लि०
(अन्तरक)

(2) श्री धरमेंद्र डी० घेलानी।

(अन्तरितियों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किन्हीं वाक्षेपों।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुरान नं० 38, जो, हिंदू राजस्थान इमारत, तल माला,
दादा साहेब फालके रोड, दादर, बम्बई-14 में स्थित है।

अनुसूची जसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/5653/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-1985
को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० डब्ल्यू

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, बम्बई

दिनांक: 1-11-1985

मांहर :

प्रथम भाग टी. एन. ए. ए. ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269(ग) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/5932/84-85—अतः मुझे
पी० एन० दुवे,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसे सं० प्रिमायसेज नं० 27, जो, 1ली मंजिल, 16/24,
मुस्ताफा मार्केट, खारा कुवां, बम्बई-3 है तथा जो बम्बई-में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की
धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 4-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि बधापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्च प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
थाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुए किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने के सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसे किसी आय या किसी भू या अन्य वास्तव्यो
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
46—366 GI/85

(1) श्रीमती निर्मलाबेन सन्तलाल दवे

(अन्तरक)

(2) श्री रमेशचन्द्र हिमलमल जैन,
और श्रीमती कमलाबेन एम० संधवी

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रिमायसेज नं० 27, जो 1ली मंजिल, 16/24, मुस्ताफा
मार्केट, खारा कुवां बम्बई-400 003 में स्थित है।

अनुसूची जैजा हि क्र० सं० अई-1/37-ईई/5655/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-85
को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुवे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 1-11-1985

सांहर ५

प्ररूप आई.डी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/5934/84-85—प्रतः मुझे पी० एन० दुवे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, जो, तल माला, विश्व वास्तु इमारत, श्री हिंद को-ऑप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, 23 एन० एम० मणकी रंग मार्ग, सायन, बम्बई-22 है तथा जो बम्बई-22 में स्थित है (और इससे उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारखाना आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 4-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भू या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बी० सी० कमानी,
श्री जे० सी० कमानी,
और श्री बी० सी० कमानी।

(अन्तरक)

(2) श्री विजय हिरालाल शाहा।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में निवेश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 2, जो, तल माला, विश्व वास्तु इमारत, श्री हिंद को-ऑप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, 23, एन० एम० मणकी रंग मार्ग, सायन, बम्बई-22 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-1/37-ईई/6380/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुवे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 1-11-1985

मोहर:

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) बोली इंटरप्रायसेस ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री गाडगे चालित सेराव ।

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/5936/84-85—अतः मुझे

पी० एन० घुबे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसे सं० फ्लैट नं० 401, जो, शांती कुंज इमारत,
87, नायगाम फास रोड, दादर, बम्बई-14 है तथा जो बम्बई-14
में स्थित है (और इससे उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), और जिसका कारणमा आयकर अधिनियम,
1961 की धारा 269-क के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 4-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती
(अन्तरितीयां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी भाव की वास्तविक अन्तरण
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण में
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
नहीं है; और/या

(ख) ऐसे किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तविक
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनात् अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पत्र
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 401, जो, शांती कुंज इमारत, 87, नायगाम
फास रोड, दादर, बम्बई-14 में स्थित है

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/5657/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-1985 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० घुबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 1-11-1985

मोहर :

प्राख्य आई.टी.एन.एस.,

(1) बोली इन्टरप्रायसेज

(प्रत्यक्ष)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती मेरी सेराज।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/5937/84-85--अ०: मुझे
पी० एन० दुवे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 404, जो, शांती कुंज, इमारत, 87,
नायगाव क्रास रोड, दादर, बम्बई-14 है तथा जो बम्बई-14 में
स्थित है (और इससे उत्पन्न आय में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), और जिसका उद्देश्य आयकर अधिनियम, 1961 की
धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 4-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
अच्छा प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
जवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

[(क)] अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

[(ख)] ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक है—

[(क)] इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

[(ख)] इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं
हैं, वही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 404, जो, शांती कुंज इमारत, 87, नायगाव
क्रास रोड, दादर, बम्बई-14 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-1/37-ईई/5658/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-85 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुवे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 1-11-1985

मोहर:

प्रमाण जारी. टी. एन. ए. ए. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर, 1985

निवेदन सं० आई-1/37-ईई/5939/84-85—प्रति: मुझे,

पी० एन० हुवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० कार्यालय नं० 36, ताडदेव एअर-कंडिशनड मार्केट, 5वीं मंजिल, ताडदेव रोड, बम्बई-34 है तथा जो बम्बई-34 में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 4-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल से लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बम्बई प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय का वास्तविक, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री सितारचन्द अजमेरा ।

(अन्तर 5)

(2) श्री कन्हैयालाल कुंवरजीभाई ठक्कर ।
और श्रीमती मधुबेन कन्हैयालाल ठक्कर ।

(अन्तर 1)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त पद्यों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कार्यालय नं० 36, जो, ताडदेव एअर-कंडिशनड मार्केट, 5वीं मंजिल, ताडदेव रोड, बम्बई-34 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/5659/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी० एन० हुवे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 1-11-1985

मोहर :

प्रमाण आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निर्देश सं० अर्.ई-1/37-ईई/5943/85-84:—अतः सुचे,
पी० एन० बुवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 903, जो, 9वीं मंजिल, इमारत नं० 1,
"सुमेर टावर", लव लेन, ग्रेट मोतीया रोड़, म.क्षगांव, बम्बई-10
है तथा जो बम्बई-10 में स्थित है (और इससे उपरोक्त अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कार्यालय आयकर
अधिनियम, में 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 4 मार्च
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापरोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा
दायित्व के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) नेवर्स सुमेर एसोसिएट्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री मनोज कुमार टी० क्षेत्री,
और श्रीमती मीना एम० क्षेत्री, ।

(अन्तरिती)

(3) बिल्डर्स ।

(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्लेट नं० 903, जो, 9वीं मंजिल, इमारत नं० 1, "सुमेर
टावर", लव लेन, ग्रेट मोतीया रोड़, म.क्षगांव, बम्बई-10 में
स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अर्.ई-1/37-ईई/5662/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-85 को
रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी० एन० बुवे,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 1-11-1985.
मोहर :

मन्त्रालय, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/5054/84-85—प्रति: मुझे,
पी० एन० बुवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसे सं० युनिट नं० 343, जो, उरी मंजिल, ए-2, दहा
एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट, एस० जे० मार्ग, लोअर परेल,
बम्बई-13 है तथा जो क्र० 1-13 में स्थित है (और इससे उपाय
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कार्यालय
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-घ, ख अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में स्थित है, तारीख
19-3-1985

जो पर्वत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(1) दहा एण्ड नहार एसोसिएट्स।

(अन्तरक)

(2) मजसे कियार कलर-वेम इंडस्ट्रिय।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित
बोध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यालय में करी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी बच या अन्य कार्रवाई
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

युनिट नं० 343, जो, उरी मंजिल, ए-2, दहा एण्ड नहार
इंडस्ट्रियल एस्टेट एस० जे० मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 में
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/5054/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-3-85
को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बुवे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 1-11-1985

मोहर :

प्रथम भाग, टी. एन. एस. ए. ए. ए.

(1) शहा एण्ड नहार एसोसिएट्स।

(अन्तरक)

(2) मैक्स रूबिनशा एक्सपोर्ट प्रायवेट लि०।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/5955/84-85—अतः मुझे,

पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
हमने पर्याप्त 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० युनिट नं० 419 बी, जो, 4थी मंजिल, शहा एण्ड
नहार इंडस्ट्रियल एस्टेट ए-1, सोमर परेस, बम्बई-13 है तथा
जो बम्बई-13 में स्थित है (और इससे उपरान्त अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका मालिकानामा आयकर अधि-
नियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 19-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
अधिक प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिल्व में कमी करने या इससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम का धारा 269-ब के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधाएं :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

युनिट नं० 419 बी, 4थी मंजिल, शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल
एस्टेट ए-1, सोमर परेस, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-1/367-ईई/5567/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-3-85
को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 1-11-1985

मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती पद्मा चन्दसेखर ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री सुरेश मोना राय ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/5950/84-85:—अन० मुंबे,
पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसे सं० फ्लैट नं० 34, जो, 3री मंजिल, "प्रभा मंदिर",
को-आप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, आफ वीर सावरकर मार्ग,
प्रभादेवी, बम्बई-25 है तथा जो बम्बई-25 में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 ए, ब
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है, तारीख 4-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए:
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के
लिए;

अन० यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, से उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जन :—

47—366 GI/85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 34, जो, 3री मंजिल, प्रभा मंदिर को-आप०
हाउसिंग सोसाइटी लि०, आफ वीर सावरकर मार्ग, प्रभादेवी,
बम्बई-25 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/5628/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-1985
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी० एन० दुबे,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 1-11-1985

चोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, तारीख 1 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/5959/84-85 अतः नुबे,
पी० एन० दुबे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या यूनिट नं० 350, जो 3री मंजिल, टोडी
इंडस्ट्रियल इस्टेट, एन. एम. जोशी मार्ग बम्बई-11
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,
1961 की धारा 269-क के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 19-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आर्थिक की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स प्रिन्ट सर्विस,

(अन्तरक)

(2) मेसर्स सर्वोदया प्रिन्टर्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 350, जो 3री मंजिल, टोडी इंडस्ट्रियल इस्टेट
एन० एम० जोशी रोड, मार्ग बम्बई-11 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-1/37-ईई/5670/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
19-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 1-11-1985

मोहर :

प्रश्न नम्बर टी. एन. एच.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर, 1985

निदेश सं० अई-1/37ईई/5960/84-85—अतः मुझे
पी० एन० दुवे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय नं० 28, जो 9वीं मंजिल, इमारत
नं० 3, नवजीवन को० ओप० सीसायटी लि०, लेमिंग्टन रोड,
बम्बई-8 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-3-85
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यह पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल

के पञ्च प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
के वास्तविक रूप से करीब नहीं किया गया है।—

- (1) श्री लोकसिंह आर० बजाज, और
श्रीमती विमल देवी एल० बजाज।
(अन्तरक)
- (2) बी० सी० पूनामिया और
श्रीमती बिमला देवी पूनामिया।
(अन्तरिती)
- (3) अन्तरितीयों।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) अन्तरितीयों।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 29, जो 9वीं मंजिल, इमारत नं० 3,
नवजीवन को० ओप० सीसायटी लि० लेमिंग्टन रोड, बम्बई-8
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-1/37ईई/6372/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-3-1085 को रजिस्टर्ड किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वापस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किन्ना जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
के अंतर्गत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों को सूचित है—

दिनांक : 1-11-1985
मोहर :

पी० एन० दुवे
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

प्रश्न नम्बर. टी. एन. एस. 2-1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निदेश सं० अई-1/37/ईई/5971/84-85—अतः मुझे
पी० एन० दुबे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 3, जो 1ली-मंजिल, परसराम
निवास, परसराम सतमदास प्रिमायसेस को० श्रोप० हाउसिंग
सोसायटी लि०, 234-ए, सायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित
है (और इसमें उपबाद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है)
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है तारीख 19-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके वर्तमान प्रतिफल से, ऐसे वर्तमान प्रतिफल का
संगत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
का जिन्हें भारतीय बाह्य-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अपीत हूँ—

(1) श्रीमती ताराबाई एम० रघानी ।

(अन्तरक)

(2) श्री केशरीमल एम० मिश्रीलाल शाहा और
श्रीमती उषा केशरीमल शाहा ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितीयो ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है) ।

मेरे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन व
लिए कार्यवाही करा रहा हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या हस्तक्षेपी व्यक्ति को
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
सम्पत्ति में न किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तक्षेप
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखाधिकारी के पास
निवेदन से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 3, जो, 1ली मंजिल, परसराम, निवास, परसराम
सतमदास प्रिमायसेस को० श्रोप० हाउसिंग सोसायटी लि०,
234-ए, सायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-1/37/ईई/5673/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
19-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी० एन० दुबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 1-11-1985

मोहर :

प्रकट जार्ज.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर, 1985

निवेश सं० आई-1/37ईई/5972/84-85—अनः मुझे
पी० एन० दुवे

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन तबान प्राधिकारी को यह विज्ञापन करने का
अवसर है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिनकी सं० कार्यालय नं० 201, जो, 2री मंजिल,
मरीन चैम्बर्स, प्लॉट नं० 11, न्यू मरीन लाईन्स, बम्बई-20 में स्थित है तथा
जो बम्बई-20 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका कार्यालय (सहायक आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है) तारीख
19-3-1985

जो पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की वर्तमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विज्ञापन
करने का अवसर है कि वर्तमान में उक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उक्त वर्तमान प्रतिफल एवं वर्तमान प्रतिफल के
लिए प्रतिफल से अधिक है। तबान (अंतरकों) और अंतरों
(अंतरों) के बीच एवं अंतरों के लिए यह पाया गया कि
उक्त, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विहित में वास्तविक
रूप से अधिक नहीं किया गया है।

(क) अंतरण से हुई किसी बाब की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अवसर के वास्तव
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) इसी किसी बाब या किसी भू या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के अन्वयेणार्थ जमाखोरी द्वारा प्रकट नहीं किया
था या या किया जाता था, जिसे वे
विधेय के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब में अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ५—

(1) स्टारलाइट केबल्स लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चंद्रीका चन्द्रकांत पारीख और
श्री चन्द्रकांत गडालाल पारीख।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरकों।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अधिक बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाह्नकारी के
बाद लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्वयेण 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अधिनियम में दिया
गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 201, जो, 2री मंजिल, मरीन चैम्बर्स,
प्लॉट नं० 11, न्यू मरीन लाईन्स, बम्बई-20 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-1/37ईई/5972/84-85
श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-3-1985
को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुवे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक : 1-11-1985

मोहर :

प्रथम भाग: टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(1) केवल बिजुस प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मनोरमा कांतीलाल मनसेटा।

(अन्तरिती)

द्वितीय भाग

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निदेश सं० अई-1/37ईई/5673/84-85—अतः मुझे

पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मासाल/युनिट नं० 417, जो 4थी मंजिल, एविंग केवल इंडस्ट्रियल इस्टेट, लोअर परेल, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची है और पूर्ण रूप से घणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 14-3-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या जो किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के विषय कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आरोप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या उत्सम्भणी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि के बाद उत्पन्न सम्पत्ति में हितवशुप किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

युनिट नं० ने17, जो, 4थी मंजिल, ए-विंग, केवल इंडस्ट्रियल इस्टेट, लोअर परेल, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-1/37ईई/5675/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 1-11-1985

मोहर

प्रकाश बाई टी. एन. एन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निदेश सं० अई-1/37ईई/5792/84-85—अतः मुझे

पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय नं० 16, जो 13वीं मंजिल, नवजीवन
सोसायटी इमारत नं० 3, लेमिन्टन मार्ग, रोड, बम्बई-8 है
तथा जो बम्बई-8 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 10-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
मासिक रूप से कीमत नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) चंदवानी मरमानंद पी०,
(ट्रस्टी-पी० पी० प्रा० ट्रस्ट)।

(अन्तरक)

(2) अशोक कुमार तुलस्यान और रामस्वरूप तुलस्यान ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां कराई गईं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में बनाया होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पक्ष
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्या :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 16, जो, 13वीं मंजिल, नवजीवन सोसायटी
इमारत नं० 3, लेमिन्टन रोड, बम्बई-8 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-1/37-ईई/5686/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
10-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 1-11-1985
मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर, 1985

निदेश सं. आई-1/37ईई/5995/84-85—अत. मुझे
पी० ए० न० दूबे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लेट न० 1, जो 2री मंजिल इमारत न०
4, पी० ए० बी० अपार्टमेंट्स वी० जी० खैर रोड, वरली
नाका, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची है और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनाम
आयकर अधि नियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख
19-3-1985

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में अभिमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्त, उक्त
अन्तरण के कारण अन्तरक के दायित्व
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तिगत
वस्तु के अन्तर्गत आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अवबोधार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में व्यक्तिगत
के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

- (1) पी० एस० बी० कम्स्ट्रक्शन कंमनी लिमिटेड।
(अन्तरक)
- (2) 20वीं सेच्युरी फाईनान्स एण्ड कन्सल्टेंसी
सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
आयदाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
रिक्ती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लेट न० 1, जो 2री मंजिल, इमारत न० 4, पी० एस०
बी० अपार्टमेंट, वी० जी० खैर रोड, वरली नाका, बम्बई में
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-1/37ईई/5684/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-3-1985
को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दूबे
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अजन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 1-11-1985

मोहर :

दिनांक : 1-11-1985
मोहर :

अर्जन रेंज-1, बम्बई

सूचना क्र. 1/85

(1) डा० शशिभा वि० कामन।

(अन्तरक)

(2) श्री के० रामनाथन।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति,
जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

सहायक आयुक्त, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेंज, 1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/C006/84-85--अतः मुझे,
पी०एन० दुवे,सहायक आयुक्त, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके अन्तर्गत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि उक्त संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1 00,000/- रु० 31/8/85 हैऔर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1317, जो, इमारत नं० 44,
एम०आई०जी० आदर्श नगर को-ऑप० हाउसिंग सोसाइटी
लि०, वरली, बम्बई-25 में स्थित है। (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
काराणामा आयुक्त अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है। तारीख 20-3-1985।को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सक्षम
प्रतिफल का प्रतिफल, जो उचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में सम्बन्धित रूप से कथित नहीं किया गया है :-को यह सूचना जारी करने पर मैं संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम की व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता है, के भातर पूर्वोक्त
अवधि में ही संपत्ति का अर्जन करना;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों की अवधि में संपत्ति के अर्जन के लिए उक्त
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्युत्साहकारी के पास
संपत्ति का अर्जन करना।स्पष्टीकरण :- इसमें उक्त पदों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम में 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो अधिनियम में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए
और/या(ख) संपत्ति के अर्जन का क्रम या अन्य आस्थितियों
के अन्तर्गत भारतीय आयुक्त अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोग
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या
या किया जाना चाहिए या लिखित में सुविधा के
लिए।अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, सहायक आयुक्त की धारा 269-ग के उपधारा (1)
के अन्तर्गत कार्यवाही, अर्थात् :-फ्लैट नं० 1317, जो, इमारत नं० 44, एम०आई०जी०
आदर्श नगर को-ऑप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, वरली,
बम्बई-25 में स्थित है।अनुसूची जैसा की क्र०स० आई-1/37-ईई/5696/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-3-85
को रजिस्टर्ड किया गया है।पी०एन० दुवे
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 4-11-1985

मोहर :

सूचना क्र. 251. एन. एच. 1985

(1) श्रीमती कीरणदेवी उमराधमल बरसेवा ।

(अन्तरक)

(2) अजयकुमार गर्ग ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) से मधीन सूचना

कारक सरकार**कानून, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/6011/84-85—अतः मुझे,
पी०एन० दुबे;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 103, जो, 18वीं मंजिल,
दरीया महल, 80, नेपियन सी रोड, बम्बई है तथा जो
बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख
20-3-1985 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूके यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल स्वीकृत/लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर्गत लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा
को दिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
को दिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम का धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में विद्वत्
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 103, जो, 18वीं मंजिल, दरीया महल, 80,
नेपियन सी रोड, बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकी क्र०सं० अई-1/37-ईई/570/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-3-85
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी० एन० दुबे
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 4-11-1985
मोहर :

प्रकृष भार, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/6012/84-85—अतः मुझे,
पी०एन० बुजे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञापन करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० दुकान नं० 2, जो, पिटर मार्केल इमारत,
प्लॉट नं० 941, और 941ए, प्रभादेवी, बम्बई-25 है तथा
जो बम्बई-25 में स्थित है (और इस उपायुक्त अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख
20-3-1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
इस प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
रखा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निर्दिष्ट से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स कॉम्प्रीहोम बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री नितिय श्रीधर कापडी और
श्रीमती उर्मि नितिन कापडी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बन्धुकी

दुकान नं० 2, जो, पिटर मार्केल इमारत, प्लॉट नं०
941 और 941ए, प्रभादेवी, बम्बई-25 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र०सं० अई-1/37-ईई/5702/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-3-85
को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी०एन० बुजे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 1-11-1985
मोहर :

प्रमुख आई. टी. एन. एस्. एस्.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक 1 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/6013/84-85—अतः म.अ.
पी०एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 1, जो, पिटर मार्केल इमारत,
प्लॉट नं० 941 और 941ए, प्रभादेवी, बम्बई-25
है तथा जो बम्बई-25 में स्थित है (और इसमें उपाखंड
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसे
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269
क, ख "अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है। तारीख 20-3-1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
वर्द्ध प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शायद उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगत, अर्थात् :—

(1) मेनर्स कांसीहोम बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) मेनर्स डायट्रान (इंडिया) लिमिटेड।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सन्दर्भ की व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 1, पिटर मार्केल इमारत, प्लॉट नं० 941
और 941ए, प्रभादेवी, बम्बई-25 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र०सं० आई-1/37-ईई/5703/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-3-85
को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 बम्बई

तारीख : 1-11-1985

मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961

(1) श्री वेहरामजी बी० बरीया ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(2) कुमारी विनाता गेहटी ।

(अन्तरिती)

की धारा 269 ग (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजमेर रेंज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति—

निर्देश सं० ईई-1/37-ई/5016/84-85—अन० मुझे, पी०एम० दुबे
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

आं० जिला नं० फ्लैट नं० 1, जो 8वीं मंजिल, वली हिमालया जो आं० हाउसिंग सोसाईटी, 109, वली सीफेस रोड, बम्बई-18 है तथा जो बम्बई-18 में स्थित है (प्रॉ० इसमें उदाहरण अनुसूची में आं० पूर्ण रूप में वर्णित है), आं० जिला नं० जयपुराया आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ग के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 20-3-1985।
को पत्राचार के माध्यम से जयपुराया के जय के इस्तेमाल प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्तेमाल प्रतिफल से ऐसे इस्तेमाल प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचत में लब्धियां मिलाने, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समवन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

फ्लैट नं० 1, जो 8वीं मंजिल, वली हिमालया को-आं० हाउसिंग सोसाईटी, 109, वली सीफेस रोड, बम्बई-18 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० ईई-1/37-ईई/5706/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी०एम० दुबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अजमेर रेंज-1 बम्बई

धन: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

तारीख : 1-11-1985

मोहर :

प्रत्यक्ष आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निर्देश सं० ई-1/37-ईई/6019/84-85—अतः मुझे,
पी०एम० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 21, जो, 3री मंजिल, श्री
जगदीश निवास को-ऑप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, प्लॉट
नं० 198, सायन (पूर्व), बम्बई-22 है तथा जो बम्बई-22
में स्थित है (और इसमें उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख
20-3-1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और जो कि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का
बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरीयमों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए सब पाका गया
प्रतिफल, निम्नलिखित अनुक्रम से उक्त अनुक्रम लिखित में
वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री योगेशप्रेमचंद शहा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पा हरकिशनदास मेहता और
श्री हरकिशनदास जीवनलाल मेहता।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति,
जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करा रहा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या उत्सम्भन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितवन्धु किसी
नव्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अन्धारा 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो सब अनुभाग में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 21, जो, 3री मंजिल, श्री जगदीश निवास
को-ऑप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, प्लॉट नं० 198, सायन
(पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र०सं० आई-1/37-ईई/5708/84-85
और सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-3-85
को रजिस्टर्ड किया गया।

पी० एम० दुबे
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 1-11-1985
मोहर :

प्ररूप कार्य. टी. एन. ए.-----

(1) मेसर्स लि प्रण्ड

मुयरहेड (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स मौराट्ट क्लेअरिंग एजेंसी।

(अन्तर्गति)

(3) अन्तरितीयों।

(वह व्यक्ति,
जिसके अधिभाग
में सम्पत्ति है)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/6025/84-85—अतः मुझे,
पी० एन० दुबे,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि यथावत संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
से अधिक हैऔर जिसकी सं० कार्यालय नं० 201, जो 2री मंजिल,
नवरत्न इमारत नं० 1, 69, पी०डि" मेलो रोड, बम्बई-9
में स्थित (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
कारणनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269
क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है तारीख 20-3-1985को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उपरोक्त से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए
बाद/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

49—366 GI/85

को यह सूचना बाड़ी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों की अवधि या तत्सम्यग्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, या भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त व्यापार सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोद्वितीयकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 201, जो 2री मंजिल, नवरत्न इमारत
नं० 1, 69, पी०डि" मेलो रोड, बम्बई-9 में स्थित है।अनुसूची जिसकी क्र०सं० आई-1/37-ईई/5711/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-3-85
को रजिस्टर्ड किया गया है।पी० एन० दुबे
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-1, बम्बईतारीख : 1-11-1985
मोहर :

प्रमाण आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती. गैररी. शालिनी. श्रीवास्तव ।

(अन्तर्गति)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्री गुरु भाई जेजजी शिंदे ।

(अन्तर्गति)

269-घ (1) के अधीन सूचना

(3) अन्तर्गति ।

भारत सरकार

(यह व्यक्ति, जिसके नाम में सम्पत्ति है ।)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई-1/37ई/6029/84-85-- अन्तर्गति मुझे,
पी० एन० हुवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 3, जो, तनमाला, कबीरजी इमारत, शिवरी-बाला, बम्बई-31 में स्थित है (और इसमें उपानुद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका नामांकित अधिनियम, 1961 की धारा 269-घ के अधीन प्रचलित स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 20-3-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथासंभव संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतः क (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में तात्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आगे --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् तारीखों पर सूचना की तारीख से 30 दिन का अवधि, जो भी अवधि बाद में संपादन होती हो, को संचित प्रमाणित व्यक्तियों में से किसी एक व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में निहित बद्ध किसी अन्य सविधा द्वारा, अथवा साक्षरों के पास लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के अन्तर्गति परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उक्त अधिनियम में दिये गये हैं।

अनुसूची

फ्लेट नं० 3, जो, तनमाला, कबीरजी इमारत, शिवरी-बाला बम्बई-31 में स्थित है ।

अनुसूची जिसकी सं० सं० आई-1/37ई/5714/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी के अधीन सं० सं० 20-3-85 को रजिस्ट्री किया गया है ।

पी० एन० हुवे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख 1-11-1985

तारीख : 1-11-1985

पृष्ठ 8

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री मनहर लाल तिलाल सेठ ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री जितेन्द्र एच० गांधी ।

(अन्तरक)

भारत सरकार

(अन्तरिती)

कार्यान्वय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(3) अन्तरक ।

(वह व्यक्ति, जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक 1 दिसम्बर, 1985

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

निर्देश सं० आई-1/37ईई/6042/84-85-- अतः मुझे
पी० एन० दूबे,

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

और निम्नी सं० फ्लैट नं० 5, जो 6ठी मंजिल, बी-विंग, अंबती
निकेतन को आप० हार्जिसिंग सोसाइटी लि०, फ्लोर रोड, सायन
बम्बई-22 है तथा जो आई-22 में स्थित है और उसे उपावद्ध
अनुसूची में ओ० पण्डित के अधीन है), और जिसका पता नामा
आयकर अधिनियम, 1961 की

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

धारा 269 घ के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है। तारीख 20-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरक की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का, बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

फ्लैट नं० 5, जो, 6ठी मंजिल बी-विंग, अंबती निकेतन को०-
आप० हार्जिसिंग सोसाइटी लि०, फ्लोर रोड, सायन, बम्बई-22-
में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37ईई/5720/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-3-85 को
रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी० एन० दूबे
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 1-11-1985

मोहर

(1) गद्दा एण्ड नह्यार एसोसिएट्स ।

(अंतरक)

(2) श्री हरसूत्र लाल पि० संघानी

(अतरिती)

ह्याच वेळी

अध्यक्ष, सहायक नायक नायिका (निर्देशक)

अर्जुन रेंज-1, खम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निदेश सं० अई-1/34ईई/6045/84-85— अतः मुखे,
पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब से अधीन सख्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट सं० 426, जो, 4थी मंजिल, ए-1, शहा
एण्ड नहार इन्स्टिट्यूट इस्टेट, एम० जे० मार्ग, लोथर परेल,
बम्बई-143 में स्थित है और इसमें उपाचक्र अन्तर्मुखी में और
पूर्णरूप में वर्णित है), और जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 20-3-1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजा मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और उसे वह विषय
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके 1/5वां प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
अन्तरित है अधिक है और /करक (अंतरकों) और अंतरित
(अंतरिकों) के बीच ऐसे अंतर है के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निर्मालीकृत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कायम नहीं किया गया है :—

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त समिति को वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अगाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

Abstract

(क) अन्तरण से हुए किसी बाय की बायन, उस अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में लगी करने या उसके बचन में सुविधा के लिए; और/॥

(क) एतों किताँ नाव या विष्ठी भन बा जन्म कास्तिबाँ
के बिच्छू भारतीय नावकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) बा जन्म अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अन्वये गार्ह जन्मिती बुवा प्रकट हई किवा मया
बा न, किवा जाना जाहिए ए, ति माने में हविधा
के लिए।

यूनिट नं० 426, जो 4थी मंजिल, ए-1, गहा एण्ड नहार इन्डस्ट्रियल इस्टेट, एमके जे० मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/3कई/5724/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-3-85 को
रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी० एन० दुबे

सक्षम प्राधिकारी

सहाय ५ आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

जतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 1-11-1985

मेहर :

प्रस्प. आई. टी. एन. एस. ----

(1) शहा एण्ड नहार एसोसिएट्स।

(अन्तरक)

(2) श्री नरेन्द्र ठक्कर।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक 1 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आई-1/37ईई/6046/84-85-- अतः मुझे,
पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 427ए, जो शहा एण्ड नहार इन्डस-
ट्रियल इस्टेट ए-1, एम० जे० मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 में
स्थित है (और इसमें उभावृक्ष अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित
है), और जिसका दस्तावेज आयकर अधिनियम, 1961 की
धारा 269-ब के अधीन, बम्बई में सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्टर्ड है। तारीख 4-3-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
[यह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
बाधा बना प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है]—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारित्व में कर्तव्य करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के योजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों कर रहा हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधाएं—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 427ए, जो, शहा एण्ड नहार इन्डस्ट्रियल इस्टेट
ए-1, एम० जे० मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैना क्र० सं० आई-1/37ईई/6382/85-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-85 को
रजिस्टर्ड किया गया।

पी० एन० दुबे
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 1-11-1985
मोहर :

प्रमुख बाह्य : टी. एन. एस.

(1) मै० वन० ज० मिल्स प्रा० लि० ।

(अन्तरम्)

भाषापर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) को अधीन सूचना

(2) मे.सि. अटीगा इलेक्ट्रीकल प्रा० लि० ।

(अन्तरक)

पारस वरदान

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षर)

का यह सुनना भारी करके पृथ्वीत सम्पात के वर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

अर्जन रेज-1, बम्बई

द्वयत संपत्ति के अंजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निदेश सं० अई-1, 37ईई, 6055/84-85- अत, मुझे,
पी० एन० दबे,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० गाला नं० 35, जो, तल मादा, ए-2, ज्मास्त, शहा एण्ड नहार इन्डस्ट्रियल इस्टेट, लोअर परेल, बम्बई-13 में तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (और इनमें उपायुक्त अनुमोची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिन्हा द्वारा तामा आयात कर प्रतिनियम, 1961 की धारा 269 अख के अधीन बम्बई स्थित आम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 20-3-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बहुत प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितता (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कायम नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन का अवधि या तत्सम्यङ्गी व्यक्तियों पर सूचना का सामल से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक हो, में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम के अन्वय 20-क में परिभाषित हैं, द्वारा शासित जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसूची

गा.ता.नं० 35, गा.ता.मा.ता.ए-2 इमारत' शहा एण्ड नहार इन्डस्ट्रिया इन्स्टेट, लोअर पररा, वास्वई-13 में स्थित है।

ग्रन्थसूची के अंक सं० अई-1/3 अईई/5731/84-85
और जो पक्षन प्राप्तिपारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-3-85 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

(क) अंतरण से हुई किसी जाय की वापस, उक्त स्थितिभेद के अधीन कर देने के अंतरक के शायित्व से कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ब) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों के, बिना भारतीय मायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंटाई हुई इकाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिसमें से विभा के लिए;

उत्तर: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
जै, जै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अर्थानि, निम्नलिखित व्यक्तियों, वधति :—

तारीख : 1-11-1985
माहिर :

पी० ए० द्रबे

क्षम प्राप्ति गरी.

सहाय : आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

(अन्तरक)

(अन्तरितीं)

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :-

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है :

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/34ईई/5734/84-85
और जातीय प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-3-85 को
नॉमिनेट किया गया है।

पी० एन० दुवे
सक्षम प्राधिकारी
आयुक्त (निरिक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 1-11-1985
मोहर :

प्रथम भाग, टी. एन. एस.-----

(1) श्री विनोद अग्रवाल कारिया।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) बम्बई डेटल डिपो।

(अन्तरिती)

छात्र सहायक

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाही कराता हूँ।

निदेश सं० अई/1/37 ईई/4715/84-85— अतः मुझे,
पी० एन० हुबे,

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी कार्यवाही—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० कमरा नं० 6, जो 2री मंजिल, फोर्ट विजय
को० प्रा० हाउसिंग सोसाइटी लि०, 1/3 गोला लेन, फोर्ट, बम्बई-1
है तथा जो बम्बई-1 में स्थित है (और हमसे उपावृद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), और निम्न-लिखित करारनामा आयकर अधिनियम,
1961 की धारा 269-ब के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 29-3-85

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
बिबिध में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है—

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हायिस्व में कमी करने या उससे बर्जन में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

कमरा नं० 6, जो, 2री मंजिल, फोर्ट विजय को० प्रा०
सोसाइटी लि०, 1/3 गोला लेन, फोर्ट, बम्बई-1 में स्थित
है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/3 अईई/6352/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-3-85 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० हुबे
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

तारीख 1-11-1985
मोहर

प्रमाण है। टी. एन. ए.

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-क में अधिनियम

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजनन-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर, 1985

निदेश सं० आई-1/37ईई/4757/84-85— धतः मुझे,
पी० एन० हुवे

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है
और निपटरी सं० वायानय प्रमाणपत्र नं० 3-एन, जो 3री मंजिल
विजय चेंबर प्रमाणपत्र को०-प्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि०,
त्रिभुवन रोड, बम्बई-4 तथा जो बम्बई-4 में स्थित है (और
इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका
करारनामा भाषाकर अधिनियम 1961 की धारा 269-क के
अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है
तारीख 28-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के समयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
ऐसे समयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरक
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
इस अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है।—

(क) अन्तरक से हुई किसी बादा की बावत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी भाषा या किसी धन या अन्य वास्तविकी
को जिन्हें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
न अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-क के अन्तरक
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, बम्बई :—
30—366 GI/85

(1) श्रीमति हंसा बी० समान्ती ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति ज्योत्सना भरत गोरदिया ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक ।

(यह व्यक्ति, जिसके अधिनियम में
सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशुध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्तिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कार्यालय प्रमाणपत्र नं० 3-एन, जो, 3री मंजिल, विजय
चेंबर प्रमाणपत्र को०-प्राप० हाउसिंग सोसाइटी त्रिभुवन
रोड, बम्बई-4 में स्थित है।

अनुसूची के अन्तर्गत कि सं० आई-1/37ईई/6353/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-3-85 को
रजिस्ट्री किया गया है।

पी० एन० हुवे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजनन-1, बम्बई

तारीख : 4-11-1985

बोहर :

प्रारूप भाई टी एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/4765/84-85---अतः मुझे,
पी० एन० दुबे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 4, जो छठी मंजिल बी-विंग
मातृ प्राग्विश प्रिमायसेस को०-आप० सोसायटी लि०, 39
नेपियनसी रोड बम्बई 36 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका पञ्चानामा
आय र अधिनियम 1961 की धारा 26-ब के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 26-3-
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धत प्रतिशत से अधिक है और अंत-
तः (अंतरकों) और अतिरिक्ती (अतिरिक्तियों) के बीच एसे अत-
रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
अतः अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यलय में कमी करने या उससे बचन में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती इंदुमती कान्तिनाल गांधी और श्री रजनीशंत
पण्डीनाल गांधी ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेन्द्र शामजीभाई मेंहता और श्रीमती जयश्री
सुरेन्द्र मेंहता ।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उपाहस्ताक्षरी को पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 4, जो छठी मंजिल बी-विंग मातृ प्राग्विश
प्रिमायसेस को०-आप० सोसायटी लि०, 39, नेपियनसी रोड-
बम्बई-36 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-1/37-ईई/6353/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-3-
85 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी० एन० दुबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1 बम्बई

दिनांक : 1-11-1985

माहूर

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्री चितार मेंहता और श्रीमती मंजुमती श्री. मेहता ।

(अन्तरक)

(2) श्री काना वारकादास रूपारेनिया धनेश वारकादास रूपारेनिया सिमा धनेश रूपारेनिया और मधु शरद फनावर ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितियों ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/5412/84-85—अतः मुझे पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 73-बी जो, 7वीं मंजिल, हिरा पन्ना बी० वे.ई. रोड और ताडदेव रोड का जंक्शन, बम्बई-20 में स्थित है (और इनसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका वारानामा आयकर अधिनियम, 1961 का धारा 269-ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 11-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पट्टा प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों को सूचित करता हूँ :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिभोगधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 73-बी जो 7वीं मंजिल हिरा पन्ना बी० वे.ई. रोड और ताडदेव रोड का जंक्शन बम्बई-26 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-1/37-ईई/4698/84 85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 11-3-85 रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी० एन० दुबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1 बम्बई

दिनांक : 4-11-1985

मोहर :

प्रकर आई.टी.एन.एस.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-1 बम्बई

बम्बई दिनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/8118ए/84—प्रतः मूले,

पी० एन० कुबे,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय सं० 53, जो, 5वीं मंजिल, वज्ज भवन, नरीमन प्वाइंट, बम्बई-21 स्थित है (और इससे पञ्चाङ्ग अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका कार्यालयाध्यक्ष अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 18-3-85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अथवा प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके अथवा प्रतिफल से ऐसे अथवा प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निहित में नास्तिक रूप से अधीन नहीं किया गया है।

[क] अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अन्तरण से कमी करने या उन्से बढ़ाने के अन्तरण के लिए; और/वा

(ए) एंसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को बिम्बे भारतीय भाषकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के अन्तरण के लिए।

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति/व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स ब्यास ट्रेडिंग कम्पनी ।

(अन्तरक)

(2) कल्याण सीसा एण्ड फायनोसिड कम्पनी लि० ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरकों ।

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तविक—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि दूर से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तान्तरण किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय सं० 53, जो, 5वीं मंजिल, वज्ज भवन, नरीमन प्वाइंट, बम्बई-21 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-1/37-ईई/4004/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-3-85 को रजिस्ट्री किया गया है।

पी० एन० कुबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भाषकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रैंज-1, बम्बई

दिनांक : 4-11-1985

सोहर :

प्रकृष माह. टी. एन. ए. ए.-----

(1) मेसर्स इंडियन कोलोमाइड्स ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

(2) श्रीमती कोतारानी गुप्ता, श्रीमती सुनीता बि.
गुप्ता, और श्रीमती रेनु चार. गुप्ता ।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्युक्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

निदेश सं० धई-1/37-ईई/5777/84-88—प्रतः मुझे,
पी० एन० हुने,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय सं० 408, जो, 4थी मंजिल, मोहा
भवन, पी० डिमेलो रोड, बम्बई-9 में स्थित है (और इससे
उत्पन्न अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
कार्यालय आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है, दिनांक 1-3-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिणी
(अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उपबन्ध से उक्त अन्तरण लिखित में
नैस्तविर रूप से कथित नहीं किया गया है :—

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में क्षति का लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में क्षति का
लिए।

कार्यालय सं० 408, जो, 4थी मंजिल, मोहा भवन, पी०
डिमेलो रोड, बम्बई-9 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि सं० धई-1/37-ईई/5538/84-
88 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-
88 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी० एन० हुने

[सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-1, बम्बई

वचः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुषांग (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 1-11-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अंश रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई-1/37ईई/5795/84-85—अतः मझे.
पी० एम० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० कार्यालय सं० 9, जो, अलंकार को०-आप०
हाउसिंग सोसाइटी, बजराम स्ट्रीट, बम्बई-7 में स्थित है (और
इसके उपरान्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
कार्यालय आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है, दिनांक 1-3-1985,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :-

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हासिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रावधानों अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
या या किया जाया जाहिए या लिखत में
सुविधा के लिए;

धृष्ट: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिपति :-

(1) श्रीमती पारमती जेठानन्द दासलानी ।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती नीता अनिल श्रोरा ।
(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती ।
(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किया जा सकेंगे ।

स्वीकृति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में प्रदत्त
था है।

अनुसूची

कार्यालय, सं० 9, जो अलंकार को०-आप० हाउसिंग सोसा-
इटी, बजराम स्ट्रीट, बम्बई-7 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-1/37-ई/6365/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-85 को
रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी० एम० दुबे
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अंश रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 4-11-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/5798/84-85—अतः मने,
पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवेक करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट सं० 226, जो, दूसरी मंजिल, ए-जैड,
इण्डस्ट्रियल इस्टेट, सोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है (और
इसने उपायव्य अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका
कारणमा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है, दिनांक 4-3-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
बहु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) बंगलोर डाइंग एण्ड प्रिंटिंग वर्क्स।

(अन्तरक)

(2) मस्तान मैनुफैक्चरिंग कम्पनी।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितियों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अर्थात् स्थावर के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

धनसूची

यूनिट सं० 226, जो, दूसरी मंजिल, ए-जैड, इण्डस्ट्रियल
इस्टेट, सोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/6375/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-1985
को राज टर्क किया गया है।

पी० एन० दुबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 4-11-1985

माहुर :

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निदेश सं० बई-1/37-ईई/5845/84-85—अतः मुझे,
पी० एन० कुर्वे,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि उक्त सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, जो, स्ट्रमर्स के साथ, सर
मालचन्द्र रोड, माटुंगा, सी० एच० सं० 2020/10, माटुंगा
डिविजन, बम्बई में स्थित है (और इसे उपावृद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका काराधामा आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269 कब के अधीन, बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-3-1985,
के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि उपावृद्ध सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके श्यमान प्रतिफल से, ऐसे श्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी
(अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या वा किन्हीं बातों वाहिए वा, किन्हीं में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण
की, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री काननबेन पानाचन्द तुराखीया ।
(अन्तरक)
- (2) श्री रामदास कानजी शहा ।
(अन्तरिणी)
- (3) भावत ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिकार में
सम्पत्ति है)
- (4) भावत ।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध
है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आरोप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा, जो, स्ट्रमर्स के साथ, सर मालचन्द्र रोड,
माटुंगा, सी० एच० सं० 2020/10, माटुंगा डिविजन, बम्बई में
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० बई-1/37-ईई/5622/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-85
को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० कुर्वे
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेंट रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 4-11-1985
बोर्डर ८

श्रुत बाई. टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/5852/84-85—अतः सुते,
पी० एन० कुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रॉर जिसकी सं० फ्लैट सं० बी-4, जो, संगम भवन, पहली
मंजिल, स्टैंड रिसेमा के सामने, कुलाबा, बम्बई-5 में स्थित है
(प्रॉर इसने उपरोक्त अनुसूची में प्रारूप से दर्ज है),
प्रॉर जिसका कार्यालय आदर अतिरिक्त, 1961 की धारा
269-ब के अधीन बम्बई स्थित रहम प्राधिकारी के दायरे में
रजिस्ट्री है, दिनांक 1-3-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भुनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अनुसूचित अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

31-366 GI/85

(1) श्री किशितवन्ध कुंदन मूल मनसुखानी ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स ग्लोबटेक इण्डियन कारपोरेशन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जनों में निम्न
कार्यवाहियां शुरू कराई हैं ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जनों के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रतिष्ठाकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट सं० बी-4, संगम भवन, पहली मंजिल, स्टैंड,
रिसेमा के सामने, कुलाबा, बम्बई-5 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/5559/84-
85 प्रॉर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-85
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी० एन० कुबे
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 4-11-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 4 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई-1/37ईई/58561-85—अतः मुझे,
पी० एन० कुबे,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
आग्रह है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० फ्लैट नं० 13ए, जो, सागर संगीत, 58,
एस० भगत सिंह रोड, कुलाबा, बम्बई-5, है तथा जो बम्बई 5
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में औरपूर्ण रूप से वर्णित
है) और जिसका करारनाम आयकर अधिनियम, 1961 की
धारा 269-5, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-3-85
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
हासिल में कमी करने या उसमें बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के परामर्शार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं, अर्थात् :—

1. श्री विक्रम आर० खन्ना और अन्य ।

(अन्तरक)

2. श्री सोनी बी० मशोन और अन्य ।

(अन्तरिती)

3. अन्तरितियों ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में वह सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 13 ए, जो सागर संगीत, 58 एस० भगत
सिंह रोड, कुलाबा, बम्बई 5 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-1/37ईई/5563/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० कुबे,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज 1, बम्बई

तारीख : 4-11-1985

बीहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

साइट प्रकाश

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर, 1985

सं० आई-1/37ईई/5880/84-85-अतः मुझे,

पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कार्यालय प्रिमायसेस मसेनिन फ्लोअर पर
बैवर्स, 3 जो हरेण 313/19, सेम्युअल स्ट्रीट बडगामी बम्बई-3
तथा जो बम्बई-3 में स्थित है और इससे उपायद्व अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कार्यालय आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-3-85
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल का
द्विगुण प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरांत्या) के बीच एक अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वापस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने की अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तव्य
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्रीमती रंजीता शिरोर चन्द्र पारेख ।
(अन्तरक)
2. श्रीमती प्रशा अनिल दोषी ।
(अन्तरिती)
- 3 शैल

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाह्य करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कार्यालय प्रिमायसेस मसेनिन फ्लोअर पर जो हरेण
बैवर्स, 313/19 सेम्युअल स्ट्रीट, बडगामी, बम्बई-3 में
स्थित है।

अनुसूची जज्ञाति क्र सं० आई-1-37ईई/5582/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-85
को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)
अर्जन रोज-1 बम्बई

तारीख : 1-11-1985
मोहरः

प्रमाण, भाग 1, टी. एन. ए. 1-1-83

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

राज्य सचिव

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

प्रार्जन रेंज 1 बम्बई

बम्बई, दिनांक: 1 नवम्बर, 1985

निदेश सं० अई० -1/37ईई/5917/84-85 प्रतः मुझे

पी० एन० हुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 148, जो, 1 सी, मंजिल, शाहा एण्ड नहार
इण्डस्ट्रियल इस्टेट ए-2, ए० जे० मार्ग, सोमर परेल,
बम्बई-13 तथा जो बम्बई-13 में स्थित
है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है)
और जिसका प्रकारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की
धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्टर्ड है, तारीख 4-3-1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एक प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अन्तरिती
(अन्तरांतरकी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरक से हुई किसी बात की वृत्ति, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत की
वास्तव में कमी करने या उससे वर्तन के शक्ति
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या छिपाने में शक्ति
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन है—

1. मै० शहा और नगर एसोसियेट्स।

(अन्तरक)

2. प्रणव प्रवीर कुमार संघवी (मायनर),
प्रवीण कुमार विठ्ठल दास संघवी के पुत्र
(अन्तरिती)

को यह सूचना बाड़ी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए

कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधों है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
ग्रहण किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 148, जो, 1 सी, मंजिल, शाहा एण्ड नहार
इण्डस्ट्रियल इस्टेट ए-2, ए० जे० मार्ग, सोमर परेल,
बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई०-1/37ईई/5642/84-85
को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० हुबे

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

प्रार्जन रेंज-1 बम्बई

तारीख : 1-11-1985

मोहर :

प्रारूप धारा ० टी. एन. एन.-----

भादकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भादकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रोज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर, 1985

सं० अई-1/37ईई/5928/84-85:—अतः मुझे, पी०
एन० दुने,

भादकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, बहु विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,00-0
रु. से अधिक है

और जिसका सं० 40 प्रतिगत अधिमन्त भाग, जो, कार्यालय,
प्रिमायस सं० 319, 3री मंजिल, "तुलसीदास चैम्बरस"
इमारत, फ्रीप्रेस जर्नल रोड, नरैमन पॉइंट, बम्बई-21
है तथा जो बम्बई-21 में स्थित है (और इससे उपरोक्त
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कार्या-
नामा भादकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-क
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्टर्ड है, तारीख 4-3-1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अंतरिती) की वीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप में अभिलेखित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वस्तु, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के बाधित
में कमी करने या उससे धन में क्षति के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वस्तुओं
को, जिन्हें भारतीय भादकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में क्षति के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धारा 2—

1. श्रीमती कल्याणी रमेश चन्द्र खन्ना।

(अन्तरक)

2. श्री आर० सी० खन्ना ट्रस्ट।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

40 प्रतिगत अधिमन्त भाग, जो कार्यालय प्रिमायस सं०
319, 3री मंजिल, "तुलसीदास चैम्बरस" इमारत, फ्रीप्रेस
जर्नल रोड, नरैमन पॉइंट, बम्बई-21 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-1/37ईई/5652/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-85
को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुने,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भादकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रोज-1 बम्बई

तारीख : 4-11-1985

हस्ताक्षर

अथवा बाहु' की एन. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई.टी. 1/37आईटी/5035/84-85--अ.3: मुझे,
पी० द.वे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

ओ: नि: नि सं० जमीन का हिस्सा जो, क्राफ्ट मार्केट
के सामने, प्रिन्सिपल स्ट्रीट, इस्टेट, बम्बई में स्थित है
(ओ: इस उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), और जिसे बरकरार आयात
अधिनियम, 1961 के अधीन धारा 269-ब के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,
तारीख 4-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्राप्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से ऐसे व्यवमान प्रतिफल का
बहुत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिणी (अन्तरिणी) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए सब
जाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक
निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाध, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
मैं, उक्त अधिनियम की धारा-269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्तक :-

1. श्री दुर्गा सेरन ?हरा,
देवी सेरन मेहरा और
मेडम सेरन मेहरा।

(अन्तरक)

2. सरदार मनमोहन सिंह सेठी।

(अन्तरिणी)

3. भादुर

(वह व्यक्ति, जिसके अधिकारों
में सम्पत्ति है)

4. भादुर

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा, जो क्राफ्ट मार्केट के सामने, प्रिन्सिपल
स्ट्रीट इस्टेट, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई.टी. 1/37आईटी/5035/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दूबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज-1, बम्बई

तारीख 4-11-1985

मोहर

प्रकट आई.टी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रोज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई-1/37आई/5942/84-85---मत: मुझे,
पी० एन० दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
[सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है], की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, जो, इमारत के साथ,
माहगांव, सिटी सर्वे नं० 131 (अंश),
बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 260(1) के अधीन, बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख
4-3-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहु प्रतीक से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कांति नहीं किया गया है।—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात् :—

1. श्री बृन्दाशंकर गोवर्धनलाल पिट्टी और
मुरारीलाल गोवर्धनलाल पिट्टी।

(अन्तरक)

2. श्री भाणवलाल गोपीनाथ खंडेलवाल

(अन्तरिती)

3. श्री गणपत हरजीवन और

श्री बांतिलाल मुरारी।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा, जो, इमारत के साथ, माहगांव,
सिटी सर्वे नं० 131 (अंश), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37आई/5942/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
4-3-1985 को रजिस्ट्री किया गया है।

पी० एन० दूबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रोज-1, बम्बई

तारीख 4-11-1985

मोहर

प्रकृष भाई-टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई-1/37आई/5069/84-85--अन० मुझे,
पी० एन० डूरे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 70, जो, अशोक अपार्टमेंट,
7वीं मंजिल, और गैरेज नं० 50, आफ नेपियन सी रोड,
बम्बई में स्थित है (और इससे उपायुक्त
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और दिनांक
अन्तर्नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-
ब के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्टर्ड है, तारीख 10-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के अन्तर्गत अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
प्र० में उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधास (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्रीमतीं जुमदा बि० कोठारी

(अन्तरक)

2. श्री के० के० डडा,

श्रीमतीं निर्मला डडा, श्रीमतीं छोटा कुमारी डडा,
और नरपतिंग डडा।

(अन्तरिती)

3. अन्तरक।

यह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में
सम्पत्ति है)

4. अन्तरक।

(यह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 70, जो, अशोक अपार्टमेंट, 7वीं मंजिल,
अटल गैरेज नं० 50, आफ नेपियन सी रोड, बम्बई में
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-1/37आई/5071/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
10-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन०

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख 4-11-1985

मोहर

संख्या आई.टी.एन.एच. 5094/84-85

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

प्राप्त सराफा

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई-1/37आई/5094/84-85!-अतः मुझे, पी० एन० डूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 4, जो, तन माला, इमारत नं० 4, पी० एस० बी० अपार्टमेंट्स, बी० जी० खेर रोड, वरली नाका, बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और विपदा करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-3, ख के अन्तर्गत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 19-3-1985

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथार्थपूर्वक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखर में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में संधिध के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 262-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
52—366 GI/85

1. मे० पी० एस० बी० कम्प्यूटेशन कम्पनी लि०
(अन्तरक)

2. मे० 20वीं सेंचुरी फायनेंस एण्ड कन्सल्टन्सी सर्विसेज प्रायवेट लि०।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करतारा हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 4, जो, तन माला, इमारत नं० 4, पी०, एस० बी० अपार्टमेंट्स, बी० जी० खेर रोड, वरली नाका बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-आई/5088, 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-3-1985 को रजिस्ट्री किया गया है।

पी० एन० डूबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 1-11-1985

मोहर

प्रत्येक आई.टी.एन.एस.-----

1. मैसर्स वेस्ट कास्ट बिहार्स प्रायवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

2. श्रीमती अम्लू ए० सोधा।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निवेदन सं० आई-1/37-ईई/6010/84-85--अतः मुझे,
पी० एन० डूबे,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० दूकान नं० 19 और 20, जो, ओम चेंबर्स,
ओम कार्नेर, बम्बई-400 036 है तथा जो बम्बई-36 में
स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269-ब, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 20-3-85
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है ---(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 19 और 20, जो, ओम चेंबर्स, ओम कार्नेर,
बम्बई-36 में स्थित है।अनुसूची जैसा कि सं० आई-1/37-ईई/5700/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
20-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० डूबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वय
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

तारीख : 1-11-1985

मोहर

प्रकरण चार, टी. एन. ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/5864/84-85—प्रतः मुझे,
पी० एन० दूबे,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० कार्यालय नं० 206, जो, 2री मंजिल, में स्थित
निलम इमारत, बनिली सीफेस रोड, बम्बई-18 है तथा जो
बम्बई-18 में स्थित है (और हमसे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करानामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के
अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985
का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए धृष्ट
गमा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाप की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कट देने के अन्तरक के
हासिल से कभी कटने या उचित बचने से सूचना
के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सूचना के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेतर्स एम० आर० प्रोडक्शन्स।

(अन्तरक)

2. श्री मोहन आत्माराम गोरे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाधेप :-

(क) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बुद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्रतिसूची

कार्यालय नं० 206, जो, 2री मंजिल, निलम इमारत,
बनिली सीफेस रोड, बम्बई-18 में स्थित है।

अनुसूची जैना हि क्र० सं० आई-1/37ईई/5571/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दूबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 1-11-1985

मोहर

प्रकृष बाई.टी.एन. एस्.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई-1/37ईई/6008/84-85—अतः मुझे,
पी० एन० दूबे,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 17, जो, रेखा इमारत, 3री,
मंजिल, गुजबिन को-ऑप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, प्लॉट
नं० 83, रफी अहमद क़िदवाई रोड, बडाला,
है तथा जो बम्बई-31 में स्थित है (और इससे उपाय
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
करारनामा भायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क,
ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है, तारीख 20-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ~~एक~~
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री तरलोचन मोहपेाल भगवतल
(अन्तरक)
2. श्री राजू अनंतराय मेहता।
(अन्तरिती)
3. अन्तरक।

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्राप्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में बिना
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 17, जो, रेखा इमारत, 3री मंजिल, गुजबिन
को-ऑप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, प्लॉट नं० 83, रफी
अहमद क़िदवाई रोड, बडाला, बम्बई-31 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37ईई/5608/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
20-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दूबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख 1-11-1985

मोहर

प्रकट नम्बर टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-क (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निवेश सं० आई-1/37-ईई/5057/84-85—अतः मुझे,
पी० एन० दूबे,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-क के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि उक्त सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000 रु. से अधिक है
और जिसकी सं० फ्लैट नं० 5, जो, 10वीं मंजिल, वरली
हिमालया को-ऑप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 109, वरली
सीकेए रोड, वरली, बम्बई-18 में
स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयेकर अधिनियम,
1961 की धारा 269-क के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 19-3-85
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
साया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और—

(ख) ऐसी किसी या किसी भू या अन्य वास्तव्य
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को
प्रमोदनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-क के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित उद्देश्य, बर्ताने :—

1. श्रीमती भगवती एल० साबू।

(अन्तरक)

2. श्रीमती पावीबाई चिमणदास छाबलानी और
डा० चिमणदास एल० छाबलानी।

(अन्तरिती)

3. अन्तरितिया।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में
सम्पत्ति है)

को सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाह्यता करा है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अन्तर्गत, 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 5, जो, 10वीं मंजिल, वरली हिमालया
को-ऑप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 109, वरली सीकेए
रोड, वरली, बम्बई-18 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/5057/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
19-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दूबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख 1-11-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

- 1 श्री भार० टी० मेहता कन्स्ट्रक्शन कम्पनी
(अन्तरक)
- 2 श्री रतीलाल फारचन्द
(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/5901/84-85—अतः सूचे,
पी० एन० दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
परिष्कार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिन्की सं० प्लॉट नं० 604, जो, विकास इमारत,
अनंत गणपत पवार लेन, नं० 2, घोडपदेव, बम्बई-27 है
तथा जो बम्बई-27 में स्थित है (और इसमें उदात्त
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
कारणनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-घ,
ख के अन्तर्गत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है, तारीख 5-3-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण को लक्ष्य पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(फ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्त
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्लॉट नं० 604, जो, विकास इमारत, अनंत गणपत
पवार लेन नं० 2, घोडपदेव, बम्बई-27 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/6446/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
5-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दूबे
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 7-11-1985
मोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निवेदन सं० आई-1/37-ईई/5874/84-85—अतः मुझे,
पी० एन० दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 303, जो, विना बिना अपार्टमेंट्स,
मेटस, आचार्य दोंडे मार्ग, सिवरी (प०), बम्बई-15 है
तथा जो बम्बई-15 में स्थित है (और इसने उगाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब,
ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वर्गीयत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
में प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री मोहम्मद हुसैन बंदेगली मर्चेन्ट।

(अन्तरक)

2 श्रीमती मणिबेन सीलधर विरा और
कांचनबेन के० विरा।

(अन्तरिती)

3 अन्तरितियों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन को निम्न
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 303, जो, विना बिना अपार्टमेंट्स, आचार्य
दोंडे मार्ग, सिवरी (प०), बम्बई-15 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/5577/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दूबे
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 7-11-1985
मोहर :

[कम आई.टी.एन.एन.]

भायकड अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रोज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निवेद सं० आई-1/37-ईई/5784/84-85—अतः मुझे

पी० एन० सूबे,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जितनी सं० पन्ना नं० 1204, जो, पंचरत्न को-आप
हाउसिंग सोसायटी लि०, अपेरा हाउस, बम्बई-4 है तथा
जो बम्बई-4 में स्थित है (और इसमें उदात्त अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जितना करारनामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब के
अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सम्यक्त
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके सम्यक्त प्रतिफल से, ऐसे सम्यक्त प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी बात की वजह, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
आयकर से कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी बात या अन्य जातिगत
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था किमान में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री सेधा डोरास्वामी अयर।

(अन्तरक)

2 मेसर्स सी० महेश एक्सपोर्ट्स।

(अन्तरिती)

3 अन्तरक।

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना प्रारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त उपाधित के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी बातें:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बहुत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अन्याहस्ताक्षरी के
शेष लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बन्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त सबों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 1204, जो, पंचरत्न को-आप० हाउसिंग
सोसायटी लि०, अपेरा हाउस, बम्बई-4 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि नं० सं० आई-1/37-ईई/5545/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० सूबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रोज-1, बम्बई

तारीख: 1-11-1985

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1 मं० द्वापद ब्रदमं।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2 श्री वीरफ पी० चिनाय।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/5921/84-85—अतः मुझे,

पी० एन० दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लट 4थी मंजिल पर, जो, 619, बानू मेन्शन, पारसी कालोनी, दादर, बम्बई-14 है तथा जो बम्बई-14 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका वगारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 4-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
53—366 GI/85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट 4थी मंजिल पर, जो, 619, बानू मेन्शन, पारसी कालोनी, दादर, बम्बई-14 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/5646/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दूबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 7-11-1985

मोहर :

प्रमुख आई.टी.एच.एस.

1. मेसर्स चैराध्यूटिक्स इन्वेस्टमेंट प्राइवेट लि०

(अन्तरक)

2. श्री अब्दुल हसीन शेख।

(अन्तरिती)

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/5788/84-85-अतः मुझे,
पी० एन० दूबे

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, जो, 4थी मंजिल, इमारत
नं० सी, हुडा अपार्टमेंट्स, 95, मोरलैण्ड रोड, बम्बई-8
है तथा जो बम्बई-8 में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क,
ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्य
की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशुध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1, जो, 4थी मंजिल, इमारत नं० सी, हुडा
अपार्टमेंट्स, 95, मोरलैण्ड रोड, बम्बई-8 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/5549/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दूबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 7-11-1985

मोहर :

प्रकाशक: टी. एन. एच. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/5773/84-85—अतः मुझे,
पी० एन० वृबे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 17-बी, जो, 5वीं मंजिल;
न्यू मालिमार को-ऑप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 91,
मरीन ड्राइव्ह, जी-रोड, बम्बई-2 है तथा जो बम्बई-2
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख
1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
मूल्य प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्णित हूँ—

1. श्रीमती धुनमाई अर्धेश्वर कराय और
श्रीमती पेरवीन केरसी वैद ।

(अन्तरक)

2. श्री निखिल रविंद्र गहा और
श्री योगेश रविंद्र गहा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 17-बी, जो, 5वीं मंजिल, न्यू मालिमार
को-ऑप हाउसिंग सोसायटी लि०, 91, मरीन ड्राइव्ह,
जी-रोड, बम्बई-2 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/5536/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० वृबे
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 7-11-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/5897/84-85—अतः मुझे,

पी० एन० दूबे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 45, जो, 4थी मंजिल, प्रेमकोर्ट को-आप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, 5, पेडर रोड, बम्बई-26 है तथा जो बम्बई-26 में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(ग) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मनोहर वि० दुदानी और
श्रीमती बिना एम० दुदानी।

(अन्तरक)

2. श्री महेश कुमार चिमनलाल अजमेरा।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 45, जो, 4थी मंजिल, प्रेमकोर्ट को-आप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, 5, पेडर रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/5593/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दूबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 7-11-1985

मोहर

प्रकृष बाई. पी. एन. एस. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० अई-1/37ईई/5882/84-85—अतः मुझे,
पी० एन० दूवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवक्षा करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 63, जो, 6ठी मंजिल, प्रेम
कोर्ट को-आप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, 5, पेपर रोड,
बम्बई-2 में है तथा जो बम्बई-2 में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची से और पूर्ण रूप से वर्णित है), और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे, यह विवक्षा
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तु, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया,
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसंरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री चंद्रकांत बिट्टलभाई पटेल और
माहुल चन्द्रकांत पटेल।

(अन्तरक)

2. श्री संजय रजनीकांत शहा और
भावना शहा।

(अन्तरिती)

3. अन्तरितियों।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 63, जो, 6ठी मंजिल, प्रेम कोर्ट को-आप०
हाउसिंग सोसाईटी लि०, 5, पेपर रोड, बम्बई-26 में
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37ईई/5583/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दूवे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 7-11-1985

माहूर :

प्रथम भाग, टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/5805/84-85—अतः सुते,
पी० एन० दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 104, जो, 1ली मंजिल, शिव शैला को-
आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, डा० इ० मोजेस रोड,
गीता सिनेमा कम्पाउंड, वरली नाका, बम्बई-400 018
है तथा जो बम्बई-18 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
व्यवहारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क,
ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय,
बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 4-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
कार्यालय में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिपति :—

1. श्री जी० पी० जैन।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सतानी देवी बी० मोदी।

(अन्तरिती)

3. श्री जी० पी० जैन।

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 104, जो, 1ली मंजिल, शिव शैला को-
आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, डा० इ० मोजेस रोड,
गीता सिनेमा कम्पाउंड, वरली नाका, बम्बई-18 में स्थित
है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/5599/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
4-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दूबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 8-11-1985

मोहर:

प्रत्यक्ष जाहीर टी. एन. एस. -----

1. मै० विद्याल एक्सपोर्ट प्रा० लि०।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भार 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री अनील एल० लोधा और
श्रीमती अरुणा एल० लोधा।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई-1/37ईई/5925/84-85—अतः सुते,
पी० एन० दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) 'जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है', की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निर्णय करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 73, जो, "श्री ओम सदन"
15, नारायण दाभोलकर रोड, बम्बई-400 006,
है तथा जो बम्बई-6 में स्थित है (और इससे उपाय
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क,
ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय,
म रजिस्ट्री है, तारीख 4-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
घायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, को सूचित करता हूँ—

को यह सूचना बाड़ी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन की सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही बर्त होगा, जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 73, जो, "श्री ओम सदन 15, नारायण
दाभोलकर रोड, बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-1/37-ईई/5650/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
4-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दूबे
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 1-11-1985

मोहर:

संख्या भाई-टी. 5924/84-85

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

नारायण दामोदर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/5924/84-85—अतः मुझे,

पी० एन० दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 74, जो, "श्री ओम सदन 15, नारायण दामोदर रोड, बम्बई-6 है तथा जो बम्बई-6 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आगकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 4-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है कि मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरुक्ती) और अन्तरिती (अन्तरितियों) की वीच ऐसे अन्तरण की निम्नलिखित बातों का प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण सं हुई किसी नाम की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्य में कमी करने या उक्त वचने के विविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के विन्दु भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री वर्धमान लेविंग कम्पनी प्रायवेट लि०।
(अन्तरक)

2. श्री प्रदीप एल० लोधा और
श्री आर० एल० लोधा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के वि कार्यावाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन की सम्बन्ध से कोई भी बाकोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 74, जो, "श्री ओम सदन 15, नारायण दामोदर रोड, बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/5649/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दूबे.

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, बम्बई

तारीख : 1-11-1985

मोहर :

प्रकाश लाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985 मुझे,

निदेश सं० अई-1/37-ईई/5826/84-85-अनः

पी० एन० दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह निश्चाय करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय नं० 4, जो, 9वीं मंजिल,
दातामल टावर, बैंकवे रेकलमेशन, बम्बई है तथा जो
बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारनामा आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब के अधीन,
बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है, तारीख 4-3-85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह निश्चाय
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से
लगाव अधिक है अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिणी (अन्तरिणी) से कम है अन्तरण के लिए जब
बाधा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निश्चित थे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

1. मेसर्स दीप एन्वेस्टमेंट कंपनी।

(अन्तरक)

2. मेसर्स हुस्मान विमल कूडम प्रायवेट लि०।

(अन्तरिणी)

3. अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होगी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हस्त-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोक्तृताक्षरों के
बाध लिखित में किए जा सकें।

समाप्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो तत्सम्बन्ध में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाध, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में किसी करने या उसमें बचने में सूविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

—366 GI/85

कार्यालय नं० 4, जो, 9वीं मंजिल, दातामल टावर,
बैंकवे रेकलमेशन, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जाँच कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/5604/
84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
4-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दूबे

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 1-11-1985

मोहर :

प्रकाशक: टी. ए. एड.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सार्वजनिक सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निवेश सं० आई-1/37-ईई/5884/84-85—अतः मुझे,
पी० एन० बुवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 7-ए, जो, 4थी मंजिल,
गंगोत्री, 89-89ए, बाणगंगा रोड, बालकेश्वर, बम्बई-6
है तथा जो बम्बई-6 में स्थित है (और इससे उपाय
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क,
ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय,
में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को सूचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्व सूचित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से स्वीकृत
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
बाबत में कमी करने या उक्त बचने से निषेधा
के बिना; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी चर या अन्य वास्तवों
को, जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए या छिपाने में
निषेधा के बिना;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
की, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की धारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सेवतीलाल एन० कोठारी और
श्री किरण एम० कोठारी।

(अन्तरक)

2. श्री इंद्रजीत के० शहा, श्रीमती बी० आय० शहा,
श्री एम० आय० शहा और टाटा इंडस्ट्रीज लि०
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचने के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बचने के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन को बचने, या भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में निम्नलिखित
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ग्राह्यताधारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्तिकरण:—इसमें प्रयुक्त सबों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 7-ए, जो, 4थी मंजिल, गंगोत्री, 89-89ए,
बाणगंगा रोड, बालकेश्वर, बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-क/37-ईई/5585/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बुवे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 1-11-1985

मोहर :

प्रकाशित दि. एन. ए. १९८५ = -- =

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब के अधीन सूचना

नगर नरकावर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/5908/84-85 अतः मुझे
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

87, नायगांव काम रोड, दादर, बम्बई-14 है तथा जो
बम्बई-14 में स्थित है (और इसमें उपाखण्ड अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारारनामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,
तारीख 4-3-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहुत प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तर्गत से हुई किसी बात की वजह से उक्त अधि-
नियम की अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसके बढ़ने में सुविधा के लिए;
बहिष्कार

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उक्त
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किना जाला बाहिष्कार, जिनमें से सुविधा
के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० बोली इंटरप्रायसेस।

(अन्तरक)

2. श्री अचलचन्द कपूरचंद मनढोत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त उद्देश्य के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, बाधोद्देश्यकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अतसूची

फ्लैट नं० 601, जो, शांति कुंज इमारत, 87, नायगा-
नोव काम रोड, दादर, बम्बई-14 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/5633/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
4-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० हुवे
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-1, बम्बई

तारीख : 7-11-1985

मोहर :

संक्षेप भाषा: टी. एन. दुबे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई-1/37-ई/5191/84-85—अतः मुझे, जी० पी० एन० दुबे,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सम्पत्ति धारा स्ट्रीट में जिसका सी० एन० न० 471, फाटें जीवित, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका संख्यामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 12-3-1985

को प्रस्तावित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रस्तावित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर्गत (अन्तर्गति) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अभित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुआ किसी बात की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के धार्मिक में कमी करने या कटौत करने से सूचना के लिए; और/या

(ख) एसी किसी बात या किसी रूप या अन्य बातों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिनियम अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था कि या किया जाना चाहिए या जिसे के अधिनियम के अधीन,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों को सूचित करता हूँ—

1. श्रीमती इंदिरादेवी नारायणदास।

(अन्तरक)

2. डा० विठ्ठल राजाराम भूसारख।

(अन्तर्गति)

को यह सूचना जारी करने पूर्वार्थ सम्पत्ति के अर्जन के विश्व कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्सम्भनी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वार्थ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० नाभ०-1498/73 और जो, उप रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 12-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 1-11-1985

मोहर:

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निदेश सं० अई-1/37-जी०/5192/84-85—अतः मुझे,
पी० एन० दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० खुला जमीन या हिस्सा, जिसका सर्वे
सं० 513, सर्वे नं० 987, सर्वे नं० 8141 (अंश), भुलेश्वर
छिविजन, बम्बई है, तथा जो बम्बई में स्थित है (और
इसने उपायध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
11-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती माया बाय० व्यवहारकर, (2) प्रमोद
बाय० व्यवहारकर, (3) दिलीप बाय० व्यवहार-
कर, (4) विवेक बाय० व्यवहारकर, (5)
मनोहर वामणराव व्यवहारकर, (6) श्रीमती
मीना मनोहर व्यवहारकर, (7) अरविद मनोहर
व्यवहारकर, (8) राजन मनोहर व्यवहारकर,
चित्रसेन वामणराव व्यवहारकर, (10) श्रीमती
शमा चित्रसेन व्यवहारकर, (11) सुबोध वामणर
राव व्यवहारकर, (12) श्रीमती अर्पिता सुबोध
व्यवहारकर, (13) कुमारी सुदीर्वाई माधवराव
(अन्तरक)

2. श्री शोभाचंद छगनलाल संघवी।

(अन्तरिती)

3. भादूत

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अनुच्छेद 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेज सं० नाम० -2731/82
और जो, उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 11-3-19845
को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दूबे

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 1-11-1985

मोहर

अध्याय 1. टी एच. एच.-----

अध्याय अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कोषालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर, 1985

निदेश सं० अई-1/37जी/5193/84-85—अतः मुझे,
पी०एन० दुबे,

अध्याय अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-घ के अधीन सहायक आयकर अधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० लिटी सर्वे नं० 163, माझगांव डिवाजन, गार
पेन्टर स्ट्रीट, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्री तथा अधि-
कारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल
से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की धारत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, बिना भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कुमारी कुमवती पंढरीनाथ पाठारे और
कुमारी सरोजिनी पंढरीनाथ पाठारे।

(अन्तरक)

(2) निहार हुसेन मूला अकबरअली हुसेनजी।

(अन्तरिती)

(3) भाडुत।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अधिक वाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० वाम०-3247/82 और जो,
उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 11-3-1985 को रजिस्टर्ड
किया गया है।

पी० एन० दुबे

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 1-11-1985

मोहर

एकम बार.टी.एन.एस.-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भाषा सरकार

कार्यालय, सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर, 1985

निदेश सं० अई-1/37जी/5195/84-85—अस मुझे,
पी०एन० दुबे,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सहायक प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति धिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 9, दादी एम०लेन, घोबी तालाब, सी०एस० न०
373 भुलेश्वर डिवीजन, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है
(और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रेशन अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, तारीख 5-3-85

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दायरे में
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई

है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रति-
फल से, एतत् दायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिफल से अधिक है
और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एतत्
अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
के उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कमित नहीं किया
गया है :—

(क) अंतरण से हुआ किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) एतत् किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
के बिना भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भू-
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अनुसूची अन्तर्गत् द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या वा किया जाया वास्तविक या, लिखित में उचित
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
अ, अ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) बानूभाई मूल्ता डग्राहीम ।

(अन्तरक)

(2) रमन लाल वरजीवन दास दलाल और
श्रीमति नीला आर० दलाल ।

(अन्तरिती)

(3) 18 भाडून ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति में बचन के लिए
कार्यवाहिनी करना है ।

उक्त संपत्ति के बचन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के संचयन में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
अधिक से समान्य होगी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के संचयन में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-
बतुन किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्कारकारी के
पाद लिखित में किए जा सकेंगे ।

अनुसूची 2—इसमें प्रयुक्त शब्दों और शर्तों का, जो उक्त
अधिनियम के बंधा 20-क में परिभाषित
है, वही बर्त हुआ जो उस बंधा में किया
गया है ।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० बाम०-1387/83 और जो,
उपरजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 5-3-1985 को रजिस्टर्ड किया
गया है ।

पी० एन० दुबे

सहायक प्राधिकारी

सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-1, बम्बई

तारीख : 1-11-1985

मोहर :

इसका नाम: टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर, 1985

निदेश सं० आई/1/37जी/5196/84-85— अग: नुझे,

पी० एन० हुवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 101, जो, किरत विला, अंश- ए रोड रोड, मिडी रॉड नं० 708-ग, मोल्ड बंगला, बम्बई-26 है तथा जो बम्बई-26 में स्थित है (यौर इसे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीन पूर्णता में स्थित है) निम्नीयता अधिकाारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि गणपतेश्वर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से गंभीर दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) से भी गंभीर अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीयता उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नीयता के वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी भी धन की वापस, उक्त अधिनियम के अधीन गैर होने के अन्तरक के कारण से कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए कोई/वा

(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या अन्य वास्तविकता को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के विपक्ष

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीयता व्यक्ति से बचाव है—

(1) श्री किरत लक्ष्मीदास कपाडिया ।

(अन्तरक)

(2) श्री विनोद के० मेहता ।

(अन्तरिणी)

(3) श्री जमनादास एम० ठक्कर ।

वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बचन के लिए कार्यवाही शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के बचन के सम्बन्ध में कोई भी धन/धन :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति द्वारा कर्माहस्ताक्षरी के पाठ लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि क्र० सं. बाम०-2539/83 और जो, उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 8-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी० एन० हुवे

सहायक प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 1-11-1985

मीहर :

प्रकाश बाई. टी. एन. एन.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निदेश सं. अई-1/37जी/5197/84-85-- अतः मुझे,

पी० एन० दुबे,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सहायक प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, त्रिमूर्ति उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. फ्लेट नं० 104, जो, विरान विस्मा, अग्र-ए,
पेडर रोड, सि० सर्वे नं० 706-ए ओल्ड बगला बम्बई-26 है
तथा जो बम्बई-26 में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में
और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-मर्ता अधिकारी के कार्यालय,
बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 8-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए लय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) बम्बई में हुई किसी बात की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के स्थापित हो
करी करने या उसके बचने में सुविधा दी जाए;
को/का

(ख) ऐसी किसी बात या किसी बात का व्यवसायिक
को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन
का अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता
के लिए;

44. यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वये
अ. अ. उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित हैं—
55—366 GI/85

(1) श्री विरान लक्ष्मी (पति)

(पति)

(2) श्री विरान लक्ष्मी (पति)

(पति)

(3) श्री विरान लक्ष्मी (पति)

वह व्यक्ति, जिसके अधिनियम में
सम्पत्ति है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन की लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पत्र लिखित में किए जा सकेंगे,

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि सं. वानम-2540/83 और जो,
उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 8-3-1985 को रजिस्टर्ड
किया गया है।

पी० एन० दुबे
सहायक प्रायश्चित्त अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख 11-11-1985
साक्षर

प्रथम भाग, टी. एन. दुबे, सहायक प्राधिका-
र, 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक 1 नवम्बर, 1985

निदेश सं० अई-1/37जी/5198/84-85— अतः मुझे,
पी० एन० दुबे,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे पहले
उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० दुकान नं० 113, जो. मिर्न विला, पार्ट-ए,
पेडर रोड, सी०एम०नं० 706-ए, ओल्ड बंगला, बम्बई-26 है
तथा जो बम्बई-26 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिपति के कार्यालय,
बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 8-3-1985
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
करने का कारण है कि बंधापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
सम्पूर्ण प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिणी (अन्तरिणी) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए उक्त
बाधा तथा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक
अधिकतम के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक है कि किसी बाध की बाधा उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अधिनियम में
कमी करने का उद्देश्य करने के अधिनियम के लिए;
कोई/या

(ख) ऐसी किसी बाध या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, किन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयो-
गार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था छियाने में सीमा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, वर्णित है—

- (1) श्री किरन लक्ष्मीदास कपाडिया ।
(अन्तरक)
- (2) श्री हितेश आनन्दजी गलानी ।
(अन्तरिणी)
- (3) श्रीमति मणि के० भोजवानी ।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

ये यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए
कार्यवाही करता है;

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा है—

(क) इस सूचना के प्रकाशन के प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या उक्त सम्पत्ति के व्यक्ति पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाध में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन के प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्तकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

समाप्ति:—इसके प्रत्येक पक्षों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही वर्ष होना, जो उक्त अधिनियम में दिया
गया है ।

अनुसूची

अनुसूची जैसा विलेख क्र० सं० बाम०-2541/83, और जो,
उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 8-3-1985 को रजिस्टर्ड
किया गया है ।

पी० एन० दुबे
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 1-11-1985
मोहर :

प्रथम भाग, टी. एन. एस.

(1) श्री किरन लक्ष्मीदास गुप्टाधिया ।

(अन्तरः)

(2) श्री विनोद कानजी मेहता ।

(अन्तरिती)

3 श्री पद्मनाथ खाडके ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

राज्य सरकार

वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है ।

कार्यलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

हैं यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के मूल्य के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के मूल्य के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :-

निदेश सं० अई-1/37जी/5199/84-85— अतः मुझे, पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान सं० 112, जो, फ़िरन विला, पार्ट-ग, पेडर रोड, सी०एच० नं० 706-ग, ओल्ड बंगला, बम्बई-26 है तथा जो बम्बई-26 में स्थित है (और इसमें उपलब्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), की मूल्यांकन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-3-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पत्रा पत्रा प्रीट-कम दिम्बिभित जम्बेय के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताकारी के माध्यम से किया जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वस्तुतः उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक वास्तविक रूप से करी करने या उक्त करने से सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकताओं, बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किवा वाया वाहिए या, जिसमें से सुविधा के लिए;

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० बाम०-2544/83, और जो, उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 8-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी० एन० दुबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

नोट: यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

तारीख : 1-11-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एफ.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक 1 नवम्बर, 1985

निदेश सं० आई-1/37जी/5201/84-85— अन मुझे
पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और निम्नी च० फ्लैट न० 120, जो, रिपन विला, पार्ट-ग, पेडर
रोड, जी०एम० न० 706-ग, ओल्ड बगला, बम्बई-26 है तथा जो
बम्बई-26 में है और इसमें उक्त सूची में और पूर्ण-
रूप में गणना है), राजपत्री की अधि गीके जर्जल, बम्बई में
रजिस्ट्री रण आ निम, (1908 1908 - 16) के अधीन,
तारीख 8-11-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
द्विह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
व्वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) श्री पिरन लक्ष्मीदास कपाडिया ।

(अन्तरक)

(2) श्री जगदीश लालजी मेहता ।

(अन्तरिती)

(3) श्री चन्द्रनान एनजी डोलाकिया ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि लिखित वाम०-2547/83, और जो,
उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 8-3-1985 को रजिस्टर्ड किया
गया है ।

पी० एन० दुबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 1-11-1985

मोहर ।

प्रकाशित: टी. एन. एस. एम.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक 1 नवम्बर, 1985

निदेश सं० अई-1/37जी/5200/81-85--- अतः मझे,

पी० एन० हुवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 121, जो, गिरन विला, पार्ट-ए, पेडर
रोड, सी० एम० नं० 706-ए, ओल्ड बंगला, बम्बई-26 है तथा जो,
बम्बई-26 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 8-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हासिल में कमी करने या उससे बचने के सूचना
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों को सूचित हूँ—

(1) श्री तिरुन लक्ष्मीदेव, पाण्डिचेर।

(अन्तरक)

(2) श्री शिरीय प्रभुदास मेहता।

(अन्तरिती)

(3) श्री एन० यू० श्राफ़।

(वह व्यक्ति, जिसके आधे भाग में
सम्पत्ति है)।

यदि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता है।

उक्त सूचना के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या परवर्ती व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
ग्रह किसी व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा या उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि लिनेख सं० वाम०-2546/83, और जो,
उपरिजस्टार, बम्बई द्वारा दिनांक 8-3-1985 को रजिस्टर्ड किया
गया है।

पी० एन० हुवे

सहायक प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख : 1-11-1985

मोहर

प्रत्यक्ष भाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, बम्बई

बम्बई दिनांक 1 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-1, 37/ईई/5202/84-85-- अतः मुझे,
पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिनकी सं० फ्लेट न० 114, जो, किशन खिना, पार्ट
ए, पेडर रोड, सी० एम० न० 706 ए, ओल्ड बंगला, बम्बई 26
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 8-3-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरक) और अन्त-
रिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भत्ता या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भत्ता-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वधत् :-

(1) श्री किरन लक्ष्मीदाम कपाडिया ।

(अन्तरक)

(2) श्री भाविक ए० गलानी ।

(अन्तरिती)

(3) श्रीमति जीवाबाई खिमजी भवेंट ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि लिखित सं० बाम०-2546/83, और
जो, उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 8-3-1985 को रजिस्टर्ड
किया गया है ।

पी० एन० दुबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 1-11-1985

हस्ताक्षर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक, 1 नवम्बर, 1985

निदेश सं० आई-1/37ई/5203/84-85-- अतः मुझे,

पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 118 जो, किरन विला, पार्ट-ए, पेडर रोड, सी० एम० नं० 706-ए, ओल्ड बंगला, बम्बई-26 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण-रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-3-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मैं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री किरन लक्ष्मीदास कपाडिया ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेश टपूनाल महता ।

(अन्तरिती)

(3) श्री कॉर्निलाल एच० दांशी ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि जिलेख सं० आब०-2565/83, और जो, उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 8-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 1-11-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री हिरन लक्ष्मीदास कपाडिया ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमति शिला सुभाष दांशी ।

(अन्तरिती)

(3) श्रीमति शिला सुभाष दांशी ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में
सम्पत्ति है) ।

भारत का राजपत्र

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर, 1985

निदेश सं० आई-1/37जी/5204/84-85--- अतः भूषे,
पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जपही सं० फ्लैट नं० 115, जा, हिरन विला, पार्ट-ए, पेडर
रॉड, गी ए/10 नं० 706-ए, अलख बंगला, 2री मंजिल, बम्बई-2
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्णरूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 8-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमें दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व मेंकमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एमें किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
भा या बिना जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 262-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
को तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० बाम०-2566/83, और जो,
उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 8-3-1985 को रजिस्टर्ड
किया गया है।

पी० एन० दुबे

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख 1-11-1985

मोहर

प्रकृष्ट भाग 'डि. एन. एस. - 1985-86

(1) श्री वि. न. बहनीया ।

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री सुकेत प्रमोदराय दोशी ।

(अन्तरिती)

(3) श्री छवीनदान बी० लोटीया ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है) ।

भायकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निदेश सं० अई-1/37वीं/5205/84-85 - अन्तः मुझे,
पी० एन० दुवे,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
गारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट न० 105, जो, फ़्लैट चिना, पार्ट-ए,
फेडरल रोड, गी० ए० न० 706-ए, आरुड बंगला, बम्बई-26
में स्थित है (और इसे उदात्त अनुसूची में और पूर्णरूप से
वर्णित है), रजिस्ट्री की अधिभोगी के कार्यालय, बम्बई में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 8-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वर्षाव में कमी करने या उसके बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिनमें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) का उक्त अधिनियम
बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

6-366 G1/85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा विलेख सं० बी०-2568/83, और जो, उक्त
रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 8-3-1985 को रजिस्टर्ड किया
गया है।

पी० एन० दुवे

असम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख : 1-11-1985

सोडर

एक नमूना फॉर्म नं. 1/एन.एन.एन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निदेश सं० अई-1/37जी/5206/84-85—अतः मूख्य
पी० एन० दुबे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिस
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या दुकान नं० 111, जो करिन विला पार्ट ए,
वेजर रोड, सी०एस० नं० 706-ए, ओल्ड बगलौ बम्बई-20 स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई-26 में रजिस्ट्री
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
8 मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके व्यवसाय प्रतिफल से उसे व्यवसाय प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और एक (अन्तरक) और अन्त-
रिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण सिद्धित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

प्रश्न अन्तरक एवं अन्तरिती के बीच के अन्तरण
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत,
मेरे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री किरन लक्ष्मीदास कपाडिया ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेण टपुलाल मेहता ।

(अन्तरिती)

(3) श्री वसन्त टी० शिंगाडे ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है) ।

और यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन की लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या इस सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 45 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में लम्बी होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी भी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि मिला सं० बी०-2569/83 और जो
उप रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 8-3-1985 को रजिस्टर्ड
किया गया है।

पी० एन० दुबे
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक 1-11-1985

मोहर :

इसका आदेश टी. एन. एच. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

आयकर, वहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर, 1985

निर्देश सं. आई-1/37-जी/5207/84-85—अतः मूले
पी० एन० दुबे

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीमत् जिनकी सं. फ्लेट नं० 117, जो 2री मंजिल, किरन
किर्ना, पार्क-ए, 30 पेडर रोड, सी० एम० नं० 706-ए, ओल्ड
बंगला, बम्बई-26 है तथा जो बम्बई-26 में स्थित है (और
इसमें उगावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रेशन अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास
करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
क्रियत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की वार्षिक, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कारण से कमी करने या उक्त अन्तरक के अन्तरक
के लिए; आदि/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री किरन लक्ष्मीदास व्याडिया ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ज्योति जयतीलाल दोशी ।

(अन्तरिती)

(3) श्रीमती ज्योति जयती लाल दोशी ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन में दिव
कार्यवाही करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आपात :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वीकारण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

अनुसूची जमा कि विलेख सं० बी-2570/83 और
जो उप रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 8-3-1985 को
रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी० एन० दुबे

नक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 1-11-1985

मोहर

सकल सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांही की शर्तों पर

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, हैदराबाद

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई-1/37-जी/5208/84-85 अतः मुझे, पी० एन०
दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 119 जी हिरन विला, पार्ट ए,
पेडर रोड, सी० एस० नं० 706-ए, ओल्ड बंगला, बम्बई-26
में स्थित है और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि सभापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का
पट्टा प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और
अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए दस
पचास या अधिक प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क से उक्त अन्तरक
क्रिये में वास्तविक रूप से अतिरिक्त शुल्क किया गया है—

(क) अन्तरक से हुए किसी बाध की शर्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उन्हें करने में सुविधा
की लिए; या/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वस्तुओं
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिनियम
अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना जाना चाहते थे सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री किरन लक्ष्मीदाम कपाडिया ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रभूदास आर० दोशी ।

(3) श्रीमती दीपदीबाई गाएंका ।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

सकल सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांही की शर्तों पर

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि में उक्त व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
रूप किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रत्यक्ष रूप से
या अप्रत्यक्ष रूप से किसी व्यक्ति द्वारा।

सम्बन्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उक्त अधिनियम में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० बी-2571/83- और
जो उपराजस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 8-3-1985 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 1-11-1985
माहूर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री मयादा सकारीया मनन ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती खीया सकारीया ।

(अन्तरिली)

आयकर सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई-1/37-जी० 5214/84-85 --अतः सूखे,
पी० एन० हुवे,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके द्वारा 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० सी० एन० सं० 1018, मंडवी डिवीजन,
बम्बई है (या जो बम्बई में स्थित है (यदि इसे उदाहरण
अनुसूची में प्राप्त पूर्ण नाम से जाना है) जिसे 'ता' अधिनियम
के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अन्तर्गत सं० 21-3-1985की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए उत्तरदायी को मालूम है और सूझ यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
संग्रह प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिली
(अन्तरिलिया) के नाम से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :-(क) अन्तरण से हुई किसी धन की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित
में कमी करने या उसके बचत में सुविधा के लिए;(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या अन्य जास्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अनुसूची अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के प्रतिकी यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी लाकावेत:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध,
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० वाम-3098/82 और
जो, उप रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 21-3-1985
को रजिस्टर्ड किया गया है।पी० एन० हुवे
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 1-11-1985

मोहर :

प्रकरण भाई.टी.एन.एस.-----

(1) मेज़र्स जयश्री विल्डर्स (इंडिया)।

(अन्तरक)

(2) श्री हिरालाल बी० बोहरा, श्रीमती बिमला आर० बोहरा और मास्टर केतन आर० बोहरा।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) में अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/18307/84-85-अतः मुझे, प्रशांत राय, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, पुष्पक अपार्टमेंट, विले पार्ले, (पु०), बम्बई-57 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से अर्णित है) और जिसका बरारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ग के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 15-3-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित में कभी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी भन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाई करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन संबंध में कोई भी बाधोप ?--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 4, जो पुष्पक अपार्टमेंट, 147, मलावीया रोड, विले पार्ले, (पु०), बम्बई-57 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-2/37ईई/18307/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 5-11-1985
माहुर

प्रकाशक: टी. एन. एस. -----

(1) मेमर्स जयश्री बिल्डर्स (इंडिया) ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री राजेन्द्र बी० नागवेकर और
श्री मनोज बी० नागवेकर ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आई-2/37ईई/18241/84-85--अतः मुझे,
प्रधान राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, पुष्पक अपार्टमेंट, विले पार्ले,
(पु०), बम्बई-57 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में नं० 1 का उल्लेख है) और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन तारीख
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख

13-3-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दखलाने
प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि दबावपूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उससे दखलाने प्रतिफल से ऐसे दखलाने प्रतिफल के
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक और अन्तरक (ख) को और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधा :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों को
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाधक समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाध, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक को
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी या अधिकतर या अन्य क्रान्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जा रहा चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

फ्लैट नं० 1, जो पुष्पक अपार्टमेंट, 147 मालवीया रोड,
विले पार्ले (पु०), बम्बई-57 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-2/37ईई/18241/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
13-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

प्रधान राय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

नोट: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
न, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 5-11-1985

हस्ताक्षर :

प्रकरण बाई.टी एन एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/18215/84-85—अतः मुझे,
प्रशांत राय,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० प्लेट नं० 3, पुष्पक अपार्टमेंट, विले पार्ले
(पु०), बम्बई-57 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) है और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख
12-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को व्यवमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से ऐसे व्यवमान प्रतिफल का
बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
बाधा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
मिसल में वास्तविक रूप से कमिस्त नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
कार्यालय में करी कराने या सबसे बजाने में सूचना
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सैरस नयथी बिन्दु (इडिया)।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बी० जी० दोगी, कुमारी गया बी० जोशी
और कुमारी इंदिरा बी० दोगी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

प्लेट नं० 3, जो पुष्पक अपार्टमेंट, 147 मलावीया
रोड, विले पार्ले, (पु०), बम्बई-57 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि तम सं० अई-2/37ईई/18215/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
12-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 5-11-1985
मोहर :

प्रकृष बाई.टी.एन.एस.-----

(1) मेसर्स जयश्री बिल्डर्स (इंडिया) ।

(अन्तरक)

(2) श्री अनील सी० शाह,
श्रीमती शीला सी० शाह,
श्री सुनील सी० शाह और
सीमा ए० शाह ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/18213/84-85—अतः मुझे,

प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिनकी सं० फ्लेट नं० 2, जो पुष्पक अपार्टमेंट, विले
पार्ले (पु०), बम्बई-57 में स्थित है (और इसमें उपायुक्त
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिनका प्रारम्भिक
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269घ, ख के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख
12-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
कारण का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एक प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरिती) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित अक्षय्य से उक्त अन्तरण निर्धारित में
मासविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम से अधीन कर देने के अन्तरण के
बादस्थ में किसी कारण से उक्त आय में घटकाव
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी बात या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभाववाध
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसूच
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1),
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
57—366 GI/85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिमा करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में प्राप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहमार्ग के साथ
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—हममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अन्वय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगे जो तब अन्वय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 2, जो पुष्पक अपार्टमेंट, 147 मलावीया रोड,
विले पार्ले (पु०), बम्बई-57 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-2/37ईई/18213/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
12-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 5-11-1995

मोहर :

राजपत्र' टी एच एल. - ...

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

माउस दस्तावेज

कार्यालय, सहायक आयकर बाबुल (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/18016/85-85—अतः मुझे,
प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 11, सुखदायक मोसायटी ग्रंथेरी (पु०), बम्बई-59 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारगममा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 6-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित है वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण के द्वारा किसी आय की बाध, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

(1) श्री संपूरनसिंह एम० बत्रा ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शानो देवी जी० अग्रवाल और श्री गोरी शंकर जी० अग्रवाल ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यालियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 11, जो सुखदायक को० ओप० हाउसिंग सोसायटी, जे० बी० नगर, ग्रंथेरी (पु०), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-2/37ईई/18016/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

प्रशांत राय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 5-11-1985

गोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर, 1985

निदेश सं० आई 2/37ईई/18259/84-85 -अतः मुझे
प्रशान्त राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अन्तर्गत अधिकारी का यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

औरजिन्ती सं० फ्लेट न० 12, इमारत न० 1, भवानी नगर,
अंधेरी (पु०), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपाय
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) औरजिन्ती का नाम
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है
तारीख 14-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, इस दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिक
(अन्तरिक) के बीच ऐसे अंतरण के लिए सब बाधा
भया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नलिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है--

(क) अन्तरक में हुई किसी बाधा की बाधा, इस
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधा
में कमी करने या उससे बढ़ने में अन्तरक में निम्नलिखित
बाधाएं

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
में, निम्न भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
अन्य अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजन के अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सूचना के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
को, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) डी. विन्डर्स प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) डी. के. जी. रवासी।

(अन्तरिक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधाएं :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
आवेदन या में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
नाम लिखित में किया या बकाया है।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लेट न० 12, जो तीसरी मंजिल, इमारत न० 1, प्लॉट
न० 9, भवानी नगर, मंगल मण्डी रोड, अंधेरी (पु०),
बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची में निम्न क्रम सं० आई-2/37ईई/18259/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
14-3-1985 को रजिस्ट्री किया गया है।

प्रशान्त राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 4-11-1985
मोहर :

प्ररूप बार्ह. टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-क (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं. आई 2/37ई/18667/34-85--अन सुधे
प्रशांत राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
हमके पञ्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-क के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी प्लॉट नं. 1, इमारत नं. 1, शवानी नगर
अधेरी (पुं.) बार्ज-2, 9 में स्थित है (और इसमें उपरोक्त
अनुसूची में और नगरीय नगर में स्थित है) और जिसका नाम
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ए के अधीन
बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के यलिय में पंजीकृत है। तारीख
28-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से उसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच होने अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) उक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य का बाजार उक्त
अधिनियम के अधीन मक्षम प्राधिकारी के अन्तरक के
कार्यवाही में करने के लिए उक्त संपत्ति के मूल्य का

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिसका भारतीय आय अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
मक्षम प्राधिकारी, 1961 (1961 का 43) के अधिनियम, 1961 (1961 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
जाया या किया जाना चाहिए या जिसके लिए
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-क के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) दीपिका विल्डम प्रा. लि.।

(अन्तरक)

(2) श्री म. कोसी नि. नि.।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अन्तर्गत
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अन्तर्गत के सम्बन्ध में कोई भी बाजारः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों से या किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताभरी के पात्र
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनसूची

प्लॉट नं. 8, जो दूधारी मजिल, इमारत नं. 1, प्लाट नं.
9, भवानी नगर, मरोल मरीशी रोड, अधेरी (पुं.), बम्बई
400059 में स्थित है।

अनुसूची और नि. क्रम सं. आई 2/37ई/18667/
81-85 और नि. क्रम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
28-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, बम्बई

दिनांक 4 नवम्बर 1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मेतर्न दी: लिखित प्र ० लि० ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती कुम्हार ...

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर, 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/18624/84-85-—अतः मुझे

प्रशांत राय

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 16, भवानी नगर, अंधेरी (पु०), बम्बई-59 में स्थित है (और इसे उपावृत्त अनुसूची में अंग पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका नामांतरण अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन बंधन विधायक सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में पंजीकृत है तारीख 27-3-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीया) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः कर, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में सम्पन्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 16, जो चौबी मॉडल, इमारत सं० 1, प्लाट, सं० 6, भवानी नगर, मंगेय मरोशी रोड, अंधेरी (पु०) बम्बई 59 में स्थित है।

अनुसूची के नाम सं० अई-2/37ईई/18624/84-85 और जो नाम पंजीकृत है, बम्बई 59 में दिनांक 27-3-1985 को पंजीकृत है।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 4-11-1985
सोहन

प्रकरण नम्बर: टी. एन. एन.-----

(1) दीपक विल्डम प्रा० लि० ।

(अन्तरिक)

(2) मीरील मेनेजीस और जुलीयाना मेनेजीस ।

(अन्तर्गति)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/18624/81-85-प्रतः सूत्र
प्रशांत राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० फ्लेट नं० 11, भवानी नगर, अंधेरी (पु०),
बम्बई-59 में स्थित है (और हमने उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारनामा आयकर अधि-
नियम 1961 की धारा 269-ग के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख
27-3-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि अभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और
अन्तरको (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की
दावा करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अधोबन्धन अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 11, जो तीवरी मंजिल, इमागत नं० 3, प्लाट
नं० 9, भवानी नगर, मरील भरोशी रोड, अंधेरी (पु०),
बम्बई-59 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-2/37ईई/18625/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
27-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 4-11-1985
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) दीपक बिल्डिंग प्रा. लि.।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

(2) चार्ल्स बी. बेनीस।

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर, 1985

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निदेश सं० आई-2/37ईई/18666/84-85—अतः मुझे

प्रशांत राय

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पान
लिखित में किए जा सकेंगे।

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 7, भवानी नगर, अंधेरी (पु.),
बम्बई-59 में स्थित है (और इससे उपरोक्त अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आय-
अधिनियम 1961 की धारा 269-ग, ख के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख
28-3-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल में, एक
ह्यमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत से अधिक है
और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

फ्लेट नं० 7, जो दूतरी मंजिल, इमारत नं० 9, भवानी
नगर, मरोल मरोशी रो, अंधेरी (पु.), बम्बई-59 में
स्थित है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-2/37ईई/18666/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
28-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 4-11-1985

और :

अध्यक्ष आइ.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर, 1985

निदेश सं० आई-2/37ईई/18210/84-85—अतः मूले
प्रशांत राय
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 2, बामनपुरी रोड, अंधेरी (पु०),
बम्बई-59 में स्थित है (और इससे उदात्त अनुसूची में और
और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका दायित्वमा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269-घ के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख
12-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि उदात्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
बहुत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त
अधिनियम के अधिनियम के अन्तर्गत के अन्तरक के
अभाव में कमी करने या उससे बचने में भविष्य
का निर्णय

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरित होना प्रकट नहीं किया गया
या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में है, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) मेसर्स पारीख वात्र बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री लियो पीटर और
श्रीमती अंजलीना लियो पीटर ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

उक्त सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

फ्लेट नं० 2, जो तल मंजिल, एस० नं० 45/13, कोजी
वीटा बामनपुरी रोड, अंधेरी (पु०), बम्बई-59 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-2/37ईई/18210/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
12-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

प्रशांत राय

प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 4-11-1985

मोहर :

प्रत्यक्ष बाई-टी.एन.एच.-----

1 में से पारीब बाज बिस्तर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

7 को रवेण गन्धर्व बेनाल

(अन्तरिकी)

भारत सरकार

8. अन्तरक

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजन रेंज-2 बम्बई

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में
सम्पत्ति है)

बम्बई दिनांक 4 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० बम्बई-2/37बम्बई/18211/84-85—अन्तर्मुखी
प्रशस्त धार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1 एम० नं० 45 अंधेरी
(पु०) बम्बई-59 है तथा जो बम्बई-59 में स्थित है
(और इसमें उल्लेख अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) और जिसका उत्तरात्मा आयर अधिनियम 1961
की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 12-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एन्ड्र प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिकी (अन्तरिकियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित
के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यालय में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन का दान्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, ज्ञान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
को, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

58—366 GI/85

फ्लैट नं० 1 तल मंजिल जो एस० नं० 45 एच०
नं० 13 कोडीनीटा बिल्डिंग बाभुपुरी रोड अंधेरी (पु०);
बम्बई-400 059 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० बम्बई-2/37बम्बई/18211/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
12-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशस्त धार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजन रेंज-2 बम्बई

तारीख : 4-11-1985

प्रोहर

(अन्तरकः)

(अन्तरिती)

तारीख : 4-11-1985
 मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 नवम्बर 1985

निवेश सं० आई-2/37-ईई/17834/84-85—अंतः मुले,
प्रशांत राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 7 इमारत नं० 2 भवानी नगर अंधेरा (पु०), बम्बई-59 है तथा जो बम्बई-59 में स्थित है (और इन उतावद्ध अनुसूच में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका व्यावसायिक आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-3-1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके सममान प्रतिफल से ऐसे सममान प्रतिफल का वन्धु प्रतिफल से अधिक है और अंतर्गत (अंतरकों) और अंतरित्री (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया जायेगा, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित के आर्थिक रूप से अधिक नहीं किया गया है—

(क) अंतरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरित्री द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

धन: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्वासु—

1 मे० दीपक बिल्डर्स प्राय्वेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

2 श्रीमती सरीना बुचीन।

(अन्तरित्री)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निम्नलिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्योक्तः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 7 जो दूसरी मंजिल इमारत नं० 2 प्लाट नं० भवानी नगर मंगेन मंगेशी रोड अंधेरा (पु०) बम्बई-400 059 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/17834/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2 बम्बई

तारीख 9-11-1985
मोहर

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

1 मै० विप० बिस्वस प्रॉपर्टी लिमिटेड।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब के अधीन सूचना

2 श्री प्रकाश चन्द्र बाजपाय।

भारत सरकार

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजन रेंज-2 बम्बई

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

बम्बई, दिनांक 8 दिसम्बर 1985

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निदेश सं० आई-2/37ईई/18626/84-85---अंतः मुझे,
प्रसांत राय,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 6 भवानी नगर अंधेरी (पु०)
बम्बई-59 है तथा जो बम्बई-59 में स्थित है (और इससे
उदात्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और
जिसका पुराना नाम आयकर अधिनियम 1961 की
धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 27-3-1985

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;
और/या

फ्लैट नं० 8 जो पहली मंजिल इमारत नं० 8
प्लॉट नं० 8 भवानी नगर मरोल मरोली रोड अंधेरी
(पु०). बम्बई-400 059 में स्थित है।

(ख) वैसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अनुसूची जैसा कि सं० आई-2/37-ईई/18626/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
27-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रसांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजन रेंज-2 बम्बई

नोट: इस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख 9-11-1985
मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. मै० रि०. वि०ई० प्रायटेड निमिटेड।

(प्रत्तरः)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. डा० तमीर अजुन रहमान और
नसरीन अजुन रहमान।

(प्रत्तरिः)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजंन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दि० 4 नवम्बर 1985

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पात्र
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

नोट: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
हो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, द्वारा :—

फैट नं० 102 जो पहली मंजिल एमारन नं० बी
प्लॉट नं० 18 भवानी नगर मरीन मरीजी रोड अंधेरी
(पु०), बम्बई-400 059 में स्थित।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई 18260/
84-85 और जो सजम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दि० 14-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशोत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अजंन रेंज-2 बम्बई

तारीख : 4-11-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई-2/37-ईई/17833/84-85--अतः मुझे, प्रशांत राय

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सूचना जारी की जा रही है, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 3 जो भवानी नगर अंधेरी (पु०) बम्बई-59 है तथा जो बम्बई-59 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में अतः पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका पारनामा आय 20 अधिनियम, 1961 की धारा 269-ख के अन्तर्गत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है तारीख 1-3-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स दिवक बिल्डर्स प्रायवेट लिमिटेड। (अन्तरक)
2. श्रीमती कोडेलिया एम० डितोजा। (अन्तरिती)
3. अन्तरक (यह व्यक्ति, जिसके अधिनियम में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 3, जो पहली मंजिल, इमारत नं० 3, प्लॉट नं० 9 भवानी नगर, मरोन मरोशी रोड, अंधेरी (पु०), बम्बई-400 059 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2-37-ईई/17833/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख 4-11-1985
मोहर

इकाई नम्बर: डी. एन. एड. 1/85

1. मैं जहाँगीर बिल्डर्स।

(अन्तरक)

व्यक्ति अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

7. श्री दमासीयानो फर्नान्डीस

(अन्तरि ती)

आज्ञा सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० प्र-2/37-ईई/18506/84-85—अतः मुझे,
प्रशांत राय,

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 101, हवा अपार्टमेंट, बम्बई-93
है तथा जो बम्बई-93 में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-
ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है, तारीख 22-3-1985

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायित्व
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दायित्व प्रतिफल से, ऐसे दायित्व प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसने करने में सविधा के लिए;
और/या।

फ्लैट नं० 101, जो पहली मंजिल, हवा अपार्टमेंट,
सी० विंग, महाकाली केज रोड, बम्बई-400 093 में
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० प्र-2/37-ईई/18506/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
22-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया।

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, जिन्हें वे सूचना
में दिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
के तहत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 4-11-1985
मोहर।

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

1. अंशमती शारदा एच० कोटाया।

(अन्तरक)

2. श्री पीटर डीसोजा।

(अन्तरिती)

4. अन्तरक

यह व्यक्ति, जिसके अविभाग में सम्पत्ति है)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई-2/37-ईई/18031/84-85---प्रति मुझे,

प्रशान्त राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन स्वयं प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

आ. नि. सं० पनैट नं० 403-ए, मिर्जा पार्क, बम्बई-93 है तथा जो बम्बई-93 में स्थित है (आ. नि. उदाहरण अनुसूची में आ. पूर्ण रूप से वर्गीकृत है), और जिसका कार्यालय आयकर अधिनियम, 1961 का धारा 269-घ के अन्तर्गत, बम्बई निरीक्षण प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 0-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पनैट नं० 403-ए, मिर्जा पार्क, पंच हजिस, अंधेरी (पु०), बम्बई-400 093 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-2/37-ईई/18031/84-85 और जो स्वयं प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 0-3-1985 को रजिस्ट्री किया गया है।

प्रशान्त राय

सहायक प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-2, बम्बई

तारीख 6-11-1985

मोहर

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

1. मैमर्स निर्माण कन्स्ट्रक्शन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. कुमारी ग्लोबेट डायन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई-2/37आई/18018/84-85—अतः मुझे

प्रशान्त राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और ज़िम्मे सं० फ्लैट नं० 202, निर्माण विहार, ग्रंथेरी (पु०), बम्बई-93 है तथा जो बम्बई-93 में स्थित है, (और इसमें उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और ज़िम्मे करा-नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 6-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच उसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
59-366 GI/85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 202, जो, दूसरी मजिल, निर्माण विहार, बी० विंग, पप हाउस, ग्रंथेरी (पु०), बम्बई-400093 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37आई/18018/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशान्त राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख . 4-11-1985

मोहर :

प्रथम भाग: टी. एन. एन. -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई-2/37-ईई/18257/84-85-अतः मुझे प्रशान्त राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 10, भवानी नगर, बम्बई-59 है तथा जो बम्बई-59 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब के अधीन, बम्बई स्थित नगर प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 14-3-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने का कारण है कि महापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसका अवमान प्रतिफल से, ऐसे अवमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निर्दिष्ट में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी अन्य को बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के निर्धारण में कमी करने या उचित करने में सुविधा के लिए;

(ख) अभी किसी आय या किसी धन या अन्य आधिकार्य को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना जा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) की तथीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :-

1. गायका कृष्णा

(अन्तरक)

2. श्री नानू जेकोब

(अन्तरिती)

3. मै० दिवक विल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :-

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 10, जो, दूसरी मंजिल, इमारत नं० 1, प्लॉट नं० 7, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड, अंधेरी (पु०), बम्बई-400 059 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37-ईई/18257/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशान्त राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 4-11-1985

मोहर:

(अन्तरक)

(अन्तरिणी)

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजराग के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जनों के सम्बन्ध में कोई भी धारणा

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उच्च न्यायालय में हित-वर्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखाधिकारी के पास लिखित में किए गए सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन संक्षेप प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० यूनिट न० 133, अगा इन्स्ट्रियल इस्टेट, बम्बई-72 है तथा जो बम्बई-72 में स्थित है (और इसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिनके कारखाना आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269E, ख के अन्तर्गत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में पंजीकृत है, तारीख 8-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

મનુસૂત્રી

(क) अन्तरण सह ह्यूड किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

यूनिट नं० 133, जो पहली मंजिल, एफ० बिल्डिंग,
ग्रंथा इन्स्टिट्यूट इस्टेट, साकी नाला, ग्रंथेरी (पु०),
बम्बई-400 072 में स्थित है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37-ईई/18013/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रधान राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-2, बम्बई

नतः प्रथम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
 न. यौ. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 4-11-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

1 मै० अंसा विल्डर्म।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री किरन कुमार जे० धार और
भारत जे० धार।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई-2/37-ईई/18277/84-85--अतः मुझे,

प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० यूनिट नं० 225, जे० विल्डिंग, अंसा इण्डस्ट्रियल इस्टेट, बम्बई-72 है तथा जो बम्बई-72 में स्थित है (और इनमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम,

1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 14-3-85

को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया। प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 225, जो दूसरी मंजिल, जे० विल्डिंग, अंसा इण्डस्ट्रियल इस्टेट, माकी विहार रोड, अंधेरी (पु०), बम्बई-400072 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37-ईई/18277/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 4-11-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

1 मेसर्स ग्रंथा विल्डर्स

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 ग (1) के अधीन सूचना

2 मै० एपीड-एन-सीस्टम्स कंट्रोल

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

अर्जन रेंज-2, बम्बई

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई-2/37-ईई/18274/84-85—अनतः मुझे
प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० युनिट नं० 113, एफ० विल्डिंग, ग्रंथा
इंडस्ट्रियल इस्टेट, बम्बई-72 है तथा जो बम्बई-72 में
स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में स्थित है), और जिसका हस्तगत आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269-ग के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 14-3-85
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरक की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों यह
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि. जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की श्राव्य, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
सामान्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
से लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

युनिट नं० 113, जो, पहली मंजिल, एफ० विल्डिंग,
ग्रंथा इंडस्ट्रियल इस्टेट, सकी विहार रोड, अंधेरी (पु०),
बम्बई-400 072 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37-ईई/18274/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
14-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 4-11-1985
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

1 मेजर्स असा बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2 श्री राजू हंसो चूध ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई-2/37-ईई/18699/84-85--अतः सुधे,

प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

आर जितनी नं० युनिट नं० ज/105, असा इंडस्ट्रियल
इस्टेट, बम्बई-72 है तथा जो बम्बई-72 में स्थित है
(प्लॉट नं० 4, बड्क अड्डा में आर पूर्ण रूप से वर्णित
है), आर प्लॉट नं० 1, रायनामा असा अधिनियम,
की धारा 269-घ के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय बम्बई में पंजीकृत है तारीख 28-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
भूमे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीर्तित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

युनिट नं० ज/105, जो पहली मजिल, असा इं
स्ट्रियल इस्टेट, साकी बिहार रोड़, साकी नावा, बम्बई
-400072 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि नं० आई-2/37-ईई/18699/
84-85 आर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
28-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-2, बम्बई

तारीख : 4-11-1985
मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

मान्य सहायक

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई-2/37-ई/18562/81-85- अतः मुझे, प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौण्ड जिपकी सं० युनिट नं० 16, ग्रंथा इंडस्ट्रियल एस्टेट, बम्बई-72 है तथा जो नम्बई-72 में स्थित है (ग्रौण्ड इन्फेल्ड उचित अनुसूची में ग्रौण्ड पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौण्ड जिसका प्रारम्भ आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ग के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 23-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मैं यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (अन्तरिक्षों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय बाया भव्य प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित वास्तविक रूप में अधिगत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की भावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वस्तुओं को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के उद्देश्य के लिए; और/या

1. मेरी अतः निदेश

(अन्तरण)

2. मेरी अतः आदेश

(अन्तरण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन से संबंध में कोई भी आशेष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों 5 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध बंध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिगृहणीयता के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

युनिट नं० 16, जो तल मंजिल, इमारत नं० इ, ग्रंथा इंडस्ट्रियल एस्टेट, ग्रंथा इंडस्ट्रियल एस्टेट, ग्रंथी (पु०), बम्बई-400 072 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-2/37-ई/18562/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-3-1985 को रजिस्ट्री किया गया है।

प्रशांत राय

सहायक प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, बम्बई

तारीख: 4-11-1985

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण के अंतर्गत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

प्ररूप बाह्य टी. एन. एस. -----

1 मेमर्स अंसा बिल्डिंग

(अन्तरिक्ष)

2 मेमर्स मेटापेक

(अन्तरिक्ष)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई-2/37-ईई/18700/84-85--अन: मुखे,
प्रधान राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० युनिट नं० 113, अंसा इंडस्ट्रियल
इस्टेट, बम्बई-72 है तथा जो बम्बई-72 में स्थित है
(और इनके उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), और जिसका कार्यालय आयकर अधिनियम, 1961
की धारा 269-ब के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 28-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से ऐसे द्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पाठ
लिखित में किए जा सकेंगे।

सूचीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अन: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिति :—

युनिट नं० 113, जो पहली मंजिल, डी बिल्डिंग,
अंसा इंडस्ट्रियल इस्टेट, साकी बिहार रोड़, साकी नाका,
अंधेरी (पु०), बम्बई-400 072 में स्थित है।

अनुसूची जैना सं० सं० आई-2/37-ईई/18700/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
28-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रधान राय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, बम्बई

तारीख: 4-11-1985

संकेतः

प्रारूप, भाग 1, टी. एन. एस. 1-1-1-1

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई-2/37-ईई/19861/84-85—अतः मुझे

प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० यूनिट नं० 15, श्रीमती इंडस्ट्रियल इस्टेट,
बम्बई-72 है तथा जो बम्बई-72 में स्थित है (और इसे
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और
जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम, 1961 का धारा
269-ब के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 23-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अनारित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती
(अंतरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप में कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से हुई किसी काम की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन, कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) अंतरक से हुई किसी काम की बाबत, उक्त
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
60-366GI/85

1. मेडर्स अंदा बिल्डर्स

(अंतरक)

2. मेडर्स जय आर्ट्स

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्समवन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में भाष्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षर के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 15, जो तारा मजिल, इ बिल्डिंग, श्रीमती
इंडस्ट्रियल इस्टेट, साका विहार रोड, साकी नागा, अंधेरी
(पु०), बम्बई-400 072 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं०आई-2/37-ईई 1861
81-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
23-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 4-11-1985

मीहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. मेसर्स श्रींटा विल्डर्स

(अन्तरक)

2. मेसर्स फ्लूइड वन्द्रेल ईर्जिनियर्स

(अन्तरितो)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई-2/37-ईई/18275/84-85-अनः मुझे
प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), का धारा
269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विवरण करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० यूनिट नं० डी-112, श्रींटा ईर्डस्ट्रियल
इस्टेट, बम्बई-72 है तथा जो बम्बई-72 में स्थित है
(और इसी उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), और जिस पर बतौरनामा आयकर अधिनियम, 1961
की धारा 269-ब के अधीन, बम्बई स्थित सूक्ष्म
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 14-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरितो
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधन, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
हासिल में कभी करने या उससे बचने में सहायता
के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सम्पत्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० डी-112, जो पहली मंजिल, ईर्डस्ट्रियल
इस्टेट, राकी बिहार रोड, अंधेरी (पु०), बम्बई-400 072
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई 2/37-ईई/182745/
84-85 और जो सूक्ष्म प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
14-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय
सूक्ष्म प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 4-11-1985
मोहर :

प्ररूप बाई. ट., एन., एस., - - -

1. मै० अंसा बिहडस

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. मेसर्स फर्मवेर इंटरनेशनल प्रायवेट लिमिटेड

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई-2/37ईई/17895-84-85-अतः मुझे,
प्रशांत राय,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 108, अंसा इंडस्ट्रियल
बम्बई-72 है तथा जो बम्बई-72 में स्थित है (और
इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
और जिसकी वारंतामा आयकर अधिनियम, 1961 की
धारा 269-ब के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके वर्तमान प्रतिफल से, ऐसे वर्तमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरक
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरक
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तिगत या संचालित व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहस्ताक्षरों के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—यहाँ प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

धनसूची

यूनिट नं० 108, जो पहली मंजिल, इ. बिडिंगां,
अंसा इंडस्ट्रियल इस्टेट, साकी बिहार, रोडसाकी नावा,
अंधेरी (पु०), बम्बई-400 072 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-2/37-ईई/17895/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 4-11-1985
मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 20 अक्टूबर 1985

निदेश सं० आई-2/37-ईई/18537, 84-85--अतः, मुझे
प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 102, इमारत नं० 13;
जोगेश्वरी (प०), बम्बई-58 है तथा जो बम्बई-58 में
स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), और जिसका वर्तमान आयकर अधि-
नियम, 1961 की धारा 269-ब, ख के अधीन बम्बई
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख
23-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
शत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित के वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
कार्यत्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
जा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
नहीं है, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जियाउद्दीन बुखारी ।

(अन्तरक)

2. श्री मकसुम अहमद मोहिउद्दीन पटेल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

सत्यापन:—इसमें प्रकट किये गये पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 102, जो पहली मंजिल, इमारत नं० 13
खर्च नं० 41, अतिथिवा विजेज, जहराम बाग के पीछे,
जोगेश्वरी (प०), बम्बई-400 058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37-ईई/18537/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
23-1-1985 को रजिस्ट्री किया गया है।

प्रशांत राय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 29-10-1985

मोहर:

प्रूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री जियाद्दीन बुखारी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री मुहम्मद सलेह महमदअल्लास

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई-2/37-ई ई/18254/84-85—यतः,
मुझे, प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिल्ह की सं० प्लॉट नं० 102, इमारत नं० 17, जोगेश्वरी
(प), बम्बई-58 है, तथा जो बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे
उपरोक्त अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है),
श्रीर जिला करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269
क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में
रजिस्ट्री है, तारीख 8 मार्च 1985

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पक्षे प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आम की वारस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यक्रम में कमी कटने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
जो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित :—

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पट्ट
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पक्ष
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 102, जो पहली मंजिल, इमारत नं० 17,
सर्वे नं० 41, ओशिजरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे,
जोगेश्वरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-2/37-ई ई/18154/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
8-3-85 को रजिस्ट्रार किया गया है।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 29-10-1985

मोहर ।

संस्कृत भाषा में प्रकाशित

1. श्री जियाउद्दीन बुखारो

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री परवेज अख्तर अब्दुल जब्बर

(अन्तरिती)

सादात बुखारो

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रोज-2, बम्बई

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

बम्बई, दिनांक 29 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० अई-2/37 ईई/17968/84-85—प्रतः

शुभे, प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), का भाग
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 404 इमारत नं० 15, ओगेश्वरी
(प), बम्बई-58 है, तथा जो बम्बई-58 में स्थित है (और
इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है,
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269
क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में
रजिस्ट्री है, तारीख 5 मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पक्ष में प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
परिणाम में कमी करने या उससे बचने में हविषा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनु-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 44, जो चौथी मंजिल, इमारत नं०-15,
सर्वे नं०-41, ओगेश्वरी विलेज, अंधेरी (प) बम्बई-400058
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-2/37-ईई/17968
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
3-5-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रोज-2 बम्बई

तारीख : 29-10-1985
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० अई-2/37-ई ई/18672/84-85—यतः,
शुभे, प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 504, इमारत नं० 20, जोगेश्वरी
(पं०), बम्बई-58 है, तथा जो बम्बई-58 में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-ब, ख
के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री
है, तारीख 28-3-1985

को पविका सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के निम्न अन्तरित की गई है और मन्ने यह विश्वास
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भूतकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मन्ने उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा है—

1. श्री सी.आउ.नि. बुधारी

(अन्तरक)

2. श्री अब्दुल हमीद महमद घौस

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्ति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

धनुसूची

फ्लैट नं० 504, जो पाणवरी मंजिल, इमारत नं० 20, स.व.
नं० 41, ओशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी
(पं०), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० 8ई-2/37 ई ई/18672/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
28-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 29-10-1985

मोहर :

प्रकृष आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई-2/37ई ई/18671/84-85—यतः,
मुझे, प्रशान्त राय,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग की अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 503, इमारत नं० 20, जोगेश्वरी
(प), बम्बई-58 है, तथा जो बम्बई में स्थित है (श्रीर
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
श्रीर जिसका कार्यालय आयाकर अधिनियम, की धारा 269
क, ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई
रजिस्ट्री है, तारीख 28 मार्च, 1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्-
रितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जिजाउद्दीन मुखारी

(अन्तरक)

2. श्री जिजामुद्दीन एम० घीस

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 503, जो पांचवी मंजिल, इमारत नं० 20,
सेक्टर नं० 41, श्री गिरधर धिलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी
(प), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37-ईई/18671/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
28-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशान्त राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 29-10-1985

मोहर

प्रकृत आइ. टी. एन. एस. -----

(1) श्री झीयाउद्दीन बुखारी

(अन्तरक)

(2) श्री अब्दुल रजक कासम शेख

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अक्टूबर 1985

निदेश सं० आई-2/37ईई/18493/84-85—अन: मुझे
प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 403, इमारत नं० 19, जोगेश्वरी
(प), बम्बई-58 में स्थित है) और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम, की धारा 269-क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 21-3-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिद्धि में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्यय से कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्थात:—

61—366 GI/85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्ताक्षरी को पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 403, जो चौथी मंजिल इमारत नं० 19,
सर्वे नं० 41, ओशिवरा विलेज, वहाराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी
(प); बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37 ईई/18493/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-3-85
को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-2, बम्बई

तारीख: 29-10-1985

मोहर:

प्रकृष माई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री क्षीयाउडीन बुखारी

(अन्तःक)

(2) महमद हमीम महमद हुसेन

(अन्तःरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जम रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/18224/84-85—अतः मुझे
प्रशांत राय
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० फ्लैट नं० 701, इमारत नं० 14, जोगेश्वरी
(प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम की धारा 269-क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 13-3-1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
बाधा प्रतिकूल विमनसिद्धि उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, सक्षम अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि नाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोद्वाराधारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 701, जो सातवीं मंजिल, इमारत नं० 14,
सर्वे नं० 41, ओशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी
(प), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37-ईई/18224/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-3-85
को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जम रेंज-2, बम्बई

तारीख : 29-10-1985
मोहर .

अध्याय 1, भाग 1, अध्याय 1, अध्याय 1

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/18544/84-85-अतः मु
प्रशांत राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु से अधिक है

श्रीरजिमीस० फ्लैट न० 603, इमारत न० 19, जोगेश्वरी
(प०), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 23-3-1985

तां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है
के यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के
लिए ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित
होना चाहिए है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाध, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावजूद
में कभी कभी या उसके बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए या छिपावे में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
के, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन है।

(1) श्री जीयाउद्दीन बुखारी

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बूमेरा जावेद खान

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्णन के लिए
कार्यवाहिका शुरू करवा है।

उक्त अन्तरण के वर्णन के संबंध में कोई भी आपत्ति है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
रहित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को
पास लिखित में कि या बचने।

स्वीकृति — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट न० 603, जो छठवी मंजिल, इमारत न० 19,
सब न० 41 जोशिवरा विलेज, अन्धेरी (प), बम्बई-400058
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37 ईई/18544/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-3-1985
को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय

सक्षम प्राधिकारी

साथ ही आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेज-2, बम्बई

तारीख 29-10-1985

मोहर:

इसका आर्क 21 एच 22

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 (ग) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

अर्जनाम, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-2, बम्बई

बम्बई दिनांक 29 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० आई-2/37ईई/18543/84-85—अतः मुझे
प्रशांत राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके बराबर 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रार जिसकी सं० फ्लैट नं० 602, इमारत नं० 19, अन्धेरी
(प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 23-3-1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्यमान
वर्तमान के लिए मरतिर की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि वषापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके ध्यमान प्रतिफल से, ऐसे ध्यमान प्रतिफल का
बम्बई प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निमित्त
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अंतरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
बाधित में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाते में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सीयाउद्दीन बुखारी

(अन्तरक)

(2) श्रीमती काजी सीमा खलील

(अन्तरिती)

के वह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किया जा सकय।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 602, जो छठवीं मजिल, इमारत, नं० 19,
सर्वे नं० 41, जोशिवराविलेज, अन्धेरी (प), बम्बई-400058
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/18543/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-3-85
को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-2, बम्बई

तारीख : 29-10-1985

मोहर :

प्रकाशक: डी. एच. एच. -----

(1) श्री मीयाउद्दीन मुख्तारी

(अन्तरक)

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) महमद इकबाल महमद सुलेमान

(अन्तर्निती)

जायकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज-2, बम्बई

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए कार्य-
वाहिका करता हूँ।

बम्बई, दिनांक 29 अक्टूबर, 1985

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी आपत्ति:-

निर्देश सं० अई-2/37ईई/18542/84-85—अतः मुझे
प्रशांत राय

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 601, इमारत नं० 19, अन्धेरी
(ए), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिस का कारनामा आयकर अधि-
नियम की धारा 269-क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 23-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खयमाद
प्रतिफल के लिए गन्तारित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके खयमान प्रतिफल से, ऐसे खयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त गन्तारण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) गन्तारण से हुई किसी बात की भावना, उक्त
अधिनियम के अधीन कटु होने की गन्तारण की
वाकिल में कभी कटुने वा उल्टे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रबोधनार्थ गन्तारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, बर्चन :-

(क) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्भ
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के द्वारा
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 1961 जायकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो
उस अध्याय में दिया गया है।

धनसूची

फ्लैट नं० 601, जो छठवीं मंजिल, इमारत नं० 19,
सर्वे नं० 41, ओशिवराए विलेज, अन्धेरी (ए), बम्बई-
400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37-ईई/18542/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-3-1985
को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज-2, बम्बई

तारीख: 29-10-1985
मोहर:

प्रकरण भाग 2 टी. एन. ए. ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(1) श्री सीयाउद्दी बुखारी

(अन्तरक)

(2) श्री अब्दुल समद महमद सुलेलमा

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/18416/84-85—अतः मुझे,

प्रशांत राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारों का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीरविशंकर सं० फ्लैट नं० 704, इमारत नं० 16, जोगेश्वरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उदाहरण अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका पंजीयन आयकर अधिनियम की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 19-3-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुए किसी बात की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बोधित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी कार्य या निजी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत के उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

फ्लैट नं० 704, जो सातवीं मंजिल, इमारत नं० 16, सर्वे नं० 41, श्रीशिवरा विलेज, बहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-2/37ईई/18416/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 29-10-1985
मोहर :

मुख्य भाग: टी. एन. एन. 1985-86

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० अई 2/37-ईई/18156/84-85—अतः मुझे,
प्रशांत राय,
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है
श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 303, इमारत नं० 12, जोगेश्वरी
(प), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में
श्रीर पूरा रूप वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम की धारा 269-क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 12-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत की
वास्त से कमी करने या उक्त करने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
से, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 1—

(1) श्री शीवाउशील बृहारी

(अन्तरक)

(2) महमद जमीम अब्दुल काद्री

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि कम में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, जहाँहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का अर्थ 1, आ उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के 4 परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो इस अधिनियम में
दिनांक 12-3-85

अनुसूची

फ्लैट नं० 303, जो तीसरी मंजिल, इमारत नं० 12, सर्वे
नं० 41, श्रीशिवरा विलेज, बहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी
(प), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-2/37-ईई/18156/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-3-85
को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 29-10-1985

मोहर:

प्रकाश नम्बर: बी.एन.एन. 17901/84-85

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

अजमेर रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अक्तूबर, 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/17901/84-85—अतः मुझे,
शान्त राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1.00 000/- रु. से अधिक है

ग्रोस जमीन सं० फ्लैट नं० 204, इमारत नं० 12, जोगेश्वरी
(प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री तारीख 2-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि उपापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों और अंत-
रिप्ति (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब क्या क्या
प्रतिफल, निर्माणाधीन उद्देश्य से उक्त अंतरण विहित से
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अंतरक से हुई किसी भाव की वजह से, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के कारित्व
में कमी करने या उससे बचने के उद्देश्य के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरित की जाय प्रकट नहीं किया गया था
या कि या वास्तविक रूप से, जिन्हें के उद्देश्य के
लिए;

वह: यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निर्माणाधीन व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री सीयाउद्दीन बुखारी

(अन्तरक)

(2) शेख अब्दुल्ला अब्दुल खालीफ

(अन्तरिप्ति)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए
कार्यवाही में शुरू करता हूँ।]

उक्त सम्पत्ति के बचन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपभ्रंशकारी के बाध
निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
यहाँ वर्ण होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 204, जो दूसरी मजिल, इमारत नं० 12, सब
नं० 41, श्रीशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी
(प), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37-ईई/17901/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-3-1985
को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजमेर रेंज-2, बम्बई

तारीख : 26-10-1985

मोहर :

प्रकृष माह.डी.एन.एस.-----

(1) श्री शीयाउद्दीन बखारी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री खान अब्दुल हमीद

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/17837/84-85—अतः मुझे,
प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 203, इमारत नं० 12, जोगेश्वरी
(प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम की धारा 269-क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहु प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय तथा नया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मूल्य का विश-
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होगी, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हुए-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारेण में कमी करने या उन्हें बढ़ाने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
नहीं, और उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

62-366 GI/85

फ्लैट नं० 203, जो बूसरी मंजिल, इमारत नं० 12, सर्वे
नं० 41, ओशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी
(प), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37-ईई/17837/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985
को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 29-10-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन एन.-----

(1) श्री सीयाउधीम बुखारी

(अन्तरक)

(2) सैयद जहीर अली

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अक्टूबर 1985

निदेश सं० आई-2/37-ईई/17847/84-85--अतः मुझे

प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1, 10,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 304, इमारत नं० 6, जोगेश्वरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 ग, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिनिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 304, जो तिसरी मंजिल, इमारत नं० 6, सवे नं० 41, जोशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-2/37-ईई/17847/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 29-10-1985

मोहर 2

राजपत्र, टी. एन. एन. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जुन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० आई-2/37ईई/18173/84-85—अतः मुझे,

प्रशांत राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 204, इमारत नं० 7, जोगेश्वरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाय अन्तःसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन में प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 12-3-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावजू, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के आयिक में कमी करने या उससे बचने में धुविधा के बिना और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सीयाउद्दीन बुखारी

(अन्तरक)

(2) महमूद अली महमूद नबी कुरेशी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धारणा:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तःसूची

प्लेट नं० 204, जो दूसरी मंजिल, इमारत नं० 7, सर्वे नं० 41, ओशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प), बम्बई 400058 में स्थित है।

अन्तःसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37-ईई/18173/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)
अर्जुन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 29-10-1985

मोहर :

मुख्य भाग टी. एन. एस. -----

(1) श्री शीयाउद्दीन बुखारी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री सबीर महमूद अली खान

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अक्टूबर 1985

निवेश सं० अई-2/37ईई/18165/84-85-अतः मुझे
प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रोरजिसकी सं० प्लैट नं० 102, इमारत नं० 11, जोगेश्वरी
(प), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रोर इससे उपायध्व अनुसूची में
ग्रोर पूर्ण रूप वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम की धारा 269-क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 12-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी भाव की वारस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/वा

और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवत्त
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 102, जो पलीमंजिल, इमारत नं० 11,
सर्वे नं० 41, ओशिवराविलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी
(प), बम्बई 400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37-ईई/18165/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-3-85
को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 29-10-1985

मोहर :

प्रकृ. आई.टी.एन. एस.-----

(1) श्री श्रीयाज्जीन बुधारी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) सैयद महमद कब्रतार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अक्टूबर, 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/18622/18623/84-85—

अतः मुझे प्रशांत राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिती सं० फ्लैट नं० 504, इमारत नं० 4, जोगेश्वरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिती कराखनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 27-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दी जाए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्य को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा दी जाए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त संपत्ति को अर्जन के संबंध में कोई भी वास्तव्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रसूची

फ्लैट नं० 504, जो पाचवी मंजिल, इमारत नं० 4, सर्वे नं० 41, ओशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37-ईई/18622/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 29-10-1985

मोहर :

प्रमुख भाग, टी. एन. ए.-----

(1) हफीज एन्टरप्राइस

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) अमीना जमल खानी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अक्टूबर, 1985

निदेश सं० आई-2/37ईई/18404/84-85—अतः मुझे
प्रशांत राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संप्लेट नं० 41, सहमद मंजिल, जोगेश्वरी
(प), बम्बई-102 में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 19-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि दधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पण्य प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हासिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; को/का

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

प्लेट नं० 401, जो सहमद मंजिल, बेहराम बाग, एस० बी०
रोड, जोगेश्वरी (प), बम्बई-400102 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37-ईई/18404/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-3-85
को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
न. नं०, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

तारीख : 29-10-1985

मोहर :

इसका आई. टी. एच. एच.

(1) मैसर्स फीजी एम्बरप्रायस

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) सायरा बाबू महमद यूसूफ सेख

(अन्तरिती)

कार्यवाही

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अक्टूबर, 1985

विदेश सं० आई-2/37ईई/18405/84-85—अतः मुझे

प्रशान्त राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिन्की सं० फ्लैट नं० 402, महमद मंजिल, जोगेश्वरी
(प), बम्बई-92 में स्थित है (और इस उपावृत्त अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिन्का कारनामा आयकर अधि-
नियम की धारा 269-क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 19-3-1985को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
मूल्य के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण भविष्य में
आयकर अधिनियम से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक और
आय के बीच कमी करने या उक्त करने के अन्तरण
के लिए; और/वा(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्य
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए; और/वाअतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
के, से, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, का मुझे :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में निहित
बहु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, बंधावस्थाधारी के
बाद निहित से किया जा सके।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 402, जो महमद मंजिल, बेहराम बाग, एस० बी०
रोड, जोगेश्वरी (प), बम्बई-400092 में स्थित है।अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37-ईई/18405/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-3-85
को रजिस्ट्री किया गया है।

प्रशान्त राय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-2, बम्बई

तारीख: 29-10-1985

मोहर:

प्रकृष आइ. टी. एन. एस.-----

(1) मैसर्स कीजी एन्टरप्रायसेस

(अन्तरक)

(2) श्री अब्दुल गानी जमलूनी इब्रेहीम

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० आई-2/37ईई/18229/84-85-अतः मुझे

प्रशान्त राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब की अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, महमद मंजिल, बम्बई-102 में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 13-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए वन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आक की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1),

के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों के सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 3, जो तल मंजिल, म मय मंजिल बेहराम बाग, एस० बी० रोड, जोगेश्वरी (प), बम्बई-40002 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि सं० आई-2/37-ईई/18229/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशान्त राय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 29-10-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन,एस.-----

(1) मैसर्स फीजा एन्टरप्राइसेस

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) फातमा अब्दुल रहीम बेलीन

(अन्तरिती)

राज सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कराया हुआ है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

अर्जन रोज-2, बम्बई

(म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

बम्बई, दिनांक 29 अक्तूबर, 1985

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

निर्देश सं० आई-2/37-ईई/18226/84-85—अतः मुझे

प्रशांत राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सूचना जारी की जा रही है। कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, महमद मंजिल, जोगेश्वरी (ग), बम्बई-102 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका तत्कालीन आयकर अधिनियम की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 13-3-85

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिये गये हैं।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच गये अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्वरूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन धार 269-ग के अन्तरक के दायित्व में कमी करने के लिए सूचना जारी की जा रही है।

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगकर्ता अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आवश्यक था, छिपाने में सक्षम।

फ्लैट नं० 4, जो नल मंजिल, महमद मंजिल, बेराम बाग, पुन० वी० रोड जोगेश्वरी, (ग), बम्बई 400102 में स्थित है।

अनुसूची के तहत धन सं० आई-2/37-ईई/18226/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

63—366 GJ/85

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-2 बम्बई

तारीख : 29-10-1985

मोहर

पञ्चम भाग टी. एन. ए. सं. ---

(1) मैत्री महारथ प्रणुषण गोपनीय एमोशियन (अन्तरगत)

(2) श्री विनोद प्रमोद छाया और श्रीमती अंगना टी. छाया (अन्तरिती)

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई दिनांक 6 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई 2/37आई/17887/84-85-प्रतः मुझे प्रभांत राय,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1205 एवरेस्ट बिल्डिंग अंधेरी (प) बम्बई 61 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका स्थावरतामा आयकर अधिनियम की धारा 269-ब के अधीन प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब धारा बका प्रति-कम्प विमर्शित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिलसिले में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों को से 1 महीने अवधि तक।

(ख) इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखांकन के पास विनिर्दिष्ट रूप से किया जा सकेगा।

लक्ष्यीकरण:—इसके प्रयुक्त करने के लिए पक्षों को, जो उक्त अधिनियम, के धारा 20-क में परिभाषित है, वही वर्ष होना चाहिए जहाँ अध्याय में प्रकाशित किया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी बात का बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के वास्तविक रूप से जारी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य संपत्ति का, जिसमें भारतीय नागरिक अधिनियम, 1922 (1922 का 1) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्तर्गत धन या संपत्ति का प्रकट नहीं किया गया या या न जाना जाता है, छिपाने में सुविधा के लिए।

फ्लैट नं० 1205 जो गणेशी मंदिर एवरेस्ट बिल्डिंग जय प्रकाश रोड वसोवा अंधेरी (प) बम्बई 400061 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई 2/37आई/17887/84-85 और जो सूचना प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-85 को रजिस्ट्री किया गया है।

प्रभांत राय

सहायक प्राधिकारी

सहायक प्राधिकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

ध्यान दें, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, यदि उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख 6-11-1985

महाराष्ट्र

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 2 बम्बई

बम्बई दिनांक 6 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई 2/37ईई/17888/84-85-अतः सुक्षे
प्रशांत राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 901 एवरेस्ट बिल्डिंग अन्धेरी
(प) बम्बई 71 में स्थित है (और अपने उपाखण्ड अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका अंगारनामा आयकर
अधिनियम की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी
के द्वारा तय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 1-3-1985

और पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की अवयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि सहाय्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल में, ऐसे उद्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (पन्तरियों) और अन्तरिणी
(अन्तरिणी) के बीच एक अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
निम्नलिखित उद्यम से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुआ किसी बाय को प्राप्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने का अन्तरण के
वायित्व में कभी कटने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; बाहु/वा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्वयानार्थ
अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वयान
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) मैसर्स नहार सेथ एण्ड जोगानी एसोसिएट्स
(अन्तरक)

(2) श्री एम० बालसुब्रमनियम
(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 4
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो की
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 901 जो नवी मंजिन एवरेस्ट बिल्डिंग
जय प्रकाश रोड वसोवा अन्धेरी (प) बम्बई 400061 में स्थित
है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई 2/37ईई/17888/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-198
को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज 2 बम्बई

तारीख 6-11-85
मोहर

प्रक. भाई. टी. एन. एस.

हजार तथा एकड़ जमीनी एंसेम्बलियेट्स
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री रमेश हुसैनलाल ओहरी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्तन के निम्न
कार्यवाहियां शुरू करता है।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई-2/37-ईई/17889/84-85-अत.मुझे,
प्रशांत राय,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु से अधिक है

श्री. निम्नकी सं० फ्लैट नं० 1105, एवरेस्ट बिल्डिंग, अंधेरी (प०),
बम्बई-61 है तथा जो बम्बई-61 में स्थित है
है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), और जिस पर बराबर आयात अधिनियम 1961
की धारा 269-ब के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-
कारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-85 को
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापरोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके उद्यमान प्रतिफल से, ऐसे उद्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतोरती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए उद्यमान पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
स्व-यं कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण
के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

उक्त सम्पत्ति के बर्तन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्य:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृत्त
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

शुद्धीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1105, जो मारव्ही मंजल, एवरेस्ट
बिल्डिंग, जय प्रकाश नारायण रोड, बर्मोदा, अंधेरी (प०),
बम्बई-4000 061 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-2/37-ईई/17889/
84-85 और जो उक्त प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 6-11-1985
मोहर:

संक्षेप दाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का भाग
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निदेश सं० अई-2/37-ईई/18003/84-85—अतः मुझे,
प्रशान्त राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 24, सारंगा टावर, अंधेरी (प०), बम्बई-58 में है तथा जो नम्बई 58 में स्थित है (और इसे उक्त अधिनियम में प्रा-पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका दस्तावेज आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी को रजिस्ट्री में रजिस्ट्री है, तारीख 6-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण का यह है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि अध्यापकोत्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के बाधित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) इसी किसी बाबत या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभावार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, जिन्होंने ने अधिभा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. म० आर० एन० ए० विल्डर्स

(अन्तरक)

2. कुमारी प्रीति सप्रु

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करने के लिए

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किंसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लोकणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और शब्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अन्वय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अन्वय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 24, जो, दूसरी मंजिल, सारंगा टावर, रोशनलाल अग्रवाल काम्प्लेक्स, नं० 41 (पार्ट), आना घर के पास, रसोवा, अंधेरी प०), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-2/37-ईई/18003/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशान्त राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-2, बम्बई

तारीख. 6-11-1985
मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई-2/37 ईई/18032/84-85—यतः मुझे
प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 402, गुरुत्वा आर्टमेंट,
अंधेरी (प०), बम्बई-58 है तथा जो बम्बई-58 में स्थित
और जिसका करानामा आयकर अधिनियम, 1961 की
धारा 269-ब के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-
कारी के अधीन कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 6-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात् :-

1 मेघर्त वैभव बिल्डर्स

(अन्तरक)

2 श्री चेतन शांतिलाल संघवी

(अन्तरिती)

3 अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 402, जो चौथी मंजिल, वी ब्लॉक, गुरुत्वा
आर्टमेंट, ए।नं० 19, एच० नं० 2, सी० एस० नं०
80, वीरा देसाई रोड, अंधेरी (प०), बम्बई-400058
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37-ईई/18032/
84-85 प्रो. जा सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
6-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 6-11-1985

मोहर:

संख्या आरटी. एन. एन. ११११-११

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

1. श्री. एम. एन. शर्मा (अन्तरक)
2. श्री. एम. एन. शर्मा और श्रीमती वि. एम. शर्मा (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निदेश सं. आई-2/37-ईई/18590/84-85-अन:मुद्रा, प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सहायक प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैट नं. 801, एवरेस्ट बिल्डिंग, फ्लैट (पं.) बम्बई 61 है तथा जो बम्बई 61 में स्थित है (यह उद्योग उपायुक्त अक्षुब्ध रूप में वर्णित है), और जिसका कार्यालय आयकर अधिनियम, 1961 का धारा 269-ब के अधीन, बम्बई स्थित सहायक प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है। तारीख 26-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को व्यवहार प्रतिकूल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके व्यवहार प्रतिकूल से, ऐसे व्यवहार प्रतिकूल का पक्ष प्रतिष्ठित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में व्यवहार में कार्यरत नहीं किया गया है -

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अधिकार को कार्य करने या उससे बचने में सविधा के लिए

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों के अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना वांछित है, जिसमें से सुविधा के लिए है

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधिन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तान्तरण लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 801, जो अ. उ. मंजिल, एवरेस्ट बिल्डिंग तृतीय प्रवण राड पर्यंत, अंधेरी (पं.), बम्बई-400 061 में स्थित है।

अनुसूची के अधिनियम सं. आई-2/37-ईई/18590/84-85-अन: मुद्रा जो सहायक प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय

सहायक प्राधिकारी

सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रज-2, बम्बई

तारीख 6-11-1985

मो. ११

प्रकृष्ट शाई० टी० एन० एल०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 बम्बई.

बम्बई दिनांक 5 नवम्बर 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/18052/84 85—

यतः मुझे, प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके बराबर 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शॉप नं० 8 वुड रोज बिल्डिंग अंधेरी (प) बम्बई

बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 6 मार्च 1985 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबब, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को 'बन्धु' भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सुधर्षित

1: मोटीयानी फेमिली ट्रस्ट ।

(अन्तरक)

2: श्री वासुदेव एल० अडनानी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शॉप नं० 8 जो प्लॉट नं० 317, वुडरोस बिल्डिंग सर्वे नं० 41 चार बंगलोज वर्सावा अंधेरी (प) बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० अई-2/37-ईई/18052/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6 मार्च 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई ।

तारीख : 5-11-1985
मोहर :

अध्याय 1, टी. 1, ए. 1, 1-1-1

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई-2/37-ईई/18728/84-85-अतः,

मुझे, प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 26, ओशिवरा, अंधेरी, बम्बई
है, तथा जो बम्बई में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका करगमामा
आयकर अधिनियम 269 की धारा क, ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 29
मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-
रितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
गाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्ति, यथा —

64-366 GI/85

1. मैसर्स प्रोबरोय कनस्ट्रक्शन्स ।

(अन्तर्गत)

2. मैसर्स गुजरान डेरी एण्ड टी० कम्पनी ।

(अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी वाक्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बर्चोहस्ताभारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका प्लॉट नं० 26, सर्वे नं०
41 (पार्ट), लोखंडवाला काम्पलेक्स के पास, ओशिवरा
विलेज, अंधेरी बम्बई है ।

अनुसूची जैसाकि सं० आई-2/37-ईई/18728/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई द्वारा
दिनांक 29-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख : 6-11-1985

मोहर :

प्रकरण आर्. टी. एन. एच. -----

(1) श्री इस्माइल अकबर अली हाजी

(अन्तरक)

(2) श्री युसुफ राजमहमद पटेल

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

काजीब, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-2-37ई/18335/84-85—अतः

मुझे, प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके अन्तर्गत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिस की संख्या शाप नं० 2, जूबली अपार्टमेंट बम्बई
में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), और जिसका करारनाम आयकर अधि-
नियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय, बम्बई में दर्जिस्ट्री है, तारीख 15-3-85
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की
प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि उपायुक्त संपत्ति का नचिल बाजार
मूल्य, उसके इच्छमान प्रतिफल से लगे इच्छमान प्रतिफल से
कम प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
बाधा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण
निहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति संबंधित
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुए किसी बाध की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की
हाजिरी में कमी करने या उक्त बाध में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी बाध या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्चन :—

शाप नं० 2, जो जूबली अपार्टमेंट को० आप-0
हाउसिंग सोसायटी, प्लाट नं० 3, यारी रोड, वर्सेवा
बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० अई-2/37-ईई/18335/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
15/3 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 5-11-1985
मोहर :

प्रकरण आई. टी. एन. एन. -----

1. मैसर्स राजकुमार एजेंसीस।

(अन्तरक)

2. श्री बीलत राम मुर्लीधर तेजुजा।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भाइत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करवा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शाप नं० 44, जो तली मंजिल, रोशनलाल अग्रवाल शापिंग आर्केड, एस नं० 41 (पार्ट), बसोवा, ओशिवरा, अंधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई 02/37-ईई/18538/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की धारत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे वर्जन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) इसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिन्हें न सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसार न, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 5-11-1985

मोहर :

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

प्रत्यक्ष आई.टी.एन.एस.-----

(1) मेमर्स जे० एस० कारपोरेशन।

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री मनीषा गुप्ता।

(अन्तरिती)

भाष्य सूचक

कार्यालय, सहायक जायकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई दिनांक 6 नवम्बर, 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/18290/84-85-— अतः मुझे,
प्रणोत राय,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लेट नं० 502, क्वार्टर डेक, बम्बई-58 में
स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), और जिसका कार्यालय जायकर अधिनियम की धारा
269-ग के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में
रजिस्ट्री है, तारीख 14-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि बहापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुछ किसी अन्य की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी भू-वा अन्य आस्तिमों
को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भू-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जहाँ :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-
षित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 502, जो 5वीं मंजिल, क्वार्टर डेक, जय प्रकाश
रोड, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37ईई/18290/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-3-85 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रणोत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख 6-11-1985
बोहर

इस भाग में एन.एच.एच.

(1) मेमर्स जे. एस. कारपोरेशन।

(अन्तरक)

(2) श्री मनीष गुप्ता।

(अन्तरिती)

नाबकड अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

प्राप्त उपकरण

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 नवम्बर, 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/18291/84-85— अतः सुते,

प्रशांत राय,

नाबकड अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 501 क्वार्टर डेक, बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 14-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बन्धितः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही बर्त होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 501 जो, 5वीं मंजिल, क्वार्टर डेक, जय प्रकाश रोड, वर्सावा, अंधेरी (प), बम्बई 4000 58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37ईई/18291/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 8-11-1985
मोहर :

आर. आर्. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

स. 2, अरकाट

कार्यालय, माध्यम आय का आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निर्देश सं अई-2/37ईई/18444/84-85—अत मुझे,
 प्रशांत राय,

का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं फ्लैट नं 302, क्वार्टर डेक, बम्बई-58 में
 स्थित है और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में पूर्णरूप से वर्णित है),
 और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
 269-ब के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में
 रजिस्ट्री है, तारीख 20-3-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
 प्रतिफल में अधिक है और अन्तःक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों के लिए अन्तरण किया
 में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण पर हुई किसी बात की वार्षिक, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के दायित्व
 के कमी करने या इनमें से किसी में सुविधा के लिए;
 और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी वस्तु या अन्य वास्तविक
 को जिन्हें भारतीय बाजार-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भव-
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
 या या किया जाना चाहिए या, जिन्हें में सुविधा
 के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अन्तरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स जे. एस. कारपोरेशन।

(अन्तरक)

(2) श्री धीरज हरीलाल शाह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए
 कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति को वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त संपत्ति में हितवश
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

सहजीकरण :—इसमें प्रकृत व्यक्तों को इस सूचना के उक्त
 अधिनियम के अन्तर्गत 20-क में परिभाषित
 है, वही वर्ष होना जो उक्त अधिनियम के विधि
 दिया है।

अनुसूची

फ्लैट नं 302, जो, 3री मजिल, क्वार्टर डेक, जय प्रकाश
 रोड, वसोधा, बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं अई-2/37ईई/18444/84-85
 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-3-85 को
 रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जेन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 6-11-1985
 मोहर

प्रकाश बाह्य टी एन एल -----

(1) मेमर्स जे० एन० एन० एन०

(अन्तर)

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री गीतन हरीनान बाह्य ।

(अन्तरितो)

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निदेश सं० अई 2/37ईई/18445/84 85— अत मुझे

प्रशांत राय

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका मूल्य बाजार मूल्य
₹ 1,00,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 301 क्वार्टर डेक बम्बई-58 में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है)
और जिसका राजनामा भाषाकर अधिनियम 1961 की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में
रजिस्ट्री है तारीख 20-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के मूल्य बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसकी दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित
में मासिक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधाएं ----

(क) इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि में उक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि; जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी भाषा की बाधा, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कारण से कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी भाषा या किसी जन या अन्य आस्तियां
को जिनमें भारतीय भाषा-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, भाषा
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ----

प्लेट नं० 301, जो 3री मजिल, क्वार्टर डेक, जय प्रकाश रोड
धर्तवा, बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई 2/37ईई/18445/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई द्वारा दिनांक
20-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
महायुक्त भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज 2, बम्बई

तारीख 6-11-1985
मोहर

प्रकृष जाई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री ए० राजक हाजी अदमजी हमनफता ।

(अन्तरक)

(3) श्री महमूद हसन हाजी इमा मनु ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निर्देश सं० अई 2/37ईई/17857,84-85— अतः मुझे,

प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
बदलात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 106, फारहत अपार्टमेंट, जोगेश्वरी,

(प), बम्बई-102 में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में
पूर्णरूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,
1961 की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का
पञ्च प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरिती) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए यह बाका नक
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक निश्चित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी मात्र की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी मात्र या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रकोषधार्म बन्दारिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जेंट :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभाहस्ताधारी के
पात्र निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्वीकारण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 106 जो 1वीं मंजिल, फारहत अपार्टमेंट,
जोगेश्वरी (प), बम्बई-400102 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37ईई/17857,84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-2, बम्बई

तारीख : 6-11-1985
मोहर

प्रकाश बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/17894/84-85— अतः मझे,

प्रशान्त राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 51, जममीन अपार्टमेंट, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका वारारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-य के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जा पाया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

65—366 GI/85

(1) महमूद हमीद ए० सीम गनैट ।

(अन्तर :

(2) श्री मुस्ताक हुसैन खान और
श्री नजीर हुसैन खान ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाखेप -----

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोब्रताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लेट नं० 51, जो, 5वीं मंजिल, जममीन अपार्टमेंट, 31, एस० बी० रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37ईई/17894/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

प्रशान्त राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख 5-11-1985

मोहर *

प्रथम भाग, एन.एन.एल.-----

(1) शालिनी जाह ।

(अन्तरक)

(2) अमन लाल बी० कनानी ।

(अन्तरिती)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/17902/84-85— अतः सुते

प्रशांत राय,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 101/102, शिवम अपार्टमेंट, अंधेरी
(प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका बरारनामा आयकर अधि-
नियम, 1961 की धारा 269-ब के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 2-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी बाय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

इस सब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितरक्ष
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 101/102, जो 1ली मंजिल, शिवम अपार्टमेंट,
प्लॉट नं० ए/1-142, और 143, अंधेरी वर्मोवा मेन रोड, वर्मोवा
अंधेरी (प) बम्बई-400058 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37ईई/17902/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-3-1985 को
रजिस्टर्ड किया गया है ।

प्रशांत रा ।

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आदमर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 5-11-1985

मोहर -

प्रत्यक्ष बाण्डरी एन.एस.एस.

(1) श्री साजद खान रेहमत खान ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति पद्मीनी राज और
श्री राजा राम ।

(अन्तरिती)

बाण्डर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सार्वजनिक सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

निदेश सं० अई-2/3ईई/17903/84-85— अतः मुझे, प्रशांत राय,
आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसे सं० फ्लेट नं० 204, सी. जे. अंधेरी (प), बम्बई-58
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), और जिसका आगमनामा आयकर अभिनियम, 1961 की
धारा 269-ब के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई
में रजिस्टर्ड है, तारीख 1-3-1985
को सूचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्तावेज
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दस्तावेज प्रतिफल से, जो इसे दस्तावेज प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
प्राप्त किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निहित में वास्तविक रूप से करीब नहीं किया गया है :—

को यह सूचना तारीख कर्को पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि मात्र में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वास्तव, उक्त
अभिनियम के अधीन कर देने की अन्तरक को
कार्यालय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए की जा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी वन या अन्य वस्तुओं
को जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या आय-
कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था। विधान में सुविधा
के लिए।

नबः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
है, जो, उक्त अभिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

फ्लेट नं० 204, जो, 2री मंजिल, ए विंग, सी. जे. सात
बंगलोज, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/3ईई/17903/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को
रजिस्टर्ड किया गया है ।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 5-11-1985
मोहर

प्रमुख कार्य: टी. ए. ए. ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/17919/84-85— अतः मुझे, प्रणालि राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसको पश्चात् उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 601, मनीष नगर, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपरोक्त अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), और जिसका दायरनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 259-ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 2-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यन्त्रोपयुक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं, अधीन है—

(1) मेसर्स एस० वी० एस० एण्ड कम्पनी ।

(अन्तरक)

(2) डा० दामोदर कुमार तोलानी और श्रीमति हरदेवी ग० तोलानी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संबंधित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कइता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या उत्तमव्यवस्था व्यक्तिगत रूप से सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिगत रूप से से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

व्यक्तिगत

प्लेट नं० 601, जॉन छठवीं मंजिल, इमारत नं० 2-3-4, विंग, मनीष नगर, वसोवा रोड, अंधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37ईई/17919/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

प्रणालि राय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 5-11-1985

मोहर

प्रकृ. जाई. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आई-2/37ईई/17954/84-85— अतः मुझे,
प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 4, ब्रीज सोसाइटी, अंधेरी (प), बम्बई-61
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), और जिसका दायरतामा आयकर अधिनियम, 1961 की
धारा 269-ग के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई
में रजिस्ट्री है, तारीख 5-3-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि वधापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसका दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती
(अन्तरिदियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्य में
कमी करने या उससे बचने में सुविधाओं के लिए,
बीछ/बा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी वचन या अन्य वास्तविकताओं
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

जब जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्ति, बम्बई :—

(1) श्रीमती सुन्दरी पोद्दमल हारवानी ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति पूनम राजेश जोशी ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बचन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बचन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 4, जो तल मंजिल, सी ब्रीज प्रिमायसेज को०-
ब्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, रात बगलोज, अंधेरी (प),
बम्बई-61 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/17954/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-3-1985 को
रजिस्टर्ड किया गया है ।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 5-11-1985
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्बाल, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/18091/84-85— अतः मुझे,
प्रशांत राय,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० गाला नं० 18, घनश्याम इन्डस्ट्रीयल इस्टेट,
अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची
में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका कार्यान्वयन आयकर
अधिनियम की धारा 269-ब के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 8-3-1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
उचित प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
आयकर निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के धारिण में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति को, अधिनियम 6—

(1) श्री विजय कुमार ओबराय ।

(अन्तरक)

(2) नागपाल बालकीशीन वी० (एच०यू०एफ०)

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक ।

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है ।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमय
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

"गाला नं० 18, जो बी विंग, घनश्याम इन्डस्ट्रीयल इस्टेट, ऑफ
वीना देसाई रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37ईई/18091/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-3-1985 को
रजिस्टर्ड किया गया है ।

प्रशांत राय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 6-11-1985

मोहर :

प्रत्यक्ष बजट टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

माध्यम सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/18095/84-85— अतः मुझे,
प्रशांत राय,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० ए-2, पेराडाइस अपार्टमेंट, अंधेरी (ए)
बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में अंतः पूर्ण-
रूप से वर्णित है), और जिसका वारानामा आयकर अधिनियम
की धारा 269-क के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय,
बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 8-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
द्वारित्व में कमी करने या अन्य उद्देश्य के लिए
के लिए और/वा

(ख) इसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा उक्त धन
या या किया जाता चाहिए था, छिपाने में संविधा
की दिव;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री विपूल जयंतीलाल शाह ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति शीला चन्द्रकान्त शाह और
श्री सी० वी० शाह (एच०यू०एफ०) ।

(3) अन्तरक ।

(अन्तरिती)

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, को भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० ए-2, जो पेराडाइस अपार्टमेंट, 137 एस०वी० रोड,
अंधेरी (ए), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37ईई/18095/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-11-1985 को
रजिस्टर्ड किया गया है ।

प्रशांत राय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 5-11-1985

मोहर

प्रकाश आई.टी.एन.एस. -----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 नवम्बर, 1985

निवेश सं० आई-2/37ईई/18132/84-85— अतः मुझे,
प्रशांत राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 301, कोहिनूर, जोगेश्वरी (प),
बम्बई-102 में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और
पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
की धारा 269 क ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय,
बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 8-3-1985,

* को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विलेज के अनुसार अंतरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
अभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
सूचक से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सविधा
की विधि;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बालकृष्णा के० मेह्टी।

(अन्तरक)

(2) सैयद अमर हुसैन।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

(4) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अयो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकते हैं।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 301, जो, 3री मंजिल, कोहिनूर विल्डिंग, बादी-
वली विलेज, जोगेश्वरी (प), बम्बई-102 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/18132/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-3-1985 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 6-11-1985

मोहर :

प्रारूप आर्. टी. एन. एस्.-----

(1) श्री बी० रमेश ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमति उषा नारायण स्वामी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/18272/84-85— अतः मुझे,

प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विस्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 8, किरनचन्द्र सोसाइटी अंधेरी(प),
बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और
पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
की धारा 269-क के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई
में रजिस्ट्री है, तारीख 14-3-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और वह विस्वास
करने का कारण है कि वधापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का
फल प्रत्यक्ष से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नया पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण सिद्धित के
व्यवसायिक रूप से अधिक नहीं किया गया है।—

(क) कानून से हुए किसी धन की वास्तविक उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के परिपत्र में
कभी कभी या उसके अर्थ में सूचना के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
विषय के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों— अर्थात् :—

66—366 GI/85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन की सम्पत्ति के अर्थ की व्याख्या :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्तरवर्ती व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह्य से बराबर होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-
बूख किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अनोखताकारी के
पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और शर्तों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 8, जो किरनचन्द्र को०-आप० हाउसिंग सोसाइटी
लि०, प्लॉट नं० 33, एस्० नं० 145(पार्ट), 146(पार्ट),
मनीषा नगर, जे० पी० रोड, अंधेरी(प), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37ईई/18272/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-3-1985
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 5-11-1985

मोहर :

एक पृष्ठ की संख्या

वायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई-2/37ईई/18273/84-85— अतः मुझे,

प्रशांत राय,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लेट नं० 7, किरन चन्द्र सोसाइटी ग्रंथरी (प),
बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इसे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण-
रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई
में रजिस्ट्री है तारीख 14-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान
प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके व्यवमान प्रतिकल से ऐसे व्यवमान प्रतिकल का
पञ्च प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्त-
विक रूप से उचित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरक है कि किसी वाय की वास्त, उक्त
अधिनियम से अधीन कर देने के अन्तरक के
कारण से कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अंतरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
की, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन है—

(1) टी०वी० बालसुब्रमनीयम ।

(अन्तरक)

(2) एस० विजय राघवन ।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां कइया हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 7 जो तल मंजिल, किरन चन्द्र को०-आप० हाउसिंग
सोसाइटी लि०, प्लेट नं० 33, एस० नं० 145 (पार्ट), 146
(पार्ट), मनीश नगर, ज० पी० रोड, ग्रंथरी (प), बम्बई-58 में
स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/18273/84-85
श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-11-1985 को
रजिस्टर्ड किया गया है ।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 5-11-1985
मोहर :

प्रासूप आई.टी.एन.एस.-----

- (1) श्रीमति बी० कारवालहो और
श्रीमति एम० एल० फायस ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

- (2) जय प्रकाश बी० मूलानी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई दिनांक 5 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई-2/37ईई/18293/84-85— अतः मुझे,
प्रशांत राय,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० फ्लेट नं० 15, अविनाश बिल्डिंग, ग्रंथेरी (प),
बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपानद्ध अनुसूची में और पूर्ण-
रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
की धारा 269 ब के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 14-3-1985,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिद्ध नय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या वा किन्ना जाना जा रहा था, किन्ना के
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधास (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधाएं —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 14, जो, अविनाश बिल्डिंग, जे० पी० रोड, सात
बंगलोज, ग्रंथेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/18293/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-3-1985 को
रजिस्टर्ड किया गया है ।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 5-11-1985
मोहर :

प्रकट नम्बर टी. ए. ए. २३८८

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आई-237ईई/18328/84-85—अतः मुझे,
प्रशांत राय,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० फ्लेट नं० 507, तलाटी अपार्टमेंट, अंधेरी
(प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख. के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख
15-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आधे की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उचित करने के उद्देश्य के लिए;
और/या

(ख) इसी किसी नाम या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वय
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रमेश शर्मा और
श्रीमती सुनन्दा आर० शर्मा ।

(अन्तरक)

(2) श्री भारत बी० शाह ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होगी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 507, जो पांचवी मंजिल, तलाटी अपार्टमेंट,
एस० बी० रोड, फायर ब्रिगेड के पास, अंधेरी (प०), बम्बई-58
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-2/37ईई/18328/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
15-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 6-11-1985
मोहर :

प्रथम भाग, टी.एन.एड. :-----

(1) श्रीमती मीनू पुरखोत्तम ।

(अन्तरक)

(2) श्री अब्दुल करीम अहमद अली पटेल ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/18411/84-85—अनः सुसे,
प्रशांत राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 106, कोहिनूर जोगेश्वरी, बम्बई में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ग के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 19-3-85 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय प्रतिकूल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिकूल से ऐसे व्यवसाय प्रतिकूल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए एक पाया गया प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की राशि, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शेषित से कमी करने या उससे बचने से संबंधित है; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाँहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के बचन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बचन के संबंध में कोई भी वाक्यः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोद्वेष्टाकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 106, जो पहली मंजिल, कोहिनूर बी बिल्डिंग, जोगेश्वरी, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-2/37ईई/18411/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 6-11-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

निदेश सं० आई-2/37ईई/18511/84-85—अतः मुझे,

प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 201, गेरेज नं० 6, शंग्रीला-1 बम्बई-61 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख

21-3-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्याख्याओं, अर्थात् :—

(1) श्री सुभाष पांडे और रामनाथ पांडे।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ललिता मेनोन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बंगलूरु

फ्लेट नं० 201, और गेरेज नं० 6, जो शंग्रीला-1, सान बंगलोच, वर्सेवा रोड, अंधेरी (प), बम्बई-400061 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-2/37ईई/18511/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अजन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 5-11-1985

मोहर :

प्रथम भाग टी.एन.एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

हाराय सुप्रकाश

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/18567/84-85—अनः मुझे,
प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञापित करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० फ्लैट नं० 612/सी, जनकदीप वसोंवा, बम्बई-61 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 26-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निर्माणाधीन उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बालियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निर्माणाधीन व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) पदमा झलवानी ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नीलम निरंजन मनचन्दानी ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करत हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, या हेस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों 7, जे उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 612/सी, जो जनकदीप बिल्डिंग, जे० पी० रोड, वसोंवा, बम्बई-61 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-237ईई/18567/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

प्रशांत राय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 5-11-1985

माहूर :

प्रकट बाई. टी. एन. एस.

(1) प्रकाश वेद ।

(अन्तरगत)

(2) नेवीन नोणीर हर्दा ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिनी ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिकारों में सम्पत्ति है) ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिकार

आयकर, सहायक आयकर बाबत (निर्देशन)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई-2/37ईई/18652/84-85—अनं. मुं. प्रशांत राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 22, अंधेरी मनीश विजय, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाय अन्तर्गत में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 27-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अद्यतन प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके अद्यतन प्रतिफल से ऐसे अद्यतन प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अभित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक में उक्त किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि उक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अद्यतन प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके अद्यतन प्रतिफल से ऐसे अद्यतन प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अभित नहीं किया गया है :—

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना बाड़ी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के अन्य कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्ति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्रों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 22, जो दूसरी संजिन, ए, इमारत नं० 14, अंधेरी मनीश विजय को० ओप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, मनीश नगर, जे० पी० रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-2/37ईई/18562/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशन)-
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 6-11-1985

मोहर :

सकल प्राई.डी.एन.एच. केन्द्रों

(1) श्रीमती मर्जीन सेलवीन।

(प्रस्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती संगीता रमेश तीलोकाती।

(प्रस्तरिती)

द्वारा सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेंट रेंज-2, बम्बईकई यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए
आवश्यकतापूर्वक शुरू करता है।

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1985

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में स्पष्टीकरण का संक्षेप—

निदेश सं० आई-2/37ईई/17862/84-85—प्रतः मुझे,
प्रशांत राय,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवेकात् करने का
कारण है कि स्वयं सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों ने से किसी व्यक्ति द्वारा;और जिसकी सं० शाप नं० 15, जुहू बीच रोड 2 सोसायटी
बम्बई-49 में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कार्यालय आयकर अधि-
नियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-85
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है।/र मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि वधापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से ऐसे दायमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
प्राप्त नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
विधित में वार्षिक रूप से कटित नहीं किया गया है—(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वयं सम्पत्ति में हितवशु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अनैहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के भाग 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगे जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।(क) अन्तरण से हुई किसी बाध की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन का होने के अन्तरक के
साहित्य में कमी करने या उक्त नष्टाने में सुविधा
के लिए; और/वा

अनुसूची

शाप नं० 15, जो तल मंजिल, जुहू बीच रोड 2 को०
ओ० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, प्लॉट नं० ए1, सी० टी०
एस० नं० 932 (पार्ट), जुहू तारा रोड, बम्बई-49 में
स्थित है।(ख) इन्हीं किसी काम या किसी वन या अन्य कार्रवायों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, जिनमें से सुविधा के लिए;अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-2/37ईई/17862/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।अन्य बात, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण
की है उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
97-366 GI/85प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेंट रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 4-11-1985

मोहर :

बहुल भाई, श्री एच. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अन्तर्गत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० आई-2/37ईई/17915/84/85—अंतः मुझे,
प्रशान्त राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थानीय मा. से, जिसका उचित बाजार
मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 16, दस्तूर बिल्डिंग, बम्बई में
स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) और जिसका कार्यालय आयकर अधिनियम 1961
की धारा 269-क, ख के अर्धीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-3-1985

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे उचित प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतर (अंतरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतर के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन धारा 269-ब के अन्तर्गत के
दायित्व में कमी करने या उक्त आय में वृद्धि
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तविकता
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट की किया गया
या वा किया जाया जाइने के लिए के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के लिए :—

(1) श्रीमती ज्योति धलमदास शाह ।

(अन्तरक)

(2) हिरालाल देवदारन शाह और
श्रीमती उषा हिरालाल शाह ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती ।

(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त भारत के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
अवध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 16, जो तीसरी मंजिल, दस्तूर बिल्डिंग, फिरोजशाह
रोड, सान्ताक्रुज (प), बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि अम सं० आई-2/37ईई/17915/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

प्रशान्त राय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 4-11-1985

मोहर :

प्रकाशक 'टी. एन. एस.'—

(1) श्री किशोर नमचन्द शाह ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बीता सुभाष पारेख ।

(अन्तरिती)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक: 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई-2/37-ईई 17917/84-85—अतः मुझे,

प्रशांत राय,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 4, महेश्वर शिखर सान्ताकुंज
(प), बम्बई-54 में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख
1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का
संगत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने के उद्देश्य
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या बाय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किना जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्लेट नं० 4, जो पहली मंजिल महेश्वर शिखर, प्लेट
नं० 55बी, टी० पी० एस० नं० 4, अँड्रीवस रोड, सान्ताकुंज
(प) बम्बई-400054 में स्थित है । अनुसूची जैसा कि क्र०सं०
आई-2/37-ईई 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा
दिनांक 1-3-1985 को रजिस्ट्री किया गया है ।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 4-11-1985
गोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एच.-----

(1) मलर्स मेस्सीम डेवेलपमेंट।

(अन्तरक)

(2) श्री स्टानली वरधीस।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई-2/37ईई/18011/84-85—अतः मुझे, प्रशान्त राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 203, तस्नीम, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 5-3-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव से कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा वास्तव के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बतार् ह—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के संबंध में कोई भी जानकारी—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रतिष्ठाधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 203, जो तस्नीम सब प्लॉट नं० 6, प्लॉट नं० 1, के बार्ड नं० 7803, जुहु विले पार्ले स्क्रीम, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-2/37ईई/18011/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशान्त राय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 4-11-1985

लोगब ह

प्रमुख भाई. टी. एन. एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई-2/37ईई/18113/84-85—प्रतः मुझे,
प्रशान्त राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० प्लेट नं० 22-बी, त्रिमूर्ती सोसाइटी,
सास्ताकुंज, बम्बई-54 में स्थित है (और इससे उपाय
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका
कारारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ब, ब
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है, तारीख 8-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसकी दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तस्ती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित अनुबन्ध से उक्त अन्तरण सिद्धित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/वा

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को जिनके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

नोट: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्थात् :—

(1) पम्मी बर्मी और ममता बर्मी।

(अन्तरक)

(2) श्री के० श्रीनिवासन और
श्रीमती चन्द्रिका श्रीनिवासन।

(अन्तरितियों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाही करना है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपेक्षाधारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 22-बी, जो त्रिमूर्ती को० ओप० हाउसिंग सोसाइटी
लिमिटेड, नार्थ एवेन्यु, सास्ताकुंज (ए), बम्बई-54 में स्थित
है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-2/37ईई/18113/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
8-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशान्त राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 4-11-1985

शेखर 3

प्रकाशक: टी. एन. एल.

(1) श्री हंसराज अरोरा ।

(अन्तरक)

(2) श्री रामचन्द्रन भारं सेन ।

(अन्तरिणी)

(3) अन्तरक ।

(इह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है) ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/10120/84-85--अतः सूची,

प्रशांत राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसे सं० फ्लैट नं० 12, संगीता अपार्टमेंट, बम्बई-49 में स्थित है (और इसके उपरान्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका दस्तावेज़ आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ग के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 8-3-1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कृत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुए किसी बात की वारदात, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी-कटौत या उससे बचने के उद्देश्य के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के उद्देश्य के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आरोप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बन्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अतः

फ्लैट नं० 12, जो दूसरी मंजिल, ब्लॉक नं० सी०-6, संगीता अपार्टमेंट, सान्ताक्रुज (4), बम्बई-49 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-2/37ईई/10126/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-3-1985 को रजिस्ट्रीरित किया गया है ।

प्रशांत राय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 4-11-1985

मोहर :

(अभ्युपगमः)

(अवस्थिति)

दिनांक : 4-11-1985
मोहर :

प्रत्यक्ष आई.डी.एन.एस.-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर, 1985

निवेद सं० आई-2/37ईई/18346/84-85—प्रति: मुझे,

प्रधान राय

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसे सं० यूनिट नं० 67, रत्न ज्योति इंस्ट्रुमेंट्स इस्टेट, बम्बई-56 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसे करारनामा भाषाकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ए के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 16-3-85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का संशुद्ध प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित होने का कर देने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य जास्तिवों को, जिन्हें भारतीय भाषा-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भाषाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्तरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त है—

(1) बल्लभभाई जे० पटेल ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मीना सुरेशभाई मैहता ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिसके अक्षिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किन्हीं बाधकों ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होना जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 76, जो रत्न ज्योति इंस्ट्रुमेंट्स इस्टेट, इलाहाबाद, विले पार्स, (प), बम्बई-56 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-2/37ईई/18346/ और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

प्रधान राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 7-11-1985

मोहर :

प्रकृ. बा. टा. ए. ए. ए. ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं. 2/37ईई/10383/84-85

प्रशान्त राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके अन्तर्गत अधिनियम का उल्लेख है) की धारा
269-ब के अधीन सहायक आयुक्तों को यह अवस्थापित करने का
कारण है कि 'स्थायी सम्पत्ति' जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लेट नं. 101, डीलाइट डेन, बम्बई-49
में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) और जिसका दस्तावेज आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सहायक
आयुक्तों के कार्यालय में रजिस्ट्री है सं. 16-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतर-
रता (अंतरांतरता) के बीच इस अंतरण का लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण में हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययत्व में कमी करने या उससे बचने में रुचि
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों
का, जहाँ भारत में आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मिया
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तर्स्थि द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आवश्यक था, छिपाने या
व्ययत्व के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
को, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

68-366GI/85

(1) श्रीमती जानकीबाई पी. अशुदानी ।

(अन्तरक)

(2) श्री मयम. कानक. कानक. श्री. और
कुमारी अरबन्नीसा हबीबसा चौधरी ।

(अन्तरस्थि)

(3) अन्तरस्थि

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्तन के लिए
कार्यवाही शुरू करता हूँ :-

उक्त सम्पत्ति के बर्तन के संबंध में कोई भी आपत्ति :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता है, के अन्तर्गत प्राप्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थायी सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपवादस्थायी के साथ
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं. 101, जो डीलाइट डेन पहली मंजिल, प्लोट
नं. 3, एब प्लोट नं. 10, दशवी रोड, जे. श्री. पी. जी.
हकीम बम्बई-49 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं. 2/37ईई/10383/
84-85 और जो सहायक आयुक्तों, बम्बई द्वारा दिनांक
16-3-1985 का राजपत्र द्वारा प्रकाशित है ।

प्रशान्त राय
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 4-11-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री हर्ष कोहली ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती भागवती मोहन घडवानी ।

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन को नियंत्रित
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर, 1985

निदेश सं० आई-2/37ईई/18540/84-85---अतः सुमे,
प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर्क्रीस प्रिमायसेस नं० 26, संगीता आर्टमेंट्स,
बम्बई-19 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारनामा आयकर अधि-
नियम की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 23-3-85
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिताओं) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 1) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वादोप-—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का,, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

आर्क्रीस प्रिमायसेस नं० 26, जो बिल्डिंग नं०, 7 सी
संगीता आर्टमेंट्स, जूहू रोड, सांताक्रुज (प), बम्बई-49
में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-2/37ईई/18540/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
23-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 4-11-1985

मोहर :

प्रश्न आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

सार्वजनिक सूचना

करायालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर, 1985

निवेश सं० आई-2/37ईई/18560/84-85—अतः मुझे,

प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 5 बीच रीसोर्ट सोसायटी बम्बई-49
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और रूप से
वर्णित है) और जिसका वारानामा आयकर अधिनियम
की धारा 269-ग के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 23-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के व्यवहार
प्रतिफल के लिए उत्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
इसके व्यवहार प्रतिफल से, ऐसे व्यवहार प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए एक पांचवां भाग
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हाथिए में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरक
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) धनेन्द्र शंकर याशिक ।

(अन्तरक)

(2) कप्तान फ्रांसीस जोर्ज मत्सकारन्हेस ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 5, जो बीच रीसोर्ट को० ऑप० उड्डिन सोसायटी
लिमिटेड, 35सी, हिरा बूवा गाडगे मार्ग, जूहू, बम्बई-49 में
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-2/37ईई/18560/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
23-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 4-11-1985

मोहर :

इसके अतिरिक्त, 21. 12. 85

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अजमेर रज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई-2/37ईई/18653/84-85—अतः मझे.

प्रशोत राय,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० ए/2/2, अल हजानत, सान्ताक्रुज
(ए), बम्बई 54 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा भाषाकर
अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 27-3-1985,
का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और
मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का
यह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उप
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अधिनियम
विधि से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुए किसी भाव की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक की
वास्त में कथित करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तियों
की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भाषाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसूची (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्रीमती मूनारा जुल्फकार खांडवावाला और
श्री जुल्फकार अकमरली खांडवावाला
(अन्तरक)

(2) श्री श्रीरामजी लक्ष्मणजी कजोजी और
श्री शवीर हेरमजी कजोजी
(अन्तरिती)

(3) अन्तरक
(वह व्यक्ति जिसके अधिनियम में समाति है)

(4) अन्तरक
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अतीत में जाना
है कि वह समाति में विषय है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अधिनियम के विधि
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति की वर्णन के संबंध में कोई भी आपत्ति—

(क) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्याप्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभाहस्ताक्षरी के
पाद लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

"प्लॉट सं० ए/2/2, जो दूसरी मंजिल, अल हजानत, चैरल
रोड, सान्ताक्रुज (ए), बम्बई-400054 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/18653
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
27-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशोत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)
अजमेर रज-2 बम्बई

तारीख: 4.11.1985
चौहर:

प्रत्येक आर्.टी.एम.एस. 11-1-1985

(1) मजस तस्नाम डवनारस्

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) की अधीन सूचना

(2) आसता नकावा यलया एजी

(अन्तरिती)

भारत सरकार (8)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई (1)

बम्बई, दिनांक 27-3-85

निदेश सं. 2/37-ई/18654/84-85-प्रतः मुने,

प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

आरा-तका सं. प्लट सं. 101, तस्नाम, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाज्ज अनुसूता में और पूर्ण रूप से वर्गीकृत है), और जिसका करारनाम-आयकर अधिनियम के धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है, दिनांक 27-3-85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यहाँ पर विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसका दृश्यमान प्रतिफल से 10% दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच एस अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक के द्वारा किसी व्यक्ति द्वारा, उक्त अधिनियम के अधीन कर देना अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वस्तुओं का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनों के अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"प्लट सं. 101, जो तस्नाम, प्लट सं. 1 (6), के वाड सं. 7893, जूर विले पार्ले स्कोम, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं. 2/37-ई/18654/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 4-11-1985

मोहर ;

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई-2/37ईई/18718/84-85--प्रतः मुझे,
प्रभांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट सं० 10, दी गोकुल अगार्टमेंट, बम्बई-
56 में स्थित है (और इन्में उभावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से
वर्णित है) (और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम को धारा
269 धारा 269 कब के अर्जन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय,
बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 29-3-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दसमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दसमान प्रतिफल से, ऐसे दसमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकॉ) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वापस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयत्नाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री द्रुपदास्त भाईचन्द पोःतातो

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शोभना के० पारीख और
श्री कीरीत सी० पारीख

(अन्तरितो)

(3) अन्तरक ।

(यह व्यक्ति जिसके अधिमोग में
सम्पत्ति है)

(4) अन्तरिती

(यह व्यक्ति, जिसके बारे में अर्जो-
हस्ताक्षरों जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन में
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है (A)

अनुसूचि

"प्लैट सं० 10, जो श्री गोकुल अगार्टमेंट प० को० आप०
हार्जिंग सोसायटी लिमिटेड, दादाभाई क्रीत रोड सं० 2, हरी
निवास, विले पार्ले (प), बम्बई-400056 में
स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-2/37ईई/18718/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
-29-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

प्रभांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 4-11-1985

मोहर :

रूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई-2/37ईई/17880/84-85--प्रतः मुने,
प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लॉक सं० 10, गिरीराज अपार्टमेंट, अंधेरी
(पु०), बम्बई-59 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-3-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन का अन्य भाग्यता
को जिम्मे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगत, बम्बई-59

(1) गिरीराज कम्प्लेक्स को०

(अन्तरक)

(2) श्री जानदेव नारायण आग्रव

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक ।

(यह व्यक्ति जिसके अधिमोग में
सम्पत्ति है)

(4) अन्तरक

(यह व्यक्ति, जिसके बारे में अग्रो-
हस्ताक्षरों जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरों के अंश
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

"ब्लॉक सं० 10, जो गिरीराज अपार्टमेंट, ब्लॉक सं० 176/
1 (पाट), विलेज कोंडी बीटा, कदमवाडी के पास, अंधेरी (पु)
बम्बई-400059 में स्थित है

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/17850/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985
को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 7-11-1985

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई-2/37ईई/17859/84-85—अतः मुझे,
प्रशांत राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सख्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आंशिक मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और निजी सं० बने सं० 19, विरोध आराधनेट, अंधेरी
(पु), बम्बई 50 में स्थित है (और इन्ने उपाय अंतर्गत में और
पूर्ण रूप से वर्गीकृत है), और निजी करारनामा आयकर अधि-
नियम की धारा 269-ब के अधीन सख्त प्राधिकारी के कार्यालय,
बम्बई में रजिस्टर्ड है, दिनांक 1-3-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एकदम प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतर्गती
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों
के लिए, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या सख्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहता था, 'छपात' में 'सविधा'
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) विरोध आराधनेट को

(अन्तरक)

(2) श्री अमर विश्वनाथ प्रसाद

(अन्तरिणी)

(3) अन्तरक 1

(वह व्यक्ति जिसके अधिनियम में सम्पत्ति
है)

(4) अन्तरक

वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधि-
नियम के अधीन है कि वह अन्तरिणी
में दिखता है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जने के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना और राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्ति के लिए
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोभनाकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण:—इसमें प्रकट हुई और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

"बने सं० 19, जो विरोध आराधनेट, प्लॉट सं० 178
(पार्ट), कोर्टोर्टा विनेट, कःमरांडी के पार्क, अंधेरी (पु),
बम्बई-400050 में स्थित है

अनुसूची जैसा कि सं० आई-2/37ईई/17859/84-
85 और जो सख्त प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985
को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राम
सख्त प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (विरोध)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 7-11-1985

मोहर :

प्रकरण भाग-टी.एन.ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/17860/84-85—अतः सुशे
प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब की अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लॉक सं० 20, गिरीराज प्रार्टमेंट, अं घेरी
(पु०), बम्बई-59 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिनका कारनामा आयकर
अधिनियम की धारा 269 कब के अधीन, मक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-3-1985,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्-
तव रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने से अन्तरक के
बाधित से कमी करने या उससे बचने से सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के, चिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम के धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरक
के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-
69-366 GI/85

(1) गिरीराज कन्स्ट्रक्शन को०

(अन्तरक)

(2) श्री विठ्ठलराव आवासाहेब पवार

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

(4) अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध
है)

यदि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जनों के लिए
कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन की सम्बन्ध से कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय से लिया गया है।

अनुसूची

"ब्लॉक सं० 20, जो गिरीराज प्रार्टमेंट, ब्लॉक सं० 178/
1(पार्ट), कॉलोनी रोड, फदनवाडी के पास, अं घेरी (पु)
बम्बई-400059 में स्थित है ।

अनुसूची जाता नि क्र० सं० अई-2/37ईई/17860/84-
85 और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 7-11-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई-2/37-ईई/17890/84-85—अतः मुझे,

प्रशान्त राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लाक सं० 2, गिरीराज अगार्टमेंज, अंधेरी
(पू), बम्बई 59 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-3-1985.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
वृद्ध प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) गिरीराज कन्स्ट्रक्शन को०

(अन्तरक)

(2) श्री जोन लूईस मस्कारन्हेस

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग से सम्पत्ति है)

(4) अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति से हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

"ब्लॉक सं० 2, गिरीराज अगार्टमेंज प्लॉट सं० 176/1 (पार्ट),
कोंडीवीटा विलेज, कदमवाडी के पास, अंधेरी (पु०), बम्बई
400059 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37-ईई/17890/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-
1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशान्त राय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 7-11-1985

मोहर :

प्रकरण आइ. टी. एन. एन. एन.

(1) श्रीमती हंसाबेन एस० मचेंट

(अन्तरक)

(2) श्री गौरीशंकर लधा कर्ता

(अन्तरिती)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/18302/84-85—अतः मुझे,

प्रशांत राय,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके अध्याय 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 19, ज्ञात विक्रांत सोसायटी, व
सान्ताक्रुज (पू), बम्बई-54 में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची से और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा
भायकर अधिनियम की धारा 269 कब के अर्जीन सक्षम प्राधि-
कारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 14-3-1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
न्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक
लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा
के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के
45 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

"फ्लैट सं० 19, जो तीसरी मंजिल, ज्ञात विक्रांत को०,
आप० सोसायटी लिमिटेड वी० विंग, 17 बी पोदार मार्ग
सान्ताक्रुज (पू), बम्बई-400054 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37-ईई/18302/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-3-
1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 7-11-1985

मोहर :

प्ररूप जारी: डी. एन. एड.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आयकर, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई-2/37ईई/18643/84-85—अतः मुझे,
प्रशान्त राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 304, समीर निवास बी०, ग्रंथेरी
(प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिन पर परामर्श आ.य.कर
अधिनियम की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 27-3-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाधित, उक्त
अधिनियम के अधीन कटू देने के अन्तरण को
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, कौटु/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) कुमारी सखू बी० रायचन्दानी

(अन्तरक)

(2) रोमी घ्याल चौवड़ा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 304, जो समीर निवास, बी० बिल्डिंग, जय
प्रकाश रोड, बसोवा, ग्रंथेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित
है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/18643/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-3-
1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशान्त राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 7-11-1985

मोहर :

प्रथम भाग, टी. एन. एच.---

(1) श्री प्रशांत वी० रायचन्दानी

(अन्तरक)

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री नीलु दयाल चौधरी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/18642/84-85—अ. मू. मु. मु.

प्रशांत राय,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 303, समीर निवास, अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका परारनमः आयकर अधिनियम की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 27-3-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वार्षिक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वारता, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्य में कमी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना ग्राह्य था छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के बर्णन—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्णन के लिए कार्यवाह्या करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पक्ष सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 303, जो समीर निवास, बी बिल्डिंग, जे० पी० रोड, अंधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जसा कि क्र० सं० अई-2/37ईई/18642/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रोज-2, बम्बई

दिनांक 7-11-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती जुलेखबाई इम्राहीम।

(अन्तरक)

(2) श्री महमद अज्जर अब्दुल्ला रोशन और
बाहनाज अज्जर रोशन।

(अन्तरिती)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई-2/37-ईई/17965/84-85-यज: मुझे,
प्रशांत राय,बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० फ्लैट नं० ए-15, फातिमा महल सोसायटी
अंधेरी (पू), बम्बई-58 में स्थित है (और इसे उपावस अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका प्रारम्भ
अधिनियम की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधि-
कारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 5-3-1985को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में शास्तीयक रूप से अधित नहीं किया गया है :-(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं० ए-15, जो फातिमा महल को-ऑपरेटिव हाउसिंग
सोसायटी, एज० वी० रोड, दूसरी जावहन लेन, पोस्ट आफिस
के सामने, अंधेरी (पू), बम्बई-400058 में स्थित है।अनुसूची जिसमें सं० आई-2/37-ईई/17965/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
5-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बईदिनांक : 7-11-1985
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई-2/37ईई/1 379/84-85—अतः मुझे

प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 64, मनीष दिप सोसायटी, अंधेरी
(प), बम्बई 58 में स्थित है (और इससे उपाग्रह अनुसूची में
और पूर्णरूप से वर्णित है), और निम्नलिखित आकार
अधिनियम की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 16-3-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए था, छिपावे में सुरक्षा
के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नन्दर नेपोलिन डिसेजा और
श्रीमती एलीजा नेपोलिन डिसेजा

(अन्तरक)

(2) श्री अकताब हुसेनली मुकादम

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपभोक्तासूची के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

सूचनाकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं० 64, जो मनीष दिप को० प्रा० हाउसिंग
सोसायटी, चार बंगलोज, अंधेरी (प), बम्बई-400058 में
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-2/37-ईई/18379/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-3-
1985 को रजिस्ट्री किया गया है।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 7-11-1985

मोहर :

प्रकाशित आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई-2/7ईई/18253/84-85--प्रतः मुझे,

प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट सं० 202, डायगो सी०, बान्द्रा, बम्बई-
50 में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की
धारा 269 ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई
से रजिस्ट्री है, दिनांक 13-3-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एक प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
शत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निहित में वास्तविक
मूल्य से अधिक नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की धारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के संबंध में:

(1) मेसर्स अबोल कन्स्ट्रक्शंस।

(अन्तरक)

(2) कुमारी धुन पी० उडवाडीया

(अन्तरिती)

(3) (अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिसौग में सम्पत्ति है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बोध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्ति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

"प्लैट सं० 202, जो रूपरी मंजिल, डायगो सी०, सी० टी०
एस० सं० 1280, 1461, 1247 और 1463, शरली राजन,
बान्द्रा, बम्बई 400050 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/18253/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
13-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जेंट रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 7-11-1985

मोहर :

(अमलरक)

(अन्तरिणी)

(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग से सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को जर्जन को विपु कार्यवाहियों से छुड़ाकर हटाता है।

उक्त सम्पत्ति को बचन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना को राबपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्यग्भी व्यक्तियों वरु सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पत्राचार व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के संचयन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में श्रुतबद्ध किसी अन्य व्यक्त द्वारा सम्बन्धित व्यक्तियों के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

અનુસૂચી

किसी कर्मचारी को दूसरी किसी जात की महिला का
विधिवत से बलीय कर देने के अन्तर्गत में
सावधान्य से कमी करने या उससे बचने में सुविधा
हो सके; और/या

(क) ऐसी किसी जात या किसी धन या अन्य वास्तियों को, बिना भारतीय जात-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, जात-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था जिसने से सुविधा हो सके।

प्रश्न: क्या, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
 १. श्री उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
 २. श्री उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (2)

दिनांक : 7-11-1985

मोहर :

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मारवाबेन नानालाल शाह और
श्रीमती मीना रजनीकांत शाह

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेपः—

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1985

(क) इस सूचना के राखपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की राज्य निश्चिन में किया जा सके।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट सं० 4, जो पहली मंजिल, मिन्. अगार्टसेट, सदानन्द रोड, आफ नन्दाउपाटकर रोड, टेलीफोन एक्सचेंज के पास, विले पार्ले (पु), बम्बई 400057 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37ईई/17908/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 7-11-1985
मोहर :

इसका बाह्य टी. एम. एच. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिकारी

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० अई-2/37-ईई/18174/84-85—प्रतः, मुझे,
प्रशान्त राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लॉक नं० 8, राव अपार्टमेंट, विले पार्ले (पु),
बम्बई-57 में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय,
बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 8-3-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
प्राप्त गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निर्दिष्ट में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक को
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भव या अन्य वास्तवों
की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से
प्रत्येक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
की लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण
की, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रशान्त राय—

(1) श्री विपिन कुमार हराचन्द गाँधी,
श्री दीपक कुमार एच० गाँधी और
श्री प्रकाश कुमार एच० गाँधी

(अन्तरक)

(2) श्री के० नरसिम्हा ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

(4) अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-
हस्ताक्षर आता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है :

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सम्बंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में सम्पन्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी अन्तरिती द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निर्दिष्ट में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा या उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

"ब्लॉक नं० 8, जोतीगरी मंजिल, राव अपार्टमेंट, मलावीया
रोड, विले पार्ले (पु), बम्बई-400057 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37-ईई/18174/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-3-1985
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

प्रशान्त राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 7-11-1985

मोहर :

प्रमुख आई.टी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निवेश सं० आई-2/37-ईई/18024/84-85—अतः मुझे,

प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 302, जो, मार्बल आर्च सोसायटी
बम्बई-50 है तथा जो बम्बई-50 में स्थित है (और इससे
उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और
जिसका पुरारामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269-ब, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 6-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्च प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी अन्य या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तर्हीन द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित धारणाओं, बर्णना :—

1. श्रीमती सुधा नानीराम कुन्नेजा और
श्री परसराम कोडूमल कुन्नेजा।

(अन्तरक)

2. श्री सुदर्शन बी० रंग और
श्रीमती रचना एस० रंग।

(अन्तरिती)

कई यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति में अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आरोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों के
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि के बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवशु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पत्र
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

संपूर्ण

फ्लैट नं० 303, जो मार्बल आर्च प्रीमायसेस को०आप०
हार्डिंग सोसायटी लिमिटेड, पाली हिल, बांद्रा, बम्बई-
4000 050 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37-ईई/18024/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
6-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 5-11-1985

गोहर 2

इसका नाम: डॉ. एन. एन. एन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निदेश सं. आई-2/37-ईई/17911/84-85—अतः मुझे,
प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 706, मंजू महल, बांद्रा
बम्बई-50 है तथा जो बम्बई-50 में स्थित है (और इससे
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269-ब, के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
बहुत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय को बायत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्यतिरिक्त न केही करने के सबल करने के अधिका
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या किया जाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा:—

1. श्री सी राज एम मुराभी

(अन्तरक)

2. श्री जयंत अरोरा और
श्री अनिल अरोरा।

(अन्तरिती)

3. अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकारण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 706, जो बी विंग, मंजू महल, वेतक को
और हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 35 पाली हिल रोड
बान्द्रा, बम्बई-400 050 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं. आई-2/37-ईई/17911/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 5-11-1985

मोहर:

प्राकृतिक आर्.टी.एन.ए.-----

1. श्रीमती जेतीबाई रामचन्द।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना2. श्री अरुण गोविंद गेही और
गीता दौलत गेही।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निर्देश सं अई-2/37-ईई/17944/84-85—अतः मुझे
प्रशांत राय,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० फ्लैट नं० 52, राम महल सोसायटी,
माहीम, बम्बई-16 है तथा जो बम्बई-16 में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961
की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-3-1985को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में बाह्यारूप रूप से स्वीकृत नहीं किया गया है :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्भूत
व्यक्तियों के द्वारा उक्त स्थावर सम्पत्ति के पाम
जिहित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उक्त
अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-क के अन्तर्गण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बम्बई :—फ्लैट नं० 52, जो तल मंजिल, राममहल को-ऑप
हाउसिंग सोसायटी, मोरी रोड, माहीम टेशनके सामने
बम्बई-400 016 में स्थित है।अनुसूची जैसा कि सं० अई-2/37-ईई/17944/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
2-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 5-11-1985

मोहर :

प्रकरण बाई-टी, एन.ए.ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई-2/37ईई/18081/84-85--अतः मुझे,
प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लॉक सं० 11, गिरीराज अपार्टमेंट, ग्रंथेरी
(पु), बम्बई-59 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्गीकृत है), और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 8-3-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
वित्तिय निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वापस में कमी करने या उससे बचने के उद्देश्य
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
उद्देश्य के लिए।

इसके अलावा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) गिरीराज कन्स्ट्रक्शन को० ।

(अन्तरक)

(2) श्री ओर श्रीमती जुजेर एस० वीवान ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
है ।)

(4) अन्तरक ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांच :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

"ब्लॉक सं० 11, जो गिरीराज अपार्टमेंट, प्लॉट नं० 178/
1 (पार्ट), कोडीवीटा विलेज, कदमवाडी के पास, ग्रंथेरी (पु),
बम्बई-400059 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/18081/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-3-1985
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 7-11-1985
मोहर :

प्रकृष आर्.टी.एन.एस. - 222

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई-2/37-ईई/18212/84-85—अतः मुझे,
प्रशांत राय,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० फ्लैट नं० 102, फेर हेवन, बम्बई-50
है तथा जो बम्बई-50 में स्थित है (और इससे उपाय
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
कारणनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क,
ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई
में रजिस्ट्री है, तारीख 12-3-1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए उन्मुखित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि उपापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उचित
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निर्दिष्ट में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उद्धे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सुनीता मनोहर सोभानी।

(अन्तरक)

2. श्री अहमद इकबाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 102, जो पहली मंजिल, फेर हेवन, उन्तीसवीं
रोड, बान्द्रा, बम्बई-4000 50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-2/37-ईई/18212/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई द्वारा
दिनांक 12-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 5-11-1985
मोहर।

प्राप्त आई.टी.एन.एन.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई-2/37-ईई/18251/84-85—यतः सुजे,

प्रशांत राय,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'नया अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 33-ई, सेलसेन केथलीक
सोसायटी, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इसमें
उपाधुक् अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और
जिसे करारनामा भायकर अधिनियम की धारा 269-ब
के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री
है, तारीख 13-3-1985

को पक्के सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पक्के प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच लगे अंतरण के लिए तय किया गया प्रति-
फल, शिथिलीकरण अधिनियम में उक्त अंतरण निर्दिष्ट से अधिक
विकल्प से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरक से हुई किसी बात की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायद
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए:
और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन का अन्तरक वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का
अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 37) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिक द्वारा पकड़ रहें बिना
या या किसी प्लॉट सम्पत्ति का विपणन के
लिए के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
के, नए, भारत अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अन्तर्गत अधिनियम के अधीन

71—366 GI/85

(1) श्रीमती एवलीन परेरा ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स परेरा बिल्डर्स ।

(अन्तरिती)

(3) भांडोली ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

(4) अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्षण के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के कर्षण के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों की अवधि या तत्सम्यग्नी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में लिए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 33-ई जो इम्पेट प्लान नं० 1, सेलसेन
केथलीक को-ऑप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, बान्द्रा,
बम्बई-400050 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37-ईई/18251/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
13-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

प्रशांत राय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 8-11-1985

मोहर :

प्रकाशित: टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निदेश सं० अई-2/37-ईई/18450/84-85-यतः, मुझे,
प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसके इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० फ्लैट नं० 402, डेकन सोसायटी,
खार (प०), बम्बई-52 में स्थित है (और इसमें
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, की
धारा 269क,ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 20-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(1) श्रीमती पूतम जी० श्वानी ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शरददेवी भगवतप्रकाश अगरवाल और
श्री भगवतप्रकाश अगरवाल ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां कइता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भ्रष्टाचार के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

लक्ष्यीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

फ्लैट नं० 402, जो चौथी मंजिल, डेकन को-ऑप०
हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, सी० बिल्डिंग, आफ कार्टर
रोड, खार (प०), बम्बई-400 052 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37-ईई/18450/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
20-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

प्रशांत राय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 5-11-1985

मोहर :

प्रकाश नाम, डी.एच.एस.-----

1. श्री उत्तमचन्द एस० अलीमचन्दानी।

(अन्तरक)

2. श्री इस्माइल महमद सोलंकी।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निदेश सं० अई-2/37-ईई/18515/84-85—अतः मुझे,

प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर 'सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट नं० 302, ग्रंथिका अपार्टमेंट, खार,
बम्बई-52 है तथा जो बम्बई-52 में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और
जिनका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 22-3-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी बात की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी वन या अन्य वास्तुओं
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
को प्रकोपचार्ज अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या वा किना जाना चाहिए था, जिनमें से सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों को सूचित करता हूँ :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सूचना के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 302, जो तीसरी मंजिल, ग्रंथिका अपार्टमेंट
को० आप० हाउसिंग सोसायटी, प्लॉट नं० 587, टी० पी०
एस० 3, तिसरा रास्ता, खार, बम्बई-400052 में स्थित
है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37-ईई/18515/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
22-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख: 5-11-1985

मोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई-2/37-ईई/17983/84-85—अतः सूचे, प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 202, फान्सडेल, बान्द्रा, बम्बई- 50 में स्थित (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 4-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के **व्यक्ति में कमी करने या उससे अन्तर में दृष्टि** के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मं० सुहेन कन्सुक्शन्स

(अन्तरक)

2. श्री मन्मथल शाफायल और श्रीमती गीलेरमीना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 202, जो दूसरी मंजिल, फान्सडेल, 115, डा० पीटर डायस रोड, बान्द्रा, बम्बई-400 050 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37-ईई/17983/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकरआयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-2, बम्बई

तारीख : 7-11-85

मोहर :

प्रकाशक: टी. एन. एल. ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2- बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई-2/37-ईई/18301/84-84--अतः मुझे,

प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 110, शेर-ए-पंजाब रोसायटी
अंधेरी (पु०), बम्बई-93 है तथा जो बम्बई-93 में स्थित
है (और इससे उपान्वित अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), और जिसका सारांशगत प्रमाण अधिनियम, 1961
की धारा 269-ब के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-
कारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है, तारीख 14-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अवसर का यह है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
अच्छा प्रतिफल से अधिक है और अत्यन्त (अत्यन्त) और
बन्धनकारी (बन्धनकारी) के बीच ऐसे अंतरण के लिए इस
बाधा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कीमत नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कहा देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती विरानवली पूरनसिंग

(अन्तरक)

(2) श्री दिनेश मलिक

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 110, जो सी० टी० सर्वे नं० 368, शेर
रोड़, अंधेरी (पु०), बम्बई-40-93 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37-ईई/18301/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
14-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 8-11-85

मोहर :-

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 नवम्बर, 1985

निदेश सं० आई-2/37-ईई/18068/84-85—अतः मुझे,
प्रशांत राय,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 101, देवदीप, सान्ताक्रुज
बम्बई-54 है तथा जो बम्बई-54 में स्थित है (और
इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 क
धारा 269-ब, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 7-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे
दायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्त-
रण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
[1922 का 11] या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
जाया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

इसका अर्थ उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
यह है, कि उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मै० नेशनल बिफिडज कोरपोरेशन
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती पद्मा दलचन्द गांधी और
दलचन्द भावचन्द गांधी।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जांच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 101, जो पहली मंजिल, देवदीप, प्लॉट नं०
44-बी, तिलक टेंगोर रोड, सान्ताक्रुज, बम्बई-400 054
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37-ईई/18068/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
7-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 7-11-1985

मोहर

प्रश्न का. टी. एन. ३४.

1 श्री एन० एम० पनीकर

(अन्तरक)

2. श्रीमती पद्मवती विठ्ठल मीष्टे

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती के परिवार के सदस्य

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/17873/84-85—अत. मु.से,
प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट नं० ए-1 पूर्ण विविडग, बम्बई-55 है तथा जो बम्बई-55 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका वारानामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवधान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूते यह विश्वास करने का कारण है कि यथार्थपूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवधान प्रतिफल से ऐसे व्यवधान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए वय कमा गया प्रतिफल, निम्नलिखित सूचक से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से अभित नहीं किया गया है :—

(ग) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/वा

(घ) ऐसी किसी आय या किसी जन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाश्चि था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा या उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० ए-1, जो तल मंजिल, पुष्पक बिल्डिंग, चौथा रोड, टी० पी० एम० नं० 3, सान्ताक्रुज (पु०) बम्बई-400055 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37-ईई/17873/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1975 को रजिस्ट्री किया गया है।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-2, बम्बईतारीख 7-11-1985
मोहर :

प्रत्यक्ष जार्ज.टी एन एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० अई-2/37-ईई/18001/84-85—अन मुझे
प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्त बाजार मूल्य
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 161 अघेरी (पु०), बम्बई-93
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसे
कशरनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-
ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है, तारीख 6-3-1985

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्पू
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावजूद
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अतिरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1 परमार हरीन्दर सिंह और निगम (अन्तरक)
- 2 श्री चरन कुमार गोधी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या जो
अवधि बाई में समाप्त होती हो, जो भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 161, जो सड़की केव्हा रोड, अघेरी
(पु०), बम्बई-400 093 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-2/37-ईई/18001/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
6-3-1985 का रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-2, बम्बई

तारीख 7-11-1985
मोहर.

प्रकृष बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० अई-2/37-ईई/18158/84-85—अन:मुझे,

प्रशान्त राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 503, नेक्टर 1, बान्द्रा, बम्बई-
50 है तथा जो बम्बई-50 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध
अनुसूची में श्रेष्ठ पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
कार्यनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क,
ख के अधीन, बम्बई स्थित मध्यम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है, तारीख 12-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए न्य पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।-----

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधि-
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाबत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के निम्न और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या धन या अन्य भागियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
य, य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगत, अर्थात् 8—

72—366 GL/85

1. मेसर्स कीर्ति एन्टरप्राइजेस

(अन्तरक)

2. कप्तान सजय कुमार शर्मा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिस्ताधरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 503, जो नेक्टर 1, सी० टी० एम० नं०
1437, 1440, विलेज वाडा, शेरली राजन, बान्द्रा, बम्बई
400 050 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37-ईई/18158/
84-85 और जो मध्यम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
12-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशान्त राय

मध्यम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-2 बम्बई

तारीख : 7-11-1985

मोहर :

प्रकृत आइ.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई-2/37-ईई/18473/84-85—अतः मुझे,
प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 76, सर्वे नं० 368 (पार्ट),
अंधेरी, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे
उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 20-3-1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय बाया तथा
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, आयकर
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
बाधित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० शांती कन्स्ट्रक्शन कम्पनी

(अन्तरक)

2. मै० मी० के० बिल्डर्स एण्ड डेवलपर्स

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करने का है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आरोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
रहित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिहस्ताक्षरी के
बाद लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

अमीन का हिस्सा जिसका प्लॉट नं० 76, सर्वे नं०
368 (पार्ट), विलेज मोघा, शेर-ए-पंजाब को० ऑप० हाउ-
सिंग सोसायटी लिमिटेड, अंधेरी, बम्बई है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37-ईई/18473/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
20-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 7-11-1985

मोहर :

अध्यक्ष महोदय, वृद्धि, एवं, एवं, एवं

1. श्री एस० जोगिंदर सिंग कुलवंत सोंग

(अन्तरक)

2. श्री सुनील कुमार सेधी

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० अई-2/37-ईई/17995/84-85—अतः मुझे,

प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
100,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 162, ग्रंथेरी (पु०), बम्बई-93
है तथा जो बम्बई-93 में स्थित है (और इनसे उपावृद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269ग,
ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है, तारीख 6-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहुत प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
अभिरक्षित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
को दिए गए और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिद्वि :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन की सम्बन्ध में कोई भी मांगें :—

(क) इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्यग्भी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के अन्तर्गत स्थावर सम्पत्ति में हित-
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 162, जो महाकाली केबज रोड, ग्रंथेरी (पु०)
बम्बई-400 093 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37-ईई/17995/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
6-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 7-11-1985
मोहर

प्रकाशक: डॉ. ए. ए. ए.-----

1. मेसर्स प्रमी इन्वेस्टमेंट्स

(अन्तरक)

2. श्री बेन्डापूडी राममोहन राव

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० अई-2/37-ईई/18074/84-85-अतः मुझे,
प्रधान राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पक्षधर 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० फ्लैट नं० 104, यमुना नगर, अंधेरी (प०)
बम्बई-58 है तथा जो बम्बई-58 में स्थित है (और इससे
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269-क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 6-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवहार
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई और
मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
वर्तमान प्रतिफल से, ऐसे वर्तमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-
रिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के कारण के
वापिस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवचनार्थ
अन्तरिती द्वारा शकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए या डिपॉजिट में रखा गया है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आरोप :—

(क) इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन के तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताधरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 104, जो इमारत नं० डी-2, यमुना नगर,
अंधेरी (प०), बम्बई-400 058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-2/37-ईई/18074/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
6-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रधान राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 7-11-1985
मोहर :

प्रमाण कार्य : टी. एन. कर्कर

- (1) श्री अरुण जैटली (अन्तरक)
- (2) मंसूर राजगीर बिस्मस (अन्तरिती)

साधक नमिनिवत, 1961 (1961 का 43) का
धारा 269-ब (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार
साक्षात्सय, सहायक वायवर वायुक्त (भिरररररर)
अरंजन ररर-2, बम्बरई

ਬੰਬਈ, ਦਿਨਾਂਕ: 7 ਨਵੰਬਰ, 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई 18/380/84-85-अतः मुझे
प्रशंसित है

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाए 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विनियम करने का कारण है कि स्वावर शक्ति, जिसका उचित मापदंड रु. 100,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० सर्वे नं० 77, कापसी विलेज, अन्धेरी, बम्बई में स्थित है (और इसमें उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिन 54 करास्तामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अर्जित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 16-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के लियेमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और भले यह विप्रवास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित अनुबोध से उक्त अन्तरण विहित नै-
वास्तविक रूप से कांक्षित नहीं किया गया है :—

- (क) वनारणस में हुए किसी ज़ाय की वास्तव, जलवायु, परिस्थिति के समीप कर देने के वनारणस के वास्तविक से काफी अलग या उसके बराबर में स्थिति के लिए; और/वा

- (क) एसी किसी बात या किसी धन या वस्तु का स्थानों में, बिना भारतीय नागरिक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रत्येकधार्थ न्यायिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया गया नहीं है या, जिसने न ही किया है कि;

जतः प्रायः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षों इ—

का वह दुपचा जारी करके पूर्वोक्त समिति को धर्म के लिए कार्यशील करता है।

कमल उभरति से बरान के संगीत से कोह भी बालसे :-

- (क) यह सूचना को पत्राचार में प्रकाशन की तात्कीय है 45 दिन की अवधि का तत्कालीन व्यक्तियों पर लागू की जाती है 90 दिन की अवधि, जो की अवधि यह में समाप्त होती है, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ब) इस सूचना को २ दिनों में प्रकाशन की वारीय है 45 दिन के भीतर अन्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वशुष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अनाहस्ताक्षरी के पास निहित में है।

लक्ष्मीकरण:—इसमें प्रयुक्त लक्ष्मी और पद्मा का, जो उक्त लक्ष्मी-
निबन्ध के अध्याय 20^५ में परिभाषित है,
लक्ष्मी अर्थ होता है जो उक्त अध्याय में दिया गया
है।

बन्धुसुखी

जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 77, हिस्सा नं० 3 (पार्ट), प्लॉट बी० विलेज नापसी, तालुका अग्धेरी, बम्बई है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37-ईई/18380/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन गेट-2, बम्बई

तारीख : 7-11-1985
 मोहर :

अध्यक्ष, टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर, 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/18050/84-85—अत. मुझे
प्रशांत राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्री जी.एम.सी. नं० 1032, अन्धेरी बम्बई 61
में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269
क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री
है, तारीख 6-3-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण को लक्ष्य पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से पूर्व किसी बात की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए।

(ख) ऐसे किसी नाम या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
के बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, जहाँ :

(1) श्री विरेन्द्र कुमार शान

(स मरक)

(2) श्री नरीन्द्र गुप्ता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वादोप-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्झौताकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका सीटीएम नं० 1032, यारी रोड,
वसोवा, अन्धेरी, बम्बई 400061 में स्थित है

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37-ईई/18050/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-3-1985
को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रोज-2, बम्बई

तारीख : 7-11-1985
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/18195/84-85—अतः मुझे

प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थानिक सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० फ्लैट नं० 201, डायगो बी० बान्द्रा, बम्बई
50 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम की
धारा 269 ग, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय,
बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 12-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और
अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंत-
रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया
गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
वापिस में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के अधीन :-

(1) मसर्स अबीस इन्वेंट्रेशन

(अन्तरक)

(2) श्री अब्दुल रशीद अब्दुल्ला फाकी

(अन्तरिती)

और यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थानिक सम्पत्ति में हितग्रह
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 201, जो दूसरी मंजिल, डायगो बी०, सी टीएस
नं०, 1280, 1461, 1247, और 1463, शरली राजन,
बान्द्रा, बम्बई 400050 में स्थित है

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37-ईई/18195/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-3-85
को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, बम्बई

तारीख : 7-11-1985

मोहर :

प्रमुख बाई, टी. एच. एस.

- (1) मैसर्स इंड्रप्रस्थाबिल्डर्स प्रायवेट लिमिटेड
(अन्तरक)
- (2) मैसर्स राजगीर बिल्डर्स
(अन्तरिती)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

प्राप्त उद्देश्य

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/18381/84-85-अतः मुझे
प्रशांत राय

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवेक करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एम० नं० 77, प्लॉट नं० सी० अन्धेरी, बम्बई
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) और जिसका करारनामा भायकर अधिनियम की धारा
269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में
रजिस्ट्री है, तारीख 16-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की व्यवसाय
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई
है और मुझे यह विवेक करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,
जैसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितको) के बीच ऐसे
अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया
गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी जाब की वास्त, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के बाधित में
कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए
और/वा

(ख) ऐसी किसी जाब या कमी धन या अन्य भावित्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारतीय अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

उक्त सम्पत्ति के अर्जन की सम्बन्ध में जोहरी जी भायकर :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा यथाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 77, हिस्सा नं० 3
(पार्ट), प्लॉट नं० सी० विलेज, कापसी, तालूका अन्धेरी, बम्बई
है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37ईई/18381/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-3-85
को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-2, बम्बई

तारीख : 7-11-1985
मोहर :

प्रकृष आर्. टी. एन. एस.-----

(1) श्री धीरुभाई एम० शाह

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रोज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आई-2/37ईई/18726/84-85-अतः मुझे

प्रमाणित राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

प्लॉट नं० 103, सागर संगीत, ए० जूह, बम्बई-
49 में स्थित है (और इससे उपावय अरूजूजी में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) और जिसका कार्यालय आयकर अधिनियम की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में
रजिस्ट्री है, तारीख 29-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि द्वाप्रापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
(अन्तरांतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा
के लिए;

अतः अधः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3—366 GI/85

(2) श्री डेरीस ए० फ्रेडो,
श्री नैली जे० फ्रेडो,
श्री विनस्टन जे० फ्रेडो
श्री कोलीन बी० फ्रेडो
और श्री अस्टर टी० फ्रेडो

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाद
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 103, जो पड़नी रंजिल, सागर संगीत, ए० ए० बी०
सागर रोड, जूह, बम्बई-400049 में स्थित है।

अरूजूजी जैदा कि क्र० सं० आई-2/37-ईई/18726/84-
ओ० जो 1 जनवरी तारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-23-1985
रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रमाणित राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजन रोज-2, बम्बई

तारीख: 7-11-1985

मोहर:

सूचना क्र. टी. एन. ए. ए. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/17836/84-85—अतः मुझे प्रयास राय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिज्जा में प्लेट नं० 11, चन्द्र मोनस्ट्री, बम्बई-49 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिज्जा परावर्तनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी के दायित्व, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूतक यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अन्तरिती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावजूद में करी कर देने या उक्त करने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अन्तरणों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सीमा सुन्दरकुमार चोपरा (अन्तरण)

(2) श्री चन्द्रशेखर टी० माखन और श्री आईयप्पा देवोष्ठा शेखर (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन में निम्न कार्यवाहियां करता हूँ :

उक्त सम्पत्ति के अर्जन में सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 11, जो चन्द्र मोनस्ट्री, आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, सर्वे नं० 3, हिस्सा नं० 3, रूरल जूहु, बम्बई-400049 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-2/37-ईई/17836/84-85 और जो सक्षम सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रयास राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 7-11-1985
मोहर :

(अक्षर ५)

(अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) हंग स्वच्चा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मुनिट नं० 226, जो दूबारी मंजिल, आदर्श इंडस्ट्रियल
इस्टेट, सहर रोड, आवेरी (पु), बम्बई 40099 में स्थित है
आपूर्ति जैसा कि क्र० सं० आई-2/37-ईई/17135/84-
85 और जो तबम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985
को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रोज-2, बम्बई

तारीख : 7-11-1985
मोहर :

(अन्तरङ्ग)

(अन्तरिणी)

इससे यह सुचना जारी करने पर्याप्त सम्यक्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियों शुरू करता है।)

कवच सम्पात्ति के अर्थों के सम्बन्ध में फोर्ड जी बोलते हैं—

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर, 1985

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के दाव लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पृष्ठ नं० 104, जो परली मंजिल, इमारत नं० ए-1, रेलवेमार्ग, जालाघर को, प्लॉट नं० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, मोर्रा विलेज, जमशेरी (प), बम्बई में स्थित है।

मनुष्यी जैसा कि क्र० सं० एई-2/37 ईई/17966/84-85 और जो सभम प्राधिकाारी, मन्थई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रणीत राय
सक्षम प्राधिकारी
सपायक धायकर प्र. युक्त (निरीक्षण)
पार्श्व रेंज-2, बम्बई

तारीख : 7-11-1985
मोहर :

प्रकृष भाई. टी. एन. एच. —————

(1) मैसर्स एल.ए. विटर्स

(अन्तरक)

(2) मैसर्स सीना कार्मेन्टस

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक

(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई-2/37ईई/17943/84-85—प्रतः मुझे

प्रशान्त राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका माना नं० 38, सत्यम इंडस्ट्रियल इस्टेट, जोगेश्वरी (पु), बम्बई-60 में स्थित है (और इससे उपासक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका दस्तावेज़ आयकर अधिनियम की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को तैयार, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 2-3-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अधापूरवर्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच एंसें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावत, उक्त अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्त बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति को, अर्थात्—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

माना नं० 38, जो दूररी मंजिल, सत्यम इंडस्ट्रियल इस्टेट, जोगेश्वरी (पु), बम्बई-400060 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/ईई/17943/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशान्त राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 7-11-1985
मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आई-2/37-ईई/17974/84-85---अतः मुझे
प्रशांत रायआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैअर्जिन की सं० फ़ैट नं० 5, जिमूर्ती, अम्बेरी (पु), बम्बई-
59 में स्थित है (अर्जिन इससे उपाबद्ध अनुसूची में अंतर्पूर्ण रूप
से दी गई है) और निम्नलिखित आकार अधिनियम की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय,
बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 5-3-1985को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर के लिए है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसकी दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) व बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में व्यक्त नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसे कि किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—(1) श्रीमती कमल जीत कौर
रतन सिंह रावेमील

(अन्तरक)

(2) श्री विजय कुमार वपूर जैन

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिताब्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ़ैट नं० 5, जो पहली मंजिल, त्रिमूर्ती, 16, जे० बी० नगर,
अम्बेरी (पु), बम्बई 400059 में स्थित है।अनुसूची जैसा कि सं० आई-2/37-ईई/17974/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-3-80
को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 7-11-1985

मोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मैसर्स केमको

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) मैसर्स राजीत डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन

(अन्तरिक्षी)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाही कराया हुआ है।

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० आई-2/37-ई/18172/84-85—अन्तः सूक्ष्म

प्रशांत राय

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य,
 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सीटीएस० नं० 178, 184, 185, अन्धेरी
 (पु), बम्बई-99 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
 और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारखाना आन्ध्र
 अधिनियम की धारा 269-ब, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के
 कार्यवाही, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 12-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और वही यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 प्रत्यक्ष प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
 अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अंतरण के नियम पाया
 गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक विहित के
 वास्तविक धन से अधिक नहीं किया गया है—

(क) अन्तरक के द्वारा किसी भाव की वास्तु, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
 कारण से कमी करने या उचित करने के लिये;
 बंधन/ध

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तुओं
 को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 भाय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रवचनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया या या किया जाना चाहिए था, किन्ना के
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
 मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका सीटीएस नं० 178, 184, 185
 देखल बाड़ी, सींगरेट फैक्टरी, के सामने, चाला, ऑफ रॉड
 रोड, अन्धेरी (पु), बम्बई-400090 है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-2/37-ई/18172/84-
 85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-3-85
 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख 7-11-1985

बोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री मुगुलजाल मनीजाल शोध

(स्वरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना(2) श्री चुनी लाल राधाश्याम जोशी और
श्रीमती सोनारबाई चुनीलाल जोशी

(प्रतिस्ती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आई-2/37ई/18185/84-85--अतः मुझे

प्रशांत राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार 1,00,000/- रु. से अधिक है।

और निम्नी सं० फ्लैट नं० 2, पार्वती भवन, विले पार्ले (पु), बम्बई में स्थित है (और इसे उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और निम्नी कालखण्ड आयकर अधिनियम की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में स्थित है, तारीख 12-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतराती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः--

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाध, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

फ्लैट नं० 2, जो तिसरी मंजिल, पार्वती भवन, नेहरू रोड विले पार्ले (पु), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-2/37ई/18185/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख 7-11-1985

बोहर

इसका भाग 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111, 112, 113, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 120, 121, 122, 123, 124, 125, 126, 127, 128, 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 199, 200, 201, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 247, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 257, 258, 259, 260, 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301, 302, 303, 304, 305, 306, 307, 308, 309, 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 407, 408, 409, 410, 411, 412, 413, 414, 415, 416, 417, 418, 419, 420, 421, 422, 423, 424, 425, 426, 427, 428, 429, 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 453, 454, 455, 456, 457, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472, 473, 474, 475, 476, 477, 478, 479, 480, 481, 482, 483, 484, 485, 486, 487, 488, 489, 490, 491, 492, 493, 494, 495, 496, 497, 498, 499, 500, 501, 502, 503, 504, 505, 506, 507, 508, 509, 510, 511, 512, 513, 514, 515, 516, 517, 518, 519, 520, 521, 522, 523, 524, 525, 526, 527, 528, 529, 530, 531, 532, 533, 534, 535, 536, 537, 538, 539, 540, 541, 542, 543, 544, 545, 546, 547, 548, 549, 550, 551, 552, 553, 554, 555, 556, 557, 558, 559, 560, 561, 562, 563, 564, 565, 566, 567, 568, 569, 570, 571, 572, 573, 574, 575, 576, 577, 578, 579, 580, 581, 582, 583, 584, 585, 586, 587, 588, 589, 590, 591, 592, 593, 594, 595, 596, 597, 598, 599, 600, 601, 602, 603, 604, 605, 606, 607, 608, 609, 610, 611, 612, 613, 614, 615, 616, 617, 618, 619, 620, 621, 622, 623, 624, 625, 626, 627, 628, 629, 630, 631, 632, 633, 634, 635, 636, 637, 638, 639, 640, 641, 642, 643, 644, 645, 646, 647, 648, 649, 650, 651, 652, 653, 654, 655, 656, 657, 658, 659, 660, 661, 662, 663, 664, 665, 666, 667, 668, 669, 670, 671, 672, 673, 674, 675, 676, 677, 678, 679, 680, 681, 682, 683, 684, 685, 686, 687, 688, 689, 690, 691, 692, 693, 694, 695, 696, 697, 698, 699, 700, 701, 702, 703, 704, 705, 706, 707, 708, 709, 710, 711, 712, 713, 714, 715, 716, 717, 718, 719, 720, 721, 722, 723, 724, 725, 726, 727, 728, 729, 730, 731, 732, 733, 734, 735, 736, 737, 738, 739, 740, 741, 742, 743, 744, 745, 746, 747, 748, 749, 750, 751, 752, 753, 754, 755, 756, 757, 758, 759, 760, 761, 762, 763, 764, 765, 766, 767, 768, 769, 770, 771, 772, 773, 774, 775, 776, 777, 778, 779, 780, 781, 782, 783, 784, 785, 786, 787, 788, 789, 790, 791, 792, 793, 794, 795, 796, 797, 798, 799, 800, 801, 802, 803, 804, 805, 806, 807, 808, 809, 810, 811, 812, 813, 814, 815, 816, 817, 818, 819, 820, 821, 822, 823, 824, 825, 826, 827, 828, 829, 830, 831, 832, 833, 834, 835, 836, 837, 838, 839, 840, 841, 842, 843, 844, 845, 846, 847, 848, 849, 850, 851, 852, 853, 854, 855, 856, 857, 858, 859, 860, 861, 862, 863, 864, 865, 866, 867, 868, 869, 870, 871, 872, 873, 874, 875, 876, 877, 878, 879, 880, 881, 882, 883, 884, 885, 886, 887, 888, 889, 890, 891, 892, 893, 894, 895, 896, 897, 898, 899, 900, 901, 902, 903, 904, 905, 906, 907, 908, 909, 910, 911, 912, 913, 914, 915, 916, 917, 918, 919, 920, 921, 922, 923, 924, 925, 926, 927, 928, 929, 930, 931, 932, 933, 934, 935, 936, 937, 938, 939, 940, 941, 942, 943, 944, 945, 946, 947, 948, 949, 950, 951, 952, 953, 954, 955, 956, 957, 958, 959, 960, 961, 962, 963, 964, 965, 966, 967, 968, 969, 970, 971, 972, 973, 974, 975, 976, 977, 978, 979, 980, 981, 982, 983, 984, 985, 986, 987, 988, 989, 990, 991, 992, 993, 994, 995, 996, 997, 998, 999, 1000

(1) श्री लेखु गंगाराम ।

(अन्तरक)

(2) विजयलक्ष्मी लक्ष्मणदास तेलुजा और अन्य ।

(अन्तरिती)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रोज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/18209/84-85:-यतः, मुझे,

प्रशांत राय,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 101, हिस्सा नं० 8, अंधेरी बम्बई
 में स्थित है (और इसके उपावय अनुसूची में श्रांग पूर्ण रूप से वर्णित
 है) और जिनका कारणनामा आयकर अधिनियम की धारा 269
 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री
 है, तारीख 12-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती
 (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
 वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
 कार्यालय में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए बाँट/बा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ
 को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
 मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् B-1
 । —366 GI/85

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोःस्थापरी को
 पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है ।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 101, हिस्सा नं० 8,
 विलेज क्षेत्र चक्राला, अंधेरी, बम्बई-400056 है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37-ईई/18209/84-
 85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-3-1985
 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

प्रशांत राय
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
 प्रजन रोज-2, बम्बई

तारीख : 7-11-1985
 मोहर :

प्रकृष आर्. टी. एन. एस. 2-1-1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदर्श सं० आई-2/37-ईई/18462/84-85:—यतः, मुझे,

प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
अर्थ है कि यह अधिनियम का अन्तर्गत बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 25, विलेज मोघ्रा, धोरी (पू०) बम्बई,
में स्थित है (और इसमें उक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) और जिसका उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है,
तारीख 20-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एक प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारा से करी कराने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) किसी किसी अन्य या किसी धन या अन्य वास्तविक
सम्पत्ति के अन्तर्गत आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 23) के अन्तर्गत अधिनियम, या
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तर्गत आयकर अधिनियम नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
अं०, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों को सूचित करता हूँ—

(1) श्री रवि कपूर और
श्री धनश्याम शेवकरमानी ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स शचाका लिमिटेड एण्ड एनवेस्टमेंट्स प्राइवेट
लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के
पास लिखित में दिये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिखा गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 25, एच० नं० 5, सीटी
सर्वे नं० 385, 386, विलेज मोघ्रा, धोरी (पू०), बम्बई है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37-ईई/18462/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-3-1985
को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 7-11-1985

मोहर :

प्रकृ. भा. ई. बी. एन. एस. -----

(1) श्री हज्जीत सिंग कोहली ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री प्रेम कुमार आनंद और
श्रीमती अनील कुमार सेधी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/18516/84-85,--प्रतः, मुझे,

प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 254, महागली रोड, अंधेरी (पूर्व),
बम्बई-93 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) और जिसका सारनामा आयकर अधिनियम
की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय,
बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 23-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पदों
प्रतिघात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
कम्, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कायदाबद्ध करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 254, जो महागली रोड, विलेज मोरा, अंधेरी
(पूर्व), बम्बई-400093 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-2/37-ईई/18516/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-3-1985
को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय
सक्षम प्रायश्चारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 7-11-1985
मोहर :

सूचना क्र. 2/2/85

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

आयकर अधिनियम, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई 2

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-2-37-ईई/18558/84-85-प्रतः मुझे
प्रशांत राय,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० फ्लैट नं० डी/98, मधुबन, अंधेरी (प), बम्बई
58 में स्थित है (और इससे उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा
269 क ख, के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में
रजिस्ट्री है, तारीख 21-3-1985
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
और, और, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री आगेस्टोन डायस ।

(अन्तरक)

(2) श्री फ्रान्सीस डीलीसा ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

(4) अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही कराया जाएगा ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० डी-98, जो मधुबन, गोदी कामगार सहकारी गृह
संस्था लिमिटेड, डी० एन० नगर, अंधेरी (प), बम्बई-400058
में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37 ईई/18558/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा नं० 21-3-1985
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 7-11-1985
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मैसर्स पार्से बिस्नेस ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती सूचेता सूर्यकांत सावंत ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आई-2/37 ईई/18586/84-85:—प्रतः मुझे,
प्रशांत राय,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शॉप नं० 2, शारदा भवन, विले पार्ले (पु०),
बम्बई-57 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम की
धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में
रजिस्ट्री है, तारीख 26-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

[(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की अवधि, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने के उद्देश्य
के लिए; और या/

[(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
उद्देश्य के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना प्राप्ति के पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्रवाई कराता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नगोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

शॉप नं० 2, जो शारदा भवन, प्लॉट नं० 146 (पार्ट)
फायनल प्लॉट नं० 346, टी पी एस 8, सी टी एस नं० 1740,
मंदा पाटकर रोड, विले पार्ले (पु०), बम्बई-400057 में स्थित
है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37-ईई/18586/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-3-1985
को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
प्रजन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 7-11-1985.
मोहर :

प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

(1) मेसर्स पार्ले बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती माधवी मोहन भोगले ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

घर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आई-2/37 ईई/18587/84-8मः--प्रतः मुझे,

प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शासन नं० 1, शारदा भवन, बिजे पार्ले (पु), बम्बई
में 57 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, की धारा
269 क, ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में
रजिस्ट्री है, तारीख 26-3-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की जांच, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
राशियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाता था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

शाप नं० 1, जो शारदा भवन, प्लॉट नं० 146, टी पी एस
8, सी टी एस नं० 1740, नंदा पाठकर रोड, बिजे पार्ले (पु),
बम्बई-400057 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-2/37-ईई/18587/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-3-1985
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

प्रशांत राय,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
घर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 7-11-1985

मोहर :

सूचना सं. 2/37 ईई/18588/84-85

(1) मैसर्स पाले बिल्डर्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अन्तर्गत सूचना

(3) श्रीमती माधवी मोहन भोगले।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर, 1985

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० आई-2/37 ईई/18588/84-85:—अतः मुझे,
प्रशांत राय,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इससे
इसके पदवाच 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० धाप नं० 3, गारदा भवन, विले पार्ले (पु), बम्बई-
57 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की
धारा 269-क, ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में
रजिस्ट्री है, तारीख 26-3-1985

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा न चाक्षरी के पक्ष
लिखित में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय
प्रतिफल के लिए अन्तरक की गई है और यहाँ यह विचार करने
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं बि. गया है :—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अर्थ 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरक से हुई किसी भी आय की वास्तविक अन्तरक
वास्तविक में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
क. वि. सं. और/वा

अनुसूची

धाप नं० 3, जो गारदा भवन, प्लोट नं० 146, फायनल प्लोट
नं० 346, टी पी एस नं० 8, सी टी एस नं० 1740, नंदा पाटकर
रोड, विले पार्ले (पु), बम्बई-400057 में स्थित है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्निता
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37-ईई/18588/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-3-1985
को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 2269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 7-11-1985.
मोहर :

प्रथम भाग टी. एन. एस.

(1) सूनेर एम्बरगायसेस ।

(अन्तरक)

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) पूजा देवलीनरस ।

(अन्तरिती)

ज्ञात सरकार

कार्यालय, सहायक भाषकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई-2/37 ईई/18655/84-85:—अतः मुझे,
प्रशांत राय,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे न० 116, विले पार्ले, बम्बई में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
करारनामा भाषकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन,
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख
27-3-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के ब्ययित्व
नहीं करनी करने या उससे बचने में बिबिधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भाषकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
बिबिधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्धहस्ताक्षरी के पास
लिखित में दिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे न० 116, हिस्सा न० 18,
सी टी सर्वे न० 1709, ओरोजनल प्लॉट न० 277, विले पार्ले,
बम्बई है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37 ईई/18655/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-3-1985
को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक भाषकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 7-11-1985.

मोहर:

प्रकृष माई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती सतीश्वर नागपाल ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-ब(1) के अधीन सूचना

(2) श्री सुधीर एस० गंधीर ।

(अन्तरिस्ती)

(3) अन्तरक ।

भारत सरकार

वह व्यक्ति, जिसके प्राप्तिभोग में
सम्पत्ति है ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० ई.ई.-2/37 ईई/18704/84-85—अस. सु.सो,
प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
संकेत पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 72, अंधेरी (पु), बम्बई में स्थित है
(और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
और जिसका मालिकानामा आयकर अधिनियम की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है,
तारीख 28-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिस्ती (अन्तरिस्तिदों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिस्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

57—366 GI/85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी आपत्त :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्समवन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

प्लेट नं० 72, जो शेर-ए-मंजिल को० प्राप० हाउसिंग
सोसायटी लिमिटेड, विलेज मंगेला, अंधेरी (पु), बम्बई में
स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई 2/37 ईई/18704 84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-3-1985
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

प्रशांत राय,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 7-11-1985.

मोहर :

अध्यक्ष, टी. एन. ए. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० अई- 2/37 ईई/18125/84-85—अतः मुझे,
प्रशांत राय,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 64, कोजीहोम सोसायटी, बान्द्रा,
बम्बई- 50 में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), और जिसका बराबरतामा आयकर अधिनियम की
धारा 269-ग, ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में
रजिस्ट्री है, तारीख 8-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास करने
कारण है यह पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भी बाध की वजह, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्यतिरिक्त से कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री थोमस डीसोजा और
श्रीमती सेरीफीन मरलीन डीसोजा ।

(अन्तरक)

(2) श्री होशियार सिंह और
श्रीमती मंजीत कौर ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती ।

यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 64, जो सी ब्रिडज, कोजीहोम को० आप०
हार्जिंग सोसायटी लिमिटेड, 251 पाली हिल, बान्द्रा, बम्बई-
400050 में स्थित है ।

अनुसूची जसाकी क्र० सं० अई-2 37-ईई/18125/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 8-3-1985 को
रजिस्टर्ड किया गया है ।

प्रशांत राय,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 5-11-1985.

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

- (1) श्री राजनीश्वर मेधासम दूधानी और,
श्री रमेश मेधासम दूधानी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

- (2) श्री नन्दनान पी० जतवानी और,
श्रीमती चन्द्रा एन० जतवानी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर, 1985

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

निर्देश सं० अई-2/37 ईई/18496/84-85---अतः मुझे,
प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आफीन नं० 111, बीना बीना शापींग सेंटर,
बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका तत्संबंधी आयकर अधि-
नियम की धारा 269-घ के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 20-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पत्र-
लिखित में दिए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

- (क) अन्तरण सहित किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उतरे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

- (ख) ऐसा किसी आय या किसी धन अन्य वास्तवों
का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

आफीन नं० 111, जो पत्नी मंजित, बीना बीना शापींग
सेन्टर, गुकानान रोड, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37 ईई/18496/
94-85 और जो राजपत्र प्रकाशित, बम्बई द्वारा दिनांक 20-3
1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

प्रशांत राय,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, बम्बई

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

तारीख: 5-11-1985
मोहर :

प्रारूप भाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई दिनांक 5 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आई-2/37ईई/18604/84-85--प्र.मु.भे,
प्रशांत राय,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, सीनाइट सोसायटी, बम्बई-50
में स्थित है (और इसी उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-
क के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड
है, तारीख 20-3-1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययत्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित परिणामों, बर्तव्य :—

(1) श्रीमती भारी जोरफोन मॉडेल ।

(अन्तरक)

(2) कुमारी सीलु डेडी बास्टर और
कुमारी रोशन डेडी बास्टर ।

(3) अन्तरिती ।

(अन्तरिती)

यह व्यक्ति जिसके प्राधिकरण में
सम्पत्ति है ।

यदि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करवा हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 4, जो सीनाइट को० प्रा० हाउसिंग सोसायटी
लिमिटेड, नववा रोड, प्लॉट नं० 40, टीपीएस 4, बान्द्रा, बम्बई-
400050 में स्थित है ।

अनुसूची के तहत सं० आई-2/37-ईई/18604/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-3-1985
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

प्रशांत राय,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 5-11-1985.

मोहर :

प्रमाण नम्बर: टी. एन. एस. 2/37-ईई/17922/84-85

(1) श्रीमती. ललितामेनन।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) सहमद रफीक शाह।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आई-2/37-ईई/17922/84-85:—अतः मुझे,

प्रशान्त राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रॉपर्टी नं० प्लॉट नं० 304, अमृत सोसायटी, खार, बम्बई-52 में स्थित है (प्रॉपर्टी नं० उगावड अमृत सोसायटी में प्रॉपर्टी नं० से वर्णित है), प्रॉपर्टी का कराराना आयकर अधिनियम, की धारा 269 क, ख के अन्तर्गत, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में, रजिस्टर्ड है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का पट्टा प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार देने, और, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

यह यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्य करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताभारी के वाक निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 304, जो तो री मंजिल, अमृत को० आन० हाउसिंग सोसायटी, कारडर रोड, खार, बम्बई-400052 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि अ० सं० आई-2/37-ईई/17922/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशान्त राय,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 5-11-1985.

सहिए :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

वास्तविक

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आई-2/37 ईई/18075/84-85:—अतः मुझे,
प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को, यह विषय करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 55, वेसारा सोसायटी, बान्द्रा (प),
बम्बई-50 में स्थित है (और इससे उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की
की धारा 269 क, ख के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी के कार्यालय
बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 6-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य वास्तवियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
का प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री चतुर्भुज के० अग्रोवन्दानी।

(अन्तरक)

(2) श्री सूरज के० लीगानी और
शक्ति सूरज लीगानी।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 55, जो पांचवी मंजिल, वेसारा को० ग्राम हाऊसिंग
सोसायटी लिमिटेड, प्लॉट नं० 240, पाली रोड बान्द्रा (प),
बम्बई-400005 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-2/37-ईई/18075/84-
85 और जो सूक्ष्म प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-3-1985
को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय,
सूक्ष्म प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 5-11-1985.
मोहर

प्रत्यक्ष बाई. टी. एन. एड.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/18547/84-85:--प्रतः मुझे,
प्रशान्त राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पदवाच 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को... यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य :

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, कांती अगार्टमेंट, बांद्रा (प), बम्बई-
40 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा
269 ग, ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में
रजिस्ट्री है, तारीख 21-3-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरक की गई है, और जब यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक निर्दिष्ट
में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की वास्तव उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावजूद को
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री जेथालाल भूरालाल मेहता ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स प्रुडेंशीयल बिल्डर्स (न्यू देहली) ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है) ।

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होगी, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर संपत्ति में मिल-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अर्थात् स्थावरी के
पास निश्चित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 3, जो नवमी मंजिल, ए० विंग, कांती अगार्टमेंट,
माउंट मेरी रोड, बांद्रा (प), बम्बई-400050 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-2/37-ईई/18547/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-3-1985
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

प्रशान्त राय,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 5-11-1985.

मोहर :

प्रत्यक्ष भाई. टी. एन. ए.-----

(1) श्री अब्दुल रहीम चौहान।

(अन्तरक)

(2) श्री राज गुलाटी और
श्री संदीप मोंगा।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

आयकर विभाग

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई-2/37-ईई/18580/84-85:—अतः मुझे,
प्रभात राय,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० प्लॉट नं० 5, राम निवास, खार, बम्बई-52 में
स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, की धारा 269 क,
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है,
तारीख 26-3-1985को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायित्व
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उस के दायित्व प्रतिफल में, ऐसे दायित्व प्रतिफल का पंद्रह
शतक से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में हास्ताधिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचत में सविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
इसोबनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था विधान में सविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना में राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा कर्माहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।लक्ष्योद्देश्य:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 5, जो दूसरी मंजिल, राम निवास, चौदहवा ए०
रोड, खार, बम्बई-400052 में स्थित है।अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37-ईई/215/80/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-3-1985
को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रभात राय,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 5-11-1985.

मोहर :

प्रकृष्ट भाई, टी. एन. एल. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० ए० आर०-2/37जी०/3757/मार्च-85—

अतः मुझे, प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
सकई पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
प्रारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 61-ए, सी० ए० नं० 1/
1666, माहिम डिस्ट्रिक्ट है तथा जो बम्बई में स्थित है
(और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है). रजिस्ट्रारजी अधिहारों के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रार-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्वात्,
तारीख 11-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
सके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण शिथिल
हो वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
के जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, बधात :-
76-366 GI/85

1. श्री गोविन्द शान्ताराम पोळे और
श्रीमती ताराबाई शान्ताराम पोळे
(अन्तरक)

2. श्री भशोक प्रभाकर मास्टकर
(अन्तरिती)

3. भाडोली
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० 2698/83 और जो
उप रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 11-3-1985 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 7-11-1985
मोहूरः

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० ए० आर०-2/37जी०/3759/मार्च 85--

प्रतः मृशे, प्रशान्त राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फायनल प्लॉट नं० 9, सान्ताक्रुज, टी० पी० एम० नं० 2, एम० नं० 24, प्लॉट नं० 5 (पार्ट), प्लॉट नं० 7 (पार्ट), जुहू तारा, रोड, जुहू, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इसके उभावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-3-1985

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्क की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पट्टा प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय बाधा न्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निहित के दायित्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की राशि में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरीराम केशवदास रोहीरा,
कुमारी इंदिरा हरीराम रोहीरा,
और कुमारी पुष्पा हरीराम रोहीरा

(अन्तरक)

2. नानालाल भावनी लक्ष्मन और
भानजी लक्ष्मन खेरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० आर०-905/72 और जो उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 19-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशान्त राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 7-11-1985
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. 14

1. श्री रहीमनुल्ला जुसास चौनवाला

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. बेन्धा मोन डेसीर को० प्रा० हाउसिंग सोसायटी
लिमिटेड।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोधक)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

3. सोसायटी के सदस्य

(वह व्यक्ति, जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० ए० आर०-2/37-जी०/3760/मार्च 85—

प्रतः मुझे, प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 12, एच० वार्ड नं० 1880,
स्ट्रीट नं० 12, दौडा, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित
है (और इसके उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है रजिस्ट्रार के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रार के अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
15-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
अन्य प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निर्माणांकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

[क] अन्तरण से हुए किसी आय की वास्तविक उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
दृष्टि में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन का अन्य लाभांश
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयाजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के साथ
लिखित में किया जा सके।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विनियम सं० ए०-20/80 और जो
उस रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 16-3-1985 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरोधक)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 7-11-1985

मोहर :

प्रकृ. बाई. टी. एन. एस्., नमः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० ए० आर० 237 जी० 27632 मार्च 85—

अतः मुझे, प्रशान्त राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फजल हाउस और जमीन का हिस्सा
जिसका ओल्ड सिटी सं० सर्वे नं० 49 से 52, न्यू सी०
टी० सर्वे नं० बी 268, बान्द्रा बम्बई है तथा जो बम्बई में
स्थित है (प्रारम्भिक उत्तराधिकार अगुवों में और पूर्ण रूप
वर्गित है), रजिस्ट्रीबर्सा अधिकारी ने कायमिय,
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)

अधीन, तारीख 16-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
कम प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
शत निम्नलिखित तद्वय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से अभिन्न नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का भाग, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित्व में कमी करने या सबसे अधिक में सुविधा
के लिए; बाई/बा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, विधान में
सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
में, यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्रीमती अमीना री नशी कोट्टै, एडर,
फजल आर० कान्स्ट्रक्टर,
मडैला आ० क० एडर,
और अलताफ आर० कान्स्ट्रक्टर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती यमिना अहमद इमाम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ए—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस०-81/82 और जो
उत्तरजिम्मेदार बम्बई द्वारा दिनांक 6-3-1985 को रजिस्टर्ड
किया गया है।

प्रशान्त राय

सहायक आयकर अधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण))

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख 7-11-1985

मोहर :

प्रकरण 4. ई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० ए० आर०-2/37-जी-3629/मार्च 85---

आ: भुझे प्रमोद राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ए० नं० 51, एब० नं० 11, सी० टी० ए० नं० 9, 10, 11, 12, मांजली रोड, विले: मुल्ताव, अंगोरी, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (और जो उक्त अधिनियम में और पूर्ण रूप से वर्णित है), परिसंपत्ति अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार भुजे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) तैरेज एम० नुनज, जेनेड एम० नुनज,
गोडफ्रे एम० नुनज, जुडी गोनसाल्वीस,
श्रीमती ओर्वीला लूवार, और रुदेन एम०
नुनज।

(अन्तरक)

(2) श्री गीरमेश्वर बी० यादव ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस-1605/84 और जो उपरिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 20-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रमोद राय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 7-11-1985

माहूर ३

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई०-2/37ईई/18355/84-85

अतः मुझे, प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीः निधी सं० इंडस्ट्रियल शेड नं० 17, शिव शक्ति,
अंधेरी (पु०), बम्बई-59 है तथा जो बम्बई-59 में स्थित
है (श्रीः इन्हीं उपबद्ध अनुसूची में श्री पूर्ण रूप से वर्णित
है), और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम, 1961
की धारा 269-घ के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 16-3-85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरिज्या) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निर्धारित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेजर्स प्रोपेक्च इंजीनियर्स एण्ड फ्रेञ्चिजर्स।

(अन्तरक)

2. मै० कुमार फ्रेञ्चिजन्स प्रक्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

इंडस्ट्रियल शेड नं० 17, जो तत्र मंजिल, फ़ेज नं० 1,
शिव शक्ति इंडस्ट्रियल इस्टेट, एस० नं० 79, आफ़ मरोल
विजे, आफ़ अंधेरी कुला रोड, अंधेरी (पु०), बम्बई-
400 059 में स्थित है।

आपुको ज्ञात कि क्र० सं० आई-2/37-ईई/18355/
84-85 और जो तत्र प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
16-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 4-11-1985

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई-2/37-ईई/18361/84-85—अतः मुझे,
प्रधान राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० गाला नं० 27, गीरीकुंज, अंधेरी (पु०),
बम्बई-400 093 है तथा जो बम्बई-93 में स्थित है (और इससे
उपबद्ध अदसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
कारणनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-घ,
ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है, तारीख 16-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा पकड़ नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० बाहू लास्टिक्स

(अन्तरक)

2. मेडर्स अडीती टेक्स्टाइल्स

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

समस्त

गाला नं० बी-27, जो पहली मंजिल, गीरीकुंज इंड-
स्ट्रियल प्रिमायसेज को० आप० सोसायटी लिमिटेड, महाराष्ट्र सी
नेम रोड, अंधेरी (पु०), बम्बई-400 093 में स्थित है।

अदसूची जैसा कि सं० आई-2/37-ईई/18361/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
16-3-1985 को स्टैंड किया गया है।

प्रधान राय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 4-11-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निवेश सं० आई-2/37-ईई/18441/84-85—अतः सुषी,

प्रशान्त राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और निवेश सं० युनिट नं० ए-100, अंश इंडस्ट्रियल
इस्टेट, अंबेरी (प०), बम्बई-72 है तथा जो बम्बई-72
में स्थित है (अतः इसी जाबदस्त अनुपूर्वी में अंतः पूर्ण रूप
से वर्णित है और जिसका प्रारम्भिक आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269-घ के अन्तर्गत, बम्बई स्थित सूक्ष्म
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 20-3-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और इसके यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
भास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती वसु भटनागर

(अन्तरक)

2. मेडर्स आर० आर० इंस्टीट्यूट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिये गये
गया है।

अनुराची

युनिट नं० ए-100, जो पहली मंजिल, अंश इंडस्ट्रियल
इस्टेट, पहली विहार रोड, अंबेरी (प०), बम्बई-400 072
में स्थित है।

अनुपूर्वी जैसा कि क्र० सं० आई-2/37-ईई/18441/
01-85 और जो उक्त प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
20-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशान्त राय

सूक्ष्म प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 4-11-1985
मोहर :

प्रकरण भाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० अतः 2/37 ईई/17990/84 85 अतः मुझे,

प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 8, बी, सुखदायक सोसायटी,
अंधेरी (पु०), बम्बई 59 है तथा जो बम्बई 59 में स्थित
है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961
की धारा 269-ब के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 6-3-1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बन्दूह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाढ़ की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
साथ-साथ कभी करने या करने के लिए सूचना
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, विधान से
सूचना के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गण
में, कि उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
77—366 GI/85

1. श्री देविंदर सिंग एम० कोचर

(अन्तरक)

2. श्री मीठूमल किशोरदास भाटिया।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 8, जो बी बिल्डिंग, सुखदायक को० प्राप०
हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, बामपुरी, अंधेरी (पु०),
बम्बई 400 009 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई 2/387 ईई/1799
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
6-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, बम्बई

तारीख : 4-11-1985
मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई-2/37-ईई/18714/84-85—अतः

प्रधान राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट नं० 201, नालंदा, विले पार्ले, (पु०), बम्बई-57 है तथा जो बम्बई-57 में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कांथत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती निर्मल गोपीनाथ साबू

(अन्तरक)

2. श्रीमती मंगला नटवरलाल पारीख और
श्रीमती भावना विजय पारीख

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 201, जो दुबरी मंजिल, नालंदा, मलावीया रोड एक्सटेंशन और महात्त रोड एक्सटेंशन, विले पार्ले (पु०), बम्बई-400057 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-2/37-ईई/18714/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रधान राय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 4-11-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई-237-ईई/18133/84-85--अतः मुझे,

प्रशान्त राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 202, आघाडी नगर, अंधेरी
(पु०), बम्बई-93 है तथा जो बम्बई-93 में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961
की धारा 269क, ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 8-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई

है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पट्टा प्रतिशत से अधिक है और अंत-
रक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंत-
रण के लिए दथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) इसी किसी भाव या किसी धन या अन्य अस्तित्वों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री दावूद अहमद इकानि

(अन्तरक)

2. श्री शेख मोहीदीन राजक

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशय :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांशस्वाधारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 202, जो दूसरी मंजिल, इमारत नं० 4,
आघाडी नगर, को० आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड,
राजमाता जीजाबाई रोड, अंधेरी (पु०), बम्बई-400093
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37-ईई/18133/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
8-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशान्त राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 4-11-1985

मोहर :

प्रकाशक: श्री. एन. एच.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सार्वजनिक सूचना

कार्यालय. सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई-2/37-ईई/18214/84-85—प्रतः मुझे,
प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जितकी सं० फ्लैट नं० 202, पुष्पक अपार्टमेंट, विले
पार्ले (पु०), बम्बई-57 है तथा जो बम्बई-57 में स्थित
है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित
है), श्रीर जितका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961
की धारा 269-ब के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 12-3-1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
व्यय का लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पक्का प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
अतिरिक्त निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित है
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्यय से कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; अथवा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार
अथवा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, कथित :-

1. मेजर्स जयश्री विल्डर्स (इंडिया)

(अन्तरक)

2. श्री बिहारीलाल बी० सप्रा श्रीर
श्रीमती जया बी० सप्रा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बचन को निम्न
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बचन के सम्बन्ध में कोई भी वाद :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि को भी
अवधि बाध में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों को से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवशु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी के वाद
निर्दिष्ट में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रवृत्त सबों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 202, जो पुष्पक अपार्टमेंट, 147, मालवीया
रोड, विले पार्ले (पु०), बम्बई-400 057 में स्थित है।
अनुसूची में जैसा कि क्र० सं० आई-2/37-ईई/18214/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
12-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 4-11-1985
कीटूर :

प्रकाशित जाई टो. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, पटना

पटना, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निर्देश सं० III 1006/अर्जन/85-86--प्रतः मुझे कुर्ग
प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खाता नं०-1, सौजी सं० 15/11, होल्डींग
सं०-127 वार्ड नं० 1, थाना नं० 94, मौजा--भंडारीडीह,
है तथा जो थाना बोजिगा-गिरीडीह में स्थित है (और इससे
उपवादा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय गिरीडीह में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
26 मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत का गढ़ा है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उक्त प्रमाणों पर विचार, जो दूसरे तथ्यों का समर्थन
से प्रविष्टि और अन्तर्गत (अन्तरगत) और अन्तर्गती (अन्तर्गती)
के बीच एक अन्तरण के लिए उपपाया गया प्राप्ति, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण अन्तर्गत में बांटा/विभाजित रूप से स्थापित नहीं
किया गया है।--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के
हायलूम में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए; और/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूचन
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्रीमती पद्मा, जीने, तेनु बेलौस थोमस तंगच्छन
सां भंडारीडीह, थाना बोजिगा--गिरीडीह।
(अन्तरगत)

2. श्रीमती बीबी फात्मा खातून जीने अहमद गद्दी टैक्सी
स्टेण्ड के नजदीक, देशबन्धू सिनेमा, अरिया,
जिला--धनबाद।

(अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अर्थात् स्थावर के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका रकबा 2 3/4 बीसमिल है तथा जो खाता
नं०-1 सौजी सं० 15/11, होल्डींग सं० 127, थाना नं०
94 है। और जो महल्ला, भंडारीडीह, जिला गिरीडीह में
स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से वसिका संख्या 3623 दिनांक
26-3-85 में वर्णित है और जिसका निबंधन जिला अवर
निबंधक गिरीडीह द्वारा संपन्न हुआ है।

कुर्ग प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख: 8-11-1985

मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 17th October 1985

No. A-12025(ii)/1/84-Admn.III.—Consequent on his nomination by the Department of Personnel and Training vide their O.M. No. 5/11/85-86-CS.I, dated 9-9-1985, for inclusion in the Select List of Section Officers' Grade for the year 1984 (seniority quota) in the CSS cadre of the Ministry of Education, Shri Dev Dutt (SC), officiating as Section Officer in the CSS cadre of the Union Public Service Commission is relieved of his duties in this office on the forenoon of the 18th October, 1985.

The 31st October 1985

No. A. 32014/1/85-Admn. III.—The President is pleased to appoint the following regular Section Officers of the CSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Desk Officers on ad-hoc basis for the period indicated against each or until further orders, whichever is earlier :—

Sl. No.	Name	Period
S/Shri		
1.	Ram Autar	1-11-85 to 31-12-85
2.	Sudesh Kumar	1-11-85 to 31-12-85
3.	Shri N.P.S. Gujral	1-11-85 to 31-12-85
4.	Krishna Lal-II	1-11-86 to 31-12-85
5.	Yash Pal Dabas	1-11-85 to 1-12-85
6.	Anil Kumar	1-11-85 to 1-12-85
7.	Rajinder Singh	1-11-85 to 1-12-85

2. The above noted persons shall draw special pay Rs. 75/- p.m. in terms of Deptt. of Personnel and A. Rs. O.M. No. 12/1/74-CS (I), dated 11-12-1975.

The 1st November 1985

No. A-38013/3/85-Admn.III.—The President is pleased to permit Shri G. T. Ramani, a permanent Assistant and officiating Section Officer in the CSS cadre of the Union Public Service Commission to retire from Government service, on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of the 31st October, 1985 in terms of Department of Personnel and Administrative Reforms O.M. No. 33/12/73-Ests(A) dated the 24th November, 1973.

The 4th November 1985

No. A. 12025(ii)/1/84-Admn. III.—Consequent on their having been nominated to the Union Public Service Commission as Section Officers on the basis of Combined Ltd., Departmental Competitive Examination, 1984, vide Deptt. of Personnel and Training OM No. 5/2/85-CS (I), dated 18-10-1985, the President is pleased to appoint the following officers of the CSSS cadre of this office to officiate as Section Officers of the Central Secretariat Service Cadre of the Union Public Service Commission with effect from the date indicated against each until further orders :—

Sl. No.	Name	Rank	Date of appointment
1	2	3	4
1.	Shri T. V. Dinesh	06	30-10-1985
2.	Smt. T. V. Mahalakshmy	39	30-10-1985

2. The appointments shall be subject to the results and final decision of the C.W.P. No. 1194/78 pending in the Delhi High Court.

The 5th November 1985

No. A-32014/1/85-Admn.III.—In supersession of this office Notification of even number dated 4th October, 1985, the President is pleased to appoint Shri B. B. Sahni,

Assistant of the CSS Cadre of the Union Public Service Commission as Section Officer on ad-hoc basis in the office of the Union Public Service Commission for the period from 3-10-1985 to 29-10-1985.

Shri B. B. Sahni stands reverted to the post of Assistant w.e.f. 30-10-1985.

The 6th November 1985

No. A. 32014/1/85-Admn. III.—In supersession of this office Notification of even number dated 25-9-85, the President is pleased to appoint the following regular Assistants of CSS Cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Section Officers on ad-hoc basis for the period indicated against each :—

Sl. No.	Name	Period of ad-hoc appointment
1.	Shri Basant Singh (SC)	From 27-9-85 to 29-10-85
2.	Shri M.L. Verma-I	From 27-9-85 to 29-10-85

2. The above noted persons stand reverted as Assistants w.e.f. 30-10-85 (FN).

No. A-32014/1/85-Admn.III.—In partial modification of this office Notification of even number dated 11th September, 1985, the period of ad-hoc appointment of Shri Anil Kumar as Desk Officer will be from 3-10-1985 to 31-10-1985.

2. The President is pleased to appoint Shri O. P. Kautia, a regular Section Officer of CSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Desk Officer on ad-hoc basis from 1-11-85 to 25-11-85 or until further orders, whichever is earlier.

3. The above noted persons shall draw special pay @ Rs. 75/- p.m. in terms of Deptt. of Personnel and A.Rs. O.M. No. 12/1/74-CS.I, dated 11-12-75.

M. P. JAIN
Under Secy. (Per. Admn.)
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-110003, the 20th November 1985

No. O.II-2010/85-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. W. Yavan Rao, as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 18th October, 1985 for a period of three months or till the recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

ASHOK RAJ MAHEEPATHI
Assistant Director (Estt.)

MINISTRY OF LABOUR & REHABILITATION

DEPTT. OF LABOUR
(LABOUR BUREAU)

Shimla-4, the 6th December 1985

No. 23/3/85-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on Base : 1960=100 increased by Six points to reach 625 (Six Hundred twenty five) for the month of October, 1985. Converted to Base : 1949=100 the index for the month of October, 1985 works out to 760 (Seven Hundred sixty).

A. K. MALHOTRA
Deputy Director,
Labour Bureau, Shimla-4.

MINISTRY OF FINANCE
(DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS)

SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad, the 19th November 1985

No. PD-3/6611.—Shri S. K. Anand, Foreman (Production) is appointed on ad-hoc basis to officiate as Assistant Works Manager in the Scale of Pay Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 27-6-85 to 31-12-1985 or till the post is filled on regular basis whichever is earlier.

S. R. PATHAK
General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR
GENERAL OF INDIA

New Delhi-110002, the 1st November 1985

No. 2121-CA.I 34-73.—Additional Deputy Comptroller and Auditor General (Commercial) has permitted Shri S. P. Gumber, Audit Officer (Commercial) working in the office of the Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit, New Delhi-110002 to retire voluntarily from Govt. service under provision of Rule 48(1)(a) of CCS Pension Rules 1972 with effect from 1-10-1985 F.N.

K. P. LAKSHMANA RAO, Asstt. Compt. & AR.
Genl. (Comm.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT
CENTRAL REVENUES

New Delhi-2, the 21st November 1985

No. Admn.I/O.O. No. 296.—The Director of Audit, Central Revenues, hereby appoints Shri P. S. Gambhir an officiating Audit Officer of this office, in a substantive capacity against a permanent post of Audit Officer in the time scale of Rs. 840-1200 with effect from 1-10-1985.

K. KUMAR
Dy. Director of Audit (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL ANDHRA
PRADESH

Hyderabad, the 15th November 1985

No. Admn.I/8-132/85-86/12.—Sri G. Selvarangam and Sri K. Viswanathan I Audit Officers Office of the Accountant General (Audit) I, Andhra Pradesh, Hyderabad retired from service on the A.N. of 31-10-1985.

The 19th November 1985

No. Admn. I/8-132/85-86/124.—The Accountant General (Audit) I Andhra Pradesh, Hyderabad is pleased to promote the following Assistant Audit Officers to officiate as Audit Officers in the Scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from the dates noted against them, until further orders.

Name	Date of Assumption of Charge
1. Ch. Gopala Krishna	29-10-85 A.N.
2. S. Krishnan-II	on F.S.
3. B.K.L.N. Acharya	29-10-85 A.N.
4. K. Jaganntha Rao	30-10-85 A.N.
5. K.S. Poter	29-10-85 A.N.

The promotions ordered above are without prejudice to the claims of their seniors if any and are also subject to the result of the writ petitions pending in A.P. High Court/Supreme Court. They should exercise the option within one month of their date of promotion in terms of Govt. of India O.M. No. F. 7/1/80-Estt (p. I) dt. 26-9-81.

Sd/- ILLEGIBLE
Senior Deputy Accountant General
(Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNT GENERAL (A&E)
RAJASTHAN

Jaipur, the 18th November 1985

No. Admn. II/G-Notification 85-86/289.—The Accountant General (A&E), Rajasthan, Jaipur is pleased to promote the following Selection Grade Section Officers of his office and to appoint them as Officiating Accounts Officers with effect from the date noted against each till further orders :—

S/Shri

1. Prem Chand Sah—25-10-85 (A.N.).
2. Kiran Chand Jain—25-10-85 (A.N.).

Sd/- ILLEGIBLE
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
WEST BENGAL

Calcutta-700001 the 20th November, 1985

No. Admn. I. 947-IT/1370.—The Accountant General West Bengal has been pleased to appoint the following officiating Accounts / Audit Officers of this office/office of the A.G.-II, West Bengal/ Office of the A.G.-III, West Bengal/Office of the D. A. Central, Calcutta in substantive capacity in the Accounts/Audit Officers' Grade with effect from the date noted against each:—

S. No.	Name	Date of confirmation	
1	+	2	3
Sarv Shri			
1.	Sakti Kumar Datta		1-8-82
2.	Satya Brata Banerjee		1-1-83
3.	Rathi Raj Banerjee		1-1-83
4.	Bimalendu Mukherjee		1-2-83
5.	Jyotirmoy Bhattacharjee-I		1-2-83
6.	Sital Ch. Biswas (SC)		1-3-83
7.	Sudhir Ch. Halder (SC)		1-3-83
8.	Sailendranath Halder (SC)		1-4-83
9.	Bijoy Rn. Mondal (SC)		1-4-83
10.	Bansari Mohan Mondal (SC)		1-4-83
11.	Dilip Kr. Mukherjee-I		1-4-83
12.	Nirmalendu Chakraborty		1-4-83
13.	Sisir Kumar Roy		1-4-83
14.	Kandarpa Bijoy Bhattacharjee		1-4-83
15.	Sibapada Mondala (SC)		1-4-83
16.	Champa Murmu (ST)		1-7-83
17.	Axima Nada Halder		1-7-83
18.	Provas Ch. Ghosh		1-8-83
19.	Jajesh Ch. Choudhury		1-9-83
20.	Pradip Kumar Dasgupta		1-9-83
21.	Ranjit Kumar Banerjee		1-9-83
22.	Bibhuti Bhusan Aich		1-10-83
23.	Gour Das Saha		1-10-83
24.	Samir Sengupta		1-11-83
25.	Biswambar Nath		1-1-84
26.	Broja Gopal Roy		1-1-84
27.	Sibendra Nath Choudhury		1-1-84
28.	Amal Krishna Roy		1-1-84
29.	Ranjit Kumar Bose		1-2-84
30.	Brojo Gopal Sen Sarma		1-2-84
31.	Narmal Ch. Halder (SC)		1-3-84
32.	Nalini Ranjan Roy (SC)		1-3-84
33.	Nareswar Chakraborty		1-4-84
34.	Anil Kumar Modnal (SC)		1-4-84
35.	Rupendra Kumar Banerjee		1-4-84
36.	Promode Bandhu Bhowmick		1-4-84
37.	Benoy Kumar De		1-4-84
38.	Gopal Kr. Majumdar		1-4-84
39.	Amalendu Mohan Sanyal		1-5-84
40.	Kamal Kumar Sen Sarma		1-7-84

1	2	3
41.	Anilendra Kumar Nag	19-8-84
42.	Benoyendra Roy	1-9-84
43.	Sudhir Ranjan Ghosh	19-9-84
44.	Biman Behari Basu	1-11-84
45.	Jyotish Ch. Bhattacharjee	1-12-84
46.	Ajoy Rn. Ghosh Dastidar	1-12-84
47.	Gokul Kr. Ghosh Choudhury	1-12-84
48.	Samarendra Saha (SC)	1-2-85
49.	Harendra Nath Halder (SC)	1-2-85
50.	Pulin Behari Mondal (SC)	1-2-85
51.	Manilal Mondal (SC)	1-3-85
52.	Bishnu Prosad Das (SC)	1-4-85
53.	Partha Sarathi Sen	1-4-85
54.	Subimal Purkayastha	1-4-85
55.	Sunil Kanta Chakraborty	1-4-85
56.	Rabindra Nath Mitra	1-4-85
57.	Satyendra Nath Banerjee-I	1-4-85
58.	Partiosh Kumar Mukherjee	24-5-85
59.	Anil Kumar Mukherjee	1-8-85
60.	Satyendra Kumar Maji	1-8-85
61.	Sudhir Kumar Chattopadhyay	1-10-85
62.	Ashis Kumar Mittra-I	1-10-85

D. MISRA
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)
West Bengal.

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, DEFENCE SERVICES

New Delhi-110001, the 30th October 1985

No. 3415/A, Admn. 130/82-85.—The following Audit Officers have retired from service with effect from the dates as indicated against each:—

Sl No.	Name & Designation	Date with effect from which retired	Remarks
1	2	3	4
	S/Shri.		
1.	P.R. Soshadani Iyengar, Subs. Audit Officer	9-7-1985(AN)	Voluntary retirement
2.	R.C. Bhairma, Offg. Audit Officer	31-8-85 (AN)	On superannuation
3.	K.P. Ramakrishnan, Subs. Audit Officer	30-9-85 (AN)	-do-

The 20th November 1985

No. 4757/A, Admn./130/82-85.—On attaining the age of superannuation, Shri N. V. Dani, Asstt. Audit Officer, retired from service with effect from 31-8-1985 (AN).

B. S. TYLE
Jt. Director of Audit, Def. Services

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110066, the 20th November 1985

No. AN-I/1892/5/I.—Shri S. K. Chari, IDAS, has attained the age of 58 years on 24-10-85 (his date of birth being 25-10-1927) and accordingly he has been struck off the strength of the Defence Accounts Department with effect from the afternoon of 31-10-1985. The officer has therefore

been transferred to the Pension Establishment with effect from the forenoon of 01-11-1985.

A. K. GHOSH
Additional Controller General of
Defence Accounts (Admin.)

MINISTRY OF DEFENCE ORDNANCE FACTORY BOARD DGOF HQRS CIVIL SERVICE

Calcutta, the 31st October 1985

No. 1212/85/A/E-1 (NG).—The DGOF is pleased to promote the following individuals against existing vacancies, without effect on seniority in grades and on dates shown against each:—

1. Shri Suraj Deo Narayan Sinha, Assistant Staff Officer (Ad-hoc)	Offg. Assistant Staff Officer.	From 1-9-85 (FN) until further orders.
2. Smt. Anima Das, Offg. Assistant	Asstt. Staff Officer (Ad-hoc)	From 4-10-85 until further orders.
3. Shri Karuna Mohan Majumdar, Offg. Assistant	Asstt. Staff Officer (Ad-hoc)	Do.

2. The above promotions shall abide by the result of the appeal filed in the Hon'ble High Court at Calcutta.

3. The officer mentioned at Sl. No. 1 will be on probation till his retirement i.e. 31-1-86.

4. The officers mentioned at Sl. No. 2 and 3 assumed the higher duties as A.S.O. w.e.f. 4-10-85 (FN).

The 14th November 1985

No. 13/85/A/E-1(NG).—The Director General, Ordnance Factories is pleased to appoint Shri Hem Chandra Pant, Asstt. Director, National Council for Co-operative Training, 3 Siri, Institutional Area, Hauz Khas, Post Bag No. 2, New Delhi-110 016 as Assistant Staff Officer (Group 'B' Gazetted) with effect from 25-09-85 (FN) and posted at OEF Group HQrs., Kanpur.

C. M. MATHUR, Member/Pers
for Director General, Ordnance Factories

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

Calcutta, the 8th November 1985

No. 46/G/85.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri P. M. Deshpande, Offg. Dy. G.M. (Subst. & Permt. DADG/TM) retired from service w.e.f. 28th February 1985 (AN).

The 19th November 1985

No. 47/G/85.—Shri V. Rajagopalan, Jt. General Manager (Subst. & Permt. Sr. DADGOF/Manager redesignated as Jt. Director General Manager Gr. II/DGM) retired from I.O.F.S. w.e.f. 25th September 84 (AN) on permanent absorption in ITI, Bangalore with effect from 26th September 1984 FN.

The 20th November 1985

No. 48/G/85.—The President is pleased to accept the resignation of Shri PB Rachunadhu, Offg. Dy. Director with effect from 31st May, 1985 AN.

V. K. MEHTA
DDGOF (ESTT).

MINISTRY OF COMMERCE
DEPARTMENT OF TEXTILES

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 18th November 1985

No. A-19011/9/79-Admn.III.—The President is pleased to permit Shri D. N. Bhargava, Deputy Director (Designs) in the Weavers' Service Centre, Indore, under the Office of the Development Commissioner for Handlooms, (Department of Textiles), Ministry of Commerce, to retire from Government service with effect from the afternoon of 31st October, 1985 on attaining the age of superannuation.

V. K. AGNIHOTRI
Additional Development
Commissioner for Handlooms

DIRECTORATE GENERAL OF COMMERCIAL INTELLIGENCE AND STATISTICS

Calcutta-700 001, the 20th November 1985

No. Estt.I/1(1)85/5837.—In continuation of this Directorate Notification No. Estt. I/1(1)85/2860 dated 24-5-1985, Shri Kumud Ranjan Biswas, permanent Superintendent, Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics, Calcutta, is allowed to continue in the post of Machine Tabulation Officer, on ad-hoc basis for a further period of six months with effect from 15-11-1985.

The terms and conditions of the appointment will remain the same.

S. R. SENGUPTA
Senior Deputy Director General

MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 14th November 1985

No. 12(399) 63-A(G) Vol.III.—The President is pleased to permit Shri D. C. Majumdar, Dy. Director (Chemical) Small Industries Service Institute, Calcutta to retire from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of 30-9-1985.

No. 12(609) 69-A(G).—On attaining the age of superannuation Shri R. D. Sharma relinquished charge of the post of Dy. Director (Economic-Investigation) at Small Industries Service Institute, Kanpur with effect from afternoon of 31-7-1985.

C. C. ROY
Dy. Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMINISTRATION SECTION-6)

New Delhi-110 001, the 5th November 1985

No. A-17011/25/71-A-6.—The President is pleased to appoint Sh. P. S. Prakasm, Assistant Inspecting Officer, (Engg.) to officiate as Assistant Director of Inspection/Inspecting Officer (Engg.) Grade III of Indian Inspection Service Group 'A' Engineering Branch with effect from 10-10-1985 in the pay scale of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300 on ad-hoc basis for a period of six months or till the regular arrangements are made whichever is earlier.

2. Sh. P. S. Prakasm, relinquished charge of the post of Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the office of Director of Inspection, Madras on the afternoon of 8th October, 1985 and assumed charge of the post of Inspecting Officer (Engg.) in the office of Deputy Director of Inspection, Hyderabad under Bangalore Inspection Circle, on the forenoon of 10th October, 1985.
78—366GI/85

The 6th November 1985

No. A-6/247(31)/77.—The President is pleased to appoint Sh. T. K. Bannerjee, Inspecting Officer (Engg.) an officer of Grade III of Indian Inspection Service, Group 'A' (Engineering Branch) to officiate as Deputy Director of Inspection, (Engg.) Grade II of Indian Inspection Service Group 'A' (Engineering Branch) on regular basis in the scale of pay of Rs. 1100 (6th year or under)-50-1600 with effect from 8th October, 1985 (F.N.) and until further orders.

2. Sh. T. K. Bannerjee, relinquished charge of the post of Inspecting Officer (Engg.) in the office of Director of Inspection, Calcutta on 8-10-1985 (F.N.) and assumed charge of the office of Deputy Director of Inspection (Engg.) in the same office on the forenoon of 8th October, 1985.

3. The appointment of Shri T. K. Bannerjee, as Deputy Director of Inspection (Engg.) is subject to the outcome of the three I.P.s No. 67/83, 68/83 and 69/83 filed by Union of India in Delhi High Court and W.P. No. 3001/83 and 35/83 filed by Sh. S. C. Anand, Deputy Director of Inspection (Engg.) in the Bombay High Court and transferred to Delhi High Court which are still pending in the Delhi High Court and the W.P. No. 1277/78 filed by Sh. O.D. Sangar, in Delhi High Court.

R. P. SHAHI
Dy. Director (Admn.)
for Director General of Supplies & Disposals

New Delhi-110001, the 5th November 1985

No. A-6/247(596).—The President is pleased to appoint Shri D. B. Jain, Dy. Director of Inspection (Engineering) (Grade-II of the Engineering Branch of the Indian Inspection Service Group 'A') to officiate as Director of Inspection (Grade I of the Indian Inspection Service Group 'A') in the scale of Rs. 1500-60-1800-100-2000 with effect from the forenoon of 15th July, 1985 until further orders.

2. The appointment of Shri D. B. Jain as Director of Inspection (Grade-I of Indian Inspection Service, Group 'A') is subject to the outcome of the three IPAs bearing Nos. 67/83, 68/83 and 69/83 filed by the Union of India in Delhi High Court and Writ Petition Nos. 3001/83 and 35/83 filed by Shri S. C. Anand D.D.I. in Bombay High Court and transferred to Delhi High Court which are still pending in Delhi High Court.

3. Shri D. B. Jain relinquished charge of the post of Dy. Director of Inspection (Engineering) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi on the forenoon of the 1st July, 1985 and assumed charge of the post of Director of Inspection on the forenoon of 15th July, 1985.

The 18th November 1985

No. A-6/247(390) Vol.VI.—The President is pleased to appoint Shri S. C. Kapoor, Permanent Director of Inspection (Grade I of Indian Inspection Service, Group 'A') to officiate as Deputy Director General (Inspection), (Super-time scale in Grade I of Indian Inspection Service, Group 'A') in the scale of pay of Rs. 2000-125/2-2250 with effect from the 7th October, 1985 (AN) and until further orders.

2. Shri Kapoor relinquished charge of the post of Director of Inspection in the NI Circle New Delhi on the afternoon of 3-10-85 and assumed charge of the post of Deputy Director General (Inspection) (Eastern Zone) at Calcutta on the afternoon of 7th October, 1985.

P. P. SHAHI
Dy. Director (Admn.)

ISPAT, KHAN AUR KOJIA MANTRA
KHAN VIBHAG

Geological Survey of India

Calcutta-700016—the 4th Oct. 1985

No. 4734 D.—The President is pleased to appoint the following Geologists (Junior), Geological Survey of India, on promotion as Geologist (Senior) in the same Department on day at-

cording to rules in the scale of pay of Rs. 1100-50-1600/- in an officiating capacity with effect from the dates mentioned against each, until further orders.

Sl. No.	Name	Date of appointment
1.	Shri S. V. Satyanarayana	12-8-85 (FN)
2.	Shri Debi Prasad Das	6-8-85 (FN)
3.	Shri Jayanta Roy Choudhury	6-8-85 (FN)
4.	Shri Buddhadeb Chaudury	6-8-85 (FN)
5.	Shri Amaresh Chatterjee	7-8-85 (FN)

The above promotion to the post of Geologist (Section) in G.S.I., is on *ad-hoc* basis in terms of the interim order of the Hon'ble High Court, Calcutta, as passed on 28-2-1985 in F.M. A.T. No. 507 of 1985 setting aside the interim order of stay as passed by the Learned Single Judge on 1-2-1985 and 18-2-85 in the Writ Petition filed by Sri Tridib Laskar and other against Union of India others subject to the result of the Writ Petition.

The 11th October 1985

No. 4876D/A-32013/4-DE(Sr.)/84-19B.—The President is pleased to appoint Shri P. A. Antunis, Drilling Engineer (Junior), Geological Survey of India, on promotion as Drilling Engineer (Senior) in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 1100-50-1600/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 30th January, 1985, until further orders.

The 11th oct 1985

No. 4965D/A-32013/1-Geol. (Sr.)/84-19A (6)—The President is pleased to appoint the following Geologists (Junior), Geological Survey of India on promotion as Geologist (Senior) in the same Department on pay according to rules in the scale of Rs. 1100-50-1600/- in an officiating capacity with effect from the dates mentioned against each until further orders.

Sl. No.	Name	Date of appointment
1.	Shri S. S. Ameta	8-8-85 (FN)
2.	Shri C.V. Nandikesava Rao	20-8-85 (FN)

The above promotion to the post of Geologist (Sr.) in G.S. is on *ad-hoc* basis in terms of the interim order of the Hon'ble High Court, Calcutta, as passed on 28-2-1985 in F. M. A. T. No. 507 of 1985 setting aside the interim order of stay as passed by the Learned Single Judge on 1-2-1985 and 18-2-1985 in the Writ Petition filed by Sri Tridib Laskar and others against Union of India & others subject to the result of the Writ Petition.

The 17th October 1985

No. 9776B/A-19011(1-GSS)/85-19A.—Shri G. S. Srivastava received charge of the post of Geologist (Senior) in the Geological Survey of India, on reversion from Remote Sensing Applications Centre, Lucknow, U.P., in the same capacity from the forenoon of 19th July, 1985.

No. 9786B/A-19011(1-PK)/19A-79.—Shri P. Kalvansundaram relinquished charge of the post of Geologist (Junior) on 18-9-84 (AN) for joining the post of Section Officer in the Central Secretariat Service in the Ministry of Tourism and Civil Aviation, Civil Aviation Department, New Delhi.

The 18th November 1985

No. 10401B/A-19012(5-SKP)/85-19B.—Shri S. K. Pal, Foreman (Senior) GSI has been appointed on promotion to the post of Asstt. Mech. Engineer in the Geological Survey of India by the Director General, GSI on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 4th October, 1985, until further orders.

The 20th November 1985

No. 10514B/A-19011(1-PKC)/71/19A.—On repatriation from Algeria after completion of his foreign deputation with the Government of Algeria Shri C. V. Nandikesava Rao, Geologist (Junior) has taken over charge of the post of Geologist (Sr.) in Geological Survey of India with effect from 20-8-1985 (FN).

No. 10502B/A-12018/79/ACAO/19A.—Shri Dilip Kumar Sen, Cost Accountant, Geological Survey of India, has been appointed as Assistant Cost Accounts Officer on promotion by the Director General, Geological Survey of India in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 22-10-85 until further orders.

CORRIGENDUM

No. 10496B/A-19011(2-AC)/84/19B.—The date of release of Dr. Amare Chakraborti, Geophysicist (Sr.) GSI, may please be read as 1-3-84 (F/N) instead of 10-3-84 (F/N) as shown in this office notification No. 8131B/A-19011 (2-AC)/84/19B dated 6-8-1985.

No. 10523B/A-32013(2-SO)/84/19B.—The President is pleased to appoint the following Officer Surveyors, GSI on promotion to the post of Survey Officer in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300/- in officiating capacity with effect from the dates mentioned against each, until further orders.

1. Shri Gopal Behari wef 30-7-85 (F/N).
2. Shri S. C. Mondal, wef 29-7-85 (F/N).

No. 5530D/A-19012(5-SPM)/85-19B.—Shri S. P. Mukherjee, Foreman (Senior), GSI has been appointed on promotion to the post of Asstt. Mech. Engineer in the Geological Survey of India by the Director General GSI on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 4th October 1985, until further orders.

A. KUSHARI
Director (Personnel)
Geological Survey of India

Calcutta-100016, the 8 September 1985

No. 9592B—AM32013 1-DIR(GEOL) 84-19A.—The President is pleased to appoint the following Geologists (Senior) Geological Survey of India, on promotion as Director (Geology) in the same Department according to rules in the scale of pay of Rs. 1500-60-1800-100-2000/- in an officiating temporary with effect from the date shown against each until further orders.

Sl. No.	Name	Date of appointment
1.	Shri N. Suba Rao	31-7-85 (FN)
2.	Shri B. Gopal Rao	31-7-85 (FN)
3.	Shri W. K. Natarajan	31-7-85 (FN)
4.	Dr. S. Gangapadhyay	31-7-85 (FN)
5.	Shri N. Desikan	5-8-85 (FN)
6.	Dr. S. P. Sanyal	31-7-85 (FN)
7.	Shri S. N. Bhattacharya	5-8-1985 (FN)
8.	Shri C.R. Sen	31-7-85 (FN)
9.	Shri P. R. San Gupta	31-7-1985 (FN)

The 11th October 1985

No. 4952D/A-35018/4/85-19A.—The President is pleased to appoint Shri P. D. Pathak, a Senior time-scale officer of the Indian Economic Service as Additional Secretary to the Board of Management, Geological Survey of India, New Delhi in the scale of pay of Rs. 1500-60-1800-100-2000/- for a period of two years with effect from 2-9-1985 (FN).

The 15th October 1985

No. 9706B A-32013/1-Dir (Geol)/84-19A.—The President is pleased to appoint the following Geologists (Senior), Geological Survey of India, on promotion as Director (Geology) in the same Department according to rules in the scale of pay of Rs. 1500-60-1800-100-2000/- in an officiating temporary capacity with effect from the date shown against each, until further orders :—

Sl. No.	Name	Date of appointment
1.	Shri A. Choudhury	6-8-85 (FN)
2.	Shri C. R. Veeraraghavan	31-7-85 (FN)
3.	Shri B. K. Seth	7-8-85 (FN)
4.	Shri S. S. Kanwar	1-8-85 (FN)
5.	Shri M. D. Srinivasan	16-8-85 (FN)
6.	Shri V. Rama Rao	1-8-85 (FN)
7.	Shri J. Nageswara Rao	31-7-85 (FN)
8.	Shri S. P. Jalote	2-8-85 (FN)
9.	Shri P. L. Narula	31-7-85 (FN)
10.	Shri S. N. Das	31-7-85 (FN)

The 16th October 1985

No. 5052D/A-32013/1-Dir (Geol)/84-19A(2) — The President is pleased to appoint the following Geologists (Senior), Geological Survey of India, on promotion as Director (Geology) in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 1500-60-1800-100-2000/- in an officiating temporary capacity, with effect from the date shown against each, until further orders :—

Sl. No.	Name	Date of appointment
1.	Shri M.L. Parimoo	1-8-85 (FN)
2.	Dr. Ajay, Kr. De	29-8-85 (FN)
3.	Shri Samir Kumar Ghosh	6-8-85 (FN)
4.	Shri A. K. Tiku	31-7-85 (FN)
5.	Shri Cecil Laha	23-8-85 (FN)
6.	Shri Sunil Bhattacharya	23-8-85 (FN)
7.	Shri P. N. Mehta	12-8-85 (FN)
8.	Shri S. K. Singh Gaur	12-8-85 (FN)
9.	Shri M. N. Kumar	28-8-85 (FN)
10.	Dr. N. Sen Gupta	28-8-85 (FN)
11.	Shri Prateek Bose	30-7-85 (AN)
12.	Shri R. N. Prasad	28-8-85 (FN)
13.	Dr. U. B. Mathur	31-7-85 (FN)

N. K. MUKHERJEE
Senior Deputy Director General (Operation)

Calcutta-700016, the 17th September 1985

No. 9390B/A-32013(2-DG)/82/19B.—The President is pleased to appoint the following Geophysicists (Sr.), GSI, on promotion to the post of Director (Geophysics) in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 1500-60-1800-100-2000/- in an officiating capacity w.e.f. the dates mentioned against each, until further orders :—

1. Shri A. P. Rao w.e.f. 29-5-1985 (FN).
2. B. G. K. Murty w.e.f. 29-5-85 (FN).
3. Shri B. Subramaniam w.e.f. 29-5-85 (AN).
4. Shri B. R. Dash w.e.f. 14-6-85 (FN).

The 16th October 1985

No. 5039D/A-32013(2-DG)/82-19B.—The President is pleased to appoint Shri B. K. Sharma, Geophysicist, (Sr.), GSI, on promotion to the post of Director (Geophysics) in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 1500-60-1800-100-2000/- in an officiating capacity w.e.f. 17-6-85 (FN), until further orders.

The 22nd November 1985

No. 10561B/A-32013/1-Dir. (Geol)/84-19A.—The President is pleased to appoint the following Geologists (Senior), Geological Survey of India, on promotion as Director (Geology) in the same Department according to rules in the scale of pay of Rs. 1500-60-1800-100-2000/- in an officiating temporary capacity with effect from the date shown against each, until further order.

Sl. No.	Name	Date of appointment
1.	Shri S. Subramanian	11-9-85 (FN)
2.	Shri B. N. Jha	28-8-85 (FN)

D. P. DHOUNDIA,
Senior Dy. Director General (Operation)

DIRECTORATE GENERAL DOORDARSHAN

New Delhi, the 18th November 1985

No. 6/83/85-S.II.—In pursuance of the Directorate General : All India Radio, Order No. 1/18/84-S.II (Vol.II), dated 18-6-85, the Directorate General : Doordarshan is pleased to appoint Shri Ram Kishan, Head Clerk as Administrative Officer on ad-hoc basis in the pay scale of Rs. 650—960 w.e.f. 26-6-85 (FN) at Doordarshan Kendra, Jalandhar.

T. S. SUNDARESWARAN
Dy. Director of Admn.
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING FILMS DIVISION

Bombay-26, the 19th November 1985

No. A-32014/4/83-RC.—On the recommendations of the Department Promotion Committee, the Chief Producer, Films Division has appointed Shri A. G. Ranade, Permanent Assistant Cameraman, Films Division, Bombay to officiate as Cameraman in the same office on a pay of Rs. 650/- p.m. in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 with effect from the forenoon of 24-10-1985 until further orders.

N. N. SHARMA
Administrative Officer
for Chief Producer

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 20th November 1985

No. A-38012/4/85-Admn-I.—On attaining the age of superannuation Shri Narain Singh, Deputy Director Administration retired from Government service on the afternoon of 31st October, 1985.

P. K. GHAI
Dy. Director Admn. (C&B)

MINISTRY OF AGRICULTURE
(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)
DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION
Faridabad, the 21st November 1985

Officer, of this Directorate at Nagpur expired on 30-8-1985
No. A.19023/14/79-A.III.—Shri A. N. Rao, Marketing

J. K. KRISHNA
Director of Administration
for Agril. Marketing Adviser

DEPARTMENT OF ECONOMIC ENERGY
MADRAS ATOMIC POWER PROJECT

Kalpakkam-603 102, the 16th November 1985

No. MAPP/18(154)/85-Rectt.—Project Director, Madras Atomic Power Project is pleased to appoint Shri R. Gunasakaran, Tradesman 'C' of this Project as Scientific Officer/Engineer 'SB' in the same Project in a temporary capacity with effect from the forenoon of August 1, 1985 until further orders.

V. K. SANTHANAM
Administrative Officer

New Delhi, the 30th October, 1985

No. A. 32013/5/83-EC()—The President is pleased to appoint the following Assistant Communication Officers in the Civil Aviation Department to the post of Communication Officer on regular basis w.e.f. 16th July 1985 and until further orders :

Sl.	Name
No.	

S/Shri

1. K. RajagoPalan
2. G. Muthulingam
3. M. C. Antani
4. Ram Chander
5. M.L. Chopra
6. K. L. Karmakar
7. S. B. Chakraborty
8. S. N. Bhagwat
9. V. V. Patankar

M. BHATTACHARJEE
Deputy Director of Administration

New Delhi, the 14th November 1985

No. A.32013/1/85-EW.—The President is pleased to appoint Shri Sandeep Kalra Assistant Project Officer, Civil Aviation Department on promotion to the grade of Electrical & Mechanical Officer, Civil Aviation Department with effect from 11th October 1985 on regular basis.

2. Shri Sandeep Kalra is posted in the Office of the Electrical & Mechanical Workshop, Safdarjung Airport, New Delhi.

The 15th November 1985

No. A.12025/2/84-ES.—On the basis of Recommendations of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri P. P. Kadambalithaya to officiate as Senior Airworthiness Officer in the scale of pay of Rs. 1100—1600 with effect from 10-10-85 (FN) until further orders.

2. Shri P. P. Kadambalithaya is posted in the office of Director of Airworthiness, Bombay Airport, Bombay.

VFD PRAKASHI
Dy. Director of Admn.

Vadodara, the 11th November 1985

No. 11/85.—Shri V. B. Bhatt, Superintendent of Central Excise and Customs, (Group 'B') Division-III, Vadodara has Voluntarily retired from Government service with effect from 1-11-1985 FN.

A. M. SINHA
Collector
Central Excise & Customs
Vadodara

MINISTRY OF ENERGY
DEPARTMENT OF COAL
COAL MINES LABOUR WELFARE ORGANISATION

Dhanbad-826003, the 20th November 1985

No. Adm 12(5)85.—Shri S. P. Mukherjee, Stenographer (in the scale of pay of Rs. 550-25-750-EB-30-900/-) has been appointed to the post of Assistant Secretary to Coal Mines Welfare Commissioner (Group 'B' Gazetted) in the Coal Mines Labour Welfare Organisation in the scale of Rs. 550-25-750-EB-30-900/- w.e.f. 7-11-1985 (A/N).

SHANKAR PRASAD
Commissioner

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110 066, the 15th November 1985

No. A-19012/1105/78-Estt.V.—In supercession of this Commission Notification No. A-19012/1105/85-Estt.V. dt. 13th June, 1985, Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Arjun Singh, Design Assistant to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on a purely temporary and adhoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the forenoon of 20-5-1985.

MEENAKSHI ARORA
Under Secy (C)
Central Water Commission

CENTRAL WATER AND POWER RESEARCH STATION
KHADAKWASLA RESEARCH STATION

Pune-24, the 20th November 1985

No. 608/69/85-Adm.—On attaining the age of superannuation Shri Ch. Bhujanga Rao, Assistant Research Officer (Engineering), Central Water and Power Research Station, Pune retired from Central Government service at CWPRS Pune with effect from 31-10-1985 (AN).

T. P. YEGNAN
Asstt. Research Officer
I/c Administration
for Director

DIRECTORATE OF ESTATES

New Delhi, the 19th November 1985

No. A-19011/4/85-Adm.'B'.—Shri Chandra Kant Solanki, Assistant Legal Adviser of the Ministry of Law, Justice, and Company Affairs (Department of Legal Affairs) who was holding the post of Deputy Director of Estates (Litigation) in the Directorate of Estates vacated the said post in the Directorate of Estates.

2. Shri Nem Chand Jain, Assistant Legal Adviser is appointed as Deputy Director of Estates in the Directorate of Estates, Ministry of Urban Development with effect from forenoon of the 14th November 1985 vice Shri C. K. Solanki.

LACHHMAN DASS
Dy. Director of Estates (Estt.)

MINISTRY OF INDUSTRY AND COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
COMPANY LAW BOARD
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*"In the matter of Companies Act 1 of 1956
And in the matter of M/s. The Goa Textiles Limited."*

Panaji, the 14th November 1985

No. 13/Liqn/2840.—Notice is hereby given pursuant to section 445(2) of the Companies Act, 1 of 1956 that an order for winding up of the above named company was made by the Hon'ble High Court of Judicature at Bombay, Panaji Bench on 31-8-1985 and Official Liquidator/Court Liquidator, High Court, Bombay has been appointed as the Official Liquidator.

B. N. HARISH
Registrar of Companies
Goa, Daman & Diu
Panaji

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Mayura Films Private Limited*

Bangalore-9, the 20th November 1985

No. 2481/560/85.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Mayura Films Private Ltd. unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Ibh Prakashana & Printers Private Limited*

Bangalore-9, the 20th November 1985

No. 5496/560/85.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Ibh Prakashana Printers Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
The Devang Samaj*

Bangalore-9, the 20th November 1985

No. 920/560/85.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. The Devang Samaj unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Prime Productions Private Limited*

Bangalore-9, the 20th November 1985

No. 4410/560/85.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Prime Productions Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd./- ILLEGIBLE
Registrar of Companies Karnataka, Bangalore

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, "NARAYANI NILAYAM",
WARRIAM ROAD, COCHIN-662 016

Cochin-662 016, the 30th October 1985

Ref. No. REF. L. C. 775/85-86.—Whereas I,
B. RAVIBALAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Sy. No. as per Schedule situated at Ernakulam
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Ernakulam on 16-3-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

- (1) 1. Shri C. K. Venkataram Naidu and
2. Shri C. K. Rajaram Naidu,
by power of attorney holder,
3. Shri C. K. Venkataram Naidu,
Cochin Tin Factory, Palluruthy,
Cochin-5.

(Transferor)

- (2) Smt. Mary John W/o
Sri C. C. John, C/o
M/s. C. U. Chacko & Sons,
Ravipuram, Cochin-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

40.071 cents of land in Sy. Nos. 1200, 1096, 1075/1 and
1075/4 of Ernakulam Village, vide document No. 981/85 Dt.
16-3-1985 at SRO, Ernakulam.

B. RAVIBALAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 30-10-1985.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, "NARAYANI NILAYAM",
WARRIAM ROAD, COCHIN-662 016

Cochin-662 016, the 30th October 1985

Ref. No. REF. L. C. 776/85-86.—Whereas I, B. RAVIBALAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Sy. No. as per Schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 16-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri C. K. Venkataram Naidu and
2. Shri C. K. Rajaram Naidu,
by power of attorney holder,
3. Shri C. K. Venkataram Naidu,
Cochin Tin Factory, Palluruthy,
Cochin-5.

(Transferor)

- (2) Mrs. Mary Thampy W/o
Dr. C. A. Thampi, R/o
Chakkallakkal Road,
Thevara—Ernakulam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

15.148 cents of land in Sy. No. 1075/1 of Ernakulam Village vide document No. 982/85 Dt. 16-3-1985 at SRO, Ernakulam.

B. RAVIBALAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Ernakulam

Date : 30-10-1985.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, "NARAYANI NILAYAM",
WARRIAM ROAD, COCHIN-662 016

Cochin-662 016, the 30th October 1985

Ref. No. FER. L. C. 777/85-86.—Whereas I,
B. RAVIBALAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Sy. No. as per Schedule situated at Ernakulam
situated at Bombay (and more fully described in the Schedule
annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908, (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Ernakulam on 16-3-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

- (1) 1. Shri C. K. Venkataram Naidu and
2. Shri C. K. Rajaram Naidu,
by power of attorney holder,
3. Shri C. K. Venkataram Naidu,
Cochin Tin Factory, Palluruthy,
Cochin-5.

(Transferor)

- (2) Miss. Sulu John, R/o
Chakkalakkal Road,
Perumanoor, Thevara Road, Ernakulam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

15.150 cents of land in Sy. No. 1075/1 of Ernakulam
Village vide document No. 983/85 Dt. 16-3-1985 at SRO,
Ernakulam.

B. RAVIBALAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 30-10-1985.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "NARAYANI NILAYAM",
WARRIAM ROAD, COCHIN-662 016

Cochin-662 016, the 30th October 1985

Ref. No. REF. L. C. 778/85-86.—Whereas I, B. RAVIBALAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Sy. No. as per Schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 16-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
79—366GI/85

- (1) 1. Shri C. K. Venkataram Naidu and
2. Shri C. K. Rajaram Naidu,
by power of attorney holder,
3. Shri C. K. Venkataram Naidu,
Cochin Tin Factory, Palluruthy,
Cochin-5.

(Transferor)

- (2) Miss. Anu John D/o
Shri C. C. John, C/o
M/s. C. U. Chacko & Sons,
Ravipuram, Cochin-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

15.150 cents of land in Sy. No. 1075/1 of Ernakulam Village, registered at SRO, Ernakulam, vide document No. 984/85 Dt. 16-3-1985.

B. RAVIBALAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 30-10-1985.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, "NARAYANI NILAYAM",
WARRIAM ROAD, COCHIN-662 016

Cochin-662 016, the 30th October 1985

REF. L. C. 779/85-86.—Whereas, I,
B. RAVIBALAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Sy. No. as per Schedule situated at Ernakulam
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Ernakulam on 16-3-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration in such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferee under the said Act,
or
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957):

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons namely :—

- (1) 1. Shri C. K. Venkataram Naidu and
2. Shri C. K. Rajaram Naidu,
by power of attorney holder,
3. Shri C. K. Venkataram Naidu,
Cochin Tin Factory, Palluruthy,
Cochin-5.
(Transferor)
- (2) Miss. Manju John Minor
Rep. by Gurdian
Sari C. C. John, R/o
Chakkalakkal Road, Thevara—Cochin-13.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property,
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

15.150 cents of land in Sy. No. 1075/1 of Ernakulam
Village, registered at SRO, Ernakulam, vide document No.
985/85 dt. 16-3-1985.

B. RAVIBALAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 30-10-1985.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, "NARAYANI NILAYAM",
WARRIAM ROAD, COCHIN-662 016

Cochin-662 016, the 30th October 1985

Ref. No. REF. L. C. 774/85-86.—Whereas I,
B. RAVIBALAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Sy. No. as per Schedule situated at Ernakulam
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Ernakulam on 16-3-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor, to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

- (1) 1. Shri C. K. Venkataram Naidu and
2. Shri C. K. Rajaram Naidu,
by power of attorney holder,
3. Shri C. K. Venkataram Naidu,
Cochin Tin Factory, Palluruthy,
Cochin-5.
(Transferor)
- (2) Shri C. C. John,
for Coastal Foundations P. Ltd.,
M. G. Road, Ravipuram, Cochin-682 016.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

42.638 cents of land in Sy. No. 1075/1 of Ernakulam Vil-
lage registered at SRO, Ernakulam vide document No. 980/85
Dt. 16-3-1985.

B. RAVIBALAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 30-10-1985.
Seal :

FORM ITNS.—

(1) J. R. Construction of 38, Block-B,
New Alipore, Calcutta.

(Transferor)

(2) 1. Shri Mahabir Prasad Agarwal,
2. Smt. Bimala Devi Agarwal, Both R/o
12/N/1, Block-A,
New Alipore, Calcutta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
CALCUTTA

Calcutta, the 6th November 1985

Ref. No. AC-74/R-II/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 38 situated at Block-B, New Alipore, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A. Calcutta on 30-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1130 Sft. on the 3rd floor at Plot No. 38, Block-B, New Alipore, Calcutta. More particularly described in Deed No. 1/4929 of R.A. Calcutta of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date : 6-11-1985

Sd/- :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA**

Calcutta, the 6th November 1985

Ref. No. AC-21/Acq.R-IV/Cal/85-86.—Whereas, I,
SANKAR K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 78 situated at Nuruddin Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Asansole on 20-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Biswajit Roy S/o
Shri Durgapada Roy, R/o
Abdul Lali Lane, Asansol,
Burdwan.

(Transferor)

(2) Smt. Gomati Devi W/o
Shri Prabal Rai Luharaka, R/o
N. S. Road, Asansole,
Burdwan.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land : 0.029 acres of land with building.

Address : 78, Nuruddin Road, P. S. Asansole, Burdwan.
Deed No. : 1911 of 1985.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date : 6-11-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta, the 6th November 1985

Ref. No. AC-20/Acq.R-IV/Cal/85-86.—

Whereas, I, SANKAR K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 78 situated at Nuruddin Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registrars Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Asansole on 20-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sri Biswajit Roy S/o
Abdul Lalit Lane, Asansole,
(Transferor)

(2) Sri Prahlad Rai Luharuka, R/o
N. S. Road, Asansole,
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Land : 0.029 acres of land with building.
Address : 78, Nuruddin Road, P. S. Asansole, Burdwan.
Deed No. : 1910 of 1985.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 6-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 13th November 1985

Ref. No. C. R. No. 62/46720/84-85/ACQ/B.—

Whereas, I, R. BHARDWAJ,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-
and bearingexceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. RS. 518/1, TS No. 137/1 situated Kasba Bazar, Vil-
lage, M'lore Tq.(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
M'lore in March, 1985for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Mrs. Mira Bhakar Nirody,
D-6, Deepalaxmi Co-op.
Housing Society Ltd.,
Prabhadevi Sea Beach,
Prabhadevi, Bombay-25.

(Transferor)

- (2) M/s. Hotel Om Mahal P. Ltd.,
Bhavanthi Street,
M'lore-1.

(Transferee)

- (3) Shri K. Viswanath Shenoy
Prop : Hotel New Om Mahal,
M'lore.

(Person(s) in occupation of the property)

Objections if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1977/84-85 Dated March, 1985]
Property No. RS. 518/1, TS. 137/1, at Kasba Bazar, Vil-
lage, Mangalore, Taluk.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 13-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 13th November 1985

Ref. No. C. R. No. 62/46721/84-85/ACQ/B.—
Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Apartment No. B-4 (RS. 518/1BI), situated at Kasba Bazar Village, M'lore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registrar on Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at M'lore on 16-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) The Parijnana Co-op. Housing Society,
Moodbidri.

(Transferor)

(2) Shri B. Ramananda Pai,
The Parijnana Co-op.
Housing Society Ltd.,
M'lore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1978/84-83 Dated 16-3-1985]

Apartment No. B4, at Kasba Bazar Village, M'lore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 13-11-1985

Seal :

FORM ITNS — —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 4th November 1985

C.R. No. 62/47033/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 60/9 situated at 7th Cross, Wilson gardens Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Jayanagar under document No. 15/85-86 on 1-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
80—366G1/85

- (1) Shri V. C. Badami & 3 others
60/9, 7th Cross, Wilson gardens
Bangalore.

(Transferor)

- (2) Shantilal Shand
1st, 12th Cross, Wilson gardens
Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 15/85-86 dated 1-4-85)
All that property bearing No. 60/9 situated at 7th Cross, Wilson gardens Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 4-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 7th November 1985

C.R. No. 62/46967/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing No. 11(3A) situated at Cunningham Crescent, B'ore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar in April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Edward Fenton Moir
C/o M/s. King & Partridge,
26/1, Lavelle Road,
Bangalore.

(Transferor)

(2) Dr. H. R. Hedge,
No. 5, Residency Road,
Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 35/85-86 dated April 1985)
Property No. 11(3A), at Cunningham Crescent, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Dated : 7-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 4th November 1985

C.R. No. 62/47046/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 143/38 situated at VI Cross, Wilson Garden, B'lore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Jayanagar April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) T. Gangadariah,
No. 145/40, VI Cross,
Wilson Garden,
Bangalore, (Transferor)
- (2) K. S. Vijaya Srinivas,
4331/1, 14th Cross,
Audugodi Road,
Bangalore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 123/85-86 dated April 1985)
Property No. 143/38, VI Cross, Wilson Garden, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 4-11-1985
Sent :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE**

Bangalore, the 1st November 1985

C.R. No. 62/46758/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 139/4 situated at Domlur Layout, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar under document No. 3783/84-85 on 15-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Sampangiramareddy
No. 132, Brigade Road,
Bangalore-560025.

(Transferor)

- (2) Dr. (Mrs.) Geetha Rathnakar Shetty
represented by Smt. Vatsala Bhojaraja Shetty
C/o Mr. S. B. Shetty P/51, Railway Qrs.
Badhwar Park, 'Colaba' Bombay-400005.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3783/84-85 dated 15-3-1985)

Portion of property bearing No. 139/4 situated at Domlur Layout, B'lore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Dated : 1-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 28th October 1985

C. R. No. 62/47203/84-85/ACQ/B—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act,') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 244 situated at Borewell road White field K. R. Puram Hobli, Bangalore South Taluk, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Bangalore South Taluk under document No. 1115/85-86 on 25-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri J. E. Giddens
New No. 242, Borewell Road,
Whitefield
Bangalore-560066,

(Transferor)

- (2) Shri K. P. Sridharan,
Camping at East West Hotel
Residency Road,
Bangalore-25.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1115/85-86 dated 25-3-1985)

All that portion of the property bearing No. 244 situated at Borewell road whitfield K. R. Puram Hobli, Bangalore South Taluk.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Dated : 1-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 1st November 1985

C.R. No. 62/4675/84-85/ACQ/B.--Whereas, I, R. BHARDWAJ being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 16 (portion) situated at Ali Asker Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar under document No. 3674/84-85 on 7-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Md Khabel Shirazu
No. 16, Ali Asker Road,
Bangalore.
(2) Maheem Khabel
W/o Noor Ahmed
Sai Manzil, Allammal Road
Cambala Hills, Bombay.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3674/84-85 dated 7-3-1985)
Portion of property bearing No. 16 Situated at Ali Asker Road, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Dated : 1-11-1985
Scal :

FORM ITNS

- (1) M/s. Chebrole Hanumaiah & Bros. (P.) Ltd.,
Rep : by its Managing Director
Sri Ch. Ramaiah, Stambala Garuvu,
Guntur.

(Transferor)

- (2) Sri Emparala Venkateswara Rao,
S/o Butchaiah,
Chandla Mouli Nagar,
Guntur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDRABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th November 1985

Ref. No. RAC No 447/85-86.-Whereas, I
M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land situated at Machavaram Village Jamee of Kethana Konda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Dry land of Acres 2-76 cents at Machavaram village, Jamee of Kethana Konda of Krishna Dist., registered by the SRO, Vijayawada vide Document No. 1301/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-11-1985
Seal :

FORM I.T.N.S. —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th November 1985

Ref. No. RAC No. 448/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land situated at Tadepalli Village, Guntur Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Guntur on 3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. The East Coast Food Products Ltd.,
Rep. : by its Director Sri Maddi Ranganath Sai,
Kothapet, Guntur.
(Transferor)
- (2) M/s. Vinod Solvextracts (P.) Ltd.,
Rep. : by the Managing Director Sri L. R. Manohar,
Vijayawada.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Ac. 3-73 cents in Sy. No. 347, Patta No. 157 at Tadepalli village, Guntur Dist., registered by the SRO, Guntur vide Document No. 3754/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 11-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th November 1985

Ref. No. RAC No. 449/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat situated at Banu Builders, Mogalrajpuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada in 3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of pay income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269A of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

81—366GI/85

- (1) 1. Sri Komarredy Durgaprasad S/o Patabhi Ramaiah,
2. Sri Kakarla Ramesh Kumar S/o Dharma Rao Mogalrajpuram Vijayawada. (Transferor)
- (2) Sri Alidapally Muralidhar S/o Gopal Rao, Flat No. B-23 in Banu Builders, Mogalrajpuram, Vijayawada. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-23 in Banu builders, Mogalrajpuram, Vijayawada, area 1170 s. ft. registered by the SRO, Vijayawada vide Document No. 1540/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th November 1985

Ref. No. RAC. No. 450/85-86.—Whereas, I
M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land situated at Patamata, Old Postal Colony, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada on 3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri Manepalli Venkata Srirama Murthy
S/o Pullaiah.
2. Sri M. Kanaka Srinivas
Governorpet, Vijayawada-2.

(Transferor)

- (2) Dr. Edlapalli Vishnu Vardhana Rao S/o Ramaiah,
Manikonda, Krishna Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & building No. 18-268, Patamata, Old Postal Colony, Vijayawada, area 593 s. yards registered by the SRO, Vijayawada, vide Document No. 1665/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th November 1985

Ref. No. RAC. No. 480/85-86.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House situated at Patamata, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada in 4/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Manepalle Venkata Radhakrishna Murthy,
S/o Pullaiah,
Governor pet, Vijayawada. (Transferor)
- (2) Smt. Yadlapalli Satyavathi,
W/o Vishnu Vardhana Rao,
Governorpet, Vijayawada. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building No. 18-269, Patamata, Old Postal Colony, Vijayawada, area 296.1/2 cents, registered by the SRO, Vijayawada vide Document No. 2667/4/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)**

Hyderabad, the 7th November 1985

Ref. No. RAC. No. 451/85-86.—Whereas, I, **M. JEGAN MOHAN**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat situated at Bhanu Builders, Mogalrajpuram, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada in 3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Bhanu Builders,
Rep: by 1. Sri Komareddy Durga Prasad & Other,
Mogalrajpuram, Vijayawada.

(Transferor)

- (2) Sri Inguva Srikrishna Devarayulu S/o
Venkata Krishna Murthy,
Flat No. A-3 in M/s. Bhanu Builders,
Mogalrajpuram Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-3 in M/s. Banu builders, Mogalrajpuram, Vijayawada, area 920 s. ft. registered by the SRO, Vijayawada vide Document No. 1257/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date . 7-11-1985.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th November 1985

Ref. No. RAC No. 452/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat situated at Mogalrajapuram, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Aruna Builders,
Rep: by Mg: Partner Sri V. S. Panduranga Raju,
Room No. 4, & 5, Unity House,
Abids, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Avasara Laxmana Rao
S/o Seshagiri Rao,
Kanchana Complex, near: Current Bhavi,
Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A flat admeasuring 900 s. ft. in Kanchana Complex, Mogalrajapuram, Vijayawada, registered by the SRO, Vijayawada, vide Document No. 1441/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
HYDEREBED (A.P.)

Hyderabad, the 7th November 1985

Ref. No. RAC No. 453/85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Flat situated at Santhi apartments, Patamata
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Vijayawada on 3/1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

(1) Sri Vallurupalli Prabhukishore
S/o. Kesavarao Choudary,
Santhi apartments, Patamata,
Vijayawada.

(Transferor)

(2) Sri Ravanam Navcen,
S/o. Ramachandra Rao,
Santhi apartments, a flat on III-Floor,
Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

A flat in Shanti apartments, near : Saibaba Temple, Patama,
Vijayawada, area 1050 s. ft. registered by the SRO, Vijaya-
wada vide Document No. 1355/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date : 7-11-85.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th November 1985

Ref. No. RAC 454/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat situated at Banu builders, Mogalraj (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada on 3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and the transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Banu Builders,
rep. : by 1. Sri Komareddy Durgaprasad & other,
Mogalrajapuram,
Vijayawada. (Transferor)
- (2) Sri N. G. Kudvai
S/o. Uaikanth Kudvai,
Divisional Manager, Syndicate Bank,
Suryaraopet, Vijayawada-2. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A flat No. B-1, area 1170 s. ft. in Banu builders, Mogalrajapuram, Vijayawada, registered by the SRO, Vijayawada vide Document No. 1268/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date : 7-11-85.
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th November 1985

Ref. No. RAC No. 455/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat situated at Prakash apartments, Nallakunta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Chikkadpally on 3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sri Prakash Sadre,
S/o. Somnathrao, 2-1-494, Nallakunta,
Hyderabad. (Transferors)
- (2) Smt. A. Chellayamma,
W/o. Hanumantha Rao,
2-1-513/5, Nallakunta,
Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7 and a part of flat 6 on I Floor in Prakash apartments, Nallakunta, Hyderabad, area 700 s. ft. registered by the SRO, Chikkadpally vide Document No. 339/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date : 7-11-85.
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Fashion Builders,
10-2-267/1 & 2, West Marredpally,
Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Ichha Byramji,
Flat No. 1 in H. No. 10-2-267/1 & 2,
West Marredpally,
Secunderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Hyderabad (A.P.), the 7th November 1985

Ref. No. RAC. No. 456/85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Flat situated at West Marredpally, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Marredpally in 3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

-(b)-facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 1 in H. No. 10-2-260/1 & 2, West Marredpally, Secunderabad, area 938 s. ft., registered by the SRO, Marredpally vide Document No. 762/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

82—366GI/85

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 8th November 1985

Ref. No. RAC. No. 457/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land situated at Gollapudi vil., Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada in 3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 260D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under sub-sections, namely :—

- (1) Sri Ch. Madhusudhan Rao S/o
Shri Rama Kotiah, R/o
Gollapudi,
Vijayawada. (Transferor)
- (2) Vijayawada Wholesale Commercial Complex
Members Welfare Society,
rep. by its President
Sri J. Ramaswamy Gupta,
rep. by its Gen. Secretary,
Sri A. R. Gopal Rao, R/o
11-50-37, Sivalayam Lane,
Vijayawada. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later :
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Acres of land 0.88 cents at Gollapudi, Vijayawada, registered by the SRO, Vijayawada vide Document No. 1712/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 8-11-1985
Seal :

FORM I.T.N.S. ———

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

**ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)**

Hyderabad (A.P.), the 8th November 1985

Ref. No. RAC. No. 458/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land situated at Gollapudi vil., Vijayawada (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada in 3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of has been transferred and the agreement is registered under transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Ch. Ravindra Babu S/o
Sri Gopal Rao & others, R/o
Gollapudi,
Vijayawada. (Transferor)
(2) Vijayawada Wholesale Commercial Complex
Members Welfare Society,
rep. by its President
Sri J. Ramaswamy Gupta,
rep. by its Gen Secretary,
Sri A. R. Gopal Rao, R/o
11-50-37, Sivalayam Lane,
Vijayawada. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Acres of land 1.47-3/4 cents in RS No. 518/1B at Gollapudi, Vijayawada, Registered by the SRO, Vijayawada, vide Document No. 1741/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 8-11-1985.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 8th November 1985

Ref. No. RAC. No. 459/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land situated at Gollapudi village, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Vijayawada in 3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereon by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Ch. Uma Maheswara Rao S/o Sri Ramkotiah & 2 others, R/o Gollapudi, Vijayawada. (Transferor)
- (2) Vijayawada Wholesale Commercial Complex Members Welfare Society, rep. by its President, Sri J. Ramaswamy Gupta, rep. : by its Gen. Secretary, Sri A. R. Gopal Rao, R/o 11-50-37, Sivalayam Lane, Vijayawada. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Acres of land 0-88.3/4 cents in RS No. 518/1B at Gollapudi village, Vijayawada, registered by the SRO, Vijayawada vide Document No. 1713/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 8-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 8th November 1985

Ref. No. RAC. No. 460/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land situated at Gollapudi vil., Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada in 3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Ch. Subba Rao S/o Sri Veerajah & 5 others, R/o Gollapudi, Vijayawada. (Transferor)
- (2) Vijayawada Wholesale Commercial Complex Members Welfare Society, rep. by its President Sri J. Ramaswamy Gupta, rep. by its Gen Secretary, Sri A. R. Gopal Rao, R/o 11-50-37, Sivalayam Lane, Vijayawada. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Acres of Land 1.67-3/4 cents in RS No. 518/1B at Gollapudi, Vijayawada, registered by the SRO, Vijayawada vide Document No. 1739/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 8-11-1985.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(1) M/s. C. S. Wires (P) Ltd.,
10-2-276/8, Nehru Nagar,
Secunderabad.

(Transferor)

(2) Mr. A. Sharath Reddy, R/o
4-3-471, Bank Street,
Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th November 1985

Ref. No. RAC. No. 461/85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
(Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing No.
Plot situated at Mahendra Hills East, Marredpally
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
or 1908) in the office of the Registering Officer at
Marredpally in 3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein at
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

THE SCHEDULE

Plot No. 192 at Mahendra Hills, East Marredpally,
Secunderabad, area 450 s. yds., registered by the SRO, Marred-
pally vide Document No. 793/85.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 7-11-1985.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th November 1985

Ref. No. RAC No. 462/85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHANbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. Flat situated at Ashok nagar, Hyderabad

has been transferred under the Registration Act, 1908, (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Hyderabad on 3/11/85(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
or an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of said apparent consideration and, that the
consideration for said transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of(1) M/s. Mehta Towers,
rep. : by Mr. Mahendra Mehta,
49, M. G. Road,
Secunderabad.

(Transferor)

(2) Mr. B. Ravi Kiran S/o. late Sri Ganga Ram,
363, SRT Quarters,
Ashok nagar,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other asset, which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 203 in H. No. 1-1-293/4, Ashok Nagar, Hydera-
bad, area 1385 s. ft. registered by the SRO, Hyderabad vide
Document No. 1929/85.M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-
said property by the issue of this notice under sub-section (1)
of Section 269D of the said Act to the following persons
namely :—Date : 7-11-85.
Seal.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th November 1985

Ref. No. RAC No. 463/85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHANbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and
bearing No.Land situated at Gollapudi vill., Vijayawada
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Vijayawada on 3/1985for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

- (1) Sri Ch. Rajamohan Rao
S/o. Venkateswara Rao and 2 others,
Gollapudi,
Vijayawada. (Transferor)
- (2) Vijayawada Wholesale Commercial Complex
Members Welfare Society,
rep. : by its President Sri J. Ramaswamy Gupta
Gen. Secretary Sri A R Gopal Rao,
11-50-37, Sivalayam Lane,
Vijawada-1. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Acre of land 0.90 cents in RS No. 518/1B at Gollapudi
Vijayawada, registered by the SRO, Vijayawada vide docu-
ment No. 1738/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date : 8-11-85.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th November 1985

Ref. No. RAC No. 464/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Land situated at Gollapudi vil., Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada on 3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
83—366GI/85

(1) Sri Ch. Venkateswara Rao,
S/o. Nagaiiah & 2 others,
Gollapudi,
Vijayawada.

(Transferor)

(2) Vijayawada Wholesale Commercial Complex
Members Welfare Society,
rep. : by its President Sri J. Ramaswamy Gupta
Gen. Secretary Sri A R Gopal Rao,
11-50-37, Sivalayam Lane,
Vijawada-1.

(insferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Acres of land 1-26 cents in RS No. 518/1B at Gollapudi, Vijayawada. Registered by the SRO, Vijayawada vide Document No. 1742/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date : 8-11-85,
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th November 1985

Ref. No. RAC No. 465/85-86.—Whereas, I, M JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. 1 and situated at Gollapudi vil., Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad in 3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifty percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect to any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sri Ch. : Gopal Rao,
S/o. Veeraiiah,
Gollapudi,
Vijayawada.

(Transferor)

- (2) Vijayawada Wholesale Commercial Complex
Members Welfare Society,
rep. : by its President Sri J. Ramaswamy Gupta
Gen. Secretary Sri A R Gopal Rao,
11-50-37, Sivalayam Lane,
Vijawada-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Acre of land 0-80 cents in RS No. 518/1B, at Gollapudi, Vijayawada, registered by the SRO, Vijayawada vide Document No. 1743/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date : 8-11-85,
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th November 1985

Ref. No. RAC No. 466/85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat situated at Meridian apartments, Abid Road, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad on 3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s Meridian Construction Co.,
5-8-612, Abids,
Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Sri Abdul Khader Zirapuri,
Flat No. 502, Meridian apartments,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A flat No. 502, in Meridian apartments, Abids, Hyderabad, area 384 s.ft. registered by the SRO, Hyderabad, vide Document No. 1620/85.

M. JEGAN MOHAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th November 1985

Ref. No. RAC No. 467/85-86.—Whereas, I, **M. JEGAN MOHAN**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office premises situated at Chandralok Complex, S. D. Rd., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at RR Dist. in 3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as so ascertained exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s Swastik Construction Co.,
111, Sarojin, Devi Road,
Secunderabad-3.

(Transferor)

- (2) M/s Uggersain Ramchand Estates &
Engineering Industries (P) Ltd.,
rep : by its Director Pushpa Jain,
17F, Kanti Shikara apartment,
Punjagutta, Hyderabad-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises No. 510 to 513 & 254 on V Floor of 'Chandra'ok complex' in H. No 1-7-234/241, S. D. Road, Secunderabad, registered by the SRO, RR Dist vide Document No. 20006/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 7-11-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th November 1985

Ref. No. RAC No. 468/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office premises Chandralok complex, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at RR Dist. on 3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s Swastik Construction Co.,
111, Sarojini Devi Road,
Secunderabad-3.

(Transferor)

- (2) Sri Atul Khanna
S/o Harish Chand Khanna,
5-9-22/1/7, Adarsh Nagar,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 534 of Chandralok complex in H. N. 17-234/241, S.D. Road, Secunderabad, area 782 s.ft. registered by the SRO, RR Dist vide Document No. 2005/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th November.1985

Ref. No. RAC No. 469/85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act), have reason to believe that the im-
Rs. 1 00 000/- and bearing No.
Office premises situated at Chandralok complex, S.D. Road,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
RR Dist. on 3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer:
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) M/s Swastik Construction Co.,
111, Sarojini Devi Road,
Secunderabad-3.

(Transferor)

(2) M/s Narendra Associates
per Partner Mr. R. Narender,
6-1-279/4, Padmarao nagar,
Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises No. 610 to 613 on VI Floor in Chandralok
complex, S.D. Road, Secunderabad, area 1470 s.ft. registered
by the SRO, RR Dist., vide Document No. 2007/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th November 1985

Ref. No. RAC No. 470/85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs 1,00,000/- and bearing No.Office premises situated at Chandralok complex, S.D. Road,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer
at RR Dist. on 3/1985for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transferor,
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) M/s Swastik Construction Co.,
111, Sarojini Devi Road,
Secunderabad-3.

(Transferor)

- (2) Miss K. Madhu
D/o Sri K. Siarama Raju,
1-10-225, Ashok Nagar,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises No. 431 & 432 (50%) on IV Floor in
Chandralok complex in II.No. 1-7-234/241, S.D. Road, Secun-
derabad, registered by the SRO, RR Dist., vide Document No.
2008/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.

(1) M/s. Swastik Construction Co.,
111, Sarojini Devi Road,
Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri K. Sitarama Raju
S/o K. Suryanarayana Raju,
1-10-225, Ashok Nagar,
Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th November 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. RAC No. 471/85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Office premises situated at Chandralok complex, S.D. Road,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer
at RR Dist. on 3/1/85

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(14 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises No. 431 & 432 (50%) on IV Floor in
Chandralok complex, H. No. 234/241, S.D. Road, Secundera-
bad, registered by the SRO, RR Dist., vide Document No.
2011/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269(D) of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th November 1985

Ref. No. RAC No. 472/85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat situated at Meridian apartments, Abids
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Hyderabad in 3/1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

84—366GI/85

- (1) M/s Meridian Construction Co.,
5-8-612, Abids,
Hyderabad. (Transferor)
- (2) Sri Abdul Khader Zilrapuri,
Flat No. 502, Meridian apartments,
Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette, or a period of 30 days
from the service of notice on the respective person,
whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

A flat No. 502, in Meridian apartments, Abids, Hyderabad,
area 384 s.ft. registered by the SRO, Hyderabad, vide Document
No. 1602/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th November 1985

Ref. No. RAC No. 473/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat situated at Chirag-Ali-Lane, Nampally, H'bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Hyderabad in 3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) M/s Unity Construction Co.,
rep : by Partner Sri Mahabeer Pershad,
21-27722, Charminar,
Hyderabad. (Transferor)
- (2) 1. Smt. Vimala Devi
W/o Madan Mohan Gupta.
2. Mr. Surehh Gupta,
S/o G. Gupta.
H. No. 3-6-313, Hyderguda,
Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Flat in the premises of H. No. 5-8-49/6, Nampally, Chirag Ali Lane Hyderabad, area 1200 sq. ft. registered by the SRO, Hyderabad, vide Document No. 1846/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th November 1985

Ref. No. RAC No. 474/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat Situated at Mahaveer appartments, Kingkoti (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad in 3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for said transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Sri Radhakrishna Gulabani,
311 Mahaveer appartments,
King Koti Road,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) 1. Sri Chaganlal Kanodia &
2 Kamallesh Gupta,
H. No. 22-5-253/A, Kalikaman,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203 in Mahaveer appartments, King Koti, Hyderabad area 947 s.ft. registered by the S.R.O., Hyderabad, vide Document No. 1902/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th November 1985

RAC No. 475/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat situated at Ganganmahal Road, Domalguda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Chikkadpally in 3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Eskay Associates,
rep : by Sri V. V. Kamath, Partner,
1-2-24, Gaganmahal Road,
Hyderabad. (Transferor)
- (2) Sri Jayaraman
Hyderabad.
S/o R. Krishna murthy,
Hype IV-47, Lab quarters,
Kancan bagh,
Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 506 at H. No. 1-2-24, Domalguda, Hyderabad, area 600 s.ft. registered by the SRO, Chikkadpally vide Document No. 280/85

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th November 1985

Ref. No. RAC No. 476/85-86.—Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat situated at Meridian apartments, Abids (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in 3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Meridian Construction Co.,
5-8-812, Abids,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Abdul Khader Zirapuri,
Flat No. 502, in Meridian apartments,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A flat No. 502, in Meridian apartments, Abids, Hyderabad, area 384 s.ft. registered by the SRO, Hyderabad, vide Document No. 1554/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 7-11-1985
Sd/ :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th November 1985

Ref. No. RAC No. 477/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat situated at King Koti, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Hyderabad on 3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s A. J. Build:
rep : by Sri Aziz Ahmed, partner,
5-9-31 Bashir Bagh,
(Transferor)
- (2) Mr. Ahmed Abdullah Salim Soban,
5-9-31 Bashir Bagh, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 132 in the premises of H. No. 3-5-121/E/G, King Koti, Hyderabad, area 1100 s. ft. registered by the SRO, Hyderabad vide document No. 1671/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Progressive Builders,
3-6-309, Bashir bagh,
Hyderabad.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri K. S. Srinivasa Murthy & 2 others,
131, Sunflower apartments,
Bombay.

(Transferee)

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)**

Objections, if any, to be acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Hyderabad (A.P.), the 7th November 1985

(a) by any of the aforesaid persons within period of
45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

Ref. No. RAC. No. 478/85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat situated at Bashirbagh, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Chikkadpally in 3/1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1952 (27 of 1957).

Flat No. 54 in Block-B in H. No. 3-6-309, Bashir bagh,
Hyderabad, registered by the SRO, Chikkadpally, vide Docu-
ment No. 384/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-
said property by the issue of this notice under sub-section (1)
of Section 269D of the said Act to the following persons,
namely :—

Date : 7-11-1985.
Seal :

FORM IT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th November 1985

Ref. No. RAC. No. 479/85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat situated at JB Air cooled apartments, Domalguda
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Hyderabad on 3/1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been duly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely:—

2. Ch. J. Prabhakar Rao &
2. Ch. Satyanara Rao S/o
Shri Narasing Rao, R/o
H. No. 10-3-317/28,
Vijaynagar Colony, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. O. Aruna W/o
Sri Ashok Raj, R/o
1-1-774, New Bakaram,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2 in H. No. 1-2-282 at Domalguda, Hyderabad
registered by the SRO, Hyderabad, vide Document
No. 1545/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 7-11-1985.
Seal :

FORM IT.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 8th November 1985

Ref. No. RAC. No. 481/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and being a House situated at Himayat Nagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer Chikkadpally in 3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the said instrument of transfer of the said property exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration stated in the said instrument of transfer has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

85—366GI/85

- (1) Smt. E. Sulochana Devi W/o
Shri Ranga Reddy, R/o
H. No. 3-6-145/5, Himayat Nagar,
Hyderabad

(Transferor)

- (2) 1. Mr. S. Murali Krishna,
2. Mr. C. Muddu Krishna,
H. No. 3-6-145/5, Sultan Bazar,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the date of issue of the notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3-6-145/5 at Himayat Nagar, Hyderabad, area of land 244.84 sq. yards registered by the SRO, Chikkadpally, vide Document No. 360/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date 8-11-1985.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 8th November 1985

Ref. No. RAC. No. 482/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House situated at West Marredpally, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Marredpally in 4/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating to reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri S. A. Gaffar S/o
late Syed Ibrahim,
2. Sri S. A. Sattar S/o
late Syed Ibrahim,
H. No. 10-2-415/416, West Marredpally,
Secunderabad. (Transferor)
- (2) 1. Sri Mohd. Moizuddin S/o
Mohd. Hamzuddin,
2. Mrs. Fatimunnisa Ibrahim W/o
Mohd. Moizuddin, R/o
H. No. 10-2-415/416, West Marredpally,
Secunderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 10-2-415/416, West Marredpally, Secunderabad, area of land 745.28 s. yds. registered by the SRO, Marredpally, vide Document No. 1228/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 8-11-1985.
Seal :

FORM TINS— — —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th November 1985

Ref. No. RAC. No. 483/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Building situated at Ramaraopet, Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada in 3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument to transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Penumatotha Ramakrishnam Raju & other S/o Sri P. V. Laxmi Narasimha Raju, R/o Gandhi nagaram, Kakinada. (Transferor)
- (2) Sri Gaddaraju Satyanarayanaraju & others S/o Sri Latchiraju, R/o D. No. 7-5 of 4/1, Ramaraopet, Kakinada. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 7-5 of 4/1, Ramaraopet, Kakinada area 1305 s. yds., registered by the SRO, Kakinada vide Document No. 3450/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 7-11-1985.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th November 1985

Ref. No. RAC. No. 484/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. House situated at 7-Ward, Rajahmundry (and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajahmundry in 3/1985

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely :—

(1) Smt. Bilkis Iqbal W/o
Mir Iqbal Ali, Advocate, R/o
Pakasa nagar,
Rajahmundry.

(Transferor)

(2) Smt. Daldar Begum W/o
late Mir Iqbal Ali, R/o
Main Road,
ELURU, WG Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing No. 11-1-1 at Shahmetta, near : Godavari river, Rajahmundry, area 617 s. yds., registered by the SRO, Rajahmundry vide Document No. 2105/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 7-11-1985.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th November 1985

(1) Sri Potty Devendra Chandra sekhar Rao S/o
Sri Chandava Sukishna Rao & his sons, R/o
Brahmana veedhi,
Vijayawada-1 Town, Vijayawada. (Transferor)

(2) Smt. Kurapati Subhashini W/o
Sri Rama mohan Rao, R/o
Velagaleti vari Street,
Kothapet, Vijayawada-1 town,
Vijayawada. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

House No. 11-51-29, at Pottyswamy Street, Vijayawada,
area 227 sq. yards, registered by the SRO, Vijayawada vide
Document No. 1340/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

- (1) 1. Sri J. Jagadeeshwaraih R/o
117, West Marredpally,
Secunderabad.
2. Sri J. Parthasarathy, R/o
1-8-50/G, Krishnanagar,
Secunderabad.

(Transferor)

- (2) 1. Dr. Prabhakar Rumalla,
2. Smt. Vilasini Rumalla, R/o
3. Ocala,
Florida, U.S.A.,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Hyderabad (A.P.), the 8th November 1985

Ref. No. RAC. No. 486/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House situated at Domalguda, Bashir bagh, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkadpally in 3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

Annexie building which is a portion of building No. 3-6-364, Bashirbagh, Domalguda, Hyderabad, area 366 s. yds., registered by the SRO, Chikkadpally, vide Document No. 338/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-11-1985.
Real :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 8th November 1985

Ref. No. RAC. No. 487/85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot situated at Bakaram vil., Hyderabad dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Chikkadpally in 3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri VLN. Madhusudan, R/o
401, Tahsaiman Chambers,
Prenderghast Road,
Secunderabad.

(Transferor)

(2) Transport Corporation of India Ltd.,
1-7-293, M. G. Road,
Secunderabad-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 134A, 134B comprised in Sy. No. 117, 118, 130, 131 & 138 admeasuring 450 s. yds., at Bakaram village, Hyderabad dist., registered by the SRO, Chikkadpally vide Document No 306/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 8-11-1985.
Sd/-

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 8th November 1985

Ref. No. RAC. No. 488/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House situated at Kavadiguda, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Chikkadpally in 3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- | | |
|--|--------------|
| (1) Mr. B. V. Acharya S/o late B. G. Acharya, Bank Officer, Jaya nagar, Bangalore. | (Transferor) |
| (2) Mrs. Swarnalata W/o Dr. B. Narayana Reddy, TUJALPUR, Nizamabad Dist. | (Transferee) |

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1-3-183/48/2, Kavadiguda, Hyderabad, area 286 s. yds., registered by the SRO, Chikkadpally, vide Document No. 319/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 8-11-1985.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 8th November 1985

Ref. No. RAC. No. 489/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No. House situated at Lower Tank Bund, Domalguda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in 3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

86—366GI/85

(1) Sri Krishan Dev Sharma S/o late Amarchand Sharma, R/o 10-3-3/11, East Marredpally, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Dr. Syed Ismail Azam S/o Syed Ibrahim, R/o 11-1-629, Agapura, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Western side portion of H. No. 1-2-597/20, Lower Tank Bund, Domalguda, Hyderabad, registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 1467/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 8-11-1985,
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)**

Hyderabad (A.P.), the 7th November 1985

Ref. No. RAC. 490/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat situated at Domalguda, Hyderabad Hyderabad in 3/1985 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Hyderabad in 3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Jagjeevan Enterprises,
through its partner
Mr. Gurdeep Singh Wasu, R/o
1-2-593/52, Domalguda,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. P. Samyogita W/o
Shri P. Gopala Krishna,
1-8-466, Chikkadpally,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1 in the premises of H. No. 1-2-593/52, Domalguda, Hyderabad, area 64.95 s. mtrs., registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 1836/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 7-11-1985.
Seal :

FORM ITNS----

(1) Shri Nirmaljeet Singh Gandhi (N. S. Gandhi),
S/o Shri Kartar Singh, 14 Kailash Nagar, Model
Town, Ambala City.

(Transferor)

(2) Shri Krishan Kumar, S/o Shri Kundan Lal Batra,
R/o 225 Model Town, Ambala City.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 1st November 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./AMB/155/84-85.—Whereas, I,
B. L. KHATRI,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. House No. 14, situated at Kailash Nagar, Model Town,
Ambala City
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the Office of the Registering Office at
Ambala under Registration No. 8323 of Income-tax Rules,
1962 dated 6-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957);

The property being house No. 14, Kailash Nagar, Model
Town, Ambala City and as more mentioned in the sale deed
registered at Sr. No. 8323 dated 6-3-85 with the Sub Regis-
trar, Ambala.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM ITNE-

- (1) S/Sh Ram Kishan (2) Labh Singh (3) Ram Chander Ss/o Sh Chandga Ram (4) Sh Raghbir (5) Sh Bharta (6) Sh Arjan ss/o Sh Foja (7) Sh Ram Diya s/o Moonga all resident of vill Siwah Teh. Panipat

(Transferor)

- (2) Uttam Spinners Pvt Ltd, 77C/10A, Mukesh Nagar, Circular Road, Sahadara, Delhi-32 through Director Sh Raghunandan Sarup adopted son of Lala Ram Sarup r/o 785 Ward No 11, Panipat

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 1st November 1985

Ref No 1 A C /Acq /PNP/134/84-85 —Whereas, I J L KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No being land measuring 14 kanals 8 marlas situated at village Siwah Teh Panipat (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Panipat under Registration No 6173 of Income-tax Rules, 1962 dated 18-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property being land measuring 14 kanals 8 marlas situated at village Siwah Teh Panipat and as more mentioned in sale deed registered at Sr No. 6173 dated 18-3-85 with the Sub Registrar, Panipat

B L KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 1-11-85
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 1st November 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./FBD/38/84-85.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 5-A measuring 1000 sq. yds. situated at Sector 10, Block-D, Faridabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Faridabad under Registration No. 5245 on 20-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Pardeep Singh, S/o S. Tarlok Singh, R/o 110, Sunder Nagar, New Delhi. (Transferor)
(2) M/s. Rajasthan Association (Reg.) 1-E-20-B, New Township, Faridabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plot No. 5-A measuring 1000 sq. yds. situated in Sector 10, Block-D, Faridabad and as more mentioned in sale deed registered at Sr. No. 5245 dated 20-3-85 with the Sub Registrar, Faridabad.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sh Harnek Singh, S/o Sh Meeha Singh, R/o XIII/1493 Urban Estate, Karnal

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1 Sham Sunder
2 Satish Kumar,
3 Krishan Kumar, Ss/o Sh Ram Lal, r/o H, No 622, Jundla Gate, Karnal

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 1st November 1985

Ref No I.A.C./Acq./KNL/180/84 85 —Whereas, I, B L KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No H No XIII/1943 situated at Urban Estate Karnal (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Karnal under Registration No 8295 of Income-tax Rules, 1962 dated 14-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being house No XIII/1493 Urban Estate, Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at Sr No 8295 dated 14-3-1985 with the Sub Registrar, Karnal.

B L KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 1 11 1985
Seal :

FORM ITN**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) Smt. Santosh Devi, W/o Sh. Arjan Dass,
Smt. Kaushala Devi, W/o Sh. Ram Niwas,
R/o. Vill. Adampur Teh. & Distt. Hissar.
(Transferor)
- (2) M/s. Niraj Jindal Ispat Udyog Pvt. Ltd.,
13 K.M. Delhi Road, Hissar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, ROHTAK**

Rohtak, the 24th October 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./HSR/107/84-85.—Whereas, 1, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 11 kanals 18 marlas situated at village Satroad Kalan Teh. & Distt. Hissar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Hissar under Registration No. 5805 of Income-tax Rules, 1962 dated 8-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Property being land measuring 11 kanals 18 marlas situated at village Satroad Kalan Teh. & Distt. Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 5805 dated 8-3-85 with the Sub Registrar, Hissar.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 24-10-85
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) 1. Smt. Kaushala Devi, W/o Sh. Ram Niwas,
2. Smt. Santosh Devi, W/o Sh. Arjan Dass R/o
Mandi Adampur Teh. & Distt. Hissar.
(Transferor)
- (2) M/s. Niraj Jindal Ispat Udyog Pvt. Ltd.,
13th K. M. Delhi Road, Hissar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 25th October 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./HSR/109/84-85.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 8 kanals 16 marlas situated at village Satroad Kalan Teh. & Distt. Hissar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Hissar under Registration No. 5807 of Income-tax Rules, 1962 dated 8-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property being land measuring 8 kanals 16 marlas situated at village Satroad Kalan Teh. & Distt. Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 5807 dated 8-3-1985 with the Sub Registrar, Hissar.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-10-85
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 1st November 1985

Ref. No. I.A.C./Acq/SPT/124/84-85—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Industrial Plot measuring 1761-3 sq. yds. situated at Industrial Area, Sonapat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registrar, Sonapat, at Sonapat under Registration No. 5092 of Income-tax Rules, 1962 dated 6-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) 1. M/s. Ornegi Chemical Industries, Sonapat through Shanta Kapoor, W/o Sh. Bhim Sain, R/o H. No. 2/6 Model Town.
2. Sh. Aran Kumar Kapoor, S/o Sh. Bhim Sain Kapoor R/o H. No. H 5/1, Model Town, Delhi.

(Transferor)

- (2) Sh. Ramesh Chawla (2) Suresh Kumar (3) Sh. Ashok Kumar, Ss/o Shri Dev Raj, R/o A/2, Inderpuri, Sonapat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Industrial Plot measuring 1761-3 sq. yds. situated at Industrial Area, Sonapat and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 5092 dated 6-3-85 with the Sub Registrar, Sonapat.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

87—366GI/85

Date : 1-11-85
Seal :

FORM 11N- - - -

1) Sh. Teka, S/o Sh. Jog Raj, S/o Maya Chand, r/o
Mayar Teh & Distt. Hissar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shiv Ram Jindal & Sons (HUF), r/o Jindal Niwas,
Delhi Road, Hissar through Sh. Rati Ram Sharma
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 24th October 1985

Ref. No. I.A.C./Acq/HSR/114/84-85.—Whereas, I,
B. L. KHATRI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No land measuring 51 kanals 15 marlas situated at village
Mayar Teh & Distt. Hissar
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Hissar under Registration No. 6124 of Income-tax Rules,
1962 dated 20-3-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afo-
resaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been fully stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official GazetteEXPLANATION --The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Property being a land measuring 51 kanals 15 marlas situ-
ated at village Mayar Teh & Distt. Hissar and as more men-
tioned in the sale deed registered at Sr. No. 6124 dated
20-3-1985 with the Sub Registrar, HissarB. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak,Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons namely :—Date : 24-10-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) S/Shri Naun Rame (2) Arjan Dass (3) Sajjan Kumar (4) Ram Nawas/o Sh Laksh Ram R/o Mandi Adampur, Teh Distt Hissar (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Naraj Jindal Ispat Udyog Pvt Ltd 13th K M Doh Road, Hissar (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 25th October 1985

Ref No I A C /Acq /HSR/106/84 85 —Whereas, I, B L KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No land measuring 13 kanals situated at village Satroad Kalan Teh & Distt Hissar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar under Registration No 5804 of Income-tax Rules, 1962 dated 8-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property being land measuring 13 kanals situated at village Satroad Kalan Teh & Distt Hissar and as more mentioned in the sub deed registered at Sr No 5804 dated 8-3-1985 with the Sub Registrar, Hissar

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B L KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Date 25-10-1985
Seal

FORM ITNS—

- (1) Sh. Sukhinder Singh, S/o Sh. Raghbir Singh, R/o Sector IV, Urban Estate, Karnal. (Transferor)
- (2) S/Sh. Meol Singh (2) Sultan Singh, Ss/o Kishan Dayal (3) Smt. Rajan Devo, W/o Late Shri Karam Singh, R/o Kalandri Gate, Karnal. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 30th October 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./KNL/182/84-85.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 2 bisghas 7 biswas situated at Karnal (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal under Registration No. 8352 of Income-tax Rules, 1962 dated 18-3-85, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 2 b'ghas 7 biswas situated at Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 8352 dated 18-3-1985 with the Sub Registrar, Karnal.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 30-10-1985
Seal :

FORM IINS—

(1) Smt. Bimla Devi, W/o Sh. Kidar Nath, S/o Lala Kundan Lal, R/o Sirsa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(i) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Ram N.was, S/o Kundan Lal, S/o Lal Harnarayan Dass, (ii) Smt. Lila Devi, W/o Sh. Ved Parkash, So Lala Kundan Lal, R/o Sirsa.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 4th November 1985

Ref. No. I.A.C./Acq/SRS/5/84-85.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. Industrial Plot No. IV situated at Industrial Area IV, New Mandi, Sirsa (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirsa under Registration No. 5512 of Income-tax Rules, 1962 dated 28-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION - The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plot measuring 5000 sq. yds, situated at Industrial Area, IV, New Mandi and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 5512 dated 28-3-85 with the Sub Registrar, Sirsa.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under, sub-section (i) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-11-1985
Sd/- :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 30th October 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/702/84-85.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 50,000/- and bearing No. land measuring 7 bighas 10 biswas pukhta situated at village Nathupur Distt. Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 8130 of Income-tax Rules, 1962 dated 21-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sa. Khacheru, S/o Sh. Chet Ram
2. Daurino, D/o Sn. Nathe Ram
3. Jagta, S/o Sn. Nathe Ram
4. Sn. Hari Singh, S/o Sh. Nathe Ram
5. Sn. Amar Singh, S/o Sn. Nathe Ram
6. Ugania, D/o Sh. Nathe Ram
7. Suman, D/o Nathe Ram
8. Sh. Anant Ram, S/o Sh. Ram Lal
9. Smt. Gian Wati, D/o Sh. Ramji Lal
10. Sh. Fateh Singh, S/o Sh. Moti
11. Smt. Teji, Wd/o late Sh. Samay Singh
12. Smt. Anguri, D/o Samay Singh
13. Smt. Prem Wati, D/o Samay Singh
14. Rikkhan, S/o Bulla
15. Sh. Shiy Charan, S/o Bulla
16. Sh. Atra, S/o Sh. Bulla. All residents of Vill. Nathupur Teh. & Distt. Gurgaon. (Transferor)

- (2) M/s. DLF Universal Ltd.,
21-22, Narindra Place,
Parliament Street, New Delhi. (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 7 bighas 10 biswas pukhta situated at village Nathupur Distt. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 8130 dated 21-3-1985 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 30-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 25th October 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./HSR/112/84-85.—Whereas, I,
B. L. KHATRI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'Said Act') have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. land measuring 64 kanals situated at Village Satroad
Kalan Teh. & Distt. Hissar
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Hissar under Registration No. 5919 of Income-tax Rules,
1962 dated 13-3-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
is more than the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Bhoola, Wd/o Sh. Ami Lal, S/o Khubi,
2. Sh. Ja Singh, S/o Sh. Ami Lal, S/o Sh. Khubi
3. Smt. Parbat Wd/o Sh. Hari Lal S/o Sh. Khubi
4. Smt. Parkashi, Wd/o Sh. Devi Ram, S/o Har
Lal
(v) Sh. Ram Phal, S/o Sh. Devi Ram, S/o Har
Lal
6. Smt. Ram Ratti, D/o Sh. Devi Ram, S/o Har Lal
All residents of village Satroad Kalan Teh. &
Distt. Hissar,
(Transferor)
- (2) Sh. Ram Jindal & Sons, Jindal House, (Jindal
Niwas), Model Town, Hissar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 64 kanals situated at v1-
Satroad Kalan Teh. & Distt. Hissar and as more men-
tioned in the sale deed registered at S. No. 5919 dated
13-3-85 with the Sub Registrar, Hissar.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

25-10-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 24th October 1985

Ref.No. I.A.C./Acq./HSR/108/84-85.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 12 kanals situated at Vill. Satroad Kalan Teh. Hissar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Hissar under Registration No. 5806 of Income-tax Rules, 1962 dated 8-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Bhagwanti, W/o Sh. Naun Rame, Smt. Kanta Devi, W/o Sh. Sajjan Kumar, R/o Mandi Adam-pur Teh. & Distt. Hissar.
(Transferor)

(2) M/s. Niraj Jindal Ispat Udyog Pvt. L'd., 13th K. M. Delhi Road, Hissar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property being land measuring 12 kanals situated at village Satroad Kalan Teh. & Distt. Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 5806 dated 8-3-85 with the Sub Registrar, Hissar.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 24-10-85
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 25th October 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./HSR/110/84-85.—

Whereas I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 8 kanals situated at village Satroad Kalan Teh. & Distt. Hissar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar under Registration No. 5803 of Income-tax Rules, 1962 Hissar on 8-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

88—366GI/85

- (1) Smt. Kanta Devi W/o. Sh. Sajjan Kumar,
Smt. Bhagwanti Devi w/o. Sh. Naun Rame,
1/o. Mandi Adampur, Teh. Hissar.
(Transferor)
- (2) M/s. Niraj Jindal Ispat Udyog Pvt. Ltd.,
13th. K. M. Delhi Road, Hissar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 8 kanals situated at Satroad Kalan Teh. & Distt. Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at Sr No 5808 dated 8-3-85 with the Sub Registrar, Hissar.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 25-10-1985
Seal :

FORM ITNS —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 30th October 1985

Ref. No. I A C /Acq /KNL/175/84 85.—
Whereas I, B L KHATRI,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs 1,00,000/- and bearing No
land measuring 37 kanal 7 marlas situated at village Kalwa
Heri Teh & Distt Karnal
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the Office of the Registering Officer at
Karnal under Registration No 8099 of Income tax Rules,
1962
Karnal on 2-3 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-
ween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) Sh Parbh Dayal Singh s/o Sh Paiduman Singh,
r/o Kothi No 530 L, Model Town Karnal
(Mukhtiar—am),
Smt Preet Pal Kaur (2) Amit Kaur,
(3) Rajinder Kaur, (4) Surinder Kaur
r/o 530 L, Model Town
Karnal
(Transferee)
- (1) Sh Om Parkash, (2) Sh Sumer Chand,
(3) Sh Shamshei Singh, sons of Sh Singh Ram,
(4) Smt Sunehari Devi w/o Sh Mewa Singh,
r/o Ashok Nursery Kunjpura Road,
Karnal
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 37 kanals 7 marlas situated
at village Kalwa Heri Teh & Distt Karnal and as more men-
tioned in the sale deed registered at Sl No 8099 dated 2-3 85
with the Sub Registrar, Hissar

B L KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 25-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
ROHTAK**

Rohtak, the 7th November 1985

Ref. No. L.A.C./Acq./AMB/165/84-85.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. AMC 1326 situated at Block IV Nadi Mohalla, Ambala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala under Registration No. 8893 dated 29-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Tara Chand,
S/o. Sh. Nidhan Singh,
Smt. Tarpt Jeet Kaur,
Wd/o. Sh. Sardar Singh,
R/o. House No. 4559/3, Ambala City.
(Transferor)
- (2) 1. Sh. Harbans Lal,
2. Smt. Lachhman Devi widow of Sh. Ram Kishan,
R/o. Sahabad Markanda near Nirankari Bhawan
Distt. Kurukshetra.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (a) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. AMC 1326 Block IV, Nadi Mohalla, Ambala City and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 8893 dated 29-3-1985 with the Sub Registrar, Ambala.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Rohtak

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM ITNS

- (1) Sulekha S/o. Yusuf R/o. Khorl Jamalpur.
(Transferor)
- (2) Khorl Farm Landers Pvt. Ltd. through
Julekha Keinik, W/o. Umesh Karnik,
5-C, Friends Colony, Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE ROHTAK**

Rohtak, the 4th November 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./FBD/41/84 -85.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land measuring 34 kanals 4 marlas situated at Khojri Jamalpur Teh. & Distt. Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridabad under Registration No. 5376 dated 28-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 34 kanals 4 marlas situated at Khojri Jamalpur Teh. and Distt. Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 5376 dated 28-3-85 with the Sub Registrar, Faridabad.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range
Rohtak

Date : 4-11-1985
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
ROHTAK

Rohtak, the 4th November 1985

Ref. No. I.A.C./Acq/FBD/40/84-85—Whereas, I, **B. L. KHATRI**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing land 34 measuring kanals 4 marlas situated at Khori Jamalpur Teh & Distt. Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Faridabad under Registration No. 5377 dated 28-3-85, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Dalnor S/o. Sh. Yusuf R/o. Khori Jamalpur Teh. & Distt. Faridabad.
(Transferor)
- (2) Khori Farm Landers Pvt. Ltd. through, Jalkha Karnik, W/o. Sh. Umesh Karnik, R/o. 5-C, Friends Colony, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 34 kanals 4 marlas situated at Khori Jamalpur Teh & Distt. Faridabad and as more mentioned in sale deed registered at Sr. No. 5377 dated 28-3-85 with the Sub Registrar, Faridabad.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Rohtak

Date : 4-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
ROHTAK

Rohtak, the 6th November 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./PNP/132/84-85.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. T-7, measuring 884. 1/3 sq. yds. situated at Panipat (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat under Registration No. 6072 dated March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Jaikanwar Singh S/o. Sh. Raghubir Singh, R/o. 106/5, Panipat (2) Smt. Usha Rani Wd/o. Sh. Raj Kumar, R/o. 83-B, Wazir Chand Colony, Karnal. (Transferee)
- (2) M/s. Ahuja Textiles & Chemical Pvt. Ltd. Reg. office Plot No. 104 Sector 25, Faridabad through Sh. Sunder Mohan, S/o. Sh. Kundan Lal Ahuja, Plot No. T-7. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land No. T-7 measuring 884. 1/3 sq. yds. situated at Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 6072 dated March, 1985 with the Sub Registrar, Panipat.

B. L. KHATRI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Rohtak

Date : 6-11-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
ROHTAK

Rohtak, the 6th November 1985

Ref. No. IAC/Acq/PNP/135/84-85.—Whereas I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing land measuring 17 kanals 19 marlas situated at village Siwah Teh. Panipat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat under Registration No. 6220 dated 19-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent. of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Parkash S o Sh. Bakshi R o Siwah Teh.
Panipat

(Transferor)

(2) M s Bhagmal and Sons C/o Dwarka Dass
Mahajan,
R o. Anand Varsha Bhawan, Makbul Road,
Amritsar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 17 kanals 19 marlas situated at village Siwah Teh. Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at St. No. 6220 dated 19-3-85 with the Sub-Registrar, Panipat.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Rohtak

Date : 6-11-1985

Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
ROHTAK

Rohtak, the 5th November 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./PNP/130, 84-85.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 5 bigha 3 biswas situated at Taraf Insar, Panipat (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat under Registration No. 5952 dated 1-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Jagjeet Singh S/o. Sh. Kehar Singh,
R/o Dera Kala Singh, Taraf Insar, Panipat.
(Transferor)
- (2) M/s. S. K. Textiles, G.T. Road, Panipat through
1. Om Parkash S/o. Shri Muni Lal, 2. Rajinder
Garg, S/o. Sh. Abru Mal 3. Sh. Ram Richhpal,
S/o. Sh. Sham Lal 4. Sh. Suresh Garg S/o Sh. Om
Parkash 5. Sh. Ram Karan S/o. Sham Lal.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 5 bigha 3 biswas situated at Taraf Insar, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 5952 dated 1-3-1985 with the Sub Registrar, Panipat.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Rohtak

Date : 5-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
ROHTAK

Rohtak, the 13th November 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./PNP 136/84-85.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 17 kanals 1 marla situated at Village Mohali (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat under Registration No. 6233 dated 20-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

89—366GI/85

(1) Sh. Krishan Kumar S/o. Sh. Hukam Chand,
R/o. Subhash Spare Parts, Neta Ji Subhash Chan-
der Marg, Daryaganj, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Swita Nagru W/o Sh. Ashok Kumar
R/o. 87-L, Model Town, Panipat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property being land measuring 17 kanals 1 marla situated at village Mohali as more mentioned in the 6233 dated 20-3-85 with the Sub Registrar, Panipat.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Rohtak

Date : 13-11-1985

Seal ;

FORM ITNS

(1) Sh. Zile Singh So. Sh. Chiranjil Lal Bahadurgarh.
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s. Patel Acquire India Pvt. Ltd. E-D/19.
Tagore Garden, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
ROHTAK

Rohtak, the 8th November 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./BDR/8/84-85.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act") have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 12 kanals 3 marlas situated at village Sarai Orangabad Teh. Bahadurgarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bahadurgarh under Registration No. 3457 dated 2-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 12 kanals 3 marlas situated at Sarai Orangabad Teh. Bahadurgarh and as more mentioned in sale deed registered at Sr. No. 3457 dated 2-3-85 with the Sub Registrar, Bahadurgarh.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Rohtak

Date : 8-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
ROHTAK

Rohtak, the 8th November 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/706, 84-85.—Whereas, I,
B. L. KHATRI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
house at plot No. 580/14 situated at Gurgaon
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Gurgaon under Registration No. 8229 dated 27-3-85
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by the more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

(1) Smt. Veena Jain,
W/o. Sh. Parmod Kumar Jain,
R/o. 106 Hause Khas Enclave, New Delhi.
(Transferor)

(2) Sh. Kanwal Raj Sadhana,
S/o. Sh. Hem Raj,
R/o. 23 Moti Nagar, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house situated on plot No. 580/14, Gur-
gaon and as more mentioned in the sale deed registered
at S. 8229 dated 27-3-85 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Rohtak

Date : 8-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
ROHTAK

Rohtak, the 6th November 1985

Ref No IAC/Acq/AMB/162/84-85.—Whereas, I, B L KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing land measuring 2 kanals 8 marlas situated at village Dhoolkot Teh & Distt Ambala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ambala under Registration No 8799 dated 26-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Karnail Singh,
S/o Sh Basta Singh,
S/o. Sh Ram Singh,
R/o Kalka Road, Baldev Nagar,
Ambala City

(Transferee)

- (2) S/Shri Raj Kumar Jain (ii) Manoj Kumar Jain
sons (iii) Shashi Jain daughter of Sh Nekk Chand
Jain S/o Sh. Telu Ram R/o Jain Bazar, Navalty
General Store, Ambala City

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 2 kanals 8 marlas situated at village Dhoolkot Teh & Distt Ambala and as more mentioned in the sale deed registered at Sr No 8799 dated 26-3-85 with the Sub Registrar, Ambala

B L KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Rohtak

Date : 6-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
ROHTAK

Rohtak, the 7th November 1985

Rel No IAC/Acq/FTB 16/84-85—Whereas, I,
B L KHATRI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs 1,00,000 - and bearing No
land measuring 7 kanals 4 marlas situated at Basti Bhiwan
Teh Fatehabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Fatehabad under Registration No 3705 dated 25-3-85
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons namely :—

(1) Sh Manohar Lal,
S/o Sh Rama Nand,
S/o Sh Himta Ram,
R/o Basti Bhiwan Teh. Fatehabad.

(Transferee)

(2) The Fatehabad Adarsh Nagar Co-Operative House
Building Society Ltd., Fatehabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter

THE SCHEDULE

Property being land measuring 7 kanals 4 marlas situated
at Basti Bhiwan Teh Fatehabad and as more mentioned in
the sale deed registered at Sl No 3705 dated 25-3-85 with
the Sub-Registrar, Fatehabad.

B L KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Rohtak

Date 7-11-1985
Seal

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
ROHTAK

Rohtak, the 5th November 1985

Ref No IAC/Acq/HSR/105/84-85 — Whereas, I,
B L KHATRI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the said Act), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs 1,00,000/- and bearing No
land measuring 18-kanals 15 marlas situated at Hissar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Hissar under Registration No 5688 dated 1-3-85
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen percent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269C of the said Act, to the follow-
ing persons, namely:—

- (1) Sh Maru Ram, S/o Sh Jodha,
S/o Kushla, Kumbhal by caste,
1/0 vill Gangwa Teh & Distt Hissar (Transferor)
- (2) The Tarni Cooperative House Building Society
Ltd, Hissar through Dr R K, Chaudhary
President of the Society. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meanings as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 18 kanals 15 marlas
situated at Hissar and as more mentioned in the sale deed
registered at Sr No 5688 dated 1-3-85 with the sub Registrar
Hissar

B L KHATRI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range
Rohtak

Date 5-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 7th November 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./FTD/20/84-85.—Whereas I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing land measuring 15 kanals 4 marlas situated at Basti Bhiwa Teh. Fatehabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Fatehabad under Registration No. 3709 of Income-tax Rules, 1962 dated 25-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

*Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Narayan Devi
wd/o late Sh. Karam Chand
s/o Sh. Hari Chand
v/c Basti Bhiwa Teh. & Distt. Fatehabad.
(Transferor)

- (2) The Fatehabad Adarsh Nagar Co-Operative House Building Society Ltd., Fatehabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 15 kanals 4 marlas situated at Basti Bhiwan Teh. Fatehabad and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 3709 dated 25-3-85 with the Sub Registrar, Fatehabad.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sh. Gobind Rai s/o Sh. Rama Nand
s/o Sh. Himta Ram

(Transferor)

(2) The Fatehabad Adarsh Nagar Co-Operative House
Building Society Ltd., Fatehabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 7th November 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./FTB/18/84-85.—Whereas I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 8 kanals situated at Basti Bhiwan Teh. Fatehabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Registering Officer at Fatehabad under Registration No. 3707 of Income-tax Rules, 1962 dated 25-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

r/o Fatehabad Teh. Fatehabad.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 8 kanals situated at Basti Bhiwan Teh. Fatehabad and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 3707 dated 25-3-85 with the Sub Registrar, Fatehabad.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 11th November 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/710/84-85.—Whereas I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 32 kanals 14 marlas situated at village Sihi Teh. & Distt Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 45 of Income-tax Rules, 1962 dated 29-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

90—366GI/85

- (1) Sh. Nirmal Dass s/o Sh. Daulat Ram
S/o Sh. Tirlok Chand,
r/o 2H. BP-79, N.I.T., Faridabad. (Transferor)
- (2) (1) Dr. R. L. Sangli, S/o Shri Ude Chand Sanghi
(2) Dr. Smt. R. Sangi w/o Dr. R. L. Sangi
(3) Sh. Sandeep Sangi s/o Dr. R. L. Sangi
r/o C-26, Green Park Extension, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 32 kanals 14 marlas situated at village Sihi and as more mentioned in sale deed registered at Sr. No. 45 dated 29-3-85 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 11-11-1985
Seal :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 7th November 1985

Ref. No. I.A.C./Acq.FTB./17/84-85.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 8 kanals situated at Basti Bhiwa Teh. Fatehabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Fatehabad under Registration No. 3706 of Income-tax Rules, 1962 dated 25-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely—

- (1) Sh. Kanwal Nain s/o Sh. Rama Nand
s/o Himta Ram
r/o Fatehabad Distt. Hissar.
(Transferor)
- (2) The Fatehabad Adarsh Nagar Co-Operative
House Building Society Ltd.,
Fatehabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property being land measuring 8 kanals situated at Basti Bhiwa Teh. Fatehabad and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 3706 dated 25-3-85 with the Sub-Registrar, Fatehabad.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM NO. IT.N.S.—

(1) Kumari Neena d o Sh Deewan Chand
s/o Sh. Karam Chand
r/o Basti Bhuwan Teh. Fatehabad.

(Transferor)

(2) The Fatehabad Adarsh Nagar Co-operative House
Building Society Ltd., Fatehabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 7th November 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. I.A.C./Acq./FTB/19/84-85.—Whereas I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 14 kanals 2 marlas situated at Basti Bhiwa Teh. Fatehabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Fatehabad under Registration No. 3708 of Income-tax Rules, 1962 dated 25-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being land measuring 14 kanals 2 marlas situated at Basti Bhuwan Teh. Fatehabad and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 3708 dated 25-3-85 with the Sub Registrar, Fatehabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following-forementioned property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following-forementioned persons, namely

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 8th November 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./HSR/111/84-85.—Whereas I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 15 kanals 18 marlas situated at Hissar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hissar under Registration No. 5912 of Income-tax Rules, 1962 dated 13-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Dr. P. D. Girdhar, S/o Shri Uttam Chand,
President Orphanes Association &
Ball Sewa Ashram, Bhiwani.
(Transferor)
- (2) Shri Hari Singh Yadav, Advocate
s/o Shri Roop Ram Yadav,
r/o Padav Gujran, Hissar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 15 kanals 18 marlas situated at Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 5912 dated 13-3-85 with the Sub Registrar, Hissar.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 8-11-85
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 5th November 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./SHD/30/84-85.—Whereas I,
B. L. KHATRI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing No.
Shop No. 6 situated at Partap Mandi, Shahabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of
the Registering office at
Shahabad under Registration No. 1274 of Income-tax Rules,
1962 dated 14-3-85
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Sh. Sohan Singh s/o Shri Ram Kishan
R/o Shahabad Teh. Thaneshar. (Transferor)
- (2) Sh. Sushil Kumar and Sh. Raj Kumar
S/o Sh. Ram Kishan,
R/o Shahabad Teh. Thaneshar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

Property being shop No. 6 situated at Partap Mandi,
Shahabad and as more mentioned in the sale deed registered
at Sr. No. 1274 dated 14-3-85 with the Sub Registrar,
Shahabad.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 5-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 8th November 1985

Ref. No. I.A.C./Acq/GRG/636/84-85.—Whereas I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 223 situated at Sector 4, Urban Estate, Gurgaon and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 8622 of Income-tax Rules, 1962 dated 14-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Sh. Kishori Lal s/o Sh. Mani Ram Sharma
r/o 223/4 Urban Estate, Gurgaon. (Transferor)
- (2) Warant Olicer Virender Singh Yadav and
Kumari Veena Yadav c/o Virender Singh Yadav
H. No. 223/IV, Urban Estate, Gurgaon. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 223 Sector 4, Urban Estate, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 8622 dated 14-3-85 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 8-11-85
Seal :

FORM ITNS—

SCHEDULE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 11th November 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./KNI/181/84-85.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. House No. XVIII/557 situated at Wazir Chand Colony, Karnal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Karnal under Registration No. 8351 of Income-tax Rules, 1962 dated 18-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. J. Swant Singh, Sh. Gurnam Singh sons, Smt. Amar Kaur widow and Smt. Harbhagwan Kaur, D/o late Sh. Dalip Singh, r/o Barhia Teh. Bichha Distt. Nanital (U.P.).
(Transferor)
- (2) S/Sh. Vinod Kumar Ashok, Paimod Kapoor sons of Sh. Bishan Sarup, Dharam Paul Gupta s/o Sh. Bhag Mal and Sh. Kailash Chand s/o Sh. Rati Ram r/o H. No. XVIII/557 Wazir Chand Colony, Karnal.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. XVIII/557 Wazir Chand Colony, Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 8351 dated 18-3-85 with the Sub Registrar, Karnal.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 11-11-1985
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 14th November 1985

Ref. No. I.A.C./Acq/RWR/16/84-85.—Whereas I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. E.P. 710 situated at Railway Road, Rewari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Competent Authority at Rewari under Registration No. 3377 of Income-tax Rules, 1962 dated 19-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been duly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sh. Parbhu Dayal
2. Sh. Om Parkash s/o
Sh. Howan Dass s/o Lala Udeybhau
r/o Mohalla Nai Basti, Rewari. (Transferor)
- (2) Sh. Mohinder Kumar s/o Sh. Hari Chand
s/o Lala Bana Ram Nagpal (Dr. Dentist)
Railway Road, Rewari. (Transferee)
- (3) Sh. Surjeet Singh etc. 1/h of late Sh. Sardara Singh
s/o Sh. Jawala Singh
r/o H. No. E.P. 710, Railway Road, Rewari.
(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. E.P. 710 situated at Railway Road, Rewari and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 3377 dated 19-3-85 with the Sub Registrar, Rewari.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 14-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 14th November 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/716/84-85.—Whereas I,
B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 77/3 situated at Jaikampura, Old Subzi Mandi, Gurgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 8245 of Income-tax Rules, 1962 dated 28-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
91—366GI/85

- (1) Sh. Vasdev s/o Sh. Hari Chand
s/o Sh. Gabdumal
r/o Badshahpur Teh. & Distt. Gurgaon.
(Transferor)
- (2) Sh. Arun Kumar Goyal, S/o Sh. Ram Nath Goyal,
r/o H. No. 1453 Gali Chhipiyan, Maliwara Delhi.
(Transferee)
- (3) Sh. Bhagwat Parshad s/o late Sh. Din Dayal
r/o 77/3, Old Subzi Mandi, Gurgaon.
(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 77/3 situated at Jaikampura, Old Subzi Mandi, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 8245 dated 28-3-85 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, RohtakDate : 14-11-1985
Seal ;

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC Acq.III/SR-II/3-85/2547.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 3/239, Subhash Nagar situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Maya Devi
W/o Late Sh. Ram Singh,
3 239, Subhash Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Daler Kaur
W/o Late Sh. Ram Singh Chawla,
R/o W-24, Rejouri Garden,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storey property bearing property no. 3/239, Residential House, situated at Subhash Nagar, New Delhi. Area 100 sq. yds.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
Delhi New Delhi

Date : 5/11/1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 8th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/2548/3-85.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. D-1, Bhagwan Dass Nagar situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been Registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Satya Chaudhary
W/o Sh. Brahm Parkash,
C-7, Nizamuddin,
West Delhi.

(Transferor)

- (2) Sh. Subhash Chand
S/o Sh. Bansi Lal,
1889, Gali Behram Beg,
Lal Kuan,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. D-1, measuring 200 sq. yds. Bhagwan Dass Nagar, Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi, New Delhi

Date : 8/11/1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III 'SR-II/3-85, 2549.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. B-53 situated at Inderpuri, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been Registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or assets or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Narayan Dutt Sharma
S/o Sh. Jai Yogi Raj Pandit,
R/o A-179, Inderpuri,
New Delhi-12.

(Transferor)

(2) 1. Sh. Som Nath Kakkar
S/o Sh. Kalu Ram Kakkar and
2. Sh. Shyam Sunder Kakkar
S/o Sh. Ram Nath Kakkar,
Both residents of H. No. L-53, Inderpuri,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. B-53, measuring 300 sq. yds. situated at residential approved colony known as Inderpuri, New Delhi area of Village Naraina, Delhi Estate, Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date : 6 11/1985
Seal :

FORM NO. IT.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/2550/3-85.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing P. No. H/24, Shivaji Park, Madipur situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Sukhvinder Singh
S/o Sh. Didar Singh,
R/o 27/36, Punjabi Bagh,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Mrs. Pama Gupta
W/o Sh. Sh. Mahesh Gupta,
R/o 1-53, Karempura,
New Delhi.

(Transfe.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 portion of plot No. H-24 mg. 168 sq. yds. situated at Shivaji Park area of vill. Madipur Delhi State, Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date : 5/11/1985
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION, RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 8th November 1985

Ref. No. IAC 'Acq.III/SR-II/3-85/2551.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing Kh. No. 49, of Vill. Madan Pur, Dabas situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Sirilal
S/o Sh. Udmi,
R/o Vill. Madan Pur,
Vill. Dabas,
Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s. Adwai Steel & Metals (P) Ltd.,
Office No. 1, Adarash Mkt., H. Khan,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Built up on measuring 402, sq. Yard Kh. No. 49, of vill. Madan Pur, Dabas, Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date : 8/11/1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 8th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/3-85/2552.—Whereas, I, **SUNIL CHOPRA**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- Rs. 1,00,000/- and bearing Built upon land, Kh. No. 49, of Laldora of Vill. Madanpur Dabas, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Sh. Karan Singh,
Vill. Madanpur Dabas,
Delhi,

(Transferor)

(2) M/s Adwait Steel & Metal (P) Ltd.,
Office No. 1, Adarash Market,
New Delhi,
through Dir. B. S. Gupta,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Built upon land measuring 402, sq. yds. Kh. No. 49, of Laldora of vill. Madanpur, Dabas, Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date : 8/11/1985
Seal :

FORM ITNS—

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI**

New Delhi, the 8th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/3-85/2553.—Whereas, I, **SUNIL CHOPRA**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Kh. No. 49, of Iadora Vill. Madan Pur, Dabas situated at Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Sh. Kartar Singh
S/o Sh. Mange,
V.P.O. Madan Pur,
Dabas, Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Adwait Steel & Metal (P) Ltd.,
Office No. 1, Adarsh Mkt.,
Hauz Khaz, Delhi,
through Dir. B. S. Gupta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Built upon land measuring 402, sq. yds. Kh. No. 49, of Laldera Vill. Madanpur, Dabas, Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date : 8-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 8th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III SR-II/3-85/2554.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. 71/B, Kh. No. 479, Faten Nagar, Vill. Tehar situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been Registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

92—366GI/85

(1) Sh. Tarlochan Singh
S/o S. Kart Singh,
71-82, Fateh Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

(2) Sh. C. S. Vohra
S/o Sh. M. S. Vohra,
D-1 '89, Janak Puri,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Built up on Plot No. 71, in Block B, of area 266 2/3, sq yds. out of Khastia No. 479, situated in abadi of Fateh Nagar, area village Tehar, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date : 8/11/1985
Seal

FORM NO. 1 T.N.S. ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE COM-
PLETE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi the 5th November 1985

Ref. No. IAC Acq III/SR-II/3-85 2555 —Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Kh. No. 28/9, Village Nangli Poona situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, name/v. —

(1) Sh. Ved Parkash Gupta
S/o Late Sh. Bhagat Ram,
3792, Churi Walan,
Delhi-6,
At Present 8-C/II, Rajpur Road, Delhi.
(Transferor)

(2) Sh. Prem Prakash Sehgal
S/o Sh. Om Prakash Sehgal,
17/34, Shakti Nagar,
Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned : -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land measuring 4 Bigha 16 Biswas, out of Khasra No. 20/9, in the area and revenue estate of vill. Nangli Poona, Delhi.

SUNIL CHOPRA
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date : 5/11/1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4 14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1985

Ref. No. IAC Acq.III SR-II/2556/3-85—Whereas, I,
SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 100,000/- and bearing No C-107 Abadi of Inderpuri situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Krishan Kumar Grover
S/o Sh. Paimanand,
R/o 137, D/s New Rajinder Nagar,
New Delhi. (Transferor)
- (2) Miss. Suman Kumari
D/o Sh. Chintamani
R/o No 17 Nizamuddin East,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free hold plot No C-107, measuring 500 sq. yds. situated in the area of Village Naraina, in the abadi of Inderpuri, an approved Colony, New Delhi-12.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date 6 11/1985
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 8th November 1985

Ref. No. IAC Acq.III/SR-II/3-85 2557.—Whereas, 1, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing Kh. No. 49, in Ialdora of Vill. Madanpur Dabas situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sh. Lal Chand
S/o Sh. Jiwan,
Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Adwait Steel & Metal (P), Ltd.
Office No. 1, 1, Aadrsh Market,
Hauz Qazi,
Delhi,
through Director B. S. Gupta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Built upon approx. 402, sq. yds. part of Kh. No. 49, sit. in Ialdora of vill. Madanpur Dabas, Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date : 8/11 1985
Seal :

FORM FINS— — —

(1) Mohinder Singh
S/o Sh. Gian Singh,
J-9/17-I, Rajouri Garden,
New Delhi.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

(2) 1. Sh. Vijay Kumar
2. Sh. Rajesh Kumar
3. Sh. Arun Kumar
4. Sh. Rajinder Kumar
S/o Sh. Om Parkash,
J-9/17-I, Rajouri Garden,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acq III/SR-II/3-85/2558. —Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. J-9/17-I, measuring 320 sq. yds. situated at Village New Delhi in March, 1985 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. J-9/17-I, measuring 320 sq. yds. Village Tatarpur, Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269F of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 4/11/1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 8th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/3-85/2559.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. CL-6 situated at Block L, Kh. No. 880-881, Tehar Hari Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sarup Singh
S/o Shri Sham Singh
Shri Gurvinder Singh
S/o Shri Sohan Singh,
E-5, Raghbir Nagar,
Delhi.

(Transferee)

(2) Shri Inderjit Singh
S/o Shri Kulwant Singh,
Shri Harjit Singh
S/o Shri Ujjagar Singh,
Ganhati,

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. CL-6, measuring 641.66 sq. yards, Block L, Khastha No. 880-881, Tehar Hari Nagar, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Date: 8-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4-14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 8th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/3-85/2560.—Whereas, I,
SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
J-8 situated at Rajouri Garden, Village Tatarpur, Delhi State,
Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-
ween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D) of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Jagat Ram and
Shri Gobind Ram
Sons of Shri Sukbraj Mal
R/o J-8/124, Rajouri Garden,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Surinder Kaur
W/o Shri Raghbir Singh,
BA-225/2, Tagore Garden,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) facilitating the concealment of any income or any
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

House No. 124 measuring 168 sq. yards in Block J-8,
situated at Rajouri Garden area of Village Tatarpur, Delhi
State, Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Date: 8-11-1985
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/2651/3-85.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 10, Road No. 61, Punjabi Bagh, Delhi situated at Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1927 (9 of 1927).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Sushil Kalra
W/o Shri Malkhi Ram Kalra
Shri S. G. Kalra
S/o Shri Milkhi Ram Kalra,
Shri H. C. Kalra
S/o Shri Milkhi Ram Kalra,
R/o C/61, Punjabi Bagh,
Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Promila Gulati
W/o Shri S. K. Gulati
D-26, Naraina Vihar,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 552.78 sq. yards property No. 10, Road No. 61, Punjabi Bagh, Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date : 6-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI**

New Delhi, the 6th November 1985

Ref. No. IAC/ACQ.III/SR-II/3-85/2562.—Whereas, I, **SUNIL CHOPRA**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. J-5, situated at Rajouri Garden, Village Tatarpur, Delhi State, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March 1985 for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
93—366GI/85

(1) Shri Mohan Singh
S/o Shri Jasha Singh
R/o WZ-393, Chand Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Devki Nandan
S/o Shri Kedar Nath Kaura
R/o C-15, Krishna Park, Najafgarh Road,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One single storeyed house No. 16, in Block J-5, mg. 160 sq. yards situated at Rajouri Garden, area of Village Tatarpur, Delhi State, Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Date : 6-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/3-85/2563.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. B-132, Kh. No. 476, Fateh Nagar, Village Tehar situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jagjit Singh Saran
S/o Shri Har Bachan Singh
R/o 9/III, Lalbahadur Sadan, Gole Market,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Satya Pal Malhotra,
S/o Shri Shri Ram Malhotra,
R/o B-97, Fateh Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold Plot No. B-132, of 160 sq. yards out of Khasta No. 476, in Abadi of Fateh Nagar, area of Village Tehar, New Delhi (in Mohalla Guru Nanakpura) which is partly built.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Date: 5-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/2564/3-85.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. P. No. 45, Block K, Kh. No. 598, Fateh Nagar, situated at Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Vasu Dev Chhabra
S/o Shri Bal Kishan,
R/o 47/3, Tihar II, Ashok Nagar,
New Delhi.
(Transferor)

(2) Smt. Charanjit Kaur
W/o Charanjeet Singh
Mukarjee Park, Tilak Nagar,
New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House on free-hold plot No. 45, in Block-K, mg. 150 sq. yards, part of Khastia No. 598, situated at Fateh Nagar, area of Village Tihar Delhi State, Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Date: 5-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/3-85/2565.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing WZ-2082, Plot No. B-46 situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Brij Bhushan Bassi
S/o Shri Pyare Lal Bassi
R/o H. No. WZ-2082, Plot No. B-46,
Rani Bagh, Shakurbasti,
Delhi.

(Transferee)

(2) Smt. Shanti Devi Goyal
W/o Shri Murari Lal Goyal,
R/o H. No. 2104,
Shakurbasti, Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. WZ-2082, Plot No. B-46, Rani Bagh, Delhi.

SUNIL CHOPRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Date. 5-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 8th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/3-85/2566.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2, Road No. 85, Class-C, Punjabi Bagh, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Narain
2/85, Punjabi Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

(2) 1. Shri Ascharj Lal Arora,
2. Smt. Vimal Arora,
16/42, Punjabi Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION . — The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

P. No. 2, Road No. 85, Class-C, Punjabi Bagh Residential approved Colony, Madipur, Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Date: 8-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/3-85/1010.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. G-7/5, at Malviya Nagar situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Bhagwan Devi
W/o Late Shri Daulat Ram Sharma
R/o DDA Janta Flat No. 13/B,
Sheigh Sarai, New Delhi.

(Transferee)

(2) Smt. Sangeeta Kakkar
W/o Shri Rajinder Kumar &
Shri Rajinder Kumar Kakkar
S/o Shri K. K. Kakkar
R/o C-7/6, Malviya Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 45 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. G-7/6, measuring 126 sq. yards situated at Malviya Nagar, New Delhi

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Date : 6-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 8th November 1985

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-III/3-85/1912.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 37, Khasra No. 881, 761/1 Khatuni No. 360, Mg. 704 sq. yards, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Rajiv Chopra
S/o Shri Krishan Kumar Chopra
2. Shri Aman Chopra
S/o Shri Krishan Kumar Chopra
3. Smt. Ramni Chopra
W/o Shri Aman Chopra
4. Smt. Alka Chopra
W/o Shri Rajiv Chopra
New Delhi.

(Transferee)

- (2) 1. Shri Chhotey Lal Khandelwal
S/o Shri Jugal Kishore
2. Smt. Darka Devi
W/o Shri Chhotey Lal Khandelwal
R/o 12-11, WEA, Karol Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. 37, Khasra No. 881/761/1, Khatuni No. 368, Mg. 704 sq. yards, situated at Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 8-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/3-85/1014.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. H. No. 18/20, Kh. No. 793/767, Western Extension, Karol Bagh situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Jatinder Kumar and
Shri Ajit Kumar
S/o Shri Har Prakash,
R/o 18/20, W.E.A. Karol Bagh,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sikander Lal Pahwa Family Trusty,
A-8, Greater Kailash Enclave-II,
New Delhi,
Through its trustee
Shri S. L. Pahwa

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

2½ storeyed house No. 18/20, measuring 240 sq. yard
Khasra No. 793/767, situated Western Extension Area Karol Bagh, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 6-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 8th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/3-85/1016.—Whereas, I, **SUNIL CHOPRA**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding No. 10,0000 and bearing No. Rs. 1,00,000/- and bearing No. 16/268/269, 16/287-289, Block BD situated at Joshi Road, Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

94—366GI/85

- (1) Shri Ranjit Singh
S/o Late Shri Bhagat Singh
Smt. Swaran Kanta
W/o Shri Ranjit Singh,
Shri Ashok Kumar and
Shri Vinod Kumar
Sons of Shri Ranjit Singh
All residence of 6-7/1, Krishna Nagar
New Delhi,

(Transferor)

- (2) Ayinash Chander S/o Shri Ram Kishan Bajaj
6967, Pahargani,
New Delhi-65.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 16/268/269, 16/287-289 (old Number) bearing 16/328/329 (partly) 16/352-355 (part) (new) Khasra No 220/35, 36, 39, 221/35, 36, 39, 222/35, 36, 39, area about 404 sq. yards, Block BD situated in Joshi Road Karol Bagh, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Date: 8-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/3-85/1017.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Mpl. No. 7113, P. No. 30, Block-16-B Kh. No. 1563/15 situated at Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1968 (16 of 1968) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Pushpa Devi
W/o Late Shri Gopal Behari Bhartiya
R/o 557, Lahori Gate,
Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Balbir Kaur
W/o Shri Nirmal Singh Varmi
R/o H. No. 2128, Barakhamba Road,
Karol Bagh, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Mpl. No. 7113, Plot No. 33, Block No. 16-B, Kh. No. 1563/152, measuring 247 sq. yards, two storey house situated at Dev Nagar, Karol Bagh, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Date: 5-11-1985
Seal :

FORM ITS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/3-85/1019.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S-25 Green Park, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ram Nath s/o Shri Kripa Ram,
r/o JP-10, Maurya Enclave,
Pritampura, Delhi.
(Transferor)
- (2) M/s. South Delhi Builders (P) Ltd.,
M-64, Greater Kailash-II, New Delhi,
through its Director Shri. Kamal Kaul.
(Transferee)
- (3) Shri Babu Lal and Shri Girdhari Lal,
(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. S-25, measuring 160 sq. Green Park, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date : 5-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-III/3-85/1020.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 10/3 situated at Old Rajinder Nagar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mohan Lal Dhupar,
r/o 3/10, Old Rajinder Nagar,
New Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Prem Kaur,
r/o 41/1955, Naiwala, Karol Bagh,
New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Qr. No. 10/3, Old Rajinder Nagar, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date : 4-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/3-85/1021.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. R-1 situated at Hauz Khas Enclave, New Delhi and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on March 1985 or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Kewajit Singh,
70, Regal Building,
New Delhi-1,

(Transferor)

(2) Shri Tara Chand Verma and Smt. Nish Malik,
Flat No. 301, R-1, Hauz Khas Enclave,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301 on 1st Floor covered area 1005 sq. Ft. in building R-1, Hauz Khas Enclave, New Delhi alongwith one-eleventh undivided land viz. approx. 46.88 sq. yds. out of the total plot area of 515.77 sq. yds.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date : 4-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-DI/3-85/1022.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 203 situated at Upper Ground floor R-1, Hauz Khas Enclave, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Karanjit Singh,
70, Regal Building,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. S. Ramamurthy,
R-1/203, Hauz Khas Enclave,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

E/PLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203 on the upper ground Floor R-1, Hauz Khas Enclave, New Delhi, covered area 1319.35 sq. ft. alongwith 11/1th undivided land approximately 46.88 sq. yds. out of total plot area of 515.77 sq. yds.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date : 4-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Karanjit Singh,
70, Regal Building,
New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) Shri K. S. Sundersan and
Smt. Sneh Lata Sundersan

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/3-85/1023.—Whereas, I,
SUNIL CHOPRA,
being the Competent Authority under Section 269B of
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 303 on 1st floor, R-I, Hauz Khas Enclave situated
at New Delhi
(and more fully described in the schedule annexed hereto).
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at New Delhi on March, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 303 on 1st floor covered area 1102 Sq. ft. in
building R-I, Hauz Khas Enclave, New Delhi alongwith
1/11th undivided land, viz. approx. 46.88 sq. yds. out of the
total plot area of 515.77 sq. yds.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 5-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acq III/SR-III/3-85/1024.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 302 on 1st floor situated at R-1, Hauz Khas Enclave, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Karanjit Singh,
70, Regal Building,
New Delhi-1.

(Transferor)

- (2) Smt. Hemlata Mehta,
Flat No. 302, R-1, Hauz Khas Enclave,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 302, on 1st floor covered area 1000 sq. ft. in building R-1, Hauz Khas Enclave, New Delhi alongwith 1/11th undivided land viz. approx. 46.88 sq. yds. out of the total plot area of 515.77 sq. yds.

SUNIL CHOPRA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi /New Delhi

Date : 4-11-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, VOGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi the 4th November 1985

Ref. No. INC/ACQ III/SR-III 3-85 1025 - Whereas, I, SUNIL CHOPRA being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 103 on the ground floor situated at R-1, Hauz Khas Enclave, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been registered under the Registration Act 1961 (16 of 1961) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transaction entered into between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Anjit Singh,
70, Rega Park, New Delhi-1.

(Transferor)

(2) Miss Anuradha Taraufdar
Flat No. 103, R-1, Hauz Khas Enclave,
New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103, on Lower Ground floor covered area 1100 sq. ft. in building R-1, Hauz Khas Enclave, New Delhi along with 1/11th undivided land viz approx 46.88 sq. yds. out of the total plot area of 515.77 sq. yds.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date: 4-11-1985
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/3-85/1026.—Whereas, I,
SUNIL CHOPRA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the Said Act), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
S-1 situated at Green Park Extn., New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi on March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to be-
tween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

(1) M/s. Taproot Enterprises (P) Ltd.,
B-177, G. Kailash I, New Delhi,
through its Director Shri J. B. Goel,
(Transferor)

(2) M/s. Mehra & Co.,
2120, Bahadur Garh Road, Delhi
through Shri Ajaz Kumar Mehra,
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property,
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

Portion No. 1 measuring 468 sq. ft. part of property No.
S-1, Green Park Extn., New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date : 4-11-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th November 1985

Ret. No. IAC/Acq III/SR-III/3-85/1027.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- Flat No. 101 situated at N-19, Green Park Extn., New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely

- (1) Smt Ishwari Kaur and Shri Inderjit Singh,
C/o Pal & Associates, 70, Regal Building,
New Delhi.
(Transferor)
- (2) Dr. Ramesh Sharma s/o Shri J. N. Sharma,
C-538, Wazir Nagar,
New Delhi-3.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101 on ground floor, having covered area of 1150 sq. ft. in the building at N-19, Green Park Extn., New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date : 4-11-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/3-85/1028.—Whereas, J. SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 80/58-B situated at Malviya Nagar, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Sawraj Kumar Kapoor,
s/o Shri Booda Ram,
r/o H-13/5, Malviya Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kuldip Singh,
s/o Sumer Singh,
r/o 80/58-B, Malviya Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 80/58-B, measuring 100 sq. yds., Malviya Nagar.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date : 4-11-1985

Seal :

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/3-85/1029.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C-36A situated at Green Park Main, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Beni Parshad s/o Shri Tikaya Ram,
r/o 36A, Block C, Green Park (Main),
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shyam Sunder s/o Nannumal,
Ashok Kumar s/o Nannumal,
Subhash Chand s/o Nannumal and
Rajesh Kumar s/o Nannumal,
r/o D-17, Green Park (Main),
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice or the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C-36A, measuring 321 sq. yds., Green Park Main, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date : 4-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq III/SR-III/3-85/1030—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Dist No. of property, 8/35, W.E.A., Karol Bagh situated at New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

- (1) Smt. Shiela Sachdeva w/o late Shri Jaidev Sachdeva, r/o. 12, Baber Lane, New Delhi, for herself and on behalf of her two daughters Smt. Malvika Kapoor and Smt. Vinita Kalia and her son Shri Vijay Kumar. (Transferor)
- (2) Shri J. P. Gupta s/o Shri Kishan Lal, r/o 45/68, Mall Road, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First floor of P. No. 8/35, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.
Area 2000 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date: 5-11-1985
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 8th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/3-85/1031.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. 10618/20, Plot No. 39 in Block 13, Kh. No. 1517/1147, Arya Samaj Road, Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the persons named:

- (1) Smt. Sunda Fathu a
Wd/o Late Shri Sudhin Kumar and
Kumar Ramani
D/o Late Shri Sudhin Kumar,
R/o B-97, Greater Kailash-I,
New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Kanwal Krishan Anand
S/o Shri Sada Nand Anand,
R/o 17/5, West Patel Nagar,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter

THE SCHEDULE

Property bearing Municipal No. 10618/20, Plot No. 39, in Block 13 Khasra No. 1517/1147, mg. 284 sq. yards at Arya Samaj Road, Karol Bagh, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi New Delhi

Date : 8-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 8th November 1985

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-III/3-85/1034.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 6447 on Plot No. 81, Kh. No. 546/152 Block 8-B, Ward No. 16, Basti Rehgarpara, Dev Nagar, Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March 1985 market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- | | |
|---|--------------|
| (1) S. Ujagar Singh
S/o S. Diwan Singh
R/o B-8/6447, Dev Nagar,
New Delhi, | (Transferor) |
| (2) Smt. Savita Gupta
W/o Shri K. Lal Gupta,
R/o B-7/6349, Dev Nagar,
New Delhi, | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 6447, on Plot No. 81, Khasra No. 546/152, Mg. 109 sq. yards, Block No. 8-B, Ward No. 16, Basti Rehgar Bagh Raoji, Dev Nagar, Karol Bagh, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date : 8-11-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/3-85/1032.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2065, Khara No. 467, Block G Ward No. XVI, Nai Wala, R-491 situated at New Rainier Nagar, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
96—366GI/85

(1) Smt. Parkash Kumeri
W/o Raghbir Dass,
M-126, Greater Kailash-I,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Satnam
S/o Shri Arjan Dass
R/o 4/45A, Punjabi Bagh,
New Delhi (1/2 share);
Shri Goverdhan Lal Chadha
S/o Shri Sohna Mai Chadha
R/o 22/53, Punjabi Bagh,
New Delhi (1/4th share).
Mrs. Bharti Chadha
W/o Shri Sohna Chadha
R/o 22/53, Punjabi Bagh,
New Delhi (1/4th share).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

MCD No. 2065, measuring 175 sq. yards, Khara No. 467, Block G Ward No. XVI, Naiwala, Karol Bagh, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 4-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-III/3-85/1036.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

R-491 situated at New Rajinder Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

maintaining the concealment of any income or any 'moneys' or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Mohan Lal
S/o Late Shri Navnit Rai,
R-491, New Rajinder Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Shri Veer Khanna
2. Shri Om Prakash Khanna,
5537, Shora Kothi, Paharganj,
New Delhi.

(Transferee)

(3) Sh. H. G. Chopra
2. Sh. Shakti Chawla.
(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. R-491, New Rajinder Nagar, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Dated: 4-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 8th November 1985

Ref. No IAC/Acq-III/SR-IV/3-85/1427 --Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing Property No 1580A/1-C, situated at Plot No. 10 Block B, Naveen Shahdara, Village Uldhanpur, Delhi-32 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

- (1) Shri Waryam Singh
S/o Shri Harnam Singh
R/o H No C/14, Kalindi Colony,
New Delhi (Transferor)
- (2) Shri Gurbachan Singh
S/o Shri Harnam Singh,
C/14, Kalindi Colony,
New Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No 1580A/1-C, Plot No 10, area 184 sq. yards alongwith the structure out of Khasra No 1155/410, 616/404, Block, 8, situated at Abadi Naveen Shahdara, Village Uldhan Pur, Delhi-32

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date : 8-11-1985
Seal .

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 8th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-IV/3-85/1428.—Whereas, I,
SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. IX/2958 situated at Dharampura, Gali No. 1, & 2, Gandhi Nagar, Village Seelampur, Delhi-31

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sheela Devi
W/o Shri Krishan Lal
R/o H. No. IX/2958, Dharampura,
Gali No. 1, Gandhi Nagar,
Delhi-31.
- (2) 1. Shri Nathi Mal
Son of late Shri Kanhaiya Lal
2. Smt. Angoori Devi
W/o Shri Nathi Mal
3. Smt. Shanti Devi
W/o Shri I. P. Aggarwal and
4. Shri Anil Kumar
S/o Shri Nathi Mal
All R/o H. No. 2110, Kailash Nagar,
Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing H. No. 917/24-F/12 (old)/New No. IX/2958, measuring 200 sq. yards alongwith structure situated at Dharampura, Gali No. 1 and 2, Gandhi Nagar, Village Seelampur, Delhi-31.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date : 8-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA,

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/3-85/1033.—
Whereas I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 63/7 situated at Old Rajinder Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri J. S. Sood s/o. Dr. Prithi Singh,
Managing Director, Great Arts (P) Ltd.,
Bhagzath Place, Chandni Chowk,
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Balraj Sawney
s/o. Sh. Faqir Chand,
R/o 7829, Nai Basti, Bara Hindu Rao,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 150 sq. yds. bearing Plot No. 63/7, Old Rajinder Nagar, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date : 4-11-1985
Seal :

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/3-85/1011.—
Whereas I, SUNIL CHOPRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
5058, P. No. 14, Kh. No. 3267/719, Block-S, Gali No. 1 & 2,
situated at Sant Nagar, Basti Rehgar, Karol Bagh, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the
Office of the Registering Officer
at New Delhi in March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely:—

(1) Sh. Harnam Singh s/o Sant Singh,
r/o 5058, Gali No. 1 & 2, Sant Nagar,
Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sanjay Kumar Jain,
s/o Sh. Mahindar Chand Jain,
r/o 3341/3, Christian Colony,
Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

House No. 5058, built on plot No. 14, measuring 120 sq.
yds. Khasra No. 3267/719, Block S, Gali No. 1 & 2, situated
at Sant Nagar, Basti Rehgar, Karol Bagh, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date : 6-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 8th November 1985

Ref. No. IAC/Acq III/SR-III/3-85/1037.—

Whereas I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

17-A/17 situated at WEA, Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Mr. Krishnan Thaneja
s/o. late Sh. Ram Lubhaya Thaneja,
r/o. 94, West Brook Road, Heston, UK
at present at A-22, Chitranjan Park,
New Delhi-49

(Transferor)

(2) M/s. Madan Singh Suri & sons (HUF)
through its Karta Sh. Madan Singh Suri,
r/o. 17-A/17, WEA,
Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. 17-A/17, WEA, Karol Bagh, New Delhi Land measuring 234.22 sq. yds.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhi

Date : 8-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 8th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/3-85/2554.—

Whereas I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 72/B, Kh. No. 479, Fateh Nagar, Vill. Tehar New Delhi situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer New Delhi in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Tarlochan Singh,
s/o. S. Kartar Singh,
71-72, Fateh Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. H. S. Vohra, s/o Sh. G. S. Vohra,
D-1/89, Janakpuri,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;

(2) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 72, in Block 8, of area 133.3 sq. yards out of Khāra No. 479, situated in about of Fateh Nagar, area village Tehar New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhi

Date : 8-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/3-85/821A.—
Whereas I, SUNIL CHOPRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the
Office of the I. A. C. (Acqn.) Range-III,
situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the registering Officer at
New Delhi in March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—
97—366GI/85

(1) Kapil Mohan Katarya,
Mrs. Sheela Katarya, Mrs. Rajini Katarya,
r/o. M-61, Saket, New Delhi.
(Transferor)

(2) Kapil Mohan Katarya,
r/o Amar Colony-72,
Wiltred Avenue,
Kitchen, NZA-1208, Canada.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 211, on 2nd Floor in 9, Bhikaji Cama Place, New
Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhi

Date : 4-11-1985
Delhi

FORM ITNS—

(1) Sh. D. S. Sarna,
80/41, B. Malviya Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kavita Syal,
C-6/5, Krishan Nagar,
Delhi-51.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/3-85/823.—
Whereas I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 354, AGCR Co-op. H. B. S. Ltd., situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the I. A. C. (Acq.) Range-III, New Delhi in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Vacant plot No. 354, AGCR Co-op. H. B. S. Ltd. Delhi.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-11-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Manohar Lal Bhasin,
DA-68B, Hari Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Urmila Agarwal,
2788, Pipil Mahadev,
Hauz Qasi, Delhi-6.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/3-85/825.—

Whereas I, SUNIL CHOPRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Plot No. 40, Defence Enclave,
situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Income-tax Act, 1961 (43 of
1961) in the Office of the I. A. C. (Acqn.) Range-III,
New Delhi in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration, therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Vavant residential plot No. 40, Defence Enclave, Delhi-92.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 5-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1985

Ref. No. JAC/Acq.III/37EE/2-85/826.—
Whereas I, SUNIL CHOPRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
F. No. A-308, in 5, Bhikaji Cama Place
situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Income-tax Act, 1961 (43 of
1961) in the Office of the I. A. C. Acqn. Range-III,
New Delhi in March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by this issue of the notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Mrs. Veena Agarwal w/o. Sh. Sunil Kumar,
C-6, Kailash Colony,
New Delhi. (Transferor)
- (2) Mrs. Sumitra Sapra w/o Sh. S. N. Sapra &
Mrs. Suman Sapra w/o. Fit. Lt. Ajay Sapra,
94, Tagore Park (Model Town),
Delhi-9. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-308, (3rd floor), in 5, Bhikaji Cama Place,
New Delhi. Area 275 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhi

Date : 6-11-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. Harnam Singh,
13/9, Old Rajinder Nagar,
New Delhi-60.

(Transferor)

(2) Mr. Ajit Kumar Kathuria,
2. Mr. Rajiv Kumar Kathuria and
3. Mrs. Rani Kathuria,
KC-118, Kavi Nagar,
Ghaziabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/2-85/827.—

Whereas I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 13/9, Old Rajinder Nagar, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) Office of the I. A. C. Acqn. Range-III, New Delhi in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

13/9, Old Rajinder Nagar, New Delhi.
Area 88.1 sq. yds.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, New Delhi

Date : 6-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/3-85/828.—Whereas, I,
SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 20/11, Old Rajinder Nagar, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq. III, New Delhi in March 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (*) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. P. L. MONGIA,
20/11, Old Rajinder Nagar,
New Delhi

(Transferor)

(2) Mr. Tarun Kumar Khanijaw,
20/11, Old Rajinder Nagar,
New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

20/11, Old Rajinder Nagar, New Delhi measuring 85.9, sq. yds.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date: 6-11-1985
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/3-85/829.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. 5, situated at Kaushalya Park, Hauz Khas, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq. III, New Delhi in March 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Kaushalya Educational Trust,
through Shri Vivek Kapur,
11/48, Pusa Road, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Ajay Jain, S/o
Shri R. S. Jain, Flat No. 101,
Ground Floor, 5, Kaushalya Park, Hauz Khas,
New Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Basement Floor on 5, Kaushalya Park, Hauz Khas, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date : 4-11-1985
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Som Datt Builders (P) Ltd,
56, Community Centre,
East of Kailash, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Jaini Alexandra R. Jaini Andrew
& Jaini Paul Alexander, 205, Jor Bagh,
New Delhi-3.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/4-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 6th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/3-85/830.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Kiosk No. UGK 10, at 5, Bhikaji Cama Place, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the IT Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq. III, New Delhi in March 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Kiosk No. UGK-10 on upper ground floor at 5, Bhikaji Cama Place, New Delhi, Area Approx. 44 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 6-11-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Som Datt Builders (P) Ltd.,
56, Community Centre,
East of Kailash, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Raman Mehta & Mr. Anil Kumar
J-7/143 Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/3-85/831.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. UGK-3 on Upper Ground floor situated at 5, Bhikaji Cama Place, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq. Range-III, New Delhi in March 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Kiosk No. UGK-3 on Upper Ground floor at 5, Bhikaji Cama Place, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
98—366GI/85

Date : 5-11-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/3-85/832.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. D-782 situated at Saraswati Vihar, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the office of the I.A.C. Acqn. Range-III at New Delhi for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Km. C. Grover, 12-B,
Mathura Road, New Delhi,
(Transferor)
- (2) Smt. Darshana Devi and Indra Devi
/0013, Ram Nagar, Paharganj,
New Delhi
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. D-782, measuring 390 sq. yds. Saraswati Vihar, Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date: 5-11-1985
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EF/3-85/833.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing RMT-12, (Basement) Plot No. B-2 at MMTC/S.T.C. Mkt., situated at Malviya Nagar, New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq. III, New Delhi in March 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Rajendras,
N-52-A, Connaught Place,
New Delhi

(Transferor)

(2) Mr. Varinder Kumar Bhutani,
13/178, Malviya Nagar,
New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

RMT-12 (Basement) Plot No. 12, B-2 at L.S.C. in MMTS/ S.T.C. Market New Delhi Near Malviya Nagar, Super Area 52 Sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date : 5-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/3-85/834.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. RMT-15 (Basement) situated at B-2 at L.S.C. in MMTC/STC Market, New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the I.A.C. Acq. III, New Delhi in March 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Rajendras'
N-52-A, Connaught Place, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Rohtas Chand Arora,
H-13/7, Malviya Nagar, New Delhi
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

RMT-15 (Basement) B-2, at L.S.C. in MMTC/STC Market, New Delhi Near Malviya Nagar, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date : 5-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Rajendras'
B-52A, Connaught Place, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Satinder Kumar Tyagi,
B-91, Sarvodaya Enclave, New Delhi-17
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/Acq III/37EE/3-85/835—Whereas, I,
SUNIL CHOPRA,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. RMT-19 (Basement) situated at B-2 at I S C in
MMTC/STC Market, New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I.T. Act, 1961
in the Office of the I.A.C. Acq III, New Delhi
in March 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

RMT-19 (Basement), B-2 at L.S.C. in MMTC/STC,
Market, New Delhi Near Malviya Nagar, New Delhi.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons namely :—

Date : 5-11-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.

(1) Rajendra N-52-A, Con. Place,
New Delhi

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI**

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37TE/3-85/839.—Whereas, I, **SUNIL CHOPRA**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. RMT-112 (Ground floor) situated at B-2 at L.S.C. in MMTC/STC Market, New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acqn.-III, New Delhi in March 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B-2 at L.S.C. in MMTC/STC Market, New Delhi near Malviya Nagar, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-11-1985

Seal :

FORM ITN

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/3-85/841.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 104 situated at on first floor of No. 1, Kaushalya Park, Hauz Khas, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acqn. Range-III, New Delhi in March 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) M/s Eurya Enterprises (P) Ltd.,
1-34, Kirti Nagar, New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. M. L. Jairath S/o Shri Amannath Jairath,
Mrs. Bimla Jairath W/o Shri M. L. Jairath,
Capt. Raman K. Jairath and Shri Vinesh
K. Jairath sons of Shri M. L. Jairath,
House No. 780, Sector 8B, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104 on first floor of No. 1, Kaushalya Park, Hauz Khas, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-11-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Surya Enterprises Pvt. Ltd.,
1-34, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Tech Pvt. Ltd.
of Gauhati Assam through their Managing Director
Distt. Roper.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37FE/3-85/842.—Whereas, I,
SUNIL CHOPRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. M-2 situated at Mezzanine floor 1, Kaushalya Park,
Hauz Khas, New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961)
in the Office of the I.A.C. Acq. III, New Delhi
in March 1985,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Flat No. M-2 on Mezzanine floor, 1, Kaushalya Road,
Khas, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

SUNIL CHOPRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 5-11-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s Peersy Lal Basheshwar Nath,
Sukh Wajan, Lal Kuan,
Delhi-6.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Competent Builders,
House, F-14,
Cama Place, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/3-85/843.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. L-G/5, situated at in Bhikaji Cama Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq. III, New Delhi in March 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. L-G-5 in 5 Bhikaji Cama Place, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
99—366CJ/85

Date: 5-11-1985

Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/3-85/844.—Whereas, I, **SUNIL CHOPRA**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. H. No. 8, Road No. 46, Vill. Madipur, Punjabi Bagh situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhi on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Usha Jain
w/o Shri S. K. Jain
1/o 8/46, Punjabi Bagh,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sant Lal Dua & Smt. Sunita Dua
457, Rishi Nagar, Shaktibasti,
New Delhi.

(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 8, on Road No. 46, measuring 279.55 sq. vds. situated in the area of Village Madipur in the colony known as Punjabi Bagh, Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date : 6-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/3-85/845.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 308, on Plot No. B-1/2, Azadpur Com. Complex, situated at Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the IT Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhi on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and for

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Bhanot Properties & Inds. Ltd.
102-103, Raja House, 30-31 Nehru Place,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Miss Sonia Mayya & Mrs. Satis
B-1/1037, Civil Line,
Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 308, having approx. super area 225 sq. ft. on third floor of building to be constructed on plot No. B-1/2, Azadpur Comm. Complex, (Naruwala Bagh), New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 5-11-1985
Seal:

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. 1AC/Acq.III/37EE/3-85/847.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 309, 3rd floor, B-1/2, Azadpur Commercial Complex, Naniwala Bagh, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1961 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at New Delhi in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Bhanot Properties & Inds. Ltd.
102-103, Raja House,
3031, Nehru Place, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Mrs. Satish Nayyar
B-1/1037, Civil Lines,
Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within fortyfive days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 309 having approx. super area 385 sq. ft. on the 3rd floor of the building to be constructed on plot B-1/2, Azadpur Commercial Complex, Naniwala Bagh, Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Delhi/New Delhi

Date : 5-11-1985
Seal :

FORM ITNS

OFFICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/3-85/849.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 00 000 - and bearing No. 3 at basement 4, Bhikaji Cama Place, situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhi on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

- (1) M/s. Rajdhani Builders,
13th floor, Atma Ram House,
1, Tolstoy Marg, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Vandana Carpets Pvt. Ltd.,
A-43, Kirti Nagar,, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

No. 3 at Basement 4, Bhikaji Cama Place, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date : 4-11-1985
Seal :

FORM ITNS-----

(1) Hari Trust & Sheel Gupta
K-115, Hauz Khas Enclave,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Nova (India) Ltd.,
23, West Avenue Road,
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/3-85/852 ---Whereas, I,
SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Commercial Office Flat 205, Pragati Tower, 26, Rajinder Place, situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that no consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

(b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Commercial (office) Flat 205, Pragati Tower, 26, Rajinder Place, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 5-11-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 8th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/3-85/853.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1-6 D1 D2 Shivlok House III, Najafgath Road, Commercial Complex situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shivlok Properties, Adinath House,
Opposite Super Bazar, Con. Circus,
New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s Indo Asian
through Mr. B. C. Dyal
Financial Investment Co. (P) Ltd.,
A 87, Sandai Market,
Civil Lines, Jullundur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1-6, in D1D2, Shivlok House III, Najafgath Road, Commercial Complex, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Date : 8-11-1985
Seal :

FORM I.T.N.S. _____

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 4th November 1985

Ret. No. IAC/Acq.III/37EE/3-85/856.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Mezz/Loft floor of building situated at No. 6, Kaushalya Park, Hauz Khas, New Delhi (Unit F) (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

4. facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Kaushalya Educational Trust,
through Vivek Kapoor, trustee,
11/4B Pusa Road,
New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri D. D. Mittal,
5-A, Civil Lines,
Bhatinda (Pb). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mezz/loft floor of building No. 6, Kaushalya Park, Hauz Khas, New Delhi. (Unit F).

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 4-11-1985

Seal:

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/3-85/857.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. G.F. of Unit 'A' & 'B' on plot No. 6 situated at Kaushalya Park, Hauz Khas, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the I.A.C. (Acq.) Range III at New Delhi in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons

namely :—
100—366 GI/85

(1) Kaushalya Educational Trust
through Vivek Kapoor, trustee,
11/4B, Pusa Road,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sunil Kuchal,
108, Basant Enclave,
New Delhi-57.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

G.F. of Unit 'A' & 'B' on plot No. 6, Kaushalya Park,
Hauz Khas, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date : 11-11-1985

Scd :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 8th November 1985

Ref. No. IAC[Acq-III]37EE/3-85/860.—Whereas, I,
SUNIL CHOPRA
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
16WEA, situated at Karol Bagh, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the
Office of the I. A. C. (Acqn.) Range-III at
New Delhi in March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) M/s. New Jay Dee Builders Pvt. Ltd.,
through its Director Shri Ishar Singh,
3-C/4, New Rohtak Road,
New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. Virendra Motors Upholstry,
16, WEA, Karol Bagh,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

16 WEA, Karol Bagh, New Delhi (Unit No. 1, on Base-
ment, 1260 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhi

Date : 8-11-1985
Sd/-

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 8th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/3-85]914.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. B-4, Preet Vihar, Delhi-92 situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the I. A. C. (Acqn.) Range-III at New Delhi on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) B. Virmani s/o. Shri K. C. Virmani
10A, Nizamuddin West,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Shankar Lal Singhanian,
s/o. Sh. Uday Chand Singhanian,
r/o. 2218, Janna Bazar,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant residential plot of 370 sq. yds. in Preet Nagar Co-op. House Building Society Ltd., New Delhi-92 (B-4, Preet Vihar, Delhi-92).

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhi

Date : 8-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/3-85/927.—Whereas I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. B-3, 107, Pankha Road, Res., Scheme, Janakpuri, Delhi situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the I. A. C. (Acqn.) Range-III at New Delhi in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) S. L. Mahajan,
A-2/B-172 C Marg. Flats,
Paschim Vihar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri B. K. Mehta,
C-2/397, Janakpuri,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. B-3/107, Pankha Road Resd. Scheme, Janakpuri, New Delhi, measuring 357 sq. mt.±.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhi

Date : 5-11-1985
Seal :

FORM IINS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 414-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Act-JII/37EE/3 85/928 —Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No. 203 National Co-operative House Bldg Society Ltd., Ram Vihar, Delhi-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the I A C (Act) Range-III New Delhi in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Shri Ram Asrey Sharma,
s/o. Shri Amar Chand,
10, B-5/61, Near Post Office, Goraya (Pb).
(Transferee)

(2) Sm. Sumitra Devi,
w/o. Shri Kishore Chand Monga,
r/o. H-5/2, Krishan Nagar, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Vacant residential plot No. 203, National Co-operative House Bldg. Society Ltd., Ram Vihar, Delhi-92.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 5-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/37EE/3-85/1039.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. L-1/16, Hauz Khas Enclave, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the I. A. C. (Acqn.) Range-III at New Delhi on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :—

- (1) Sh. Dwarka Parshad, &
Smt. Munni Devi, 1/2, Ram Kishore Lane,
Civil Lines, Delhi. (Transferor)
- (2) Yoginder Kumar Gupta,
1/2, Ram Kishore Lane,
Civil Lines, Delhi. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

L-1/16, Hauz Khas Enclave, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhi

Date : 6-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/3-85/1084.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. F-28, Preet Nagar CHBS Ltd. Preet Vihar situated at Delhi-92.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the office of the I.A.C. Acq. III, New Delhi in Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Smt. Satwant Kaur Anand
W/o Sh. Baldev Singh Anand
E-5/2, Arera Colony,
Bhopal.

(Transferor)

(1) Sh. Mahendra Prasad Jain
Sh. Satish Chandra Jain
Sh. Kamlesh Kumar Jain
Sons of Sh. Padam Singh Jain
R/o 5221, Shardhanand Marg,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Residential plot No. F-28, Preet Nagar, CHBS Ltd., Preet Vihar, Delhi-92.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi

Date : 6-11-1985
Seal :

FORM I.T.N.S. ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI**

New Delhi, the 7th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/3-85/1544.—Whereas, I, **R. P. RAJESH**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot 57, Block No. 148, 14, K. G. Marg, mg. 5342 sq. mtr. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) **M/s. B. S. Sons,**
2060, Karla Tobacco Delhi-110006.
(Transferor)

(2) **M/s. Ansal Properties & Indus. (P) Ltd.,**
115, Ansal Bhawan,
16, Kasturba Gandhi Marg,
New Delhi-1.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

**Plot No. 57, Block No. 148, 14, Kasturba Gandhi Marg,
New Delhi, measuring No. 5342 sq. mtr.**

R. P. RAJESH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date : 7-11-1985.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/3-85/1545.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 535, Defence Colony, measuring 3000 sq. ft. New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
101—366 GI/85

(1) Smt. Sohagwanti, Smt. Swaran Pal, Sh. Santock Singh, Sh. Harbant Singh, Smt. Inderjit Walia, Smt. Neelam Bawan Ku, Esha Walia Ma, Balwant Singh, All R/o S-219, Gt. Kailash-II, N.D.
(Transferor)

(2) Sh. Lavleen Singal,
No. 1, Acharwala Bagh, Subzi Mandi,
Delhi-7.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. C-535, Defence Colony, New Delhi-24, measuring 3000 sq. ft.

R. P. RAJESH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 4-11-1985

Seal :

FORM ITNS—

(1) Skipper Towers Private Ltd.,
22, Barakhamba Road, New Delhi-1.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Ashok Kumar (HUF) Surinder Kumar (HUF)
Om Prakash (HUF),
B-432, New Friends Colony, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi. the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/3-85/1546.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. A-1502, 98, Nehru Place, mg. 400 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. A-1520A, at 98, Nehru Place, New Delhi, measuring 400 sq. ft.

R. P. RAJESH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

Date : 4-11-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/3-85/1547.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being, the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 310, F-14, Connaught Place, mg. 786 sq. ft. situated
at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office
of the registering Officer at
IAC/Acq. Range-I, on March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Sh. Rakesh Kumar Aggarwal (HUF)
Sh. Umesh Kumar Aggarwal (HUF),
R/o 10/4763, Deputy Ganj, Sadar Bazar, Delhi.
(Transferor)
(2) M/s Oceanair Transport & Investment Co. Pvt. Ltd.,
289, Shahid Bhagat Singh Road, Bombay.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 310, Competent House, F-14, Connaught Place,
New Delhi, measuring 786.07 sq. ft.

R. P. RAJESH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 4-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/3-85/1548.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Space No. 19, on 7th floor in Block No. 'E' of Hotel situated at Cum-Commercial Complex, Nehru Place, New Delhi nig. 638 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any assets or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Nehru Place Hotels Ltd.,
Eros Cinema Building, Jangpura Extn.,
New Delhi-14. (Transferor)
(2) Mrs. H. K. Mejie w/o H. S. Mejie
House No. 55, Sector 2-A, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 19 on 7th floor in Block No. 'E' of Hotel-cum-Commercial Complex, Nehru Place, New Delhi, area 638 sq. ft.

R. P. RAJESH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 5-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.1/37EE/3-85/1549.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Space No. 54, L.G.F., in 'Dr. Gopal Das Bhawan', situated at 28, Barakhamba Road, New Delhi-1, mg. 200.28 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Gopal Das Estates and Housing Pvt. Ltd.,
28, Barakhamba Road,
New Delhi-1. (Transferor)
- (2) Shri. Dauder Nath Lohia,
Flat Shri Yog Ra Lohia,
Block-5 ONGC Colony,
Sibsagar (Assam)-785640. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 54, on Lower Ground Floor in 'Dr. Gopal Das Bhawan' 28, Barakhamba Road, New Delhi-1, mg. 200.28 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Aggarwal House
4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 4-11-1985
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/3-85/1550.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Shop No. 17, at 79, 80 Nehru Place, mg. 303 sq. ft. situated
at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the
Office of the Registering Officer
at IAC/Acq. Range-I, on March, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the health
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been of
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Lt. Col. (Rtd.) Y. G. Mathur,
96B, Pocket A-14, Kalkaji Extn.,
New Delhi-19.

(Transferor)

(2) Mr. M. G. George,
E-20, Greater Kailash-I,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons;
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 17 at 79-80, Satkar Bldg., Nehru Place, New
Delhi, mg. 303 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Aggarwal House
4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 4-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/3-85/1551.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 118, at 38, Nehru Place mg. 361 sq. ft. situated
at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the
Office of the Registering Officer
at IAC/Acq. Range-I, on March, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or:

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Mrs. Nalini Agarwal,
w/o Shri Rajiv Agarwal,
49/1, Rajpur Road, Delhi. (Transferor)
- (2) Mr. Kishore Gidwani,
s/o Late Shri G. T. Gidwani,
D-79, Defence Colony, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 118, on 1st floor in proposed multi-storey build-
ing at 38, Nehru Place, New Delhi-19, mfi. 361 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Aggarwal House
4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 4-11-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acq I/37EE/3-85/1525.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269AB of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 203, plot W-111, Gr. Kailash-II, mg 1610 sq. ft.
situated at New Delhi
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the
Office of the Registering Officer
at IAC/Acq. Range-I, in March, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefore by more
than fifty per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) M/s. Kamal Enterprises,
G-48, Green Park,
New Delhi-16

(Transferor)

(2) Shri N. L. Badhwar (HUF),
14, Poojvi Marg,
New Delhi-57.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203 on the first floor of Kamal Apartments on
plot No. W-111, Greater Kailash-II, New Delhi, area
1610 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Aggarwal House
4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 4-11-1985
Sd :

FORM ITNS—

(1) M/s. Apex Construction (P) Ltd.,
A-7/2, New Friends Colony,
New Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Santosh Kumari,
w/o Shri Pratap Singh,
R/o M-273, Greater Kailash-II,
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EF/3-85/1535.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. S-2, M-167, Gr. Kailash-II situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the
Office of the Registering Officer
at IAC/Acq. Range-I, on March, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income tax Act
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

No. S2, on rear portion of 2nd floor of building under
construction at M-167, Gr. Kailash-II, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Aggarwal House
4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—
102—366 GI/85

Date : 4-11-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/3-85/1554.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. One 'A' residential flat in Rear Block, area 1600 sq. ft. on 3rd floor in proposed multi storeyed group housing scheme, 9, B. K. Road, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Registering Officer at IAC//Acq. Range-I, on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Karlesh Nath & Associates,
1006, Kanohenjunga, 18, Barakhamba Road,
New Delhi-1. (Transferor)
- (2) Smt. Prem Kumari Chabra and
Smt. Anju Bir,
32, Regal Building, Parliament Street,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein or are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One 'A' residential flat in Rear Block, area 1600 sq. ft. on 3rd floor in proposed multi-storeyed Group Housing Scheme 'NILGIRI' apartments, 9, Barakhamba Road, Delhi and one open car parking space.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Aggarwal House
4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 4-11-1985

Seal :

FORM ITNS—

(1) Skipper Sales Private Ltd.
22, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/3-85/1555.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearingFlat No. 1011, at 22, Barakhamba Road,
mg. 750 sq. ft. situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of
the Registering Officer at
IAC/Acq. Range-I, in March 1985for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—(2) Sh. Sanjay Bansal,
B-15, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(b) by any any of the aforesaid persons with a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 1011 at 22, Barakhamba Road, New Delhi, mea-
suring 750 sq. ft.R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New DelhiNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

Date : 4-11-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/3-85/1556.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 1502-A, 89, Nehru Place, mg. 372 sq. ft.
situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of
the Registering Officer at
IAC/Acq Range-I, in March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the follow-
ing persons, namely :—

(1) Skipper Sales Private Limited
22, Barakhamba Road, New Delhi.
(Transferor)

(2) Miss Ritika Narang,
A-43, New Friends Colony, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1502-A, at 89, Nehru Place, New Delhi, measur-
ing 372.40 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 5-11-1985
Seal

FORM ITNS

(1) Skipper Towers Private Ltd.,
22, Barakhamba Road, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Satish Dhawan,
K-109, Kirti Nagar, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, SAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. LAC/Acq.I/37EE/3-85/1557.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. G-9 at 98, Nehru Place, mg. 300
sq. ft. situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of
the Registering Officer at
LAC/Acq. Range-I, in March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-
ween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Flat No. G-9, at 98, Nehru Place, New Delhi, measuring
300 sq. ft.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date: 5-11-1985

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Singh & Smile
5A/185, WFA, Karol Bagh, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Karan Vir Khurana,
D-99, Kamla Nagar, Delhi-7.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/3-85/1558.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing
Basement No. 4 at 60, Nehru Place,
mg. 644 sq. ft. situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of
the Registering Officer at
IAC/Acq. Range-I, in March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 15 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Basement No. 4, Sky Lark, 60, Nehru Place, New Delhi,
measuring 644 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 5-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref No IAC/Acq I/37EE/3-85/1559 —Whereas, I,
R P RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No Plot No B-52, Defence Colony, mg 1662 sq ft. situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the IT Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq Range-I, on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Major Mulk Raj Malik & Sons (HUF)
C/94, Defence Colony New Delhi (Transferor)

(2) Mr Kawaljit Singh S/o Sh
Sajjan Singh, R/o H 34, Green Park Extension,
New Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No B-52, Defence Colony, New Delhi, mg G F-1462 sq ft and Mezanine-200 sq ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I Delhi/New Delhi.

Date 5-11-1985
Seal

FORM ITNS-----

- (1) M/s. Rawal Apartments (P) Ltd.
119-Cometent House, F-14, Connaught Place,
New Delhi-1.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Mr. Kamal Kumar Bedi &
Mr. Bimal Bedi, D-13, Bagri Market,
71-Canning Street, Calcutta-1.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/3-85/1560.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 102 B.M.C. House N, Block Con. Place
mg. 570 sq. ft. situated at New Delhi
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of
the registering Officer at
IAC/Acq. Range-I, on March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 102, BMC House, Connaught Place, New Delhi,
measuring 570 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this Notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely:

Date: 5-11-1985
Seal:

FORM ITNS

(1) M/s. Singh & Smile
5A/185, WEA, Karol Bagh, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. B. M. Behl S/o Sh. B. N. Behl
and Mrs. K. Behl W/o Sh. B. M. Behl,
C 7/200 Safdarjung Dev. Area, New Delhi.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Objections, if any of the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/3-85/1561.—Whereas, I, R. P. RAJESH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Basement No. 2 at 60, Nehru Place, mg. 635 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Basement No. 2, Sky Lark, 60, Nehru Place, New Delhi, measuring 635 sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
103—366 GI/85

Date: 5-11-1985
Seal;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 7th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/3-85/1562.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 3A, D-2, Kalindi, Ring Road, mg. 1110 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- (1) Neha-Deep Estates,
D-2, Kalindi, Ring Road, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Sh. Jagdish Talwar and Smt.
Kusum Talwar, 11 Park Road, Burnpur,
West Bengal.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 3-A, at Naha Deep, D-2, Kalindi, Ring Road,
New Delhi, area 1110 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 7-11-1985

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 7th November 1985

Ref No IAC/Acq I/37EE/3-85/1563 —Whereas, I,
R P RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that
the immovable property having a fair market value
exceeding Rs 100,000/- and bearing
Flat No 101 BMC House, CON. Cir.
mg 832 sq ft ND situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the IT Act, 1961 in the Office
of the Registering Officer at
IAC Acq Range-I, in March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or,

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax,
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons namely —

- (1) S/Shri Narender Anand (IIUF),
C 202, Defence Colony, New Delhi-110 024.
(Transferor)
- (2) Miss Sarika Gulati, Babu Puja Gulati,
Baby Sakshi Gulati, S 166, Greater Kailash-I,
New Delhi 48,
Master Ashish Wadhwa,
Baby Shruti Wadhwa & Baby Sweta Wadhwa,
S-510, Greater Kailash-I,
New Delhi-48,
(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No 101 BMC, House, Connaught Circus, New Delhi-
1, measuring 832 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date 7-11-1985
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 7th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/3-85/1564.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
B-13, at 38, Nehru Place, mtr. 375 sq. ft.
situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office
of the Registering Officer at
IAC/Acq. Range-I, in March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-
ween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Ansal Properties & Industries
(P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg,
New Delhi, (Transferor)
- (2) Master Pankaj Grover S/o Sh.
Ravinder Kumar R/o 3/215, Subhash Nagar,
New Delhi-27. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

B-13, at 38, Nehru Place, New Delhi, measuring 375 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 7-11-1985
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
NEW DELHI

New Delhi, the 7th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/3-85/1565.—Whereas, I, R. P. RAJESH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1401, at 38, Nehru Place, mg. 476 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IC/Acq. Range-I, in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115 Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi-1. (Transferor)
- (2) Sh. R. M. Dhir S/o M. M. Dhir, C/o Sh. G. L. Loomba, R/o K-53, Jangpura Extn., New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1401, at 38, Nehru Place, New Delhi, measuring 476 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi|New Delhi

Date: 7-11-1985
Seal;

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 7th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/3-85/1567.—**R. P. RAJESH**,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 706 in Prakash Deep 7,
Tolstoy Marg, mg. 466 sq. ft,
situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration I.T. Act 1961
in the Office of the registering Officer at
IAC/Acq. Range-I, on March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

- (1) Dr. R. L. Sanghi & Dr. (Mrs.) R.
Sanghi, R/o C-26, Green Park Extn.
New Delhi-16.

(Transferee)

- (2) M/s. Suri Enterprises,
93, Mount Road, Bharat Insurance Bldg.,
Madras-600002.

(Transferor)

Objections if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 706 (7th floor) in Prakash Deep, 7, Tolstoy
Marg, New Delhi, measuring 466 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 7-11-1985
Seal:

FORM ITNS

(1) Sh. Dhruv Gupta, S/o Sh.
J.P. Gupta R/o 207 Sukhdev Vihar,
New Delhi,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Ranbir Singh Jolly S/o
Sh. S. S. Jolly, r/o 70-A, New Connaught Place,
Dehra Dun (U.P.).

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 7th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/3-85/1568.—Whereas, I, R. P. RAJESH being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Space No. 111, at 17, Barakhamba Road, mg. 221 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration I.T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 111 (Basement) at 17, Barakhamba Road, area 221 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Not therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 7-11-1985
Seal:

FORM ITNS— — —

(1) M/s. Reliance Apartment (P) Ltd.
A-1/149, Inder Puri, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Sh. Bhuvnesh Kumar Chawla &
Mrs. Bina Chawla C/o Dr. M. M. Lal,
29/10, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

92—356GI/85

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 7th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/3-85/1569.—Whereas, I,
R. P. RAJESH
being the Competent Authority under Section 669B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Plot No. B/27, Kailash Colong, mg. 670 sq. ft.
situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration I.T. Act 1961
in the Office of the Registering Officer at
IAC/Acq. Range-I, on March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 2, B/27, Kailash Colony, New Delhi, area 670
sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
aforesaid property by the issue of this notice under sub-

Date: 7-11-1985

Seal:

FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 7th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EF/3 85/1570.-- Whereas, I,
R. P. RAJESH
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 -
and bearing No.
Flat No. 1511 at 38, Nehru Place mg. 450
sq. ft. situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration I.T. Act 1961
in the Office of the Registering Officer at
IAC/Acq. Range-I, on March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer is agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :--

104-366G1/85

(1) Ansal Properties & Industries
(P) Ltd, 115, Ansal Bhaban, 16, K.G. Marg,
New Delhi.
(Transferee)

(2) Sh. Ravinder Kumar Aggarwal
Sh. Radhey Shyam R/o 50/18,
New Rohak Road,
New Delhi.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1511 at 38, Nehru Place, New Delhi, measuring
450 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 7-11-1985
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 7th November 1985

Ref. No. IAC/Acq. 1/37EE/3-85/1571.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Basement No. 1C in Bakshi House, mg. 600 sq. ft. situated at 40-41, Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in March 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Padma Kaul w/o Sh. Satindra Nath Kaul,
R/o Barbar Shah, Srinagar. (Transferor)

(2) M/s. Raj Kumar Sehgal & Sons,
E-32, East of Kailash, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette..

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Basement No. 1C in Bakshi House, 40-41, Nehru Place, New Delhi, measuring 600 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I,
Delhi|New Delhi.

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sh. Satindra Nath Kaul,
P. R/o Barbar Shah, Srinagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Sh. Nakul Sehgal (Minor)
s/o Sh. Raj Kumar Sehgal,
R/o E-32, East of Kailash, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 7th November 1985

Ref. No. IAC/Acq. 1/37EE/3-85/1572.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Basement 1D, at 40-41, Nehru Place, New Delhi mg. 600 sq. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on March 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Seal :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Basement No. 1D in Bakshi House, 40-41, Nehru Place, New Delhi, measuring 600 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 7-11-1985

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sh. Nagendra Nath Kaul
s/o Sh. Satindra Nath Kaul,
R/o Barbar Shah, Srinagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Ramesh Kumar & Sons,
E-32, East of Kailash,
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 7th November 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/Acq. 1/37EE/3-85/1573.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Basement No. 1B, 40-41, Nehru Place, mg. 600 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in March 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Basement No. 1B in Bakshi House, 40-41, Nehru Place, New Delhi, measuring 600 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14A, Asaf Ali Road,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 8th November 1985

Ref. No. IAC/Acq. 1/37LE/3-85/1574.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Basement No. 1A, 40-41, Nehru Place, mg. 600 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in March 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Vijayendra Nath Kaul
s/o Sh. Satindra Nath Kaul,
R/o Barbar Shah, Srinagar.

(Transferor)

(2) M/s. J. N. Sehgal & Sons,
E-32, East of Kailash,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Basement No. 1A, in Bakshi House, 40-41, Nehru Place, New Delhi measuring 600 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14A, Asaf Ali Road,
New Delhi

Date : 8-11-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Mani Raj Kumar,
E-452, Greater Kailash-II,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Mrs. Sunita Lakra,
J-6/119, Rajouri Garden,
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHIObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 8th November 1985

Ref. No. IAC/Acq. 1/37FE/3-85/1575.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred
to as the said Act, have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000 - and bearing No.
Space No. 111 at K. G. Marg, mg. 135 sq. ft. situated at
New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of
the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on March 1985,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to be-
tween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

First Floor air-conditioned space No. 111, in proposed build-
ing on plot No. 22, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi, hav-
ing an area of 135 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 8-11-1985
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,**

**AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI.**

New Delhi, the 8th November 1985

Ref. No. IAC/Acq. 1/37EE/3-85/1576.—Whereas, I, **R. P. RAJESH**, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. G-3, at 44, Nehru Place, New Delhi mg. 323 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. N. B. Singh, and Smt. Variender Kaur,
R/o K-39, NDSE-II,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri C. Gauray Ahuja and Vivek Anand Ahuja,
R/o Ahuja Mansion (FAZILKA),
Punjab.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. G-3 measuring approx. 323 sq. ft. on Ground Floor and 83 sq. ft. on mezzanine floor of Deenar Bhawan, 44, Nehru Place, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 8-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI.

New Delhi, the 8th November 1985

Ref. No. IAC/Acq. 1/37EE/3-85/1577.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000 and bearing No.
Flat No. 202 at 89, Nehru Place, mg. 409 sq. ft. situated at
New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of
the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

- (1) Smt. Sushma Khanna,
C-60, East of Kailash,
New Delhi,

(Transferor)

- (2) Smt. Usha Krishan,
Mr. Gopal Krishan,
Master Sanjeev Krishan &
Saurabh Krishan,
H-22, Lajpat Nagar-III,
New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202 at 89, Nehru Place, New Delhi, area 409
sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 8-11-1985
Seal:

FORM 118

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-I,

**AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI.**

New Delhi, the 8th November 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/3-85/1578.—Whereas, I, **R. P. RAJESH**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1002, at 22B, K. Road, mg. 550 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section, (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

105—366GI/85

(1) Skipper Sales Private Ltd.,
Skipper Bhawan,
22, Barakhamba Road,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Amit Bansal,
B-15, Greater Kailash-I,
New Delhi-48.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1002 at 22, Barakhamba Road, New Delhi, measuring 550 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 8-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI.

New Delhi, the 8th November 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/3-85/1579.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. M-167, Greater Kailash-II, mg. 460 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Apex Construction (P) Ltd.,
A 7/2, New Friends Colony,
New Delhi-65.

(Transferor)

(2) Mr. Gurdayal Prasad Asthana,
S-307, Greater Kailash-II,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Unit Apartment No. S-1, on front portion of 2nd floor of bldg. U/C at M-167, Greater Kailash-II, New Delhi, measuring 460 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 8-11-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI.

New Delhi, the 8th November 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/3-85/1580.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. G-47, East of Kailash, mg. 684 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in March 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Sarla Sunder Singh,
Miss Vera Sunder Singh,
Kothi No. 17, Sector-5,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Mrs. Swaranlata Gupta Master Kunal Gupta
R/o 24-D, Kamla Nagar,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential House mg. 684 sq. yds. at G-47, East of Kailash,
New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 8-11-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI.

New Delhi, the 6th November 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/3-85/1581.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 206 at 19, Barakhamba Road, mg. 500 sq. ft. situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Kailash Nath and Associates
1006, Kanchanjunga,
18, Barakhamba Road,
New Delhi-1.

(Transferor)

- (2) Shri D. R. Sharma (HUF),
W-129, Greater Kailash-I,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 206 on 2nd floor of proposed multi-storeyed commercial bldg., at 19, Barakhamba Road, New Delhi, area 500 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 6-11-1985.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 6th November 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/3-85/1582.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 5, at 19, Barakhamba Road, mg. 500 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the name of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s. Kailash Nath and Associates,
1006, Kanchenjunga,
18, Barakhamba Road,
New Delhi-1.

(Transferor)

(2) Mrs. Achla Sharma, Mr. D. R. Sharma
both r/o W-129, Greater Kailash-I,
and Mrs. Pushpavanti Sharma and
Mr. S. R. Sharma
both R/o A-128, Inder Puri,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5 on 2nd floor area 500 sq. ft. at 19, Barakhamba Road, New Delhi, (ARUNACHAL).

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 6-11-1985.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI.

New Delhi, the 6th November 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/3-85/1583.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 502 at 16, Nehru Place, rag. 502 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

- (1) Mr. Vijay Ghei s/o Sh. V. N. Ghei,
r/o M-183, Greater Kailash-II,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Baby Puja Mehta,
Master Manoj Mehta,
U/G Mrs. Saroj Mehta,
Master Neeraj Nayyar &
Baby Manju Nayyar,
U/G. Mrs. Usha Nayyar,
r/o C-115, Lajpat Nagar-I,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 502, Kundan House, 16, Nehru Place, New Delhi,
area 945 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 6-11-1985.
Seal :

FORM ITNB

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI.

New Delhi, the 6th November 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/3-85/1584.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Space No. 80C, on L.G.F. in Dr. Gopal Das Bhawan, situated at 28, Barakhamba Road, New Delhi, area 191 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Gopal Das Estates and Housing (P) Ltd.,
28, Barakhamba Road,
New Delhi-1. (Transferor)
- (2) Mr. Bhavanish Khosla (HUF),
s/o Late Dr. P. L. Khosla,
R/o N-115, Connaught Circus,
New Delhi-1. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 80-C, on Lower Ground Floor, in Dr. Gopal Das Bhawan, 22, Barakhamba Road, New Delhi, area 191 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 6-11-1985

Seal :

FORM NO. ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd.,
115, Ansal Bhawan,
16, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Gulmohar Hotel (P) Ltd.,
2E/16, Ansari Road, Darya Ganj,
New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI.

New Delhi, the 6th November 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/3-85/1587.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 422 at 38, Nehru Place, mg. 491 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Flat No. 422 at 38, Nehru Place, New Delhi, measuring 491 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 6-11-1985,
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

- (1) M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd.,
115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg,
New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. Culmohar Hotel (P) Ltd.,
2E/16, Ansari Road, Darya Ganj,
New Delhi. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/3-85/1587.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 414 at 38, Nehru Place, mg. 580 sq. ft. situated at
New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the
Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in
March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen percent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or.

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922
11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax,
Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 414 at 38, Nehru Place, New Delhi, measuring
580 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said
Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely:—

106—366GI/85

Date : 6-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/3-85/1588.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 417, at 38, Nehru Place, mg. 363 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd.,
115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg,
New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. Gulmohar Hotel (P) Ltd.,
2E/16, Ansari Road, Darya Ganj,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 417 at 38, Nehru Place New Delhi measuring 363 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi.

Date : 5-11-1985
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/3-85/1589.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 1321, at 38, Nehru Place, mg. 406 sq. ft. situated at
New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the
Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on
March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of the notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd.,
115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Sh. Virender S. Sikand
S/o Ch. Pritam Singh,
Ravinder S. Sikand
S/o Ch. Pritam Singh,
D-4, Lajpat Nagar-II,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days, from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1321 at 38, Nehru Place, New Delhi, measuring
406 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi.

Date : 5-11-1985
Seal :

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/3-85/1590.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 412, at 38, Nehru Place, mg. 610 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

- (1) M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd.,
115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg,
New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. Gulmohar Hotel (P) Ltd.,
2E/16, Ansari Road, Darya Ganj,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 412 at 38, Nehru Place, New Delhi, measuring 610 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi

Date : 5-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/3-85/1591.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 414-A, at 38, Nehru Place, mg. 450 sq. ft. situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

- (1) M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd.,
115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg,
New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. Gulmohar Hotel (P) Ltd.,
2E/16, Ansari Road, Darya Ganj,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 141-A at 38, Nehru Place, New Delhi, measuring 450 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi.

Date : 5-11-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/3-85/1592.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 413, at 38, Nehru Place, mg. 610 sq. ft. situated at
New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the
Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on
March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely —

- (1) M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd.,
115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg,
New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. Gulmohar Hotel (P) Ltd.,
2E/16, Ansari Road, Darya Ganj,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of,
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 413 at 38 Nehru Place, New Delhi, measuring
610 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi.

Date : 5-11-1985
Scal .

FORM ITN5

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/3-85/1593.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 415, at 38, Nehru Place, mg. 560 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

- (1) M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd.,
115, Ansal Bhawan 16, K. G. Marg,
New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. Gulmohar Hotel (P) Ltd.,
2E/16, Ansari Road, Daryaganj,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 415, at 38, Nehru Place, New Delhi, measuring 560 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 5-11-85
Seal

FORM ITNS

(1) M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd.,
115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Gulmohar Hotel (P) Ltd.,
2E/16, Ansari Road, Daryaganj,
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/3-85/1594.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 164, at 16, K. G. Marg, mg. 598 sq. ft.
situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the
Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on
March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 416, at 38 Nehru Place New Delhi, measuring
598 sq. ft.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely —

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 5-11-85

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.1/37EE/3-85/1595.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing No.
Flat No. 421, at 38, Nehru Place, mg. 406 sq. ft.
situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the
Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range I, on
March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair mar-
ket value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

107—366 GI/85

(1) M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd.,
115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg,
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Gulmohar Hotel (P) Ltd.,
2E/16, Ansari Road, Daryaganj,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 421 at 38, Nehru Place, New Delhi, measuring
406 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 5-11-85
Sd/-

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14 A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi the 5th November 1985

Ref No IAC/Acq I/37FF/3-85/1596 —Whereas, I
R P RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value
exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No
Shop No 101 1st floor 97 Bajaj House mg 354 sq ft
situated at Nehru Place New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Income tax Act 1961 in the
Office of the registering Officer at IAC/Acq Range I on
March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen percent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the Act to the following
persons namely:—

- (1) M s Omwati Chhanna W o Sh R S Sharma,
R/o D 3, Soumnagar New Delhi 17
(Transferee)
- (2) Sh Lakhpat Rai Bhutani
S o Sh Janamdas Bhutani,
Sh Lali Bhutani s o Sh Lakhpat Rai Bhutani
1020 Fatak Muliwala Dairyaganj
New Delhi 2
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The term and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No 101, 1st floor 97 Bajaj House, Nehru Place, New
Delhi measuring 354 sq ft

R P RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Aggarwal House
4 14A Asaf Ali Road New Delhi

Date 5 11-85
Seal

FORM I.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/3-85/1597.—Whereas, 1,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. GF-1 in proposed Elite House at plot No. 36, situated at Community Centre, Kailash Colony, New Delhi mg. 397 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) M/s. Elite Developers (P) Ltd.,
115, Ansal Bhawan 16, Kasturba Gandhi Marg,
New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh Sohan Lal Mehra
S/o B. D. Mehra, A-14,
Defence Colony, New Delhi-24,
(2) Smt. Sumitra Devi Bhalla
w/o Sh. J. N. Bhalla, C-98, Lajpat Nagar-I,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. GF-1, in proposed Elite House at plot No. 36, Community Centre Kailash Colony, Extn., (Zamrudpur), New Delhi mg. 397 sq. ft

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 5-11-85
Seal :

FORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/3-85/1598.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. GF-4 in proposed Elite House at plot No. 36, situated at Community Centre, Kailash Colony, New Delhi mg. 427 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I. on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Elite Developers (P) Ltd.,
115, Ansari Bhawan 16, Kasturba Gandhi Marg,
New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. K. K. Mehta (HUF) through Karta
K. K. Mehta S/o Sohan Lal Mehta,
r/o A-14, Defence Colony, New Delhi-24. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. GF-4, in proposed Elite House at plot No. 36, Community Centre, Kailash Colony, Extn., (Zamrudpur), New Delhi mg. 427 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 5-11-85
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. Acq.I/37EE/3-85/1599.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. GF-3, in proposed House at Plot No. 36, situated at Community Centre, Kailash Colony, New Delhi, mg. 435 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Elite Developers (P) Ltd.,
115, Ansal Bhawan, 16, Kasturba Gandhi Marg,
New Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Usha Rani Nayyar w/o Mr. G. R. Nayyar,
C-115, Lajpat Nagar-I,
New Delhi-24.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. GF-3 in proposed Elite House at Plot No. 36, Community Centre, Kailash Colony, New Delhi, mg. 435 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
New Delhi

Date : 5-11-85
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/3-85/1600.—Whereas, J. R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. GF-2, plot No. 36, Kailash Colony, mg. 424 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under I. T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range I on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Elite Developers (P) Ltd.,
115, Ansal Bhawan, 16, Kasturba Gandhi Marg,
New Delhi.
(Transferor)
- (2) Mr. K. K. Mehta s/o Mr. Sohan Lal Mehta,
R/o A-14, Defence Colony,
New Delhi-24.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. GF-2, in proposed Elite House at plot No. 36, Community Centre, Kailash Colony, New Delhi, mg. 424 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
New Delhi

Date : 5-11-85
Seal :

FORM ITNS — —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/3-85/1601.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No., GF 5, plot No. 36, Kailash Colony Extn. mg. 417 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the I. T. Act, 1961 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Elite Developers (P) Ltd.,
115, Ansal Bhawan, 16, Kasturba Gandhi Marg,
New Delhi (Transferor)
- (2) Shri G. R. Nayyar (HUF),
through karta Gulshan Rai Nayyar,
C-98, Lajpat Nagar-I, New Delhi-24. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. GF-5, plot No. 36, Kailash Colony Extn., New Delhi, mg 417 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
New Delhi

Date : 5-11-85
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Elite Developers (P) Ltd.,
115, Ansal Bhawan, 16, Kasturba Gandhi Marg,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. A. K. International,
D-4/1, Safdarjung Enclave,
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/3-85/1602.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. B-1, plot No. 36, Kailash
Colony Extn., mg. 432 sq. ft. situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under I. T. Act, 1961 in the office of
the Registering officer at
IAC/Acq. Range-I on March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to bet-
ween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of—
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. B-1, in proposed Elite House, at plot No. 36,
Community Centre, Kailash Colony Extn., Zamrudpur, New
Delhi, mg. 432 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax-
Acquisition Range-I
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 5-11-1985

Sd/-

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/3-85/1603.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing Rear portion of the G. F. at 18,
Todar Mal Road, situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office
of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I in March 85
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (1) M/s. Brij Enterprises (P) Ltd.,
E-4/15, Jhandewalan Extension, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Sh. Bharat Kumar Gupta,
99, Anand Lok, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957) ;

Rear portion of the Ground floor at 18, Todar Mal Road,
New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

180—366 GI/85

Date : 5-11-85
Seal :

FORM ITNS

- (1) M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd.,
115, Ansal Bhawan, 16-K, G. Marg,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Mrs. Tripta Sharma w/o Mr. H. L. Sharma, Mrs.
Surendra Sharma w/o Mr. H. D. Sharma,
E-77, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.1/37EE/3-85/1604.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1402 at 38, Nehru Place,
mg. 485 sq. ft. situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
I. T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at
IAC/Acq. Range-I on March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 1042 at 38, Nehru Place, New Delhi, measuring
485 sq. ft.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

Date : 5-11-85

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/3-85/1605.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1521 at 38, Nehru Place, mg. 406 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Ansal Properties and Industries Pvt. Ltd.,
115, Ansal Bhawan, 16-K, G. Marg,
New Delhi. (Transferor)
- (2) Mrs. Geeta Puri, Mr. Vikas Puri,
E-389, Greater Kailash-II, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1521 at 38, Nehru Place, New Delhi, measuring 406 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
New Delhi

Date : 5-11-85
Seal

FORM ITNS—

(1) M/s. Ansal Properties and Industries Pvt. Ltd.,
115, Ansal Bhawan, 16-K. G. Marg,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Gulmohar Hotel (P) Ltd.,
2E/16, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1985

Ref. No. IAC/Acq 1/37EE/3-85/1606.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000 - and bearing Flat No. 423, at 38, Nehru Place,
mg. 477 sq. ft. situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office
of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I in March, 85
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-
ween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : - The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been for
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Flat No. 423, at 38, Nehru Place, New Delhi, measuring
477 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date . 6-11-85

Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/3-85/1607.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 611-A at 22, Bara-
khamba Road, mg. 500 sq. ft. situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office
of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I in March, 85
I. T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at
IAC/Acq. Range-I on March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to be-
tween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) M/s. Skipper Sales Private Ltd.,
22, Barakhamba Road, New Delhi-1. (Transferor)
(2) Mrs. Anju Ghei w/o Sh. Vijay Ghei,
R/o M-183, Greater Kailash-II,
New Delhi-48. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 611-A, at 22, Barakhamba Road, New Delhi mea-
suring 500 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
New Delhi

Date : 6-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1985

Ref. No. IAC/Acq I/37EE/3-85/1608.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1108 at 38, Nehru Place, mg. 580 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the IT. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I in March, 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid parties has not been truly stated in the said instrument of and exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd.,
115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg,
New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. Nehru Hosiery Mills,
5509, Basti Harphool Singh, Sadar Thana Road,
Delhi-6. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1108, at 38 Nehru Place, New Delhi, measuring 580 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
New Delhi

Date : 6-11-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/3-85/1609.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1215 at 38, Nehru Place, mg. 560 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I in March 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd.,
115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s. S. C. Jain (HUF),
Master Adeep Jain s/o Sh. Rajeev Jain,
ED-136, Tagore Garden, New Delhi-27.

(Transferee)

Objections, if, any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1215 at 38, Nehru Place, New Delhi, measuring 560, sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
New Delhi

Date : 6-11-85

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAI HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/3-85/1610.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 418, at 38, Nehru Place, mg. 361 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd.,
115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s. Gulmohar Hotel (P) Ltd.,
2E/16, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 418 at 38, Nehru Place, New Delhi, measuring 361 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
New Delhi

Date : 6-11-85

Seal :

FORM ITNS

(1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd.,
115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Gulmohar Hotel (P) Ltd.,
2E/16 Ansari Road, Darya Ganj,
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI.

New Delhi, the 6th November 1985

Objection, if any, to the acquisition of the said property,
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. o. IAC/Acq. I/37EE/3-85/1611.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 419 at 38, Nehru Place, mg. 584 sq. ft. situated
at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of
the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in March, 1985
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 419, at 38, Nehru Place, New Delhi, measuring
584 sq ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—
109—366 GI/85

Date : 6-11-1985.
Seal :

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

FORM NO. I.T.N.S.—

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX****ACQUISITION RANGE-I,****AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI.**

New Delhi, the 7th November 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/3-85/1612.—Whereas, I, **R. P. RAJESH**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- Flat No. 420 at 38, Nehru Place, mg. 399 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd.,
115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg,
New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. Gulmohar Hotel (P) Ltd.,
2E/16, Ansari Road, Darya Ganj,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 420 at 38, Nehru Place, New Delhi, measuring 399 Sq. ft

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI.

New Delhi, the 7th November 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/37EC/3-85/1613.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 24, 3 & 4, South End Lane, New Delhi, mg. 1810 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s. Kailash Nath and Associates,
1006, Kanchenjunga,
18, Barakhamba Road,
New Delhi-1.

(Transferor)

(2) Mrs. Aruna Sultan,
D-278, Defence Colony,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A resld. flat No. 24, area 1510 sq. ft. on 3rd floor, a servant quarter No. 24, area 130 sq. ft. on 2nd floor and open terrace area 170 sq. ft. in proposed multistoreyed Group Housing Scheme GAURI APARTMENTS at 3 & 4 South End Lane, New Delhi, and one Car Parking Space.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 7-10-1985

Seal.

FORM ITNS—

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI.

New Delhi, the 7th November 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/3-85/1614.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Proposed rear flat on G.F. of L-10, Kailash Colony situated
at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of
the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—

(1) Shri Anil Kumar,
X-17, Hauz Khas, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Ajay Katara,
A-1/271, Safdarjang Enclave,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Proposed rear flat on Ground Floor of L-10, Kailash
Colony, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 7-10-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI.

New Delhi, the 7th November 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/3-85/1615.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
(Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Unit No. 3, B-27, Kailash Colony, mg. 670 sq. ft. situated
at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of
the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer.
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Reliance Apartments (P) Ltd.,
A-1/149, Inderpuri, New Delhi.
(Transferor)
(2) Mrs. Dhanwanti Goplani
w/o Mr. Santosh Goplani,
R/o W-167, Greater Kailash-II,
New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the official Gazette or a period of
30 days from the service of notice, on the res-
pective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 3, B-27, Kailash Colony, New Delhi, measuring
670 sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI.

New Delhi, the 7th November 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/3-85/1616.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing One car parking, in L. Basement, at 19, B. K. Road, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Kailash Nath & Associates,
1006, Kanchenjunga,
18, Barakhamba Road,
New Delhi-1.

(Transferor)

(2) Bawa Shiv Charan Singh,
29, Babar Lane, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One open car parking space in the Lower Basement of proposed multi-storied commercial building, 'ARUNA-CHAL' 19, Barakhamba Road, New Delhi-1.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 6-11-1985.
Seal:

FORM ITNS—

- (1) Mr. Harbans Lal Kainth,
E-128 Mohammed Ali Road, R.K. Park,
New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Nisha Singh,
A-238 Defence Colony, New Delhi. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 7th November 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/Acq.I 37EF/3-85/1617.—Whereas, I, R.P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S-350, Greater Kailash-II mg. 300 sq. yds. situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in March, 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

THE SCHEDULE

Ground Floor Flat of S-350, Greater Kailash-II, New Delhi, measuring 300 sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM FINS

(1) Smt. Chander Kanta,
A-6, Ring Road, N.D.S.E. Part-I,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAI HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 7th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37FE/3-85/1618.—Whereas, I,
R.P. RAJFESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
S-462, Greater Kailash-I, mg. 208 sq yds.
situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of
the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in March, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(2) Sh. Rajpal Singh Sandhu,
at present r/o 7330, Corbin Avenue No. 21, Resedo-
91335 C.A. USA and Sh. Shivpal Singh Sandhu
R/o 59, Woodfields Road, Cranford, Hounslow,
Middlesex, U.K., through their attorney I.t.d., Col-
T.S. Gill (Retd.), R/o B-52, 1st Floor, N.D.S.E.
Part-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential unit on second floor of S-462, Greater Kailash-
I, New Delhi, measuring 208 sq. yds.

R. P. RAJFESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mr. Kawaljit Kaur, W/o S. Surat Singh,
R/o C-169, Defence Colony,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Rohan Gupta s/o Mr. Robindra
Gupta, R/o 87, Nehru Place, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 7th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37FE/3-85/1619.—Whereas, I,
R.P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No. 707 at 89, Nehru Place, mg. 551 sq. ft.
situated at New Delhi,

(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the IT Act 1961 in the Office of
the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in March, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to bet-
ween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons namely :—

110—366 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 707 at 89, Nehru Place, New Delhi, measuring
551 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 7-11-85
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 7th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/3-85, 1620.—Whereas, I, R.P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and being No. Flat No. 301 at 13, Tolstoy Marg, mg. 696 sq. ft. situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :

- (1) M/s. Bakshi Vikram Vikas
Construction Co. (P) Ltd. 13, Tolstoy Marg,
New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s Ashoka Raj Nath (HUF)
D-834, New Friends Colony, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Booking of Office Flat No. 301 measuring 696 sq. ft. in the proposed multistoreyed building at 13, Tolstoy Marg, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi New Delhi

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 7th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37FE/3-85/1624.—Whereas, I,
R.P. RAJESH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. S-350, Greater Kailash-II, mg. 30 sq. yds. situated at New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri H. L. Kainth,
11-128, Mohammad Pur, near R. K. Puram,
Sector-I, New Delhi. (Transferor)
- (2) Mrs. Mangeet Bose,
187-A, D.D.A. Flat, Rajouri Gardens,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First Floor of S-350, Greater Kailash-II, New Delhi, mg. 300 sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 7th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/3-85/1622.—Whereas, I,
R.P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. W-1, Greater Kailash-II, md. 8070 sq. ft. situated at New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-I, in March 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therein by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Peshaura Singh S/o Shri Nahar Singh
Found permanent c/o M/s. Hydte Construction (P)
Ltd., P.O. Maya Bunglow, Shillong (Meghalaya),
presently W-1, Gr. Kailash-II, New Delhi-48.
(Transferor)
- (2) Shri Balm Parshad Smt. Lajja Gugnani,
Shri Vinod Gugnani, Smt. Biju Gugnani all R/o
C-36A, Green Park, New Delhi, presently shifted at
W-1, Gr. Kailash-II, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Basement : 1870 sq. ft. (inclusive garages) Gr. Floor 3600 sq. ft. (inclusive ser. qtrs.) First Floor, 3600 sq. ft. (inclusive ser. Qtrs.) Grand total : 8070 sq. fts.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/3-85/1623.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Space No. 16 (LGF) at 17, B. K. Road, mg. 178 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the Office of Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Gulati Estates (P) Ltd.,
17, Barakhamba Road,
New Delhi-11.

(Transferor)

- (3) Mrs. Vimla Gupta,
w/o Shri R. K. Gupta,
R/o 10-1-127/1, Haseb Park,
Hyderabad-500 028.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires first;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 16 on Lower Ground Floor in 'VIJAYA' Building 17, Barakhamba Road, New Delhi, measuring 178.5 sq feet.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Aggarwal House
4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM 11NS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.1/37EF/3-85/1624.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 12 at 22, Kasturba Gandhi Marg, mg. 687 sq. ft. situate at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the Office of Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) increasing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Bahinder Kaur,
Miss Kanwal Preet Kaur,
C-116, Greater Kailash-I,
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Dee Pee Sons,
112-A, Ansal Bhawan, 26, Kasturba Gandhi Marg,
New Delhi-I.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Allotment interest in Flat No. 12, on 7th floor in 22, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi, mg. 687 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Aggarwal House
4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/1625.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1114, at 38, Nehru Place, mg. 580 sq. ft situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the Office of Registering Officer

at IAC/Acq. Range-I, in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Asaf Properties & Industries (P) Ltd.,
115 Anand Chowk, 16, Kasturba Gandhi Marg,
New Delhi
(Transferor)
- (2) M/s. International Commenter Ltd.,
302, Akash Deep Building, Barakhamba Road,
New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1114, at 38, Nehru Place, New Delhi, measuring 580 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Aggarwal House
4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 7-11-1985
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, Connaught Circus, NEW DELHI

New Delhi, 11th November 1985

Ref. No. ACQ/37-4/3/85/1626—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and situated at New Delhi
Plot No. 1-48, Connaught Circus, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred in contravention of the Income-tax Act, 1961, in the
Office of the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
at IAC/Acq. Range-I in March, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922
(11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the Government, this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons namely:—

- (1) Mrs. Sudarshan Seth
Mrs. Um Seth
Mrs. Shulka Seth,
Mrs. Promile Seth,
Mrs. Asha Seth,
Mr. Naresh Seth
all r/o Sadhna Ravon House, Dr. D. N. Road,
Bombay (Transferor)
- (2) M/s. Pragati Construction Co.,
(Devika Chambers) W-49 Greater Kailash-I,
New Delhi-48 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later
- (b) by any other persons interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1-48, Connaught Circus, New Delhi-110001,
measuring.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I Aggarwal House
4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 7-11-1985
Seal:

FORM ITNS

(1) M/s. Tracon International Ltd.,
F-48, Bhagat Singh Market,
New Delhi-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s. Conent India Private Ltd.,
Sat Kuti 33, Ishwarnagar, Mathura Road,
New Delhi-65.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq I/37EE, 3-85/1626-A.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 308 at 15, Kasturba Gandhi Marg, mg. 394.37 sq. feet situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the Office of Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the persons named as follows :—
111—366 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 308 on 3rd floor is under construction Multi storey building at 15, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi, measuring 394.37 sq. feet.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Aggarwal House
4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 5-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/3-85/709.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. M-15, Greater Kailash-I, situated at New Delhi
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

(1) Krishan Lal Sablok,
s/o Kirpa Ram Sablok,
R/o M-15, Greater Kailash-I,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Ashok Kumar Kapur,
s/o Jai Dayal Kapur,
Smt. Bela Kapur,
w/o Ashok Kumar Kapur,
R/o B-365, New Friends Colony,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Front portion flat on second floor part of property No.
M-15, Greater Kailash-I, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Aggarwal House
4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 30-10-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 29th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/3-85/710.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot of land No. 11 in Block 'W' Greater Kailash-II, situated at New New Delhi, measuring 500 sq. mtrs. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Sarita Puri,
w/o Shri D. P. S. Puri,
R/o. 22, Nizamuddin East,
New Delhi-13.

(Transferor)

(2) Shri D. V. Batra,
Shri Devinder Kumar Batra,
Shri Navinder Kumar Batra and
Shri Hemant Kumar Batra,
r/o W-11, Gr. Kailash-II,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land No. 11, in Block 'W' Greater Kailash-II, New Delhi, measuring 500 sq. mtrs.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Aggarwal House
4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 29-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/3-85/711.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Bldg. No. 19, Block No. 'M' in Gr. Kailash-II, situated at
New Delhi, measuring 195 sq. yds.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi in March, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of said Act, to the follow-
ing persons, namely:—

(1) M/s. Rajkiran Pvt. Ltd.,
A-5, Pamposh Enclave,
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. East & West Constructors & Builders (P) Ltd.,
M-19, Greater Kailash-II, (Shopping Centre),
New Delhi.
Amritsar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Entire Basement (Undivided) in Building No. 19, in
Block 'M' in Greater Kailash-II, built on 195 sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Aggarwal House
4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 30-10-1985
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/3-85/712.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 19(1/2) situated at Gr. Kailash-II situated at New Delhi has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Vinod Kumar,
S/o Shri I. N. Saxena,
B-II/153, Sardarjung Enclave,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri M. K. Bahl,
s/o Shri T. D. Bahl,
4/12, Sav Priya Vihar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 19 (1/2), situated at Greater Kailash-II, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Aggarwal House
4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 6-11-1985
Seal :

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 29th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/3-85/713.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property No. C-147, Gr. Kailash-II, mg. 150 sq. yds. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the said property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sunil Bhatia and P.K. Bhatia,
ss/o B. R. Bhatia,
r/o W-41, Greater Kailash-I,
through attorney Smt. Raj Kumari Bhatia.
(Transferor)
- (2) M/s. Aganall Traders (P) Ltd.,
E-1/17, Swami Ram Tirath Nagar, New Delhi,
through its Managing Director Sh. R. K. Sawhney.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Second floor of property No. C-47, measuring 150 sq. yds. Greater Kailash-I, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Aggarwal House
4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 29-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE I, AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 29th October 1985

Ref No IAC/Acq I/SR-III/3-85/714.—Whereas, I, R P RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 100,000/- and bearing No. Plot No 43, in Block W Greater Kailash-II, mg. 400 sq yds situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Harinder Singh,
Shri Harmaal Singh,
R/o S-513, Greater Kailash-II,
New Delhi-48 (Transferor)
- (2) Shri Chandra Sen Jain,
S-150, Greater Kailash-II,
New Delhi-48 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 143, in Block 'W' in Greater Kailash-II, New Delhi, measuring 400 sq yds.

R P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Aggarwal House
4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi

Date 29-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 29th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/3-85/715.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), has reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Residential Plot No. 95, in Block No. 'M' Greater Kailash-II situated at New Delhi, measuring 324 sq. yds. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Prem Parkash Sharma,
s/o Shri Thakur Dass Sharma,
r/o 834, Chirag Delhi,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Anil Kumar Sehgal,
s/o Shri M. R. Sehgal,
Smt. Swarna Sehgal,
w/o Shri M. R. Sehgal,
both r/o D-289, Defence Colony,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 95, in Block No. 'M' Greater Kailash-II, New Delhi, measuring 324, sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Aggarwal House
4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 29-10-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

(1) Shri Chaman Lal,
s/o Shri Lachh Ram,
r/o 4/14A, Jangpura B, New Delhi,
General Attorney for and on behalf of
Shri Hazari Lal, Krishan Lal and others.
(Transferor)

(2) Smt. Darshana Devi,
w/o Shri Chaman Lal,
R/o 4/16A, Jangpura B,
New Delhi.
(Transferee)

New Delh., the 30th October 1985

Ref. No. IAC/Acq I SR-III/3-85/716 —Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 4/16A, area 103 sq. yds. situated in Jangpura B, situated
at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi in March, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : —The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957);

Property No. 4/16A area 103 sq. yds. situated in Jangpura
B, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Aggarwal House
4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons namely:—

112—366 GI/85

Date : 30-10-1985
Seal :

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th October 1985

Ret. No. IAC/Acq.I/SR-III/3-85/717.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1 00,000/- and bearing
No. F/32, Jangpura Extn., mg 288 sq. yds, situated at
New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi in March, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
money or other property which has not been or which
ought to be disclosed by the transferor for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act
1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely:—

(1) Mrs. Parkash P. Singh,
Mr. Mohinder Singh,
Smt. Jyoti Mamtekar and
Smt. Joginder Kaur,
M-59, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri and Parkash Sethi,
F-32, Jangpura Extn., New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. E-32, Jangpura Extension, New Delhi, mg.
288 sq yds

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Aggarwal House
4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 30-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 29th October 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-85/719.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing No.
G.P.B. single storeyed Qtr. No. A-80, situated at Nizamuddin
East, New Delhi
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registration Officer at
New Delhi in March, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moveable or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

- (1) Sh. Paramjit Singh s/o late Sh. Yagdev Singh
R/o 45, Mutri Mandir Society, behind Hari Nagar,
Gutri Road, Baroda and Sh. Yagdev Singh,
r/o F-20, East of Kailash, N. Delhi.
(Transferor)

- (2) M/s. Jafri International,
through their partners
Mrs. Rehana Siddiqui and Ms. Sarwari Begum
r/o A-80, Nizamuddin East, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

G.B.P. Single Storeyed Qtr. No. A-80, measuring 200 sq.
yards situated at Nizamuddin East, New Delhi Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 29-10-1985.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Ray Corporation,
A-118, Wazirpur Indl. Area, Delhi-52.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Subham Udyog Pvt. Ltd.,
A-118, Wazirpur Indl. Area, Delhi-52.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 30th October 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-85/720.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and Plot No. 'FC' Block No. B-1 (Extn.) Mohan Co-op. situated at Indl. Estate Ltd., New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 'FC', Block No. B-1 (Extn.) Mohan Co-op. Indl. Estate Ltd., New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 30-10-1985.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 30th October 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-85/721.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. I-II/23, Lajpat Nagar, mg. 440 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Chaman Lal,
E-3/8, Vasant Vihar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Usha,
I-II/19-B, Lajpat Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. I-II/23, Lajpat Nagar, New Delhi, measuring 200 sq. yards.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 30-10-85.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-85/722 —Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Property No. 201 Block No. R situated at Greater Kailash-I,
New Delhi, mg. 259 sqs. yds.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the registering Officer at
New Delhi in March, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the parties
has not truly stated in the said instrument of transfer with
the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) Sh. Shorindra Kumar Bose
S/o late Sh. Brendra Kumar Boase Esqr.,
r/o R-201, Greater Kailash-I,
New Delhi. (Transferor)
- (2) The United India Insurance Co. Ltd.,
having its registered office at 24, Whites Rd. Madras
and 501-504, Kailash Building,
Kasturba Gandhi Marg,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. 201, Block No. R, measuring 259 sq
yards in the Residential Area known as Greater Kailash-I,
New Delhi within the limits of the Delhi Municipal Corpora-
tion.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 31-10-1985
Seal :

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1985

Ref. No. IAC/Acq. 1/SR-III/3-85/724.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
P-11A, Jangpura Extn. New Delhi situated at New Delhi
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the registering Officer at
New Delhi in March, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

(1) Smt. Tej Kaur w/o S. Lehna Singh through
Smt. Mohinder Kaur w/o S. Sampuran Singh (GPA)
R/o P-11A, Jangpura Extn.,
New Delhi.

(Transferor)

(2) S. Sampuran Singh s/o S. Sardar Singh
R/o P-11A, Jangpura Extn.,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respect persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

P-11A, Jangpura Extension, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 31-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-185/728.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing Agr. land mg. 9 Bighas and 11 Biswas situated at village Satbari, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Dharam Parkash & Padam Parkash,
C-1/65, Safdarjang Development Area,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Varsha Construction Pvt. Ltd.,
5th floor, Bhandati House,
91, Nehru Place,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice, in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and the expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 9 Bighas 11 Biswas comprised in Khasra Nos. 778. and 770 in village Satbari, Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 31-10-1985.
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-85/729.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and Agr. land mg. 9 bighas & 3 biswas situated at village Rajokri, New Delhi

fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

113—366 GI/85

- (1) Smt. Harshad Kumari Sharma d/o Rahul Sharma, R/o C-3/13, Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Ruman Barjatya
s/o Subhash Barjatya and
Manju Barjatya w/o Subhash Barjatya,
G-51, Lajpat Nagar-III, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land measuring 8 Bighas and 3 Biswas Khasra No. 228/1 min (1-9), 230 (4-16), 231 min (1-18), village Rajokri, Teh. Mehrauli, New Delhi.
Date: 31-10-1985.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 31-10-1985
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-85/730.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and Flat No. 7 out of property No. A-30 to A-33, situated at Connaught Place, mg. 431.60 sq. ft. New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Emca Construction Co.,
24/24, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi,
through their Prop. Mahabir Pershad Gupta.
(Transferor)

(2) Miss Meghna Agarwala & Miss Sulakshna Agarwala
minor d/o Bharat Bhushan Agarwala, through their
Guardian Bharat Bhushan Agarwala,
Master Rahul Agarwala minor
s/o Rattan Kumar Agarwala,
through their guardian Rattan Kumar Agarwal,
r/o PB. No. 38, Giridih-915301 (Bihar).
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7 out of property No. A-30 to A-33, Connaught Place, New Delhi, measuring 431.60 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 31-10-1985.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-85/731.--Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 8 out of property No. A-30 to A-33, situated at Connaught Place, mg. 412 sq. ft, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Emca Construction Co.,
24/24, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi,
through their Prop. Mahabir Pershad Gupta.
(Transferor)
- (2) Miss Manjula Sharma, Miss Priyanka Sharma
d/o Sh. R. S. Sharma & Master Rajat Sharma,
Master Gaurav Sharma both minors
s/o Sh. K. K. Sharma,
P-29, South Extension, Part-II,
New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8 out of property No. A-30 to A-33, Connaught Place, New Delhi-I, measuring 412 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 31-10-1985.
Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 30th October 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-85/732,—Whereas, I,
R. P. RAJESH,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana,
being the Competent Authority under section 269D of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Agr. land mg. 28 bighas & 15 biswas situated in village Sat-
bari, Delhi
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the registering Officer at
New Delhi on March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Dharam Parkash & Padam Prakash,
C-1/65, Saldarjang Development Area,
New Delhi. (Transferor)
(2) Life Time Construction (P) Ltd.,
5th floor, Bhandari, House, 91, Nehru Place,
New Delhi-19. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 28 Bighas, 15 Biswas comprised
in Khasra Nos. 788, 763, 762, 761, 764 and 787 situated at
village Satbari, Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 30-10-1985
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 30th October 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-85/733.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and
Agr. land mg. 30 bighas 14 biswas situated in village Sa bari,
Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the registering Officer at
New Delhi on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

- (1) Dhanam Parkash & Padam Prakash,
C-1/63, Saldarjani Development Area,
New Delhi. (Transferor)
- (2) R. Construction & Builders (P) Ltd.,
5th floor, Bhandari House, Nehru Place,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the date of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 30 Bighas 14 Biswas, comprised
in Khata Nos. 780, 766, 765, 760, 759, 767, 769 and 779,
village Satbari, Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 30-10-1985
Seal :

FORM NO. IT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 29th October 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-85/734.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing
Front portion of G.F. of property No. W-165, G.K.-II,
situated at New Delhi
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi on March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) M/s. D. S. Builders,
A-2/140, Safdarjung Enclave, New Delhi,
through its partner Sh. Dharam Singh.
(Transferor)
- (2) Sh. G. R. Talwar and Mrs. Deepa Talwar
R/o W-165, Greater Kailash-II, New Delhi-48.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Front portion of Ground Floor of property No. W-165,
Greater Kailash-II, New Delhi, measuring 1000 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 29-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1985

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/3-85/735.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
W-165, Greater Kailash-II, mg, 1000 sq. ft. situated at New
Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the registering Officer
at New Delhi on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

- (1) M/s. D. S. Builders,
A-2/140, Safdarjung Enclave,
New Delhi, through
its partner Sh. Dharam Singh.

(Transferor)

- (2) Mrs. Pushpa Banj Chand and
Mrs. Basundhara Wazir,
R/o, W-165, Greater Kailash-II,
New Delhi-48.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immo-
vable property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Front Portion on Second Floor of property No. W-165,
Greater Kailash-II, New Delhi, measuring 1000 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 31-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-85/736.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. W-165, Greater Kailash-II, mg. 800 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. D. S. Builders,
A-2/140, Safdarjung Enclave,
through its Partner Sh. Dharam Singh. (Transferor)
- (2) Mrs. Usha Rani & Murli Dhar Agarwal,
R/o. W-165, Greater Kailash-II,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Rear Portion on Second floor of Property No. W-165, Greater Kailash-II, New Delhi, measuring 800 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 31-10-1985
Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 4th November 1985

Ref. No. 138/Mar. 85.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
H-I/133, Lajpat Nagar, mg. 100 sq. yards situated at New
Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi on March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration thereof by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (1) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
114—366GI/85

(1) Shri Anand Singh Nitrula
S/o S. Meel Singh,
4, Mausam Vihar,
Delhi,

(Transferor)

(2) Shri Naresh Adlakha and
Shri Dinesh Adlakha,
R/o H-I/133, Lajpat Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

H-I/133, Lajpat Nagar, New Delhi measuring 100 square
yards.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,

Date : 4-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 29th October 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-85/738.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. W-24, Greater Kailash-I, measuring 500 sq. yds. situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Promila Kapoor,
W/o. Shri Om Prakash Kapoor (O. P. Kapoor),
R/o. W-24, Ground Floor, Greater Kailash-I,
New Delhi. (Transferor)
- (2) Atex Overseas Pvt. Ltd.,
C-237, Defence Colony,
New Delhi,
through its Managing Director,
Shri Atul Ghulati. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2½ storey house No. W-24, measuring 500 sq. yds.
Greater Kailash-I, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 29-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 1st November 1985

Ref. No. IAC/Acq. 1/SR-UI/3-85/739.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Agr. land mg. 15 Bighas and 4 Biswas situated in village Satbari, Tehsil Mehrauli, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Mrs. Kusum Ansal,
W/o. Sh. Susil Ansal,
R/o. N-148, Panchsheel Park,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Lt. Col. Suinder Kumar Kapur,
S/o. Sh. Manoharlal Kapur,
R/o. 3 A/63-C, Janakuri,
New Delhi-58.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agricultural land, comprised in Khasra Nos. 671 (4-03), 702(1-02) 702/1 (0-02), 702/2 (0-18), 792/3 (1-05), 673 (2-18), 703/1 (2-08), 703/2 (2-08), (15 Bighas and 4 Biswas situated in village Satbari, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 1st November 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-85/740.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property No. G-II/45, situated at Lajpat Nagar mg. 100 sq. yds. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- | | |
|---|--------------|
| (1) Smt. Raj Rani,
W/o. Sh. Vishwa Mitter Tuli,
R/o. G-II/45, Lajpat Nagar,
New Delhi. | (Transferor) |
| (2) Smt. Malka,
W/o. Sh. Agha Khan,
R/o. H-II/4, Lajpat Nagar,
New Delhi. | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. G-II/45, measuring 100 sq. yds. situated at Lajpat Nagar, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM I.T.N.9.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

**ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI**

New Delhi, the 1st November 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-85/741.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. M-15, Greater Kailash-I, New Delhi situated at New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely —

- (1) S. M. Sabhlok,
S/o. K. L. Sabhlok,
through general attorney Sh. K. L. Sabhlok,
S/o. late Kripa Ram Sabhlok, M-15, Greater
Kailash-I, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Kuldeep Kaur,
W/o. S. Deepinder Singh,
R/o. M-15, 2nd floor,
reat flat, Greater Kailash-I, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat on second floor rear portion of premises No. M-15, Greater Kailash-I, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 1-11-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 1st November 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-85/742.—Whereas, I, K. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Agr. land mg. 1 Bighas in village Khanpur, situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Usha Singh,
W/o. Sh. Sham Vir Singh,
R/o. E-14, Saket,
New Delhi

(Transferor)

(2) Mrs. Neelam Aggarwal,
W/o. Sh. Ravinder Kumar Aggarwal,
R/o. 5C/18, New Rohtak Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One bigha comprised of land in Kh. No. 276/3 (0-2), biswas, village Khanpur, Teh. Mehrauli, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 1-11-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

(1) Smt. Usha Singh,
W/o. Sh. S. V. Singh,
R/o. B-14, Saket, New Delhi.

(Transferor)

(2) Miss Kiran Singh,
D/o. Sh. M. B. Singh, Mrs. M. Singh,
W/o. Sh. M. B. Singh,
both R/o. L-1, Tara Apartment,
Kalkaji, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 1st November 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-85/743.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as
the 'said Act', have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing No.
Agr. land mg. 1 Bighas & 2 Biswas situated at
village Khanpur, New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the registering Officer
at New Delhi in March 1985
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1 Bighas & 2 Biswas of Agr. land Kh. No. 276/3, village
Khanpur Teh. Mahrauli, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
person, namely :—

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 29th October 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-85/744.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Agr. land in village Khanpur, New Delhi, situated at measuring 3 Bighas and 17½ biswas (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Usha Singh,
E-14, Saket, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Deepak Johar,
Rajindra Singh,
R/o. B-102, Greater Kailash-I, New Delhi and
Mrs. Amita Singh, Mr. Davinder Pal Singh,
1670, Dakhni Rai Street, Darya Ganj, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3 Bighas & 17½ biswas of agricultural land Khasra No. 280/2 (1-9) 280/3 (0-7½) 280/4, (0-12), 277/3 (1-9), village Khanpur, Teh. Mehrauli, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 29-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 1st November 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-85/746.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Property No. II-1/48-B, Lajpat Nagar, mg. 100 sq. yds.
situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the registering Officer
at New Delhi in March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
115—366GI/85

- (1) Smt Thakuri Bai,
W/o. Late Kanaya Lal,
R/o.II-I/48, Lajpat Nagar, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Kanaya Lal A. Gehani S/o. Sh. Anand Ram
H. Gehani,
through attorney Mrs. Ruby Gehani,
W/o. Sarup A. Gehani,
(Transferee)
R/o. 10/161, Lodi Colony, New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. II-I/48-B, Lajpat Nagar, New Delhi,
mg. 100 sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 1st November 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-85/747.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. II-1/48-A, Lajpat Nagar, mg. 100 sq. yds. situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Smt. Thakuri Bai,
W/o. Late Kanaya Lal,
R/o. II-1/48, Lajpat Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Savitri Devi, W/o. Sh
Gian Chand R/o. Flat No. 27-28, Krishna Market,
Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. II-1/48-A, Lajpat Nagar, New Delhi, measuring 100 sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 1st November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/3-85/748.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No. D-I/147, Lajpat Nagar, Mg. 100 sq. yards, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that its fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Ashutosh
S/o Shri Sunder Dass,
C/o Shri H. C. Mehta,
C-II/20, Lajpat Nagar,
New Delhi.
- (2) Shri Jagdish Bhatia
S/o Late Shri Kanaya Lal
R/o D-I/147, Lajpat Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. D-I/147, Lajpat Nagar, New Delhi, measuring 100 sq. yards.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 30th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/3-85/749.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Agricultural land mg. 11 Bighas and 11 Biswas situated in
village Bijwasan, New Delhi
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi on March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
~~and/or~~

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act. to the following
persons, namely :—

- (1) Mr. Rati Ram
S/o Mr. Jain Lal
R/o V. & P.O. Bijwasan, Teh. Mehrauli,
New Delhi-2.

(Transferor)

- (2) M/s. Falcon Crest Pvt. Ltd.,
8/3, Asaf Ali Road,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in the Chapter.

THE SHEDULE

Agricultural land bearing Kh. No. 48/20 (4-16), 48/21
(4-16), 49/25 (0-9), 73/5 & 6(0-16), 74/10 & 11 (0-10),
74/26 (0-4) at Village Bijwasan, Teh. Mehrauli, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 30-10-1985

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-85/737.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Basement floor of property No. M-29, Gr. Kailash-II, situated at New Delhi, measuring 250 sq. yds. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

No. therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Mrs. Raman Anand W/o. Ashok Anand,
R/o. 289, Defence Colony,
New Delhi, through attorney M. R. Sehgal.
(Transferor)
- (2) Mrs. Rawail Kakkar W/o. Sh. Dwarka Nath,
R/o. D-649, Chittaranjan Park,
New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Basement floor of property No. M-29, measuring 250 sq. yds. Greater Kailash-II, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 31-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/3-85/751.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- Rs. 1,00,000/- and bearing No. W-165, Greater Kailash-II, mg. 1000 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. D. S. Builders,
A-2/140, Safdarjung Enclave, New Delhi
Through its partner
Shri Dharam Singh.
(Transferor)

(2) Mrs. Savita Bahadur
W/o Mr. Satish Bahadur
R/o W-165, Greater Kailash-II,
New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Front portion of First floor of property No. W-165, Greater Kailash-II, New Delhi-48, Measuring 1000 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 4-11-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/3-85/752.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing No.
W-165, Greater Kailash-II, mg. 800 sq. ft. situated at New
Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi on March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely:—

- (1) M. S. Builders,
A-2/111 Siddhant Enclave, New Delhi
through its partner
Shri Bhagat Singh (Transferor)
- (2) Mr. and Mrs. Kapoor
S/o Late Shri R. D. Kapoor,
R/o W-165, Greater Kailash-II,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Rear portion of First floor of property No. W-165, Greater
Kailash-II, New Delhi. Measuring 800 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 4-11-1985
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/3-85/753.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. W-165, Greater Kailash-II, mg. 800 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. D. S. Builders,
A-2/140, Safdarjung Enclave, New Delhi
Through its partner
Shri Dharam Singh. (Transferor)
- (2) Mrs. Sudesh Chhabra
W/o Shri R. D. Chhabra
R/o W-165, Greater Kailash-II,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Real portion of ground floor of property No. W-165 Greater Kailash-II, New Delhi, measuring 800 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 4-11-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(1) M/s. Bhatia Apartments,
A/18, Kailash Colony,
New Delhi.

(Transferee)

(2) Mrs. Kiran Rajpal,
M-169, Greater Kailash-II,
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAI HOUSE,
4/14-A ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 4th November 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

Ref. No. IAC/Acq.I SR-III 3-85/754.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing No.
Property No. M-169, Greater Kailash-II, mg. 400 sq. yards
situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi on March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
transferor with the object of :—

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);Complete first floor consisting of 3 bed, 3 bathroom, draw-
ing dining, S/quarter alongwith one car parking with 1/3

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

116—366GI/85

Date : 4-11-1985

Sd/- :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1), OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 29th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/3-85/755.—Whereas, I,
R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. E-503, Greater Kailash-II, mg. 248 sq. yards situated at New Delhi

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ~~major~~

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Rajinder Ahuja
W/o Shri R. K. Ahuja
R/o G-36A, Kirti Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

- (2) M/s. Rajni Properties Pvt. Ltd.,
30/3, Community Centre,
East of Kailash, New Delhi
Through its Director
Shri Roop Chand.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. E-503, measuring 248 sq. yards Greater Kailash-II, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
New Delhi

Date : 29-10-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/3-85/756.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. S-168, Greater Kailash-II, New Delhi mg. 300 sq. yards situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sudershan Aggarwal
S/o Shri Nanak Chand
R/o E-467, Greater Kailash-II,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Shashi Mehra
W/o Shri K. C. Mehra
R/o A-1/31, Safdarjang Enclave,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First floor of House No. S-168, Greater Kailash-II, New Delhi. Measuring 300 sq. yards.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
New Delhi

Date : 4-11-1985

Seal :

FORM I.T.N.S. ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/3-85/757.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House Built on Plot No. 493, Block No. 'S' Greater Kailash-II, New Delhi, measuring 550 sq. yards, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Harvinder Pal Singh
S/o S. Avtar Singh
C/o M/s. Sophisticated Holding (P) Ltd.,
New Delhi. (Transferor)
- (2) Mrs. Anjana Rita Rai
W/o Shri Hakumat Rai
R/o S-251, Panchashcel Park,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House built on Plot No. 493, Block No. 'S', measuring 550 sq. yards situated at Greater Kailash-II, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
New Delhi

Date : 4-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ramesh Sharma,
Assistant Registrar (Gazette),
Delhi High Court,
K-29, Jangpura Extension,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Adash Kapoor
W/o Shri Darshan Lal Kapoor
R/o G-18, Jangpura Extension,
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 4th November 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC Acq.I/SR-III/3-85/758.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 29, Block 'K' Jangpura Extension mg. 207 sq. yards situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 29, Block 'K' Jangpura Extension, New Delhi.
Measuring 207 Sq. yards.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-11-1985

Seal :

FORM I.T.N.S.—

- (1) Smt. Savitri Tarachand Bharwaney.
(Transferor)
- (2) Sh. Chandra Singh Lodha & Smt Kusum Lodha.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5764/84-85.—Whereas, I,
P. N. DUBEY
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property have a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Office No. 154, Mittal Court situated at
Nariman Point
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the Agreement is registered under
section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of
the Competent Authority
Bombay on 1-3-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-
ween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Office No. 154 on 15th floor in MITTAL COURT, B Wing,
Nariman Point, Bombay-400 021.

The statement has been registered by the Competent Autho-
rity, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/
5532/84-85 on 1-3-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons namely :—

Date: 1-11-1985
Sent.

FORM ITNS

(1) Fakhunisa Jamal.

(Transferor)

(2) Alimohamed Haji Kasam Nathani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—Ref. No. AR-I/37EE/5767/84-85.—Whereas, I,
P. N. DUBEYbeing the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the Said Act) have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. E-302, Kailash

situated at Bellasis Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the Agreement is registered under
section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of
the Competent Authority
Bombay on 1-3-1985for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official GazetteEXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

THE SCHEDULE

Flat No. E-302 on the third floor of building 'Kailash'
(under construction) 293, Bellasis Road, Bombay-400 008.The statement has been registered by the Competent Autho-
rity, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/
5534/84-85 on 1-3-85.(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Dated: 4-11-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5769/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 35, Shah & Nahar Indl. Estate situated at Lower Parel (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, Bombay on 1-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Dhanraj Mills Private Limited. (Transferor)
(2) Smt. Pushpa Murlidhar Chhabria, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit/Gala No. 35, Ground floor of A-1 building, situated at Shah & Nahar Industrial Estate, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5535/84-85 on 1-3-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 1-11-1985
Seal;

FORM ITNS—

(1) M/s United Commercial Syndicate.

(Transferor)

(2) M/s Sunitex Private Limited.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5778/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 219, 2nd floor Shah & Nahar Indl. Estate (A-1) situated at Lower Parel has been transferred (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

117—366GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 219 on Second floor, Shah & Nahar Industrial Estate (A-1) Dhanraj Mill Compound, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5539/84-85 on 1-3-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Competent Authority
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 1-11-1985

Seal:

FORM ITNS—

(1) Smt. Laxmi K. Advani (Transferor)

(2) Victor Investments & Trading Co. Pvt. Ltd. (Transferee)

(3) Transferee. (Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5779/84-85—Whereas, I, P. N. DUBEY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 5, Meher Abad situated at Bhulabhai Desai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter :—

THE SCHEDULE

Flat No. 5, on the 1st floor in a building known as 'Meher Abad' Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 026.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5540/84-85 on 1-3-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Competent Authority
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 1-11-1985
Seal.

FORM ITNS

(1) Mrs. Pravina A. Joshi &
Mr. Amba Shankar N. Joshi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs Nasim Said Mufia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-1/37EE/5781/84-85.—Whereas, I,
P. N. DUBEY
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 306, Veena Beena Apts
situated at Sewri (W)
has been transferred
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the Agreement is registered under
section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of
the Competent Authority at
Bombay on 1-3-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said period of
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expire later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 306 on 3rd floor, H Building, Veena Beena Apart-
ments, Acharya Donde Marg, Sewri (W) Bombay-400 015.

The statement has been registered by the Competent Autho-
rity, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/
5542/84-85 on 1-3-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
person, namely :—

Dated: 4-11-1985
Seal:

FORM 119B

(1) Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. R. Y. Sharma.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY**

Bombay, the 1st November 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-I/37EE/5782/84-85.—Whereas, I,
P. N. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Unit No. 315, 3rd floor of Shah &

Nahar Indl. Estate A-1

situated at Lower Parel

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.**THE SCHEDULE**

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

Unit No. 315 on 3rd floor of A-1 Shah & Nahar Indl. Estate, S. J. Marg, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5543/84-85 on 1-3-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Competent Authority
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Dated: 1-11-1985
Seal:

FORM NO. I.T.N.S.———

(1) M/s Radha Builders.
(Transferor)**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**(2) Mr. John Francis Pereira,
Mrs. Nalunji John Pereira.
(Transferee)**GOVERNMENT OF INDIA**(3) Transferees.
(Person in occupation of the property)**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY**

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-1/37EE/5783/84-85.—Whereas, I,
P. N. DUBEY
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 7, Radha Kahn
situated at Sion
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred and the Agreement is registered under
section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office
of the Competent Authority, at
Bombay on 1-3-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, 3rd floor, Radha Kahn, Plot No. 66, Sion
East, Bombay-22.

The statement has been registered by the Competent Authority,
Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/
5544/84-85 on 1-3-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Competent Authority
Acquisition Range-I, Bombay.

Dated: 1-11-1985
Seal:

FORM ITNS

(1) Mr. Yusuf Abdulla Patel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Jitendra C. Shah, Mrs. Nalini J. Shah & Mrs. Shantaben C. Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EF/5789/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1, Patel Apartments situated at Worli (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 1 on 3rd floor in Patel Apartments, Building No. 7B, B.G. Kher Road, Bombay-400 018.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5550/84-85 on 1-3-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated: 1-11-1985
Seal:

FORM ITNS—(1) M/s Therapeutics Investments Pvt. Ltd.
(Transferor)(2) Mts. Fatima A. Rahim.
(Transferee)**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY**

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5790/84-85.—Whereas, I,
P. N. DUBEY
Income-tax Acquisition Range Ludhiana
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 1, Huda Apartments
situated at Morland Road
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the Agreement is registered under
section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office
of the Competent Authority, at
Bombay on 1-3-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
source or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Building No. C1, 6th floor, Huda Apartments,
95 Morland Road, Bombay-400 008.

The statement has been registered by the Competent Autho-
rity, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/
5551/84-85 on 1-3-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Dated: 1-11-1985
Seal:

FORM ITNS

- (1) M/s. Therapeutics Investment Pvt. Ltd.
(Transferor)
- (2) Mr Suratali Nabi Jaan Tailor.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-1/37EE/5791/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, Income-tax Acquisition Range Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 4, Huda Apartments situated at Morland Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 2nd floor, Building No. a, Huda Apartments, 95 Morland Road, Bombay-400 008.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/84-85 on 1-3-1985.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Competent Authority
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Dated: 1-11-1985
Seal:

FORM ITNS-----

(1) Smt. Lakshmi R Kannan.

(Transferor)

(2) Smt. Kamla A Doshi & Amratlal U Doshi, Father and Natural Guardian of Minor Kumar Dharmesh A Doshi, Smt. Sushila M Doshi.

(Transferee)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 26 & 27, 2nd floor, Meena Sadan, Sion Road (West) Bombay-22.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/5556/84-85 on 1/3/1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Competent Authority
Acquisition Range-I, Bombay.

Dated: 1-11-1985
Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

118—366GI/85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. 131/March/85.—Whereas I, P. N. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value of Rs. 1,00,000/- and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No. 26 & 27, Meena Sadan situated at Sion (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5800/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 6, Garage No. 1 situated at Dr Rajabai Patel Road (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1/3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M. J. Apparels
(Transferor)
- (2) Dalal Singh B. Jain,
Anilkumar B. Jain
(Transferee)
- (3) Transferees
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6 & Garage No. 1, 'RAJ NEELAM', Dr. Rajabai Patel Road, Bombay-400 026.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5557 84-85 on 1/3/85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 1/11/1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5804/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 4B, 'Altview' Bldg. situated at Al amount Road (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4/3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Dr. Yeshwant G. Banker (Transferor)
- (2) 1. Mr. Shailesh R. Kharidia,
Mrs. Meena S. Kharidia,
3. Mrs. Nirmalaben R. Khatidia (Transferee)
- (3) Transferor . (Person in occupation of the property)
- (4) Bank of Baroda (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within forty five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4B, Fourth floor, Altview, 7, Al amount Road, Bombay-26.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I 5598/84-85 on 4/3/85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 1/11/1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5822/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 18, Venus Apartments situated at Worli Seaface (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4/3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269C of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Mr. G. D. Kishanchandani (Transferor)
(2) Mrs. Shobha V. Gurtu and Mr. Narendra V. Gurtu (Transferee)
(3) Mr. & Mrs. G. D. Kishanchandani (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 18 on 5th floor, Venus Co-op. Housing Society Ltd., Plot No. 45-D, Worli Hill Estate, Bombay-400 018.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5602/84-85 on 4/3/85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 1/11/1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-1/37EE/5828/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 41, Venus Co. op. Hsg. Soc. situated at Worli Sea Face (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4/3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Smt. Ramben B. Mehta
(Transferor)
- (2) Hiraben Chunilal Soni,
Narendra C. Soni,
Smt. Saroj M. Soni,
Praful C. Soni and
Master Suketu P. Soni
(Transferee)
- (3) Transferees
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 11th floor of Venus Co-op. Housing Society Ltd., Plot No. 48, near Milk Dairy, Worli, Bombay-18.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-15605/84-85 on 4/3/85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 1/11/1985
Seal ;

FORM ITNS

(1) Shri D. H. Lotlikar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Venkatmallu C. Chilweri,
Smt. Laxmibai V. Chilweri

(Transferee)

(4) Transferees

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-1/37EE/5831/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 25, Final Plot No. 1035 situated at Sayani Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4/3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 25 on the 6th floor, Final Plot No. 1035 of TPS Prabhadevi. 1, Khed Gally, Off Sayani Road, Prabhadevi, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5608/84-85 on 4/3/85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Shah & Nahar Associates

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Vishnu P. Naik

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5834/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Unit No. 339, 3rd floor Shah & Nahar Indl. Estate A-2 situated at Lower Parel (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4/3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 339 on 3rd floor in Shah & Nahar Industrial Estate A-2, S. J. Marg, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5610/84-85 on 4/3/85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM IINS

- (1) Messrs Silver Stars (Transferor)
 (2) Messrs Allied Gem Corporation (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
 INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5836/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 428, Panchratna Bldg. situated at Opera House (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4/3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 428 on 4th floor, Panchratna, Opera House, Bombay-400 004.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5617/84-85 on 4/3/85.

P. N. DUBEY
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I, Bombay

Date : 1/11/1985
 Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5837/84-85.—Whereas, I,
P. N. DUBEY,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 8, Avanti Niketan situated at Sion
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the Agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office
of the Competent Authority
at Bombay on 4/3/1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—
119—366GI/85

- (1) Shri Hareshkumar P. Koradia,
Shri Jawaharlal P. Koradia and
Shri Rajesh P. Koradia

(Transferor)

- (2) Shri Manharlal R. Sheth,
Smt. Anupama M. Sheth and
Shri Kiran M. Sheth

(Transferee)

- (3) Transferees

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8, 15th floor, Avanti Niketan Co-op. Soc. Ltd.,
Flank Road, Sion, Bombay-400 022.

The statement has been registered by the Competent
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.
AR-I/5612/84-85 on 4/3/85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 1/11/1985
Seal :

FORM No. ITNS

- (1) M/s Rose International (Transferor)
 (2) Mr. D. S. Sharma Sons (Transferee)
 (3) Transferees (Person of occupation of the property)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-1/37FF 5840/84-85.—Whereas, I,
 P. N. DUBEY,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property, having a Fair Market Value exceeding
 Rs. 1,00,000/- and bearing
 Gala No. 11, Tania Indl Estate situated at Lower Parel
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred and the Agreement is registered under
 section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office
 of the Competent Authority
 at Bombay on 4/3/1985
 for an apparent consideration which is less than the
 fair market value of the aforesaid property and I have
 reason to believe that the fair market value of the property
 as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
 more than fifteen per cent of such apparent consideration
 and that the consideration for such transfer as agreed to
 between the parties has not been truly stated in the said
 instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act to the following
 persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
 able property, within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said Act,
 shall have the same meaning as given in
 that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 11, 2nd floor, Tania Industrial Estate, Building
 A, Lower Parel Jivraj Ramji Boricha Marg, Sitaram Marg
 Compound, Bombay-11.

The statement has been registered by the Competent
 Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.
 AR-1/5613, 84-85 on 4/3/85.

P. N. DUBEY
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I, Bombay

Date : 1/11/1985
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- | | |
|---|--------------|
| (1) Nihalchand H. Chawla | (Transferor) |
| (2) Suresh Nandlal Murpana and Jagdish N. Murpana | (Transferee) |

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5842/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 15, The Ram Sharan situated at Sion (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4/3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of that said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 15, 2nd floor, Plot No. 45, The Ram Sharan Co-op Hsg. Soc. Ltd., Sion West, Bombay-400 022.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5619/84-85 on 4/3/85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 1/11/1985
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY**

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5843/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 121 & Car Parking Space 121 A & B in Bajaj Bhavan situated at Nariman Point (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4/3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Electro Engineering Corporation (Transferor)
(2) Apparel Export Promotion Council (Transferee)
(3) Transferee alongwith a Licensee Indo Ele. Inds. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Premises No. 121 & Car Parking Space 121A & B in the building known as 'Bajaj Bhavan' Nariman Point Bombay-21.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5620/84-85 on 4/3/85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shah & Nihar Associates

(Transferor)

(2) Messrs Pudiya

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5844/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 445, A1 Shah & Nihar Indl. Estate situated at Lower Parel (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1/3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 445-A1 Shah & Nihar Industrial Estate, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5621/84-85 on 1/3/85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM ITNB(1) M/s The Great Pyramind Investment Co. Ltd
(Transferor)(2) Shri Chandrakant Balkrishna Desai
(Transferee)**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE I, BOMBAY**

Bombay the 1st November 1985

**Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—**(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

Ref No AR-1/37EE/5846/84-85 — Whereas, I,
P N DUBEY,
being the Competent Authority under Section 269D of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs 1,00,000/- and bearing
Unit No 1, Tanti Indl Estate situated at Lower Patel
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the Agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of
the Competent Authority
at Bombay on 1-3-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of —

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Unit No 1, 2nd floor Tanti Industrial Estate Building
Plot No. 7, Jivraj Bharucha Marg, Lower Parcel, Bombay
400 011

The statement has been registered by the Competent
Authority Acquisition Range-I Bombay, under Serial No
AR-1/5623/84-85 on 1-3-1985

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

P N DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 1-11-1985

Seal

FORM ITNS—

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY**

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-1 371E/5851/84-85.—Whereas, I,
P. N. DUBEY,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 1204, Sumer Towers No. 1 situated at Mazgaon
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the Agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of
the Competent Authority
at Bombay on 1-3-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
~~and/or~~

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferor for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) M/s. Sumer Associates. (Transferor)
(2) Kirtu Parmar (Minor),
Through his father & Natural guardian
Shri Chandan N. Parmar. (Transferee)
(3) Builder.

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1204, on 12th floor, Building No. 1 of Sumer
Towers, Love Lane, Seth Motish Road, Mazgaon, Bombay-
400 010.

The statement has been registered by the Competent
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.
AR-1/5558/84-85 on 1-3-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref No AR-1/37EE/5855/84-85 —Whereas, I,
P. N. DUBEY,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income tax Act 1961 (43 of 1961) hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value
exceeding Rs 1,00,000/ and bearing
Flat No 401, Anuj Apartment situated at Gwalia Tank
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the Agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of
the Competent Authority
at Bombay on 13-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-
ween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

- (1) Shri Mohanlal Motilal Kothari,
Natural Guardian & Father of
Master Anuj M. Kothari and
Mohanlal M. Kothari (Transferor)
- (2) Smt. Parul Nitin Gothi and
Shri Nitin C. Gothi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION - The terms and expressions used herein are
defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 401, Anuj Apartment, August Kranti Marg, 4th
floor, Gwalia Tank, Bombay-400 036.

The statement has been registered by the Competent
Authority, Acquisition Range I Bombay, under Serial No
AR-I/5562/84 85 on 13 1985

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date - 1-11-1985
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5860/84-85.—Whereas, I,
P. N. DUBEY,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 22, Bhaveshwar Sadan situated at Sion (East)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the Agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of
the Competent Authority
at Bombay on 12-4-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

120—366G1/85

- (1) Smt. Raukmanbal. (Transferor)
(2) Shri Vithaldas G. Shah, SUG,
Smt. Kusum V. Shah. (Transferee)
(3) Transferees. (Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 22, Bhaveshwar Sadan, 3rd floor, Plot No. 207,
Sion East, Bombay-22.

The statement has been registered by the Competent
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.
AR-I/5567/84-85 on 12-3-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5867/84/85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 8, Worli Bhaveshwar CHSL situated at Worli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AII of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Gunwanti V. Thandani. (Transferor)
 (2) Mrs. Zulekha I. Agwan. (Transferee)
 (3) Transferor. (Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8, 1st floor, Worli Bhaveshwar Co-op. Society, Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-18.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5574/84-85 on 1-3-1985.

P. N. DUBEY
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I, Bombay

Date: 1-11-1985
 Seal;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5877/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 16, Maharashtra CHSL situated at Parel (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985 which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Murlidhar Saridhar Joshi. (Transferor)
- (2) Vinayak Dattatray Govilkar, Rajshekhar V. Govilkar. (Transferee)
- (3) Murlidhar Shridhar Joshi and his family. (Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 16, 4th floor, Maharashtra Co-op. Housing Society Ltd., Ambedkar Nagar, Parel, Bombay-400 012.
The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5579/84-85 on 1-3-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM MNS—

(1) M/s. Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Rub'nasha Exports Pvt. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5892/84-85.—Whereas, I,
P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 419A on 4th floor in Shah & Nahar Indl. Estate A-1 situated at Lower Parel (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The Terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit No. 419A on 4th floor of A1, Shah & Nahar Indl. Estate, S. J. Marg, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5588/84-85 on 1-3-1985

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5893/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 811, Embassy Centre situated at Nariman Point (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s A.B.C. Consultants (Pvt. Ltd. (Transferee)
(2) M/s A. R. Corporation. (Transferee) (s)
(3) Transferee. (Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The Terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 811, 8th floor, Embassy Centre, Nariman Point, Bombay-21.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AI-1/5583/84-85 on 1-3-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Dr. Bharat C. Desai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Dr. Narendra Gamavat.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property.)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5898/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Clinic in Modj Chambers situated at Opera House (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The Terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Clinic in Modj Chambers, French Bridge, Opera House, Bombay-400 004.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5594/84-85 on 1-3-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Bonny Enterprises.

(Transferor)

(2) Mukesh Ramfili Savia.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.Ref. No. AR-I/37EE/5904/84-85.—Whereas, I,
P. N. DUBEY,being the Competent Authority under Section 269AB of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 201, Dev Kripa Bldg. situated at Govindji K. Road
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the Agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of
the Competent Authority
at Bombay on 4-3-1985For an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen percent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 201 at Dev Kripa Building, 140-145, Naigaum
Scheme, Govindji Keni Road, Bombay-400 014.The statement has been registered by the Competent
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.
AR-I/5631/84-85 on 4-3-1985.(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—Date : 1-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Bonny Enterprises.

(Transferor)

(2) Smt. Lata Mukesh Savia.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-137EE/5905/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 202, Dev Krpa Bldg. situated at Govindji Keni Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 202 at Dev Krpa Building, 140-145, Naigaum Scheme, Govindji Keni Road, Bombay-14.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5632/84-85 on 4-3-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM ITNS ———

(1) M/s Bony Enterprises.

(Transferor)

(2) Mr. Zulfikarally T. Ratlamwala.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. 9A-I/37EL/5907/84-85.—Whereas, I,
P. N. DUBEY
being the Competent Authority authorised by the Central
Government in this behalf under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing
Flat No. 601, Pearl Harbour situated at Mazgaon
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 259AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of
the Competent Authority
at Bombay on 4-3-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefore by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
which ought to be disclosed by the transferee for
moneys or other assets which have not been or
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

121—366GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 601, Pearl Harbour, Tulsiwadi, Mazgaon,
Bombay-400 010.

The statement has been registered by the Competent
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.
AR-I/5934/84-85 on 4-3-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

- (1) M/s Bomboat Stationery Mart. (Transferor)
 (2) M/s Crescent Traders. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
 INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
 BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5909/84-85.—Whereas, I, P.N. DUBEY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding No. Shop No. 16, Rex Chambers situated at WH Marg, has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 4-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 16, Ground floor, Rex Chambers, W.H. Marg, Bombay-400 038.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5636/84-85 on 4-3-1985.

P. N. DUBEY
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-11-1985
 Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Gokul Printers.

(Transferor)

(2) M/s Ketty Enterprises.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5910/84-85.—Whereas, I,
P.N. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and No. Shop No. 14, Jamasji Apts situated at N Bharucha Marg, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 4-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the expiry of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 14 in Jamasji Apartments, 32, N Bharucha Marg, Bombay-7.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No AR-I/6359/84-85 on 4-3-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM K.T.N.S.———

(1) Shri Agnel Antony Pinto, Smt. Felicidade Pinto.
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Amar Vaman Hatle, Shri Vaman B Hatle.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5913/84-85.—Whereas, I,
P.N. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No. Flat No. 64, Mantri Corner situated at Bombay-28, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 4-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 64, 6th floor, in Mantri Corner, on Junction of Gokhale Road & Dr. Sayani Road, TPS IV, Elphinstone, Bombay-25.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5639/84-85 on 4-3-1985.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM IINS

- (1) Shah & Nahar Associates. (Transferor)
(2) Prasant Pravinkumar Sanghvi (Minor)
Pravinkumar Vitthaladas Sanghvi. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5916/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No. Unit No. 153, Shah & Nahar Indl. Estate situated at Lower Parel, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 4-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit No. 153 on 1st floor of A-2, Shah & Nahar Indl. Estate A-2, S.J. Marg, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5641/84-85 on 4-3-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Dubash Brothers.

(Transferor)

(2) Mr. Rashid J. Tamboowalla, Mrs. Zaria R. Tamboowalla.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37FE/5920/84-85.—hereas, I,
P.N. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat on 3rd floor, Banoo Mansion situated at Dadar, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 4-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Southside flat on 3rd floor of Out house at 619, Banoo Mansion, Parsi Colony, Dadar, Bombay-400 014.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-i, Bombay, under Serial No. AR-I/5645/84-85 on 4-3-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Maxa Corporation.

(Transferor)

(2) Print Service.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Ref. No. AR-I/37EE/5923/84-85.—Whereas, I,
P.N. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 341, Kewal Indl. Estate situated at Lower Parel (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 4-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit No. 341 on 3rd floor of Kewal Industrial Estate, Sennapati Bapat Marg, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5648/84-85 on 4-3-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Nancy Tutorial Consultancy Services Pvt. L'd.
(Transferor)(2) Shri Dharmendra D. Ghelani.
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-1/37EE/5930/84-85.—Whereas, I, P.N. DUBEY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 38 Hind Rajasthan Bldg. situated at Dadar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 4-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 38, Hind Rajasthan Building, Ground floor,
Dada Saheb Phalke Road, Dadar, Bombay-400 014.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/5653/84-85 on 4-3-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EF/5932/84-85.—Whereas, I,
P.N. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Premises No. 27, Mustafa Market situated at Khaua Kuva, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 4-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

122—366GI/85

(1) Smt. Nirmalaben S. Dave.

(Transferor)

(2) Rameshchandra H. Jain, Smt. Jamalaben M. Sanghvi.

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

(4) Transferor.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises No. 27, 1st floor, 16/24 Mustafa Market, Khaua Kuva, Bombay-3.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5655/84-85 on 4-3-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, BombayDate : 1-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I, 37EE, 5934/84-85.—Whereas, I,
P.N. DUBEY

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 2, Kish Kant Bldg. situated at Sion (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 2669 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 4-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri B. C. Kamant, I C Kamani & Bharat C. Kamani. (Transferor)
(2) Shri Vijay Hualal Shah (Transferee)
(3) Transferee (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2 on ground floor, Kish Kant Building, Shree Hind Co-op. Housing Society Limited, 23, N. S. Mankikar Marg, Sion, Bombay-22.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6380/84-85 on 4-3-1985

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Bonny Enterprises.

(Transferor)

(2) Mr Godfrey Charles Serrao.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37FE/5936/84-85.—Whereas, I,
P. N. DUBEY,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believethat the immovable property having a fair market value
Rs. 1,00,000/- and bearing No.Flat No. 401, Shanti Kunj Bldg. situated at Dadar,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the Agreement is registered under
section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of
the Competent Authority, at
Bombay on 4-3-1985.for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of ---Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 401 at Shanti Kunj Building, 87, Naigaum Cross
Road, Dadar, Bombay-400 014.The statement has been registered by the Competent
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.
AR-I/5657/84-85 on 4-3-1985.(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) Section 269D of the said Act, to the following
persons, Namely :—Date : 1-11-1985
Seal :

FORM IIS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-1/37EE/5937/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 404, Shanti Kunj Bldg. situated at Dadar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 4-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Bonny Enterprises. (Transferor)
- (2) Mrs. Mary Seirao. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 404 at Shanti Kunj Building, 87, Naigaum Cross Road, Dadar, Bombay-400 014

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/5658/84-85 on 4-3-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mr. Sitabchand Ajmera.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Kanaiyalal K. Thakkar & Mrs Madhuben K. Thakkar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-1/37/5939/84-85.—Whereas, I, P.N. DUBEY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 36, Tardeo A/c Market situated at Tardeo Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 4-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Office No. 36, Tardeo Air-conditioned Market, 5th floor, Tardeo Road, Bombay-400-034.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/5659/84-85 on 4/3/85.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM ITNS

- (1) M/s Sumer Associates
(Transferor)
- (2) Shri Manojkumar T Zavery &
Smt Mina M Zavery
(Transferee)
- (3) Builder
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-1/37/E/5943/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 903, Sumer Towers No. 1 situated at Mazgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of at Bombay on 4-3-1985 the Competent Authority for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 903 on 9th floor in Building No. 1 of 'Sumer Towers' Love Lane, Srth Motisha Road, Mazgaon, Bombay-400 010.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5662/84-85 on 4-3-85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 1/11/1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Shah & Nahar Associates

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M. S. Vishal Colour Chem. Industries

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE '5954/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Unit No. 343, 3rd floor, Shah & Nahar Indl. Estate A-2 situated at Lower Parel (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any assets or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 343 on 3rd floor, A-2 Shah & Nahar Industrial Estate A-2, S J Marg, Lower Parel, Bombay-13

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/5666 84-85 on 19-3-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 1/11/1985

Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Shah & Nahar Associates (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Rubinsha Export Pvt. Ltd. (Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-1/37EE/5955/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bombay, the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 419B, Shah & Nahar Indl. Estate A-1 situated at Lower Parel (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 419B on 4th floor, Shah & Nahar Indl. Estate A-1, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/5667/84-85 on 19-3-1985]

P. N. DUBEY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 1/11/1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Padima Chandrasekhar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Suresh Bhoja Rao

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5950/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 34, 'Prabha Mandir' situated at Prabhadevi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 34 on 3rd floor, 'Prabha Mandir', Prabha Mandir Co-op. Housing Society Ltd., Off Veeer Saverkar Marg, Prabhadevi, Bombay-400 025.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5628/84-85 on 4-3-85

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons :—

123—366GI/85

Date : 1-11-1985

Seal :

FORM ITNS—

(1) Messrs Print Service

(Transferor)

(2) Messrs Sarvodaya Printers

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY**

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5959/84-85.—Whereas, I,
P. N. DUBEY,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
Immovable property having a fair market value
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Unit No 350, Todi Indl Estate situated at N M Joshi Marg
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the Agreement is registered under
section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of
the Competent Authority
at Bombay on 19-3-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned .—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit No. 350 on 3rd floor, Todi Industrial Estate, N. M.
Joshi Marg, Bombay-400 011

The statement has been registered by the Compe-
tent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial
No AR-1/5670/84-85 on 19-3-1985

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5960/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 28, Navjivan Society situated at Lamington Road (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Lokashing R Bajaj &
Smt Vishindevi L Bajaj
(Transferor)
- (2) B C Punamiya,
Smt Vimladevi B Punamiya
(Transferee)
- (3) Transferees
(Person in occupation of the property)
- (4) Transferees
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)
Office No. 28, 9th floor, Building No. 3, Navjivan Co-op. Soc. Ltd., Lamington Road, Bombay-8.
The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6372/84-85 on 3/85

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 4-11-1985
Seal :

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5971/84-85.—Whereas, I,
P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 3, Parsram Niwas situated at Sion (East) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mrs Tarabai M Raghani
(Transferor)
(2) Shri Keshrimal M Shah &
Smt Usha K Shah
(Transferee)
(3) Transferees
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 1st floor, Parsram Niwas, Parsram Satramdas Premises CHSL, 234-A, Sion East, Bombay-22.

The statement has been registered by the Competent authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5673/84-85 on 19-3-1985

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Sterlite Cables Limited
(Transferor)
- (2) Mrs. Chandrika C. Parikh,
Mr. Chandrakant G. Parikh
(Transferee)
- (3) Transferor
(Person in occupation of the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5972/84-85.—Whereas, I,
P. N. DUBEY,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Office No. 201, Marine Chambers situated at New Marine
Lines
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the Agreement is registered under
section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of
the Competent Authority
at Bombay on 19-3-1985
for an apparent consideration which is less than the fair-
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette, or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the pub-
lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein
as are defined in the Chapter XXA of the
said Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 201, 2nd floor, Marine Chambers, Plot No. 11,
New Marine Lines Bombay-400 020.

The statement has been registered by the Competent autho-
rity, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/
5674/84-85 on 19-3-1985

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Kewal Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mrs. Manorama Kantilal Manseta

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5973/84-85.—Whereas, I,
P. N. DUBEY,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Unit No. 417, Kewal Indl. Estate situated at Lower Parel
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the Agreement is registered under
section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of
the Competent Authority
at Bombay on 14-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer,
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 417 on 4th floor, A Wing, Kewal Industrial
Estate, Lower Parel, Bombay.

The statement has been registered by the Competent autho-
rity, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/
5675/84-85 on 14-3-1985

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Chandwani Parmanand P., Trustees of
P. P. Private Trust
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Ashok Kumar Tulsyan,
Ramswaroop Tulsyan
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5992/84-85.—Whereas, I,
P. N. DUBEY,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Office No. 16, Navjivan Society situated at Lamington
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the Agreement is registered under
section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of
the Competent Authority
at Bombay on 19-3-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official GazetteEXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office No. 16, 13th floor, Navjivan Society Building No. 3,
Lamington Road, Bombay-400 008.The statement has been registered by the Competent autho-
rity, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/
5686/84-85 on 19-3-1985P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act. to the following
persons, namely :—

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) PSB Construction Company Ltd.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 20th Century Finance and
Consultancy Service Pvt. Ltd.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EF/5995/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Flat No. One, PSB Apartment situated at Worli Naka (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. One on Second floor in Building No. 4 in PSB Apartment at B.G. Kher Road, Worli Naka, Bombay.

The statement has been registered by the Competent authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5684/84-85 on 19-3-1985

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings to the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) PSB Construction Company Ltd.

(Transferor)

(2) 20th Century Finance and
Consultancy Service Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Bombay, the 1st November 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-I/37FF/5996/84-85.—Whereas, I,
P. N. DUBEY,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. Four, PSB Apartments situated at Worli Naka
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the Agreement is registered under
section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of
the Competent Authority
at Bombay on 19-3-1985
for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-tax
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. Four on First floor in Building No. 4 in PSB
Apartments at B.G. Kher Road, Worli Naka, Bombay.

The statement has been registered by the Competent author-
ity, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/
5691/84-85 on 9-3-85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

124—366GI/85

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6006/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1317, Adarsh Nagar CHS, situated at Worli (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Dr. Shashikant V. Kamat. (Transferor)
(2) Mr. K. Ramnathan. (Transferee)
(3) Transferee. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 1317 in Building No. 44, M.I.G. Adarsh Nagar Co-op. Housing Society Ltd., Worli, Bombay-400 025.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Dated 10-12 1985
Seal :

FORM ITN—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6009/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 7, Surya Niketan situated at Girgaum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under the Competent Authority at Bombay on 20-3-1985 section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Navnitkal U. Kanakia, Rameshchandra D. Mehta, Vinod H. Mehta, (in their capacity as the Executors of the Last Will & Testament of Smt. Girjalaxmi V. Mehta.

(Transferor)

(2) 1. Shanti S. Satyanarayan Agarwal,
2. Smt. Kusum Devi S. Agarwal.

(Transferee)

(3) Raju Anantrai Mehta and Miss Priti A. Mehta.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7 on the First floor of the building known as 'Surya Niketan' The Girgaum Suryaniketan CHSL, Girgaum Road, Bombay.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Date : 4-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Kirandevi U. Barmecha.

(Transferor)

(2) Shri Ajaykumar Garg.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6011/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 103, Dariya Mahal situated at Napcan Sea Road (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103, 18th floor, Dariya Mahal, 80, Napcan Sea Road, Bombay.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Date : 4-11-1985
Seal :

FORM TINS-----

(1) Messrs Cozyhome Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri. Nitin Sandaa Kapdi & Smt. Umi Nitin Kapdi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 1st November 1985

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-I/37EE/6012/84-85.---Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 2, 'Peter Marcel' situated at Prabhadevi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shon No. 2, in building 'PETER MARCEL' Plot No. 941 & 941A, Prabhadevi, Bombay-400 025.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6013/84-85.—Whereas, I,
P. N. DUBEY,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Shop No. 1, 'Peter Marcel' Bldg. situated at Prabhadevi
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
has been transferred and the Agreement is registered under
section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of
the Competent Authority at Bombay on 20-3-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) M/s. Cozyhome Builders.

(Transferor)

(2) M/s. Ditron (India) Limited.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1, 'Peter Marcel' building, Plot No. 941 & 941A,
Prabhadevi, Bombay-400 025.

The statement has been registered by the Competent Autho-
rity, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/
5703/84-85 on 20/3/85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref No. AR-I/37EE/6016/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1, Worli Himalaya CHS situated at Worli Sea Face Road (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Mr. Behranji B. Baria.

(Transferor)

(2) Miss Vinata Shetty.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 1, 8th floor, Worli Himalaya Co-op. Housing Society, 109, Worli Sea face Road, Bombay-18.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5706/84-85 on 20/3/85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-11-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6019/84-85.—Whereas, I,
P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 21, Shri Jagdish Niwas Bldg. situated at Sion (E) (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Yogesh Premchand Shah.
(Transferor)
(2) Smt. Pushpa Harkishandas Mehta, Shri Harkishandas Jivanlal S. Mehta.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 21 on Third floor in Shri Jagdish Niwas Co-operative Housing Society Ltd., Plot No. 198, Sion East, Bombay-22.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5708/84-85 on 20/3/85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay the 1st November 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6025/84-85.—Whereas, I,
P. N. DUBEY,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Office No. 201, Navratan Bldg. No. 1, situated at P. D'Mello
Road
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the Agreement is registered under
section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of
the Competent Authority at Bombay on 20-3-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (1) M/s Lee & Muirhead (India) Pvt. Ltd.
(Transferor)
(2) M. S. Samashtha Clearing Agency.
(Transferee)
(3) Transferee.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
at that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act to the following persons,
namely :—

125—366G1/85

Office No. 201, 2nd floor, Navratan Building No. 1, 69,
P. D'Mello Road, Bombay-400 009

The statement has been registered by the Competent Authority
Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/
5711/84-85 on 20/3/85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6029/84-85.—Whereas, I,
P. N. DUBEY,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 3, Kabirjee Building situated at Sewri Wadala
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and the Agreement is registered under
section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of
the Competent Authority at Bombay on 20-3-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferees for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—
Seal :

- (1) Smt. Jadavben Shantilal Kharwar. (Transferor)
(2) Shri Babubhai Velji Shah. (Transferee)
(3) Transferee. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the date of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3 on the ground floor of Kabirjee Building, Sewri-
Wadala, Bombay-400 031.

The statement has been registered by the Competent Autho-
rity, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/
5714/84-85 on 20/3/85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6042/84-85 —Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 5, Avanti Niketan CHSI situated at Sion (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income to any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Manharlal Ratilal Sheth. (Transferor)
(2) Shri Jitendra H. Gandhi. (Transferee)
(3) Transferor. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 6th floor, B Wing, Avanti Niketan Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Flank Road, Sion, Bombay-400 022.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5720/84-85 on 20-3-85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Hashmukhlal V Sangani, HUF.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6045/84-85 —Whereas, I, P. N. DUBEY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 426, 4th floor of A-1 Shah & Nahar Indl Estate (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 426 on 4th floor of A-1, Shah & Nahar Indl. Estate, S. J. Marg, Lower Parcel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5724, 84-85 on 20-3-85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM 11NS

(1) M/s Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Narendia Thakkar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR-I/37EE/6046/84-85 ---Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 427A, Shah & Nahar Indl. Estate (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at a price on 20-3-1985 for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Unit No. 427A in Shah & Nahar Indl. Estate A-1, S. J. Marg Lower, Parel, Bombay-400013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Seral No. AR-I/6382/84-85 on 4-3-85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 1-11-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Dhanraj Mills Private Limited.

(Transferor)

(2) M/s. Antia Electrical Private Limited.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons—
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-1/37EE/6055/84-85.—Whereas, I,
P. N. DUBEY,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Gala No. 35, A-2 building of Shah & Nahar Ind. Estate,
Lower Parcel
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
and the Agreement is registered under section 269AB of the
Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority
at Bombay on 20-3-1985
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the objects of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Gala No. 35, Ground floor of A-2 building of Shah &
Nahar Industrial Estate, Lower Parcel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Autho-
rity, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.
AR-1/5731/84-85 on 20-3-85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 1-11-1985.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/60660/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. A-8, Mine8rva Estates situated at Sewree (East) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mrs. Kalavinti Kanialal. (Transferor)
- (2) M/s. Sancheti Manufacturing Co. (Transferee)
- (3) Transferee. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. A-8, 3rd floor of Minerva Estates, Bunder Road, Sewree (East), Bombay-400 015.

This statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5734/884-85 on 20-3-85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 1-11-1985.
Seal:

FORM 112S

(1) Shri Vinod Vrajlal Karia,
(Transferor)2) Bombay Dental Depot.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4715/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Room No. 6, Fort Vijay CSL situated at Fore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Room No. 6, 2nd floor, Fort Vijay Co-op. Soc. Ltd., 1/3 Gola Lane, Fort, Bombay-1.

This statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6352/84-85 on 29-3-85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 1-11-1985.

Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4757/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 3N, Vijay Chambers situated at Tribhuvan Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

126—366GI/85

- (1) Smt. Hansa D Somani, (Transferor)
(2) Smt. Jyotsna Bharat Goradia, (Transferee)
(3) Transferred. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Premises No. 3-N, 3rd floor, Vijay Chambers, Premises Co-op. Soc., Tribhuvan Road, Bombay-4.

This statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6353/84-85 on 28-3-85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 1-11-1985.
Seal :

FORM I.T.N.S.-----

(1) Smt. Indumati Kantilal Gandhi,
Shri Rajnikant K Gandhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Surendra S Mehta &
Smt. Jayshree S Mehta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/47665/84-85.—Whereas, I,
P. N. DUBEY,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 4, Matru Ashish Bldg situated at Napean Sea Road
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
and the Agreement is registered under section 269AB of the
Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority
at Bombay on 26-3-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Flat No. 4 on 6th floor, B Wing of Matru Ashish Premises
Co-op. Society Ltd., 39, Napeansea Road, Bombay-36.
This statement has been registered by the Competent
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.
AR-I/6353/84-85 on 26-3-85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I Bombay

Date : 1-11-1985.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EF/5412/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 73-B, Heera Panna situated at Jn. of B Das Road & Tardeo Rd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 11-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mr. Vinod J Mehta & Mrs. Madhumati V Mehta. (Transferor)
(2) Kanta D Ruparelia, Dhanesh D Ruparelia, Seema D Ruparelia & Madhu S Kanabar. (Transferee)
(3) Transferees. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 73-B, 7th floor, Heera Panna, Junction of B Desai Road and Tardeo Road, Bombay-26.

This statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4698/84-85 on 11-3-85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 1-11-1985.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6119A/84-85.—Whereas, I,
P. N. DUBEY,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Office No. 53, Bajaj Bhavan
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
and the Agreement is registered under section 269AB of the
Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority
at Bombay on 18-3-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) M/s Jamal Trading Company, (Transferor)
(2) Kalyan Leasing & Financing Co. Ltd. (Transferee)
(3) Transferor. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 53, 5th floor, Bajaj Bhavan, Nariman Point,
Bombay-21.

The statement has been registered by the Competent
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.
AR-I/4904/84-85 on 18-3-85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 4-11-1985.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5777/884-5.—Whereas, I,
P. N. DUBEY,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding

Rs. 1,00,000 - and bearing

Office No. 4088, Loha Bhavan P. D'Mello Road

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the
Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority
at Bombay on 1-3-1985for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the wealth
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been of
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

(1) M/s Indian Colloids.

(Transferor)

(2) Smt. Kantarani Gupta,
Smt. Sunita V Gupta
Smt. Renu R Gupta

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons;
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 408, 4th floor, Loha Bhavan, P. D'Mello Road,
Bombay-400 009.

The statement has been registered by the Competent
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.
AR-I/5538/84-85 on 1-3-85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 4-11-1985.
Seal :

FORM NO. IT.N.S.———

(1) Mrs. Parpati F Dadlani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Neeta Anil Vohra.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. Ak-I/37LE/5795, 84-85.—Whereas, I,
P. N. DUBEY
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property bearing a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing No.

Office No. 9, Alankar Bldg. situated at Balram St.
(as shown in the schedule annexed hereto),
and the Agreement is registered under section 269AB of the
Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority
at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration thereby by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are
defined in Chapter XAX of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957)

THE SCHEDULE

Office No. 9, Alankar Co-op. Housing Society, Balram
Street, Bombay-400 007.

The statement has been registered by the Competent
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.
AR-I/6365 84-85 on 1-3-85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

Date : 4-11-1985.
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Bangalore Eyzing & Printing Works (Transferor)
 (2) Mustany Manufacturing Company (Transferee)
 (3) Transferee (Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR I/37EE/5798/34-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000— and bearing Unit No. 226, A-Z Indl. Estate situated at Lower Parel (as more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 226, on 2nd floor, A-Z Industrial Estate, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6375/84-85 on 4-3-85.

P. N. DUBEY
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 4-11-1985
 Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Kanch Ben Pana Chand Turakhia
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5845/84-85.—Whereas, I,
P. N. DUBEY,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Lease-hold land or ground with messuages, tenements struc-
tures situated at Matunga
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
and the Agreement is registered under section 269AB of the
Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority
at Bombay on 1-3-1985
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen percent of such apparent consideration and
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (2) Ramdas Kanji Shah
(Transferee)
(3) Tenants
(Person in occupation of the property)
(4) Tenants.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of pub-
lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lease-hold land or ground with messuages, tenements
dwelling houses and structures standing thereon situate at Sir
Bhalchandra Road, Matunga, Bombay, C.S. No. 2020/10 of
Matunga Division.

The statement has been registered by the Competent
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.
AR-I/5622/84-85 on 1-3-85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 4-11-1985.
Seal ;

FORM ITNS—

- (1) Kishinchand K Mansukhani (Transferor)
 (2) M/s Globtech International Corporation. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-I/37EE/5852/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. B/4, Sangam Bhavan situated at Colaba (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. B-4, Sangam Bhavan, 1st floor, Opp. Strand Cinema, Colaba, Bombay-5.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5559/84-85 on 1-3-85.

P. N. DUBEY
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

127—366 GI/85

Date : 4-11-1985.
 Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-1/37EE/5856/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 13-A, Sagar Sangeet situated at Colaba (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mr. Vikram R Khanna,
Mrs. Neela N Shete (Transferor)
- (2) Mr. Soli B Madon &
Mrs. Freny S Madon (Transferee)
- (3) Transferees (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 13A, Sagar Sangeet, 58 S Bhagat Singh Road, Colaba, Bombay-400 005.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/5563/84-85 on 1-3-85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date : 4-11-1985
Seal :

FORM I.T.N.S. _____

(1) Smt. Ramila Kishorchandra Parekh
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Pragya Anil Doshi
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Self occupied
(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5880/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office Premises at Haresh Chamber situated at Samuel St. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Office Premises at Mezzanine floor, Haresh Chambers, 313/19, Samuel Street, Vaggadi, Bombay-400 003.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5582/84-85 on 1-3-85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-11-1985

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shah & Nahar Associates

(Transferor)

(2) Pranav Pravin Kumar Sanghvi
S/o. Pravinkumar V Singhvi

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-I/37EE/5917/84-85.—Whereas, I,
P. N. DUBEY,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Unit No. 148, Shah & Nahar Indl. Estate A-2,
situated at Lower Parel
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the Agreement is registered under
section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office
of the Competent Authority, at
Bombay on 4-3-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit No. 148, 1st floor of Shah & Nahar Indl. Estate
A-2, S. J. Marg, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.
AR-I/5642/84-85 on 4-3-85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5928/84-85.—Whereas, I,
P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Office No. 319, Tulsiani Chambers
situated at Nariman Point

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 4-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Mrs. Kalyani R Khanna (Transferor)
(2) R. C. Khanna Trust (Transferee)
(3) Transferee (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

40% undivided share in office premises No. 319, on the 3rd floor of the building known as 'Tulsiani Chambers' Free Press Journal Road, Nariman Point, Bombay-400 021.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I Bombay, under Serial No. AR-I/5632/84-85 on 4-3-85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-1/37EE/5935/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land at Opp. the Crawford Market on the Princes St. Estate (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 4-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Durga Saran Mehra
Devi Saran Mehra and
Om S Mehra
(Transferor)
(Transferee)
- (2) Sardar Manmohan Singh Sethi
- (3) Tenants
(Person in occupation of the property)
- (4) Tenants
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situate at the Opp. Crawford Market on the Princes Street Estate, Bombay

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/5656/84-85 on 4-3-85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM ITNS

- (1) Vrandavanlal G. Pittie,
Muralilal G. Pittie (Transferor)
- (2) Manejlal G. Khandelwal (Transferee)
- (3) Shri Ganpat Harijan &
Kantilal Narshi
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5942/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land together with buildings standing thereon situated at Mazgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 4-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land together with the buildings standing thereon situate at Mazgaon, C. S. No. 131 (par), Bombay.
The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/63C0/84-85 on 4-3-85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5969/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot of land adm. 518 sq. mtrs. Flat No. 76, Ashoka Apartments situated at Off Napean Sea Rd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 19-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Subhadra V Kothari (Transferor)
- (2) K K Dhadha,
Smt. Nrmal Dhadha,
Smt. Chhota Kumari Dadha
& Narpatsingh Dhadha (Transferee)
- (3) Transferor (Person in occupation of the property)
- (4) Transferor (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 76, Ashoka Apartment, 7th floor and Garage No. 56, Off Napeansea Road, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No AR-I/5671/84-85 on 19-3-85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date : 4-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

- (1) PSB Construction Company Ltd. (Transferor)
(2) 20th Century Finance & Consultancy Services Pvt. Ltd. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-I/37EE/5995/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. Four, PSB Apartment situated at Worli Naka (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 19-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—
128—366GI/85

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. Four on ground floor in building No. 4 in PSB Apartments at B. G. Kher Road, Worli, Naka, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5688/84-85 on 19-3-85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date : 1-11-1985.
Seal :

FORM ITNS—

- (1) M/s. West Coast Builders Pvt. Ltd. (Transferor)
 (2) Smt. Amlu A Lodha (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6010/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 19 & 20, Om Chambers situated at Om Corner (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 20-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment to any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under sub-sections namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 19 & 20, Om Chambers. Om Corner. Bombay-400 036.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/5700/84-85 on 20-3-85.

P. N. DUBEY
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I
 Bombay

Date : 1-11-1985
 Seal :

FORM No. ITNS—

(1) M/s. M R Productions.

(Transferor)

(2) Mr. Mohan A Gore &
Mrs. Shilpa Mohan Gore

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5864/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 206, Neelam Bldg. situated at Worli Seaface (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 206, 2nd floor, Neelam Building, Worli Seaface Road, Bombay-18.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5571/84-85 on 1-3-85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Tarlokchand M Agarwal

(Transferor)

(2) Shri Raju Anantrao Mehta

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6008/84-85.—Whereas, I,
P. N. DUBEY,being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 17, Rekha Bldg.

situated at Wadala

(and more fully describer in the schedule annexed hereto)
has been transferred and the Agreement is registered under
section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office
of the Competent Authority, at
Bombay on 20-3-1985for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property, and I
have reason to believe that the fair market value
of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-
tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons namely,—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 17, Rekha Building, 3rd floor, Goodwill Co-op.
Housing Soc. Ltd., Plot No. 83, Rafi Ambed Kidwai Road,
Wadala, Bombay-400 031.

The statement has been registered by the Competent
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.
AR-I/5698/84-85 on 20-3-85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Bombay

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5957/84-85.—Whereas, I,
P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 5, Worli Himalaya CHSL situated at Worli

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at

at Bombay on 19-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the deduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Bhagwati L Saboo
(Transferor)
- (2) Mrs. Pavibai C Chhablani,
Dr. Chhimandas L Chhablani
(Transferee)
- (3) Transferees
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period express later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 10th floor, Worli Himalaya Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 109, Worli Sea Face Road, Worli, Bombay-400 018.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5668/84-85 on 19-3-85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. R. T. Mehta Construction Co.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ratilal Farchand.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5901/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 604, Vikas Bldg. situated at Bombay-27 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 604 Vikas Bldg. Anant Ganpat Pawar Lane, No. 2, Bombay-27

The statement has been registered by the Competent Authority Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/6446/84-85 on 5-3-85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY**

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5874/84-85.—Whereas, I, **P. N. DUBEY**, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 303, Veena Beena Apts., situated at Sewri (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mr. Mohammed Hussain Bandeali Merchant.
(Transferor)
- (2) Mrs. Maniben L. Vira and Mrs. Kanchaben K. Vira.
(Transferee)
- (3) Transferee.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at 303, Veena Beena Apts. Acharya Donda Marg. Bombay-15. Sewri (W).

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5571/84-85 on 1-3-85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 7-11-1985
Seal:

FORM ITNS.

- (1) Seshu Doraswamy Iyer. (Transferor)
 (2) M/s. C. Mahendra Exports. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5784/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1204 Panchratna Bldg. situated at Opera House (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1204 at Panchratna Co-op. Hsg. Society Ltd., Opera House, Bombay-4.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/5543/84-85 on 2-3-85.

P. N. DUBEY
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 7-11-1985
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5921/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat on 4th floor, Dadar situated at Dadar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
129—366GI/85

(1) M/s. Dubash Brothers.

(Transferor)

(2) Mr. Vceraf P. Chinoy.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat on 4th floor of Outhouse at 619, Banoo Mansion, Parsi Colony Dadar, Bombay-14.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/5646/84-85 on 4-3-85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 7-11-1985
Seal ;

FORM ITNS-----

(1) M/s. Therapeutics Investment Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Abdul H. Shaikh.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY**

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5788/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No Flat No. 1, Huda Apts., situated at Bombay-8 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay in 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any assets or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Building No. C, 4th floor, Huda Apts., 95, Morland Road, Bombay-8.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-1/5549/84-85 on 1-3-85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

THE SCHEDULE
ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5773/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 17-B, New Shalimar Cop. Hsg. Society, Ltd Marine Drive (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub- ing persons, namely :—

- (1) Smt. Dhunmai A. Karai and Sme. Peruin Kersi Vaid.
(Transferor)
- (2) Shri Nikhil R. Shah and Mr. Yogesh R. Shah.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 17-B New Shalimar Cop-op, Hsg. Society Ltd. 91, Marine Drive G Road, Bombay-2.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/5536/84-85 on 1-3-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Mr. Manohar V. Dudani & Mrs. Bina M. Dudani
(Transferor)
- (2) Mr. Maheshkumar C. Ajmora.
(Transferee)
- (3) Shri Maheshkumar C. Ajmeia.
(Person in occupation of the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. N.o. AR-I/37EE/5897/84-85.—Whereas, I,
P. N. DUBEY,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 45, Premcourt Hsg. Society, Pedder Road
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the Agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of
the Competent Authority
at Bombay on 1-3-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of Indian Income-tax Act, 1922, (11
of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Flat No. 45, 4th floor, Premcourt Co-op. Hsg. Society
Ltd., 5, Pedder Road, Bombay-26.

The statement has been registered by the Competent
Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No.
AR-I/5593/84-85 on 1-3-85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 7-11-85.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Chandrakant V. Patel & Mahul C. Patel.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sanjay R. Shah & Bhavan Shah.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-I/37EE/5882/84-85.—Whereas, I,
P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 63, Prem Court situated at Peddar road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 1-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and the transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 63, 6th floor, Prem Court Co-op. Hsg. Society Ltd., 5 Peddar Road, Bombay-26.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/5583/84-85 on 1-3-85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-11-1985

Seal :

FORM 177B- -

(1) G. P. Jain.

(Transferor)

(2) Mrs. Satani Devi B. Modi.

(3) G. P. Jain.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY**

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5805/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 104, Shiv Shaila Society situated at Worli (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 4-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been as which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 104, 1st floor Shiv Shaila Co-op. Hsg. Society, Dr. E. Moses Road, Geeta Cinema Compound, Worli Naka, Bombay-18.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/5599/84-85 on 4-3-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 7-11-1985

Seal :

FORM ITNS—

(1) Vishaal Exports Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Anil L. Lodha & Mrs. Aruna L. Lodha.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. o. AR-I/37EE/5925/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 73, (Shree Om Sadan' situated at Narayan Dabholkar Road (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 4-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 73 in 'Shree Om Sadan' 15, Narayan Dabholkar Road, Bombay-400 006.

The statement has been registered by the Competent Authority Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/5650/84-85 on 4-3-85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(Date : 7-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Sri Viardhaman Saving Co. Pvt. Ltd.
(Transferor)
(2) Mr. Pradeep L. Lodha, Mr. R. L. Lodha & Mrs.
Aruna L. Lodha
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-I/37EE/5924/84-85.—Whereas, I,
P. N. DUBEY,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 74, Shree Om Sadan situated at Narayan Dabholkar
Road
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) has been transferred and the Agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of
the Competent Authority,
at Bombay on 4-3-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are
defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 74, in 'Shree Om Sadan' 15 Narayan Dabholkar
Road, Bombay-6.

The statement has been registered by the Competent
Authority, Acquisition Range-I, Bombay- under Serial No.
AR-I/5649/84-85 on 4-3-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Messrs Deepak Investment Company. (Transferor)
(2) M/s Hanuman Vitamin Food Pvt. Ltd. (Transferee)
(3) Transferor (Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I 37EE/5826/84-85 —Whereas, I,
P. N. DUBEY,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 100,000/- and bearing No.
Office No. 4, Dalamal Tower situated at Nariman Point
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and the Agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of
the Competent Authority,
at Bombay on 4-3-1985
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days, from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
and defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) to the concealment of any income or any
moveable or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Office No. 4, 9th floor, Dalamal Tower, Backbay Reclama-
tion Bombay

The statement has been registered by the Competent
Authority Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.
AR I 2604/84-85 on 4-3-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—
130—366GI/85

Date: 11/11/1985
Seal:

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Sevantilal N. Kothari &
Shri Kiran B. Kothari

(Transferor)

(2) Shri Indrajit K. Shah, Smt. B. I. Shah,
Shri S. I. Shah Tata Industries Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37EF/5884/84-85.—Whereas, I
P. N. DUBEY,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing
Flat No. 7A, Gangotri Bldg situated at Kalkeshwar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of
the Competent Authority,
Bombay on 1-3-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-
vable property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 7A, 4th floor, Gangotri, 89-89A, Banganga Road,
Walkeshwar, Bombay-400 006.

The statement has been registered by the Competent
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No
AR-I/5585/84-85 on 1-3-85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM ITNS

- (1) M/s Bonny Enterprises (Transferor)
(2) Mr Achalchand K Mandot (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref No AR-I/37EE/5906/84 85 —Whereas, I
P N DUBEY,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs 1,00,000/ and bearing
Flat No 601, Shanti Kunj Bldg situated at Dadar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of
the Competent Authority,
Bombay on 4-3-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No 601, Shanti Kunj Building 87 Naigaum Cross
Road Dadar Bombay 14

The statement has been registered by the Competent
Authority Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No
AR-I/5633/84-85 on 4-3-85

P N DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I Bombay

Sd/-

Date 7-11-1985

FORM ITNS

(1) Smt. Indradevi Wd/o Nanayandas Vannmala
(Transferor)

(2) Dr. Vithal R. Bhoosrath
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37-G, 5191/84-85.—Whereas, I
P. N. DUBEY,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No. 139/4
C.S. No. 471 of Fort Division situated at Choga St
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the Office of the Registering Officer at
Bombay on 12-3-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM,
1498 73 and registered on 12-3-1985 with the Sub-registrar,
Bombay.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons namely :—

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM ITNS.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-1/37-G/5192/84-85.—Whereas, I
P. N. DUBEY,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act,') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
C.S. No. 513 of Bhuleshwar Division situated at Tadwadi St.
and the Agreement is registered under section 26D AB of the
Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent
Authority,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the Office of the Registering Officer at
Bombay on 11-3-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) 1. Mrs. Maya Y. Vyavaharkar
 2. Ashok Y. Vyavaharkar
 3. Dilip Y. Vyavaharkar
 4. Vivek Y. Vyavaharkar
 5. Manohar Wamanrao Vyavaharkar
 6. Mrs. Meena Manohar Vyavaharkar
 7. Arvind Manohar Vyavaharkar
 8. Rajan Manohar Vyavaharkar
 9. Chitrasen Wamanrao Vyavaharkar
 10. Mrs. Kshama Chitrasen Vyavaharkar
 11. Subodh Wamanrao Vyavaharkar
 12. Mrs. Arpana Subodh Vyavaharkar
 13. Miss Sundaribai Madhav Rao
- (Transferor)
- (2) Shobhachand C. Sanghvi
- (Transferee)
- (3) Tenants
- (Person in occupation of the property)
- Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM.
2731/82 and registered on 11/3/1985 with the Sub-registrar,
Bombay.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Miss Kumidini P. Pathare, Miss Sarojini Pathare
(Transferor)(2) Nisar Husain Milla Akberali Hussonji
(Transferee)(3) Tenants
(Person in occupation of the property)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-1/37-G/5193/84-85.—Whereas, I
P. N. DUBEY,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No. 16 (portion)
C.S. No. 163 of Marglona Dham situated at Carpenter St.
and the Agreement is referred under section 269 AB of the
Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent
Authority,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Bombay on 11-3-1985
for an apparent consideration, which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM.
3247/82 and registered on 11/3/1985 with the Sub-registrar,
Bombay.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Banooabhai D. G. Bhabha Abraham (Transferor)
- (2) Ramanlal V. Bhabha (Transferee)
- (3) Tenants (Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37-G/5195/84-85.—Whereas, I P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C.S. No. 373 of Bhuleshwar Divn. situated at Dhoni Talao (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Schedule as registered under Registered Deed No. BOM-1387/83 and registered on 2.5.198

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM ITNS - - -

(1) Mr. Kiran Laxmidas Kapadia

(Transferor)

(2) Mr. Vinod K. Mehta

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Mr. Jannadas M. Thakkar

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-F/37G/5196/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 101, Kiran villa situated at Pedder Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 8-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 2539/85 and registered on 8/3/1985 with the Sub-registrar, Bombay.

P. N. DUBEY

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 1-11-1985
Signed:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

INSPECTOR OF INCOME-TAX,
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37-G/84-85.—Whereas, I

P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Flat No. 104, Kiran Villa situated at Pedder Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, Bombay on 8-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
131—366GI/85

(1) Mr. Kiran Laxmidas Kapadia

(Transferor)

(2) Mr. Hitesh Anandji Golani

(Transferee)

(3) Mr. Deepak Jamnadas Thakkar

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 2540/83 and registered on 8/3/1985 the Sub-registrar, Bombay.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM I.T.N.S. _____

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37-G/5198/84-85.—Whereas, I,
P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop.No. 113, Kiran Villa situated at Pedder Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, Bombay on 8-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- | | |
|---------------------------|--|
| (1) Mr. Kiran L. Kapadia | (Transferor) |
| (2) Mr. Hitesh A. Galani | (Transferee) |
| (3) Mrs. Rani K. Bhojwani | (Person in occupation of the property) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 2541/83 and registered on 8/3/1985 with the Sub-registrar, Bombay.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37-G/84-85.—Whereas, I
P. N. DUBEY,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter re-
ferred to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Shop No. 112, Kiran Villa situated at Pedder Road,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Bombay on 8-3-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
than fifteen per cent of such apparent consideration and
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, of the follow-
ing persons, namely :—

- | | |
|--------------------------------|--|
| (1) Mr. Kiran Laxmidas Kapadia | (Transferor) |
| (2) Mr. Vinod Kanji Mehta | (Transferee) |
| (3) Mr. Padmanabh Khandke | (Person in occupation of the property) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM.
2544/83 and registered on 8/3/1985 with the Sub-registrar,
Bombay.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37-G/5201/84-85.—Whereas, I P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 120, Kiran Villa situated at Pedder Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 8-3-1985 fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely :—

- (1) Mr. Kiran L. Kapadia (Transferor)
- (2) Mr. Jagdish Kanji Mehta (Transferee)
- (3) Mr. Chandulal Kanji Dholakia (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 254783 and registered on 8/3/1985 with the Sub-registrar, Bombay.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Mr. Kiran Laxmidas Kapadia (Transferor)
 (2) Mr. Shirish P. Mehta (Transferee)
 (3) Mr. N. U. Shroff (Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37G/5200/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 121, Kiran Villa situated at Pedder Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 8-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 2546/83 and registered on 8/3/1985 with the Sub-registrar, Bombay.

P. N. DUBEY
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I, Bombay

Date : 1-11-1985
 Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37G/5202/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 114, Kiran Villa situated at Peeder Road, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 8-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mr. Kiran Laxmidas Kapadia. (Transferor)
- (2) Mr. Bhavik A. Galani. (Transferee)
- (3) Mrs. Jivabai Khimji Merchant, (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 2548/83 and registered on 8-3-1985 with the Sub-Registrar, Bombay.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Date : 1-11-1985
Place :

FORM ITNS

(1) Mr. Kiran Laxmidas Kapadia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Suresh T. Mehta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Mr. Kantilal H. Doshi.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37-G/5203/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 118, Kiran Villa situated at Pedder Road, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 8-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 2515/83 and registered on 8-3-1985 with the Sub-Registrar, Bombay.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 1-11-1985
Seal ;

FORM ITNS

(1) Mr. Kiran Laxmidas Kapadia,

(Transferor)

(2) Mrs. Sheela S. Doshi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Mrs. Sheela S. Doshi.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-I/37-G/5204/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 115, Kiran Villa situated at Pedder Road, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 8-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 2515/83 and registered on 8-3-1985 with the Sub-Registrar, Bombay.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37G/5205/84-85—Whereas, I,

P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 105, Kuan Villa situated at Pedder Road, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 8-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

132--266/GI/85

(1) Mr. Kiran Laxmidas Kapadia.

(Transferor)

(2) Mr. Mukesh A. Doshi.

(Transferee)

(3) Mr. Chhabildas V. Lotia.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. B. 2515/83 and registered on 8-3-1985 with the Sub-Registrar, Bombay

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Bombay

Date : 1-11-1985
Sent :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37G/5206/84-86.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 111, Kiran Villa situated at Pedder Road, Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 8-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mr. Kiran Laxmidas Kapadia,
(Transferor)
(2) Mr. Suresh T. Mehta,
(Transferee)
(3) Mr. Vasant T. Shingarde,
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 2564/83 and registered on 8-3-1985 with the Sub-Registrar, Bombay.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Bombay

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Mr. Kiran Laxmidas Kapadia.
(Transferor)
- (2) Mrs. Jyoti J. Doshi.
(Transferee)
- (3) Mrs. Jyoti J. Doshi.
(Property in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/37G/5207/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 117, Kiran Villa situated at Peddar Road, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 8-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 2515/83 and registered on 8-3-1985 with the Sub-Registrar, Bombay.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-1/37G/5208/84 85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 119, Kiran Villa situated at Pedder Road, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 8-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating to reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mr. Kiran Laxmidas Kapadia, (Transferor)
(2) Mr. Prabhudas R. Doshi, (Transferee)
(3) Mrs. Diaupadibai R. Goenka, (Property in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. B. 2571/83 and registered on 8-3-1985 with the Sub-Registrar, Bombay.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Date : 1-11-1985
Seal :

FORM ITNS-----

(1) Mr. Ayaz Z. Memon.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Rabia widow of Zakaria.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 1st November 1985

Ref. No. AR-I/57G/5214/84-85.--Whereas, I,
PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

C.S. No. 1018 of Mandvi Divn. situated at Mandvi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 21-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been disclosed in the said instrument to transfer with the object of ---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 3098/82 and registered on 21-3-1985 with the Sub-Registrar, Bombay.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date : 1-11-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18307/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 4, Pushpak Apartment, 147 Malviya Road, Vile Parle (East), Bombay-57 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Jayshree Builders (India). (Transferor)
(2) Mr. Hiralal B Bohra,
Mrs. Vimala R. Bohra &
Master Ketan R. Bohra. (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. IV, Pushpak Apartment, 147 Malviya Road, Vile Parle (East), Bombay-400567.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18307/84-85 on 15-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Date : 5-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Jayshree Builders (India),

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rajendra V. Nagvekar &
(2) Shri Manoj V Nagvekar,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18241/84-85.—Whereas, I,
PRASANTA RAY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1, Pushpak Apartment Vile Parle (East), Bombay-57 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Pushpak Apartment, 147 Malaviya Road, Vile Parle (East), Bombay-400057.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/18241/84-85 on 15-3-1985

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Date 5-11-1985
Sd/-

FORM ITNS.—

- (1) M/s Jyeshree Builders (India). (Transferor)
 (2) Smt. B. G. Doshi,
 Mr. Jaya B. Doshi &
 Mrs. Indira B. Doshi. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18215/85-86.—Whereas, I,
 PRASANTA RAY,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the said Act) have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value
 Rs. 1,00,000/- and bearing No.
 Flat No. 3, Pushpak Apartment 147, Malviya Road, Vile
 Parle (East), Bombay-57
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred and the agreement is registered under
 section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of
 the Competent Authority at
 Bombay on 12-3-1985
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as afore-
 said exceeds the apparent consideration therefor by more
 than fifteen per cent of such apparent consideration and that
 the consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immov-
 able property within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 in the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same
 meaning as in that Act.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer,
 and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 3, Pushpak Apartment, 147 Malaviya Road, Vile
 Parle (East), Bombay-400057.

The agreement has been registered by the Competent
 Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18215/
 84-85 on 12-3-1985.

PRASANTA RAY
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II,
 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

Date : 5-11-1985
 Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1951 (43 OF 1961)

- | | |
|---|--------------|
| (1) M/s. Jayshree Builders (India). | (Transferor) |
| (2) Shri Anil C. Shah,
Mrs. Sheela C. Shah,
Shri Sunil C. Shah and
Mrs. Seema A. Shah. | (Transferee) |

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18213/84-85.—Whereas, I,
PRASANTA RAY,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. II, Pushpak Apartment, 147 Malaviya Road, Vile
Parle (E), Bombay-57
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of
the Competent Authority at
Bombay on 12-3-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor, to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any Income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. II, Pushpak Apartment, 147 Malaviya Road, Vile
Parle (East), Bombay-400057.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/18213/
84-85 on 12-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

133—366GI/85

Date : 5-11-1985

Seal :

FORM IT.N.S.—

(1) Shri Sampuransingh M. Batra.
(Transferor)(2) Smt. Shantidevi D. Agarwal.
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18016/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. D-11, Sukhdayak Co-operative Housing Society, JB Nagar, Andheri (E), Bombay-59 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Flat No. D-11, Sukhdayak Co-operative Housing Society Ltd., J.B. Nagar, Andheri (East), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18016/84-85 on 6-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 5-11-1985
Seal ;

FORM IINS

(1) M/s. Deepak Builders Pvt. Ltd.
(Transferor)(2) Mr. K. P. Swamy.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18259/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 12, building No. 1 Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay-59. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12, 3rd floor of building No. 1, Plot No. 9 in Bhawani Nagar at Marol Maroshi Road, Andheri East, Bombay-400059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18259/84-85 on 14-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Bombay

Date : 4-11-1985

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Markosee Sequiera.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18667/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 8, Building No. 1, Bhawani Nagar, at Marol Maroshi Road, Andheri East (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8, 2nd floor of building No. 1, Plot No. 9, Bhawani Nagar, at Marol Maroshi Road, Andheri East, Bombay-400059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18667/84-85 on 28-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date : 4-11-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

- (1) M/s Deepak Builders Pvt. Ltd. (Transferor)
(2) Smt. Kumud P Patkar (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-II/37EE/18624/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 16, Bldg. No. 1, Bhawani Nagar, Andheri East, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 16, 4th floor of Building No. 1 on plot No. 6 in Bhawani Nagar at Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay-59.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18624/84-85 on 27-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 4-11-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Cyril Menezes and
Juliana Menezes

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18625/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 11, 3rd floor of building No. 3, Bhawani Nagar Andheri East (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27/3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, 3rd floor of building No. 3, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri East, Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18625/84-85 on 27/3/1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 4-11-1985
Seal :

FORM LT.N.S.—

(1) M/s Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Charles B. Bennis

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-I/377/18666/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 7, 2nd floor of Bldg. No. 1, Bhawani Nagar, Andheri East (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28/3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, 2nd floor of building No. 1, plot No. 9 in Bhawani Nagar, at Marol Maroshi Road, Andheri (East, Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18666/84-85 on 28/3/1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-11-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-II 37EE/18210/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 2, Kondivita, Bamanpuri Road, Andheri (East), Bombay-400 059 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12/3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Parikh Vaz Builders (Transferor)
- (2) Mr. Leo Peter S/o Arokiaswamy and Mrs. Angelina Leo Peter (Transferee)
- (3) Transferor (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, ground floor in building on plot S. No. 45/13 Kondivita Bamanpuri Road, Andheri (East), Bombay-59. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18210/84-85 on 12/3/1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 4/11/1985
Seal :

FORM LT.N.S.

(1) M s Parikh Vaz Builders

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Ganpat Bekal

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18211/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1, ground floor, Village Kondivita, Bamanpuri Rd., Andheri (E), Bombay-400 059 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12/3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, ground floor in building under construction on plot S. No. 45, H. No. 13, Village Kondivita, Bamanpuri Road, Andheri (East), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18211/84-85 on 12/3/1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—
134—366GI/85

Date : 4/11/1985
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shanker B. Poojary

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18262/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 12, Building No. 2 Bhawani Nagar, Andheri (East), Bombay-59 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14/3/1985 which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12, 3rd floor of building No. 2, Plot No. 9, in Bhawani Nagar at Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18262/84-85 on 14/3/1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 4/11/1985
Seal :

FORM ITNS—

- (1) M/s Deepak Builders Pvt. Ltd. (Transferor)
(2) Smt. Zarina Badruddin (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/17834/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 7, Building No. 2 Bhawani Nagar, Andheri East, Bombay-59 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1/3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, 2nd floor of Building No. 2 Plot No. 9 in Bhawani Nagar at Marol Maroshi Road, Andheri East, Bombay-400 059

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/17834/84-85 on 1/3/1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4/11/1985
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Deepak Builders Pvt. Ltd. (Transferor)

(2) Shri Prakash Chandra Bajpai (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE 18626/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 6, 1st floor, Bldg. No. 6, Plot No. 8, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as ascertained from the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any assets or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, 1st floor, Bldg. No. 6, plot No. 8, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18626/84-85 on 27-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 4-11-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Deepak Builders Pvt. Ltd. (Transferor)

(2) Dr. Tanveer Abdul Rehman & Others (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

Ref. No. AR-II/37EE/18260/84-85.—Whereas, I,
PRASANTA RAY,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 102, 1st floor, Bldg. No. B, plot No. 18, Bhawani
Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of
the Competent Authority at
Bombay on 14-3-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to be-
tween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the Said Act or the wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 102, 1st floor, Bldg. No. B, plot No. 18, Bhawani
Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/
18260/84-85 on 14-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 14-11-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mrs. Cordilia M. D'Souza

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/17833/84-85.—Whereas, I,
PRASANTA RAY,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 3, 1st floor, Bldg. No. 3, plot No. 9, Bhawani Nagar Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1/3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 1st floor, Bldg. No. 3, Plot No. 9, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/17833/84-85 on 1/3/1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 4/11/1985
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Jehangir Builders. (Transferor)
(2) Damaciano Fernandez (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18506, 84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 101, 1st floor Hawa Apartments, C wing, Mahakali Caves Road, Bombay-93 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 101, 1st floor, C wing, Hawa Apartments, Mahakali Caves Road, Bombay-98.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/19506/19506/84-85 on 22-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18061/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269E of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 403/A, Nirman Park at Pump House, Andheri (East), Bombay-93 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sharadha H. Kotian (Transferor)
(2) Mr. Peter D'Souza (Transferee)
(3) Transferor (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 403/A, Nirman Park at Pump House, Andheri East, Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18061/84-85 on 6-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 4-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Nirman Constructions

(Transferor)

(2) Miss. Bridget Dias

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, hte 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18018/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 202, 2nd floor, B wing, Nirman Vihar, Pump House, Andheri (E), Bombay-93

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6/3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
135—366GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202, 2nd floor, Nirman Vihar, B wing, Pump House, Andheri (E), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18018/84-85 on 6/3/1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 4/11/1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Gayaka Krishna
(Transferor)(2) Mr. Sabu Jacob
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18257 84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 10, 2nd floor, Bldg. No. 1, plot No. 7, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14/3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, 2nd floor, Bldg. No. 1, plot No. 7, Bhawani Nagar, Marol Maroshi (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18257/84-85 on 14/3/1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 4/11/1985
Seal :

FORM ITNS

(1) M s. Ansa Builders (Transferor)

(2) M/s. V.I.P. Brush Co. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, hte 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18013/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Unit No. 133 on 1st floor of 'F' Bldg. in Ansa Industrial Estate, Saki Naka, Bombay-72 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5/3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 133, 1st floor of 'F' Bldg. in Ansa Industrial Estate Saki Naka, Bombay-72.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18013/84-85 on 5/3/1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 4 11/1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Ansa Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Kirankumar J. Dhar,
Bharat J. Dhar Ali a Nikoo Dhar

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY**

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18277/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 225/2nd floor, J Bldg. Ansa Industrial Estate, Saki Vihar Road, Andheri (E), Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14/3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 225/2nd floor, J. Bldg. Ansa Industrial Estate, Saki Vihar Road, Andheri (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18277/84-85 on 14/3/1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 4/11/1985
Seal :

FORM ITNS

- (1) M/s. Ansa Builders. (Transferor)
 (2) M/s. Jay Arts. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE-II
 BOMBAY**

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37-EE/18562/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 16, E-Building Ansa Industrial Estate Andheri (East), Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 23-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Unit No. 16, ground floor, E-Building, Ansa Industrial Estate, Saki Naka, Andheri (E), Bombay.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37-EE/18562/84-85 on 23-3-1985.

PRASANTA RAY
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II
 Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-11-1985
 Seal :

FORM I.T.N.S.———

(1) M/s. Ansa Builders.

(Transferor)

(2) M/s. Metapack.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37-EE/18700/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 113, 1st floor, D Bldg., Ansa Indl. Estate, Saki Vihar Road, Andheri (E), Bombay-72, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 113, 1st floor, D Bldg., Ansa Indl. Estate, Saki Vihar Road, Andheri (E), Bombay-72.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37-EE/18700/84-85 on 28-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay.

Date : 4-11-1985
Seal :

FORM ITNS-----

(1) M/s. Ansa Builders,

(Transferor)

(2) M/s Jay Arts,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(a) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-II/37-EE/18561/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 15 ground floor, E Bldg., Ansa Indl Estate, Saki Naka, Andheri (E), Bombay, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 23-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 15, ground floor, E-Bldg., Ansa Industrial Estate, Saki Naka, Andheri(E), Bombay.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR-II/37-EE/18561/84-85 on 23-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
136—366G1/85

Date : 4-11-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Ansa Builders.

(Transferor)

(2) M/s. Fluid Control Engineers.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37-EE/18275/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. D-112, 1st floor, Ansa Industrial Estate, Saki Vihar Road, Andheri (East), Bombay-400 072, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 14-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Unit No. D-112, 1st floor Ansa Industrial Estate, Saki Vihar Road, Andheri (East), Bombay-400 072.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37-EE/18275/84-85 on 14-3-1985.

PRASANTA RAY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay.

Date : 4-11-1985
Seal :

FORM ITNS

- (1) M/s Ansa Builders. (Transferor)
(2) M/s Firmware International P. Ltd. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/17895/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Unit No. 108, 1st floor, 'E' Bldg., Ansa Industrial Estate, Saki Vihar Road, Bombay-72 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Unit No. 108, 1st floor, 'E' Bldg., Ansa Industrial Estate, Saki Vihar Road, Saki Naka, Bombay-400 072.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/17895/84-85 on 1-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 4-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Maqsood Ahmed Mohiyuddin Patel.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18537/84-85.—Whereas, I, PRASANNA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 102, Bldg. No. 13, Jogeshwari (West), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 102, Bldg. No. 13, S. No. 41 of village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18537/84-85 on 22-3-1985.

PRASANNA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-10-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. Ziauddin Bukhari. (Transferor)
 (2) Mohd. Saleh Mohd. Alyas. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18154/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 102, Bldg. No. 7, Jogeshwari (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay, on 8-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 102, Bldg. No. 7, S. No. 41 of village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18154/84-85 on 8-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, (43 of 1961) to the following persons, namely :—
 Seal :

Date : 29-10-1985
 Seal :

FORM ITNS

- (1) Mr. Ziauddin Bukhari. (Transferor)
 (2) Parvez Akhtar Ab. Jabbar. (Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
 INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

Ref. No. AR-II/37EE/17968/84-58.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 404, S. No. 41, Oshiwara, Andheri (West), Bombay-58 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 404, 4th floor, Bldg. No. 15 S. No. 41, Oshiwara, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/17968/84-85 on 5-3-1985.

PRASANTA RAY
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-10-1985
 Seal :

FORM NO. LT.N.S.—

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Abdul Hamid Mohamed Ghaus.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official gazette.

Ref. No. AR-II/37EE/18672/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 504, Bldg. 20, Jogeshwari (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 504, 5th floor of building No. 20, forming part of S. No. 41 of village Oshiwara, Behind, Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18672/84-85 on 28-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-10-1985
Seal :

FORM ITNS ———

- (1) Mr. Ziauddin Bukhari. (Transferor)
(2) Nizamuddin M. Ghous. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-II/37EE/18671/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 503, 5th floor, Bldg. No. 20, Jogeshwari (West), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D(1) of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Flat No. 503, 5th floor of building No. 20, S. No. 41 of village Oshiwara, Jogeshwari (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18671/84-85 on 28-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 29-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mr. Zauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Mr. Abdul Razak Kasam Sheikh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY**

Bombay, the 29th October 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18493/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 403, 4th floor of Bldg. No. 19, Oshiwara, Jogeshwari (West), Bombay-58* (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
137—366GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 403, 4th floor, Bldg. No. 19, Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18493/84-85 on 21-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 29-10-1985
Seal :

FORM TINS

(1) Mr. Ziauddin Bukhari,

(Transferor)

(2) Mohd Hashim Mohd Husain,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18224/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No 701, Bldg No 14, Jogeshwari (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer of the said property

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 701, 7th floor of Bldg. No. 14, S. No. 41 of Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR II/37EE/18224/84-85 on 13-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 29-10-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mr. Zauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Mrs. Humera Javed Khan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-II/37EE/18544/84-85.—Whereas I,
PRASANTA RAY,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 603, 6th floor of Bldg. No. 19, forming part of S.
No. 41, Village Oshiwara Andheri (West), Bombay-58
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of
the Competent Authority
at Bombay on 23-3-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 603, 6th floor of Bldg. No. 19 forming part of
S. No. 41 of Village Oshiwara, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18544/84-
85 on 23-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 29-10-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18543/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 602, Bldg. No. 19 Oshiwara, Andheri (West), Bombay-58 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 23-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mr. Z'auddin Bukhari. (Transferor)
(2) Mrs. Kazi Seema Khalil. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 602 on 6th floor, Bldg. No. 19 forming part of S. No. 41 of Village Oshiwara, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/18543/84-85 on 23-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 29-10 1985
Seal :

FORM ITNS

- (1) Mr. Ziauddin Bukhari. (Transferor)
(2) Mr. Ziauddin Bukhari. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18542/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 601, 6th floor Bldg. No. 19, Oshivara, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 23-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of pay income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been as which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 601, 6th floor, Building No. 19, forming part of S. No. 41 Oshivara, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18542/84-85 on 23-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Date : 29-10-1985
Seal :

FOR THE YEAR 1985

(1) Mr. Zauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ab'us Samet Mohd. Suleman.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay the 29th October 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette

Ref. No. AR-II/37EE/18416/84-85, dated 19-3-85, at
PRASANTA RAY,
being the Competent Authority under Section 269D of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 704, Bldg. No. 16, Oshiwara, Behind
(and more fully described in the Schedule to the said Act),
has been transferred and an agreement has been entered into
under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of
the Competent Authority
at Bombay on 19-3-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and to believe that the fair market value of the property exceeds
the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 704, 7th floor, Bldg. No. 16, Oshiwara, Behind
Behram Baug, Jogeshwari (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18416/84-
85 on 19-3-1985.

(b) facilitating the concealment of the transfer of
moneys or other assets which are liable to tax
which ought to be disclosed in the return of income
for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 29-10-1985
Seal :

FORM JINS—

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Moud Shomin Abdul Qadri.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

Ref. AR-II/37EE/18156/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 303, Bldg. No. 12, Oshiwara, Jogeshwari (W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the registration of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

TYPED SCHEDULE

Flat No. 303, 3rd floor of building No. 12, forming part of S. No. 41 of village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18156/84-85 on 12-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 29-10-1985.

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Mr. Ziauddin Bukhari. (Transferor)
- (2) Shaikh Abdulla Abdul Khalique. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

Ref. No. AR-II/37EE/17901/84-85.—Whereas I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 204, Oshiwara, Bld. No. 12, Jogeshwari (W) Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-3-1985 for an apparent which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 204, 2nd floor of Bldg. No. 12 S. No. 41 of village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/17901/84-85 on 2-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 29-10-1985.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

Ref. No. AR-II/37EE/17837/84-85.—Whereas I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 203, 2nd floor, Oshiwara Village Jogeshwari (W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 11-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

138—366GI/85

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Khan Abdul Hamid.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203, 2nd floor, Bldg. No. 12, forming Part of S. No. 41 of Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/17837/ on 1-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

84-85 on 1-3-1985.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mr. Ziauddin Bukharl

(Transferor)

(2) Sayed Zahid Ali.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th. October 1985

Ref. No. AR-II/37EE/17847/84-85.—Whereas I,
PRASANTA RAY,being the Competent Authority under Section 269B of the
(income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing No.Flat No. 304 on 3rd floor of Bldg No. 6, forming part of
S. No. 41 of village Oshiwara, Jogeshwari (W) Bombay-58
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferredand the agreement is registered under section 269AB of the
Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority
at Bombay on 2-3-1985for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 304, 3rd floor of Bldg. No. 6, Forming part of
S. No. 41 of vilalge Oshiwara, behind Behram Baug, Jogesh-
wari (W), Bombay-58.The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/17847/
84-85 on 1-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 29-10-1985
Seal ;

FORM ITNS—

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Mohammad Ali Mohammad Nabi Qureshi,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

Ref. AR-II/37EE/18173/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 204, Bldg. No. 7, Jogeshwari (W), Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 69AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 204, 2nd floor, of Building No. 7, forming part of S. No. 41 of village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18173/84-85 on 12-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 29-10-1985.
Seal :

FORM ITNS —

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sabir Mehboob Ali Khan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

Ref. AR-II/37EE/18165/85-86.—Whereas, I,
PRASANTA RAY,being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 102, 1st floor, of building No. 11, forming part of
S. No. 41 Jogeshwari (West), Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferredand the agreement is registered under section 269AB of the
Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority
at Bombay on 12-3-1985for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to be-
tween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 102, 1st floor of building No. 11 S. No. 41 of
village Oshiwara, Jogeshwari (West), Bombay-58.The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18165/
84-85 on 12-3-1985.PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 29-10-1985.

Seal :

FORM ITNS ———

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Sayed Mohd. Akhtar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18622/18623/84-85.—Whereas I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 504, 5th floor, Bldg. No. 4, S. No. 41, village Oshiwara, behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 504, 5th floor of Bldg. No. 4, Forming Part of S. No. 41 of village, Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18622/84-85 on 27-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 29-10-1985.
Seal:

FORM ITNS

(1) M/s. Hañj Enterprises.

(Transferor)

(2) Amina Jamal Ravanl.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18404/84-85.—Whereas I,
PRASANTA RAY,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 401, Mohammed Manzil Behram Baug, SV Road,
Jogeshwari (W), Bombay-400 102
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
and the agreement is registered under section 269AB of the
Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority
at Bombay on 19-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 401, Mohammed Manzil Behram Baug, S. V.
Road, Jogeshwari (West), Bombay-400 012.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18404/
84-85 on 19-3-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferees for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 29-10-1985
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) M/s. Hafi zi Enterprises.

(Transferor)

(2) Safra Banu Mohammed Yusuf Sekh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18405/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and Flat No. 402, Mohamed Manzil Behram Baug, SV Road, Jogeshwari (West), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 402, Mohamed Manzil Behram Baug, S. V. Road, Jogeshwari (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18405/84-85 on 19-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 29-10-1985.
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Hafzi Enterprises.

(Transferor)

(2) Abdul Gani Jamaluddin Belim.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18229/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 3, Gr. floor Mohammed Manzil Behram Baug, S. V. Road, Jogeshwari (W) Bombay-102 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 3, ground floor, Mohammed Manzil, Behram Baug, S. V. Road, Jogeshwari (West), Bombay-102.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR II/37EE/18229/84-85 on 13-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-10-1985.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

Ref. AR-II/37EE/18226/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 4, Mohmed Manzil, Behtam Baug, S. V. Road, Jogeshwari (W), Bombay-102 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
139—366GI/85

(1) M/s. Hafizi Enterprises.

(Transferor)

(2) Fatma Abdul Rahim Belim.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Ground floor, Mohammed Manzil, Behram Baug, S. V. Road, Jogeshwari (West), Bombay-102.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II/37EE/18226/84-85 on 13-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 29-10-1985

Seal :

FORM LT.N.S.———

(1) M/s. Nahar Seth & Jogani Associates.
(Transferor)**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**(2) 1. Mr. Trilochan M. Chhaya &
2. Mrs. Anjana T. Chhaya.
(Transferee)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY**

Bombay, the 6th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE-17887/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1205, 12th floor in 'Everest' at J. P. Road, Versova, Andheri (W), Bombay, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 1205, 'Everest Bldg', at Jay Prakash Road, Versova, Andheri (West), Bombay-400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE-17887/84-85 on 1-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-11-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.

(1) M/s. Nahar Seth & Jogani Associates. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. M. Balasubramoniam, (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE-17888/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No 901, 'Everest' Bldg. J. P. Road, Versova, Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The words and expressions used in this Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 901, 9th floor in Everest, Building at J. P. Road, Versova, Andheri (West) Bombay-400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE-17888/84-85 on 1-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date: 6-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

- (1) M/s. Nahar Seth & Jugani Associates. (Transferor)
(2) Mr. Ramesh Hussanlal Ohri. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE-17889/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1105, 'Everest' I, P. Road, Andheri (W) Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid parties has not been truly stated in the said instrument of sale exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

THE SCHEDULE

Flat No. 1105 on 11th floor in 'Everest', at J.P. Road Versova, Andheri (West), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE-17889/84-85 on 1-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-11-1985

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. R. N. A. Builders.

(Transferor)

(2) Miss Priti Sapru.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE-18003/84-85 — Whereas I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 24, 2nd floor, Apna Ghar, Versova, Andheri (West), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 24, 2nd floor, Shringa Tower, Roshanlal Aggarwal Complex, Near Apna Ghar, Versova, Andheri (W), Bombay-85.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE-18003/84-85 on 6-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 6-11-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Vaibhav Builders

(Transferor)

(2) Shri Chetan Shantilal Sanghavi

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18032/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing Flat No. 402 'B' Block, Guru Kripa Apartments, Veera Desai Road, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6/3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No.402, 'B' Block, Guru Kripa Apartment Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18032/84-85 on 6/3/1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Bombay

Date : 6/11/1985
Seal :

FORM I.T.N.S. ———

(1) M/s. Nahar Seth & Jogani Associates,
(Transferor)

(2) 1. Mr. M. N. Sayankar and
2 Mrs V M. Sayankar.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18590/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 801, 'Everest' Bldg. at J. P. Road, Versova, Andheri (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26/3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 801, 8th floor in 'Everest' Bldg., J. P. Road, Versova, Andheri (West), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II/37EE/18590/84-85 on 26/3/1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II Bombay

Date : 6/11/1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Motlani Family Trust

(Transferor)

(2) Mr. Vashdev I. Adnanl

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18052/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 8, Plot No. 317 Woodrose Bldg. Andheri (West), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6/3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 8, Plot No. 317, Woodrose Building Survey No. 41, 4 Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18052/84-85 on 6/3/1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Bombay

Date : 6/11/1985

Seal :

FORM I.T.N.S.———

(1) Shri Ismail Akbar Ali Hazi
(Transferor)
(2) Shri Yusuf Rajmohamed Patel
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18335/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 2, Jubilee Apts. Housing Society Plot No. 3 Versova Andheri (W), Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15/3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respect persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Shop No. 2, Jubilee Apts., Co-op. Housing Society, Plot No. 3 Yari Road, Versova, Andheri (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18335/84-85 on 15/3/1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

140—366GI/85

Date : 5-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M. S. Raj Kumar Agencies

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Daultaram Mulidhar Tejuja.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE 18538/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 44, Ground floor, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, Versova Andheri (W), Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 23/3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

Shop No. 44, Ground floor, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, S. No. 41. (Pt.) Versova, Oshiwara, Andheri (W), Bombay-58.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18538/84-85 on 23/3/1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 5-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Oberoi Constructions.

(Transferor)

(2) M/s. Gujarat Dairy & Tea Company

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th November 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-II/37EE/18728/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 26, Near Lokhandwala Complex, Oshiwara Andheri (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29/3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 26, Near Lokhandwala Complex, Oshiwara, Andheri, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18728/84-85 on 29/3/1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6/11/1985
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. J. S. Corporation

(Transferor)

(2) Shri Manish Gupta

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18290/84-85.—Whereas, I,
PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 502, 5th floor Quarter Deck, Jai Prakash Road, Versova, Andheri (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14/3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 502, 5th floor of the building Quarter Deck : J. P. Road, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18290/84-85 on 14/3/1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Bombay

Date : 6/11/1985

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. J. S. Corporation

(Transferor)

(2) Shri Manish Gupta

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18291/84-85.—Whereas, I, **PRASANTA RAY**, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No. Flat No. 501, 5th floor Quarter Deck, J. P. Road, Versova, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14.3.1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 501, 5th floor of Quarter Deck J. P. Road, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18291/84-85 on 14.3.1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Bombay

Date : 6/11/1985

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY**

Bombay, the 6th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18444/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 302, 3rd floor J. P. Road Versova, Andhehi (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20/3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M's J. S. Corporation

(Transferor)

(2) Shri Dhiraj Harilal Shah

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 302, 3rd floor in the building Quarter Deck at Jai Prakash Road, Versova, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18444/84-85 on 20/3/1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Bombay

Date : 6/11/1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. J. S. Corporation

(Transferor)

(2) Shri Dhiraj Harilal Shah

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18445/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 301, Quarter Deck, J. P. Road, Versova, Andheri (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20/3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd floor Quarter Deck at J. P. Road, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18445/84-85 on 20-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6/11/1985
Sd/-

FORM ITNS—

(1) Mr A Razak Haji Admil Hasanfatta
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Mr Mohammed Hasam Haji Issa Manu
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th November 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-II/37EE/17857/84-85.—Whereas, I,
PRASANTA RAY,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred
to as the said Act, have reason to believe that the immov-
able property having a fair marketing value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 106, 1st floor, of the bldg known as 'Parhat Apts.,
Rs. 1,00,000/- and bearing
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of
the Competent Authority at
Bombay on 1/3/1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-
ween the transferor and the transferee is not adequate for the
purpose of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 106, 1st floor, Parhat Apartments, Jogeshwari
(W), Bombay-102.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/
17857/84-85 on 1/3/1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 6/11/1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mr. Mohammed Husain A. Karim Merchant
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Mustak Hassankhan and
Mr. Nazir Hassankhan
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/17894/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 51, Jasmin Apartment, Andheri (West), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1/3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

141—366GI/85

Objections, if any of the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 51, 5th floor, Jasmine Apartment, 31 S. V. Road, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/17894/84-85 on 1/3/1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 5-11-1985
Seal:

FORM ITNS—

(2) Smt. Shalini Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Amrutlal V. Kanani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

Ref. No. AR-II/37EF/17902/84-85.—Whereas, I,
PRASANTA RAY,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'Said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
101/102, Shivam Apartments Andheri Versova Main Road
Andheri (West), Bombay-58.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of
the Competent Authority at
Bombay on 2-3-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to be-
tween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

101/102, Shivam Apartments, Plot No. A/1, 142 & 143
Andheri Versova Main Road, Versova, Andheri (West),

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/17902/84-85
on 2-3-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957);

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269C of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 5-11-1985
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

- (1) Mr. Sajad Khan Rahmat Khan. (Transferor)
 (2) Mrs. Padmini Raj, and
 Mr. Rajaram. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/17903/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,0,000/- and bearing No. Flat No. 204, 'A' Wing, Andheri (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 204, 2nd floor, 'A' Wing, Sea Shell, 7 Bungalows Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/17903/84-85 on 1-3-1985.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act; to the following persons, namely :—

PRASANTA RAY
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II,
 Bombay

Date : 5-11-1985
 Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. S. V. S. & Co.

(Transferor)

(2) Dr. Damodarkumar Tolani &
Mrs. Hardevi D. Tolani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/17919/84-85.—Whereas I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 601, 6th floor, Bldg. No. 2-3-4, 'B' Wing, Manish Nagar, Andheri (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No 601, 6th floor, Bldg. No. 2-3-4, 'B' Wing, Manish Nagar, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR.II/37EE/17919/84-85 on 2-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date : 5-11-1985

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Sandri P. Harwani.

(Transferor)

(2) Smt. Poonam Rajesh Joshi.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Property in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/17954/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,0,000/- and bearing No. Flat No. 4, Sea Breeze Premises CHSL, 7 Bungalows, Andheri (W), Bombay-61 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Sea Breeze Premises Co-op. Society Ltd., 7 Bungalows, Andheri (W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR-II/37EE/17954/84-85 on 5-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date : 5-11-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Vijay Kumar Oberoi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Nagpal Balkishin (HUF).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th November 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-II/37EE/18091/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Gala No. 18 'B' Bldg., Ghanshyam Industrial Estate Off Veera Desai Road, Andheri (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 8-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Gala No. 18 'B' Bldg. Ghanshyam Industrial Estate Off Veera Desai Road, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18091/84-85 on 8-3-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-11-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Vipul Jayantilal Shah.

(Transferor)

(2) Smt. Sheela Chandrakant Shah.
Shri C. V. Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18095/84-85.—Whereas, I,
PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. A-2, Paradise Apartment, 137 S.V. Road, Andheri (West), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 8-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Flat No. A-2, Paradise Apartment, 137 S.V. Road, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR-II-37EE/18095/84-85 on 8-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 5-11-1985
Sd/-

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18132/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 301, 3rd floor, Kohinoor Bldg., Bandivali Village, Jogeshwari (West), Bombay-400102, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 8-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- | | |
|---------------------------------|--|
| (1) Shri Bal Krishna K. Shetty. | (Transferor) |
| (2) Shri Sayed Akhtar Husain. | (Transferee) |
| (3) Transferor. | (Person in occupation of the property) |
| (4) Transferee. | (Person whom the undersigned knows to be interested in the property) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd floor, Kohinoor Building Bandivali Village, Jogeshwari (West), Bombay-400102.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18132/84-85 on 8-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date : 6-11-1985

Seal :

FORM ITNS—

(1) Mr. B. Ramesh.

(Transferor)

(2) Mrs. Usha Narayanaswamy.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18272/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 8, Plot No. 33, Manish Nagar, J.P. Road Andheri (W), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

142—366 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8, Plot No. 33, S. No. 145 (Pt.) Manish Nagar, J.P. Road, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18272/84-85 on 14-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date : 5-11-1985

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri T. V. Balasubramanian.
(Transferee)(2) Shri S. Vijayaraghavan.
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18273/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,0,000/- and bearing No. Flat No. 7, Manish Nagar, J.P. Road, Andheri (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) by any other person interested in the said immovables or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 7, Plot No. 33, S. No. 145 (P)(P), 146(P) Manish Nagar, J.P. Road, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR.III/37EE/18273/84-85 on 14-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 5-11-1985
Seal:

FORM ITNS—

(1) Mrs. V. Carvalho &
Mrs. M. L. Frias.

(Transferor)

(2) Shri Jai Prakash V. Mullanl.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18293/83-84.—Whereas, I,
PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,0,000/- and bearing No. Flat No. 14, Avinash Bldg. 7 Bungalows, Andheri (W), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 14, Avinash Building, 7 Bungalows, Andheri (West) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18293/84-85 on 14-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : .

Date : 5-11-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ramesh Sharma; and
Smt. Sunanda R. Sharma.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bharat B. Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, BOMBAY

Bombay, the 6th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE-18328/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 507, 'Talati Apartment', 5th floor, Andheri (W), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 507, Talati Apartment, 5th floor, Near Fire Brigade, S. V. Road, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE-18328/84-85 on 15-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 6-11-1985
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY**

Bombay, the 6th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE-18411/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 106, 1st floor, Kohnoor 'B' Jogeshwari, Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Minoo Pursrottam.

Transferor)

(2) Mr. Abdul Karim Ahmed Patel.

Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 106, 1st floor, Kohnoor 'B' Jogeshwari, Bombay.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE-18411/84-Bombay on 19-3-1985

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-11-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Mr. Subash Pandey and
Mr. Ramnath Pandey.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Lalita Menon.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE-18511/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 201, Shangrilla-1 and Garage No. 6, 7 Bungalows, Andheri (W), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201, Shangrilla-1 and Garage No. 6, 7 Bungalows (West), Bombay-400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE-18511/84-85 on 21/3/1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 5-11-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE-18567/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 612/C Janakdeep Bldg., J. P. Road, Versova, Bombay-61 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Padma Alwani. (Transferor)
- (2) Smt Neelam Niranjan Manchandani. (Transferee)
- (3) Transferee. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 612/C Janakdeep Building J.P. Road, Versova, Andheri (W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay-61.
35 on 26/3/1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 5-11-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE-18652/84-85.—Whereas I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Andheri Manish Vijay Co. op. Housing Society Ltd. Flat No. 22, Manish Nagar, J. P. Road, Andheri (W), Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Prakash Vaid, (Transferor)
(2) Neville Noshir Harda. (Transferee)
(3) Transferee, (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 22, A-Building No. 14, Andheri Manish Vijay Co-operative Housing Society Ltd., Manish Nagar, J. P. Road, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE-18652/84-85 in 27/3/1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 6-11-1985
Seal ;

FORM ITNS—

(1) Mrs. Mawlene Salwyn,

(Transferor)

(2) Mrs. S. R. Tilokani,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/17862/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 15, ground floor, Juhu Beach Haven II Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Juhu Tara Road, Bombay-49 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 15, ground floor, Juhu Beach Haven II Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Juhu Tara Road, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/17862/84-85 on 1-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

143—366 GI/85

Date : 4-11-1985

Seal :

FORM ITNS

- (1) Smt. J. V. Shah. (Transferor)
 (2) Mr. H. D. Shah & Others. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/17915/84-85.—Whereas, I,
PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 16, Dastur Bldg., 3rd floor, Pherozechah Road, Santacruz (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 16, Dastur Bldg., 3rd floor, Pherozechah Road Santacruz (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/17915/84-85 on 1-3-1985.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date : 4-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

- (1) Kishore Nemchand Shah. (Transferor)
(2) Mrs. Bina Subhash Parekh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref No AR-II/37EE/17917/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 'Maheshwar Shikhari' Plot No. 55-B, of TPS 4 Andrews Road, Santacruz (W), Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/17917/84-85 on 1-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4 11-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.-----

(1) M/s. Tasneem Developers.

(Transferor)

(2) Mr. Stanley Varghese.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18011/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transferable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 203, Tasneem, Juhu Vile Parle Scheme, Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 203, Tasneem, Plot No. 1, K-Ward, Juhu Vile Parle Scheme, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18011/ on 5-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-11-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18113/84-85 —Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing Flat No. 22-B, in Trimuti Co-op. Housing Society Ltd., Santacruz West, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 8-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

- (1) 1. Ms. Pammi Bakshi and
2. Ms. Mamta Bakshi. (Transferor)
- (2) 1. Mr. K. Srinivasan and
2. Mrs. Shandrika Srinivasan. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 22-B in Trimuti Co-op. Housing Soc. Ltd., North Avenue, Santacruz West, Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18113/84-85 on 8/3/1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date : 4-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Mr. H. Arora. (Transferor)
 (2) Mr. R. R. Menon. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18126/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 12, Block No. C-6, 2nd floor, Sangeeta Apartments, Juhu, Bombay-49

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 8-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12, Block No. C-6, 2nd floor, Sangeeta Apartments, Juhu, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18126/84-85 on 8-3-1985.

PRASANTA RAY
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II,
 Bombay

Date: 4-11-1985
 Seal:

FORM ITNS—

(1) Mr. C. A. D'Souza.

(Transferor)

(2) Marv Mathew Valivavcetel.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18265/84-85 —Whereas, I,
PRASANTA RAY,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 8, 1st floor, Lido, Juhu Society, Juhu, Bombay-49
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of
the Competent Authority at
Bombay on 14-3-1985
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 8, 1st floor, Lido Juhu Society, Juhu, Bombay-49.
The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Serial - No. AR-II/37EE/18265/
84-85 on 14-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Competent Authority
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 4-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18346/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 76, Ratna Jyoti Indl. Estate, Juhu Scheme, Vile Parle (W), Bombay-56 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-11-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Vallabhai J. Patel, (Transferor)
(2) Smt. Meena Sureshbhai Mehta. (Transferee)
(3) Transferee. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 76, 3rd floor, Ratna Jyoti Industrial Estate, Vile Parle (West), Bombay-56.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18346/84-85 on 16-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Mrs. J. P. Asuñeni. (Transferor)
(2) Mr. M. F. Fayyadali & Others. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY**

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18383/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 101, Delite-Den, 10th Road, J.P. Scheme, Bombay-49, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-3-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

144—366 GI/85

Objections, if, any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101, Delite Den, 10th Road, J. P. Scheme. Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18383/84-85 on 16-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 4-11-1985

Seal :

FORM ITNS—

(1) Mr. Hersh Kohli,

(Transferor)

(2) Mrs. B. N. Advani,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-II/37EE/18540/84-85.—Whereas, I,
PRASANTA RAY,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Office premises No. 26/7C, Sangeeta Apts., Juhu Road,
Santacruz (W), Bombay-49,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of
the Competent Authority at
Bombay on 23-3-1985,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-
ween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been for
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957):Office premises No. 26/7C, Sangeeta Apts, Juhu Road,
Santacruz (W), Bombay-49.The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/18540/84-
85 on 23-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 4-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mr. D. S. Yajnick.

(Transferor)

(2) Capt. F. G. Mascarenhas.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18560/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 5, Beach Resorj Co-op Hsg. Soc. Ltd., 35C, Hira Buva Gavde marg, Juhu, Bombay-49, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 23-3-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Flat No. 5, Beach Resorj Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 35-C, Hira Buva Gavde Marg, Juhu, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18560/84-85 on 23-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-11-1985
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18653/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. A/2/2 2nd floor, 'Al Hasanat' Chapel Road, Santacruz (W), Bombay-54, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-3-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Munira Zulfikar Khandwala.
(Transferor)
- (2) Mr. Haiderali Esoofali Kajiji,
Mr. Shabbir Haiderali Kajiji.
(Transferee)
- (3) Transferor.
(Person in occupation of the property)
- (4) Transferor.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A/2/2, 2nd floor, 'AL HASANAT' Chapel Road, Santacruz (West), Bombay-400 054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18653/84-85 on 27-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 4-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Taznim Developers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Nafisa Yahya Ezzi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18654/84-85.—Whereas, I,
PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00,000/- and bearing Fiat No. 101, in 'Tasneem' Juhu Vile Parle Scheme, Bombay Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101, in 'Tasneem' Plot No. 1(6), K-Ward, Juhu Vile-Parle Scheme, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/18654/84-85 on 27-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 4-11-1985
Sd/-

FORM ITNS—

(1) Mr. D. B. Poptani,

(Transferor)

(2) Smt. S. K. Parekh & Others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18718/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No.-10, The Gokul Apt., co.op. Hsg. Soc. Ltd., Hari Niwas, Vile Parle (W), Bombay-56, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29-3-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, The Gokul Apt. Co.op. Hsg. Soc. Ltd., Hari Niwas, Vile Parle (W), Bombay-56

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18718/84-85 on 29-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 4-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Giriraj Construction Co. (Transferor)
 (2) Shri Dhyandeo Narayan Jadhav, (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/17850/84-85.—hereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. Block No. 10, Giriraj Apartments, plot No. 176/1(pt.), Village Kondivita, near Kadamwadi, Andheri (E), Bombay-59 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 10, Giriraj Apartments, Plot No. 176/1(pt.), Village Kondivita, near Kadamwadi, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/17850/84-85 on 1-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Giriraj Construction Co.,

(Transferor)

(2) Shri Amar Vithaldeo Pawar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985.

Ref. No. AR-II/37EE/17859/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Block No. 19, Giriraj Apartments, Plot No. 176/1 (pt.), Village Kondivta, near Kadamwadi, Andheri (E), Bombay-59, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Block No. 19, Giriraj Apartments, plot No. 176/1(pt.), Village Kondivta, near Kadamwadi, Andheri (E), Bombay-59. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/17859/84-85 on 1-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 7-11-1985.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Giriraj Construction Co

(Transferor)

(2) Shri Vithalrao Abasaheb Puwar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/17860/84-85.—Whereas, I,
PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Block No. 20, Giriraj Apartments Plot No. 176/1 (pt.) Village Kondivta near Kadamwadi, Andheri (E), Bombay-59, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Block No. 20, Giriraj Apartments, plot No. 176/1(pt.), village Kondivta, near Kadamwadi, Andheri (E), Bombay-59. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/17860/84-85 on 1-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

145—366 GI/85

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/17890/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Block No. 2, Giriraj Apartments, Plot No. 176/1(pt.), Village Kondivita, Near Kadamwadi, Andheri (E), Bombay-59, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asset which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- | | |
|---------------------------------|--------------|
| (1) Giriraj Construction Co. | (Transferor) |
| (2) Shri John Luis Mascarenhas. | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 2, Giriraj Apartment, plot No. 176/1(pt.) Village Kondivita, near Kadamwadi, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/17890/84-85 on 1-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 7-11-1985.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. H. S. Merchant.

(Transferor)

(2) Mr. Gourishankar Ladha Karta,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18302/84-85.—Whereas, I,
PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 19, Gnat Vikrant

Co.op. Society Ltd, Santacruz (W) Bombay-54

(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of
the Competent Authority at

Bombay on 14-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-
ween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) facilitating the concealment of any income or any
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 19, 3rd floor, Gnat Vikrant Co.op. Society Ltd.
'B' Wing, 17B Podar Marg, Santacruz (W) Bombay-54

The agreement has been registered by the Competent Autho-
rity, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/18302/84-85 on
14-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Dated: 7-11-1985

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18643/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 304, Sameer Nivas 'B' Bldg. Jay Prakash Road, Andheri Versova, Andheri (W), (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- | | |
|--------------------------------|--------------|
| (1) Miss Madhu V. Raichandani, | (Transferor) |
| (2) Romi Dayal Chopra. | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

304, Sameer Nivas, 'D' Bldg. Jay Prakash Road, Andheri Versova, Andheri-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18643/84-85 on 27-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Dated: 7-11-1985
Seal:

FORM ITNS—

(1) Mr. P. V. Raichandani.

(Transferor)

(2) Mr Neelu Dayal Chopra.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18642/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 303, Sameer Niwas, 'B' Bldg. J.P. Road, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303, Sameer Niwas, 'B' Building, J.P. Ward, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18642/84-85 on 27-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date : 7-11-1985
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/17965/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. A-15, Fatima Mahal Co-op. Hsg. Society, 2nd Gaothan Lane, Opp. Post Office, S.V. Road, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay, on 5-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- | | |
|--|--------------|
| (1) Smt. Julekhhaj Ibrahim. | (Transferor) |
| (2) Moh. Akbar Abdulla Roshan & Sehnaz Akbar Roshan. | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-15, Fatima Mahal Co-operative Housing Society 2nd Gaothan Lane, Opp. Post Office, S. V. Road, Andheri (E), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/17965/84-85 on 5-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date : 7-11-1985
Sent:

FORM ITNS—

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18379/84-85.—Whereas, I, **PRASANTA RAY**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Fla No. 64, Manish Deep CHSL, 4 Bungalows, Andheri (W), Bombay,

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mr. Néster Napoleon Desouza. (Transferor)
(2) Aftab Huseinali Mukadam. (Transferee)
(3) Transferee. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 64, Manish Deep Co-operative Housing Society Ltd., 4 Bungalows, Andheri West, Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR II/37EE/18379/84-85 on 16-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Dated: 7-11-1985
Seal:

FORM I.T.N.S.

- (1) M/s. Abis Constructions. (Transferor)
 (2) Miss Dhun P. Udawadia. (Transferee)
 (3) Transferee. (Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
 INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
 property, within 45 days from the date of the publi-
 cation of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-II/37EE/18253/84-85.—Whereas, I,
 PRASANTA RAY,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property having a fair market value exceeding
 Rs. 1,00,000/- and bearing
 Flat No. 202, 2nd floor D ago C., Sherly Rajan,
 Bandra, Bombay-50.
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred and the agreement is registered under
 Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of
 the Competent Authority at
 Bombay on 13-3-1985
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said Act,
 shall have the same meaning as given in that
 Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (14 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 202, 2nd floor in the building 'Diago C', Plot at
 Village Sherly Rajan Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent
 Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18253/84-
 85 on 13-3-1985.

PRASANTA RAY
 Competent Authority
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269(D) of the said Act, to the follow-
 ing persons, namely :—

Dated: 7-11-1985
 Seal:

FORM NO. IT.NS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18116/84-85.—Whereas, I,
PRASANTA RAY,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and
bearing No. Flat No. 105, Gora Co-op.
Hsg. Socy. Ltd., Dr. Peter Dias
Road, Bandra, Bombay-60,
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of
the Competent Authority at
Bombay on 8-3-1985

market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

146—366 GI/85

- (1) Sadruddin Gulamhusein Momhani.
(Transferor)
(2) Mr. Siraj Bahadurali Himani and
Mrs. Mumtaz Siraj Himani.
(Transferee)
(3) Transferee.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 105, Gora Co-operative Housing Society Ltd., Dr.
Peter Dias Road, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18116/84-
85 on 8-3-1985.

PRASANTA RAY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Competent Authority
Acquisition Range-II, Bombay.

Dated: 7-11-1985
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/17908/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269E of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 4, Minoo Apartment, Vile Parle (E) Bombay-57, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Minoo Construction Co.

(Transferor)

(2) Smt. Marghaben Nanalal Shah &
Smt. Meena Rajnikant Shah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Minoo Apartment, Shadhanand Road, Off. Nanda Patkar Road, Near Telephone Exchange, Vile Parle (E) Bombay-400 057.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR II/37EE/17908/84-85 on 2-3-1985.

PRASANTA RAY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Dated: 7-11-1985
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/371 E/18174/84-85.—Whereas, I,
PRASANTA RAY,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to
as the 'said Act', have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and

bearing No. Rao Apartment, Block No. 8

3rd floor, Malaviya Road,

Vile Parle (E) Bombay-57

(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of
the Competent Authority at

Bombay on 8-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to bet-
ween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) Bipinkumar Harakchand Gandhi & Ors.
(Transferor)
(2) K. Narasimha.
(Transferee)
(3) Transferee.
(Person in occupation of the property)
(4) Transferee.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Rao Apartment, Block No. 8, 3rd floor, Malaviya Road,
Vile Parle (East), Bombay-400 057.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/18174/84-
85 on 8-3-1985.

PRASANTA RAY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Dated: 7-11-1985
Seal:

FORM ITN—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18081/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Block No. 11, Giriraj Apartments, Plot No. 176/1 (pt.) Village Kondivita, Near Kadamwadi, Andheri (E), Bombay-59, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 8-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Giriraj Construction Co.

(Transferor)

(2) Mr. & Mrs. Zuzer S. Diwan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 11, Giriraj Apartments, Plot No. 176/1 (pt.), Village Konivdita, near Kadamwadi, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/18081/84-85 on 8-3-1985.

PRASANTA RAY,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Dated: 7-11-1985
Seal:

FORM ITNS

- (1) Mr. M. N. Noorani (Transferor)
(2) Mr. Jayant Arora & Ors. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY**

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/17911/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 706, B Wing, Manju-Mahal, Chetak Co.-Op. Hsg. Soc. Ltd. 35 Pali Hill Road, Bandra, Bombay-50 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of said apparent consideration and that the consideration for said transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Flat No. 706, B Wing, Manju Mahal, Chetak Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 35 Pali Hill Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/17911/84-85 on 1/3/1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 5-11-1985
Seal

FORM ITNS-----

(1) Smt. Chetibai Ramchand.

(Transferor)

(2) Mr. A. G. Gchi & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/17944/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 52, Ram Mahal Co-op. Hsg. Soc., Mari Road, opp Mahim Station, Bombay-16. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2/3/85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 52, Ram Mahal Co.-Op. Hsg. Soc. Mari Road, opp. Mahim Station, Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/17944/84-85 on 2/3/1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-11-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Smt. S. N. Kukreja & Ors.

(Transferor)

(2) Shri S. V. Rang & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-II/37EE/18024/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 303, Marble Arch Premises Co. Op. Hsg. Soc. Ltd., Palli Hill, Bandra, Bombay-50 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6/3/85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 303, Marble Arch Co. Op. Hsg. Soc. Ltd., Palli Hill Bandra, Bombay-50.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/18024/84-85 on 6/3/1985.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 5-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Mrs. S. M. Sobhani.
(Transferor)
- (2) Mr. Mohmed Iqbal.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18212/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 102, Fair Haven 29th Road, Bandra, Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12/3/85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Seal :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 102, Fair Haven, 29th Road, Bandra, Bombay-50.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/18212/84-85 on 12/3/1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 5-11-1985
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY**

Bombay, the 8th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18251/84-85.—Whereas, 1
PRASANTA RAY,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No.
Plot No. 33E, Estate Plan No. 1 Salsette Catholic Co.-op.
Housing Society Ltd., Bandra, Bombay-400 050
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office
of the Competent Authority at
Bombay on 13-3-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen percent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
property, namely :—
147—366 GI/85

- (1) Mrs. Evelyn Pereira. (Transferor)
(2) M/s. Pereira Builders. (Transferee)
(3) Transferor & tenants.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable residential House property, bearing plot No.
33E Estate Plan No. 1, Salsette Catholic Co-operative Hous-
ing Society Ltd., Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/18251/
84-85 on 13/3/1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 8-11-1985
Seal :

FORM (P.S.)

(1) Smt. Poonam G. Thawani.

(Transferor)

(2) Smt. S. B. Agarwal & Ors

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18450/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 402, Decan Co-op Hsg. Soc. Ltd., Off. Carter Road, Khar (W), Bombay-52 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No 402, Decan Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Off. Carter Road, Khar (W), Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/18450/84-85 on 20/3/1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons namely :—

Date : 5-11-1985
Seal :

FORM ITNS

- (1) Uttamchand S. Alimchandani (Transferor)
(2) Ismail Mohamed Solanki (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Ref. No. AR-II/37EE/18515/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 302, 3rd floor, Ambica Apartment Co. operative Housing Soc. Ltd., Khar, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (23 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 302, Ambica Apartment Co. op. Housing Society, TPS. III, Bandra, Bombay on 3rd Road, Khar, Bombay-52. The said property has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/18515/84-85 on 22/3/1985

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 5-11-1985
Sd/-

FORM ITNS—

(1) M/s. Suhail Constructions.

(Transferor)

(2) Mr. Manuel Raphael & Mrs. Gilermina.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. AR-II/37EE/17983/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 202, 2nd floor, FRANDEL, 115 Dr. Peter Dias Road, Bandra, Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period — 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202, 2nd floor, FRANDEL, 115, Dr. Peter Dias Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/17983/84-85 on 4/3/1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Viranwali Putansingh

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dinesh Malik

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18301/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 110, City S. No. 368 Sher-E-Punjab Co-op. Housing Society Ltd., Mahakali Caves Rd. Andheri (E) Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 110/CS No 368 Sher-e-Punjab Co-op Housing Society, Mahakali Caves Road, Andheri (East), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR II/37EE/18301/84-85 on 14/3/1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 8-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. National Building Corpn.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Padma Dalichand Gandhi &
Dalichand Bavchand Gandhi
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18068/84-85.—Whereas, I,
PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 101, 1st floor, Devdeep, Santacruz (W) Bombay-54, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101, 1st floor, Dev Dep, Plot No. 44-B, Tilak/Tagore Road, Santacruz, Bombay-400 054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/18068/84-85 on 7/3/1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/17873/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. A-1, on ground floor Pushpak Building, TPS III, Santa Cruz (E), Bombay-55 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mr. N. S. Panicker, (Transferor)
(2) Mrs. Sataswati Vithal Gidde, (Transferee)
(3) Transferee. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-1, on ground floor of Pushpak Building, 4th Road, TPS. III, Santacruz (East), Bombay-400055.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR-II/37EE/17873/84-85 on 6-3-1985

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Bombay

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(2) Sardar Narindersingh Amrik Singh Sahani.
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Arunkumar Sethi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18001/84-85.—Whereas, I,
PRASANTA RAY,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.Plot No. 161, Shera-I-Punjab Co-operative Housing Society
Ltd., Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of
the Competent Authority at
Bombay on 6-3-1985for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);Plot No. 161, Shere-E-Punjab Co-operative Housing Society
Ltd., Mahakali Caves Road, Andheri (East), Bombay-93.The agreement has been registered by the Competent
Authority Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18001/84-85
on 6-3-1985PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—Date : 7-11-1985
Seal :

FORM ITNS — —

(1) M/s. Kirti Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Captain Sanjay Kumar Sharma,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18158/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 508, 'Nectar I' Sherli Rajan, Bandha, Bombay-400050 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
148—366 GI/85

THE SCHEDULE

Flat No. 503, Nectar-I, Village Danda, on plot bearing CTS No. 1437, 1440, Sherli Rajan, Bandra, Bombay-400050.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR.II/37718158/84-85 on 12-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18473/84-85 —Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land bearing Plot No. 76, at Village Mogra, Taluka Andheri Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Ms. Shakti Construction Co. (Transferor)
(2) M/s C K Builders & Developers. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land bearing plot No. 76, being part of S. No. 368 (Part) at Village Mogra, Taluka Andheri in the Shree-Punjab Coop Housing Society Ltd.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No AR II 37EE/18473/84-85 on 20-3-1985

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR.II/37EE/18074/84-85.—Whereas, I,
PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 104, Bulg. No. D-2, Yamuna Nagar, Oshiwara Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Ami Investments. (Transferor)
(2) Mr. Bendapudi Ramohan Rao. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104, in Building No. D-2, at 'Yamuna Nagar' at Oshiwara, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR.II/37EE/18074/84-85 on 6-3-1985

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) S. Joginderpal Singh Mulwant Singh
(Transferor)(2) Shri Sunilkumar Sethi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/17995/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 162, Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombay-93 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 162, Mahakali Caves Road, Andheri (East), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR-II/37EE/17995/84-85 on 6-3-1985

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mr. Arun Jaitly.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Rajgi Builders.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18380/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 77, Hissa No. 3 (Part), Plot 'B', Village Kapsi, Taluka Andheri, Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Survey No. 77, Hissa No. 3 (Part), Plot 'B' at Village Kapsi, Taluka Andheri, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18380/84-85 on 16-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 7-11-1985

Seal :

FORM ITNS _____

(1) Shri Virendra Kumar Jhamb.

(Transferor)

(2) Shri Narinder Gupta,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18050/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No. Plot bearing CTS No. 1032 at Versova, Yari Road, Bombay-61 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within fortyfive days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot bearing CTS No. 1032, Versova Taluka, Yari Road, Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR.II/37EE/18050/84-85 on 6-3-1985

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18195/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 201, 'Diago B' Sherly Rajan, Bandra, Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) M/s. Abis Constructions. (Transferor)
(2) Mr. Abdul Rashid Abdulla Faquih. (Transferee)
(4) Transferee.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd floor, 'Diago B', CTS Nos. 1280, 1461, 1247 & 1463 at Village Sherly Rajan, Bandra, Bombay-50.
The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18195/84-85 on 12-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Indraprastha Builders Pvt. Ltd. (Transferor)

(2) M/s. Rajgir Builders. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18381/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 77, Hissa No. 3 (Part) Plot No. 'C' Village Kapsi, Taluka Andheri, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 77, Hissa No. 3 (Part) Called Plt 'C', at village Kapsi, Taluka Andheri, Bombay.

The agreement has been registered by the Compete Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/18381/84- on 16-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. Dhirubhai M. Shah

(Transferor)

(2) Mr. Darryll A. Creado
Mr. Neli J. Creado
Mr. Winston J. Creado
Mr. Colin V. Creado
Mr. Astor T. Creado

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19726/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 103, Sagar Sangeet Co. op. Housing Ltd., A. B. Nair Rd. Juhu Bombay-49, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 103, 1st floor of Sagar Sangeet 'A' on the Estate of Sagar Sangeet Co-operative Housing Society Ltd. A. B. Nair Road, Juhu, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18726/84-85 on 1/3/1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

149—366 GI/85

Date : 7-11-1985
ml :

FORM ITNS

- (1) Simrat Surendrakumar Chopra (Transferor)
 (2) Shri Chandrashekhar T. Marla (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
 BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/17836/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 11, Chand Co. op. Housing Society Ltd, Juhu, Bombay-49, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, in Chand Co. op. Housing Society Ltd., S. No. 3, Hissa No. 3, Rural Juhu, Bombay-400 049.
 The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/17836/84-85 on 1-3-1985.

PRASANTA RAY
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II
 Bombay

Date : 7-11-1985
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No.AR-II|37EE.17835|84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 226, 2nd floor, Adarsh Industrial Estate, Sahar Road, Andheri (E.), Bombay-99 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kantilal Premchand Shah, Partner of
M/s Jagurti Electro Plasters. (Transferor)
- (2) Shri Dahyalal Kashirchand Panchal &
Shri Popatlal Kasturchand Panchal (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice or the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 226, 2nd floor, Adarsh Industrial Estate Sahar Road, Andheri(East), Bombay-99.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No.AR.II|37EE 17835|84-85 on 1-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri K. B. Joshi

(Transferor)

(2) Shri L. K. Israni

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. AR-II/37EE.17866/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 104, 1st floor Building A1, Railway Men's Apna Ghar CHSL., at Mogra Millage Andheri(E) Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 104, 1st floor, Building No. A1 in Railway-men's Apna Ghar Co.op. Housing Society Ltd. at Mogra Village, Andheri(East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/17866/84-85 on 1-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 7-11-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. AR-II/37EE/17943/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Gala No. 38, Satyam Industrial Estate, 2nd floor, Jogeshwari Bombay-60 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) M/s. Satyam Builders. (Transferor)
(2) M/s. Sona Garments. (Transferee)
(3) Transferor. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 38, Satyam Industrial Estate, 2nd floor, Jogeshwari (E), Bombay-60.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/17943/84-85 on 2/3/1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date : 7-11-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/17974/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 5, 1st floor at Trimurti, 16th J. B. Nagar, Andheri (East), Bombay-59, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Smt. Kamal Jeet Kaur Ratan Ralemile
(Transferor)

(2) Shri Brij Kumar Kapoor Jain
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 1st floor, at Trimurti, 16. J. B. Nair, Andheri (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/17974/84-85 on 5-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18172/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Vacant land bearing CTS No. 178 184 & 185 located at Deool Wadi Chakala, Andheri (E.), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Cam Co. (Transferor)
(2) M s Rajit Development Corporation. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Vacant land bearing CTS No. 178, 184 and 185 at Deool Wadi Opp. Cigarette Factory, Chakala, Off Sahar Road, Andheri (East), Bombay-99.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR. II/37EE/18172 /84-85 on 12-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-11-1985
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18185/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 2, 3rd floor, Parvati Bhuvan, Vile Parle (E), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mugarlal Manilal Sheth. (Transferor)
- (2) 1. Chunilal Radhashyam Joshi (Transferee)
2. Smt. Sesarbai Chunilal Joshi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 3rd floor, Parvati Bhuvan, Nehru Road, Vile Parle (E) Bombay together with terrace lying adjacent to the flat.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/18185/84-85 on 12-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date : 7-11-1985

Seal:

FORM ITNS

(1) Shri Lekhu Gangaram.

(Transferor)

(2) Vijaylaxmi Lalchanddas Tejuja & Ora.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days after the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-II/37EE/18209/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property at Village Chakala Taluka Andheri bearing S. No. 101, Hissa No. 8, Bombay-56, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

150—366 GI/85

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Chakala Taluka, Andheri, Bearing S. No. 101, Hissa No. 8, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18209/84-85 on 12-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date : 7-11-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay 7th November 1985

Ref No AR-II/37EE/18462/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and being Agricultural land bearing S. No. 25 S. No. 385 & 386 H. No. 4, Village Mogra, Taluka Andheri (L.A.), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-3-1985 market value of the said property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transaction as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the evasion of the liability of the transferor, or any person under the said Act, in respect of any income or assets from the transfer; and

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Ravi Kapoor & Ghanshyam Shewakramani. (Transferor)
- (2) Shachaka Leasing & Investment Pvt. Ltd. (Transferee)
- (3) Transferee. (Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being agricultural land situate at Village Mogra Taluka Andheri bearing S. No. 25, H. No. CS 385 and 386.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/18462/85 on 20-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Harjit Singh Kohli.
(Transferor)

(2) Prem Kumar Anand &
Smt. Anil Kumar Setchi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

**ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY**

Bombay, the 7th November 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

Ref. No. AR-II/37-EE/18516/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 254, Mahakali Road, village Magra, Andheri (E) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 23-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957),

Plot No. 254, Mahakali Road, Village Mogra, Andheri (E), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37-EE 18516/84-85 on 23-3-1985.

THE SCHEDULE

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37-EE/18558/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. D/98 Madhuwana, Godi Kamgar Sahakari Griha Sanstha Ltd. D. N. Nagar, Andheri west, Bombay-58. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay 21-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- | | |
|-------------------------|--|
| (1) Mr. Augustine Dias. | (Transferor) |
| (2) Mr. Francis D'Lima. | (Transferee) |
| (3) Transferee | (Person in occupation of the property) |
| (4) Transferee | (Person whom the undersigned knows to be interested in the property) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. D/98 Madhuwana, Godi Kamgar Sahakari Griha Sanstha Ltd., D. N. Nagar, Andheri West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37-EE/18558/84-85 on 21-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Parle Builders.

(Transferor)

(2) Mrs. Sucheta Suryakant Sawant.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37-EE/18586/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 2, Plot No. 146 Vile Parle (E) Bombay-57.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2, Plot No. 146, TPS 8, vile Parle (E) CTS 1740, Nanda Patkar Rd., Bombay-400 057.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37-EE/18586/84-85 on 26-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Bombay

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Parle Builders.

(Transferor)

(2) Mrs. Madhavi Mohan Bhogle.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37-EE/18587/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 1, Sharda Bhuvan, TPS 8 Vile Parle (E), Bombay-57. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Sharda Bhuvan, TPS 8, Vile Parle, CTS 1740, Nanda Patkar Rd. Vile Parle (E) Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37-EE/18587/84-85 on 26-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Parle Builders.

(Transferor)

(2) Mrs. Madhavi Mohan Bhogle.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37-EE/18588/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 3, Plot No. 146, Vile Parle (E) Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair value believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3, Plot No. 146, Vile Parle CTS 1740 Nanda Patkar Rd. Vilez parle(E), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37-EE/18588/84-85 on 26-3-1985

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Sumer Enterprises.

(Transferor)

(2) Pooja Developers.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37-EE/18655/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing CS No. 1709, Bombay Suburban bearing S. No. 116, Hisa No. 18 Plot No. 277, Vile Parle (E), Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 27-3-1985 property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

City Survey No. 1709, H. No. 18, Plot No. 277, Final Plot No. 287, Vile Parle (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37-EE/18655/84-85 on 27-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Satinder Nagpal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Sudhir R. Gandbhir.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37-EE/18704/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1 00 000/- and bearing No. Plot No. 72, Shere-E-Punjab Co.op. Housing Soc. Ltd., Mahakali Caves Rd., Andheri (East), Bombay-93, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

151—366 GI/85

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

PLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 72, Shere-E-Punjab Co. operative Housing Society Ltd., Mahakali Caves Rd., Andheri (East), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37-EE/18704/84-85 on 28-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM ITNS-----

(1) Shri Thomas D'Souza & Ors.

(Transferor)

(2) Shri Hoshlar Singh & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR-II/37-EE/18125/84-85.—Whereas, I,
PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 64, C Bldg., Cozibom Co. op. Hsg. Soc. Ltd., 251 Pali Hill, Bandra, Bombay-50, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 8-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 64, C Bldg., Cozibom Co. op. Hsg. Soc. Ltd., 251 Pali Hill, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37-EE/18125/84-85 on 8-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date : 5-11-1985

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Mr. L. M. Dudani. & Others. (Transferor)
(2) Mr. N. P. Jatwani & Others. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

Ref. No. AR-II/37-EE/18496/84-85.—Whereas, I,
PRASANTA RAY,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 100,000/- and bearing No.
Office No. 111, 1st floor, Veena Beena Shopping Centre, Guru
Nanak Road, Bandra, Bombay-50,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office
of the Competent Authority
at Bombay on 20-3-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-
ween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the Said Act in
in respect of any income arising from the transfer;
and/or;

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Office No. 111, 1st floor, Veena Beena Shopping Centre,
Guru nanak Road, Bandra, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37-EE/18496/
84-85 on 20-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 5-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. M. J. Mithel.

(Transferor)

(2) Miss. S. D. Baxter.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR-II/37-EE/18684/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 4, Sealite society, 9th Road, Bandra, Bombay-50. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1947 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Sealite Society, 9th Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37-EE/18684/84-85 on 28-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date : 5-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. Lalita Menon.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mohd. Rafik Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay the 5th November 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR-II/37EE/17922/84-85.—Whereas, I,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 00 000/- and bearing No. Flat No. 304, Anrut co.op Hsg. Soc. Ltd., Carter Road, Khar, Bombay-52

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 304, Arut co.op. Ssg. Soc. Ltd., Carter Road, Khar, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/17922/84-85 on 1-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-11-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri C. K. Abichandani.

(Transferor)

(2) Shri S. K. Launganl & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay the 5th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18075/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 55, 5th floor, K'Sara co. op. hsg. soc. Ltd., Plot No. 240, Bali Road, Bombay (W), Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 55, 5th floor, Q'sara co. op. Hsg. Soc. Ltd., Plot No. 240, Pali Road, Bandra (W), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18075/84-85 on 6-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date : 5-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mr. J. B. Metha.

(Transferor)

(2) M/s. Prudential Builders.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay the 5th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18547/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 3, 9th floor, A Wing, Kanti Apartment, Mt. Mary Road, Bandra (W), Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
Seal ;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 9th floor, A Wing, Kanti Apartment, Mt. Mary Road, Bandra (W), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18547/84-85 on 21-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date : 5-11-1985
Seal ;

FORM ITNS

(1) Mr. A. R. Chauhan.

(Transferor)

(2) Mr. Raj Gulati & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay the 5th November 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-II/37EE/18580/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No 5, Ram Niwas, 2nd floor, 14th A Road, Khar, Bombay-52

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect to any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 5, Ram Niwas, 2nd floor, 14th A Road, Khar, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18580/84-85 on 26-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 5-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37G/3757/Mar.85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land with structure thereon bearing Plot No. 61-A, C.S. No. 1/1666 of Mahim Division, Dadar, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the date of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
152—366 GI/85

- (1) Shri Gov'ng Shantaram Pokle &
Smt. Tara Bai Shantaram Pokkale. (Transferor)
(2) Shri Ashok Prabhakar Mastakar. (Transferee)
(3) Tenants. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. Bom 2698/83, and registered with the Sub-registerar, Bombay on 11-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-I//37G/3759/Mar.84-785.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land with structure bearing final Plot No. 8 of Santacruz TPS No. II and S. No. 24, Plot No. 5(P.) and Plot No. 7 (Part), Juhu Tara Road, (Juhu, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 19-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1) Shri H. K. Rohira
Miss Indira Hariram Rohira &
Miss Pushpa Hariram Rohira.
(Transferor)
- 2) Shri Nana Lal Bhanji Laxman &
Bhanji Laxman Khara.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No.R-905 of 1972 and registered with the Sub-Registrar, Bombay on 19-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY**

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II37EE/37G/3760/Mar.85 Whereas, I, **PRASANTA RAY**, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 12 of Suburban Scheme VI, Danda, situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bombay on 16-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Rahimtulla Jusab Chinwala. (Transferor)
2) Bandra Mon Desir Co-operative Housing Society Limited. (Transferee)
(3) Members of the Society. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-20/80 and registered with the Sub-Registrar, Bombay on 16-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

153—366 GI/85

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref No. AR-II/37G/3762/Mar.85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, bearing a fair market value exceeding Rs. 10,000/- and bearing Land with structures and bungalow known as FAZAL HOUSE, on Old City survey No. 49 to 52 New CS. No.B/226 Village Bandra, B&D District Bombay (and more fully described in the Sub-lease deed hereto), has been transferred under the Registered Deed No. S-81/82 of 1982 in the office of the Registrar at Bombay on 16-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Smt. -Amina Roshanali Contractor,
Fazal Roshanali Contractor,
M. R. Contractor and
A. R. Contractor.

(Transferor)

(2) Smt. Yashmin Akhtar Imam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

E/P/NOTATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-81/82 and registered with the Sub-Registrar, Bombay on 16-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Bombay

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-II/37G/3829/Mar.85 —Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), and after referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 100,000/- and bearing Portion of land of property bearing S No 51, H No II & C-8 to 12 at Mahakali Road, situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrar of the said City at Bombay on 20-3-1985 for a consideration which is less than the fair market value of the said property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the evasion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, or respect of any income arising from the transfer; and

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely,—

(1) Shri Terrence M. Nanes,
Janet M. Nanes,
Godfrey M. Nanes,
Judy Gonsalves,
Mrs. Ovita Lewis and
Russel M. Nanes.

(Transferor)

(2) Shri Girijashankar B. Yadav.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

(4) Transferor.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 8-1605/84 and registered with the Sub-Registrar, Bombay on 20-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date : 7-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Apex Engineers & Fabricators.

(Transferor)

M/s. Qamar Fabrication Works.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref No. AR-II/37G/18355/84-85—Whereas I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 669B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Industrial Shed No. 17, Phase No. I, Shiv Shakti Indl. Estate, Off Marol Village, Bombay-400 059 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—
persons, namely :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and / or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Shed No. 17, Gr. Fl., Phase No. I, Shiv Shakti Industrial Estate, Sl. No. 79, H. No. 15 & 80 H. No. 1, Off Marol Village Off Andheri Kurla Road, Andheri (E), Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18355/84-85 on 16-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date : 4-11-1985

Seal:

FORM ITNS

- (1) Shah Plastic. (Transferor)
 (2) M/s. Aditi Textile (Transferee)
 (3) Transferee. (Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37FE/18361/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing Gala No B-27, Grikunji Industrial Premises Co.op Society Ltd. Andheri (E), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Gala No B-27, Grikunji Industrial Premises Co.op. Society Ltd. Mahakali Caves Road Andheri (E), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II/37FE/18361/84 85 on 16-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

154—366 GI/85

Date 4-11-1985
Seal ;

FORM ITNS

(1) Smt. Kamoo Bhatnagar.

(Transferor)

(2) M/s. P.R.R. Industries.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18441/84-85.—Whereas I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. A 109, 1st floor, Ansa Industrial Estate Saki Vihar Road, Andheri (E), Bombay-72 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. A. 109, 1st floor, Ansa Industrial Estate, Saki Vihar Road, Andheri (E), Bombay-400072

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II/37EE/18441/84-85 on 20-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Davinder Singh M. Kochar.

(Transferor)

(2) Shri Mithoomal Kishindas Bhatia.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/17990/84-85.—Whereas, I, Rs. 1,00,000/- and bearing being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 8 'B' Building, Sukhdayak Co.op. Housing Society Ltd. Bamanpuri, Andheri (E), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8 'B' Building, Sukhdayak Co.op. Housing Society Ltd. Bamanpuri, Andheri (East), Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/17990/84-85 on 6-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date : 4-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18714/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1 00,000/- and bearing Flat No. 201, 2nd floor, 'Nalanda' Vile Parle (East) Bombay-400 057 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Nirmal Gopinath Sabu.
(Transferor)
- (2) Smt. Mangla Natwarlal Parikh &
Smt. Bhavana Vijay Parikh.
(Transferee)
- (3) Transferee.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette..

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd floor, 'Nalanda', Malaviya Road, Extension & Mahant Road, Extension, Vile-Parle (East), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18714/84-85 on 1-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date : 4-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37-EE/18133/Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 202, Bldg., No. 4, Agadi Nagar Co.op. Hsg. Soc. Pump House, Andheri (E) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 8-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Dawood Ahmed Irfani. (Transferor)
- (2) Shikh Mohiddin Shaik Rajjab. (Transferee)
- (3) Transferee (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202, 2nd Flr., Building No. 4, Aghadi Nagar, Co-operative Housing Soc., Pump House, Rajmata Jijabai Road, Andheri (E), Bombay-400093.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37-EE/18133/84-85 on 8-3-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date : 4-11-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Jayshree Builders.

(Transferor)

(2) Shri Biharilal B. Sapra,
and Mr. S. Jaya B. Sapra.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-II/37-EE/18214/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 202 Pushpak Apartments 147 Malaviya Road, Vile Parle (E), Bombay-57. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 12-3-1985 for an amount consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Flat No. 202 Pushpak Apartment 147 Malaviya Road, Vile Parle (East), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37-EE/18214/84-85 on 12-3-1985.

PRASANTA RAY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date : 4-11-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BIHAR,
BORING CANAL ROAD,
PATNA-800 001

Patna-800 001, the 8th November 1985

Ref. No. III-1006/Acq/85-86.—Whereas I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Khata No. 1, Touzi No. 15/11, Holding No. 127, Ward No. 1, P. S. No. 94 situated at Mouza Bhandaridih, P. S. & Dist. Giridih has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Giridih on 26-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Pennamma W/o
Shri Tenu Belis Thomas Tangachhan, R/o
Vill. Bhandaridih, P. S. & Dist. Giridih.
(Transferor)
- (2) Shrimati Bibi Phatma Khatoon W/o
Shri Ahmad Gaddi, R/o
near Taxi Stand, Deshbandhu Talkies,
Jharia, Dist. Dhanbad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2½ decimals bearing khata No. 1, touzi No. 15/11, holding No. 127, Ward No. 1, P. S. No. 94 situated at mouza Bhandaridih, P. S. & Dist. Giridih and morefully described in deed No. 3623 dated 26-3-85 registered with D. S. R. Giridih.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 8-11-1985
Seal :

